

JUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 39}

नई बिस्लो, शनिवार, सितम्बर 29, 1984(आश्विन 7, 1906)

No. 39) NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 29, 1984 (ASVINA 7, 1906)

इस भाग में भिग्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के का में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

माय 111--वय 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Rulways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्लो-110011, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० ए० 19014/3/84-प्रशा० I——कै० स० से० के ग्रेड । की वर्ष 1983 की चयन भूची में सम्मिलित संचार मदालय के संवर्ग में स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री आर० एस० घेरा की राष्ट्रपति द्वारा 4 अगस्त, 1984 के पूर्वाह्म से आगामी आदेणों तक कार्मिक ग्रीर प्रणासनिक सुधार विभाग के का० शा० सं० 4/14/74/83-सी० एस० (1) दिनाक 4-1-1984 के अध्यधीन संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर महर्ष नियुक्त किया जाता है ।

सं० 19014/4/84-प्रणा० I—-राष्ट्रपति वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग में स्थानापन्न अवर सचित्र श्री मुरेन्द्र कुमार की, जो के० म० मे० के ग्रेड II में वर्ष 1983 का चयन सूची में सम्मिलित कर लिये गए है. मंघ लीक मेवा आयोग के कार्यालय में 7 अगस्त 1984 (पूर्वाह्र) मे, फार्मिक एवं प्रणासनिक मुधार विभाग के का० जा० म० 4/14/83-सी० एम० (1) दिनांक 4-1-1984 के पैरा 2 के अधीन आगामी आदेशों तक, अवर मचित्र के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 अगस्त 1984

सं० ए० 32011/1/83-प्रणा० 1--राष्ट्रपति संघ स्रोक भेवा आयोग संगं के के० स० से० के निस्तलिखित स्थायो अनुभाग अधिकारियों को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से अपर सचिव के पद पर नदर्थ आधार पर निस्त प्रकार सहर्ष नियुक्त करते हैं ---

क्रम सं० अधिकारी का नाम	नियुक्ति की अवधि
1. श्री डो० आ४० मदान . 2. श्रा मुकुल चटर्जी	3-7-84 मे 30-7-84 तक 3-8-84 मे 16-9-84 तक 35 दिनों का अबिके लिये अयवा ऐसे समय तक जब तक कि नियमित अधिकारो पद नहीं संभालता जो भी पहले हो ।

दिनाक 18 अगरन 1984

स्वां अ 32011/1/83-प्रणा०—1—स्य लोक मेया आयोग के का यां लय में कें व सब मेव मंदर्ग के निम्नलिखित स्थार्या अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा 13-7-84 से 26-8-84 तक 45 दिनों को अवधि के लिए अथवा आगामी आदेणां तक, जो भो पहले हो कें व सब मब्द के पर पर नदर्थ आधार पर स्थानापन्न स्प मे कार्य करने के लिए सहर्प नियक्त किया जाता है ——

सर्व श्रो

- 1. बाँ० एन० अरोडा, के० स० से०
- 2. आई० पी० तुली, के० स० मे०
- उ के ० एल ० मुरी, के ० स० मे ०
- 4. बीं । डा शर्मा, के निक्से व

दिनांक 24 अगस्त 1984

मं० ए० 32014/1/84(i) -प्रणा० I—- संघ लोक सेवा आयोग के संघर्ग में निम्निलिखित विष्टि वैयक्तिक सहायकों (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) को राष्ट्रपित द्वारा उनके नाम के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेणों तक, जो भी पहले हो, उमी संवर्ग में निजी सचिव (के० स० स्टे० का ग्रेड क) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए सहर्थ नियुक्त किया जाता है •:—-

प्र० मं० नाम	अवधि
1 2	3
1. श्रो आई० एन० शर्मा	11-7-84 से 8-10-84 नक
2. र्श्वा तरसेम सिंह	17-7-84 से 8-10-84 तक

.2 उपर्युक्त व्यक्ति यह अवगत करलें कि निजी सचिव (के० स० स्टे० से० का ग्रेंड क) के पद पर उनका नियुक्ति तदर्थ आधार पर है ग्रौर इससे उन्हें के० स० स्टे० से० का ग्रेंड के से विलियन अथवा उक्त ग्रेंड में विरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा । उनकी नियुक्ति कार्मिक ग्रौर प्रणासिक मुधार विभाग के अनुमोदन के अध्यक्षीत हैं।

सं० ए० 32014/1/84 (¹¹) प्रणा० I—संघ लोक मेवा आयोग के संवर्ग मे के० स० स्टे० से० के निम्नलिखित वैयक्तिक सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा उनके नाम के सामने निर्विष्ट अविध के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में नदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक

(कें ० स० स्टे॰ मे० के ग्रेड स्त्र) के पद पर रयानापन्न स्प में कार्य क्लने के लिए सडर्ष नियुक्त किया जाता है :--

ऋ० मं०	नाम	अवधि	अभ्युक्ति	

सर्वश्रः

- 1. एच० ग्री० मदान 13-8-84 से नियमित रिक्ति के 8-10-84 तक स्थान पर
- 2. वी०पी० महाजन 22-8-84 से --वही--8-10-84
- 3. आर०पी० इंग 11-8-84 से श्री आई० एन० मर्मा 8-10-84 तक नि० मे० के पद पर तदर्थ आधार पर पदोक्षत हो जाने पर उनके स्थान

पर

- 4. श्रीमिति सरीज के०कपूर 17-8-4 से श्री तरसेम सिंह केिनि० 8-10-84 तक स० के पद पर तदर्थ आधार पर पदीन्नत उनके स्थान पर ।
- इनकी नियक्ति कार्मिक श्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग के अधीन है।

दिनांक 25 अगस्त 1984

सं ०.ए० 19011/3/84-प्रणा० I—राष्ट्रपति संघ लोक मेवा आयोग के कार्यालय थी पो० मो० होता, भा० प्र० मे० झो० आर०: 62) को अतिरिक्त सचिव, संघ लोक मेवा आयोग के पद पर रू० 2500—125/2—2750 के वेतनमान में 17 अगस्त, 1984 (पूर्वाह्म) मे आगामी आदेशों तक महर्ष नियुक्त करते हैं।

एम० पी० जैन, अवर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रोय सप्तर्कता आयोग

नई दिल्लो दिनोक 4 सितम्बर 1984

मं० 2/1/83-प्रणासन--इस आयोग की अधिसूचना मं० 2/1/83-प्रणासन दिनांक 14-8-84 के आणिक संशोधन में, केन्द्रीय सनर्कता आयुक्त एतद् द्वारा केन्द्रीय सनर्कता आयोग के स्थाई महायक, श्री जगदीण चन्द्र कपूर को इस आयोग में स्थानापन रूप मे अनुभाग अधिकारी के पद पर 14-8-84 मे अगते आदेश तक नियुक्त करते हैं।

बक्षा दम्म, अवर समिव, कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय कार्मिक एव प्र० सु० विभाग केद्रोय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1984

स० के०--71/66-प्रशासन-5---निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्रो कृष्ण नारायण, उप विधि सलाहकार, केंद्रे।य अन्वेषण ब्यूरो, नई विल्ली दिनांक 31 अगस्त 1984 के अपराक्क से सरकारी नौकरी से सेवा निवृत हो गए।

दिनांक 5 सितम्बर 1984

स० ए० 19036/14/76-प्रशासन-5--केंद्र)य अन्वेषण क्यूरों में पुलिस उपार्धाक्षक श्री आर० एन० मुंखर्जी की सेबाएं प्रतिनियनित पर सतर्कता उप निवेशक (एम) के रूप में नियुक्ति के लिए, दिनांक 31 अगस्त, 1984 के अपराह्म से, रेलवे मन्द्रालय (रेलवे बोर्ड)/नई दिल्ली की सौपी जाती है।

राम स्वरूप नागपाल प्रणासनिक अधिकारो (स्थापना) केंद्रोय अन्वेषण ब्यूरो

केंद्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगणाला

नई दिल्ली, दिनाक 3 सितम्बर 1984

म० 1-25/71-मी० एफ० एस० एल०-7377-- श्री एस० के० दाम गुप्ता, विष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी नई दिल्ली से 31-8-84 (अपरान्ह) को सेवा निवृत होने पर पद से भार मुक्त किया जाता है।

आर० एम० नागपाल, प्रणासकीय अधिकारी (इ), केंद्रीय अन्वेषण क्यरी

समन्वय निवेशालय (पुलिस बेतार)

नर्ड दिल्ली-3, दिनाक 21 जुलाई 1984

सं० ए०-15013/37/79-प्रशासन—केन्या सरकार की विदेश प्रतिनियुक्ति से परावर्तन होने के फलस्वरूप अतिरिक्त सहायक निदेशक श्री एल० बी० पंजा ने 9 दिन का कार्य-ग्रहण समय लेने के उपरान्त 25-6-84 (पूर्वाह्र) से इस निदेशक्य में अपना कार्य ग्रहण कर लिया है। उन्हें केन्या सरकार से उनके दिनांक 19-6-84 के पत्र सं० 001115/192 द्वारा 16-6-84 से भार-मुक्त किया गया था।

बी० के० दुबे, निदेशक, पुलिस दूरसंचार पुलिस अनुसंधान एव विकास ब्यूरो .

नई दिल्ली, दिनाँक 4 सितम्बर 1984

मं 18/15/83-प्रणा०-II—दिनांक 18-8-83 समसंख्यक अधिसूचक के कम में श्री एन० के० लाहिरो, पुलिस उप अधीक्षक (प्रणिक्षक) केंद्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल कलकत्ता की प्रतिनियुक्ति पूर्व णर्ती के अनुसार 1 वर्ष के लिए 19-6-84 तक बढ़ाई जा रही है।

एस० के० महिलक, महानिदेशक

नई दिल्ली-3. दिनाक 3 सियम्बर 1984

मं० 13/5/84-प्रणा०-1—महानिदेणका, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो, नई दिल्ली, श्रो नन्दलाल, निरीक्षक की 650-30-740-35-810—द० रो०-35-880-40-1000—द० रो०-40-1200 के वेतनमान मे दिनाक 3 सित-स्वर, 1984 मे ब्यूरो में तदर्थ आधार रूप से उप-पुलिस अर्धाक्षक के पद पर सहर्ष नियुक्त वारते हैं।

हो० मजुमदार, संयुक्त सहायक निदेशक

महानिदेशालय के० रि० पु० बल नई दिल्ली, दिनावा 3 मितम्बर 1984

स० ग्रां० दो०-908/71 स्था (के० रि० पु० बल) ----श्री बां० के खुल्लर, गहायक गमान्द्रेट का देवान्त दिनाक 5-7-84 को हो गया है। उन्हे दिनाक 6-7-84 पूर्वाह्न मे पुलिस की गणना मे हटा दिया गया है।

> एम० पर जञ्जमाला, सहायक निदेशक (स्था०)

महानिवेशक, केन्द्रं(य श्रीद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 30 अगस्त 1984

स० ई०-16013(2)/4/84-कार्मिक--प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, श्री के० जी० गीराल कुळा, मा० पु० मे० (तिमलनाडु : 73) ने 16 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्न से के० ग्री० मु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ला में कार्यभार सभाल लिया है-और उन्हें के० भी० मु० ब० यूनिट, "गार" सेन्टर में तैनात किया गया था जहा उन्होंने 23 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्म में के० ग्रीर० मु० ब० यूनिट "गार" सेन्टर के कमाईट के पद का कार्यभार सभाल लिया।

दिनाक । सितम्बर 1984

स० ई०-16013(1) 178-क्रामिक-वाल्य० (11)-मिणपुर और तिपुरा काङर के भारतीय पृक्षिम मेत्रा अधिकारी, श्री बी० आर० सूर की के० ग्री० सु० व० में उपमहानिरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्ति विषय पर जारो की गई

भारत-राजपत्न कं, दिनाक 3 अगस्त, 1978 कः अधिसूचना सं० ई-16013(1)1/78-कार्मिक के सन्दर्भ मे, राष्ट्रपति श्री, बी,० आर० सूर, भा० पुरु से० (मणिपुर श्रीप विप्रा 1954) को 10-7-1978 के पूर्वाह्म में 1-6-83 तक क 2500-125/2-2750 के विदनभाग में, केर और मूर्व के महानिर्दक्षण के रूप में नियक्ति करने हैं।

मं० ई०-16013(2)/1/82 अर्मिक--राज्य काडर को प्रत्यावितित होने के फलस्वरूप श्र. ग्री० एस० सिंह, भा० पू० से० (हिमाचल प्रदेश / 73) ने 23 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्य मे के भार्या भे व ब युनिट "मार" मेन्टर के कमांडेंट के पदका कार्यभाग छोड दिया।

स० ६०-38013/(4)/18/83-फ़ार्मिक--राष्ट्रपति, के० स्रों न् ब ब , युनिट एफ ब , प प , फ क्का के सहायक कमां छेंट (तदर्थ) श्री आर० पे.० सिंह को 30 अगस्त, 1983 पूर्वाह्म से निरीक्षक के रैक में प्रत्यावितित करते है । निरा-क्षक के रूप में प्रत्यावितित होने पर उन्हें के अपीर सुरु बर युनिट, आर० एस० पं.० राउपकेला में तैनात किया गया

सं० 32015(3)/7/84-क्वामिक--राष्ट्रपति, श्र. तस० सी० लालको 22 अगस्त 1984 के अपरा**ह्न** से 26 सितम्बर, 1984 तक या ऐसे समय में नियमित नियक्तिया होने तक. जो भा पहले हो, पूर्णतया तदर्थ आधार पर केंद्रत्य श्रीद्योगिक सुरक्षा बल मुख्यालय. नई दिल्ली में अग्थायी तौर पर सहाय ह महानिरीक्षक (ब्यवस्था) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनाकः । सितम्बर 1984

स० ई०-16013(2)/3/84-कार्मिक--प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, श्री प्रणय सहाय, भा० पू० मे० (मिलपूर श्रीर त्रिपुरा . 75) ने 13 अगस्त, 1984 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय प्रौद्योगिक सुरक्षा बल मुख्यालय, नई दिल्ला मे कार्य-भार संभाल लिया श्रीर उन्हें के० श्री० सु० ब० यूनिट, बा० साल्मा० एल० झूरिया ने तैना किया गया जहां उन्होंने 24 अगस्त 1984 के पूर्वाह्म मे कें० ग्रीं० मृ० व० यूनिट, बारु सारु सारु एलरु, झरिया के कमाइंट के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

स० ई०-32015/(3)/5/84-कामिक--राष्ट्रपति, श्रा एम० एम० थापर को, 16 अगस्त, 1984 के पूर्वाह्न मे पूर्णतया तदर्थ आधार पर श्रीर अस्थाई रूप से 26-9-84 तक कः अवधिकेलिएया इस समय में नियमित नियुक्तिया होंने तक, जाभाषहले हो, सहायक महा निरीक्षक, पश्चिम क्षेत्र, केंद्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा वल वस्त्रई के रूप में नियुक्त करते

सं० ई०-32015(3)/6/84-ऋामिक्य-राष्ट्रपति, श्रा के० के० कील की 17 अगस्त, 1984 के पूर्वीह्न ने. पूर्णतया तदर्थ आधार पर ग्रारअस्थाई रूप से 26-9-84 तक का अविध के लिए या ऐसे भगय में नियमित निमुक्तियां होने सक

जो भी पहले हो, इन्मांडेट, के० ग्रौ० मु० ब० यूनिट, एन० एफ० सा०, बरौना के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-32015(3)/8/84-क्रामिक--राष्ट्रपति, श्रो एस० एल० प्रसाद को 17 अगस्त, 1984 के पूर्वाह्न से, पूर्णतया तदर्थ आधार पर श्रीर अस्थाई रूप से 26-9-84 तक का अर्वाध के लिए या ऐसे समय में नियमित नियक्तियां होने तक, जो भा पहले हो, कमांडेट के० ग्री० मु० ब०, यूनिट, बार्श्सार मार्श्याल अवस्था के रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० ई०-32015(4)/131/84-क्रामिक--राष्ट्रपतिं,**≥**ओ बां० एल० दुरान। को प्रोन्नित पर 21 अगस्य 1984 के पूर्वाह्न से कें० फ्री० सु० व० यूनिट, बा० सी०[सी० एन० झरिया में सहायक कमाडेट के रूप में नियक्त फरते हैं।

सं० ई-32015(4)/135/84-क्रामिक--राष्ट्रपति, श्री सा० के० सिंह की, प्रीन्नित पर, 20 अगस्त, 1984 के पूर्वाहर मे के० ग्रौ० मु० व०, पूनिट, दुर्गापुर स्टांल प्लाट, दुर्गापुर में सहायक कमांडेट के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 सितम्बर 1984

सं० ई०-16013(1)/11/83-क्रामिक--राष्ट्रपति, श्री आर० बालासुब्रमीनयम को, प्रोप्तिति पर, दिनांक 17 अगस्त, 1984 के पूर्वोह्न से केन्द्रीय श्रीद्योगिक मुरक्षा बल में 2000-2250 रुपए के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर, 6 महीने को अवधि के लिए या जब तक कि भर्ती नियमों के अनसार नियमित चयन नहीं किया जाता है, जो भी पहले हो, उप महा-निराक्षका के रूप में नियकत कारते हैं।

> हर अवटनीय महानिदेशक कें ० ग्री० मृ० ब०

भारतीय लेखा पराक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार (ले० प०) महाराज्य बम्बई-400020, दिनाक 2 जून 1984

सं० प्रणासन 1/ले० प०/मामान्य/म० ले० प० अ०/2(1)/1--महालेखाकार (ले० प०)-। महाराष्ट्र, मुम्बई, ने निम्नलिखित अन्भाग अधिकारियों को, पुनमंरचना के अन्तर्गत 1-3-84 अपराह्म से प्रभावित, सहायक लेखापराक्षा अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए, नये लेखा पराक्षा एव लेखा कार्यालयों को आबटिन किया है। अगला आदेश जारा होने तक:---

कर्नर अधिकारा का नाम

कार्यालय जिसमे नियक्त किये

गये हैं। 3 सर्वश्री

 के० एल० मानकर महालेखाकार (ले० प०)-I, महाराष्ट्र, बम्बई

- 2. आए० बा० चीबल
- 3. वा० एन० नारगडकर
- 4. एन० डा० पडीत

1 2	3	$\vec{1}$ 2 3
— -— -— सर्वश्री		सर्वश्र <i>ी</i>
5. ए० ए स० मानोलो	महालेखाकार (ले० प०) महाराष्ट्र, वम्बई	49. ह्वा० के० पंडोत महालेबासा (ले० प०) महाराष्ट्र, बम्बई
6. पी० जी० जोशी) 1	50. सः० नारायणम् ः
7. एम० जी० बारवान।	11	51. पो० के० हुलसोगी
8 वाई० के० नाडकणी	11	द्रक सरेण जेंद्र सेंगां ट
🛹 9. एस० बो० चिटणोस	7.1	53. एम० पाँठ गोपालकुष्णन् ,,
10. एम० डा० कामुरकर	11	दर जोलाव
11. आर० के० लिमये	11	ਰਗ ਅੰਗਰੀਕ ਸੀਨ ਸੀਨ ਕਾਰਿਸ
12. ह्वं ० एस० दामले	+1	56. सरमलकर ,,
13. आर० ऐ०पोतनाम	11	56. सर्माणस् 57. श्रांमित बेबी जॉन ,,
14. एम० के० बर्वे	1)	57. श्रासारा विचा जात
15. एम० एस० करदाकिर	11	58. एस॰ जर्भ स्थाना ,, 59. एम॰ जर्भे सोहोनी ,,
16. के० एन० परवतकर	* *	59. एमें० एमें० धामणकर 60. एमें० एमें० धामणकर ,,
17. जा० आर० हरोदास	1.1	61. आर० संथाना कृष्त ,,
18. जे० जैष्ट० अलबुकारकृ	()	62. डो०ए० पाठक ,,
19. एस० वी० देशपांडे	1.7	62. डाउ एउ पाठक ,, 63. एस० डोउ जयबंत ,,
20. डा० आर० सरदेसाई	1.	
21. एस० जा० रेगो	11	64 एम् विशेष देशपांडे ,,
22. एम० यू० ऋामन	1.1	65 ह्वी०आर०राजवाडे ,,
23. कुमारी एस० चेंगामल	11	66. एन० जा० चौबल 67. पो०एम० क्वें ,.
24. आ४० व्यंक्टकृष्णम	11	
25. एन०जे० मीवरामन	, ,	68. पी० गुन० कुलकणीं ,, 69. के० आप० णेडयें ,,
26. ह्वा० जी० वेशपाडे	11	70. कु० डो० पो० भयानी
27. डा०बी० सालकर	11	70. कुं डाल पार स्थापा 71. कें डाल पाटणे ,
28. एम० जो० टोल	11	71. कर दार पाटन 72. आरु एन० मुलबगाल निदेशक, लेखापरीक्षा,
29. पा० ह्या० येडेरंकर	11	र्वे एवं वार्वभाग
30. के० ड₁० पाटलेघर	11	72 मंगेर सांट हतें
31. डॉ॰ डॉ॰ कुलकर्णी	• 1	त्र । श्रीकरणाः जोर् जोगोर
32. एम० ह्वा० मावन	11	75 आप्रु बेस्स
33. इ.० एम० वर्तक	11	5 c
34. के० एच० मेहता	1 7	77 1140 270 1153
35. पा० एन० बादलानो	11	न्य केंद्र होत् ग्रोह
36. र्जा०एन० देसा ई	,,,	न को को अध्यास्त्रवा
37. ह्विं।० पां० लेले	11	80. पी० डा० मेनन ,
38. डॉ० रामचन्द्रन	11	81. एम० पा० हरोहरपुत्रण
39. कृ० एस०स₁०पजवानी	17	82. आर० के० मालाडकर निदेशक, लेखापर्शक्षा, केंद्रीय
40, एस० डी० जीशा	* *	सम्बर्द
41. पी० ह्वी० गोपालक्षरणन	1)	_
42. एस० ह्वा० कणिक	11	83. आर० वंद्यनाथन
43. पी० पी० पिपलीकर	• •	84. बो० आर० दातार
44. एम० एम० हिरवे	* 1	85. एस० डी० पतंगे ,,
45. एम० एस० मुरक्र	+ 1	86. एस० ह्वा० फेगडे
46. डी० जी० वर्गीस	7 7	87. श्रीमती एल सुंदराम्बाल
47. बंक्क एस० बने	1.	88. श्रीमत्ती सा० आनन्दावल्ली
48. के० राशाक्र <mark>ुष्ण</mark> न		89. सकरानारायपान

1 2	3	1 2 3
 सर्वेश्री		सर्वश्रो
90. टी० एन० वेंकटरामन	निदेशक, लेखापरीक्षा, केन्द्रीय बम्बई ।	134. मा० इ० श्रानिवासन निदेशक, लेखापरीक्षा,केंद्रीय बम्बई
91. एम० वाई० केंणो	* *	135. एस० एस० वाडके ,,
92. जी० रतनम	* *	136. बं ं एस० देशपंडि
93. ह्व्वां० एस० नवाथे	11	137. आर० सुदरेसन ,,
94. ह्वीं० जी० मुर्वे	11	138. ह्वां० डां० मानीनकुर्वे ,,
95. आर० पी० पाटील	1.1	139. एन० एस० जमादार ,,
96. एम० एम० आंबेकर) 1	140. एम० बी० पाठारे ,,
97. डी० एम० खानोलकर	11	141. बी० डी० पालव ,,
88. एम० जे० कांडे	, ,	142. श्रोमती ए० बी० रॉय ,,
99. ह्या० श्रीनिवासन	11	143. के० मो० पालुस्कर ,,
100. एम० वो० वरोयर	,,	144 आर० जो० दोंडे ,,
101. एस० ह्वां० रामपुरे	1 †	145. वो० टी० काबनूर ,,
102. पो० के० पाटील	11	146. एस० एस० पाटील
103. एम० खो० विश्वासराव	11	। या सम्बद्धाः के व्यासन्तरम् । स्टब्स्ट्रांसिक्ट
104. एन० डो० जावाली	11	१ १० भी लगी गाम भारतसम्ब
105. ए० डी० नटराजन	I •	1.10 अस्तानी साह _े से असम्बद्धार
106. एस० एस० मेघरजनो	11	ico atta r io tiet
107. एम० ह्वा० अन्ने	1.0	रहर कर लोक सम्बद्धाः
108. पंरि एमे अस्दोकर	11	150 HEA WITA BITH
109. ह्वां० पां० कुलचंद्रा	**	142 को गर्नर मो अनेपारियो
110. आर० एस० हेगड़े	11	१८६ भूमा आगि सामर
111. एस० जे० कुंदनानी	11	१८८ सम्बद्धाः हे । सामन्त्रम
112. सी० एम० कृष्णन्	1.9	1 c c П⊅ के असे हम
113. जै० एन० मराठे	1)	1 c
114. एन० जॉयकुट्ट।		157. ए विक्यतायत ;; 158. डी० ए० बानावली ;;
115. जी० के० नेन	, 1	159. आर० जो० मालवणकर
116. एस० एस० संकेश्वर	,11	160. बाईं मेमुअल
117. एम० एस० सन्नाभड़तो	,,	
118. संि नारायणन्	,,,	161. कु० एस० डी० वासवानी ,,,
119 .डी० जी० पाटील	11	162. एल० एस० कृष्णन् ,,
120. जॉर्ज कोर्मा	7.1	163. जे० पी० जगदीम रत्नम ,,
121. टी० भास्करण	11	164. के० जी० विजयाधरण
122. श्रीमती एलिझाबेथ चेरीयन	, , ,	165. के० ह्याँ० खानी। ,,
123. जै० पी० भक्षी) I	166. वीर एम० आसवानी ,,
124. जे० ए० स्त्रान	1)	167. एस० जे० अजिरलेकर ,,
124. ज॰ ए॰ जान 125. सी॰ एच॰ शाहानी	' '	168. श्रोमती रमानी सी० अय्यर ,,
	, ,	169. के० टो० सोमसुंदरम ,,
126. ह्वीं० एम० कीरकींड 127. सोमण झाकरीयास	τ,	170. श्री मती आर० जे० आलु-
	1)	्वालीया 🤰 💢 🕠
128. श्रीमती फलोरीया अय्यर		171. एन० गुस० जगझापे ,,
129. डी० जो० नायर	17	172. श्रीमती के० विजयालक्ष्मा 🕠
130. बी० आर० देशपांडे	1 1	173. आर० ए० भिडे र्ी महालेखाकार (ले० प०)-II;
131. के० एस० स्वामीनाथन	11	महाराष्ट्र, नागपुर
132. মীত অতি সাকুপ ————————————————————————————————————	7 '	
133. एन० एव० पाडुरंगी	11	174. एस० डा० कुलकणी ,,

1 2	3	1 2	3
सर्वधोः		सर्वश्र _ा	والمستحدد فينا المستحد ومناهرات مستخدم المستحدد المستحدد المستحدد المستحدد المستحدد المستحدد المستحدد المستحدد
175. एस० एम० हातवालने	महालेखाकार (ले०प०)-II, महाराष्ट्र, नागपृर ।	218. एस० ह्वां० कुलकर्गी	महालेखाकार (ले० प०) II, महाराष्ट्र, नागपुर ।
176 एल० सी० माह	1 1	219. सो० एम० पेशवे	
177. के० जी० जीगा	Fτ	220. वी० कै० भींसले	7 1
1,78. एम० पी० डावरे	1.1	221. सी० एस० वाकरे	* *
179. आर० सुक्रमनियन	1 7	222. बी० आर० काले	11
180. आर० के० श्रीयास्तव	1.1	223. पी० के० मारपट्टीबार	Ţ
181. आर० पी० देवरम	11	324. ए० यू० कारपाने	
182. बी० एन० बायवार	1.5	225. डो० के० दिवानजा	,,
183. जी० एम० मातोडे	11	226. डब्ल्यू० एन० नाईक	7.7
184. पी० एम० श्रोगले	1,1	227. डब्ल्यू० जं1० गुंडालकार	11
185. श्री व्ही०एन० जोशी	,,,	228. डो० आर० शिलेदार	17
। 86, श्री एम०जी० पांगडे	71	229. एस० एत० बादगय्या	* 1
187 श्री एन०व्ही०गोडवोले	n	230. एस० ए० पितले	11
88, श्रीमयदमानसूर प्रली	11	231. एस० रामचन्द्र अय्यर	17
189. एस० डी० भिडे	1 +	232. डो॰ वाई॰ हिंगनीकर	,,,
190. एस० पी० जोशे	T 1	233. एच० के० सावंगीकर	11
191. ह्वी० एम० कॉले	1 1	234. बों० वाई० बुजोने	11
192. एम० ए० पेंडर्के	11	235. बा० बाई० उपाध्ये	1.1
193. एम० डी० भालेराव	* 1	236. एस० पी० देवरस	,
194. सी०एन० देव	11	237. एम० आर० गाह्	7.1
195. टी॰ पी॰ उमप	1)	238. एस० जी० देशपांडे	1.7
196. के० विजयानरसिम्हण	• 1	239. ह्यो० एन० जानकीरामन	* *
197. एस॰ डी० आंबास्कर	1 7	240. पं०ि एस० तागलपस्लोबार	11
198. बी० बी० जाकर	7.7	241. के० एन० मोहने	7.1
199. बी० डब्स्यू० लोहीतकर	17	242. एस० एन० जोशी (॥)	J 1
200. मी० जी० वैद्यनाथन	, ,	243. एस० एल० मित्रा	**
201. डी॰ एम॰ जोश।	11	244. डी० वाई० पत्की	71
202. एम० के० बनर्जी	1.1	245. ए० जे० दवडे	7.7
203. एम० एन० गडकरी	11	246. आर० बी० मांगे	y s
204. डी० के० आपटे	7.7	247. एन० डी० दोतखानी	11
205. श्रीमती पी० पी० चांदेकर	,,	248. डी० बी० जुगाडे	1
206. डी० बी० चांफल	, ,	249. एस० एम० श्रीवती	
207. ह्वी० एम० दिवेकर	• •	250. एन० वाई० सोइतकर	3 5
208. ए. आप० मींथे	11	251. ए० डब्ल्यू० गोखले	• •
209. आर० के० पार्स्यः	11	252. जी० पी० महाखीडे	**
210. डी० बी० देशमुख	**	253. बी० एम० दहीकर	71
211. एस० ह्वा० मुले	+ 7	254. डी० के० काने	11
212. एन० बी० ठाकुर	. 11	255. के० एस० तेलंग	.,
213. पी० बी० वामक	+1	256. एम इ.० मिश्रा	, •
214. पी० एस० अपराजीत	**	257. आर० एल० बादकाम	, .
215. सं१० एल० नारायण राव	**	258. मी० जा० आटबले	
216. के० पी० देवदासन	11	259. ह्यां० एस० मोहारीकर	
		260. बाई० डब्ल्यू० पाठक	""
217. सी० अरविन्दक्क्षन	, ,	४००, वाइ० डस्प्यूठ पाठक	

1	2 3
261. के० टॉ० संगोतसाव	महालेखाकार (ले० ५०)
262. एम० बार्वा	।।, महाराष्ट्र, नागपुर
263. के० एच० पेडके	11
,	7.7
264, एन० ए० श्रंजूम	11
265. मी० डी० नोपल	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,
266. आर० एल० नेरकर	1)
267. आए० के० अलकारी	
268. एन० बाल(सुन्नमनीयन	
269. बं ं० जे० पटवर्धन	* 1
270. व्हो० के० वामोरक्रर	11
271. सं ० एस० मानेकर	17
272. डी० व्हो० नाईक	"
273. ए० के० चंदनखेडे	
274. बं(० आर० पांडे	* *
275. एच० ए० भाष्मा	7.1
276. एन० एन० भाटबडेक	
277. के० आर्० पत्का	1.7
278. मा० व्ही० रायपुरे	11
279. आर० एन० रामटेके	
280 पाँ० पाँ० ग्रंजानकर	11
281. जै० ए० राक्यू	महालेखाकार (ले० प०),
, ,	1, महाराष्ट्र वस्वई
282. एम० बंदि कोठेकर	***
283. सी० के० जोशी	11 *
284. वाई० डो० जोणी	3.7
285. हों० प्रब्लयु० घोगें	, ,
286. एस० एन० गोरेगांवः	हर ,,
287. साई० डी० शिवणा	τ ,,
288. एस० कॉ० ठाकरे	* 1
289. एम० के० मागदेव	* *
290 बी० पी० फुलझेले	, ,
291. श्रीमती एस० आर०	नायर ,,
292. डॉ॰ एस॰ संगणेकर	1.7
293. इं.० एन० बर्वे	* 1
294. के० एन० कारम्ड	1 t
295. टो० आर० पांचपाके	सन ,,
296. एस० व्हा० राझेफर	17
297 डी० आर० बोडास	11
298. के० पी० गीर्धवानी	"
	**
299. घो० डब्लयू० गबाले	7.1

अ० **क० संताराम.** वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशासन कार्गालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा), पश्चिम बंगाल कलकत्ता, (स्थानाय लेखा पराक्षा विभाग)

कलकत्ता-11, दिनांक 30 जुलाई 1984

आदेश

कार्यालय आदेण मं० एल० ए०/प्रशा०/पुनगर्छन/948/
142-भारतीय लेखा परीक्षा विभाग में मंदगों के पुनगर्छन के फलस्वरूप, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) पिष्णुम बंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्ग में स्थित श्री पलक राय चौधुरी अनुभाग अधिकारी की, स्थानापन्न रूप में सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के उच्चतर येतनमान रू० 650-30-740-35-880-उ० रो०-40-1040/- पर दिनाक 29-5-81 के पूर्वीह्न या उसके बाद उन्होंने बस्तुत: सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी की है स्थित से कार्यभार संभालते हैं जिस दिनांक, उस दिनांक, से नियक्त का जाती है।

 प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती द्वारा उत्तरवर्ती प्रोधिति के समय के गर्त यथोचित परिवर्तन के साथ लागू रहेंगे।

कार्यालय म्रादेश सं० एन० ए०/प्रणा०/पुनगर्ठन/१४६/
143—भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में संधरों के पुनर्गठन के फलस्वरूप, कार्यालयू महालेखाकार (लेखा परीक्षा), पश्चिम बंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्ग में स्थित श्री रवीन्त्र नाथ दाम म्रानुभाग म्राधकारी को, रथानापन रूप से सहायक लेखा परीक्षा म्राधकारी के उच्चतर वेतन मान ए० 650-30-740-35-880-द०रो०-40-1040/-पर दिनांक 29-5-1984 के पूर्वाह्म या उसके बाद उन्होंने वस्तुत: सहायक लेखा परीक्षा म्राधकारी की है सियत से कार्य भार संभावते हैं। जिस दिनाक, उस दिनांक से नियुक्त की जाती है।

 प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोक्षति के समय के गर्न यथोचित परिवर्तन के साथ लागू रहेंगे।

कार्यालय श्रादेण मं० एल० ए०/श्रणा०/पुनगर्छनं/946/144—भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग के संवर्गों के पुनगर्छन के फलस्वरूप, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा), पश्चिम बंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्ग में स्थित श्री सुनील कुमार भट्टाचार्य श्रमुभाग श्राधकारी को, स्थानापन्न एवं में सहायक लेखा परीक्षा श्रीधकारी के उच्चतर वेतन मान ए० 650-35-740-35-880-द० रो०-40-1040/- पर दिनांक 29-5-1984 के पूर्वाह्म या उसके बाद उन्होंने वस्तुनः महायक लेखा परीक्षा श्रीधकारी के हैं सियत में कार्यभार संभालते हैं जिस दिनांक, उस दिनांक, से नियुक्ति को जाती है।

 प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोधित के समय के वर्त स्थोचित परिवर्तन के साथ लागू रहेंगे।

कार्यात्रय घादण सं० एल० ए०/प्रणा०/पुनगर्छन/946/ 145-- भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में संवर्गी कं पुत्रगर्ठन के फलरबरूप, कार्यालय महानेखाकार तिथा परीक्षा) पिष्टचम अंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्ग में स्थित श्री युनील कुमार सरकार, स्रतुभाग श्रधिकारी/ प्रवरण कोटि स्रतुभाग प्रधिकारी के. स्थानापन्त रूप से सहायक लेखा परीक्षा श्रधिकारी के उच्चतर वेतनमान कर 050-30-740-35-880-दर्श रोज-40-1040/- पर दिनांक 29-5-84 के पूर्वाल्च या उसके बाद उन्होंने वस्तुत: सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारी के हैसियत से कार्यभार संभालते है जिस्कृदिनांक उस दिनांक से नियुक्ति की जाती है।

 प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोम्निक समय के गर्न यथाचित परिवर्तन के साथ लागू रहेंगे ।

कार्यालय आवेण खंख्या एल० ए०/प्रशा०/पुनगर्छन/946/
146—भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में संवर्गी के पुनगर्छन के फलस्वरूप कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा)
पिचम अंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्ग में श्री मिहिर बरन बख्या श्रनुभाग श्रिष्ठकारी/ प्रवरण कोटि श्रनुभाग श्रिष्ठकारी को, स्थानापश्च रूप से सहायक लेखा परीक्षा श्रिष्ठकारी के उच्चतर वेतनमान ६० 650—30—740—35-880—द० रो०—10—1040/— पर विनांक 29-5-84 के पूर्वान्ह या उसके बाद उन्होंने वस्तुतः सहायक लेखा परीक्षा श्रिष्ठकारी के हैसियत में कार्यभार मंभालते हैं जिस विनांक में उस दिनांक में नियुक्ति की जाती है।

 प्राथमिक नियुक्ति/भर्शी तथा उत्थरवर्शी प्रोप्ति के समय के गर्त यथीचित परिवर्तन के साथ लागु रहेंगे।

कार्यालय आदेण संख्या एल० ए०/प्रशा०/दुनगर्ठन/946/147—भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में संवर्गी के पुनगर्छन के फलस्वरुप, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) पिष्वम बंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्ग में स्थित श्री अरुन कुमार सेनगृप्ता अनुभाग अधिकारी/प्रवरणकोटि अनुभाग अधिकारी को. स्थानापन्न रूप में सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के उच्चतर वेतनमान ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040/- पर दिनांक 29-5-84 के पूर्वाक्ष या उसके बाद पूर्वाक्ष वस्तुत: सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के हैसियत में कार्यभार स्भालते हैं जिस दिनांक उस दिनांक से नियुक्त की जाती है।

 प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोनित के समय के गर्न यथोवित गरिवर्तन के साथ लागू रहेंगे।

कार्यालय श्रादेण सं एल ए०/प्रभा०/पुनगर्छन/946/148—भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में संवर्गों के पुनगर्छन के पालस्यरूप, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा), पश्चिम बंगान के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्ग में स्थित श्री मुधांग्सु रक्षित श्रनुभाग श्रिधकारी/प्रवरण कोटि श्रनुभाग श्रिधकारी को, स्थानापन्न रूप से सहा-यक लेखा परीक्षा श्रिकारी के उच्चतर वेतनमान ६० 650—30-740-35~880-द० रो०-40-1040/- पर दिनांक 29-5-84 के पूर्वान्न या उसके वाद उच्होंने वस्तुतः महायक 2-256 GI/84

लेग्या परीक्षा अधिकारी के हैसियत से कायभार संभा**लते हैं** जिस दिनांक उस दिनांक से नियंत्रित की जाती है ।

अध्यमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्मी श्रोन्निक समय के शर्म यथोष्वित परिवर्तन के माथ लाग् रहेंगे।

कार्यालय आदेश संख्या एलं ए०/प्रणा०/पुतगर्छन/946/
1 19—भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में संवर्गी के पुनगर्छन के प्लास्वरूप, कार्यालय महाति वाकार (लेखा परीक्षा) पष्चिम शंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्ग में स्थित श्री बारिद वरन मुखार्जी अनुभाग अधिकारी को, स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के उच्चतर वेतनमान ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040/- पर विनांक 29-5-84 के पूर्वाल्य या उसके बाद उन्होंने वस्तुत: सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के हैसियत से कार्यभार संभानते हैं जिस दिनांक उस विनांक में नियुष्ति की जाती है।

 प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोन्निक के समय के गर्त यथाचित परिवर्तन के साथ लागू रहेंगे।

कार्यालय स्रावेश संख्या एक ए०/प्रणा०/पुनगर्ठन/946/150—भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में संबगी के पुनगर्ठन के फलस्वभ्य, कार्याल महालेखाकार (लेखा परीक्षा), पश्चिम बंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संबग्ने में स्थित श्री शिक्षा प्रसाद प्रमानिक स्रनुभाग स्रधिकारी को, स्थानापन्न भ्य से सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारी के उच्चतर वेतनमान २० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040/- पर दिनांक 29-5-84 के पूर्वाल या उसके बाद उन्होंने वस्तृत: सहायक लेखापरीक्षा श्रीधकारी के हैसियत से कार्यभाग संभालते हैं जिस दिनांक उस दिनांक से नियुक्त को जाती है।

 प्राथमिक नियुषित/भर्नी तथा उत्तरवर्ती प्रोष्निति के समय के गर्ल यथोजित परिवर्तन के माथ लागु रहेंगे।

कार्यालय श्रादेण मं० एल० ए०/प्रशा०/पुत्रगर्ठन/946/151-भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग मे संवर्गी के पुनगर्ठन के फलस्वरूप, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) पश्चिम बंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्ग में स्थित श्रंग विभेन्य नाथ बटब्यल श्रमुभाग श्रीक्षारी की, स्थानापन्न रूप में पहायक लेखा परीक्षा श्रीक्षकार के उच्चतर वेतनमान २० 650-30-740-35-880-दं० रो०-40-1040/- पर दिनांक 29-5-84 के पूर्वान्त या उसके बाद उन्होंने वस्तुता: महायक लेखा पराक्षा श्रीक्षकार के हैं सियत में कार्यभार संभालते हैं जिस दिनाक उस दनाक से नियुक्ति का जातां है।

 प्राथमिक नियुजिन/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोप्नि के समय के गर्त यथौचित परिवर्तन के साथ लागू रहेगे ।

कार्यालय ब्रादेश सं० एल० ए०/प्रशाब्ह्युनगर्धन/946/ 152--भारतीय लेखा तथा लेखा परोक्षा विभाग में सवर्गी के पुनगर्टन के फलस्करूप, कायिक्य महालेखाकार (लेखा परीका) पिक्यम संगाल के स्थामीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्ग में स्थित श्री गोपाल चन्द्र ढासी, प्रमुभाग श्रविकारी को, स्थानापन्न क्य से सहायक लेखा परीक्षा श्रविकारी के उच्चतर वेतनमान कं 650-30-740-35-880-दं रो०-40-1040/- पर दिनांक 29-5-84 के पूर्वाह्म या उसके बाद उन्होंने वस्तुतः सहायक लेखा परीक्षा श्रविकारी के हैसियत से कार्यभार संभालते हैं जिस दिनांक उस दिनांक से नियुक्ति की जाती है।

2. प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोक्षति के समय के शर्त यशोचित परिवर्तन के साथ लागू रहेंगे।

कार्यालय आदेश सं० एल० ए०/प्रशा०/पुनगर्ठन/946/153--भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में संवगीं के पुनगंठन के फलस्वरूप, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) पश्चिम बंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवगें में स्थित श्री बासुदेव बसु अनुभाग अधिकारी को, स्थानापक्ष रूप से सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के उच्चतर वेसममान ६० 650-30-740-35-880-६० रो०-40-1040/- पर दिनांक 29-5-84 के पूर्वाह्म या उसके बाद उन्होंने वस्तुत: सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के हैसियत से कार्यभार संभालते हैं जिस दिनांक उस दिनांक से नियुक्ति की जाती है।

प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोप्नति के समय
 मर्त यथोचित परिवर्तन के साथ लागू रहेंगे।

कार्यालय घादेश सं० एल० ए०/प्रशा०/पुनगर्ठन/946/154—भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में संवर्गी के पुनगर्ठन के फलस्वरूप, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) पिचम बंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्ग में स्थित श्री कालीदास चट्टर्जी, प्रनुभाग प्रधिकारी/प्रवरण कोटि प्रनुभाग प्रधिकारी को, स्थानापस्र रूप से सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारी के उच्चतर वेतनमान ४० 650—30—740—35—880—द० रो०—40—1040/— पर दिनांक 29-5-84के (ब्राह्म या उसके बाद उन्होंने वस्तुत: सहायक लेखा परीक्षा श्रीक्षकारी के हैसियत से कार्यभार संभालते हैं जिस दिनांक उस दिनांक से नियुक्त की जाती है।

प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोक्षति के समय
 मे गर्त यथोजित परिवर्तन के माथ लागू रहें।

कार्नालय प्रादेश सं० एल० ए० प्रशा०/पुनगर्ठन/946/155--भारतीय लेखा तथा परीक्षा विभाग में संवर्गों के पुनगर्ठन के फलस्वरूप, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) पिक्स बंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्ग में स्थित श्री पंकज सरकार, प्रनुभाग प्रधिकारी की, स्थानापश्र रूप से सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारी के उच्चतर वेतनमान क० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040/-पर दिनांक 29-5-84 के पूर्वाश्व या उसके बाद उन्होंने घस्तुम: तहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारी के है स्थित से कार्यभार संभालते हैं जिस दिनांक उस दिनांक से नियुक्त की जाती है।

 प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोक्ति के समय के शर्त यथोचित परिवर्तन के माथ लागु रहेंगे।

कार्यालय ग्रादेण मं० एल० ए०/प्रमा०/पुनगर्ठन/946/
156--भारतीय लेखा तथा परीका विभाग में संवर्गों के पुनगर्ठन के फलम्बरूप, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीका)
पिष्णम बंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्ग
में स्थित श्री बेखाराम बेरा, अनुभाग ग्राधिकारी की, स्थानापन्न
रूप से सहायक लेखा परीक्षा श्रीधकारी के उच्चतर वेतनमञ्ज ६०
650-30-740-35-880-४० रो०-40-1040/- पर
विनांक 29-5-84 के पूर्वाक्ष या उसके बाद उन्होंने वस्तुतः
सहायक लेखा परीक्षा श्रीधकारी के हैसियत से कार्यभार
संभालते हैं जिस विनांक उस दिनांक से नियुक्ति की जाती
है।

 प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोक्नित के समय के गर्त यथीजित परिवर्तन के साथ लागू रहेंगे।

कार्यालय ध्रावेण सं० एल० ए०/प्रणा०/पुनगर्डम/946/157—भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में संवर्गों के पुनर्गठन के फलस्वरूप, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) पश्चिम बंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्ग में स्थित श्री दिनेण चन्द्र वर्म्मन, श्रनुभाग प्रधिकारी को, स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारी के उच्चतर वेसनमान २० 650—30—740—35—880—द० रो०—40—1040/— पर दिनांक 29-5-84 के पूर्वात्व या उसके बाद उन्होंने वस्पुतः सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारी के हैसियत से कार्यभार संभानते हैं जिस दिनांक उस दिनांक से नियुक्त की जाती है।

 श्रार्थामक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोक्षति के समय के शर्त यथोचित परिवर्तन के साथ लागू रहेंगे।

कार्यालय आदेणं सं० एल० ए०/प्रणा०/पुनगंठन/946/158—भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में संवगीं के पुनगर्ठन के फलस्वरूप, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) पिष्णम अंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्ग में स्थित श्री ज्योतिष चन्द्र राय, प्रनुभाग प्रधिकारी को, स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा परीक्षा श्रीधकारी के उच्चतर वेतनमान ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040/- पर दिनांक 29-5-84 के पूर्वाल्ल या उसके बाद उन्होंने वस्तुतः सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के हैसियत से कार्यभार संभालते हैं जिस दिनांक उस दिनांक में नियुक्ति की जाती है ।

2. प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोक्षति के समय के शर्म यथोचित परिवर्तन के माथ लाग् रहेगे।

कार्यालय म्रादेश सं० एल० ए०/अशा०/पुनगर्ठन/946/ 159--भारतीय लेखा तथा लेखा परोक्षा विभाग में मंबर्गी के पुनगर्ठन के फलस्वरूप, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परोक्षा) पश्चिम बंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्ग में स्थित श्री कृष्ण दिस वन्द्योपाध्याय, श्रतुभाग श्रिष्ठिकारी/प्रवरण कोटि अनुभाग अधिकारी को, स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के उच्चतर वेतमानन ग्र० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040/- पर विनांक 29-5-84 के पूर्वान्न या उसके बाद उन्होंने बस्तुतः सहायक लेखा परीक्षा श्रिष्ठकारी के हैसियत से कार्यभार संभालते हैं जिस विनांक उस दिनांक से नियुनित की जाती है।

2. प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोन्नति के समय के गर्ते यथोचित परिवर्तन के साथ लागू रहेंगे।

कार्यालय श्रादेश सं० एल० ए०/प्रशा०/पुनगर्ठन/946/160—भारतीय छेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में संवगें के पुनगर्ठन के फलस्वरूप, कार्यालय महलेखाकार (लेखा परीक्षा) पश्चिम बंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्ग में स्थित श्री मो० श्रयन्युल हक, श्रनुभाग श्रिक्षकारी को स्थानापन्न रूप से सहायक छेखा परीक्षा श्रिक्षकारी के उच्चतर वेतनमान ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040/- पर दिनांक 29-5-84 के पूर्वाह्म या उसके बाद उन्होंने वस्तुत. सहायक लेखा परीक्षा श्रिकारी के हैं सियत से कार्यभार संभालते हैं जिस दिनांक उस दिनांक से नियुक्ति की जाती है।

2. प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोन्नति के समय के गर्त यथोचत परिवर्तन के साथ लागु रहेगे।

कार्यालय स्रादेश सं० एल० ए०/प्रशा०/पुनगर्ठन/946/
161—भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में संवगीं के पुनगर्ठन के फलस्वरूप कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) पश्चिम बंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्ग में स्थित श्री सरून कुमार राय स्रनुभाग स्रधिकारी की, स्थाना-पन्न रूप से सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारी के उच्चतर वेतनमान रू० 650-30-740-35-880-व० रो०-40-1040/- पर दिनांक 29-5-84 के पूर्वाल या उसके बाद उन्होंने वस्तुतः सहायक लेखा परीक्षा स्रधिकारी के हैसियत से कार्यभार संभालते हैं जिस दिनाक उस दिनांक से नियुक्ति की जाती है।

 प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोन्नित के समय के गर्त यथोचित परिवर्तन के साथ लागु रहेंगे ।

कार्यालय मादेण सं० एल० ए०/प्रशा०/पुनर्गठन/946/
162--भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में संवर्गों के पुनर्गठन के फलस्वरूप, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) पण्चिम अंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्ग में स्थित श्री ग्रमलेन्द्र शेखर पाल, म्रनुभाग मधिकारी को, स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा परीक्षा मधिकारी के उच्चतर वेतन मान २० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040/- पर दिनांक 29-5-84 के पूर्वीक्ष या उसके बाद उम्होंने वस्तुतः सहायक लेखा परीक्षा मधिकारी के हैसियत कार्यभार संभालते हैं जिस दिनांक उस दिनाक से नियुक्ति की जाती है।

2. प्राथमिक नियुक्ति/पर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोक्षति के समय के गर्त यथोजित परिवर्तन के सीथ लागू रहेंगे।

कार्यालय प्रावेश सं० एल० ए०/प्रशा०/पुर्नगठन/
946/163-- भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में
सबगों के पुनर्गठन के फलस्वरूप, कार्यालय महालेखाकार (लेखा
परीक्षा) पिचम बगाल के स्वानीय लेखा परीक्षा विभाग के
संबर्ग में स्थित श्री सोमेश चन्द्र प्रधिकारी, प्रमुभाग प्रधिकारी प्रवरण कोटि प्रतुभाग प्रधिकारी को, स्थानापन्न रूप से
सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारी के उच्चतर वेतनमान ए०
650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040/- पर
दिनांक 29-5-84 के पूर्वाह्म या उसके बाद उन्होंने वस्तुतः
सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारी के हैसियत से कार्यभार
संभालते हैं जिस दिनांक उस दिनांक से नियुक्ति की जाती
है।

2. प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोप्ति के समय के गर्त यथोजित परिवर्तन के साथ लागू रहेंगे।

कार्यालय आवेश सं० एल० ए०/प्रशा०/पुनगर्ठन/946/
164--भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में संबगी के पुनगर्ठन के फलस्वरूप, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) पिचम बंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्ग में स्थित श्री दामोवर साहा, अनुभाग अधिकारी को, स्थानापस ४५ से सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के उक्कतर वेतनमान ४० 650-30-740-35-880-व० रो०-40-1040 पर विनांक 29-5-84 के पूर्वाल या उसके बाद उन्होंने वस्यतः सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के रिसयत कार्यभार संभालते हैं जिस दिनाक उस विनांक से निधुक्ति की जाती है।

प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोझित के समय
 के गर्त ययोचित परिवर्तन के साथ लागू रहेंगे।

कार्यालय मादेश सं० एल० ए०/प्रशा०/पुनगर्ठन/946/
165—भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में संवगीं के पुनर्गठन के फलस्वरूप, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) पण्चिम बगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्ग में स्थित श्री रनजीत कुमार मान्मा, श्रनुभाग मधिकारी को स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा परीक्षा श्रिष्ठकारी के उन्चतर वेतनमान ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1060/- पर दिनांक 29-5-84 के पूर्वाल या उत्के बाद उन्होंने वस्तुतः सहायक लेखा परीक्षा मधिकारी के हैसियत से कार्यभार संभालते हैं जिस दिनांक उस दिनांक से नियुक्त की जाती है

 प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोन्नति के समय के मर्त यथोचित परिवर्तन के साथ लागू रहेंगे ।

कार्यालय भावेश सं० एल ० ए०/प्रशा०/पुनगर्ठन/946/166---भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में संवर्ग के पुनर्गठन के फलस्वरूप, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) पश्चिम संगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संबर्ग में स्थित श्री जगदीश मुम्बु, ग्रनुभाग ग्राधकारी को स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा परीक्षा ग्राधकारी के उच्चतर वेतनमान रू 650-30 740-35-880 द० रो०-40-1040/- पर दिनाक 29-5-84 के पूर्वाल या उसके बाद उन्होने बस्तुत सहायक लेखा परीक्षा ग्राधकारी के हैसियत से कार्यभार रूभाजते हैं जिस दिनांक उस दिनांक से नियुक्ति की जार्ता है

2 प्राथमिक नियंक्ति/भर्ती तथा उक्तरवर्ती प्रोफ्तित के समय के शर्तन के सथीचित परिवर्तन के साथ लागू रहेगे।

कार्यलय म्रादेण म० एल० ए०/प्रणा०/पुनर्गठन/946 167--भारताय लेखा तथा तथा उरोक्षा विभाग में सवर्ग के पुनगठन वे फलस्वरूप कार्यात्त्र्य महालेखाकार (लेखा परीक्षा) पिष्ठम बगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के सवर्ग में स्थित श्री मोहन चन्त्र एडवर प्रमुभाग म्रिधकारी को, स्थानापन्न रूप में सहायक लेखा परीक्षा म्रिधकारी के उच्चतर वेतनमान ५० 650-30-740-35-880-द० ो०-40-1040/- पर दिनाक 29-5-84 के पूर्वाह्म या उसके बाद उन्होंने वस्तुत सहायक लेखा परीक्षा म्रिधकारी के हैसियत से कार्यभार सभावते हैं जिस दिनाक उस दिनाक में नियुक्ति की जाती है।

2 प्राथमिक नियुक्ति/भतीं तथा उत्तरवर्ती प्रोधित के समय के गर्न यथोचित परिवर्तन के नाथ लागू रहेंगे।

काफींलय आदेण स० एल० ए०/प्रणा०/पुनगठन/946/168—भारतीय लेखा तथा लेका परीक्षा विभाग में सवर्गी के पुनगठन के फलस्वरूप, कार्यालय महालखाकार (लेखा परीक्षा) पण्चिम बगाल ने स्थानीय लेखा परीक्षा किमाग के सवर्ग में स्थित श्री सत्य राधिन सरकार, अनुभाग प्रधिकारी/प्रवरण कोटि अनुभाग ग्रिधकारी का, रथानापत्र व्य स महायक लेखा परीक्षा ग्रिधकारी के उच्चतर वेतनमान ६० 650—30—740—35—880—द० रो०—40—1040/— पर दिनाक 29—5—84 के पूर्वाह्र या उसके बाद उन्होंने वस्तुत सहायक लेखा परीक्षा ग्रिधकारी के हैसियत से कार्यभार सभालते हैं जिस दिनाक उस दिनाक से नियाक्त की जाती है।

2 प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्राप्ति के समय के शर्त यथोचित परिवर्तन के साथ लागू रहेगे।

कार्यालय बादेश स० एल० ए०/प्रणा०/पुनर्गटन/१४४/ परीक्षा विभाग 169-भारतीय लेखा तथा लेखाः मे सवर्गी के पुनर्गठन के फलस्वर प कार्यालय महालेखाकार पश्चिम बगाल ٩̈ स्थानीय (लेखा परीक्षा) परीक्षा विभाग के सवर्ग में स्थित श्री रवीन्द्र नाथ सिन्हा, ग्रानभाग भ्राधिकारी को, स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा परीक्षा **ग्रियकारी** के उच्चतर वेतनमान रु० 650-30-740-35-880-द०रो०-40-1040/-पर दिनाक 29-5-84 के पूर्वाह था उसके बाद उन्हाने वस्तृत सहायक लेखा परीक्षा श्रधिकारी के हैसियत से काय भार संभालते हैं जिस दिनाव उस दिनाक से निय्कित की जाती है।

2 प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोधित के समय के भर्त यथोचित परिवर्तन के साथ लाग् रहेंगे।

कार्यील सादेण स० एल० ्ए०/प्रशा०/पुनर्गठन/ 94 6/ 170--भारतीय लेखा लेखा परीक्षा तथा मे सबगी क प्नगठन क फलस्यम्य कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) पश्चिम बगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के सवर्ग में स्थित श्री गौरे गोपाल बसाक, ग्रनभाग ग्रधिकार। का, स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा परीक्षा ग्रधिकारी के उच्चतर बेतन मान रु० 650-30-740-35-880-रो०-40-1040/-- पर दिनाक पूर्वाह्र या उसके बाद उन्होने वस्तुत महाक लेखा परीक्षा श्रधिकारी के हैसियत से कार्यभार सभालते हैं जिस दिनाक उस दिनाक से नियुक्ति की जानी है।

2 प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्राप्तित के समय के गर्त यथोचित परिवर्तन के साथ लाग रहेगे।

कार्यालय आदेश म० एल० ए०/प्रणा०/पुनर्गठन/१४६/
171—भातीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग
मे सवर्गों के पुनर्गठन के फलस्वरूप, कार्यालय महालेखाकार
(लेखा परीक्षा) पश्चिम बंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा
विभाग के संवर्ग मे स्थित श्री अशोक कुमार घोषाल अनुभाग
प्रधिकारी/प्रवरण कोटि अनुभाग श्रधिकारी को, स्थानापश्च
रूप से सहायक लेखा परीक्षा श्रधिकारी के उच्चनर वेतनमान ६०
650—30—740—35—880—द० रो०—40—1040/— पर
दिनाक 29—5—84 के पूर्वाह्र या उसके बाद उन्होन वस्तुत
सहायक लेखा परीक्षा श्रधिकारी की है नियन से कार्यभाग सभालने
हैं जिस दिनाक उस दिनाक स नियुक्ति की जाती है।

2 प्राथमिक नियुक्ति/गर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोञ्जित के समय के गर्त यथोचित परिवर्तन के साथ लागु रहेगे।

कार्योलय आदेण स० एल० ए०/प्रशा०/पुनर्गठन/946/172—भारतीय लेखा तथा परीक्षा विभाग मे सवर्गों त पुनर्गठन के फलस्वरूप, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) पिश्चम बगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के सवर्ग मे स्थित श्री निहार रजन चट्टर्जी श्रनुभाग श्रीधकारी को, स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा परीक्षा श्रीधकारी के उच्चतर वेतनमान रू० 650—30—740—35—880—३० रो०—40—1040/— पर दिनाक 29—5—84 के पूर्वाह्र या उसके बाद उन्होंने वस्तुत सहायक लेखा परीक्षा श्रीधवारी की हीस्यत से कार्यभार सभालते हैं जिस दिनाक उस दिनाक से नियंक्त की जाती है।

2 प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोन्नित के समय के शत यथोचित परिवर्तन के साथ लागू रहेगे।

ायां लय श्रादेश स० एन० ए०/प्रणा०/पुनगठन/ 946/ 173—भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग म सवर्गों के पुनर्गठन के फलस्वम्प, कार्यानय महाने राजा (लेखा परीक्षा) पश्चिम वगाल व स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के सबग में स्थित श्री बाजेन्द्र नाथ पाल श्रनुमाग ग्राधिकारी की, स्थानापन्न रूप स सहायक लेखा परीका ग्राधिकारी के उश्चार वेतनमान ६० 650—30~740—35—880—4० री०—

40-1040/- पर दिनाक 29+5-84 के पूर्वीह्न या उसके बाद उन्होने वस्तुत सहायक लेखा परीक्षा ग्रधिकारी के हैसियत से कार्यभार सम्हालते हैं जिस दिनाक उम दिनाक से नियुक्ति की जाती है ।

2 प्राथमिक नियुषि //भनी तथा उत्तरवर्गी प्राव्यति के समय के शर्त यथीचित परिवर्तन क साथ लागू रहेगे।

स० एल० ए०/प्रणा०/पुनगठन/१४६/174—भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में सवर्गा प्र पुनर्गठन के फास्त्रप्प, कार्षीलय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) पश्चिम नगता के रथानीय लेखा परीक्षा विभाग के सबर्ग में स्थित श्री मलय कुमार भरकार अनुभाग श्रीवकारी/प्रवरण कार अनुभाग श्रीवकारी/प्रवरण कार अनुभाग श्रीवकारी के उच्चतर वननमान कु 650—30—740—35—880—द० रो०—40—1040/— पर दिनाक 29—5—84 के पूर्वाह्म या उसके बाद उन्होंने यस्तुत सहायक लेखा परीक्षा श्रीवकारी के हैं सियत से कार्यभार सम्हालने हैं जिस दिनाक उस दिनाक से नियुक्ति की जाती है।

2 प्राथमिक नियुनित/भती तथा उत्तरवर्ती प्रोन्नति के समय के गर्त यथोचित परिवर्तन के साथ लागू रहेगे।

स० एल० ए०/प्रणा०/पुनर्गठन/946/175---भारतीय लेखा तथा लेखा विभाग परीक्षा में सवर्गों के पुनर्गठन के फलस्वरूप, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) पिष्ट्यम बगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के सवर्ग में स्थित श्री मानिक कुमार सरकार अनुभाग ग्रिधिकारी/कां, स्थानापन्न रूप से महायक लेखा परीक्षा ग्रिधिकारी के उच्चतर वेतनमान रू० 650-30-740-35-880-द० रा०-40-1040/- पर विनाक 29-5-84 के पूर्वाह्म या उसके बाद उन्होंने वस्तुत. सहायक लेखा परीक्षा ग्रिधिकारी के हैसियत से कार्यभार सम्हालते हैं जिस विनाक उस दिनाक से नियुक्ति की जाती है।

2 प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्राप्ति के समय के गर्त यथोचित परिवर्तन के साथ लागू रहेंगे।

स० एल० ए०/प्रणा०/पुर्नगठन/946/176—भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में संवर्गों के पुनर्गठन के फलस्वरूप, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) पिष्चम बंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के सवर्ग में स्थित श्री विलीप कुमार चक्रवर्ती अनुभाग श्रीधकारी/प्रवरण कोटि अनुभाग श्रीधकारी को, स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा परीक्षा श्रीधकारी के उच्चनर वेतनमान रू० 650—35—740—35—880—द० रो०—40—1040/— पर दिनाक 29—5—84 के पूर्वीह्म या उसके बाद उन्होंने वस्तुत: सहायक लेखा परीक्षा श्रीधकारी के हैसियत से कार्यभार सम्हालते हैं जिस दिनांक उस दिनाक से नियुक्ति की जाती है।

2 प्राथमिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोप्नित के समय के शर्त यथोचित परिवर्तन के साथ लागू रहेगे।

> श्रार० चन्द्रशेखरन, महालेखाकार, (लेखा परीक्षा), पश्चिम बंगाल

कार्यालय उपनिवेशक लेखा (डाक) कपूरयला-144601, विनाक 6 सितम्बर 1984

स०क० अ० प्रणासन/ए-6/प्रनुणासन/सुखिजिन्द्र सिंह/986—श्री सुखिजिन्द्र मिह सुपुत्र श्री गुरवन्ता सिंह, इस कार्यालय मे दफ्तरी के रूप में कार्य करना हुआ 24-1-84 से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहा और सरकारी पत्र जो उसके वर्तमान पते पर भेजे गए उन्हें प्राप्त नहीं किया। के० सि० से० (आ० नि० प्र०) नियमावली 1965 के विभागीय नियम के अन्तर्गत आवश्यक अनुणासनात्मक कार्यवाही का अनुपालन करने के उपरान्त श्री सुश्वजिन्द्र सिंह को 9-7-84 (अपराह्र) से नौकरी से हटाया गया। सेवा सहटाये जाने वाले आदेश उसके कार्यालय मे अन्तिम उपलब्ध पते पर भेजे गए। चूकि कर्मचारी को नौकरी से हटाये जाने वाले उपरोक्त आदेश को जिस पंजीकृत लिकाफे मे उसके वर्तमान उपलब्ध पते पर भेजा गया था, यह भी वितरित हुए बिना वापिस आ गया है इस लिये एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री सुखिजन्द्र सिंह दफ्तरी सुपुत्र श्री गुरबन्ता सिंह को 9-7-84 अपराह्र से नौकरी से हटाया जाता है।

भ्रार०पी०सहगल लेखा ग्रधिकारी (डाक) कपूरथला,

रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110066, दिनाक 31 ग्रगस्त 1984 स॰ प्रशा॰/1/1720/5/1---राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक ग्रिधिकारी श्री वी॰ नारायण स्वामी को, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 48-ए॰ के प्रावधानों के ग्रिधीन, दिनाक 5 जुलाई 1984 (ग्रपराह्म) से स्वैन्छिक सेवा-निवृत्ति की सहर्ष ग्रनुमति देते हैं।

> ए० के० खोष रक्षा लेखा श्रपर महानियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० श्रो० एफ० मुख्यालय, सिविल सेवा कलकत्ता-69, दिनाक 1 सितम्बर 1984

सं० 15/84/ए/ई/ (एन० जी॰)—वाई क्य निवृत्ति ग्रायु-प्राप्त कर निम्नलिखित ग्रधिकारी दिनांक 31—8—84 (ग्रपराह्र) से सेवा निवृत्त हुए:—

- श्री जगदीश चन्द्र घोष स्थानापन्न सहायक स्टाफ (मैलव स्थायी सहायक) श्रिधकारी
- 2. श्री मोनो गोपाल कुन्डू स्थानापन्न सहायक स्टाफ (मैलव उच्च श्रेणी लिपिक) ग्रधिकारी

डी० मार० भ्रय्यर, उप महानिवेशक धा० नि०/कार्मिक कृते महानिवेशक भ्रायुद्ध निर्माणी

इस्पात श्रीर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकता-700016, दिनांक 30 मान्त 1984

सं० 6167 बी/ए-19012(4-एस० एस०)/84-19 बी०--भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ड्रिनिंग) श्री स्रजीत सिंह को ट्रीनर के पद पर भारतीय मूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ए० के वेननमान के वेनन पर स्थानायक क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 4 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्म से पदोक्षति पर नियुक्त कर रहे हैं।

दिनाक 1 सितम्बर, 1984

सं० 6187 बी/ए-32013(2)-जी० जे०(I)/78/19 बी०--डिफेंस इलेक्ट्रानिक्स रिसर्च लेबोरेटरी में स्थायी रूप में नियुक्त होने के परिणाम स्वरूप भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के दक्षिणी क्षेत्र के सहायक भू-भौतिकीविद् (उपकरण), श्री जगदीस प्रसाद ने सहायक भू-भौतिकीविद् (उपकरण) के पद से 30-3-83 (श्रपराह्र) से स्थागपत दे दिया।

ग्रमित कुमारी निदेशक (कार्मिक) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-700016, दिनांक 3 सितम्बर 1984

सं० 4-204/84-स्थापना--भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के श्री एन० एन० कुण्डु, अनुसंधान सहायक (सांस्कृतिक) 11 जुलाई, 1984 पूर्वाह्र से प्रगला ग्रादेश तक इस सर्वेक्षण के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, शिलांग में सह-मानव विज्ञानी (सांस्कृतिक) ग्रुप-वी० (राजपवित) वेतनमान ६० 650-1200/- के पद पर नियुक्ति हुई है।

सं० 4-205/84/स्थापना--भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षणके श्री एम० बाई० खान धनुसंघान सहायक (सांस्कृतिक) 14 अगस्त, 1984 पूर्वाह्म से प्रगला धादेश तक इस सर्वेक्षण के प्रण्डमान एवं निकोबार होस, पोर्ट ब्लेयर में सह-मानव विज्ञानी (सांस्कृतिक), सूप-बी (राजपित) के पद पर पवोन्नति हुई है।

ए० के० दासगुप्ता प्रणासनिक भ्रधिकारी

श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 श्रगस्त 1984

सं० 17/7/84-एम०-4--निम्निलिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों ने श्रपनी पदोन्निति के परिणामस्वरूप, तद्दर्थ आधार पर सहायक अभियंता के पद का कार्यभार विभिन्न आकाशवाणी/ दूरदर्शन केन्द्रों पर प्रत्येक के नाम के श्रागे लिखी तारीख से संभान लिया है:---

ऋम सं०	नाम	केन्द्र	कार्यभार संभालने की तारीख
₹	ार्वश्री		
1. 회	ी० के० मर्मा	दूरवर्शन केन्द्र,	26-7-84
		नई दिल्ली	(पूर्वाह्न)
2. 🤨	(च० धर्मराजा ग्रय्यर	ग्रा० बंगलौर	27-7-84
			(पूर्वाह्म)
3. a	ी० सी० चाको	ग्रा० ग्रलैपी	23-7-84
			(पूर्वाह्न)
. 4. a	ो० पी० म्रखिल	दूरदर्शन रिले केन्द्र	21-7-84
,	TO THE PROPERTY.	जदयपुर -	21-7-84 (पूर्वा ह्न)
	a	•	, .,
5. (1	ी० एन० कृष्णामूर्ति	दूरदर्शन केन्द्र,	30-7-84
		बंगलीर	(पूर्वाह्स)
€. પી	ो०यू० वी० भट्टा-	दूरदर्शन केन्द्र,	10-7-84
fe	परोपाद	बम्बई	(पूर्वाह्म)
7. ए	स० स्वामीनाथन	मुख्य भ्रभियंता (द०),	31-7-84
		भ्रा० मद्रास	(पूर्वाह्र)
8. ग्	रदर्शन लाल	दूरदर्शन केन्द्र,	29-7-84
•	,	जालन्धर	(पूर्वाह्म)
	_		(2(4)

मार्क्स एन० इलियास प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर 1984

सं० 10/3/61-एस II/2--महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतव्द्वारा श्री ग्रार० एन० रस्तोगी, लेखाकार, श्राकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली को 9-8-84 से ग्रगले श्रादेशों तक तदर्थ ग्राधार पर ग्राकाशवाणी में, प्रशासनिक ग्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री रस्तोगी ने उसी तारीख से श्राकाशवाणी इम्फाल में पद का कार्यभार संभाल लिया है।

> मोहन फासिस, प्रशासन उपनिवेशक (एम०), कृते महानिवेशक

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1984

सं० 4(9)/84-एस०-I—महानिदेशक, श्राकाशवाणी एतद्द्वारा श्री विजयाराध्यन, को 13 जुलाई, 1984 से श्रमले श्रादेश तक, 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में श्राकाश-वाणी, त्रिवेन्द्रम में, श्रम्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करने हैं।

सं० 4 (14)/84-एस-I--महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्दारा श्री जिरस गंजेला हनामते को श्राकाशवाणी, ऐजबल में 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 क्पये के वेतनमान में 10 जुलाई, 1984 से अगले श्रावेशों तक श्रस्थाई तौर पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (21)/84-एस०-1--महानिवेशक, श्राकाशवाणी, श्री हरुशेख पण्डा को 13 ग्रगस्त, 1984 से ग्रगले श्रादेशों तक, श्राकाशवाणी, जैपुर में रुपये 650-30-740-35-810--ख० रो०-880-40-1000--द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, श्रस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक नियुक्त करते हैं।

सं० 4(22)/84-एस-एक-महानिदेशक, श्राकाशवाणी, श्री मोहम्मद तारिक को 20 जुलाई, 1984 से श्रगले श्रादेश तक, रुपये 650-30-740-35-810-द० 880-40-1000-द०रो० -40-1200 के वेतनमान में, श्राकाशवाणी गोरखपुर में, श्रस्थाई रूप से, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

विनांक 3 सितम्बर 1984

सं० 4(26)/84-एस-एक:--महानिदेशक, आकाशवाणी श्री ए० आर० मार्क, को 31 मई, 1984 (अपराह्म) से अगले आदेशतक, रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में आकाश-वाणी शिलांग में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(47)/84-एस-एक--महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वाराश्ची सरवत उसमानी को 25 जून, 1984 मे अगल आदेश तक, 650--30-740-35-810--द० रो०-880--40-1000--द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, रडियो कम्मीर श्रीनगर में अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(62)/84-एस-I--महानिषेशक, आकाशवाणी, श्री जो० एस० प्रौटों को 6 अगस्त, 1984 से अगसे आदेशों तक, आकाशवाणी, जलगांव में रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के प्रध पर नियुक्त करने हैं।

दिनांक 5 सितम्बर 1984

सं० 4(24)/84-एस०-एस--महानिदेशक, आकाश-वाणा, एतद्दारा श्रो आर० भरहराद्री की 650-30-740-35810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेसनमान में 13 अगस्त, 1984 से अगले आदेश तक, आकाशवाणी बंगलीर में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(31)/84-एस०-एक--महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्द्वारा श्रीमती सुनीता जयंत पटवरधन् की 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, 23 जुलाई, 1984 से अगले आवेश तक, आकाशवाणा, पुणे, में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(48)/एस०-एक---महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वाराश्री आर० विमलासेक नायर की 650-30-740-35-810-व० रो०-880-40-1000-व० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, 30 जुलाई, 1984 से अगले आदेश होने तक, आकाशवाणी कालीकट में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

स० 4(69)/84-एस-एक-महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री अवानी रंजन पाठक की 17 जुलाई, 1984 से अगले आवेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में विज्ञापन प्रसारण सेवा आकाशवाणी, कलकत्ता में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(56)/84-एस-एक:--महानिवेशक, आकाशवाणी, एतव्हारा कुमारी चोंगथ्म शीला देवी की 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 25 जुलाई, 1984 से अगले आवेश तक, आकाशवाणी इम्फाल में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल, प्रशासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक

सूचना श्रोर प्रसारण मंत्रालय विज्ञापन श्रौर दृष्य प्रचार निदेशालय नई दिल्लो, दिनांक 18 अगस्त 1984

सं० ए०-12026/2/83-स्था०---विज्ञापन घीर दृश्य प्रचार निदेशक एनद्दारा इस निदेशालय के श्री तरसेम सिंह, नक्षताका सहायक (माडल्स) को इसा निदेशालय में 6 अगस्त, 1984 के पूर्वाह्म से, अगले आदेश तक, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से वरिष्ठ कलाकार नियुक्त करते हैं।

> जो० पी० भट्टी, उप निदेशक (प्रशासन), कृते विज्ञापन गौर पृथ्य प्रचार निदेशक

काच एवं नागरिक आपूर्ति मंनालय (खाच विभाग) राष्ट्रीय मर्करा संस्था

कानपूर, दिनांक 3 सितम्बर 1984

सं० ए-519012/27/70-स्था०-II-अो सैयद उस्मान अहमद ने सहायक आचार्य शर्करा तकर्न कं य० स० अ० (५स० टो० श्रो० शर्करा)/व० अनु० अ० (गुड़ श्रौर खांडसारो) के वर्ग में दिनांक 6-8-84 पूर्वाह्न से सहायक आचार्य शर्करा सकर्न की के पद पर इसी संस्था में नियुक्ति होने पर अधोहस्ताक्षर कर्ता उनके वर्ग "व" के कनिष्ठ तकनोकी अधिकारी (गुगर-सकर्न की) राष्ट्रीय शर्करा संस्था के पद से त्याग पह स्वीकार करते हैं।

राम[ं] कुमार, निदेशक

ग्रामीण विकास मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1984

सं० ए०-19023/9/81-प्र०-III---विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर निम्निलिखित अधिकारियों की तदर्थ नियुदित को 1-7-84 से अगले 6 माह की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरे जाते हैं, बोनों में मे जो भी पहले हो, बढ़ाया गमा है:---

- श्री एन० जे० पिल्लई, विभणन अधिकारी, गुंट्र
- 2. श्री ई॰ एस॰ पालूज, विषणन अधिआरी, फरीदाबाद। जे॰ कुष्णा,

्र निदेशक, प्रशासन

कृते कृषि विपणन सलाहकार,

भारत सरकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

सम्बर्ध-400085, दिनांक 31 अगस्त 1984 सं∘ आप्रः /897/सेक/स्था । II/4074—तेन्कुरिसि वेलपुल्लि राजन ने सुरक्षा अधिकारी। पव का पवभाग 31-7-1984 अपराह्म को अधिवर्षिता पर छोड़ दिया ।

आर० सो० कोटियंकर, उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग परमाणु खनिज प्रभाग

हैवराबाद-16, दिनांक 3 सितम्बर 1984

सं० प ख प्र-16/3/82-भर्ती. जिल्ह्य II—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायो सहायक, श्री के० एम० कौशिक को उसी प्रभाग में श्री एस० एन० सचदेव, सहायक कार्मिक अधिकारी द्वारा छुट्टी बढ़ाये जाने पर 11 अगस्त, 1984 से लेकर 24 अगस्त, 1984 तक सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से स्थानापन्न नियुक्ति बढ़ारी हैं।

स० य० गोखले यरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भरक्षिक विकास

इसरो उपग्रह केन्द्र

बेंगलूर-560017. दिनांक 26 जुलाई 1984

मं० 020/1(005)/84(509)—-श्रंतिश्वा विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, के निर्देशक दुख के साथ इस विभाग के वैक्षानिक/अभियंता—एस० बी० श्री खी० एस० राजेन्द्र की दिनांक 24-3-1984 को हुई मुस्यू सुचित करते हैं।

> एष० एस० रामदास, प्रशासन अधिकारी—III

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1984

सं० ए० 11019/1/77-ई० एस०--महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित अधिकारियों की हिन्दी अधिकारी के ग्रेड में को गई तदर्थ नियुक्ति श्रीर दिनांक 1-5-84 से 29-6-84 नक की अवधि के लिए जारी रखने की स्वीकृति दी है :--

- 1. श्रो बो० आर० राजपूत
- 2. श्री बुज राज
- 3. श्री एस० पी० गर्मा

बा० भौमिक सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क समाहर्तालय भूजनेश्वर, दिनांक 3 सितम्बर 1984

सं. 6/84—-श्री अजीत कुमार सेनगुप्ता को प्रशासनिक अधिकारी के रूप भे दिनांक 11-6-84 से नियमाधिर स्वी-कार्य सामान्य भत्तों के साथ वेतनमान 650-30-740-35-810-ई बी -35-880-40-1000-ई बी -40-1200/- रज्पये में कार्य करने के लिये नियक्त किये जाते हैं।

वी . नन्द उपसमाहर्ता (का . एवं स्था) केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशत्क

केन्द्रोय लोकनिर्माण विभाग निर्माण महानिदेशक कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1984

सं० 27/ई/जो(28)/69-ई०सी० 02--मूल नियमावली 56(के) के अन्तर्गत श्री० आर० के० गुप्ता, कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) जो कि अब मुख्य इंजीनियर (पूर्वी श्रंचल) के० लो० नि० वि०, कलकत्ता के कार्यालय में अभियन्ता अधिकारी के नाने कार्य कर रह हैं, के द्वारा दिया गया स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का दिनांक 30-5-84 का नोटिस भारत के राष्ट्रपित ने स्वीजार कर लिया है है और उन्हें दिनांक 1-9-84 (वोपहर मे पहले) से मेवानिवृत्त करते हैं।

2. यह निर्माण श्रीर आवास मंत्रालय के यू० श्री० संख्या 1313/84/एस० एफ० दिनांक 10-8-84 का सहमिति मे जारी किया जाता है ।

नानक सिंह उप निवेशक (प्रशासन) विधि, त्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 ग्रौर मैसर्स विस्ता सोनिफ प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

नई दिल्ली, दिनांक 24 अगस्त 1984

सं० 5769/21965—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एलदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स विस्ता सोनिक प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

> एच० एस० शर्मा, अवर रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज, दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनो अधिनियम 1956 भौर मेडीसिन्स सेल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कानपुर, दिनांक 1 सितम्बर 1984

सं० 4691-एल०सी०/7179-अधिनियम 1956 की कम्पनी धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मेडीसिन्स सेल्स प्राईवेट लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण विभित्त न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर वी जायेगी।

बी० पी० कपूर, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उत्तर प्रवेण कानपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 ग्रीर एशिया इलैक्ट्रिक लैम्प कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 5 सितम्बर 1984

सं० 9802/560(5)—-क्रम्पनी अधिनियम 1956 की द्यारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि एशिया इलैक्ट्रिक लैम्प कंपनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर मदन एंड कं० (पेपर) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

फलकत्ता, विनांक 5 सितम्बर 1984

सं ॰ 19215/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मदन एंड कं ॰ (पेपर) प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

3-256 GI]84

कम्पनो अधिनियम, 1956 श्रौर चटर्जी अलाय सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 5 सितम्बर 1984

सं० 28329/560(5) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतवृद्धारा सूचना दी जाती है कि चटर्जी ग्रलाय सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आजर्जिस्टर से काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विषटित हो मई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रौर वाणी मालंच प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 5 सितम्बर 1984

सं० 24305/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधार (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि वाणी मलिच प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 भौर कर्माणयल पलिमेक प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 5 सितम्बर 1984

सं० 28333/560(5):—कम्पनी अधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि कर्माशयल पलिमेक प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर फार्म कोक (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 5 सितम्बर 1984

सं० 31829/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि फार्म कोक (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 ग्रीर हीरा मार्केंटिंग प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 5 सितम्बर 1984

सं० 26926/560(5)——कम्पर्ती अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि हीरा मार्केटिंग प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है भीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 ग्रीर हिन्दुस्तान टिम्बर इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 5 सितम्बर 1984

सं० 24776/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतब्द्वारा सूचना दी जाती है कि हिन्दुस्तान टिम्बर इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेंड का नाम आज रजिस्टर से काट विया गया है और उक्स कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 मौर नील सागर फार्मस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में। कलकत्ता, दिनांक 5 सितम्बर 1984

सं० 30793/560(5): कम्पूनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि नील सागर फार्मेस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विचटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर संजय पेट्रो० कैमिकल्स वर्कस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, विनोक 5 सितम्बर 1984

सं० 27743/560(5): — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि संजय पेट्रो कैमिकल्स वर्कस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 भीर सुमेश प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

फलकरता, दिनांक 5 सितम्बर 1984

सं० 30137/560(5): कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि सुमेश प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

एच० धनर्जी, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, पश्चिम बंगाल

মুক্তৰ ৰাষ্ট্ৰ ক্ৰীন্ত মুখ্য কুৰু লাভাল্ডৰ

नायकड मुधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-म (1) के मधीन सूचना

बारक ब्रुकाड

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

धम्बई, दिनाक 21 अगस्त, 1984

निदेश स० आई--37जी०/6/83-84---अत. मुझे ए०

प्रसाद

आयक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्भावर सम्मत्ति जिसका उचित जाजार मृत्य 25,000/- रा. से अभिक हैं

और जिसकी स० एस० न० 26, एच० न० 1, (पार्ट), एमे० न० 27, एच० न० 2 (पार्ट), सी० टी० एस० न० 79, बोरीवाली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है)। रिजस्ट्रीवर्ता के वार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीवरण अधिनयम 1908 (1908 व्या 16) के अधीन तारीख 2-12-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य हो कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिषात से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अतरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक स्प सो किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; नीर/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किरा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनिवम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिधिक कावित्ययों, अर्थात ---

- (1) श्री फिक् भागाजी दवागे।
- (अन्तरक)
- (2) केमीक्स एक्सपोर्ट इम्पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

स्थे यह स्थान चारी करके पृत्रों कर सम्पृतित के वर्ष व के हिंगू कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्मृत्ति के नर्पन के सम्मन्य में कोई भी बाक्षेप्∴⊸

- (क) इस त्यना के रावपम में प्रकाशन की तार्डीस से 45 विन की नविभ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की नविभ, जो भी नविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृक्तित्व व्यक्तियों में से किसी स्थानित प्रवासः
- (क) इस त्या के राष्य को प्रकार की तारीय से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्परित में हितवस्थ किसी अस्य व्यक्ति व्यास अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

जैसा कि विनेख स० 2111/1880 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनाक 2-12-1983 को रिफ्ट अकिया गया है।

ए० प्रसार मक्षम प्राप्ति (री सहायक आय पर आपुषा (निरोक्षण) अमेन रज-4 बस्बई

दिनाङ 21 ·8 1984 मोहर . प्रारुप भार्रं ुटी. पुन ् पुस ु-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 अगस्त 1984

निदेण सं० आई--3*7*जी०/7/83–84_्अत मुझे, ए०

प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्त्रास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० एस० नं० 26/1, पार्टसी० टी० एस० 79 है तथा जो दवागे वाडी, वत्तापाडा रोड़ मेघठाणा विलेज, स्पेशल स्टिल के सामने, बोरीवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-12-1983

को पूर्वोक्त संप्रति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि√या
- (च) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा खे सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भीकु भागाजी दवागे।

(अन्तरक)

(2) केमोक्स एक्सपोर्ट जम्पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती और भाडन्त। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां भूरः करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रगुक्त कब्दों और पदौं का वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 2930/83 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राजिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांकः . 21-8-·1984

मोहर:

प्रकृत थाइ . टी . एन . एत .,---------

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्त्य, सहायुक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 अगस्त 1984

निदेश सं० आई-37जी०/62/83-84--अत मुझे, ए०

प्रसाद

भाग III--वाण्ड 1]

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० सर्वे नं ० 208, एघ० म० 2 (पार्ट), है तथा जो सी० टी० एस० तड्ड० 2246 (पार्ट), कृ लेन्ड एट विलेज एक्सार, तालूका बोरीवली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से धणित है) रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, अम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-12-1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के निए तय पाया ग्या प्रतिन्दल निम्निलिखित उद्देश्य से उच्द अन्तरण निम्निलिखत उद्देश्य से उच्द अन्तरण निम्निलिखत में वास्तिक है पर से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थं) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कड अभिनियम, या भन-कड अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति द्वी स्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना जाशिए था, कियाने में सुविभा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्ररण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) कृपया अनेक्चर देखिए ।

(अन्तरक)

(2) "सन शाईन" स्टेट सेक्टर बैंक एम्प्लाईज को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०।

(अन्तरिती)

श्रीमती शांतीबाई रामचन्द्र म्हाते श्री किंशन रामचन्द्र म्हाते श्रीमती लीलाबाई किंसन म्हाते 4. श्रीमती चन्द्राबाई बाब्राव माबद्धे 5. विपा, उर्फ दमयंत्री किसन म्हान्ने

6. श्री हरेश्वर रामचन्द्र म्हात्रे

7. श्रीमती वनीताबाई हरेश्वर म्हास्ने

8 श्री किशोर हरेश्वर म्हाब्रे

9. श्रीमती रोहिनी हरेण्यर म्हाले

10 श्रीमती भावना हरेश्वर म्हान्ने

11. लिंत उर्फ लक्ष्मीकांत हरेम्बर म्हाले

12. श्रीमती भक्ती हरेएवर म्हान्ने

13 श्री रमा कांत राम डुद्र म्हास्ने

14 श्रीमती मङ्कदाबाई रमाकांत म्हाले

15. समीर उर्फ कांपलदेव रमाकांत म्हास्रे

16 श्रीमती राधाबाई ताराचंद महाले

17. चदनाथ तारा चंद म्हान्ने

18 श्री जयप्रकाश ताराचद म्हात्रे

19 श्री पदमाकर नाराचद म्हाले

20 श्री मधुकर ताराचन्द म्हाले

21 श्रीमती प्रिमला वसत पाटिल

22. श्रीमती चन्द्रभागा व्वारकानाथ पाटिल

23. श्रीमती कमलाबाई काशीनाथ पादिल

24 श्रीमती भीमाबाई जगन्ननाथ पाटिल

25. श्रीमती द्वारकाबाई मोतीराम पाटिल, और

26 श्रीमती भानुबाई मोपीराम पाटिल, क्सार विलेज, बोरीवलों (पिष्चम), बम्बई-400092 ।

(अन्तरक)

22153

नद्रे सह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पृत्ति के वृजंग के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वयत् बुरमृतित् के वर्जन् के बुरमृत्यु वे कोई भी शासोब् :--

- (क) इत सूचना के दाअपन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की जन्मिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी जन्मिया में स्वाप्त होती हो, के भीतर प्रांचक व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित सुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की दारीय है 45 दिन के भाव र उक्त स्थान्य सम्भीता में हित्बहुध किसी सूच्य व्यक्ति इतारा मुधोहस्ताक्ष्री के पाइ सिहियत में किए या बकोंगे ।

स्युक्तीकर्णः -- इतमे प्रयुक्तः शब्दां श्रीत पृथां का , को शब्दां प्रशिविषयः , के शुध्यायः 20-क में प्रिशाविदाः हाँ, वहीं शर्थ होगा को उस सृध्याय में विवा गया ही।

नपूस्ची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1166/82 और जो उप रिजस्ट्रार द्वारा दिनांक 6-12-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-4, बम्बई

दिनाक 21-8-1984

मोहर 🛭

प्रस्य अहर् ुटी ्र एष ु एष ु ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्णई, दिनांक 1 अगस्त 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/1079/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- फ़. से अभिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० पहली मंजिल पर, हैं तथा पार्कहाउस पनेकस विहिंडग, किस्मत पार्कहाउस कको-आप० हाउसिंग सोसायटी, बूडहाऊस रोड़, बम्बई-5 कुलाबा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिकरण नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-12-1983

को पूर्वेक्ति सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से काम के स्वयमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वेक्त सम्मिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल्य से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकृत से अभिक है और संतरक (संतरकों) और संतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बन्दरण के निए तम पांग गया प्रति-फल विश्नीनिद्दित उद्देश्य से उच्च संतरण जिल्ला में बाल्युणिक रूप से कथित नहीं किया गया है द—

- (का) अध्ययण सं हुई किसी जान की नावस जनस अभि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) इसी किसी बान वा किसी धन वा बच्च जास्तिकों को, विन्हें नारतीय नावकर निधिनयन, 1922 (1922 का 11) वा उनता नीधीनयन, वा धन-धर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इनारा प्रकट नहीं किया ग्या का वा किया वाना जाहिए ना, कियाने में सुविधा की विक;

क्षतः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की रपधारा (1) के सधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) अस्पी फरेटून इरानी, और परविझ अस्पी इरानी।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती भारती भोजानी
 - 2. श्री हरेश कांतीलाल ठक्कर
 - 4. श्री खलिव अब्दूल हमीद बादशाहा, और
 - 4 श्री मेहमूद युसुफ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वीक्स संपत्ति के कर्जन</u> के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपर्तित के मर्जन के हुंबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविभ या तत्सवंभी व्यक्तियों प्र स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवरा;
- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लेट पहली मंजिल पर, जो, पार्कहाउस पनेक्स बिल्डिंग किस्मत पार्कहाउस को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, वूड-हाउस रोड़, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है।

> ए० लहरी सक्षम प्राधिकारी सह्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-8-1984

मोहर 🕄

प्ररूप बाही.टी.एन.एस., ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जर रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त 198

निवेश सं० आई-1/37ईई/1216/83-84--अत: मुझे ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 32, जो, विंग-डी, तीसरी मङ्कुजिल, ममता अपार्टमेंट, प्लाट नं० 926, टी० पी० स० नं० 4. माहीम विभाग, न्यू प्रभादेवी रोड़, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधि नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृबेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उसस अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के जन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) मेसर्स गुदेचा बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) भाटिया फेमिली ट्रस्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्शित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उत्यक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लेट नं० 32, जो, विग~डी, तीसरी मंजिल, ममता अपार्टमेंट, प्लाट नं० 926, टीं० पी० स० नं० 4, माहीम विभाग, न्यू प्रभावेवी रोड़, बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-1/37ईई/1234/83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-8-1984

मोहर:

प्ररूपः आहे. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रिंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त 1984

निदेण सं० आई-1/37ईई/1336/83-84--अत: मुझे, ए० लहिरो

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 419 ए०, जो, चौथी मंजिल बम्बई एअर कंडीशन मार्कीट, बम्बई—34 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से सर्णित है) रिजर्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13—12—1983 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि युआपूर्वेक्स संपृत्ति का उचित् बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल जिम्निलिखत उच्चेह्य से उक्त अन्तरण निल्ति में वास्तिक रूप से किया गया है उन्तर जन्तरण निल्ति में वास्तिक रूप से किया गया है उन्तर का निल्ति में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है उन्तर का निल्ति में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है उन्तर का निल्ति में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है उन्तर का निल्ति में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है उन्तर का निल्ति में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है उन्तर का निल्ति में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है उन्तर का निल्ति में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है उन्तर का निल्ति से स्वरंप में सिल्य गया है उन्तर का निल्तिक स्वरंप से सिल्य गया है उन्तर का निल्तिक से से किया गया है उन्तर का निल्तिक से से सिल्य में सार्य है से का निल्लिक से सिल्य गया है उन्तर का निल्तिक सिल्य गया है उन्तर का निल्तिक से सिल्य गया है सिल्य गया सिल्य सिल्य सिल्य गया सिल्य सि

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मैं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्र/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिरती व्याग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) श्रीमती राजकुमारी बी० राजपाल। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स आर० दिनेश एण्ड कंपनी। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्रिकरणः ---इसमें प्रयुक्त सब्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसुची

आफिस नं० 419-ए०, जो, खीथी मंजिल, बम्बई एअर कंडीशन मार्कीट, बम्बई-34 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-1/37ईई/1235 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-8-1984

मोहुद् 🛭

इंडम् नार्द्ः, टी ,एन् , एस , -------

वायकर शृधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 1 भगस्त 1984

निवेश सं० ग्राई-1 /37ईई/1390/84-84-प्रात: मुझे. ए० लहिरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भाफिस नं० 114, जो, 11 वीं भंजिल मिस्तल कोर्ट बी०-विंग, बॅकवे रेक्लेमेशन स्कीम, नरीमन पाइंट, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वींगत है) र्राजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बम्बई में र्राजस्ट्रीकरण श्रीधानयम 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 13-12-1983

को पूर्वीक्ट संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निकासियात उद्योग से उन्त बन्तरण सिचित में बास्तियक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी शाय वा किसी धून या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ अन्तिर्दिश द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया नवा वा किया नवा था के सिए;

नतः नन, उन्त निर्मित्वन की पारा 269-न के नम्तरण मं, मं, उन्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, जर्थात् ु— (1) 1. भारत रतनवंद क्षवेरी, श्रीर 2. मेसर्स डेस्प जेम्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री रमनभाई एच० पटेल और 2. श्री गौतम श्रार० पटेल।

(भ्रन्सरिती)

(3) श्रन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति जिसके भ्राधिभोग में सम्पति है)

को बहु बुचना भारी करके पूर्वों का सम्मृतित के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सभ्जन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ज) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की सार्राक्त सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, क्षे अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्ची

न्नाफिस नं∘ 114, जो, 11 वीं मंजिल, मितल कोर्ट बी०—विंग, बॅकब्रे रेक्लेमेशन स्कीम, नरीमन पाइंट, बम्बई में स्थित है।

न्नतुसूची जैसा कि कम सं० माई-1/37ईई/1059/ 83-84 घौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनांक 13-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लीहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बस्बई

दिनोक : 1-8-1984

मोहर :

प्रकृष बाहै, टी. एन. एस.-----

भागकर मिश्रियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वान

भारत सरकार

कार्यालय, महायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 प्रगस्त 1984

निवेश सं० ग्राई-1/37ईई/1433/83-84--श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25-000/- का से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 64, है जो, 6थीं मंजिल, विनस अपार्टमेंट, अल्टामाउंट रोड, बम्बई—26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है) राजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बम्बई में राजस्ट्रीकरण आधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1—12—1983 को प्रॉक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमां श्रीतफन के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकाम करने का कारण है कि यथापूनोंक्त सम्पत्ति हा उचित दाजाप मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐस दश्यमान प्रतिफल का कन्त्र राजाप मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐस दश्यमान प्रतिफल का कन्त्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण मिचित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत., उक्त अधिपियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/भा
- (थ) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य जास्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

क्तः क्य, उसत वीधनियम की धारा 269-व के अनुकारक मीं, मीं, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) 1. श्रीमती ६० एन० साहनी, श्रीर 2. श्री एस० एस० ए० नायनू। ' (ग्रन्तरक)
- (2) 1. श्रीमती यस्मिन रवि मेननू,श्रीर 2. श्री पी० रवि मेननू।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरितियों , (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके प्यॉक्त संपरितां के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी अ्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा वभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

न्यस्टोकरण — इसमें प्रयुक्त सन्तों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस रूप्याय में दिया गया हैं।

ननसची

पलेट नं० 64, जो, 6श्री मंजिल, वीनस ग्रपार्टमेंटस, पलोरेग्स को-ग्रापरेटिव हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड ग्रस्टामाऊंट रोड, जम्बई-26 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कर्म सं० आई-1/37ईई/1072/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, बम्बई

विनोक : 1-8-1984

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बाबकर ऑधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक नायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, बम्बई

वम्बई, दिनांक 1 भ्रगस्त 1984

निदेश सं० प्राई-1/37ईई/1435/83-84--प्रतः मुझे, ए० लाहरी,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का आएण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

2.5,000/- र. सं अधिक हैं
भीर जिसकी संव इन्डिस्ट्रियल यूनिट नंव 143, है जो पहली
मंजिल, माहा एण्ड नहार इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, ए०-1, धनराज
मिल कंपाउंड, लोधर परंल, बम्बई-13 में स्थित हैं (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम
1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 1-12-1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथाप्यित सपित्त का उचित बाजार
मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, होसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिकृत से अधिक हो और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलियत उद्वेषय से उन्त अन्तरण विश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आयक्षी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृथिधा के लिए,

अतः अव, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स सुरेश स्टेशनरी मार्ट।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स बोनस हिनीट वेश्रर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के विश् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पर्ति के वर्जन क सबाध मा काई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की नारीन में 45 दिन की अर्वीय या तत्शम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबीध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों का व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण।

नन्स्ची

इण्डस्ट्रियल यूनिट नं० 143, जो पहली मंजिल, शाहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए०-1, धनराज मिल कंपाउंड लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं।

श्रनुसूचो जैसा कि कम मं० श्राई-1/37ईई/1125/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्थन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-8-1984

भोष्टर:

इक्ष नाहंु टी. एन. एस. - - - ----

बाय्कर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुधना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक नायकार नायन्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 श्रगस्त 1984

निवेश सं० आई--1/37ईई/1452/83-84--- अतः मुझे, ए० लहिरी,

नायकर निर्मायम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति , जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

25,000/-रु. सं अधिक हैं

भीर जिसकी सं० शाप नं० 10, जो ग्राउंड फ्लोर,
महाबीर ग्रपार्टमेंटस, ताडदेव रोड, बम्बई—7 में स्थित है (ग्रीर
इससे उपाबस ग्रनुस्ची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकरी
प्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम
1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3—12—1983
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान
प्रतिफत्त के लिए बन्तरित की गई है और मूफे यह विषवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का
पंत्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितयों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नित्ति उब्देव से उक्त अन्तरण लिखित में
कास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) ब्लाइन के हुई किसी नाय की वावत, उक्त निर्धानयम के मधीन कर दोने के अन्तुरक के बायुल्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मा सुविधा के निए:

जतः जब उनत अधिनियम की भाष 269-य के अनुसरण में, मैं उनत अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (१) के अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तियों, अर्थास्ट्रे— (1) मेसर्स वर्धन बिल्डर्स ।

(भन्तरक)

(2) बाम्बे सर्वास्क्रपशन एजेन्सी, प्रोप्राइटर, सरेमल पी० जैन।

(प्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियों करता हुं।

उपत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--- '

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रविकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

शाप न० 10, जो, ग्राउंड फ्लोर, महाबीर श्रपार्टमेंटस, तायथेव रोड, बस्बई-7 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई-1/37ईई/1070/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 3-12-1983 को राजस्टिंग किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनोंक : 1-8-1984

मोहर ध

प्ररूप बार्ष ् टी. एन. एस.,-------

आयकार भौभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 अगस्त, 1984

निर्देश सं० आई-1/37ईई/1455/83-84-अतः मुझे, ए० लहिरोः,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसको सं० फ्लेट नं० 2, जो, ग्राउंड फ्लोर, "डी" विग बोना बिना अपार्टमटस, आचार्य दोदे मार्ग, सिवरी (प०), बम्बई—15 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रिधन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है के अधीन तारीख 3-12-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से., ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य ग्या गया प्रतिफल, निम्नितिबत उद्वेष्य से उच्त जन्तरण निवित में शस्तिबक रूप से किच्छ नहीं किया गया है है----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की बिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के निष्।

जल: अब, उबल अधिनियम की भारा 269 ग के अनुसरण में, में, अवल अधिनियम की भारा 269 म की उपधारा (1) के अधी न, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) मेसर्स विना बिना इन्टरप्राइसेज।

(अस्तरक)

(2) श्रा नरेश बालूभाई गैहिल।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(बह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स 45 दिन की अविभ सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाः 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

फ्लेट नं० 2, जो, ग्राउंड फ्लोर, "डी' विंग, बिना बिना अपार्टमेंटस, आधार्य दोंदे मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई 15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम मं० आई-1/37ईई1110/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० ल**हिरी** सक्षम प्राक्षिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

विनांक : 1-8-1984

मोहर :

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त, 1984

निर्देश सं० आई-1/37ईई/1456/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरोः,

अायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अभिक हैं

श्रीर जिसको सं ० इन्डस्ट्रियल यूनिट नं ० 119-ए०, है जो, पहले। मंजिल, मिलन इन्डस्ट्रियल इस्टेट, काटन ग्रीन, बम्बई 233 में स्थित है (ग्रीर इसेसे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के से के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारी 3-12-83 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जन-दार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविभा के लिए;

अतः जवः, उक्त मिथिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निलिश्ति व्यक्तियों, अधीन:

(1) मेसमं प्रभ्दास दाली चंद एण्ड कंपनी

(अन्तरक)

(2) श्री लिति कुमार के शाहा और श्रोमती शोभा नानजः शाहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां ग्रुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजधन्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया। में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकरें।

स्पष्टीकरणं: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्त्र्यी

इण्डस्ट्रियल यूनिट नं० 119-ए, पहलो मंजिल, मिलन इण्डस्ट्रियल इस्टेट, काटन ग्रोन, बम्बई-33 हु स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-1/37ईई/1151/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 3-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी लक्षम प्राधिकारी -सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बर्ड

विनांक : 1→8→1984

मोहर:

अक्य बाइ. टी. एत. एस.-----

नामकर निधित्यमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन स्चता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त, 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/1458/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरीः

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० आफिस नं० 318, है जो, रेक्स चेम्बर्स प्रिमेसिज की-आपरेटिव मोसायटी लिमिटेड, वालचंद हीरा— नद मार्ग, बेलार्ड इस्टेट, बम्बई—38 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूण रूप मे विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कब के अबीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3—12—1983

को पृथेक्ति सम्मिन के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के सिए तय पाया राष्ट्रा प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शब्द उच्च अधि-श्रियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायिएत में क्रमी करन' या उन्हमें ज्ञाने में मुक्थिंग के लिए, बीए/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा की सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, किस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मेसर्संबी० केर न प्रवर्ण्ड सन्सा

(अन्तरक)

(2) मेसर्स श्रोस्याम क्लोयरिंग एण्ड फारवर्डिंग एजेन्सो ।

(अन्तरिती)

(3) रेक्स चेंबर्स प्रिमसेस को-आप० सोसायटी लिमिटेड।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यहसूचना जारी करके पृत्रींक्त सम्पत्ति क्रेअर्जन क्षे लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप .--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निष्कित में किए जा सकेंगे।

स्मब्बीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्त्री

आफिस नं० 318, जो रेक्स चेंबर्स प्रिमेसेस को-आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, वालचंद हिराचंद मार्ग, बेलार्ड इस्टेट, बम्बई-38 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई~1/37ईई/1067/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 3-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज--1, बम्बई

विनांक : 1-8-1984

मोहर:

प्रकल नाही, दी. एस. एस.--

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के जधीन सचना

भारत सरकार

कायानय, महामक **बायकार बायुक्त (विरोक्षण)** अर्जन रेज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त 1984

निर्वेश सं० आई-1/37ईई1466/83-84/अतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 10 है जो, प्लाट नं० 25, किंग्जिब हाऊस, फ्लैंक रोड़, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं,

को पूर्वोक्त सम्मरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का सन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण मं हुए किसी जान की नानत, उनस अधिनियम के अभीन कर वोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गय। था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के निए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अथोत :--- (1) फ़ैंच डाइज एंड केमिकल्स (इण्डिया) प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० जी० काकडे।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिर्ता ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

नन्त्री

पलैट नं० 10, जो, प्लॉट नं० 25 , किंग्जवे हाऊस, पलैंक रोड, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है। अनुसूची जैमा कि क्रम सं० अई-1/37ईई/1361/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक

12-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बर्ध

दिनोक : 1-8-1984

मोहर :

प्रकृप आहाँ, टी. एन. एख -----

अप्रयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 1 ध्रगस्त, 1984

निर्देश सं० भ्राई--1/37ईई/1480/83--84-----श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' अहा गया है), की भाष 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्सि, जिसका उचित बाजार मृत्य 35.000/-रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 35 है जो, विग—ही, तीसरी मंजिल, ममता श्रपार्टमेंट, न्यू प्रभादेशी रोष्ट्र, बम्बई—25 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क स के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी हैं, तारीस 17-12-1983

को पूर्वो कत कायालय म राजस्ट्रा ह, ताराल 17-12-1983 को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, इसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस उद्देश्यों से उन्त गन्तरण जिस्ति में

- (क) जन्तरण से हुई किसी अप की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्य मा कमी करने या उपसे बचने में पावधा के लिए. और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन गा अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त स्धिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1357 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रही किया गया था रा किया जाना बाहिए था, कियाने मा स्विधा के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण हं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) से अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात :--5--256GI/84

(1) मेमर्भ गुदेचा बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मानंदी बाई पुरषोत्तम श्रोक। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भ) दम मूचना क राजपक्ष में प्रयोधन की तारोख से 45 दिन के भीतर ज़क्त स्थावर भस्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाह्म्ताक्षरी के पास निष्कृत हो किए जा सकी ।

स्पद्धीकरण: -- इसमे प्रयुवत शब्दों और प्रदाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 35, जो, विग-डी, तोसरी मंजिल, ममता अपार्टमेंट, न्यू प्रभादेवी रोड़, बम्बई-25 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-1/37ईई/1353/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 17-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, बम्बई

विनांक 1-8-1984 मोहर * यक्ष्य जाहे. टी एन . एक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

शारत सरकार

वार्यालय, स्तायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बर्ट

बम्बई, विनांक 1 श्रगस्त 1984

निर्देश सं० म्राई-1/37ईई/1489/83-84---- मूसे, ए० लहिरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000 /- गुरु. सं अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० श्रापिस नं० 1003, है जो, दालामल टायर नरीमन पाइंट, वस्वई—400021 में स्थित है (श्रीर इससे उपावछ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) राजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बस्बई में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारी ख 16—12—1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकत के लिए कन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर्म का कारण है कि यथापुर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिकत से एसे स्थमान प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्दर्शय से उक्स अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उन्त आध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को , जिल्हों भारति । पराज्य में जिल्हा १० ८ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर मिलियम । १९५७ । १९५७ को प्रयोजनार्थ अतिरमी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन किल्लिसर अधिकत्त्रों, अधीत :— (1) व्हि० के० ल(लको प्राईवेट लिमिटें छ।

(मन्तरक)

(2) अटलांटिक एंड व्हैरयझींग कंपनी।

(ग्रन्सरिती)

(3) भ्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए प्रार्थवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन को भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विया गया है।

• जसची

प्राफिस नं० 1003, जो दालामल दावर, नरीमन पाइंट वम्बई-400021 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम मं० श्राई-1/37ईई/1159/ 83-84 श्रौर जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 16-12-1983 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, अस्बर्ष

दिनांक . 1-8-1984 भोहर : प्रकृप आहें, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 श्रगस्त 1984

निर्देश स॰ भार्र-1/37ईई/1500/83-84--श्रतः मुझे, ए॰ लहिरी,

नायकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात 'उसते अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उजित नाजार मून्य 25,000/ रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० श्राफिस नं० 716, है जो 7वी मंजिल, "दालामल टावर", 211, नरोमन पाइट, बम्बई-21 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण एप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकार। के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री-करण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख़ 15-12-1983

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य स कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) मन्तरण से हुंद्रें किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम की अभीन कर दोने के जम्मरक क दायित्व में कमी करने या तससे क्याने में सुविधा के निए, और/था
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तिया को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयामनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया भया था दा किया निता चाहिए था, कि उन मा स्विभा से सिए;

क्षतः जब, उक्त निर्मानयम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन: निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्रीमती चंचल कहाई, और 2. मास्टर इशपालिसह कहाई (माईनर)। (ग्रन्तरक)
- (2) 1. श्री एन० ए० श्रक्बकर, 2. श्रो पी० ए० इक्राहिम,
 - 3. श्री शिवी भोषाल कोरागा सेट्री, प्रार
 - 4. श्री सतीम गोपाल मेट्टी।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके प्रांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में काई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की पारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी न्या क्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीनर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना हे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर गर्म्भारन में हिल्बद्ध किसी अन्य अधिक द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण --इसमा प्रयुक्त शब्दाा आर पदा का, जा उक्त सभितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ क्षेत्रा को उस अध्याय में दिसा नवा हैं।

अनस्ची

ग्राफिस नं० 716, जो, 7वीं मजिल, "दालामल टावर" 211, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई-1/37ईई/1523/ 83-84 और जी सक्षम श्राधिकारा, वम्बई क्षारा दिनांक 15-12-1983 की राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-8-1984

माहर 🏻

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कःयकद्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार वायुक्त (निरक्षिण) प्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 1 अगस्त 1984

निदेश सं० ग्राई-1/37ईई/1502/83-84--म्प्रतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-्र. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलेट नं० 101 है, जो, पहली मंजिल, 'मुन्दर टावर'', ठोकरशी जिवराज रोड़, स्वान मिल कंपाउंड के बाजू में , पिवरी, बम्बई-15 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची मे भीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्री- कर्ता अधिकारं। के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन ं तारीख 15-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार भूल्य उपके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरणं से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यांग प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, भाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री चुनीलाल मुरभी छेड्डा ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स प्रभात जनरल टरपाईन इण्डस्ट्रियल प्राईवेट लिमिटेड ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां घुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीचा सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापा;
- (ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : ---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पर्धो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

पलोट नं० 101, जो, पहली मंजिल, ''मुन्दर टावर', ठोकरणी जिवराज रोड, स्वान मिल कंपाउंड के बाजू में सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क्षम सं० भ्राई-1/37ईई1525/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-12-1983 को रॉजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लोहरी सक्षम प्राधिका**री** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–1, बम्बई

दिनांक : 1-8-1984

मोहर:

प्रकृष बाह् . टी . एव . एव . -------------------

बासकर विभिनियत्र, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के विभीत सूचना

मार्व ररकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक । अगस्त 1984

निदेश स० आई/1/37ईई/1546/83-84---अत. मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० माता नहु० 128, है जा, पहली मंजिल, ए-2, णाहा ठा बहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट. लीअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कत से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 20-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे बंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, रिनम्निसिस उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्यिधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, । उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों अर्थात् :—— (1) श्री धनराज मिल्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा मुरलीधर रतिकथा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ह
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाधिनियम के बध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विका नया है।

बन्स्पी

माला नं 128, जो, पहली मंजिल, -2, णाहा आप्रक्ष नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, लीअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्षम सं० आई-1/37ईई/1435/83-84 और जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-12-1983 का रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 1-8-1984

प्रकृष कार्ष . ट्वी . एवं . एखं . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुवना

भारत ररकार

कार्यात्तय, सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶1, बम्बई

बम्बई, विनांक 1 अगस्त, 1984

निदेश सं० आई—1/37ईई/1565/83~84—अतः मुझो; ए० र रि

काष्ट्रकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम अभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अभिक हैं

और जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल माला नं० 121, है जो, पहली मंजिल, -2, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, लीअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-13-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूक्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय धाया गया प्रति फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है ——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिषियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; और/शा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री धनराज मिल्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) मेसर्वियरचद गलाबचंद ।

(अन्सरिती)

को यह स्वना जारी करके प्वानित सम्पत्ति से अर्थन से लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध भी कार्य भी वास्तेष :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के इस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त श्रुव्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्ची

इण्डस्ट्रियल माला नं ० 121, जो, पहली मंजिल, ए-2, शहा एण्ड नहार इ $\sqrt[6]{98}$ स्ट्रियल इस्टेट, लीअर परेल, बम्ब $\sqrt[6]{-13}$ में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-1/37ईई1547/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 20-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

दिसंक : 1-8-1984

प्ररूप आहाँ . टी . एम . एस ., ५-५-----------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शयभाग आयवन (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I बम्बई, दिनांक 1 अगस्त, 1984 निदेश स० आई-1/37ईई/1566/83→84---अत: मुझे, ए० लहिरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 15,000/- रा में अधिव न

ग्रीर जिसकी स० माला न० 123, है जो, पहली मजिल, ए-2, गहा नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, सीताराम जाधव मार्ग बम्बई-13 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 कख के ग्रीधन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारी ख 20-12-1983

को पूर्वनित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उलिय बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्दृष्ट्र प्रिश्चात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चंद्रय में उक्त अन्तरण निम्निलिख उच्चंद्रय में उक्त अन्तरण निम्निलिख में निस्ता गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अञ्चरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृधिका के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-स के, जनुसरण को, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निग्निलिस व्यक्तियों, जर्थात् —

- (1) श्रां धनराज मिल्स प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरक)
- (2) इलेक्ट्रानिक सर्विसेस ।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त संपह्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की अविध या तत्सविधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास विस्ति मो किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रय्कत शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया

मन्स्यी

माला न० 123, जो पहली मंजिल ए-2 महा नहार इण्डच्डियल इस्टेट सीताराम जाधव मार्ग लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं।

अनुसूची जैना कि कम स० आई-1/37ईई/1548/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 20-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज-1, बस्ब**र्ध**

विनांक : 1-8-1984

प्ररूप आहें. टी, एन. एस,------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचय , महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--1, बम्बई, दिनांक 1 अगस्त 1984 निदेश सं० आई--1/37ईई/1567/83--84---अतः मुझे, ए० लहिरी

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा प्रभान के अधान मक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का का जा के पर स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,0(1)/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 602, है जो, 6वीं मंजिल, पर विना विना अपार्टमेंटस, विग—ई, आचार्य दोंदे मागं, सिवरी (प), बम्बई—15 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20—12—1983

को पूर्वोक्त मम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रित्तफ्स के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करन वे ज्ञाग्ण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उम्र है हम्यान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकत र अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) को संच एसे बन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वे एकिन कर्य में क्रियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवार प्रकट नहीं किया निया या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

स्तः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, सभात :---

- (1) 1. मास्टर केतन जयसिंह रखाना, श्रीर
 - 2. श्राः चंद्रेण गोपाल झ्नझूनवाला ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री फकी अब्दुलभाई मुकादम, श्रीर 2. श्रीमती माकीना फकी मुकादम।

(अन्तरिती)

(3) मेसर्स विना विना इन्टरप्राईसेस । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितत्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय केंदिया गया है।

ननुसुची

प्लैंट नं० 602, श्रो 6वीं मंजिल, विना बिना अपार्टमेंट विग \sim ई, आचार्य दोदे मार्ग, सिवर्र (पश्चिम), बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-1/37ईई/1549/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-8-1984

हरूप बाइं.टी.एन.एस, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कारणीय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1,

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त, 1984

निदेश स० आई-1/37ईई/1569/88-84--अत. मुझे, ए० लहिरो

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको मं० आफिस प्रियमायसेस आन 19वा मंजिल निर्मेल बिल्डिंग, नरीमन पाइंट. बम्बई-21 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच, में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-12-1983

को प्रशंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ६ दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ६ दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रंह प्रतिषात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण निम्नलिखित में बास्तिक रूप से कि अत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वृषने में सृत्रिधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए था. जियाने में सूबिधा के लिए;

भतः भवः, स्वक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----6---256GI/84 (1) स्वान मिल्स लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) स्लेखर-स्कोविल डंकन लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्हा संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि सा तत्संबंधी स्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशों कर स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

वनुसूची

आफिस प्रमायसेस आन 19वी मजिल, निर्मल बिल्डिंग, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-1/37ईई1551/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-12-1983 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 1-8-1984

प्रस्य नाइ. टी. एग. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्मालय, सहायक मायकर मायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1. बम्बई, दिनांक १ अगस्त, 1984 निदेश सं० आई-1/37ईई/1610/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी

भायकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी स० आफ़िस प्रमायसेस नं० 1 श्रीर 2 है जो, 18वी मंजिल ग्रीर कार पार्क न० 19 इन दि बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर, निर्मेल बिल्डिंग, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कुख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1983 को पर्थोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंचाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकसः, निम्नलिबित उददेश्य से उक्त मन्तरण मिबित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सविधा के निए; और/या
- (च) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-अ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्ववितयों, अर्थातु :---

(1) स्वान मिल्स लिमिटेड ।

(अन्नरक)

- (2) सिग्नस नेगी इनवेस्टमेटम प्राईवेट लिमिटेड। (अन्तरिती)
- (3) अन्तरितो

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सचना जारी करके पर्योक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ध---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अविधि भा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की अवधि, जो भी विविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्म किसी अन्य व्यक्ति दुशारा अधोहस्ताक्षरी के प्राथ लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः - इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

अम्स्की

आफिस प्रिमायसेस नं० 1 श्रीर 2, जो 18वी मंजिल, ग्रीर कार पार्क नं० 19 इन दि बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर, निर्मेल बिल्डिंग, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैरा कि कम सं० आई1/37ईई/1008/83-84 जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~1, बम्बई

दिनांक : 1-8-1984

मोहर 🤃

प्ररूप आर्द: टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊸1 बम्बई

बम्बई दिनांक । ग्रगस्त 1984

निदेश सं० श्रार्ड-1/37६६/1612/83-84---ध्रतः मृझे ए० लहिरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ग्राफिस प्रिमायसेस नं० 1 है जी बी० विग पार्क नं० 18 इन दि बेसमेंट ग्राउंड पलोर "निर्भल" बिल्डिंग नरीमन पाइंट बम्बई—21 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करार— नामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1—12—1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों जा, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अयिक्तिमों, अर्थात् :——

(1) मेसर्स ग्राशियन कंवल कारवेरिशन लिमिटेड ।

(ग्रन्सरक)

(2) सिग्नस नेगीं इनवेस्टमेटस प्राईबेट लिमिटेड

(श्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्राधभोग में मम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को के भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्णना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकी।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुस्ची

ग्राफिस प्रिमायमेस नं० 1 जो (बी०—विंग) ग्रौरनं० एस० (सी० पार्ट) 18वी मंजिल ग्रौर कार पार्क नं० 18 इन दि बेसमेंट ग्राउंड फ्लोर "निर्मल" बिल्डिंग नरीमन पार्डट बम्बर्ड—21 में स्थित है ।

प्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० प्राई-1/37ईई/1009/ 83-84 ग्रांर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 का र्राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्षर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∸1 बम्बई

विनांक: 10-8-1984

प्रकप भाइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, १961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई दिनांक 1 ग्रगम्त 1984

निदेश सं० म्राई-1/37ईई/1148/83-84--म्रातः मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह धिश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर मपित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- कि. संअधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 22 है जो तीसरी मंजिल हिम गिरी हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड पेदर रोड़ बम्बई—26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कर्ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है तारीख 12—12—83 को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान श्रीतफल से, ऐसे स्थयमान श्रीतफल का पन्द्र श्रीतशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतक कन निम्निचित उद्देष्य से उक्त बन्तरण निचित में वास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- श्रि) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबाँ को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त औधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयः था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात '——

(1) श्री अरुण सी० बंकेर

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमती गीता महेंन्द्रकुमार ढोर्लाकया। (भ्रन्तरिती)
- (3) (वह् व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग में सम्पति है)
- (4) हिम-गिरी को-ग्राप० हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबक है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अजन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्भान्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तासीस से 30 विन की अवधि, सो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत- वृक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

वन्स्ची

फ्लेट नं० 22 जो तीसरी मंजिल हिंसगिरी की०ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड पेडर रोड बम्बई-26 में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा कि अभ सं० ग्राई-1/37ईई1232/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-1983 का रिजस्टिंश किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्कन (निरीक्षण) शर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 1-8-1984

मोहर 🥲

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई, दिनांक 1 ग्रगस्त 1984

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्राफिस प्रिमायसेस नं० 20-ए इस्टर्न चेंबर प्रिमायसेस को-श्राप० सोसायटी लिमिटेड नंदलाल जानी राङ्ग पूना स्ट्रीट बम्बई-9 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की घारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में तारीख 12-12-1983

को पृयों कर सम्परित के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं, बीर मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित् बाबार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से बिधक हैं और बन्तरिक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्मृलिखित उद्देश्य से उच्त बन्तरण सिकित के रास्तिक सम् से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधि-मिक्स के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में मुनिधा के लिए. बीर/शा
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात्:--- (1) श्री मदनगापाल ए० गर्भ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रवीन्द्र एम० चौगले।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना कें राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सेबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्ब देश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकरेंगे।

भ्यष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उसत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं., बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में भिष्या गया हैं।

बन्त्ची

श्राफिस प्रिमायसेस नं० 20-ए०, जो ४स्टर्न चेंबर प्रिमायसेस को श्राप० सोसायटी लिमिटेड नंदलाल जानी रोड़ पूना स्ट्रीट बम्बई-9 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम मं० ग्राई-1/37ईई/1226/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-1984 का राजस्टिक किया गया है।

> ए० लहि**री** मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∼1 बम्बई

दिनांक : 1~8-1984

माहर :

प्ररूप नाई. टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृभना

भारस सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्अन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 श्रगस्त 1984

निवेश सं० श्राई--1/27ईई/1391/83--84---श्रतः मुझे ए० लहिरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं॰ ग्राफिस प्रिमायसेस नं० 20-ए० है जो इस्टर्न केंबर प्रिमायसेस का ग्राप॰ सोसायटी लिमिटेड 128 पूना स्ट्रीट बम्बई--9 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बांगत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में 13-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकृत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्मीलिखत उच्चेश्य से उकत जन्तरण जिल्दित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है "——

- (क) जन्तरच से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जीभनियस के जभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ज्वने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभाए (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :— (1) मेसर्स अमर ट्रान्सपार्ट कम्पनी

(भ्रम्तरक)

(2) श्री मदनगोपाल ए० गर्ग।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संप्रात्म के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वम्स्ची

ग्राफिस प्रिमायसेस नं० 20-ए जो दूसरी मंजिल इस्टर्न थेंबर प्रिमायसेस को-ग्रायज मोनायटी निमिटेड 128 पूना स्ट्रीट बम्बई-9 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई-1/37ईई/1225 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० तहिरी सक्षम प्राधिकारी **सहायक प्रा**यकर ग्रायुक्त (निरी**क्षण**) ग्रर्जन रेंज−1 *बम्ब*ई

विनाँक : 1-8-1984

प्रकप बाहै.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 अगस्त, 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/1424/83-84—अतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० मी०-1, है जो, दूसरी मंजिल, मातृ आणिण प्रिमायमेस कोअआप० सोसायटी लिमिटेड, 454, नेपियन—सी रोड़ बम्बई—36 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर आधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रों है, तारीख 1-12-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वावत, उक्त विध-नियम के वधीय कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निष्; बीड/वा
- (व) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना चाहिए था, डिज्याने में सुविधा के लिए;

बतः विव , उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिगियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन , निम्निसिस्त व्यक्तियों , अर्थात् :--- (1) श्रं दौलत हमिदअली जाफरअली।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमतो गुलाब जैन, श्रीमतो चंद्रा जैन ।
- (3) (म्रन्तरिती)

(वह न्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

जामता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

 (4) मातृ आशिश प्रिमायसेस को०-आप० हाउसिंग सोसायटो लिमिटेड।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी तर प्रविक्ष वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बच्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

न्पृत्ची

पलैट नं० सों →1, जो दूतरों मंक्षित, मात् आधिशा प्रिमायसेस को –आप० सोसायटी लिमिटेड, 454, नेपियन सी रोड़, बम्बई –36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-1/37ईई/1149/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टई किया गया है ।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज→1, बम्बई

दिनांक : 1-8-1984

प्ररूप गार्ड, टी. एन. एस.,- - ≅ ध~~=

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बर्ष, दिनांक 6 अगस्त, 1984

निदेण सं० आई-1/37ईई/1429/83-84--अतः मुझै, ए• लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-स्त. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं आफिस नं प्रिमायसेसप्नं 27-वं। जो प्राउंड फ्लोर, पचरत्न को आप व्हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, आपेरा हाऊस, बम्बई-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री दिनांक 3-12-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पितफल् के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुन्दं किसी जाय की वायस, उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, विश्वास प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिये;

अतः ज्ञान, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्युक्तियों, अर्थात् है— (1) श्री शिल्पा सवेरचन्द गाला

(अन्तरक)

(2) मेसर्स राज ट्रेवर्ल्स

(अन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटाकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया **ड**ै।

अनुसूची

आफिस प्रिमयसेस न०27 बी०, जो ग्राउंड फ्लोर, पंचरत्न कोआपरेटिय हाउसिंग सोसायटीम लिमिटेड, आपेरा हाऊस; बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं०आई-1/37ईई/118/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक : 6~8~1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

जायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 अगस्त, 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/1431/83-84-अतः मुझे, ए॰ लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं शाप नं 1, जो आशियाना को 9 आप 9 हाउसिंग सोसायटी, 19, आशियाना, बिल्डिंग, महालक्ष्मी टैंपल कंपाउंड आफ बार्डन रोड़, बम्बई – 26 में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है) धौर जिसका करारनामा आयकर आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1–12–1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किया गया श्री निम्नलिखत के प्रतिकार में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण कों. तें उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) ों. धीन, निम्निटिखित व्यक्तिकों, अधीत् डेल्ल 7—256GI/84 (1) कुमारो बिद्री तुलजाराम साहनी।

(अन्तरक)

(2) श्राहरोग मणिलाल।

(अन्तरितो)

(3) श्रो एस० एफ० इंडिया लिमिटेड। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

(4) (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भ) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

णाप नं 1, जो आणियाना को-आप० हाउसिंग सोसायटी . 19, आणियाना विल्डिंग, महालक्ष्मी टेपल कंपाउंड, आफ वार्डन रोड, बम्बई-26 में स्थित है ।

अनुसूच। जैसा कि क्रम मं० आई-1/37ईई/1073/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो , बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, वस्वई

दिनांक: 1-8-1984

प्ररूप नाइ". टी. एन. एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के अधीन स्वानः

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज-1 बस्मई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त, 1984

निदेश म० आई-1/37ईई/1443/83-84--अतः मुझे, ०ए लहिर।

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थान्द सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० फ्लेट न० 61, है जो, 6वी मंजिल ग्रीर ग्रोपन पार्किंग स्पेस ग्रंट ग्राउंड फ्लोर, नवरंग बंसत को आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेट, 46, वंकबे रेक्समेशन, कफ परेष्ठ, वंक्वई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अर्धात बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7--12--1983 को पूर्वोंकन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल के प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिक्षत में अधिक है और अन्तरित (अन्तरित में अधिक है और अन्तरित (अन्तरित में अधिक, निम्निक्षित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकल कप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क्) अन्तरण से हुई किसी आय की वावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अकने में सुविभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-म के अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) 1 श्रा मध्सुदन मलजाठककर, ग्रीर 2 श्रो अजित कुमार मुलजाठककर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रं। किरोट छागपाल कार्राया श्रौर 2 श्रामता निरुपमा किरोट काराया।

(अन्तरिता)

(3) अन्तरको।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

का बह सूचना जारी कारके पूर्विकत सम्परित के अर्जन के तिथ् कार्यवाहियां कारता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काश्रेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की अविधि या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित के किस का सकते हैं।

स्थव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

अनुसूची

पर्लैट नं० 61, जो 6वी मंजिल ग्रीर श्रोपन पाकिंग स्पेस ग्रट ग्राउंड फ्लोर, नवरंग वसत को आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 46, बंकबे रेक्लमेशन, कक परेड, बम्बई -- 5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० आई—1/37ईई/1115/ 83—84 ष्यौर जो सक्षम प्राधिकारो, बस्बई द्वारा दिनांक 7—12—1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∸1, बम्बई

दिनांक : 1-8-1984

प्ररूप आई टी. एन. एस.------

भामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत तर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1., बम्बई बम्बई, दिनांक 13 अगस्त, 1984

निदश म० आई-1/37ईई/1445/83-84--अत. मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के कधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसका स० यूनिट न० 3 है जो, बेसमेट आफ क्रियेटिय इण्डिस्ट्रियल सेटर प्लाट न० 12, एन० एस० जोशी मार्ग, लोअर परेल, डिविजन, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है, तारीख 3-12-1983

को पूर्वेक्स सम्पित के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान शातफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूर्भ यह विकास करने का कारण है कि यथाप्यांक्स सम्पाल का उचित बाजार भूक्य, उसके अध्यमान प्रतिकत्त सं, एस अध्यमान प्राथमन का पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और असरिती (बन्तरितयों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तब पावर गया प्रातिकत, मिम्निनिवित उद्देश्य से उच्त अंतरण निवित में बास्सिक रूप से कीथत नहीं किया गया है:---

- (क) बंदरण से हुक् किसी आंध की वाबता, इक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने वा उससे वचने में सुविभा के लिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय वायकर विधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था का या किया जाना चाहिए वा जिपाने जें सविधा के लिए,

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण अं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) इं बधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ६--- (2) मेसर्स यस्मिन कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रामती हर्ष प्रभा ।

(अन्तरितः)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वाक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता है।

वनत ब्रम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 4.5 चिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर चचना की तामील से 30 चिम की व्यक्ति, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों केत अविकायों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पांच मिक्ति में किए का सकेंदे।

स्पच्छीकरण:——इसमे प्रयूक्त शब्दा और पदा का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

नन्स्वी

यूनिट न० 3, जो बेसमेट आफ क्रियेटिय इण्डस्ट्रियल सेटर प्लाट न० 12, एन० एम० जोण। मार्ग, लोअरपरेल डिविजन, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूर्च। जैसा कि क्रम स० आई-1/37ईई/1112/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 3-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनाकः : 13-8-1984

मोहर :

मोहुर 🛭

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 4 अगस्त, 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/1450/83-84--अनः मुझे, ए० लहिरी

शायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ध्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 441, है जो चौर्था मजिल, "बां" बिल्डिंग कंबल इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई—13 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिकारी अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 3—12—1983 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिश्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया इतिफल निम्निखित उद्योग्य से उक्त कंतरण निम्बित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है :~--

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दामित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधां के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आंय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अप. अब, उनत अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण मो, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) भी जभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् के --

- (1) मेसर्म कवल बिल्डमं प्राईवेट लिमिटेड। (अन्तरक)
- (2) पल्लवः जयिकशन फीमले ट्रस्ट। (अन्तरितेः)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्मित में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किये था सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अंगस ची

यृतिट न० 441, चीथी मंजिल, "बी" बिल्डिंग, कंबल इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, फग्यूसन रोड़, बम्बई-13 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्रम मं० आई-1/37ईई/1150/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶1, बम्बई

दिनांक : 1-8-1984

त्रक्ष बाइ . टी. एत. एस.-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जामकार जामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज--1, बम्बर्ड बम्बई, दिनाक 13 अगस्त 1984

निवेश म० आई-1/37ईई/1457/83-84—अतः मुझे, ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

श्रीर जिसका स० फ्लैट न० 51, है जो. 5वी मजिल, नानाक निवास बिल्डिंग न० 2 भूलाभाई देसाई रोड, वस्वई—26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधान बस्बई स्थित सक्षम प्राधि— कार्रा के कार्यालय में रिजस्ट्रो है, तार ख 3-12-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके दह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बहु प्रतिशत में अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शिक्तस,, निम्निलिक्त उद्वरेगों से उक्त बंतरण लिक्ति के पास्तिक रूप में किया गया है :----

- (क) जन्तरण ते हुई किसी नार्य की वावत, उत्तः जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दासिस्य में कमी करने या उससे बचने में मृथिधा के लिए; और/या
- (च) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा में सिए;

बत: बब, उक्त बिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भो, मी उक्त अधिनियम की भारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .—— (1) श्रीमतो चद्रा विडो आफ लेट किशतचद तीर्थदास दर्यनानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कालन रामचद दर्यनानी !

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन क लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितस्यों में से किसी स्थित द्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरों के पास सिसिक्त में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जबत अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्लैट न० 51, जो 5वी मांजल, नानीक निवास बिल्डिंग न० 2, भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्रम स० आई-1/37ईई/1152/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 3-12-1983 को राजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज–1, बम्बई

दिनांक : 13-8-1984

प्ररूप आइ. .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई वम्बई, दिनाक 8 अगस्य 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई 1460/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 201 सी, है जो दि न्यू पूर्णिमा की-आप०, हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड डा० गीपाल राव देशमुख मार्ग पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूच, में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269% ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रजिस्टा है, तारीख 7-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह निक्वास करने का कारण है कि यथापृश्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से एसे इच्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण चिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधित .— (1) नटवरलाल हरिकणन दास णहा।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री जगदोप मदनलाल महा,
 - 2. मदनलाल ठाकुरदास शहा,
 - 3 श्रीमती रिमझिम हिमेंद्र शहा।
 - 4. श्रीमती दक्षा जगदीय शहा।

(अन्तरिता)

- (3) मासायटा ।
 - 2. थीं हेमेंद्र नटबरलाल शहा
 - 3. श्रो दलोपमंद्र नटवरलाल शहा
 - 4. श्रो प्रताप नटवरलाल गहा
 - 5. श्रीमती चद्रा चंद्रकीत दलाल
 - 6. श्रीमती हसा कपिल गांधी
 - श्रीमती हेमाक्षी रजनीकांत शहा, श्रीर
 - 8. श्रामतो प्रतिभा शिराप इजीनियर।

(वह व्यक्ति जिसैके वार्र में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांड्र भी आक्षाप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मृथना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्वकाकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया हैं।

नन्स्ची

पलैट नं० 201-सी, जो दिन्सु पूर्णिमा को-आपरेटिक हाउसिंग सोसायटो लिमिटेड, डा० गोपालराव देशमुख मार्ग, पेडर रोड, बम्बई--26 में स्थित है।

अनुसूत्रों, जैसा कि क्रम सं० आई-1/37ईई/1121/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारी दिनांक 7-12-1983 को रिजस्टई किया गया है।

ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 8-8-1984

नोहर 😮

प्रक्रम बाह् टी. एन. एस. -----

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के सभीन स्थना

भारत दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनाक 6 अगस्त 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/1472/83-84—अतः मुझे, ए० लहिरी

श्रीयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उन्कर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं. यूनिट गं. 103, जो, पहली मंजिल, अध्यास इण्डस्ट्रीयल इस्टेंट, सनिमल राड, लोअर पटेल, बस्बई-13 में स्थित हैं और जिसकी करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269-कल के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिस्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रो हैं, नारीख 12-12-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के निए बन्तरित की गई है और मुक्ते वह विववास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्नह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिसित उद्देदस्य से उकत अन्तरण निस्ति में बास्तियक रूप से किथा गृही किया गया है

- (क) अन्तरण में हाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने क अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविशा के नियम
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध वास्तिओं को, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जजत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाला चाहिए था किया में के सुविधा के सिय;

करः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थातः :----

- (1) मेसर्य ग्रोनिमेटल प्लान्ट प्राईवेट लिमिटेड। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स सुपर आर्ट ब्रिटर्ग।

(अन्तरितः)

(3) अन्तरिन। ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पति है)

(4) सामायटः।

(बह व्यक्ति जिसक बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

बक्त बन्मित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 जिन की अवधि या तत्संबंधी अपविक्षयों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को बी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के शीसर पृथां कर अवस्तियों में से किसी अपिक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी नन्य स्थवित युवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकेंगे।

स्थव्यकिरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों जीर पदों का, जो उनक् विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

नम्भूषौ

यूनिट नं 103, चो पहला मजिल, अध्याक इण्डस्ट्रियल इम्टेट, सन मिल रोड, लोअर परेल. बम्बई-13 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम मं आई-1/037ईई/1364/83-84 और जो सक्षम प्राधिकार, बम्बई द्वारा दिनाक 12-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

ए० स्वहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज−1, बम्बई

दिनांक: : 6-8-1984

मोहर 🗈

प्रक्रम काई. टी एन. एस.------गमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) जे अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश मं० आई--1/37ईई/1476/83-84---अतः मुझे, ए० लहिरीः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० पलैट नं० 15 है जो, तासरा मंजिल, णिरोम बिल्डिंग, दौलत शिरोम को-आप० हाउसिंग मोसायटा लि०, कृलावा, बम्बर्ड-5 में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड अनुसूर्या में श्रीर पूर्ण रूप में बणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क ख, ख के अधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्टी है, सारीख 17-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृस्य से कम वृष्यमान प्रशिक्ष के लिए ग्रंतरित की गई है और मृष्टे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, एंसे वृष्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत सं प्रधिक है और बण्तरक (अन्तरकों) और बण्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बण्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिशिक उद्देश्य से छण्त प्रमारण जिल्लिन में वास्त्रिक रूप से छण्ति नहां किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी भाय की वावत, संवत्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्सरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (क) एम किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (१९.४२ का ११) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए; और/सा

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिस म्यक्ति में, अधीर भू

- (1) तुंगभद्रा मुगर मिल्स प्राईवेट लिमिटेड। (अन्तरक)
- (2) गेमर्स मेंड इनवेस्टमेंटस प्राईवेट लिए। (अन्तरितंत)
- (3) श्रा जे० वा० पाउन। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पक्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस स्थाना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति यो
- (व) इस सूचना के ऱाजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य त्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्यी

पत्रैट नं ० 15, जो, पहतोसरो मंजिल, शिरीन बिल्डिंग, दौलत शिरोन को०आप० हाउमिंग मोसायटी लिमिटेड, कुलाबा, बम्बई-- 5 में स्थित है ।

अनुसूत्ता जैसा कि कम स० आई-1/37ईई/1366/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 17-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, वस्बई

दिनांक : 8-8-1984

प्राक्प आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अगस्त 1984

निवेश सं० आई०-1/37 ईईई०/1485/83-84--अत: े, ए० लहिरो

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें की परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा /69-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 75,000/- रूट. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० डीं—12 जो 'डी' बिस्डिंग, दादर की-आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्ची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियमम, 1961 की धारा 269 कखा कि अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 16 12-83

्पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रितिक ल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उराजे दशामान प्रतिफल ते, एमें दश्यमान प्रतिफल के मूल्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और नितिरती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिक्त उद्देश्य से उच्त मन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के जिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में स्विधा हो निए।

जतः अज, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग कै, जनूसरण - में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, जर्थात्:—— 8—256GI/84 (1) श्री रघुनाथ सुन्दर ब्राविड।

(अन्तरक)

(2) श्रोमतो मनोरो मिताराम मिस्त्री ।

(अन्यरकती)

(3) ग्रन्तरक

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में से किसी स्वक्ति स्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाष्ट लिखिस में किए जा सकनी।

स्वक्योकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त जिथानियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

वन्त्रची

फ्लैट नं॰ डी-12, जो, 'डी'' बिल्डिंग, दावर को-आप॰ हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड, "शारदाश्रम", भवानी गंकर रोड, दावर, बम्बई-28 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं अाई-1/37ईई/1140/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 16-12-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :6-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन तुमना

भारत सरकार

#तक्र प्रदार महास्यक आजकार **आयुक्त (निरक्षिण)** अर्जन रेंज—1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अगस्त 1984

निवेश सं० आई-1/37ईई/1501/83-84--अतः मुझे, ए.० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करन का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित वाना मल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

पलैट नं० 801, जो 8वी मंझिल और एक बंद गैरिज, "आणिशवंग" बिल्डिंग, 72, पोश्चवान वाला रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित हैं (और इससे उपावड अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका कर रास्नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 69थ, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 15-12-1983

को प्रांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रांत्रशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नल में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिय-लिबम के अधीन कर दने के अन्तरक के दिव्य में केशी करने था उससे बचने में सुविधा के निन्दे; सरि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाने चिहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) 1. श्री अणोक कन्हवासिष्ठ लुल्ला, और
 - 2. श्रीमनी आणा अणांक लुल्ला ।

(अन्तरक)

(2) श्री क्याम हरी विलाम कासत, श्रीर ट्रस्टी ऑफ श्री फेमिली ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

(3) 1: श्री मिनू एफ० मेहता और

2. श्रीमती निगस मिनु मेहता ।

वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोइस्नाक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबढ़ है)

की, यह सूचना जारी करक पूर्वाक्त सम्पन्ति के अलन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाधीय :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की क्विंग या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वर्षीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यक में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्स्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकीं ने।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्यों और पर्दों का, जो उक्तः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसा नवा है।

अनुसूची

पलैट नं० 801, जो, 8वी मिजिल, और एक बंद गेरेज, आधिशवंग बिल्डिंग, 72, पोचाखनवाला रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूर्घ, जैसा कि कम स० आई-1,37ईई/1524, 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांदा 15-12-1983 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी ाक्षन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 1, वस्वई

दिनांकः : 6-8-1984

अस्य भार्यः दी . एन् . एस् .-------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>र</u>क्षिण) अजन रेंज~1, अम्बई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त 1984

निदंश पहु० आई-1/37ईई/1522/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम'क हा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 701, जो, 7वी मंजिल, रामुद्र सेतु बिहिंडग, 51-ई और 51-एफ, भुलाभाई देसाई रोड बम्बई-26 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में, और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयहर अधिनियम की 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-12-1983

को पूर्णेक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसं अन्तरक के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित् के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हाइ किसी आय की बाबत, उक्स जिभिनियम के जभीन कर दीने के अन्तरक के दासित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा को सिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्दा निधिन्सम या धन-कर विधिन्यम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1 श्री मोहन जी सखारानी, और
 - श्रीमती विद्या एम० सखारानी।

(अन्तरक)

- (2) 1 श्री गोपीलाल लखमी अन्द तलरेजा,
 - 2. श्रीमती विद्या गोपीलाल तलरेजा, और
 - 3 श्री मदन गोपीलाल तलरेजा।

(अन्यरिती)

को महसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यश्रीहयां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबिध या तत्संबंधी स्पिक्तकों पुर स्वान की तामील से 30 दिंग की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्पिक्तकों में से किसी स्पिक्त दुवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 701, जो, 7वों मंजिल, समुद्र सेतु बिस्डिंग, 51-ई और 51-एफ, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-1/37ईई/1164/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 20-12-1983 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

विनांग : 1-8-1984

मोहरः

प्ररूप शाई. टी. एन. एस.-----

बाबफर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्याक्षय, सहायक कायकर काय्यक (निरक्षिण) अर्जन रेंज--1, बम्बई

बम्बई, विनांक 1 अगम्स 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/1535/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्राप नं० 16, जो हीरा पन्ना गापिंग सेंटर, हाजी अली, बम्बई-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 20-12-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरच से हुई किसी जाग की बाबस, उक्स मिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दामित्व में सभी करने या उससे बचने में बृधिधा के सिए; जॉट/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के खिए:

सतः सम, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उकत अधिनियम की धारा 269-स को सपधार (1) के अधीन, निस्तिसित व्यक्तियाँ, अधीर म्यान (1) मेसर्स एस० पी० बिस्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री मुस्तनशिर अब्बासभाई पैसानाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपरित में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्यों।

स्थम्बीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, ओ उक्त अधिनियम, के धश्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

बन्तुची

शाप नं ० 16, जो हीरा पन्ना शापिंग सेंटर, हाजी अली, सम्बद्ध-34 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-1/37ईई से 1407/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-12-83 को रजिस्डर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-8-1984

प्रकल बाहें.. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के सभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, जम्बई

बम्बई, विनांक 6 अगस्त 1984

निदश म० आई-1/37ईई/1537/83~84--अतः मुझे, ए० लहिरी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थान सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕- रु. से अधिक है

और जिसकी स० इण्डस्ट्रियल यूनिट न० 238, जो, ए० जेड० इण्डस्ट्रियल इस्टेट, दूसरी मंजिल, जी० के० मार्ग बम्बई—13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है, तारीख 20-12-1983 को पूर्विकत सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य पंद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतीर ती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

- (का) बन्सरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तर्क के दायित्व में कभी कर्ने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बौर/वा
- (च) एसी किसी जाय था किसी धन अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया जा सा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

कतः अत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) श्री लक्ष्मणराज वानीगोट्टा।

(अन्तरक)

(2) डा० उमानाथ यशवन्त रेगे।

(अन्तरिती)

(3) श्री यू० वाय० रेगे। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह युगना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथानियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिभ है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इण्डस्ट्रियल यूनिट नं० 238, जो, ए०-जेड० इण्डस्ट्रियल इस्टेट, दूसरी मंजिल, जी० के० मार्ग, बम्बई मे स्थित हैं अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-1/37ईई/1409 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-12-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~1, बम्बई

विनांक : 6-8-1984

युक्त बादे . टी . एन् . एत् . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत ब्युकान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अगस्त 1984

निदेश स० आई-1/37ईई/1550/83-84--अत: मुझे, ए० लहिरी .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लंटनं० 84-ए, 8वीं मंजिल, मिरामर अपार्टमेंटस, 3-एल० जगमीहनदास मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क. ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 20-12-1983

को पूर्वोक्त संपहित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की वावता, उसत अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उदसे वजने में सुविधा श्वीचए; आर/वा
- (क) ऐसी किसी नाज या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ जन्ति रिती ख्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिसित व्यक्तियों अधीत्:——

(1) वाशी डी० मीरचंदानी।

(अन्तरक)

(2) डा० अमृतलाल रामभाई पटेल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

उनत सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी बाक्षेष :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--६समे प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उका। अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसूची ।

पलेट नं ० 84-ए, जो, 8वीं मंजिल, मिरामर अपार्टमेंटसस 3-एल०, जगमोहनदास मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋम मं ० अई-1/37ईई/1413/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बर्ष

दिनांक 6-8-1984

भोहर :

प्रकृताई ही एन एत . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीनं सुमना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायूक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 श्रगस्त 1984

निदेश मं० ग्राई-1/37ईई/1562/83-84--ग्रानः मुझे, ए० लाहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधिन बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० भ्रौंफिस प्रिमिनिस नं० 510, जो, 5बीं मंजिल, भ्रादमजी बिल्डिंग, 413, नरसी नाथा, स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से बिणत है) श्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-12-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी भाग की बाबत, उनक जीवनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों का, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिणाने में नृतिधा कर नहीं

जतः अव, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---

- (1) कुमारी झिकयाबाई नालेहभाई रंगवाला। (अन्तरक)
- (2) श्री वेद प्रकाश बजाज।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्री वेद प्रकाण बजाज। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पोत्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशेंक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए वा सकींगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रीफिस प्रिमिसिस नं० 510, जो, 5वीं मंजिल, श्रादमजी बिल्डिंग, 413, नरमी नाथा स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-1/37ईई/1543/ 83-84 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 13-8-1984

मोहर 😗

प्रकृप बाधुं. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-म (1) के अभीन सुचना

प्राह्य बहुकार

कार्यांसय, सहायक भागकर नायुक्त (निर्काल)

ष्प्रर्जम रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 श्रगस्त 1984

निदेश स० ग्रई-1/37ईई/1581/83-84---ग्रत मुझे, ए० सहिरी

नामभूर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूट. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी म० बेग्ररिंग सी० एस० नं० 1412, फाईनल प्लाट न० 451 ग्राफ टी० पी० एस० मिटी नं० 4, बाबूराव परुलेकर मार्ग, लोग्रर परेल डिवीजन, दादर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायड श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) भौर जिसका करारनामा भायकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269क ख के ग्रीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20–12–1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाने प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापृथेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल तो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिचित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से अभिक नहीं किया गया है ----

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त प्रक्रियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने मा लससे बसने में स्विधा के सिए, बॉर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि**खित व्यक्तियों, जर्धात्** क्ष्म--

- (1) (1) श्री रमाकांत मोरेश्वर पंडित
 - (2) श्री विवेक मोरेश्वर पंडित
 - (3) नरहर मोरेश्वर पण्डित
 - (4) सुमन्त मोरेश्वर पण्डित
 - (5) हेमचन्द मोरेश्वर पण्डित
 - (6) श्रीमती मगला रामचंद्र रिशी
 - (7) श्रीमती ललित नरेद्र श्राचार्य, श्रीर
 - (8) सुधा हढीशचद जोशी।

(ग्रन्तरक)

(2) कोहिनूर बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरिती)

(3) स्रोनर्स स्रौर भाष्ट्रत ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग मे सम्पति है)

4() श्रोनर्स

(वह ध्यक्ति जिसके बारे मे श्र**धोहस्ताक्षरी** जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख वं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित-ब्द्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकरी।

स्यस्त्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याथ में दिया गया है।

नवस्त्री

नेश्चरिंग सी० एस० नं० 1412 ग्राफ लीग्चर परेल जियिजन, फाईनल प्लाट नं० 451 ग्राफ टी० पी० एस०, बाबूराव परुलेकर मार्ग, वावर, वस्बई सिटी-4 मे स्थित है। श्रन्सुची जैसा कि क्रम स० श्वई-1/37ईई/1562/

श्रनुसूची जैसा कि क्रम स० श्रई-1/37ईई/1562/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज़~1, बम्बई

दिनांक : 1-8-1984

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन समा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 6 श्रगस्त 1984

निदेश सं० श्र§-1/37ईई1587/83-84---श्रत म्झे, ए० लहिरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 237, जो 2री मंजिल, श्राशिश को-श्राप० इण्डस्ट्रियल इस्टेट, गोखले रोड (दक्षिण), दादर, बम्बई-25 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 20-12-1983

को पृथोंक्स सम्परित के उचित बाजार मून्य ये कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्वत से अभिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया ब्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया ही:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आध की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वीवधा के सिए;

जतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन. निम्नलिजित स्पित्वलों, मर्भात :--- 9—256GI/84

(1) श्री निमेश स्रभेचन्द वोहरा, स्रौरश्री किरीट ध्रभेचन्द बोहरा।

(ग्रन्तरक)

- (2) मैं व्यूनाइटेड इण्डिया पेरीबोटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड । (ग्रन्तरिती)
- (3) अन्तरको । (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है ।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत्त में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

अनुसुची

युनिट नं० 237 जो दूसरी मजिल, श्राशिश को० श्रापरेटिव रण्डस्ट्रीयल इस्टेट, गोखले रोड, (दक्षिण), दादर, बम्बई-400025 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० म्राई०-1/36 ईई०/1564/ 83-84 म्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 20-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-1, बम्बई

नारीख: 6-8-1984

प्ररूप आर्घ, टी. एन. एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकार आयुक्त (निरीक्षण) श्राजीन रेंज-1, बस्बई

बस्बई, दिनांक 6 श्रगस्त 1984

निदेश सं० म्रई०-1/37 ईई०/3661/83-84-म्रतः मझे ए० लहिरी

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पञ्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की जारा 269-क है अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित गांगर मृत्य 25.000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 1602, पंचरन को० श्रापरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेंड, मामा परमानन्द मार्ग, बम्बई-4 में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है). श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है तारीख 19-12-83

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकान निम्नितित उद्देश्य में उक्त अन्तरण में निचित्त बास्तिबक कृप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई जिसी बाय की बाबत उकत अधिनियस के अधीन कर दोने के जन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; औप/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों करें, जिन्हों भारतीय अग्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरिनी दवारा प्रकृत नहीं किया गया ज्ञास जिन्हों को लिए;

अतः अव. उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, औ. उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थातः :—— (1) श्रीमती सुधा श्रशोक गहा।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं ० नवीन मेहता एण्ड कम्पनी , मैं ० सवानी डायमण्डम ।

(३) अन्तरक । (ग्रन्मरिती)

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राज्यन के प्रकाशन की तारीय है 45 विन् के भीतर उस्त स्थानर सम्मत्ति में हितक्ष्य किसी सम्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है!

अनुसूची

युनिट नं ० 1602. जो पंचरत्न को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाउटी लिमिटेड, मामा परमानन्द मार्ग, बम्बर्ड-4 में स्थित है।

श्रनुस्त्री जैसा कि क्रम मं० ग्रई०-1/37 ईई०/ 3934/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 6-8-1984

मोह्यरः

प्ररूप कार्ष. टी. एन. एस.-----

कायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, बम्बर्ड

बम्बई, दिनाक 13 अगस्त 1984

निदेश स० ऋई०-1/37 ईई०/4993/83-84---- ऋतः मुझे, ए० लहिरी

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िमर्ग इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को सह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी में लैण्ड बेर्ग्यारंग ने भी एमें 1699 श्राफ माइवी डिवीजन श्रीर श्रोल्ड बिल्डिंग स्टेडिंग दश्चरश्रीन ''प्रवीण चेस्वर्स' 6-ए, केणवजी नाईक'' रोड, बम्बई-9 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिशीन, तारीख 5-12-83

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ६ रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह अिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्मरण संहुर्ष किसी बाव की वायत, अक्त अधिनियम के लभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कानी करने ना उससे बचने में सुनिधा के सिए; और/ना
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य अस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविभा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, आसगरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) भौ नधीन, निम्निलिसित व्यक्तियाँ, अधितः——

- (1) श्रां जितन्द्र भाई महा श्रीर
 - 2. श्री रजनी कात भाईचन्द शहा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री घरेन लक्ष्मीचन्द मोटा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 किन की अविध या तत्सम्बन्धी श्र्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हों, के भीनर प्रवेकित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा:
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत अभिनियम के अभ्याय 20-क मा रिभाजित है, बही अर्थ होगा. जो उस कथ्याय में दिया

www.

प्रनुसूची जैसा कि विलेख मं० बम्बर्ड/2758/82 ग्रीर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बर्डद्वारा दिनांक 5-12-1983 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज∸1, बम्बई

तारीख . 13-8-1984 मोहर: प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के ब्भीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

वम्बई, दिनांक 6 स्रगस्त 1984

निर्देण सं० ऋई/1/37ईई/5002/83-84—अतः मुझे ए लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

जिसकी सं० लेन्ड बेर्झारम सं10 एस० नं० 161 सी० आफ मांटुगा डिबीजन, प्लाट नं० 162 सी०, आफ दादर मांटुगा इस्टेंट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्प से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है, तारीख 31-12-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-थिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उससे वजने से सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी आय या किसी धम या जन्य आस्तियों का , जिन्हें भारतीय आय-कर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में ब्रिया के विवदः

बतः जब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण हैं, मैं, उक्त विभिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निस्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) बाई कमलाबाई रामचंद्र सबनीस।

(अन्तरक)

- (2) महेण चंद्र कानजीभाई सोनी, ग्रीर
- (3) श्री योगेणचंद्र उर्फ तंद किशोर सोनी। (ग्रन्तरिती)
- (४) भाडूत

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पति है।)

का यह स्वना जारी करके पृक्ष कर सम्मित के अर्थन के हिन्स् कार्यवाहियां शुरु करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निश्ति में किए का सकींगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रगुवत एव्यों और नदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

अनुसूची जैसा कि विलेख स० 1543/78 श्रीर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 31-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनाक : 6-8-1984

प्रस्प आई. टी. एन. एस.-----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रगस्त 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एन्यू०/ 3/37-ईई/12-83/ 289/70---श्रतः मुझे, जी० एस० गोपाला

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्म 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 104 है तथा जो ए-3 भौर 4 रणजीत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावछ अनुमूली में पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम-1961 के श्रिधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का एवं दश्यमान प्रतिफल का एवं प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम को बाबत जक्त निध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उजन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से सिए;

 भैसर्स डून प्रपार्टभेंटस प्रा० लि० एम-70, मेन मार्केट, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स विग वीयर प्रा० लि० 1/4 वेस्ट पटेल नगर नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पन्दी कर गा---इसर्ने प्रमुक्त सन्दों सीट पदों का, जो अन्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिमाणित है, बही धर्म होगा, जो उन अन्याय में दिया गया है।

बन्सूची

फ्लेट नं० 104 तादावी 593 वर्ग फुट ए, 3 फ्रौर 4, रणजीत नगर, नई दिल्ली ।

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोज 3 दिल्ली, निरीक्षली-110002

नतः अध, उक्त निधिनियम, की भारा 269-म के अनुसरम मों, मीं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन,, गिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख 16-8-84 मोहर:

त्रकथ काइँ. ठी. एस. एस. - - - ----

भागकर वीभिनियम, 1961 (1961 को 43) की धार्य 269-व (1) के मधीन स्वात

भारत बद्धकार

Abiuित्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 16 श्रगस्त 1984

निर्देश मं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/12-83/ 290/71--- प्रत: मुझे, जी० एस० गोपाला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 103 है तथा जो ए-3 ग्रीर 4, रणजीत नगर नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधनारी के कार्यासय ग्रजन रेज 3, नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर ग्रीधनियम 1961 के ग्रीचन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान क्रिक्ति के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने था उत्तरे अचने में स्विधा के लिए और√वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. िष्णपाने भी सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---- मैसर्स दून अपार्टमेंट्स प्रा० ली० एम-70, मेन बाजार, ग्रेटर कैलाई-1, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2. अनुमारी वन्दना थडानी सुपुत्नी श्री एन० एल० थडानी निवासी-ए-1, मेयफेयर गार्डन, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सपित के वर्षन के विष् कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साद में समाप्त हांती हो, के भीतर पृष्टिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दृषारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ हागा, जो उस अध्याय में विवा मबा ही।

धनसंची

प्रीं नं 103. तदावा 568 वर्गफीट, ए-3 ग्रीर 4, रणजीत नगर, नई दिल्ली।

> जी० एस० गोपाला सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-8-84

मोहर

प्ररूप आहे. दी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (व) (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकार आयक्त (निरीक्षण)

ग्रार्जन रेंज 3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 ग्रागस्य 1984

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- उ. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जी-23 है तथा जो जैमा टावर, जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपावत अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकाशी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-3 नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रीधिनयम 1961 के श्रिधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाय गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य स उक्त अंतरण जिखिल में बास्तिक रूप में किया नहीं किया गया है:---

- (क) जैतरण सं हुइं किसी आय की बाबत, उक्त जिसीनयम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कामी कारने था उससे बचने मो शुविधा के लिए: और/या
- (था) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के निए;

नतः नव, उनत निभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत निभनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के नभीन, निम्नलिकिस व्यक्तियों, अर्थात्:----

- मै० जैना प्रापर्टीज प्रा० लि० ग्रादिनाथ श्री हाउस, श्रिपो० - मुपर बाजार, कर्नोट प्लेस, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री एन० के० अग्रवाल बी-3-बी/8-बी, जनकपुरी, नर्ष्टीदल्ली।

(ग्रन्तिश्ती)

को यह सूचना जारी करके पृशेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यांक द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ता में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 का परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्सभी

प्रो० नं० जी-23, जैना टाबर, डिस्ट्रीक्ट सेन्टर, जनकपुरी, नई दिल्ली-तादावी-150 वर्गफीट।

जी० एस० गोपाला सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रीयकर ग्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 16-8-1984

प्ररूप. आह्री. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 प्रगम्त 1984

निर्देश सं० प्राई० ए० मी०/एवयू०/3/37-ईई/12-83/ 285/67—प्रत: मुझे, जी० एस०, गोपाला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 130/6 है तथा जो भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ला श्राधकारी के कार्यालय श्राजन रेंज -3, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रिधनियम-1961 के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वेक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (जन्तरित्तिमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त जिम्मितयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उसमें अचने में सृविधा के लिए; जरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या कत्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनाथं अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में मुण्या के लिए:

बत: अब. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 169-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- 1 श्री हरीण मनचन्दा (तथासी-4392 कटरा रायजी पहाइगंज, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 श्री माहिन्दर सिंह वालिया श्रीर पर्गमन्दर सिंह वालिया, निवासी-3304, रणजीत नगर, नई दिल्ली। (श्रन्सरिती)

को यह स्पना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 130 पहली मंजिल, 6-भीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली, तादादी 126 वर्गफीट ।

> जी०एम०गोपाला मक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-8-1984

प्ररूप आई. टी एन. एस.-----

सायकर स्रोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-च (1) के सधीन सुचना

भारक्ष सरकार

कार्यालय , सहायक रायकर अव्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 अगस्त 1984

निर्वेश सं० ग्राई० ए० मी०/एश्यु० 3/37-ईई/12-83/

284/66—-अत: मुझे, जी० एस गोपाला बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मन्य

25.000/- रु. से मधिक हैं श्रीर जिसकी संव जेड-156 है तथा जो डब्ल्यूव एचव एसंव नरायणा, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्राजन रेंज-3, नई दिल्ली, आरतीय श्रीयकर श्रीधनियम-1961 के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य में कम के एज्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, भिम्निलिसित उद्वेश्य से उस्त अन्तरण मिसिसल में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किती बाब की बाबत, उक्त जिमिनियम के अभीन कर देगें के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बच्चे में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी वन वा बन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उसत विधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में विश्वभा के लिए:

्र अतः असः, उक्तः अधिनियमं की भारा 269-मं के अन्सरण में, में, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित काकित्यमें अधीन 1. श्री एस० किरपाल सिंह अजाज, एस० हरपाल सिंह यजाज, एस० सर्वजीत सिंह बजाज, निवासी-205 ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राज कुमार जैन निवासी-0-कीर नगर, दिल्लो श्री जय कुमार जैन, निवासी-2/98, रूप नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

ऋषे सह तृष्यना जारी करके धृषोंक्त संस्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी क्यिक्त द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे!

नगत्तर्था

प्रो० नं० जेष्ट-156 डब्ल्य्० एव० एस०, नरायणा, ताढाकी 100 वर्गगंज, नई दिल्ली।

> जी ० एस० गोपाला ससम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-8-1984

मोहर

प्ररूप भार्च. टी. एन. एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 3. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 16 श्रगस्त 1984

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य \$5,000/- रुठ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बी-12-ए, है तथा जो 1-राजेखा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय ग्रजेन-रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर ग्रीधनियम-1961 के ग्रीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उत्वित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (ह) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियत के जधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उसमे अजने में सुविधा के सिए; बॉर/था
- (ग) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिविधा के लिए;

अस अब, उक्त विधिनियम, की धारा 269-भ के बनसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (†) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--

 मैसर्स नेहा दीप कन्स्ट्रक्शन 1-राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2 श्री जयन्त कुमार बेदी श्रीर श्री तरुण कुमार बेदी निवासी-1593, मदरसा रोड, कम्मीरी गेट, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45. दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबस्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास लिभित में किए जा मकोंगे!

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनस्थी

वातानुकुलित स्पेस नं० बी-12-ए, बिल्डिंग नं० 1-राजेन्द्रा प्लेम, नई दिल्ली, तासादी 169 वर्ग फीट।

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-8-1984

प्रकप बाइ .टी.एन,एस.-----

श्रायकर श्रीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के श्रीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 16 अगस्त 1984 - कार्येक एक सीक्षणकार्वा विवन्निर्देश क

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/12-83/ 295—म्प्रत. मुझे जी० एस० गोपाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

है और जिसकी सं० बी-6/20 है तथा जो सफदरजंग इनक्लेव, नई दिल्ली मे स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, /नई दिल्ली, में भारतीय आयकर श्रधिनियम-1961 के अधीन दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी अप या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री हरमोहन सिंह ग्रानन्द, निवासी-बी/28, साउथ एक्सटेनशन-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री कुलवीप चड्डा भीर श्रीमती चान्द चड्डा, निबासी-सी-5, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यासः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सन्य स्थानित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाविश ही, वहीं अर्थ सूरेगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

जन्तुची

प्रो० नं० बी-6/20, सफ्दरजंग इनक्लेब, नई विल्ली, तादादी 450 वर्गगज।

जी० एस० गोपाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-3, विल्ली, नई विल्ली-110002

भतः भनं, उक्त कथिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिमित स्य[क्तायों, अर्थात् क्र--

तारीख: 16-8-1984

मोहर !

प्रक्रम जार्च टरी. एन एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 श्चगस्त 1984

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 8 है जोडा० कृष्णा मार्केट, लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय) रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकार्ने) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल निम्निशिवित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिवित में बाक्क विक क्यू से कवित गृहीं किया नवा है है

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की वादत, इक्त निधिनियम के अधीन कार दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बाँट/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करें जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सविधा के लिए;

कतः सब, उक्त अभिनियमं की भारा 269-म के अनुसरण मं, में, उक्त अभिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- विंग केंमान्डर ग्रार० डी० एस० भन्डारी सुपुत्र श्री हरबंस सिंह निवासी-ए ०-5/10, वसन्त बिाहश्र श्रीर ब्रगेडियर जे० एस० भन्डारी, निवासी डी-ए/3 सो मुनीरकः, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मदन नाल भुटानी सुपुत श्री इश्वर दास पर्लैट नं० 8, डा० कृष्णा मार्केट, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को बह स्थाना बारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यमाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में भे किसी व्यक्ति देवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिंत- क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्थळकोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जां उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुं, वहीं अर्थ होने जो उस अध्याय में दिया ने सा हैं।

मन्स ची

क्लैट नं० 8, डा० कृष्णा मार्केट, लाजपत नगर, नई विस्सी, तावाधी 1066, वर्गफीट, चार्जेड 2/3 (जी० एफ०) ग्रौर 1/3 पहली मंजिस।

सुधीर चन्द्रा सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 8-8-1984

प्रस्य आहाँ ही एन एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-छ (1) के अधीन न्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज-1, नई विल्ली नई विरुजी दिनाव 14 ग्रगस्त 1984

निर्देश स० श्राई० ए० सी० /एक्यू० 1/एस० श्रार०-3/ 12-83/1379---श्रत मुझे सुधीर चन्द्रा

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल इसमें इसमें पर्वात् (जिल इसमें इसमें कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुट. में अधिक है

श्रीर जिसकी सठ ए-285 हं तथा जो डिफेन्स कालोनी नई दिल्ली मे स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध प्रनुसूची मे पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्णेक्त सम्मत्ति के उचित नाजार भूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित नाजार न्ल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्वर्ष से उक्त नंतरण सिविव में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) जंतपण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अंतरक के दायित्व को कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने संस्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) जै अधीन, निम्निशिक्त स्पिक्तिमों, अर्थात्:— बावा जसवन्त सिंह सुपुत्र बावा मेहर सिंह ³⁵-हेम कुन्ड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

येससं उमिल प्रापर्टीस एण्ड इन्वेस्टमन्ट (प्रा०) लिमिटेड 36, एच० कनाट प्लेस, नई विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोदन सम्पत्ति के शर्जन के निए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त प्राक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमं प्रयक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त किंधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गण है।

वन्स्ची

ए०-285, क्रिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली क्षेत्र 217 वर्ग गज।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीषा 14-8-1984 मोहर: प्रकम् आर्थः टी. एन , एस ,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

बारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिस्सी, विनांक 14 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/एस० आर०-3/ 12-83/1390--अतः मुझे सुधोर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राथिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25 000/ रा. से अधिक हैं

भीर जिसके। सं० कुषि भूमि है तथा जो गांव भट्टी नई दिल्ली में स्थित है (शीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उष्देश्व से उसत बन्तरण जिषिति में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आग की वायत, उक्त ब्रीनिश्वक के अधीन कड़ बीजे के सम्बद्ध के बाजित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुनिशा के ब्रिक्क क्रीड़/का
- '(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस 1922 (1922 का 11) वा उच्च अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा वा किया वाना वाहिए वा, कियाने में स्विभा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

1. मैसर्स स्कोपर कन्स्ट्रक्शन कम्पनी (प्रा०) लि० 22-बी० के० रोड़, नई विल्ली द्वारा डायरेक्टर तेजवन्त सिंह।

(अन्तरफ)

 श्रा अशोक तलवार, श्रोम प्रकाण तलवार सुपुत एम० एल० तलवार श्रामित शारदा बहल धर्मपरनो श्री एस० के० बहल, सी-46, ईस्ट आफ कैलाश' नई दिल्ली।

को यह सूचना चारों करके प्वेबित संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त राज्यित में अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शासेपू:--

- (क) इत सूचना के एकपन में प्रकाशन की तारीब हैं 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि को भी व्यक्तियों में से समस्य होती हो, के मीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति। में हितबक्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निविक्त में किए वा सकोंगे!

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

नन्सची

कृषि भूमि 5बीघा 19 विश्वा, खसरा नं०832 (2--14) 833 (3--5), गांव भट्टो, तहसोल महरौलो, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**व**: 14-8-84

प्ररूप भाषां, टी. एन. एव. ******

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज_़1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० आर०-3/ 12-83/1392—अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रह से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव भट्टी नई घिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) में अधीन दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुए किसी जाव की बाबस, उसे अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व के कभी करने या उसक्ते अवने के सुविधा के जिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिमाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनिधम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थासु :--- 1 मैसर्स आनन्द कन्स्ट्रक्शन कम्पर्नाः (बिल्लाः)(प्रा०) लि० 22-बीम को० रोड़, नई विल्ली द्वारा डारेक्टर तेजवन्न सिंह।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक तलवार, श्रोम प्रकाशी, तलवार, सुपुत्र श्री एम० एल० तलवार, श्रीमती शारदा बहुल धर्म-पत्नी श्री एस० के० बहुल, सी-46, ईस्ट आफ कैलाश नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय के दिया गया ही ।

अनुस्ची

कृषि भूमि 2 बीचा 11 विक्वा खसरा नं० 839, गांच भट्टी तहसील महरौली, नई विल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीच: 14-8-1984

अरूप आईं.टी.एन.एस.-----

अगथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1984 मिर्देश सं० आई ए० सी०/एक्यू० 1/एस० आर०-3/12-83/ 1391---अतः मुझे सुधोर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्रि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम भट्टी नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्षोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह त्रिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना बाहिए था, छिपाने में नृविधा के लिए।

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियाँ, अधीत, :----

 मैसर्स आधन्द लन्स्ट्रक्णन कम्पनो (विस्ति) प्रा० लि० 22-बो० के० रोड, नई दिस्सो।

(अन्तरक)

2. श्री अणोक तलवार, श्रीम प्रकाश तलवार सुपुत्र श्री एम० एल० तलवार श्रीमती शारदा बहल धर्म-पत्ती श्री एम० के० वहल मी-46, ईस्ट श्राफ कैलाश नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असम्बद्धी

कृषि भूमि 2 बोघा 18 विश्वा खनरा नं 838, गाव भद्री, तहमील महरौली, दिल्ली।

> सुधीर अन्द्रा सक्षम अधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-8-1984

प्रकप नाहरें. दी. एन. एस.,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनोंक 14 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू० 1/एस० आर०-3/ 12-83/1412-अतः मुझे चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अभिक हैं

भीर जिसकी सं०डी-31 है तथाजो जंगपुराए क्टेंशन नई दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विधित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्लो में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख विसम्बर 1983

भी पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृस्य से कम के दूरयमान प्रात्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पश्च प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देष्यों से उक्त जन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औद/या
- (का) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्रारा पंकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

जतः जन उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (१) के अधीन, निस्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती शान्ति देवी धर्मपत्नी स्वर्गीय हरीचन्द सचदेवा, ए-238 डेरावाल नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमतो टोनो कै० लिंगटसं धर्मपत्नी श्रो टो० टा० लिंगपूसंग जे-22, जंगपुरा एक्टेंशन, नई दिल्लो। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पन्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

मम्स्यी

डी ०-31, जंगपुरा एक्टेंशन, नई विल्ली क्षेत्र 200 वर्ग गज।

> सुधीर **चन्द्रा** सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्लो, नई दिल्ली-610002

तारीख: 14-8-1984

प्ररूप बार्दः टी. एन. एस. -----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सं।०/एक्यू० 1/एस०आर०-3/12-83/ 1417—अनः मुझे सुधीर चन्द्रा

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'गुक्त पधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० ई-121, है तथा जो ग्रेटर कैलाग-II, नई विस्ती में स्थित है (ग्रौर इससे उपावत अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजर्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख विसम्बर 1983

को प्रविक्त संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथाप्यों के संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिसत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) को बीच एसे बन्तरण के लिए त्य पाना गया प्रतिफल, निम्निसित्त उक्वेक्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुद्द किसी बाय की बाबत, उक्त बाधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्टियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, कियाने मं मिविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के नभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, बर्धात् :— मैससं हाउस बिल्डर्स, पी-17, ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्हा ।

(अन्तरक)

 मैसर्स भागवतो बिल्डर्म, ई-588, ग्रेटर कैलाग-bl, नई दिल्ला, द्वारा भागादार जुगल किशोर मस्हन। (अन्तरितो)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहंश किसी जन्म स्थावित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्वी का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में क्रिशाबित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमुची

पहली मंजिल, मेजनीन फ्लोर, दूसरी मंजिल, (बरसाती का भाग) प्रो० नं० ई-101, ग्रेटर कैलाश-II, नई विल्ली तादावी 60 वर्गफीट।

सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखा: 8-8-1984

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.------

नायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्राजंन रेंज नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 8 श्रागस्त 1984

निर्देश स्० ग्राई० ए० सि०/एक्यू०/1/एस०-ग्रार०-3/-3/ 12-83/1418---ग्रतः मुझे सुक्षीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पृश्वात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एम-30 है तथा जो कालकाजी नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपायदा ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाजत है) राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम अ दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में यास्तिबक रूप से कंथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उकत जींध-निवम के जधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के जिए; जौर/वा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी भून या अन्य बास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बाधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अंत्रिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुविधा के लिए:

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मनिसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्रीमती निर्णल कुमारी पत्नी सुदेश अन्वर -- निवासी एम-30 कालाजी नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. नुमारी जैश्री घाष्ट्रजा सुपुत्री श्वी० टी० घाष्ट्रजा निवासी 111-जी/57 लाजपत नगर नई दिल्ली: (ग्रन्तीरती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु ।

उक्त सम्पत्ति क अर्थन के सम्बन्ध म कार्ड भी आक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है, 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास निवित मो किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

भगसंची

प्रो० र्लनं एम०-30, कालकाजी नई विस्ली, तावादी 175 वर्गगज:

> सुधीर चन्द्रा सक्षम ग्राधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-8-1984

मोहर ः

प्रकृष बाह्र . ही. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज:1, नई विल्ली

नई दिल्ली दिनांक 8 ग्रगस्त 1984

गांक निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०ग्रार-०-3/ ु12-83/1423—श्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा बृायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)ः (जिसे इसमे

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कीरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एफ-14 है तथा जा कनाट प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावक्ष भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विद्याल है) र्राजस्ट्रीकर्ता भाषकारी के कार्यालय नई दिल्ली के भाषतिय र्जाजस्ट्रीकरण श्राधानयम 1908 (1908 का 16) के भ्रथीन तारीख विसम्बर 1983

का पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूक्त्र, असले रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाम गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गमा है:——

(क) अंतरण से हुई किसी आय की आबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या

णम०-३० कानकात्रा नई क्यान्। सायादी

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रिक्ति प्राप्ति अयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा शक्ट नहीं किया भया जिल्लाक्षिक मध्या या किया जाना चाहिए ता, व्यापने में सुविधा (जाविशिकों) को भिष्पा अस्ति अस्ति । विशेषकों प्राप्ति को को भिष्पा अस्ति । विशेषकों प्राप्ति को विशेषकों प्राप्ति को विशेषकों प्राप्ति । विशेषकों प्राप्ति को विशेषकों प्राप्ति को विशेषकों प्राप्ति के स्वाप्ति को विशेषकों प्राप्ति के स्वाप्ति के स्वाप्ति के स्वाप्ति का स्वाप्ति के स्वाप

अंतः असं, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त सिधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्रीमली पुष्पा देवी विनोद गुष्ता ललीत गुष्ता सुनिल गुष्ता घोर घरण गुष्ता निवासी-4764 डिपुटी गंज सदर बाजार दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स कम्पीटेन्ट बिल्बर्स 101 कम्पीटेन्ट हाउस एफ-14-कनांट प्लेस नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीक सं 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हितत्रवृष किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थल्डीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वग्तुची

एफ 0-30 से 41 कनांट प्लेस नई दिल्ली जिसमें से प्रो0 नं0 एफ 0-14 कनांट प्लेस नई विल्ली तादावी

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम श्रीधकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, विल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख: 818-1984

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. ------

नायकर मिर्गिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 14 ग्रगस्त 1984

निर्धेग सं० ग्राई० ए० सी०/एवयू०/1/एस०-ग्रार०-3/12-83/1438—ग्रत. मुझे मुधीर चन्द्रा बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का का ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस०-359 है तथा जो ग्रेटर कैलाश II नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावक्ष धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) र्जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिल्ली मे भारतीय र्जिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1983

कां पूर्विक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रितिक्त को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्विक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण किखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नन्तरण से हुई किसी नाथ की वायत, उनस विभिन्न के अभीन कर दोने के नृन्तरक के शास्त्रिय में कमी करने या उससे वचने में तृषिधा के लिए; भीऱ/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के सिए;

बतः, अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधृति :---

- श्री चन्द नरूला सुपुक्ष सेठ पूत्रू राम जी-13 तारा ग्रापीटमेन्ट नई विल्ली।
- डा० रेखा भौतीहर धर्मपरनी स्वर्गीय नीक मोतीहर श्रीर श्री गवीन मौतीहर सुपुद्ध स्वर्गीय नीक। मोतीहर एस-359 ग्रेटर कैलाश- II नई दिल्ली (ग्रन्तारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के रि।" कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाए;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध, किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही बर्ध होगा थो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृत्त्रची

प्रापर्टी नं० एस-359 क्षेत्र 300 वर्गगज ग्रेटर कैलश-II नई विल्ली।

> सुधीर चन्त्रा सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन-रेंज 1, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-8-1984

मोहरः

प्राक्षम बार्च .टी.एन.एस.-------

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 14 ग्रगस्त 1984

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3/ 12-83/1447-- ग्रत: मुझे सुधीर चन्त्रा शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 76 ब्लाक-बी-II मोहन काप० श्रीचागिक स्टेट लि० में स्थित है श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय दिल्ली मे भारतीय राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983 को पूर्वोक्स सम्परित के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स संपत्ति का उचित्र वाजार

बूल्य, उसके रूपमान प्रतिफाल से, एसे रूपमान प्रतिफाल का

पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और

भन्तरियों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पामा गमा प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिकित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गमा है:---

- (क) जन्तारण चे हार्ष किसी जान की वावत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के सिए; बरि/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को चिन्हों भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन कह जिथिनियम, या अन कह जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था कियाने में साम्या के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री बी० के० पम्माकई सुपुत्र के० बी० पम्माक फस्ट फ्लोर बी-1 साधू वाक्वानी रोड़ नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. मैसर्स एम० के० इंजिनियर्स (दिल्ली) प्रा० लि० हारा बेजान खुरसेदजी पन्धाकई श्रीमती बचन बेजीन पन्थाकई डा० रोहटीन टोन बेजोन पन्थाकई बी-1 साधू वाश्वानी राष्ट्र नई दिल्ली। (श्रन्सरिती)

स्त्रे वह तुमना वारी करके पूर्वोंक्त सम्पृतित् से वर्षन के तिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन है सम्बन्ध में कोई भी बाखेंच १---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सी 45 दिन की अविधिया सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के मीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वस्थितिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्यी

प्लाट नं० 76 ब्लाक नं० बी-II मोहन कापरेटिय श्रीचीगिक स्टेट लिमिटेड पुल पहलाद तेजपुर श्रीर बदरपुर दिल्ली । क्षेत्र 2383,30 वर्ग गज।

> सुधीर चन्त्रा सक्षम ग्राधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली नहिं विल्ली-110020

तारीख: 14-8-1984

त्रक्ष्य शक्ष्यः, टो., एव., एस.,------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन स्मना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 ग्रगस्त 1984

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एनयू०/1/एस० श्रार०-3/ 12-83/1452---श्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या-IV /डी/4 है तथा जो लाजपत नगर नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावछ अनुसूची में 'श्रौर पूर्ण रूप से बांगत है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख विम्सम्बर 1983

को प्यों कर सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफस के लिए बन्तरित की गृह है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवींकत सम्पत्ति का उचित बाजार यूल्य, इसके ध्यमान प्रतिफल से एसे ध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम ममा प्रतिफल, निम्निसित्त उद्वेष्य से उक्त बन्तरण सिचित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबता आयकर बिश्तियम के ज्यीन कर दोने के जन्दरक के ब्रियस में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; बार्ट/वा
- (व) एसी किसी शय या किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए:

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के जनुसरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः— श्रीमती धमंदेबी धमंपत्मी स्वर्गीय श्री मूल चन्द क्वाटर तं० 3 श्रीर 4 पुराती डबल स्टारी लाजपत नगर, नई विस्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती गुरबीप कौर श्रानन्य धर्मपत्नी श्री हरचरण सिंह श्रानन्द निवासी सी-108 रमेश नगर नई दिल्ली।

(ग्रन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत संपरित के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच हैं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पहं
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्ब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रमुक्त कर्यों और पवों का, वो स्थत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होता, वो उस अध्याय में दिया गया

वन्स्या

क्याटर नं०-IU /डी/4 पुरानी डबल स्टोरी लाजपत नगर, नई दिस्ली।

> सुधीर चन्द्र सक्षम ग्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1/विल्ली, नई विल्ली-110002

तारीखा: 14-8-1984

माहर :

प्रकम बाइं.टी.एन.एस. -----

नायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से अथीन सुचना

भारत सरकार

कामलिय, बहायक नायकर बाय्यक (निरीक्ष)

श्रर्जन रेंज-1, मई विल्ली

नई दिल्ली, दिमांक 14 भगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/12-83/ 1466--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रापवे से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा गांव देवली नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एोसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) कर्न्यरण सं हुई किसी नाथ की बाबता, उथत अधिनियम के नधीन कर दोने के अन्तरक के दर्शयत्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (व) ऐसी किसी अाम या किसी धन या जन्म जास्तिमों को, जिन्हें भारतीय जामकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ जन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए:

1. श्री सुखलाल सुपुत्त श्री खीमा, श्री भूप सिह कन्हैंय्या, श्री सुखबीर सिंह, होशियार सिंह सुपुत स्वर्गीय श्री मांम चन्द्र,श्री धर्मे सिंह सुपुत्त श्री रामजी लाल, गांव देवली, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

3. श्रीमती राखी वलेचा धर्मपत्नी श्री एम० डी० वलेचा श्रीर मुरली धर वलेचा सुपुत्र श्री पारस राम, निवासी एल-21, शींख सराय, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., आं उच्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

बन्स्ची

कृषि भूमि, खासरा नं० 49/11(4--16), 49/12 (2--8) गधांव देवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम ग्रिवकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

नतः अव उक्त निधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त निधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को नधीन, निम्नतिथित व्यक्तिकों, नथीत् —

तारीख: 14-8-1984

प्रकप वाहाँ, टी. एम. एस. -----

नामकर गिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ल (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्षांत्रम, सहायक मायकर आमुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 श्रगस्त 1984

निर्वेश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० 1/एम० ग्रार०-3/12-83/1470-श्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव देवली नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिए की गए है और गुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथागूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एंस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिकित में नास्तमिक रूप से कथित नहीं किया गया है हू-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, विधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने सें सुविधा चे सिए; नीइ/वा
- (क्रा) एेसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियी को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविध्य के तिए:

मत: क्य, उक्त अधिनियम, की भारा 269-च के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधार (1) के भागि, निम्त्तिमिन व्यक्तियों, अर्थात :---

12-256GI/84

- 1. श्री सुखलाल सुपुत्र श्री खीमा, श्री भूप सिंह सुपुत्र श्री कन्हैस्या, श्री सुखबीर सिंह, होशियार सिंह स्पुत्र स्वर्गीय श्री माम चन्द, श्री धर्म सिंह स्पुत्र श्री रामजी लाल, गांव देवली, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती राखी वलेचा धर्मपत्नी श्री एम० डी० वलेचा श्रौर श्री मुरलीधर बलेचा सुपूत श्री पारस राम निवासी एल०-21 सीख सराय, नई दिल्ली ।

को यह स्वाना जारी करको पूर्वीक्त सम्प्रित को अर्थन को लिए कार्यवाहियां शुरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर त्यर्ग क्रम्यां क्षेत्र क्रिक्ति न्येचित देवाराः
- (स) इस स्चनाके राजपत्र में पकाशन की सारीच से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्दश किसी अन्य व्यक्ति वुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पव्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका मना है।

अन्स्ची

कृषि भूमि, खसरा नं० 49/12(2-8) 49/19 (4--16) गांव देवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम श्रधिकारी महायक 'भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंभ-1, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-8-1984

कोहर:

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की '69-च (1) के अधीन सूचना

भारत बहुकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्धिका)

ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1984

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/~ रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो गांव देवली, नई दिल्ली में स्थित है श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्याल दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, एसे दृश्यमान प्रतिपत्त का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की नावत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के वायित्स में कमी करने था उससे बचने में सृष्यिक के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी भन वा बन्स आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ बन्तरिसी व्वस्ता प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबदण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् हि—

- 1. श्री सुखलाल सुपुत्र श्री खीमा, श्री भूप सिंह सुपुत्र श्री कन्हेंच्या, श्री सुखनीर सिंह, होशियार सिंह सुपुत स्वर्गीय श्री माम चन्द, श्री धर्म सिंह, सुपुत्र श्री राम जी लाल, निवासी गांव देवली, नई विल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती राखी वलेचा धर्मपत्नी श्री एम० डी० वलेचा श्री मुरलीधर वलेचा सुपुत्त श्री पारसराम, निवासी-एल०-21 सीख सराय, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

की यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपरितः के अर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्यूना के राज्यन में प्रकाशन की ताड़ीय से 45 विन की अनिध या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर सूचना की ताथीन से 30 विन की नविध, जो भी नविध नाय में सनाप्त होती हो, के भीतर पूनांक्य व्यक्तियों में से जिस्सी न्यक्ति धुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए का सकोंगे।

स्यष्टीकरण ए---इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, को उबद अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा को उस स्ध्याय में विका गवा हैं।

वर्त्सूची

कृषि भूमि खसरा नं 49/20(4--16) गांव देवली, तहसील महरौसी, नई दिल्ली।

सुधीर चन्त्रा सक्षम प्रक्रिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-8-84

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज 1,

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी आर बिलिडग, इन्द्रप्रस्थ,स्टेट नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०-एक्यू० 1/एस० मार०-3/ 12-83/1465--मातः मुझे,सुधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव वेवली नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित शाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के सुधीन कुट दोने को अंतरुक के दायित्व में कमी करने या उध्से बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी अस्य या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कैं अधीन, निम्न्सिकित व्यक्तियों, जथीत् ६—- अी सुखलाल सुपुत्र श्री खोमा श्री भूमि सिंह सुपुत्र श्री कर्न्हैय्या श्री सुखबीर सिंह ग्रौर होशियार सिंह सुपुत्र स्वर्गीय माम चन्द , श्री धर्मसिंह सुपुत्र श्री रामजीलाल , गांव देवली, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)

2. श्री पी० एन० वट्ल सुपुत्र स्वर्गीय श्री एस० सी० वट्ल एकान्त फार्म खानपुर देवली, रोड़, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदा-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकर्प।

स्यष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिवा प्या है।

नगुज्ञी

कृषि भूमि,, ख्रासरा नं ० 49/3(2-8), 49/8(4-16) 49/13(2-8) गांव देवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-8-1984

मोहर 🍇

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

शाउन सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 1,

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सं/ आर० बिल्डिंग,इन्ब्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 श्रगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० आर०-3/ 12-83/1468-अतः मुस्ते सुधीर चन्द्राः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित पाजार मृत्य, 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो गांव देवली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विगत है), रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तम पाया ग्या प्रतिफल निम्निलिखत उद्दोष्य से उन्त अन्तरण मिषित में बास्तिक कथ से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ज़लरफ से हुए किसी जान की बाब्स, उक्त जिमित्सम के जभीन कर दोने के अन्सरण के स्वीतिक में कमी करने या उससे ब्याने में सुविधा से सिहा; बीहर/धा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय नाय-कर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, या भन्-कर अधिनियम, या भन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती बुनारा प्रकट नहीं किया नृता था या किया जाना जाहिए वा, कियाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् .---

- श्री सुखलाल सुपुत्र श्री खीमा, भूप सिंह सुपुत्र श्री कन्हें प्या, सुखबीर सिंह श्रीर होशियार सिंह सुपुत स्वर्गीय श्री माम चन्द, श्री धर्म सिंह सुपुत्र श्री राममजी लाल निवासी, गांव देवली नई दिल्ली।, (श्रन्तरक)
- 2. श्री पी० एन० वटल सुपुत्र स्वर्गीय श्री एस० सी० वटल एकान्त फार्म, खानपुर, देवली रोड़, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को थह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी, अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित् बुशाराः
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 किन को भीतर खबत स्वावर सम्मिटित में हितवहंभ किसी अन्य क्यं कत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्वृद्धिकरण: "- इसमें प्रयुक्त अन्यों और पर्यों का, जो उपत जीभनितम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं बर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन सुर्देश

कृषि भूमि खसरा नं० 49/13(2-8), 49/14(4-19), 49/17/2(0-17), 49/18/1(1-6) गांव वेवली तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

मुधीर चन्द्रा सक्षम लिधकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1; विस्ली, नई विस्ली-110002

ता**रीख**: 14-8-1984

मोहर 🥫

प्रकार नार्ड .टी. एन . एस . -------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 नर्ट (दल्ली
नर्इ दिल्ली) विनां रे 14 अगस्त 1984

निर्देश स० आई० ए० सो०/एक्यू०-11/एस० आए०-3/ 12-83/1480---अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 2.5,000 ∕-रुट. से अधिक हैं और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इस्ते उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टाकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) विसम्बर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) आर अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफास, निम्निसिखत उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या कस्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुद्धिया के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण. में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रो मांगे राम सुपुत्र सरजात निवासी गांव देवली तहसाल महरौला, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमतो रिशमी पालीवाल धर्मपत्नी श्री प्रवीप पाली-बाल ई-14/19, वसन्त विहार, नई विस्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनुसूची

कृषि भूमि तादादी 9 विश्वा खसरा नं० 674 मीन, ग्रांव देवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-I, दिस्ली, नई विस्ली-110002

तारीख: 14-8-1984

मोहर 😹

प्रकप शाइ. टी. एन. एस.-----

मामकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1984

निषेण सं० आई० ए० सो०/एक्यू०-1/एस० आर०-3/ 12-83/1477---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव देवली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, दिस्लो में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपक्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्विषय से उक्त अन्तरण सिश्वित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई जिसी आय की वाबत, उक्त जिल्लाम के जधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिकित व्यक्तियों, अधीत :--- श्री मांगै राम सुपुत श्री सरजीत ग्राम वेवली, तहसील महरौली, नई विल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमतो मिथलेश पालीवाल धर्मपत्नी श्री एस० सी० पालीवाल ई-12/17, बसन्त बिहार, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकी।

स्थव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स ची

कृषि भूमि तादादी 9 विषवा खसरा नं० 674 मीन, ग्राम देवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 1/4-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-प (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्बास्य, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/12-83/1486—अतः मुझें, सुधीर चन्द्रा जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वाम करने का कारण हैं कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भिम है तथा जो ग्राम घीटोंनी, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूर्ष में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृक्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिसत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तिमक रूप से किया नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण वे हूप किसी जान की नावस सकत जीव-रिज़ब्द के अभीन कर दोने के अन्तरक के शायित में कमी करने या उससे अजने में सूजिभा के लिए; करि/बा
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन्तार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया असा धा या किया जाना चाहिए था छिपान में मूर्यिधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् (.—— श्रापलाला सुपुत्र श्री मिथु, ग्राम—धे.टोर्नी, महरौलो, नई दिल्लो।

(अन्तरक)

2 श्री दिनेश कुमार शर्मा सुपुन्न प० भगत राम, निवासी-327-मस्जिद मठ, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित की कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध भ किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

अग्सुची

कृषि भूमि तादादी 8 बिघे 6 विश्वे, खसरा नं॰ 42 (4-16), 54 मिन (3-10), ग्राम घीटोर्नी, महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख . 8-8-1984

मोहर ः

प्रकार बाह्री, टी. एन. एक. ११४ - ४ -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एभ्यू० -I/एस० आर०-3/
12-83/1490—अतः मुझे सुधीर चन्द्रा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उयत अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

मीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव डेरा मन्डी नई दिल्लो में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनयम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायिस्ट में कमी कुटने वा डससे बचने में सृष्धि। की तिए; नौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आव-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अम्लिस्ति इवास प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए भा कियाने में सुनिधा के सिए:

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसूरण को में, उक्त अभिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसियत व्यक्तिरायों, वर्षक ह—

- शे चन्दी, मैमबर सुपुत्र पूरत, राम कला, भीखारी, मुरजा मुपुत्र मानिंग मुल्या दिवात सुपुत्र नाणत, गांव डेरा मन्डी, नई दिल्ली अटोनी मुखबार सिंह। (अन्तरक)
- श्रीमती डॉन सिंह धर्मपत्नो श्री क्रिजेन्द्रा सिंह , 28-मुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवेक्त संपति को अर्जन के लिए कार्यशाहियां करला हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पृथंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उपल स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

कृषि भूमि तादावी 11 विश्वा, खसरा नं० 774/15, गांव डेरा मन्डो, नई दिल्ली।

> ्रीमुधीर चन्त्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई विल्ली-110002

तारी**ख**: 14-8-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक शायकर जायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, न ई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू० I/एस० आर०-3/ 12-83/1489—अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मन्डी भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मन्डी नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्योलय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1983

को प्रशेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का, बंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किवत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जकत अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्ता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

13-256GI/84

- 1. श्री चन्दी, मेमबर सुपुत्र पूरन, राम कला, भीखारी, सुरजी सुपुत्र झीनगर, मुन्शी दिवान सुपुत्र नाथन, ग्राम हेरा मन्ही नई दिल्ली अटोनी मुखबीर सिंह । (अन्तरक)
- श्रीमती डॉन सिंह धर्मपत्नी श्री बिजेन्द्रा सिंह 28-मुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगसची

कृषि भूमि सादावो 11 विश्वा खसरा नं० 774/15, गांव डेरा मन्डा, नई दिल्लो।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-8-1984

भोहर:

प्ररूप बाईं.टी.एम.एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्थन रेज-1, नर्ड दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्य 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० आर०-3/ 12--83/1488--अनः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है:

और जिसकी संख्या ृषि भूमि है तथा जो गांथ हेरा मन्ही, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भाररतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के क्लाह प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में कृष्टिमा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए।

आतः अब, उक्त अधिनयम की धारा 269-म को अनसम्भ में, में, उक्त अधिनयम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यवित्यों, अर्थात् :---

1. श्री चस्दी, मेमबर सुपुत्र पूरन, राम कला, भीखारी सुरजी सुपुत सीनगर मुन्गी, दिवान सुपुत्र नायन, निवामी ग्राम डेरा मन्डी नई दिल्ली अटोर्नी सुखबीर सिंह।

(अन्तरक)

 श्रीमती डांत सिंह धर्मपत्नी श्री त्रिजेन्द्रा सिंह, 28-मृन्दर नगर, नई दिल्ली /

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य त्यक्ति इवारा अधेहिस्ताक्षरी के पास लिखित में यिए जा सकींगी।

स्पन्नतिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ann al

कृषि भूमि ताबादी 11 विश्वा खमरा न० 774/15, ग्राम डेरा मन्डी, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी सहायक आयहार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-884

भायकर विभागियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जनरेज 1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 14 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-3/ 12-83/1487-- इत गृहं मुर्ध च द्र

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-के के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका अभित आजार मृस्य 25,000/- रा. से अभिक हैं

और जिसकी सं० ३ षि भूमि है तथा जो गाव डेरा मन्डी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्नोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरोक्नों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पावा गवा प्रतिकल, निम्नसिचित उद्देश्य से उन्त बन्तरण सिचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वंतरण से हुइ किसी वाय की वावतः, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृष्यिधा के शिष्; और/वा
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हा भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (192? का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए वा, जिनाने में सुविधा के किए;

अतः अवं. उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अभित् :--- श्री भूपन सुपुत्र गंगा डेरा मन्डी, नई दिल्ली अटोर्नी तेज पाल ।

(अन्तरक)

 श्रीमती डॉन सिंह धर्मपरनी श्री त्रिजेन्द्रा सिंह, 28-सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कायवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर तृष्यना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी अन्य अनित द्वारा अगहिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पव्यक्तिस्णः — इसमों प्रयुक्त शक्यों और पथां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जनुसूची

ुषि भूमि तादादी 7 विष्वा खसरा नं० 774/15, ग्राम खेरा मन्डी, न**ई दि**ल्ली।

> सृधीर बन्द्रा गक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, विल्ली; नई विल्ली-110002

नारीख: 14-8-1984

प्रकृप नाहरे. टी. एन. एस.------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक जायकर बायुक्त (निर्धक्षण)

अर्जन-रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-3/ 12-83/1492—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 3-ए है तथा जो ग्राम जोगावाई, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता बिश्विकारी के कार्यालय विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्व में अभी करने वा बक्के क्यमें में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय नाय-कर क्षिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के सिए;

अतः सन, उक्त निधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- डा० मुहम्मद उमर मुपुत्र सेख मुनाबर, निवासी-4/ 648, सीर सैयद नगर, दोरूपुर, अलीगढ़। (अन्तरक)
- मैसर्स इस्लामिक अवाक्तींग सेन्टर, 8/1, जोगाबाई, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह सूचना वारी करको पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्णन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश श्रें
 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामीस से 30 दिन की वविध, जो भी
 वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगें।

स्पच्चीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाउस नं० 3-ए, ताबादी 111 वर्गगज, ग्राम जोगामबाई, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षमप्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1; दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-8-1984

मोहर ः

पुरुष् वार्षं .टी . एम् .एस . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकारू

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-12-83/1491--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 3-ए हैं तथा जो ग्राम--जोगाबाई, नई विस्ली में स्थित हैं (और इसमे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 जा 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1983

की पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य में कम के खरमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एम दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरक के लिए तम पाया गंवा प्रति-फल निम्नोलिकित उक्षणा में उक्त अन्तरण निम्नित में उक्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है अन्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उचत अधि-नियम की अधीन कर धोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-क,र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

वत: वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीर, निम्मजिकित व्यक्तियाँ, सर्थात् :---

- डा० मुहम्मद उमर सुपुत्र सेख मुनावर, नियासी-4/648 सीरसैयद नगर, धोषपुर, अलीगढ। (अन्तरक)
 - 2. मैसर्स इस्लामिक अवाकतीम मेन्टर 8/1, जोगाबाई नई विल्ली।

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अव्धि, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धारा;
- (क) इस स्थान के राजभव में प्रकाशन की तारीब तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए वा सकोंगे।

स्थळीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत् अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया नया है।

वन्त्वी

हाउस न० 3ए, सादादी 111 वर्गगज, अबादी लालकोरा ग्राम--जोगाबाई, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षमप्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख 8-8-1984** मोहर:

THE RESERVE TO SERVE THE PROPERTY OF THE PROPE

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांकन, सहापक नायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सं10/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 12-83/1502-अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसके परचार जिस्त निधितियम कहा गया है), की पांच 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका स्थित नामार भूका 25,000/- रा. से अधिक है

और जिनकी सख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—चीटोर्नी, महरौली, नई दिल्ली मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

को प्रॉक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निम्नीशिवत उद्देश से उसत अन्तरण विविध में बास्य-विक रूप से करित नहीं किया पना हैं---

- (क) निष्यं वं शुर्व किकी बाव की बावत करत श्रीय-रिवन के वधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कती करने वा उचने वचने में बृतिया के सिने; और/या
- (व) एसी किसी अब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

- शी इन्वरजीत, बलबीर सिंह सुपुत्त हरी सिंह, श्रीमती सुनहरी पत्नी, स्व० हरी सिंह, श्रीमती बाटू, भगवती सुपुत्री हरी सिंह, ग्राम घीटोर्नी, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री दिनेश कुमार शर्मा, सुपुत श्री भगत राम शर्मा, निवासी-327 मस्जीद मठ, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उपन मुम्परित के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह----

- (क) इस त्यान के राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 विम की अविध मा तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 विन की अविध, जांभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र के प्रकावन की तारीच है
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के विद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का जो उक्त • विधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नग्त्यी

कृषि भूमि तावादी 7 विषे और 4 विश्वे, खसरा नं० 70 (4-16), 87/1(2-8), ग्राम षीटोर्नी, नई दिल्ली।

सुधीर चन्त्रा मक्षमप्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म का उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थातु:——

तारीख: 8-8-1984

मोहरा

प्रकृप बाह् .टी .एव .एच . -----

माथकर सिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के मधीन सूचना

भारत सहकाह

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली नई विल्ली, विनांक 14 अगस्त 1984

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्यू/J/एस० आर०-3/12 83/1514~30 समे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार म्स्य 25,000/- रा. से अधिक हैं:

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव कापायोरा नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बैसिनिक रूप से किशत नहीं किया गया है।

- (क) बन्धपण से हुई किसी नाव की वासत, उन्त बिधिनवन के बंधीन कर दोने के जन्मपक के बाबित्य में कमी करने वा उससे वचने में बुविधा के लिए; बरि/वा
- (क्षं) एसी किसी नाय वा किसी पन वा बन्त् जास्तियों कों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, मृथ्तिकः (1) मैंसर्स भयाना जिल्डर्स (प्रा०) लि०, बी०-9 मेकेयर गार्डनस, नई दिस्ली ढारा डायरेक्टर, सुरेश भयाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्दर जैन ओबराय सुपुत श्री कुलदीप चन्द ओबराय, सी०-227 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के नर्धन के संबंध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति इवारो;
- (स) इस त्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए वा सकी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

कृषि भूमि 4 बीधा 16 विश्वा, खसरा नं ० 607 (2-11) 608 (0-7), 611 (0-4) 612 (1-14), गांव कापाशेरा, नई विल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली→110002

दिनांक : 14--8-1984

प्रस्प वाइं.टी. एम. एस. ------

बायकार जीधनियम, १९६१ (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मृष्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायकर (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, नई विस्ली-110002

नई दिल्ली, दिनौंक 41 अगस्त 1984

निर्वेश सं० आई०ए० सी०/एक्यू०—I/एम०आर—3/12—83[/] 1575—अतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मन्य 25,000/-रु. से अधिक है

जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव कापाशेरा नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रममान प्रतिफल से, एसे श्रममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्वेष्य से उक्त अतरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण संहुर्द किसी बाब की वाबत, धवत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य जास्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिए था, जिल्लाने स

कतः नव उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण कों, में, उस्त निधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) कों अधीन, निम्निलिस व्यक्तियों, नर्धात:— (1) मैसर्स भयाना
 बिल्डर्स (पा०) लि०, बी--9,
 मे-फेयर, गार्डन नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्दर जैन ओबराय सुपुत्र श्री कुलदीप चन्द ओबराय, सी--227, डिफेंस, कालोनी, नदि दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्वध्योकरणः - इसमें प्रमुक्त कथ्यों जीर पर्यों का, जो उस्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

वपुरुषी

कृषि भूमि 4 बीषा 16 विषया, खसरा मं० 606(2-3), 607(1-13) 608(0-6) 605 (0-9) गांव कापाशेरा, तहसील महरौली, नई विल्ली ।

> सुधीर बन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक : 14-8-1984

प्ररूप बार्च, टी. पुन, एस. ----

कायकर जोधनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धरा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1,

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर मी आर० तिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1984 निदेश सं० आई० ए० सी० एक्ए०-1/एम० आर०-3 12-83/1516--अतः भृझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने हा कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव कापाशेरा नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से निणत है), रिजस्ट्रीक्तां अभिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन नारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वाम करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण निम्निन मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शिष्टित में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंभी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---14---256 GI/84

(1) मैंसर्स भयाना बिल्डसं प्राईवेट लि० बी०-9 मे-फेयर गाईस्प सई दिल्ली ढारा डायरेक्टर गुरेण भयाना

(अन्तरक)

(2) श्री चन्छ नैत ओवराव सुपुत श्री कुलर्दाण चन्द ओवराय, मी-227 डिफेंस कालोनी; नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत, जानिक स्वाप्त में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत, जानिक स्वाप्त में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत,
- (क) इस स्वना ने राजपत्र मों पकारान की तारीक से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कपि भूमि 3 बीघा 10 बिण्या खमरा नं ० 611 (0.8), 612 (3-2), गान कापाणेरा, नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षाण) अर्जन रेंग-1,नई दिल्ली-110002 ।

दिनांक : 14 8-1984

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस. - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन ^{जे}ज-1

जी-13, ग्राजन्ड फ्लोर, सी आर बिल्डिंग, इन्द्र प्रस्थस्टेट,

नई दिल्ली

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1 एस० आर०∽ 3/ 12-83/1521,--अतः मुझे, सुधीर जन्द्रा

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25.000 - रह. से अधिक है

और जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जी ग्राम पीटोर्नी, नई विस्ती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूखी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इष्यमान पितपान के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; जरि/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनस अधिनियम जा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्पिधा के लिए.

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कं, मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री पत्ना लाल सुपुत्र श्री मिथु, निवामी ग्राम पीटोर्नी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मे॰ सीम राय श्रामीणन्ड कं॰, 36/5, युसुफ सार, नई दिल्ली ।

(अन्यरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाणन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स' इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसमूध किसी अन्य व्यक्ति क्वाय अधोहस्ताक्षरी के पाम तिसित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुमुची

कृषि भूमि नादादी 7 बिधे और 3 बिस्थे, खसरा नं 104(2-12), 53/2(2-3), 44/2(2-4), ग्राम पोटोर्नी महरौली, नई दिल्ली ।

मुधीर चन्द्रा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 विल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांकः : 3-8-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस. -----

नामकर नीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के संधीन सूचपा

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंग-1

जी-13, ग्राउन्ड पर्लार,सी० आर० बिल्डिंग,इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनाक 3 अगस्त 1984 निदेश सं० आई० ए० ग्रासी०/एवयू०/1/एस० आए०-3 12/83/1522--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (19⊍1 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 25,000 ∕- रु. से अधिक हैं

और जिलकी सं ाधि भूमि है तथा जो ग्राम पीटोर्नी नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के ए।यिल्थ, दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 के अधीन नारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यभापूर्वेक्त सांपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का रम्बह प्रतिश्वत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) बौर अन्तरितौं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्वरेष से उक्त बन्तरण मिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उनके अधिनियम के अधीन कार दोन के अप्तरक के दायित्व में कभी अपरने या उत्तस्य बचन भ स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्क्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया दा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियाँ, अर्धात :--- (1) श्री पन्ना लाल सुपुत्र श्री भिथु, निवासी ग्राम पीटोर्नी, नंई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मे॰ सीस राम शर्माएण्ड कं॰ 36/5, युसुफ सराय, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति भी अर्थन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारी;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तानीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकीगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ताबादी 5 बियं और 13बिस्वं, खसरा नं 71 (2-8), 2/2 (2-3), 104 1-2), ग्राम पीटोर्नी, महरौली, नई दिल्ली।

युधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-8-1984

मोहरंगः

प्रकृष काड[†] थी. एन. **एस.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी० आर० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनाक 8 अगस्त 1984 निदेश म०आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर०-3/12-1523--अत: मुझै, मुधीर चन्द्रा

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी स्० पृषि भूमि है तथा जो ग्राम पीटोर्नी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है) रिजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के सार्यालय, दिल्ली में रिजिस्ट्रीयरण अधिनियम 1908 (1908 दा 16) के अधीन तारीख दिनम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति फल, निम्नृतिचित उत्तेष्य से उच्य प्रनारण निच्नि में बास्तिबक क्यं से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी काय का बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (थ) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों कां जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सविधा के लिए;

गतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-ध की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखिय व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री परना लाल सुपुत श्री मिथु, निवासी-ग्राम पीटोर्नी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मे० सीम राम शर्मा एण्ड कं० 36/5, युसुफ सराय, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं। इक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिक व्यवितायों में से किसी श्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का कि 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा भया है।

नगृज्ञी

कृषि भूमि नादादी 5 विघे और 13 विस्वे, खमरा नं 86 (4-16), 104 (1-2), ग्राम पीटोर्नी, नई दिल्ली।

सुधीर वन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-8-1984

प्रकृप बाह्री.टी.एन्.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सुवना

भारत तरकार

कार्थालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

'नई दिल्ली', दिनांक 8 ग्रगस्त 1984

निदेण मं० ब्राई० ए० मी०/एक्यू०/I/एस० ब्रार०-3/ 12-83/1524---श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

लायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर स्पत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- ६० में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम धीटोर्नी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड़ श्रनुभूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसम्बर, 1983

को प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य ये कम क दूश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रविक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र ' प्रतिकृत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) भीए प्रस्तरिति (प्रकारितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त यन्तरण निकान प वास्तिक क्ष

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधि नियम के प्रधीन कर देन के अन्तरक के दायिश्व म कमी बारने या उसले बचने स सुविधा के लिए; और/सा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों तो, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठित्यम, या श्रन्त कर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय श्रम्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया तथा या किया जाना चाहिए या, छिपान में मुक्का के लिए।

श्वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपभारा (1) ■ अधीन. निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात *~ (1) श्री पन्ना लाल सुपुत श्री मिथू, निवासी घीटोर्नी नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मै॰ शीशराम एण्ड कम्पनी, 36/5, यूसूफ सराय, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के नर्चन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्हां अधिनियम, के अध्याय 20 - कमें यथा परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अभसची

कृषि भूमि तादादी 3 बीचा 14 विश्वा, खसरा नं 54(1-6), 71(2-8), ग्राम घीटोर्नी, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, नई दिल्ली

तारीख : 8-8-1984

प्ररूप भाइ . टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत बरुकाङ

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज $-\mathbf{I}$, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 फरवरी 1984

निदेश मं० टी० म्रार० 38/84-85/एस० एन० 903---म्रत: मुझे, एस० के० चौध्री

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 75 भी है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, श्रार० एम० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908(1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 23-12-83

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित नाजार मृत्य में कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एसे दृश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिशत उद्देश्य से उस्त अंतरण निम्ति के बास्तविक कम से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुइं िकसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के सधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य वास्तिकों को जिन्हों भारनीय श्राप कर अं र्रान्यम . 10 20 (1922 का 11) या उक्त विधिनसम, बा अनकर विधिनसम, बा अनकर विधिनसम, वा अनकर विधिनसम, वा अनकर विधिनसम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना वाहिए था. भियान में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपवारा (1) को अधीन निम्निसिक्त व्यक्तियों, वर्धत्:— (1) मैं० रूबी (पार्क) प्रापर्टीज प्रा० लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सहदेव लाल देवराह तथा श्रन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोब:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ी है ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बर्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय ।
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित्स में हितबबुध किसी अन्य व्यक्तित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिनित में किए जा सकेंग।

स्यब्दीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उच्च अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाचित हैं, यही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिवा मवा हैं।

गर्त्त्वी

75/सी०, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित मकान का दण तला में अब स्थित प्लाट यूनिट नं० 5, **ग्रायतम** 2637 वर्गफीट जो श्रीड नं० I-13334 नारी**ख** 23-12-83 के ग्रनुसार रजिस्ट्रार ग्राफ इन्ग्योरेंस के दफ्तर में रजिस्टर हुग्रा ।

एम० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज—ॉ 54, रफीग्रहमय किदबाई रोड़, कलकत्ता-16

दिनाक : 20-8-1984

महिर:

प्ररूप बाइ . टी. एन . एस . -----

गायकार गिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज—I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 ग्रगस्त 1984

निदेश सं टी॰ ग्रार॰ 40/84-85/एसएल 904/ग्राई॰ ए॰ सी॰/एसपू॰ ग्रार॰-र्रे कल॰--ग्रतः मुझे, एस॰ के॰ चौधुरी नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्वावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. में अधिक हैं

म्रीर जिसकी सं० 75 सी० है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध धनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय म्रार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन नारीख 23-12-1983

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके व्यथमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन निम्नलिक्ति उद्बंध्य में उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक कर में अधिक नहीं किया गया है —

- (क) अनसरण से हुए किसी जाम की बाबत उबत वीधीनशम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सृविधा क निएं और या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, किन्ह नारतीय आय-कर आधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया काना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग कें, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—- (1) मृबि (पार्क) प्रापर्टीज लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विजन कुमार दाम।

(ग्रन्तरिती)

(3) केपिटल उन्त्रेस्टमेट एण्ड ट्रेडर्स लि० (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पाम निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है,

नन्स्ची

75 मी० पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित मकान का तीसरी मंजिल मे युनिट नं० 5 जिसका श्रायतन 2500 वर्गफीट जो रजिस्ट्रार श्राफ एन्शुरेंस के दफ्तर में डीड नं० I-13355 के श्रनुसार 23-12-1983 को रजिस्टर्ड हुआ।

ए० मीं० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज—[54, रफी श्रहमद किदवई रोड कलकत्ता—16

दिनाक : 20~8-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज – I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 10 भ्रगस्त, 1984

निदेश सं० टी० धार०-4/84-85/एस० एन० 905 धाई० ए०सी० एकपू०/ धार०-1/कल०---ध्रतः मुझे, ए० सी० चौधुरी,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषवास करने का काण्ण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक हैं

श्रौर जिसकी म० 75 मी है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रार० ए० कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नारीख 30-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रितौ (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिन्य में अभी करने या उससे अचरे में सुविधा के लिए और/था
- (क) एसी किसी आए या हिसी यन दा अन्य अहंकायां को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकार अधिनियम पा धनकार अधिनियम । 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260 श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) हबी पार्कप्रापटीज लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विवेक चायला।

(अन्तरिती)

(3) हिन्दूस्तान पेपर मिल्स। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पति हैं)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य अपित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पस्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगसची

75 सी० पार्क म्द्रीट कलकत्ता में अबस्थित 11वी मंजिल, में यूनिट तं० 3 जो 30-12-1983 तारीख में डीड न० I-13548 के भ्रनुसार भ्रार० ए० कलकत्ता दफ्तर में रजिस्टर हुग्रा ।

एस० के० चौघुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 54 रफी ग्रह्मद मार्ग, किदबाई रोड कसकत्ता-16

दिनाक : 10-8-1984

प्रकृत वाही.टी.एन.एस.------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांतर, सहायक भावकार भावन्तः (निरोक्तन)

अर्जन रेंज-1, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 20 अगस्त, 1984

निदेश सं० टी० आर०-46/84-85/51,906 आई० ए० सी/एक्यू० आर० आई०/कल०--अतः मुझे, एस० के० चौधरी

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिस्सकी सं० 75 सी० है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि संभाप्बोंनत सम्पत्ति का जाचित बाजार सूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के बभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

क्दः वय, वयत वीधीनयम की धारा 269-ग के जनसरण भें, में, उत्पत्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के कभीन. निम्निसिसित व्यक्तियों, वर्धात :----

- (1) रूजी (पार्क) प्रापर्टीज प्राईवेट जिमिटेड। (अन्तरक)
- (2) श्री राजेग टन्डन हिन्दूस्तान पेपर करपोरिशन लि०। (अन्तरिती)

को यह तुषना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिय से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहन्ताक्षरी के पास निस्ति में किये का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गद्दा है।

जनसची

75 सी० पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित मकाम का 22वां तला में स्थित यूनिट नं० 5 जिसकी आयतन 2634 वर्गफीट जो रिजस्ट्रार आफ एन्सुरेन्स के वफ्तर में डीड नं० 1-13534 के अमुसार 30-12-1983 नारीख की रिजस्टर हुआ।

एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 54, रफो अहमद किदवाई रोड़, कलकता-16

दिनांक : 20-8-1984

मोहर 🖫

प्रकम् कार्यः दी . एन . एस . - - - - - - - - - -

प्रायक्तर समिनिजण, 1931 (1981 का 43) की धारा 289-य(1) के बाधीन सुचना

भूतिका कारशीर

कार्यालय, सहायक कायकार जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 10 अगस्त, 1984

निदेश सं० टं/० आर०-44/84-85/एस० एल० 907 अतः पृक्षे, एस० के० चौधरी,

नायकर लोधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त निधानियम कहा गया हैं), की धारा 269-म को वारीन नधान प्रतियम जिस कर का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 (- रा. मे जिथक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 75-सी है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय आर० ए० कलकता में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-12-1983

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कर के इश्यमान प्रतिफल के लिए अक्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप वीवत सम्पित का उचित वाजार स्ल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का यंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया शिकल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त स्नारण निम्निल से वास्तिय है कि सिस्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आग की बाबत, उक्त जिल्लीसम के अधीन कर दोने के अन्तरक के राज्यिक से कभी भारत है। तमस् बचने से स्विधा के निए: बौर/सा
- (स) तंसी विक्रती बाय था किसी बन या कर्म बाहित्यों की, जिल्हों भारतीय बाय-सर विधिनियम 1922 । १८ विक्रिंग की । १८ विक्रिंग की प्रतिकार विधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवार प्रकट नहीं थिता गया का या किया जाना बाहिए था, छिलाते की सविधा के निय;

कट उन्ज, उक्त अधिनियम की धारा ∠09-न के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) रूब: (पार्क), प्रापर्टीज प्राईवेट लि०। (अन्तरक)
- (2) श्रामती एन्योनी गुजराल,

(अन्तरिती)

(3) हिन्दुस्तान पेपर कारपोरिशन लि०। (वह व्यक्ति, जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं
 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित
 नुभावता में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्रव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताकरी की पास निस्ति में किस आ सन्देंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओं उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, ओं कि अध्याय में दिया देश हैं।

नम्सची

75 मी पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित सम्पत्ति जो डीड नं $1\sim13545$ के अमुसार आर् ए० कलकत्ता दम्तर में तारीख 30-12-1983 को रिजस्टर हुआ।

एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I 54, रफीअहमद किदवाई रोड़, कलक्ला-16

विनांक : 10-8-1984

मोहर द

शस्य बार्च दी. एव., पुतः, -----

সাংক্র ক্রিনিয়ম, 1961 (1961 **का 43) की** সাবা 269-**म** (1) **के स्थीन सुमना**

मारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कुलकत्ता, दिनांक 10 अगस्त, 1984

निदेश सं० र्टा० आर०-47/84-85/एस० एल० 908 अत: मुझे, एस० के० चौधरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी मं० 75 सी० है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूचो में भौर पूर्णरूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारा के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-12-1983

का प्वींक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पृद्ध प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पारा गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निथ्यत में नाम्निज कप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के बायिन्त मो कमी करने या उससे बचने मो मुनिधा के हिए, गौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27, के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में मुजिया के लिए;

(1) रूबा प्रापर्टीज, प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) श्रानयन कुमार झा ।

(अन्तरितः)

को यह सूचना बारी करके पृवांकित सम्मत्ति के वर्षन को लिए कार्यवाहियां करता हों।

जनत सम्पाद्ध के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माओप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर अंपीत के हिरा-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण -- इसमी प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय (१०-१० मी परिभाषित हाँ, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में विया ग्या हों।

वन्स्ची

75 सो० पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित सम्पति जो डाड नं० 1-17256 के अनुसार तारीख 30-12-1983 में आर० ए० कलकत्ता दफ्तर में रजिस्टर हुआ।

> एस० कें ० जीधरो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-I 54. रकाअहमद किदबाई रोड, कलकता-16

त्रतः त्रवः जवत अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधार ें।। के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, त्रथित :---

दिनांक 10-8-1984

मोहर

प्रस्प आई. टी. एन. एस. ----

नायकर नींधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय. तहायक वायकार नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 कलकला

कलकत्ता, विनांक 14 अगस्त, 1984

निदेश सं० टी० आर०-48/84-85/एस० एल० 909 आई० ए० सी०/एक्यू० आर० आई०/कल०-अतः मुझे, एस० के० चाँधरी

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से राधिक हैं

भौर जिसकी सं० 75 सी० है तथा जो कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बिणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकता में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-12-1983

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने भा उससे ज्याने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं को जिल्हा भारतीय आयकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने में सृविधा को सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ---- (1) रूको (पार्क) प्रापर्टीज प्रा० लि० ।

(अन्तरकः)

(2) मा० राजन टन्डन।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिस्रां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सक्ति।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समयी

75 सो॰ पार्क स्ट्रोट कलकत्ता में अवस्थित सम्पति जो डीड नं॰ 1-13551 के अनुसार तारीख 30-12-1983 में आर ए॰ कलकत्ता दप्तर में रिजस्टर हुआ ।

> एस० के० जौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I 54, रफीअहमद किदबाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 14-8-1984

इस्य बाइ. टी. एव. एस.....

जायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 ललकत्ता

कलकता, दिनांक 9 अगस्त, 1984

निदेश सं० टी० आर०-51/84-85/एस० एल० 912 आई० ए० मी०/एक्यू० आर० आई०/कल०-अतः मुझे, एस० के० चौधरी

जायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके प्रजात 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269- ल के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसको सं० 75सी० है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-12-1983

को पूर्वेक्ति सम्मिश्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलित में वास्तिकक क्ष्य से कांचित वहीं किया पना है उ

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-िष्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उन्तरे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भग या बन्ध वास्तियों की, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) रूबी (पार्क) प्रापर्टींज।

(अन्तरक)

(2) तलत अहमेद एंड टी॰ अहमद।

(अन्तरिती)

का बह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्मिति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं। उक्त सम्मित के अर्थन के सम्बन्ध में कांग्रं भी वाक्षेपः:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की ब्बधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन को अपिथ, जो भी अवधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का अधिकता में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट-नद्ध किसी जना व्यवित ब्वारा अधीत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीक रूणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्ची

75 सां० पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित मकान का (यूनिट नं० 1) 9वां फ्लोर 1138 वर्गफीट जो तारीख 29-12-1983 में डीड नं० 1-17187 के अनुसार आर० ए० कलकत्ता दफ्तर में रजिस्टर हुआ।

> एस० के० सौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I 54, रफोअहमद किववाई रोड, कलकता

दिनांक: 9-8-1984

प्ररूप नाइ . टी. एन. एस.-----

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन स्चना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 कुलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अगस्त 1984

निदेश मं० टी० आर०-39/84-85/एस० एल० 913 आई० ए० सी०/एक्यू० आर० आई०/कल०--अतः मुझे, एस० के० चौधुरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिमकी सं० 75 सी० है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-12-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षरमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाल्सियक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सृविधा के सिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अत: अभ , अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मी, मी, अक्त सिंधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) रूबी (पार्फ) प्रापर्टीज प्रा० लि०। (अन्तरक)
- (2) मिनस एस० भ्रवराई

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी कन्स्के पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना कि तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रुकाशन की तारी से 45 दिन के भीतार उकत स्थावर सम्मत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्खी

75 सी॰ पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में भव स्थित मकान का 8वां फ्लोर में यूनिट नं॰ 3 जो तारीख 23-12-1983 में आर॰ ए॰ कलकत्ता दफ्तर में रजिस्टर हुआ।

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 54, रफीअहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 10-8-1984

प्रकृष बाद . टी. एन. एस. - - - ----

बायकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-थ (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 अगस्त, 1984

निदेश सं० टी० आर०-55/84-85/एम० एल० 914 आई० ए० सी०/एक्पू० आर० आई०/कल०-अतः मुझे, एस० के० चौध्री

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'टक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25, 000/- रा. से अधिक है

और जिमकी सं० 35 ए० है तथा जो दर्प नारायन, टैगोर स्ट्रीट लंक इता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणा हैं) रिजस्ट्री इती अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० वालकत्ता में रिजस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंजह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिक्ति उद्योग्य से उक्त कन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से शुद्ध किसी जाय की बाबत, उनस अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के न्निए: और/या
- (स) एंसे किसी बाम या किसी धन या अन्य आस्तियां को प्रिक्त भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गय। या किया जाना शिक्रिय था, कियाने में सिन्धा के लिए:

प्रतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण -, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:— (1) कुमार प्रशान्त नाथ टैगोर।

(अन्तर २)

- (2) 1. श्री हरिपद दे।
 - 2. श्री कालीपद दे।
 - 3. श्री नारायण चन्द्र दे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अंबधि, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्मष्टिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

ममृस्ची

35 ए० दर्पनारायण स्ट्रीट कलक्सा में अवस्थित सम्पति जो तारीख 23-12-1983 में डीड नं० 1-13495 अनुसार एस० आर० ए० कलकसा दफ्तर में रजिस्टर हुआ।

> एम० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 54, रफी अहमर किदवई रोड़, कलकता-16

दिनोक : 14~8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन स्वता

भारत सहकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकला

क्लकत्ता, दिनांक 14 अगस्त, 1984

निदेश सं० टी॰ आर॰ 56/84-85/एस॰ एल॰ 915 आई॰ ए॰ सी॰/एक्यू॰ आर॰ आई॰/कल॰-अतः मुझे, एस॰ के॰ चौधरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचान 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/-रा. में अधिक है

और जिसकी सं० 35 ए० है तथा जो दर्प नारायण, टैगोर स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकृता में रिजस्ट्रीकरण अधि— नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 29—12~1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितियात उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) जन्तरण ते हुई फिसी बाव की शक्त, उक्त जींपनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए वरि/या
- (ण) ऐसी किसी नाम या किसी पन वा अस्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ३--- (1) कुमार प्रभान्त नाथ टैगोर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री मानिक लाल डे॰
 - 2. श्री गनेश चन्द्र हे०
 - 3 श्री गोबिन्द चन्द्र डे०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करः करता हो।

उस्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी अपक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

535 ए० दर्प नारायण, टैगोर स्ट्रीट कलकत्ता में माब स्थित सम्पति जो तारीख 29—12—19,83 में डीड नं० 1—13496 के अनुसार एस० आर० ए० कलकत्ता वफ्तर में रिजस्टरी हुआ।

> एस० के० चौघरी सक्षम प्राधिकारी अर्जन रेंज-1 54, रफी अहमद किंदबई रोड़, क्लकसा-16

दिनांक : 14-8-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एइ.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्थालयः, सहायक आयकर आय्टा (निरीक्षण) कर्नाः जैत-1, जनाम

ल्लाना, दिलाल 14 जगमा 1981

निदेण म० हा० सार०-53/84 85/ए५० एस० 916 आई० ए० मी० एक्य० प्राप्त पहिल्ला अत मुझे, एस० के० चौधुरी

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, का गार 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुक्त से अधिक हैं।

और जिस्की सर 19/1 है था जो एसर एनर बयनाजि रोड जलाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनस्पी में और पूर्ण रूप है विष्त है) प्रतिस्ट्रीति अधिवारी के कार्यालय एसर आरर एर प्रतिस्ति में प्रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 पा 16) के अधीन तारीख 7-12-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चित बाजार म्ल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से गिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफलन, िएटिलिखन उन्हरित में मन्त अन्तरण लिखत में नाम्तिक रूप में किथन नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचले में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयवार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत अब, जबत अधिनियम की भाग 269-ए के जनसरण मा, भे जात अधिनियम की धारा 269 ए की उपधारा ।।) के अधीन, रिस्नियि जित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) भा नयला केनार टैंगोर।

(**3449 47** 3)

(2) श्रा मुग्ना गलाजी।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए यार्थवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस अधना के राजपा में शकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

49/1 एस० एस० बयनाजि रोड़ कलकत्ता मे अब स्थित सम्पति का अविभक्त 1/4था हिस्सा जो डीड नं० 1-12493 के अनुसार गारीख 7--12-1983 मे एस० आर० ए० कलकत्ता दफ्तर में रजिस्टर टूना ।

> ृण्स० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी महाधक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 54, रफीअहमद किदबई रोड़, कलकत्ता-16

दिनाक 14--8--84 सोंडर प्रकप बाई. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 24 अगस्त 1984

निदेश स० टो० आर० 58/84—85/एस० एस० 917—अत मझे, एस० के० चौधरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ल के अभीन नधम जीपकाणी का यह विकास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 258 है तथा जो लेनिन एरिया, कलकत्ता में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूचा में भीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्राकर्ती अधिकारा के कार्यालय, एस० आर० 4, कलकत्ता में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख 24 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उभके दृश्यमान प्रतिफल गं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तिबक कम से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) नन्तरण सं हुई किसी बाय कॉ बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा क निए, बार/या
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कार पित्रियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृतिधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिणित अधिकत्यों, सर्थात् :--- (1) कालू दुर्गा इस्टेट एण्ड अदर्भ।

(अन्तरक)

(2) कृष्ण कुमार केजरिवाल।

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त कान्यों और पवों का, जो उनत विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

नमृत्यी

258 लेनिन एरिया कलकत्ता में स्थित मकान का नोसरी मंजिल में स्थित ऑफिस 2 घर का अविभक्त अधा हिस्सा जिसकी आयदाल 2460 43 वर्ग फीट जो सब रजिस्ट्रार, अब इन्सुरेंस के दण्या में इंटि न I-133614 के अनुसार 28-12-83 तिराख को रजिस्ट्रें हुआं।

ए० के० चौधुरी सक्षप पाधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेज⊶!, रूराकना

नारिख 28-8-1984

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 10 अगस्त 1984

निवेश स॰ टा॰ आर॰ 36/84-85/ए.स॰ एल॰ 918-- अतः मुझे, एस॰ के॰ चौधुरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसके। मं० 70 ए है तथा जो एस० एन० वाबनाणि रोड, कलकत्ता-14 में स्थित है (ग्रौर जिसका उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्र.कर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए०, कलकत्ता में रजिस्ट्र.करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 13 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- र्थक) जन्तरण से हुर्इ किसी आय की वाबत, उक्त जिभिनियम के जभीन कार दोने के जन्तरक के दायित्त में कामी करने दा उत्तस ने बचने मा स्विधा के लिए;
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिष्ट;

अतः ब्रुवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिक्ति व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) श्री रमेश चन्द सोम
 - र्श्वाएस० पो० सोम ।
 - 3 श्रीसा**रवती सीम** ।
 - 4. श्रीतपतीबिश्वासः।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपाल बोस सेक्रेंटरों, 24 परगना, डिस्ट्रिक्ट समेटी आफ (सो० पी० आई० (एम०)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप .---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्लि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पेष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह, यही वर्ष होगा जो उस अध्याय मे विद्या गया है।

मग्राची

70 ए० एस० एस० बनर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है 7 फुट 7 छटाक जमीन पर दो तफलला मकान जो डीड नं० 12686 अनुसार आर० ए० कलकत्ता दफ्लर में रिजस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, करकत्ता

तारीख: 10~8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-घ (1) के बभीन सुभना

शा**रत सरकार**

कार्याक्य, बहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज- , फ़लकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 17 अगस्त 1984

निदेणसं० टी० आर० नं० 84 85/ग्रा एल० 919~~ अतः मुझे, एस० के० चौधुरी

शायकर अधिनियिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उकर अधिनियम', कहा गया हैं). की धारा 269- स के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं 5 58 है तथा जो रीपन, स्ट्रीट कल हत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प में विणत है), रिजस्ट्री हर्ना अधिकारी के वार्यालय, एस० आर० ए०, कलकत्ता में रिजस्ट्री करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 दिसम्बर 1983

को पूर्वों वत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों वत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-क्स निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरम संहुदं किसी भाग की पायशः, उपक अधिनियम के जभीम कर वोने के अन्तरक के शामिरम में कभी कड़ने वा शससे अपने के शायशः में दिवशः व्यर्थना
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य क्विस्नियां की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किये। गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अस. अस., उक्त अधिनियम की धारा 269- को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिन व्यक्तिया, अधीत्

- (1) 1 श्रीएम० मीलैन्द्र की ठारी।
 - म. अः तिर्वाण सैनैन्द्र पोठारी।
 - 3. श्रीविवेत संतन्द्र काठारी ।

(अन्तर्क)

(2) मै०फारुख अहमद एण्ड एग० एम० मारुफ।

(भ्रन्तरितो)

का यह सृजन। कारा करके पूर्वाविश अम्परित के **कर्व**न के सिए कार्यवाहियां करता सू

उक्त संपत्ति के अर्थन के सब्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सुना के राजपत्र प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सुमना को तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तिया में स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (बा) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की ताराख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निविद्य में दिए जा सकोगे।

स्पष्टिकरण:---इसरो प्रगृब्त शब्दा और पर्योक्ता, जो उक्स अभिनियम के अध्याय २(१-क में मीरिकापित ही, बहुन वर्षकाणा जा उन्हें याच में देशा

मम्स्ची

58 रीपन स्ट्रॉट, करण्ता में स्थित अब (एक नल्ला मकान और जमीन जो 9 फ्ट्रा 8 छटाक है और जो 17-12-83 तारीख में डीड नं० - 13043 अनुसार एए० आए० ए० कलकता के दफ्तर में रिजस्ट्री हुआ।

एस० कं० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–I, कलकर्ता

াাল্ড : 17-8-1984

माहर 📡

प्ररूप आहें. दो. एन. एस्.------

अध्ययमः र्वोधितियमः, 1961 (1961 का 43) की धारा १६७-६ (1) के अधीन सुधनः

भारत सरकार

काथासय, तहागर आयकार आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-1, सलकत्ता

जल ग्रता, दिनांक 16 अगस्त 1984

निदेशस्० चा ० ए० ८४/८४-८५/एउ०एल० १२०--अतः म्झ, एन० के० चौध्री

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नित जा भागा की नियम अहा नया है), की धारा 269-स के अधान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थान रहपास्त जिसका उच्चित नाजार मूल्य 25,000/- रहत स अधिक है

और जिल्लामं० 33 ए है तथा जो चीरंगी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबढ अनुसूची में और पूर्ण रूप सं विणित है), रजिस्ट्रीएको अधिकारी के कार्यालय, गी० ए० कल हत्ता (रिंज री) में विद्युत्तरण अधिक्यम, 1908 (1908 जा 16) के अधान, कारीख 9 दिनम्बर, 1983

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित काकार मूल्य से कम के स्थ्यमान पतिकल के जिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से जीवक हैं और अन्तरिक (अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तरकां) के बीच एस अन्तरिक के निष् सुरु पामा गया प्रतिकात निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरिक विश्वास में अन्तरिक में नास्त्राचन स्थास से किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिंध-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कसी कड़ने या उससे बचने में सुविभा के सिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

बत अब, उक्त आंधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण म, म, उत्तर अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, स्थात् :— (1) श्रामितेण दान रामगोपाल।

(अन्तरक्)

(2) 1. मा० नवीन सुराणा ।2. मा० मनील स्राणा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थार्घ्याकरण ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, वे **उपन** अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमस ची

33 ए **चौरंगी रोड**, कलकत्ता में अब स्थित अविभाजित मकान का 915 फ्लोर में आफिस स्पेस नं० ए-13 जो 9-12-83 तारीख में सी० ए० अर्जन रेंज-I, कलकत्ता के दफ्तरमें सो० नं० 84 अनुधार रिजस्ट्री हुआ ।

> एस० के**० चौधुरी** स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, कलक**रा**।

गराख : 16-8-1984

भाहर :

प्ररूप. बरहुर. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) ने अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागवत (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 अगस्त 1984

निदेश मं० सी० ए० 85/84~85/921——अनः मु**स**े एस० के० चौधरी

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रत. से अ**धिक हैं**

और जिसकी सं० 7/1ए है तथा जो ई-3-एन०, ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता--17 में स्थित है (और इपसे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयर्क्ता अधिकारी के कार्यालय सी० ए० (अर्जन रेंज -1) में रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,तारीख 9-12-83

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंदर प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नसिसित उद्देषच्य से उक्त अन्तरण सिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत , उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबित्य में कभी करने या छससे बचने में सुविधा के सिए; जौर∕वा
- 'ए) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय वाग-कर अधिनेत्राम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा से जिल्ह

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्शात्:---

(1) मैं व धारो इन्टरप्राइसेस।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री प्रकाश चौरवाणी
 - 2. श्री महेन्द्र चौरवाणी
 - 3. श्री कृष्ण चौरवाणी ।

(भ्रन्तरिती)

क्यों बहु सूचना चारी करके पृत्रों क्त सम्परित के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

जनस सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स **क्यक्तियों में** से किली क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विविध में फिए जा सकरेंगे।

स्पच्डीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया एका है।

मन्स्ची

7/1ए डा० ई3 एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित मकान का प्लाट नं० 3 की० (तीसरा फ्लोर) में जो 9-12-83 तारीख में सी० ए० अर्जन रैंज-1 कलकत्ता के दफ्तर में सी० नं० 85 के अनुसार रिजिस्ट्री हुआ है।

> एस० क० चौबरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकता

तारीख . 16-8-1984

माहर 🖫

प्ररूप अरहा टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, हैसराबाद

हैदराबाद, दिनाफ 14 अगस्त 1984

निर्देश सुं० आ४० ए० सं।० आइ० ए० सी० एक्वी०/37-ईई/ 27—अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). 'डी धारा 269-क के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का का ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० सी० एन० 11-4-633/1ए०मी० गार्डन हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है),रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० एक्यू० हैदराबाद 9/83 में भारताय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (क) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ अजिस्ती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- मैसर्स बमेरा बिल्डर्स, 10-2-287/3, शातान गरि, हैसराबाद।

(अन्तरफ)

2 श्रा मोहमद लश्कूहान खान, फ्लेट न० मी०, 11-4-633/1, ए3 मी० गार्डम हैदराबाद।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्सः सम्पत्ति के अर्जन के रिक्षः कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर गर्वकित व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति ह्वास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वास अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धोकरण :---इसमो प्रयूवन शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित ही, क्षी भथात ना जो उस अध्याय मा दिभा गया है।

नन्स की

फ्लैट मी० एन०-11-4-633/1 ू,ए० सी० **गार्डस**, हैदराबाद, विस्तीर्ण, 1024 चौ० फुट, आई० ए० सी० एक्यू रेंज में रजिस्ट्री नं० 325/9/83,

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,हैदराबाद

तार**ेख** 14-8-1984 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस...-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-व (1) **के अभीन मुख्या**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्वेश सं० आर० ए० सो० आई० ए० सी० /एक्यू०/37-ईई) 28---अतः मुझे एम० जगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको मं० भूमि है, जो बंजारा हीलस, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० एम्यू० हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्राक्षरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह श्रीतशत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया गया प्रतिकल, निम्मतिस्थित उद्देष्य से उपत अन्तरण कोंकी में बास्तिस्क रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दारें के बल्परक के राणिक में कसी करने या उससे यचने में सुनिभा के सिए; भौर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था किथाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिक्षत व्यक्तियों, अर्थातः :—— श्रो शब्द्दोग अहमद रोड, नं० 11, बंजारा होल्स, हैदराबाद।

(अन्सरका)

2. श्रीमती रूमीनिबाई श्रीर अन्य, 8-2-610, रीड नं० 11, बजाराहालम्, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीहाँ भी हाउने -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्यम्बन्धी ध्याक्तिया पर सूचिए की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाध ध्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के नीतर प्रक्रेस स्थावन संपत्ति के हिल के बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रभू निर्माण के स्थापन के स्था

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां जिथे होंगा जा उसे अध्याय में दिया

कालकार्यो

भूमि विस्तीर्ण 2154 ची०गन, बजारा हीलस, हैदराबाद. आई० ए० सी० एक्स्पृ० रेज हैदराबाद में रिजस्ट्री न० 326 9/83।

एम० जगन मोहन सक्षान प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, हैदशाबाद

नार्रखः 14-8-1984 मोहर प्रकथ बाइं.टी.एन्.एस.-----

नायकर गॅभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के गंभीन सूचना

प्रारंख सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्देश सं० आर० ए० मी० नं० एक्सू०/37-ईई/29--अतः

मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' क'हा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसको पसैट नं० 9 है, जो शरीन अपार्टमेंटस बेगमपेट, दैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० एक्यू० हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपर्तित के उपित बाजार मूल्य से कम के रहममान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार पृल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दें। के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे याने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य आस्तिया की, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, जा भन कर अधिनियम, जा भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :——
17—256 GI/84

- मैसस मान कन्स्ट्रकशन प्रा० लि०, ए०-102, सत्या आपार्टमेंटस मासाब खान्क, हैदराबाद। (अन्तरक)
- श्री पल्लाब कुमार बनरजी श्रीर श्रीमती उमा बनरजी, फ्लेट नं० 9, सेंकंड फ्लोर, शोरान आपार्टमेंटस बेगमपेट, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा कारकी पूर्वांक्त सम्पत्ति को अर्थान को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामीस से 30 दिन की बबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त काब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित अधिनियम के अध्याय 20-क में दिया

अनुसूची

फ्लेट नं० 9 दूसरा मंजला, शरोन आपार्टमेंटस बेगमपेट, हैदराबाद, विस्तोर्ण 1140 चौ० फूट, आई० ए० सो० एक्यू० रेंज,हैदराबाद में रिजस्ट्रीशन नं०328,9/83

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारोख: 14-(-1984

प्रस्प आर्थ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्देण म० आर० ए० सा० न० एक्यू०/37-ईई/30---अत मुझे एम० जगन मोहन^{*}

क्रायकर क्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 263-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,060 र से अधिक ही

स्रोप जिसकी सं० फ्लेट त० 515 है जो रेड हीलस, हैदराबाद में स्थित है 'स्रोप उससे उपायद्ध अनुसूची में स्रोप पूर्ण रूप से वर्णित है, प्रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सा० एक्यू, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इदयमान प्रतिफल मं, एसे इध्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रनिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हर्इ किसी आय को बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर किथिनियम, 1922 (192? का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात :-- 1 मैसर्स भाग्यनगर कास्ट्रक्शन को० 11-4-656/1, रेड होलम, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री मोहमद बसीक्दीन, 11-4-555 रेड हालस, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन करिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को समध में कोई भी अक्षेप ---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन का तारास से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अवधि, जी भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लेट नं० 515, 11-4-656/1, रेड हीलम हैसराबाद आई०ए० मी० एक्यू० रेंज, हैदराबाद में रिजस्ट्रेशन नं० 330 9-1983

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 14-8-1984

प्ररूप शाइ. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनाक 14 अगस्त 1984

निर्देश सं० आर० ए० सा० न० आई० ए० सी० एक्यू०/ 37 ईई/31---अन मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

25,000/- रु. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० फ्लेट नं० 301 है, जो आणोकनगर हैदराबाद में
स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद अनुसूच, में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित
है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकार। के कार्यानय आई० ए० सी० एक्यू०
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख सितम्बर 1983 का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के फंद्रह प्रतिशात में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/भा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनिय की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

 मैसस मेहता टावर्स 1-1-293/4, आयोकनगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री पी० हनूमंत राव, चीडोर्पा विलेज, ह्वाया काऊर्रु, वेस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तर्ग्ति।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

जबत संपरित के वर्जन संबंध में कोई भी वाक्षेप ३:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्म व्यक्ति बुवारा अधोष्ठस्ताक्षरी को पास निवित में किए का सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में पैरिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया

अमृस्ची

फ्लेट नं० 301, तीमरा मंजला महंता टावर्स 1-1-293/ 4. आशोकनगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1610 चौ० फुट मपती जैसे अग्रीमेंट में वर्गन किया गया है रजिस्ट्रई इन (आई० ए० सा० एक्यू० हैदराबाद रजिस्ट्रेशन नं० 334, 9/83।

> ण्म० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाध

सारीख: 14-8-1984

मोहर 🤋

प्रकल् बाइ. टी. एत्. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्देश स० आए० ए० सी०नं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 37-ईई/32-अत: मुझे, एम जेगन मोहन,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एफ० नं० 304, है जो अशोकनगर हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपावक्ष अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रोकार्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० एक्यू० हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रोकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के उष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नस् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिष्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :—~ मैसर्स मैहता टावर्स 1-1-293/4, अशोकनगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती वो० वेंकयम्मा, 1-1-230/2/9, 'आशोक नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

कार यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी काक्षोप 🐃

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए वा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया सवा है।

नन्त्यी

फ्लेट नं० 304 तोसरा मंजला, मेहता टावर्स अशोक नगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1610 चौ० फुट आइ० ए० सी० एक्यू० रेंज,,हैदराबाद रिजस्ट्रेशन न० 335, 9/83।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारोख: 14-8-1984

मोद्वर:

प्ररूप आर्धें टी.एन.एस. -----

जावकर जिम्मिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भाग [[[—खण्ड 1]

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक कायकर आयुक्त (विरोधक)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1984

सं० आर० ए० सी० एक्यू०/37-ईई/33---अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भ्रो० एस० नं० 174 है, जो पस्ट फ्लोर बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भ्राइ० ए० सी०एक्यू० ,हैदराबाद में भारतीय रिज-स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य डसको दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गना 🗗 :---

- (क) **जन्तरण से हुई किसी जाग की बा**बत, उक्क में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; बीभनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायिएव नीर/या
- (क्र) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य 🕾।स्तियी को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम (1922 का 11) या एक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ जन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. मैसर्स बाब्खान कन्स्ट्रेशनस, 5-9-58/1-15, बसीर-बाग, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री एल० सुरेश रेड्डी, 16-2-842/1, सइबाद, हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र स्चना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त **ब्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा**;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

कार्यालय का परीसार नं० 174, प्रथमतल, बाब्खान इस्टेट, 5-9-58/1-15, बसीरबाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 380 चौ० गज, श्राई० ए० सी०एक्यू० रेंज हैदराबाद में रजिस्ट्रेशन नं० 336, 9/83।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-8-1984

प्ररूपुनार्दः टी. एन. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्म्मलय, सहायक नायकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 भगस्त 1984

निर्देश स० ग्रार० ए० सी० एक्यू०/37-ईई/33---ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परवात 'उकत अधिनियम कह गया है), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्रो० एस० नं० 174 175 है, जो फस्ट पलोर बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्राई० ए० सी० एक्यू०, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) बन्तरण संहुर्दं किसी शाय की वाबत, उपत जिभिनिद्य के अभीत कर दोने के जन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; जॉर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षाय प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

नतः नवः, उक्त सिधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरक मा, मा, उक्त अधिनियमं की भारा 269-भ की उपधारा (1) के सधीमः, रिक्निनिस्ति स्विक्तियाँ, अर्थातः :— 1. मैसर्स याबूखान कन्स्ट्रेक्शन, 5-9-58/1-15, बसीर बाग, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

 डा० एल० राजेन्द्र रेड्डी, 16-2-842/1, सङ्दाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्थन के लिए जिस्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंचे।

स्यव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त जिथिनयम के अध्याय 20-क में पर्शिशिक्त हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

कार्यालय नं० 175, प्रथम तला, 5-9-58/1-15, बसीर बाग, हैक्राबाद विस्तीर्ग 380, चौ० फुट, रजिस्ट्रेशन नं० 337, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी श्राई० ए० सी० एक्यू० रेंज हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीखा: 14-8-1984

मोहर 🕉

प्रस्य नाई ही एन एस . -----

भाभकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) र्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० ध्रार० ए० सी० नं० ख्राई० य० सी०/एक्यू०/ 37-ईई/35—ग्रतः मुझे एम० जगन मोहन अधिकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति. जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

क्रीर जिसकी संब्ह्री एसंब 176 है, जो बसीरबाग, हैबराबाद में स्थित है (ब्रीर इसमे उपावद अनुसूची में ब्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ब्रिधिकारी के कार्यालय ब्राई ए ए सी विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ब्रिधिकारी के कार्यालय ब्राई ए ए सी ए एस्यू हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ब्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्राधीन तारीख सितम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की रहे हैं बौर मूके यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इव्यमान प्रतिफल से, एसे इव्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिचत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के यमित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृतिधा के निए.

नतः नव, उक्त निधिनयम की धारा 269-ग के जनसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-ल की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- मैंससं बाब्र्खान कन्स्ट्रक्शन, 5-9-58/1-15, बसीर बाग, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्री एल० सूरेशनंत्रा रेड्डी, 16-2-842/1, सददाबाद, हैदराबाद।

(ब्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कार्यके पृथाँक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिकों करता हुँ।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यें का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुस्ची

श्री० एस० नं० 176, प्रथम तल 5-9-58/1-15, बसीर बाग, हैवराबाद, विस्तीर्ण 380 चौ० फुट, रजिस्ट्रेशन नं० 338, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी श्राई० ए० सी० एक्यू० रेंज हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाव

नारीज: 14-8-1984

प्रकल बार्ड . दी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनोक 14 प्रगस्त, 1984

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० ग्राई० ए० सी० एक्यू० 37-ईई 36--श्रतः मुझे एम० जगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

म्रीर जिसकी सं श्री एस 1106 है, जो बसीरबाग, है दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाय अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्राई० ए० सी० एक्यू ०, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तिरिख सितम्बर 1983

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्नितिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तर्ज को दायित्य में कभी करने या उससे वचने में जुनिया के लिए; सरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिथा के किए;

 मैसर्स बाबूखान कन्स्ट्रक्शन, 5-9-58/1-15, बसीर-बाग, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्री मवनलाल भ्रट्टल, 108, बाल्कर टाऊम, सिकंदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

स्त्रे वह सूचना बारी करके पृत्रोंक्त सम्मीला के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन की सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वास के राजपन के प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वास की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्षिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्त्रची

श्री० एस० नं० 1106, (ग्यारहवां मंजला, बाबूखान इस्टेट, बसीरबाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण रजिस्ट्रेशन नं० 339, रजिस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी श्राई० ए० सी० एक्यू०, रेंज, हैदराबाद ॥

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

तारीख: 14-8-1984

प्रकल कार्ड . सी . कुन . एवं ्------

वारकार अर्थिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज हैदराबाद हैदराबाद दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी०नं० आई० ए० सी० /अक्ति/ 37-ईई/37--अतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेशास करने का कारण की कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. सं अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 5 है जो एस० एम० मोवी कमरसियल काम्पलक्स सिकंदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रींकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी०, अक्वि रेंज, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन लारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्यास करन का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल में, एंसे क्ष्यमान प्रतिफात का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितिकाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- हैंक) जन्तरक से हुइ किसी जाय की वाबतः, जनत अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक औं दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

बतः, अब, उक्त अधिनिजम, की भारा 269-न के अनुसरण में, में, एक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---55 —256GI|84

- मैसर्स एस० एम० मोवी कमरसीयल कास्ट्रेक्शनस,
 5-4-187/3, और 4 हैवराबाद, सिकन्दराबाद।
 (अन्तरक)
- 2. मैंसर्स संवीप एजेंन्सीज, 5, 2-177, आर० पी० रोड़, सिकंदराबाद-500003।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगसची

प्लैट विस्तीर्ण 362'6 घी० फुट, 5-4-187/3 और 4, हैदराबाद करबाला मैवान सिकंदराबाद रजिस्ट्रेशन नं० 343, 9/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आई० ए० सी०अविव० रेंज, हैदराबाद"।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 14-8-1984

प्रारक्ष्य बाह्र . टी. एन. एस.,------

हायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निरक्षिक)

अर्जन रेंज, हैदरामाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० आई० ए० सी०/अक्बि/ 37-ईई/38--अत: मुझे, एम० जेगन मोहन

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० दुकान नं ० 3 है, जो कारबाल मैदान, सिकन्वरा-बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी ० अक्वि० हैवराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनयम, या अन-धर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना सहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मैसर्स एस० एम० मोदी समरसीयल साम्पलेम्स, सिसन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री सी० सी० पारीख फॅमीली, ट्रस्ट, बाई० श्री एम० रोजेश सी० पारीख ट्रस्टी 1-8-229/5, पेंडरशस्ट रोड़, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

कारे यह सूचना जारी करके पूर्वोचल सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया समा है।

अनुसुची

दुकान नं० 3, एस० एम० मोदी क्षमरसीयल काम्पलेक्स, 5-4-187/5, कारबाला मैदान सिकन्दराबाद, विस्तीणं, 362.5 चौ० फेट रजिस्ट्रेशन नं० 344, 9/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आई० ए० सी० अक्वि० रेज, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-8-1984

प्रकृत् नार्षः टी., एषः एसः, =--->

नायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नवीन सूचना

भारत संदुष्णर

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (नि<u>र</u>ीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त, 1984

निर्वेण सं० आर० ए० सी०नं० आई० ए० सी०/अक्वि०/ 37-ईई/39~—अतः मुझे, एम० जोगन मोहन

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव दूकान नंव 4 है, जो बारबाला मैदान सिकन्दरा-बाद में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आईव एवसीव अधिवव हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरको) और अतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्धरिय से उक्त अंतरण लिचित में बास्तिक रूप से क्षिण तम है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के सिए; और/या
- (श) एसे किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार हिन्दिनी दारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के गभी, निम्नलिखित व्यक्तियां, अधीत :---

 मैसर्स एस० एम० मोदी कमरसीयल काम्पलेक्स सिकन्दराबाव।

(अन्तरक)

 मैसर्स मीनार कारपोरेशन, 5-2-177, आर० पी० रोड़, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त संस्थिति के वर्धन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तायील से 30 दिन की अविध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं छ के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिश गया है।

अमुस् जी

ष्ट्रणान नं० 4, एस० एस० मोदी, नमरसीयल बाम्पलेक्य, सिकन्दराबाद, विस्तीण 377 ची० फुट रिजस्ट्रेणन नं० 347, 0/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अक्वि० रेंज, हैदराबाद।

एम० जेगत मोहन संक्षम प्राधिकारी सहायक आयवस आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-8-1984

प्रकप<u>ः वार्षः, हौ, पुनः, एस्.------</u>

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्वेण सं० आर०ए०सी० नं० आई० ए० सी०/अक्वि०/ 37-ई/40—अत: मुझे, एम० जगन मोहन

जायकर अभिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 26∮ च के अभीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० नं० 203 है, जो मासाब टाक, हैं बराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से पणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० अक्वि० रेंज, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्यं से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निसिश्त उद्वोक्य से उक्त अंतरण निष्त्त में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए:

णतः क्षचं, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— मैसर्स मान कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि० ए०-102, सस्या आपार्टमेंटस्, मासाब टेन्क, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री कें शिवा प्रासाद गुप्ता, 6-3-252/1/7/3, यरामंजील कालोनी, हैं बराबाद,।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां क्रुफ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की अविधि या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के एजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नपुष्पी

पलंट नं० सी०-203, दूसरा मंजला, सत्या आपार्टमेंट्स, मासाब टेन्क, हैदाराबाद, विस्तीर्ण, 1576 चौ० फुट रिजस्ट्रेशन मं० 354, 9/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी आई० ए० सी० अक्वि० रेज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-8-1984

मोहर 🏻

प्रकृष बाह् .ही .धन .ध्रस .-----

नावकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निर्देशिष) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्देश सं० आ४० ए०सी०नं० आई०ए०सी०/अक्थि०/ 37-ईई/41——अतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के मभीन सक्षम प्राधिकारों को गह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/ रा. से मिथक हैं

और जिसकी सं० आपार्टमेन्ट नं० 60-एच है,

जो सोमाजीगूडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० अक्ष्यि० रेज, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1983

का पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिक्षस के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचितं बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- '(क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा कें निए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः कवः उत्तर निधिनियम की धारा 269-ग के नमुसरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नभीन, निम्नलिखित न्यक्तिसयों नथित् :— मैसर्स लै॰ड मार्क बिल्डर्स, 6-2-930, खैरताबाद हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स हैदराबाव ओकारा कैरीयरस, 5-2-200/17, ए, यूनीट नं० 11, न्यू उसमानगज, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्परित में अर्थन् के सम्बन्ध में स्पेर्ड भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं करें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकेंगे।

स्वच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, यो उक्त निध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, थो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्रुपी

आपोर्टमेंट न० 60-एन छटवां मंजिला, 6-3-986 से 996, कपाडीया लेन, सोमाजीगुडा हैदराबाद विस्तीर्ण 1160 चौ० फुट, रजिस्ट्रोगन नं० 355, 9/83, रजिस्ट्रीयार्ता अधिकारी आई० ए० सी० एक्विं रेंज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

नायकर समिनियन, 1961 (1961 का 43) की चारा भारा 269-व (1) के सभीन सुचना

भारत प्रकास

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्देश स० आर० ए० स०० नं० आई० ए० सी०/एक्वि०/ 37-ईई/42--अत: मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

प्रक्षर जिसकी सं० आपार्टमेंट नं० 604 है, जो सोमाजीगूडा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० एक्सि० रेंज, हैदराबाद में रिजर्स्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास वाने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाय की वाब्त, उच्छ वीर्थीनयम के व्यीप कर दोने के अन्तरक के वाबित्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; बाहु/बा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- मैसर्स लिण्ड मार्क बिल्डसं, 6-2-930, खैरताबाद, हैदराबाद।

(अन्सरक)

2. मैसर्स हैदराबाद ग्रोकारा करोयरस्, 5-2-200/17, ए, यूनोट नं० 11, न्यू उस्मानगंज, हैदराबाद। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्धन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्रुची

आपार्टमेन्ट नं० 604, छेटबा मंजला, णिबास ग्लेन, 6-3 986, कपाडोया लेन, हैदराबाद विस्तीर्ण 1160 ची० फुट, रिजस्ट्रेशन नं० 357, 9/83, रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी आई० ए० सी० एक्वि० रेज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षय प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-8-्1984

मोहर 🛎

त्रकष् नाद्रौ, टी. ४२, एस.- - = ----

नायकरु मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के मुभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 453/84-85—अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० घर है, जो विजयानगर, कालोनी, हैबराबाव में स्थित है (भ्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैवराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुस्य से कम के दूस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वात करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूस्यमान प्रतिफाल से, एसे दूस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी जाय की वावत, उक्त जिथिनियम के अभीत कर दोने के जन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के गुरुए; जरि/मा
- (का) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वे, वें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् 4—— श्री अलूरी मुख्योक्कृष्णामूर्ती पिता वैंकटरामय्या, सूर्यारावपेट, मेन रोड, काकीनाडा।

(अन्तरक)

 श्रीमती टो० वसंता पति श्री सरवेस्वर राव, घर नं० बि०-47/एफ०-8, विजयनगर कालोनी, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्मृतिः के शुर्वन के तिए कार्यवाहिया कुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कार्क्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों नर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवृध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्द्रची

घर नं बिल-47/एफ०-6, एम० नं 10-3-444/90, (पोरशन) विजयनगर कालोनी, हैयराबाद, विस्तीर्ण 1000 ची० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 3162/83, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी खैरलाबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 14-8-1984

मोहरः

प्ररूप आर्ष. टी. एन. एस_{.,} --------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाय, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी०नं० 454/84-85---अतः मुझे, एम० जेगन मोहन कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रत. से अधिक हैं ग्नीर जिसकी सं० घर है, जो उमानगर, बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभनगर में प्रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908年1 16) के अधित. दिसम्बर 1983 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उपित बाजार मुन्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह्म प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) केबीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उत्रत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- र्के) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उपस्त जिथितियन के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में भूविभा के सिए; जोर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिन्यम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित अधिकत्यों, अधीत :—

 श्री पो० राधाकुष्णा चेट्टी, 24, अबू गार्डन, मेहबी-पटनम, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 डा० श्रीमती एस० सराजीनी देवी केयर आफ डा० के० वी० नायडु, घर नं० 6-3-1219/18, उमा-नगर, बेगमपेट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बादी कारके पूर्वीक्त संपरित के अर्थन के निध कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपरित में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्काशाः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनत अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में सिया गया है।

मन्सूची

घर नं० 6-3-1219/18, उमानगर, बेगमपेट, हैदराबाद, विस्तीण 311 चौ० गज, भूमि ग्रीर 1180 चौ० फुट, पिथ एरीया, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3665/83, रिजस्ट्रीकृत अधिकारी बस्लभनगर।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) क्षर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 14-8-1984

मोहादुः

प्रकृप नाइ. टी. एन. एस. -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीर मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 14 अगस्त 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी०नं० 455/84-85---अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० अपार्टमेन्ट 504 है, जो पंजागृंद्धा , हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्ररकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्निसिशत उद्योध्य से उक्त अन्तरण किसित में बास्निक रूप से किश्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाव को वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दाबित्व में कभी फारने वा अवसे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों तो, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, डिपान में स्विभा के किए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--56---256GI|84 मैसर्स लैण्ड मार्क बिल्डर्स, 6-2-930, खैरताबादे ट्रैक्टाचाद ।

(अन्तरक)

 श्रीपी० सेंनगुप्ता केर आफ कौरीमंडल फरहीलायनस लि०, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्वस्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अरक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

अपार्टमेन्टस नं० 504, 'शीलास ग्लेन' 6-3-980 से 996, कपाडीया लेन, पंजागूट्टा हैदराबाद, विस्तीर्ण 1160 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6227/83. रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-8-1984

प्ररूप आइ¹.टी.एन.एस.------नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्देश स० आर० सं1० नं० 456/84-85—अतः मुझे एम० जेगन मोहन,

नायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित जाजार मृत्य 25,000/- रः से अधिक है

भीर जिसकः सं० पलैट है, जो पंजागृट्टा, हैदराबाद में स्थित है (भीर इससे उपायद्ध अनुसूचः में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रवर्ता अधिवार के हार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित को उमित बाजार मूल्य से काम के रहयमार प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उमित बाजार मूल्य, उसके रहममान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं कि संसरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निग्नितियों) कि बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निग्नितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत न

- (क) अन्तरण संबुद्ध किसी भाग की गायस्, स्वस् अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के के लिए; बार/या
- (व) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्त्यों करों, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए,

कतः अवः, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण धाः, में एक्तं अधिनियम् की धारा 269-शं की तपधारा (।) केंबधीनः, निम्नतिस्ति स्थितितम्। अर्थातः :---- मेंसर्स विरगो कन्स्ट्रेक्शन बाई श्रो बॉ० एन० रेड्डी, बंजारा होलस्, हैदराबाद।

(अन्तरक)

श्वे वाई० भास्कर राव पिता रोमुलू, परसनल मैनेजर, ग्राधावैंक, मेंट्रल आफिस सुलतान वाजार, हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त संपरित के अर्थन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन को अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकंगे।

स्यव्हीक रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फ्लेट नं० 92, तोसरा मंजला, ब्लाक एफ०, पंजागुट्टा। हैदराबाद, विस्तीर्ण 412 ची० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6598/83, रजिस्ट्राकृती अधिकार, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 14-8-1984

मोहरः

प्ररूप मार्ड . टी . एन . एस . -----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवरावाद, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 457/84-85---अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृल्य 25,000/- रा. मे अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० घर है, जो मसाब टैंक, हैदराबाद में स्थित है (भीर इससे उपावद अनुसुचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भातीय रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान तार्≀ख दिसम्बर

क्रों पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कररे का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के वंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसिस उद्दर्भय से उवत बन्तरण लिसित में त्रास्त-विकरूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाद की वाबता, सक्त जिथिनियस के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमे वचने में सृषिधा के निष्; बौर/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हीभारतीय जाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) भा उक्त विभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गंपा थाया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा न्हे लिए:

अन्त: अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्राः सैयद हासीम पिता सैयद यासान ग्रीर अन्य 15-6-354, बेगम बाजार, हैसराबाद। (अन्तरक)
- 2. श्रो सथद अहमद जमील पिता हाजी मोहम्मद इक्साल, धर नं० 15-6-360, बेगम बाजार,

(अन्तरितः)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

हैदराबाद ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यंक्ति व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दवारा:
- (क) इस स्वना क राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन है भीतर उक्त स्थावर संपरित म हिसबक्ध किसी २-८ -शक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उच्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्त्रची

घर न० 10-4-771/82/मा०-4, मासाब टैंक, हैदराबाद, विस्तोर्ण 1196 चौ० गज, भूमि श्रीर 220 चौ० फट. प्लींथ एर।या, रजिस्ट्रोकृत विलेख न० 6194/83, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारः, हैदराबादः।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारो यहायक आयकर अ।युक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 14-8-1984

प्रका नाहरे. टी. एव. एव. ------

बायकर वर्षधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० औं 458/84-85--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षय प्राधिकारों का, जह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो पंजागुट्टा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984

की पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिकक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कर संपरित का उचित बाजार भूल्य, उमके दरयमान प्रतिकाल से एसे रूपमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रक्षित्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नि लिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कार्थित कर से साम्तरिक कर से कार्थित महीं किया गया है।——

- (क) अन्धरण वे हुई किसी जान की बावच, उक्क अधिनियंत्र के बधीन कर दोने के अस्तरक के दादित्व में कभी करने या उससे क्यन में सुविधा के बिए; बांद्र/बा
- (स) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बन्य जारितयों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनिसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सर्विधा के लिए,

भत अभ, उसत अभिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :—— मैंसर्स विरंगो कस्स्ट्रेक्शन, बाई श्री बि०एन० रेड्डी, रेड हीलस, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. कुमारी पी०एस० सरोजा पिता पी०एस० शरमा, फ्लेट नं० 78, ब्लॉक ई०, पंजागृट्टा, हैवराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्त करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्थप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **है**।

जनसर्ची

फ्लेट नं० 78, ब्लॉक ई०, विरगो टावर्स पंजागुट्टा, हैवराबाद विस्तीर्ण 400 चौ० फुट रजिस्ट्रोक्टन विलेख नं० 6434/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

नारीख: 14-8-1984

प्रकप् आइ". टी. एन. एस. ----

मायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अभीत स्पना

भारत सहकार

कार्यात्तय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1984

निवेश सं० आर० ए० सी०नं० 359/84-85--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िजस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० भूमि है, जो कलूरी करनूल में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय करनूल में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों), के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उकत अन्तरण लिखित के बास्तरिक स्प से का भिष्ठ नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुई किसी आब की बावत, उसल जीधीनयण के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के जिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकर नहीं जिया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की थारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभात :--- 1. श्री टो० के० बिगसंय्या, 40/436 ए०, ईश्वर नगर, करन्स्र।

(अन्सरक)

2. मैसर्स श्री गुरु राघवेंद्रा ट्रेडर्स प्रा० लि०, श्री के० गुरुवय्या, करनूल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपक् में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधाहत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धिकरण: ---- इसमें अयुक्त शब्दों और ५वों का, जो उक्त अधिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं मर्भ होगा जो उस मध्याय में दिया गया हैं।

मनसूची

भूमि विस्तीर्ण 1 एकड़, कलूरी विलेज, करनूल रिजस्ट्री-इत विलेख नं० 7247/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी: करनुल।

> एम० जेगन मोहन सक्षम[‡]प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-8-1984

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सुचना

शारत बर्कार

कार्यालय सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांफ 14 अगस्त 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 460/84-85--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो करनूल में स्थित है (श्रीर इसमें जपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय करनूल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिक्त कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण संहुई किसी नाय की दावत, उपस् वाचिनियन के स्थीन कर दोने के जम्मरक के शायित्य को कसी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; जीर/वा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य ऑस्सियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 का 27) अभिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या का या काना आहिए था, कियाने में स्विका के जिल्हा के सिक्ता के जिल्हा

अत: वंब, उक्त विभिनियम, की धारा 269-ग के बन्दरण मं, मं, उच्च विभिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन : निम्निनिवित व्यवितयों, वर्षात् ए--- (1) दं एक्जंक्यूटिय भ्रॉफिसर,
 भौदेस्यरो देवस्थान,
 करनूल,
 जिला करनूल

(अन्तरक)

(2) मै० शेशायन्ना को०-आपरेटिब हाऊस बिल्डिंग सोसाइटो लि०, वाई श्रा टो० रामी रेड्डा, मीडसूर विलेज, कनुल जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उपरा सम्परित के वर्जन कें सम्बन्ध में कोई भी आक्षाप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिलबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्वच्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, वो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वशस्त्री

भूमि विस्तीर्ण 1-58 एकड़, कालुऊ राजस्ट्रीकृत विलेख नं 7417/83, राजस्ट्रीकर्ता अधिकारो, करनूस ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-8-1984

प्रकृष् बाइ". टी. एन. एस.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

बारत सहकार

कार्यालय . सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद,दिनांक 14 अगस्त 1984

निवेश सं अर् ए० मी० नं 461/84-85-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रवाह, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

भीर जिसको सं० फ्लैंट है तथा जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूर्यः में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, वस्लभ नगर में रिजस्ट्रीं करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के भीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय में उक्त अन्तरण निसित में अस्तिकल, निम्नलिखित उद्वेषय में उक्त अन्तरण निसित्त में अस्तरिक रूप से किया गया है :---

- (कं) जन्तरण से हुर्इ किसी आर्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूक्षिधा के लिए गरेर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय प्राय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक्ष में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिकित व्यक्तियों:---

(1) मै० श्रोनिज्ञासा विल्बर्स प्रा० लि०, बाई श्री जी० जो० श्रीनिवासलू रेड्डा, 1-2-593/4/ए, रामचन्द्रपुरम, मीशन रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० राजेन्द्र नगर रेड्डी, 2-2-3-4, 2 विजय नगर, हैदराबाद । (श्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोधत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित मों किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्कों और पदों का, सो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्यी

प्लैट नं० 506, बो० फ्लोर एम० नं० 6→3-1187. बेगमपेट, हैदराबाद विस्तीणें 1700 चौ० फीट (रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3838/83) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बल्लभ नगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारी**ख** : 14-8-1984

भोहर ∄

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाव, विनांक 14 अगस्त 1984

निवेश मं० आर० ए० सी० नं० 462/84-85--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदयस करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो बंजारा हिल्स, हैवराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैवराबाद में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेंच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विभिनियम के अभीन कर देने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अपने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रोमतो रामोला बून, संघधो,
 4-1-10,
 निलक रोड,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री द्वारका वास 3/5/170/सी०/एफ०, नारायणगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

नन्त्ची

खुर्ला जमीन, एम० नं० 4-3-51 से 51 सी श्रीर 66 से 72, रघुनाथ बाग, सुलतान बाजार, हैदराबाद, बिह्इडां पोसनेट भवन विस्तीर्ण 367 ची० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6480/83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-8-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुदता

मार सरकार

कार्याच्या सहाया प्राप्त राज्य (विशेष्त)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० आर० ए० संः० नं० 161/84-85--अतः मुझे, एम० जेंगन मोहन,

अग्राकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचान उपत पिर्मायमां उत्त एया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का अग्रा का कि का

स्रीर जिसके सं० भूमि है तथा जो पदारूपाले, नेलौर जिला में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच। में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकार्रा के कार्यालय, नेलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नार ख दिसम्बर, 1983

ां पर्योत परणित के उचित वाजार स्त्य से कस के दश्यमान प्रतिकार में किए स्वर्शन के एक्ट में से स्के प्रतिकाल कर पर्ये का कार्य है कि प्रभावतीन स्वर्शन कर किए म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल कर पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिनी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सम्परिक हप से कथित नहीं किया गया है:--

- (बा) अन्तरण में हुई किसी अध्य की बाबत, उस अधिनियम के वधीन यर रजे ही अस्तरत क पित्र में कामी करने या उसमें बचन में मिनिया भीतर होता है
- ं। पर किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ, को, प्रान्तीय आयकार अधिनियम, 1 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या प्राप्तियम, 1957 (1957 का 27) के 'प्राजराण प्रतियोग जाना चाहिए था, किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में प्रतियो है लिया

अत गब, उक्त श्रीधनियम को धारा 269-ग क अन्यरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपयास (1) के अभीर निस्तिवित व्यक्तियों, अर्थात — 5—256GI|84 (1) श्रा पो० सुन्दराराव ग्रौर अन्य 12, पेदारुपाले, नेलौर जिला।

(अन्तरक)

(2) श्रा पा० वेंकट शैय्या ग्रौर अन्य, मैनेजिंग पार्टनर आफ श्रा दुर्गा रीलय इस्टेर्ट, पोगा थोटा, नेलौर ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

-कत नगरास - अर्जर के मस्वन्य में कोई भी आक्षण :--

- (क) इस सूचना प्रशासक प्रकाशन को तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवि तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अर्थाध रुद्ध में नमाल बोदी हो, के भीतर प्रवेदिन प्रकार ने न किरी व्यवित दवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन बद्ध किसी अन्य त्यित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एस निस्ति में अन्य किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्पी

भूमि विस्तार्ण 21547 ए.हड़, पेदारुपल्ली, नेलौर जिला. रिजस्ट्राकृत विलेख न० 134 में 144, 146, 147, 3952, 3940, 3939 और 4059/83, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी, नेलौर।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नाराख : 13-8-1984

प्रकृष काई.टी एक एस

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक लायकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनार 13 अगस्त 1984

निदेश म० आर० ए० मी० न० 162/84-85- - अत. मुझो, एम० जोगन मोहन,

कासकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सर्पात्स जिस्का उपित बर्पार प्रत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी स० भूमि और शेड है तथा जो इस्नापल्ली, रेपाल से स्थित (और इससे उपाबड अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्ती अधि परी के व्ययिक्य, रेपाल मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 T 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को प्रांक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य असके दृष्यमान परिफल से, एसे द्राराह परिएट अ उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबस, उदस जिपित्यम के अभीन कर दोने के अन्तर्व के दायित्व मों कामी कारने या उससे बचने में स्वीता के लिए; जीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अर या अर्ग गरितरों को जिसी भारतीय आवतान अधिकाण १००० (1922 सी 14) ने सह अधिकाण १००० (19457 को १७०० से अधिकाण अस्मितियों स्वारा एक असी १००० से सामित्र का जिस्सा का किया का किसा का जिस्सा का लिस्सा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-मकी उपधारा (1) के अधीन, ाम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री बाई० कोटेश्वर रजव और अन्य, रेपान, ।

(अन्तरकः)

(2) श्री अतूरी मानीक्या राव, ओल्ड टाऊल रेणके।

(अन्तरिती)

का यह मूचना जाशी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के कि श रामजाहिंगा अरुता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मगन्धी व्यक्तिया पर मूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, क भीतर पर्यावन आधिकता मा अवधिकती क्यों के दिन देवारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपोक्त में हिस बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृष्टाकारी पास लिखित में किए वा सकींगे।

स्पट्टिकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त जिल्हियम के जन्माय 20 के में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होंगा का उस अन्याय तो दिश गया है।

अनुसूची

भूमि और णेड इसूनापल्ली, रेपाले, गृद्र जिला, रिजस्ट्री हतं विलेख न० 2959, 2960 और 2961/83, रिजस्ट्री ति अधिकारी, रेपाले।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिधारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख . 13-8-1984 मोहर :

प्रकप बाहै टी एन. एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 13अगस्त 1984

निवेश म० आर० ए० सी० न० 163/84-85--अतः मुझे, एम० जेगल माहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा १६०- व क अधीन सम्बद्धा कि कि कि कि कि स्थावर सम्बद्धा, जिनक उच्चित सभा भृष्य २५,000 '- रा से अधिक हैं

और जिसकी स० घर है तथा जो टाऊन, विजयवाड, से स्थित है (और इसे उपाबत कत्त्वी में और पूर्ण रूप से प्रिणित है), रिजस्ट्री ति अधि गरी हे वार्यालय, विजयवाड़ा रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 में 16) में व्यक्ति तारीख़ दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त मपत्ति क उचित बाजार मृत्य स कम क दृश्यभान प्रतिफल क लिए जन्निस्त का गर्द ही और मभ्ते यह जिल्लाम हरन का हारण हो कि पर पूर्वोक्त कर्न के कि कि प्रतिक्त मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृति से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

> (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर प्रांके शन्तरण के प्रतिय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाई अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया या किया जाना शाहिए था, ष्टिपार के सृविधा के निए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित श्र्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री जे० बी ० एउ० आर० हुण्णा शास्त्री, 44, आधा बैंक कालोनी, मलकपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2), श्री प्रताप राई के० मेहता केयरश्रॉफ : मैं० जे० कुशाल दास एण्ड को० कानवेन्ट स्ट्रीट, विजयवाड़ा, 1 टाऊन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए शक्ष्याहिया करता हा ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की नारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य ज्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

अनुसूची

चरसम्पत्ति, कनवेट स्ट्रीट, 1 टाऊन विजयवाड़ा,रजिस्ट्री-ृत विलेख नं० 7227/83, रजिस्ट्रीम्सा अधिकारी, विजय— बाडा ।

> एम जेगन मोहन सक्षम प्राधिनारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरा**वाद**

नारीख ' 13-8-1984 मोहर प्रक्म बार्ष. टी. एन. एस.-----

भामभर मींभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः महायकः आयकार अयुक्तः (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांकः 13 अगस्त 1984

निदेश स० आर० ए० सी० नं० 164/84-85---अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-- में अधिक है

अतेर जिसकी मं० घर है तथा जो आर० ही० सी० कालोती, विजयवाडा मिथत है (और इसल उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से-वर्णिन है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दियम्बर, 1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गर्ड हां प्रान मफी यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल सं, एमें देश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अतरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम निम्नितिष्ति उद्देश्य से उक्त जन्तरण सिवित में बास्तिक कम ने किए न महीं किया गया है —

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय को धावन उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उसमें अपने में स्विभा के निए, और/या
- (म) एंसी किसी माय या किसी धन वा करन कारित्यों की, जिन्हों भारतीय आएकर अधिनियद्य, 10?? (1922 का 11) या उक्त अधिनियस या भरकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गर्भ वा या किया जाना चाहिए था हि में [152] के सिए;

अतः अवः, उक्त र्राधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिरों, अर्थात् :--- (1) श्री के० कृष्णा प्रसाद पिता श्री ईश्वर राव, आर० टी० सी० कालोनी, पाटामाटा, विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के ज्ञानस्तम, पतिश्रीकाता राव, पाटामाटा, विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

कां यह सुचना नारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के नवेन के निरू कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 4.5 दिन की अवधि या तरमम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजयत में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य प्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के याम जिसित में 'स्य का सक्तेंग

स्थव्याकरण:----इसमं प्रयम्स गर्भो भीर पदों का, वा उनक अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः ही, वहीं अर्थ होगा वो उस् अध्याय में दिवा गवा ही।

वनसंची

बर सम्पत्ति, आर० टी० सी० कालोनी, फ्लैट लेन, पाटामाटा, विजयवाङा, रजिस्ट्रीइत विलेख नं० 7705/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाङ्ग ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-8-1984

त्रस्य नाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश मं० आर० ए० सी० नं० 165/84-85--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्यास करने का कारण हो कि स्थावर संपरित जिसका उधित नामार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक हो

और जिसकी सं० घर है तथा जो गुनदला, विजयवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से में विजयवाड़ा में विजयवाड़ा में विजयवाड़ा में दिलाम है), राजस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख दिसम्बर, 1983

. को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के इह्यमान शिलफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्योष्य से उन्त अन्तरण लिखिक को वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-केर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अत. अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीत, निम्दलिखित स्विक्तियों, अर्थात्.-- (1) श्रीवी० रामयम्मा पति
श्रीशेषार्गिर राव,
जी० पी० ए०:
श्रीटी० सत्थानारायणा,
विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) मैं ० बी० शेषागिरि राव, द्रांसपोर्ट कन्द्रक्टर प्रा० लि०, विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

के पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए र । वाहियां करता हूं।

वच्य सम्परित के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र न प्रकाशम की तारीख स 45 दिन की प्रकृषि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की घविष्ठ, जो भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी क्यकित द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए ता सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उर्न अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिन्ता गया है।

बयमची

घर सम्पत्ति, गुनदाला, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 7169/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा ।

> णम० जेगन मोहरन पक्षम प्राधिदारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-8-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 13 अगस्त 1984

निदेश स० आर० ए० सः० न० 166/84-85---अत मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 - रा से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० घर है तथा जो गूट्रूप में स्थित है (ग्राप्र इससे उपाबद्ध अनुसूच में ग्रीप्र पूर्ण रूप से विणित है), रिजि— स्ट्रीकर्ता अधिकार। के कार्यालय, गूट्रूप मे रिजस्ट्रीकरण अधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के अधान नारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्स सम्पर्ित से उचित बाजार मूल्य से कम के बर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके छर्यमान प्रतिफल से, ऐसे बर्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन मास्थितिक कर से किया नहीं किया नया है हिन्स

- (क्क) बन्तरण वे हुई जिल्ही आध की बाबत उक्त किंध नियम के बनीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किया

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रः के० राम मानी पत्नि सुन्दर राव, कोडहाल्ट पेट, गूटूप।

(अन्तरक)

(2) श्री मस्तान वर्ली पिता श्रा अब्दुल एऊफ, सगाई। गुटा, गुटुर।

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित को वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त क्यां उत्तरों मास किसी क्यां कर द्वारा,
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-नद्ध किसं अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दां और पर्वो का, जो उक्त विधिनियम को जभ्याय 20-क में परिभावित हुँ, वहीं अर्थ होगा को उस वभ्याय में दिया गुया हुँ।

अनुसूची

घर सम्पत्ति, कोव्हाल्टपेट, गृटूर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 9704/83, रजिस्ट्राकृत विलेख न अधिकारी, गृटूर।

> ण्म० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकार। सहायक आयकर आयुक्त (तिरक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

ताराखाः 13-8-198**4**

प्रकृष् कार्षे . टी. एव., एक्.,-::----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के आईट ग्राप्टर

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश स० आर० ए० मो० नं० 167/84-85-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित का ४ भूव्य 15,000/- रहा से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं० घर है तथा जो पाटामाटा, विजयवाडा में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि∵ारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारताय प्रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापुर्शोकन संपत्ति का उचित राजान गृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गृंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक लय में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उथका अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिन्य में कमी करने या उसने बचने में सबिधा के लिए शीर/या
- (का). एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जिल्हा था. कियाने में सविधा के निक्ह;

अभ अब , जबस अधिनियम की धारा 26% ए जै अनमार्थ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर निम्नतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्राव्हा० बनजाक्सं। पत्नि नरसिंहा राव, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्रो जेस्तः रामचन्द्रा राव ग्रौर श्री एन० सोतारामय्या, डी० नं० 40-9-11, पाटामाटा, विजयवादा ।

(अन्तरिर्तः)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कं अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्ता र स्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्वेंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्तिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

घर सम्पत्ति पाटामाटा, विजयवाड़ा, र्राजस्ट्रीकृत विलेख न० 7650 प्रौर 7649/83, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारा, विजयवाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारा सहायक आयक्तर आयुवत (निर्रक्षण) अर्जन रेंज, हैदराखाद

नारीख: 13-8-1984

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैक्षराबाद,दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० आए० ए० मी० नं० 168/84-85--अत मुझे, एम० जैगन मोहन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-राप्ये से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो कटवावरम, कृणा जिला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच: में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नंदीगमा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पृथ्यों कर सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की यावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के सिए; आरि/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) रा उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकार जार्निर्दा, वातर प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा से सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत, विक्निपिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एम० मोहन राव पुत श्रा विरय्या, कामायारा पालेम, नन्दोगामा तालुक, कृष्णा जिला।

(अन्तरक)

(2) चेयरमैन, दि आग० संत् डायासेस आफ हैदराबाद, डेक्कन सोसायटा, विजयवाड़ा ।

(अन्तरितः)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाष्ठियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की, अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वातरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास द लिखित में किसे जा सकरें।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्कों और पर्वो का., जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

भूमि, विस्तोर्ण 4 एकड़ श्रौर 3-84 एकड़, काटवाबरम, कृष्णा जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2297 श्रौर 2303/83. रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नन्दीगामा ।

एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाव

तारीख: 13-8-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

नायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

शारत सरेकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 169/84-85--अत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो रामचन्द्रपुरम, अग्रहारम में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. गूंटूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 1983

को प्रवेशित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विषवास करने का कारण है कि यथाप्वेशित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नणिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण निवित्त में शास्तिक क्य में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरुष से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अभि= नियम की अभीन कर दोने के अस्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविभा को लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों शहरतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिटी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था क्लिप्ट में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ण के जनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्थात् ६—— 21—256GI/84 (1) श्रीमती पी० विजयलक्ष्मी पति लेट वैंकटरामय्या, नरसाराव पेट ।

(अम्सरक)

(2) श्री मंडागिरि चीनय्या, पिता श्री इनय्या प्रेसीडेन्ट, दी गूंटूर टाऊन श्रीनिवासा राव पेट, करमीका, संघम, गूंटुर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्मवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन की सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सर्ची

भूमि विस्तोर्ण 24 1/2 सेंट्म, रामचन्त्रापुरम अग्रहारम, गूंट्र, रजिस्ट्राकृत विलेख नं॰ 10067/83, रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी,गूंट्र।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 13-8-1984

प्ररूप आई.टो.एन.एस. ------

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन स्वना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन ट्रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 170/84-85--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थायर संपीत्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० भूमि है तथा जो मारतूर, प्रकासम जिला में स्थित है (श्रीर उसमे उपाबद अनुसूच: में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्र कर्ता अधिकार: के कार्यालय, मारतूर में रिजिस्ट्रेक्तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के दृश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे ब्रह्मयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण कि किंत में ब्रह्मिविक क्य से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी त्राय की दाबत, उचल अधिनियस के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिए।

वतः वकः, जनत विभिन्नियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के वभीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, बर्धात् ह

(1) श्री एन० वेंकटा सुब्बय्या श्रीर अन्य मरतूर।

(अन्सरक)

(2) श्री के श्रीनिवासी राव. मैनेजिंग डायरेक्टर . श्री अमरावर्ती टेक्सटाइल प्रा० लि०, चीलाकलूरीपेट, गुंटर जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित की अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

भूमि, मारतूर विलेज, प्रकाशम जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 160, 152, 151, 150, 149, 148 श्रीर 147/ 83,रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारतूर।

> एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तान्दीख : 13-8-1984

मोहर 🗵

त्रक्त बार्ड, टी. एन. एन्.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्पीन स्पृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैबराबाद, विनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 171/84-85--अतः महो, एम० जेगन मोहन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० घर है तथा जो वैसाग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्राँर पूर्ण रूप संवर्णित है), रजि— स्ट्रांकर्ता अधिकार के कार्यालय, वैद्याग में रजिस्ट्रांकरण अधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, ताराख दिसम्बर, 1984

क्ये प्वांधत संपरित के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अन्तर्रांक्षमाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निभ्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्त विक रूप से कथित मही किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण स सूचे किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कहने या उससे बच्चने में सूविधा के सिए; ब्राह्म/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनित्रम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अर्थ, अक्त विभिन्नियमं की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रोमती वी० लक्ष्मी मनोहरम परिन श्रो रामाचलपति राव, पाटामाटा, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० कामन्ना ग्रीर अन्य डी० नं० 50-48-21, रेसूबानीपालेम, विशाखापटनम् ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यकारियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तित्यों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्की

धर सम्पत्ति, विशाखापटनम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं । 13953/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विशाखापटनम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-8-1984

शक्ष् आद् ेदी . एव ..एस्. पुण्यानानानाना

आवक्तर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-ए (1) के स्पीन स्पना

कार्यालय, सह्ययक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाव

हैवराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 172/84-85--अतः सुप्ते, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदवास करने का कार्ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० घर है तथा जो पेदाबार्ल्टायर, विशाखांपटनम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विशाखापटनम में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वा सम्पत्ति के उणित बाजार मूस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार बून्च, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितिया) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेश्य से उच्च अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुएं किसीं बाय की नाब्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ज) एसी किसी जाय या किसी थन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा को लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् क्रिन (1) श्रो शिवखाडा रौय, डुवालावानीपालेम, विशाखापटनम ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी॰ सत्यनारायाणा मूर्ति, बी॰ यू॰ डी॰ ए क्वार्टरर्स, राम नगर, विशाखापटनम,

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त कट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ मांगा, जो उस अध्याय में विवा क्या है।

वन्त्वी

घर सम्पत्ति, पेदावास्टायर विलेज, विशाखापटनम रजिस्ट्री→ इत विलेख नं० 14100/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विशाखापटनम ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख : 13~8-1984

मोहरः

प्ररूप मार्च .टी .एव . एस . -----

भायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराआध

हैदराबाव, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० आर० ए० सो० नं० 173/84-85-अतः

मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर जिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरिता, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० भूमि है तथा जो गुरुपडी, भीमाराव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भीमाराव में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख विसम्बर, 1983

को पूर्वोक्षत संपत्ति के उंचत बाजार मृत्य म कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकशस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मं चास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए। और/या
- (क) एसी किसी बाग या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशाजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्थिभा के बिए;

भतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मां, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (!!) को अधीन, निम्नतिस्थित व्यक्तिस्थां, अभित् हम्म (1) श्री एम० जॉन शाम्यूबेल, पिता श्री जॉन चेरुघक्वाडा पोस्ट, अरिविड्रू तालुक, वेस्ट गोवाबरी जिला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जी वरलक्ष्मी पति श्री रमेश, डीं वं वं 412, टीं पीं टो स्वार्टर्स, संजीवा रेड्डी नगर, हैदराबाद।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बनुभ किसी अन्य ध्यक्ति ब्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

भूमि विस्तोर्ण 1.01 एकड़, गूनुपुडी विलेज, भीमायरम, तालुफ, रजिस्टोकृत विलेख नं० 4143, 4139/83, रजिस्ट्रो-कर्ता अधिकारी, भीमायरम ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13~8-1984

प्रकम् नार्दः, दी., एन् . एक् . ००००००

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सुम्बना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चयक नायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० न० 174/84-85--अतः मुझी एम० जगन मोहन

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक ही

और जिनकी मं० भूमि है तथा जो रागमूंड्री में स्थित है (और इसने उपाबद अन् सूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय राजमुड्डी मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख विसम्बर 1983

को पृवोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दशमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसिन प्रद्वेश्यों में उक्त अन्तरण लिखित में वारतिक हप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुन्दं किसी बाय की बावत, उक्त विधिनियम के वधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करूने या उससे वचने में सुविधा के निगए; बौर/या
- (य) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नतिबित व्यक्तियों, वर्षात् (1) श्रीएन० विरेरेड्डी पेरईरामचन्द्रपुरम डूपालपुडी पोस्ट रामचन्द्रपुरम तालुक जिला ईस्ट गोदावरी।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० सत्यनारायणा रेड्डी पेराई रामचन्द्रापुरम डूपालापुडी पोस्त रामचन्द्रापुरम तालुक जिला ईस्ट गोवावरी ।

(अन्तरिती)

को यह भूचना जारी करक गुर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के सिए कार्यबहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वित्यों में से किसी स्वित्य ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्स्थ के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त सम्बां और पवां का, जो जक्त सिंभित्यम् के स्थाय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं सर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया सवा है।

जनसंची

भूमि विस्तीर्ण 1-55 एकड़ राजमुंड्री रिजस्ट्री हत विलेख नं॰ 7207/83 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजमुड्री ।

> एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज **हैदराबाद**,

ता**रीख:** 13~8~1984

प्ररूप जाइ. टी. एन. एस.------नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की

वायकर वाभानयम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-घ (1) के विधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्कत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 176/84-85--अतः मझे, एम० जेंगन मोहन,

कायकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें धर्मात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,(100/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं वरहै तथा जो नरसापूर वेस्ट गोदावरी जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय येलूरु में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रशिक्त से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिश्चन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) अभ्यारण से हुध किसी जाव की वाबत. उक्त जिमित्यम के अभीन कर दोने के जम्सरक कें वासित्व में कमी करने या उससे मचने में सुविधा के सिए; औट्र/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिये था, छिपाने में सुविभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) श्रीमती टी० ऊमा महेस्वरी पति श्री नागेस्वर राव, सीताराम पूरम, नरसापूर।

(अन्सरक)

(2) मैसस पेढ़ानी वेंकचा एण्ड को० पालकोट, वेस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीकत संस्पत्ति के वर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

घर सम्पत्ति नरसापूरम रिजस्ट्रीहत विलेख नं० 6463; 6464 और 6467/83, रिजस्ट्रीहत अधिजारी येलूरु।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर औयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13~8-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

मारेक संस्कार

कार्यालय, स**हायक आयका<u>र</u> आयुक्त '(निरक्षिण)** अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद,दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 176/84-85--अत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो अम्बाजीपेटा, ईस्ट गोदावरी जिला में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाजीपेटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एोसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्सरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उस्त अन्तरण जिल्लिक में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) असरण मं हुइ फिसी आप को नानत, उक्त निमित्यम के नभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अचने में सूर्यिधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में सविधा के जिए;

जतः जय, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) को अधीन, निम्नलिसित अयिसार्यों, अर्थात् :--- (1) श्री ए० सूर्यं प्रकाशम, हाई कोर्ट, एडवीकेट 13, ईशाख कालोनी, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरकः)

(2) श्री एल० सुरेश, टाटीपाका, रक्षोल तालूक, जिला ईस्ट गोदावरी।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्रिक्श करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ननुसुची

भूमि विस्तीर्ण 2.50 एकड़, अम्बाजीपेट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1988/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अम्बाजी-पेट ।

> एम० जेगन मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाब

तारीखा : 13-8-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आर्च, टी. एन एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 अगस्त 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 141/84-85--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 24,000/- रा. से अधिक हैं

और जियकी मं० भूमि है तथा जो पेटासीभा, बोनंगी में स्थित है (और इससे उपाधक अनुसूची में और पूर्ण छप से वर्णित है), रिजस्ट्रीलर्ता अधिकारी के लार्यालय, सब्बावरम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

- को प्वांधत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांकत सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
 - (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवा के सिए;

नतः अन, उन्त अधिनियम, की धारा 260-व के अनुसरण हो, भी, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन नियनिविधित व्यक्तियों, नथाँत् — 59—256GI84

(1) श्री चौधरी सोमन्ना पत्र जू और अन्य, सूर्यीबाग, वैझाग ।

(अन्तरक)

(2) गंजूबका हाऊजी बिल्डिंग सोसाइटी लि॰, वी 1866, बाई प्रेसीडेंट श्री जे॰ सत्यमूर्ति, गङ्मवेका, विशाखापटनम जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

तनात सम्मर्गस्त जा ल**जांग को सम्मर्ग्य भी कार्य भी जाओप्:**--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाम लिखित में किए जा सकोंगे

स्पर्कांकरण हि—इसमें प्रयुक्त कम्बां और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

भूमि विस्तीर्ण 10 एकड़, 66 मेंट्स, पेंटासीमा बोनंगी, विजेज, रिजस्ट्री उत विलेख नं० 3438 और 3437/83; रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सब्बावरम ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 1−8-1984

मोहर ः

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज, हैक्साबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० आए० ये० मं:० नं० 142/84-85---यनः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु, से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० घर है, जो पाटामाटा, विजयवाड़ा में स्थित है (श्रौर इसमे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है), रिजम्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक विसम्बर 83.

को प्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपर्तित का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे अचने भे सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) एस० के० इनामुद्दीन जाबिद पब्लिक चैरीटेल ट्रस्ट, मैनेजिंग ट्रस्टा, श्री एस० ए० के० जीलानी, गवर्नरपेटा, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० प्रमीला रानी पति विरभद्रष्ठ, हयातखान स्ट्रीट, तारापेट, विजयवाड़ा । (अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 चिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा भकरेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। स्या है।

अन्सूची

घर सम्पति न्यू पोस्टल कालोनो, पाटामाटा, विजयवाड़ा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7669/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्दर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-8-1984

श्रुक्य जाइ. टी. एन. एस.-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) ने अधीन स्वना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाशण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० आप० ये० सी० नं० 143/84-85---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसभे इसके पहनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रु. से अधिक है

25 009/- स्त. स आधक हुं भीर जिसकी स० घर है, जो गांधी चौक, खम्मम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्य में विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, खम्मम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक दिसम्बर 83, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपास बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नितिचत उस्वियय से उक्त अन्तरण सिक्षत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- .(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्यी करने या उत्तसे अवने में सुविभा के सिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-में की उपधारा (1) के अभीन निम्नतिबित व्यक्तियों, अर्थात ः—

(1) श्री डी० राम मूर्ति पिता यल्लय्या, गाधी चौका, खम्मम ।

(अन्तरक)

(2) श्री सीं ० एच० नरसिम्हा राव पिता विरय्या, खम्मम क्षाजार, खम्मम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी अयिक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के यास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गुन्ना है।

मन सची

खुर्ला जमीन, विस्तीर्ण 432.71 वर्ग गज गाधी औक, रिजस्ट्रीक्टम विलेख न० 2/84 रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी खम्मम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 13-8-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मुचना

आरत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 13 अगस्त 1984

निदेश स० आर० ये० मी० न० 144/84-85---यन मुझे, •एम० जेगन मोहन,

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

25,000/-रत. सं अधिक हैं
श्रीर जिसकी स० घर है, जो कृष्णानगर, गुटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प में विणत है), रिजस्टी कर्ता अधिकारी के वार्यालय गुटूर में रिजस्टी करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवान, दिनाक दिसम्बर, 83, को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विद्यास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से, एसे खर्यमान प्रतिफल का क्षेत्र है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में बाम्तिकल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में बाम्तिकल रूप सं कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अतरण संह्रं किसी बाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कलिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 195, (1957 का 7) के एयोजनार्थ असरिता द्वारा १२३ तहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के सिए,

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रा के० मोहन सुबेन्द्रा गुप्ता श्रीर श्रन्य, कुष्णानगर, गुट्र ।

(अन्तरक)

(2) खा० जफरलाहा खान पिता जमालुद्दीन, 13/3, अरुणदलपेट, गुटूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोएं भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ज्वधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड्ड किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

"पण्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्र्या

घर सम्पत्ति कृष्णानगर, गुटूर, रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 9564/ 83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुटूर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनाक 13-8-1984 **मोहर** ६

प्रकृत बाइ'.टी.एन.एठ.-----

आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के ध्राचीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० न० 145/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- क में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० घर है, जो गांधीनगर, विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष्य से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक दिसम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्ममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरक्ते हुइं विक्ती काव की वाबता, कन्द्र वृषिनियम् की क्यीन कर दोने के अन्तरक के द्यावरक् में कमी करने या उसने बचने में स्विभा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपान में रिक्शा के लिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री एम० वाला सुज्ञमन्यम, गाधीनगर, विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० एच० सुन्नामन्यम णास्त्री पिता सीताराम भास्त्री गर्वनरपेट, विजयवाड़ा । (प्रेजेंट डी० नं० 26/22/2, देवकीनन्दन निलायम) गांधीनगरम, सत्यनारायण स्वामी वारी विधी, विजयवाडा ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्प्रित के मर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं त' 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्य स्थाबतयों में से किसी व्यक्ति बुबाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुगा है

अनुसूची

घर सम्पति, गांधोनगरम, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7575/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्टर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांषः : 13-8-1984

प्ररूप आहु". टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अभीन सुचना

भारत त्रकाङ

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 146/84-85--यत: मुझे, एभ० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो पेलुरुविलेज श्रांगल जिला स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रांगल, में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, बिनांक दिसम्बर 83,

को पूर्वोबत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निमिबत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त जिसीनयम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जरिं/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्लास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसत व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री पी० वेंकम्मा ग्रीर ग्रन्य, शांतापेटा, ग्रोंगल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डी॰ मूसलाराव पिता श्रीरंगनाथम, देवथूवारी संधू, श्रोंगल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाही शूरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ब्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्योकरण:---इसमें प्रयुक्त फान्यों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

BANK

भूमि विस्तीर्ण 2 एकड़, पेलूक विलेज, श्रोंगल जिला, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं 0 428/84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी श्रोंगल ।

> एस० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैबराबाद

दिनांक: 13-8-1984

प्ररूप्. बार्च<u>.</u> दी. एन्. एस., -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद,, दिनांक 13 श्रगस्त 1984

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 147/84-85-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० घर है, जो लांग्बिपेट, विजयवाड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक दिसम्बर 83,

को पूळोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और सभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुइं किसी जाय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनं के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन कर अधिनियम, दा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपानं जे सुविधा के लिए।

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री कोली कोटेस्यरम्मा पति सत्यनारायणा लब्बिपेट, विजयवाद्वा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जी० कोटेस्वर राव पिता वेंकटेस्वरा राव, प्रेसीडेंट , श्री पश्चासाली सेवा संघम, घर नं० 39-8-9, लब्बिपेटा, विजयवाड़ा । (श्चन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याप में विषया गया है।

नम्स्यी

घर सम्पति, डी॰ नं॰ 39-8-9, लब्बिपेटा, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 7210/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी विजयवाड़ा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 13-8-1984

प्रकप बाह् . टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के जभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 ग्रगस्त 1984

निवेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 148/84-85---यत: मुझे एम० जेगन मोहन,

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० घर है, जो कंडलवारी स्ट्रीट, विजयवाडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, विनांक दिसम्बर 83,

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से बिधक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिक रूप से कर्नित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई, किसी काव की बाबत, उपल अभिनियम के जुधीन कर दोने के संतरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः शन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्पक्तियों, अर्थाट :—— (1) श्री के॰ दुर्गा साम्बिशवा सूर्यनारायणामूर्ति और ग्रन्य, विजयवाडा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० राजेंन्द्र सूरीजैन स्वेतम्बरी द्रस्ट, बाइ श्री जेरुलाल, 11-41-26, कंडूलावारी स्ट्रीट विजयवाड़ा । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

क्रम्य सम्मति को ग्राप्त का संज्या भी वाई भी आक्रप

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति व्यक्ति तारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्हुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पार विश्वत में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पर्दों का, क्षें उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति, डी० नं० 11-41-26, कंडूवलाबारी स्ट्रीट, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7549/83, रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिक्षिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-8-1984

प्रकप बार्च हो पुन पुन ------

नामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

मार्त सर्कार

कार्यालय, सहायुक कामकड् आयुक्त (निड्रीक्षण)

र्श्यर्जन रेंज, हैदराबाद — १८

हैदराबाद, दिनांक 13 ग्रगस्त 1984

निदेश सं अपार० ये० सी० नं० 149/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० भूमि है, जो रामनयापेट, काकीनाडा में स्थित है है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, विनांक 12/83,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गईं है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिकल से, ऐसे दूरयमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की वाबत, उक्त जीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिवाने में सविधा के लिए;

बत्त बन, सक्त जीधनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में सक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के बधीन जिम्मिलिकत व्यक्तियाँ, जर्मात् ह-~ 23—256GI/84 (1) श्री कें ० नारायणराब पिता चिन्ना राथय्या, ग्रीर ग्रन्य एक, शेषासाइ स्ट्रीट, रामारावपेटा, काकीनाडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री टी॰ सी॰ वेंकटचलन ग्रौर श्रन्य 17, पार्टनर श्राफ श्री लक्ष्मी गणपती मार्डन राइस मिल, रामनय्यापेटा, काकीनाडा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के रज्जपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्तीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय '20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

भूमि विस्तीर्ण 2 एकड़, 22 गूंठे, रामनयापेटा, काकीनाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10108, 10109, 10110, 10091, 10092, 10071 श्रीर 10072/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी काकीनाडा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदेराबाद

विनांक: 13-8-1984

प्रकद कार्च ् टॉ. १म., एत. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, विनांक 13 श्रगस्त 1984

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 150/84-85-यतः मुक्को, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिस्ताय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो लंकालापालेम विलेज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सब्बावरम में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 12/83,

क्षे पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य,, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्कत, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण ते हुइ किसी बाद की बादत, श्राहत अधिनिवस के अधीन कर बोने के जन्तरक के बाबित्य में कभी करने या सबसे बचने में सदिशा के बिग्द; ब्युटि/या
- (ण) एसी किसी बाय था किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

कतः अथ, उक्त अधिनियम की भाष 269-म के अनुसरम में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (1) श्री पी० मूनस्य श्रीर श्रन्य,
 4, लंकालापालम, सब्बाराधरम तालूक,
 वैझाग, जिला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वाई० शंकर राव, पार्टनर मेसर्स विजेता फैंबीकेटसं लंकालापालम, सब्बावरम तालूक, वैझाग जिला । (भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वों कत सम्पत्ति को अर्जन को निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्णन के संस्थान्ध कें कोई भी जाक्षेप हिन्न

- (क) इस स्चना के राजभन में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की जनभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्थाबनीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उच्ह बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

नमृत्यी

भूमि विस्तीर्ण 80 सेंटस्, सब्धावरम तालूक, लंकालापालम विलेज, राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3424/83, राजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी सब्धावरम ।

> एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-8-1984

मोहर ः

प्रस्प बाई टी. एन. एस.----

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-थ (1) यो अधीन सुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 श्रगस्त 1984

निदेश म्रार० ये० सी० नं० 151/84-85--यत: मुझै; एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं वर है, जो राजमुन्द्री में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजमुन्द्री में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 12/83, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से, एसे श्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम को सभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सूबि्धा के सिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिर्ती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

अतः अज्ञः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात 🖁 ——

(1) डा॰ जी॰ ऊजीनाब्ल केरे पति लेट विलीयन केरे राजमुन्त्री ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती यल्लम्माभीली लक्ष्मीरानी ग्रौर राधीका रानी, डी॰ नं॰ 1-10-12, गुरुकुलम स्ट्रीट, राजमुन्द्री ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुजना जारी करके पृथाँक्त सम्पृत्ति के वर्षन के शिष्ट कार्यवाहियां करता हुई ।

सकत सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पृव्यक्ति स्थाबतयों में से किसी स्थावित बुवारा;
- (स) इस स्थाना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में शिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्याह ।

नन्स्यी

ाति, विस्तीर्ण 2457 चौ० गज, भूमि श्रीर 3054 खौ० फुट, प्लीय एरिया, प्रकाणम स्ट्रीट, राजमुन्द्री, राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 8045, 8044, 8042 श्रौर 8043/83, रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी राजमुन्द्री।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-8-1984

मोहर 🗯

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० भ्रार० ये० सी० नं० 152/84-85--यत: मुझे, एम० जैगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाण करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं वर है, जो राजमुन्त्री में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजमुन्त्री में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 12/83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथ-नियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के वासित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थांत :-- (1) श्री एम० कृष्णामूर्ति पिता सुब्बय्या, मंगलवारपूपेटा, राजमुन्द्री ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० रामा कृष्णा मैनेजिंग, पार्टनर्स श्राफ मेसर्स रतना सेरामिक्स, भौर रेफरेक्टारीज, देनाबाइपेटा, 47-1-4, राजमुक्षी । (श्रम्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां चरू करता है।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विभ के भीतर उक्त सम्पत्तिः में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

धर सम्पति, राजमुन्द्री रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7751/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी राजमुन्द्री ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्रण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 13-8-1984

अक्य नाइं, टी., एन., ६स., -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के मुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाव हैदराबाद, दिनांक 13 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० म्नार० ये० सी० नं० 153/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यात करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि है, जो गवरीपेटनम, वेस्टगोदावरी' जिला स्थित हैं (भीर इससे उपावद भ्रनुसूची में भीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कोऊर, में भारितीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 12/83,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कम निम्निनिचित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की नान्त, उन्त जीविनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; नीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर ब्रिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गृवा था या किया जाना वाहिए था, किया में स्थान के निए,

मतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-म की अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— (1) श्री एम० सत्यनारायणा श्रौर श्रन्य, गौरीपटनम, नेस्टगोदायरी जिला ।

(भ्रन्तरक)

(2) दि कोस्टल केमीकल्स लि०, 802, गारापतीयारी स्ट्रीट, रामनगर, निदादाम्रोलू — 534 303, ए० पी० ।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके प्रांक्त सम्मरित के नर्थन के निर कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूड़ स्वना की तामीन से 30 दिन की नविध, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त ब्रुध किती कन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानकरणः -- इसमें प्रयुक्त कर्यों और वर्षों का, वो समझ अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया प्राह⁴।

ननुस्पा

बंजर भूमि, विस्तीर्ण 21.05 एकड़ गौरीपटनम, कोऊर तालूक, वेस्टगोदावरी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2030, 2029, 2028, 2016, 2017, 2006, 2005, 2004/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कोऊर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

विनोक : 13-8-1984

प्रस्य आहे. टी. एन. एस. ------

नाबकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश आर० ये० सी०नं० 154/84-85--यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य \$5,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं ०भूमी है, जो अनगूमपूडी विलेश वैद्याग जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब्बावरम, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनोक 12/83,

को पूर्वोक्त संपृत्ति के जिनत बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त संपरित का जीनत शानार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के जीन एसे अन्तरण के निए तम पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुए किसी बाव की बावब, उपक जिथानियम के खुणीन कर दोने के अन्तरक की दावित्व में कनी करने वा जबसे स्थाने में सुविधा के लिए; जॉर/बा
- (क) एसी किसी नाय सा किसी धन या जन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने ये मृतिभा के निष्:

अतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की जपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री एम० अप्पाराव और अन्य, अनगामपूडी विलेज सब्बावरम तालूक, वैझाग जिला ।
- (2) श्री विजयलक्ष्मी को० आपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी, लि० बाई सेक्नेटरी श्री एम० गणपती राजू बल्टीयर अप्लैण्डस, विशाखापटनम ।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वीक्त संपत्ति के कर्जन के जिल्ला कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों परं सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारी।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पर्यों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नग्लुका

भूमि, विस्तीर्ण 14-37 एकड़, अनगामपूडी विलेज, सब्बावरम तालूक, वैक्षाग जिला, रजिस्ट्रीहत विलेख नं 0.3777, 0.3779, 0.3780, 0.3781, 0.3613, 0.3614, 0.3615, 0.3616, 0.3617, 0.3618, 0.3819, 0.3826, 0.3825 और 0.3827/83, रिजस्ट्रीकती अधिकारी सब्बावरम ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज, हैदराबाद

दिनांक: 13-8-1984

मोहार :

प्ररूप आहर् .टी. एन . एस . -----

भागकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-च (1) को अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातव, सहायक भायकर जायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैक्टराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगर त 1984

निदेश आर० ये० सी० नं० 155/84-85—यतः मुझे एम० जोगन मोहन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो पाटाभाटा, विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुभूची में और पूर्णक्य से विजित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12/1983.

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क का निम्मतिविक उद्देश्य से उसर अन्तरण निम्मतिविक से सम्भविक क्य से कि विन नहीं किया च्या है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दासिस में कनी करने या उत्तर बचने में स्विधा के निए: सीर/या
- (च) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अन, उन्त निमिन्न की भारा 269-म के नन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, नभीत् :— (1) श्रीमती ह्वी० निरमाला देवी पति सूर्यनारायणावर प्रसाद पाटामाटालंका, विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री ह्वी० प्रभूकिशोर, पिता केणवराव चौधरी, पाटामाटा. विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सक्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिए जा सकोंगे ।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

-

सम्पति, विस्तीर्ण 55 सेंट्स, पाटामाटा, विजयवाड़ा, रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7165/83, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13~8**~**1984

प्ररूप सार्घ. ती. एन. एस.-----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्दाक्तण)

अर्जन रेंज, हैवराबाध हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984 निदेश आर० ये० सी० नं० 156/84—85——यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इम्प्ले परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिमकी सं० घर है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12/83,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, न्मिनलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

(1) श्री सी० एम० के० मोहम्मद सेयूफत्मल और अन्य विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० सुद्धमन्यमा पिता वल्लय्या और अन्य दो, विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीय से 45 दिन की बनिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध , जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

घर सम्पति जी, डी० नं० 11-41-2, कंडूलवारी विधी; विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7674, 7673और 7672/83, रजिस्टीकर्ती अधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ू—

दिनांक : 13-8-1984

प्ररूप बाहाँ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 13 अगस्त 1984

निदेश आर० ये० सी० नं० 157/84-85--यत मुझे, एम० जोगन मोहन,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर स्म्पत्ति, जिस्ता उचित बाजार म्ल्य 25,000/- स्त. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और शैंड है, जो नागरपोलम गुटूर में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीनर्ता अधिकारी के वार्यालय, गुटूर में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, दिनाक 12/83,

को पूर्वेवित सम्पत्ति को इवित बाजार गृह्य न नाम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वेवित सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके ख्यमान प्रतिपत्त में, एस श्यमण प्रतिफन वर पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रति क स निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में भास्तियक कप से किंशत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक म शियाल में कोमी करने मा लगरी अधरे में मरिए प वे किस और/मा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था विद्या जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा बे सिए;

सतः अत्र, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :---24---256GI/84 (1) श्री एम० मल्लारेड्डी, पेनूमाका विलेज, मंगलगीरो तालुक, गुंद्र जिला।

(अन्तरक)

(2) बाला मुख्या टिम्बर डीपोट बाई श्रीमती राषवम्मा, पति रंगाराव, श्रीनिवासारावधोटा, गुटूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्परित को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्थिक्तयाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्विध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राषपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ध्रभ किसी अन्य व्यक्ति त्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया पया है।

नन्स्ची

भूमि, और ग्रैंड, नागारामपालेम, गुटूर, रजिस्ट्री हत विलेख नं० 9928, 9905, 9930/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुटूर।

> एम० जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, "हैदराबाद

दिनांक: 13-8-1984

प्रस्य अहां टी, एन. एख. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत बुरकांब

कार्यालय., महायक आयकर आयक्त (निरीक्तक)

अर्जन रेज, हैदरबााद

हैदगवाद, दिनाक 13 अगस्त 1984

निदेश स० आर० ये० सी० न० 158/84-85---प्रत. मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के ग्रीन सक्ष्य प्राण्यकारा का यह विक्वास करने का कारण ही कि ग्रिथार सम्पतित, जिसका उचित बाजार मृल्य 5 000/र से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सुरु घर है, जो नेलीर स्थित है (ग्रीर इसमें विपाबद अनुसूच। में ग्री पूर्णस्प से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेकलीर में भारत य रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 12/83,

को पृत्रोंकत सम्परित के उचित बाजार मूल से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल मं, एस दश्यमान प्रतिफल वा पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियों। क बीच एमे बन्तरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्मलिकित उद्देश्य में उन्त अन्तरण निवित्त मा बाम्नियक भव में कथित बन्नी किया गया है है—

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के बन्तरक वें दाधिस्त्र में कमी करने या उससे बजने में पिक्या के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) जा कहा अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के रमाजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ए। या जिया उपना चाहिए था छिपाने में मिया के लिए।

अत. अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रा ह्व ० एल० नर्शनग्हा राव पिता कृष्णा मर्ती 6/274, स्टोन हाउसपेटा, नेलोर ।
 - (अन्तरकः)
- (2) श्रीमत। के० जयम्मा पीत अदाय्या नायडू, न० 71, एम० एम० व्हो० कीइल स्ट्रीट, ट्रप्लोकेट मद्रास ।

(अन्तरिती

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्वाक्तयां में स किसी व्यक्ति द्वाग,
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्पष्टिकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्यी

घर सम्पति , सिगारजूबारी स्ट्रीट, नेलोर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 6465/83, रजिस्ट्राप्ती अधिकार, नेलोर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 13-8-1984

मोहर .

प्रक्ष कार्ष .टी .एन . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 अमस्त 1984

निदेश मं० आर० ये० मी० नं० 159/84-85--यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जिमको मं० मूमि प्रौर इमारन है, जो बापटला में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुम्बा में प्रौर पूर्णका मे वर्णित है), रजिस्ट्रोक्ता अधिकारी के फार्यालय, बापटला, में भारतीय रजिस्ट्रोक्टण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, विनांक 12/83,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूप्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरिकियों) के बीच ऐसे अंतरित के लिए सम पाया प्रतिफल निम्नलिखित उत्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण सं हुई किसी काय की बाक्स, उक्क मधिनियम 'हे अधीन कर दोनं के जन्तरक की दायित्व में कामी कारने या उसमें बचने में मृजिधा के लिए; बॉर/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिये था, खिपाने में मुखिभा के लिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तिमों, अधीतः :--- (1) श्रो बाई प्रकुला चन्द्रा चोधरो श्रीर अन्य, पाटामाटा, विजयवाडा ।

(अन्तरया)

(2) दि काग्रेगेणन श्रॉफ दि मिम्टमस श्रॉफ दि कोस श्रॉफ चावनोडा सोसायटो, राजिस्टर्ड अण्डर सोसायटोज एक्ट, 1850, एक्ट सविसावा, 1860, बाई श्री जेनीव मनी, नाक्जीरापल्नी, नामालनाडु स्टेट ।

(अन्तरिता)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वोक्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हों।

उक्त मण्डित के अर्जन के सबंध में कांद्र भी बाक्षप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकत्यों में मुक्ति व्यक्ति बुवारा;
- (सं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिन में किए प्रा सर्वनं।

स्पष्टीकरण - इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वहीं अभी होंगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

मन्स्धी

भूमि श्रीर इमारत, फस्ट लेन, बल्लमभाईपटेल नगर, बापटला रिजस्ट्रोकृत विलेख नं० 2628/83 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बापटला ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, हैदराब

दिनांक: 13-8-1984

मोहर 🖫

प्रक्य भार', डी. एन्. एस्.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को नधीन सृष्ता भारत सङ्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं अार विशेष सी विशेष कि निदेश सं अार विशेष सी विशेष कि निदेश सी विशेष सी सी विशेष सी सी विशेष सी विशेष सी विशेष सी विशेष

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० घर है, जो नारासारावपेट में स्थित है (भौर इससे उपावड अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नारासारावपेटा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक विसम्बर 1983.

कां पूर्वोक्त संपरित के उषित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभी यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उषित बाजार मृत्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण को लिए तथ पाया गया प्रात्तफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर बेने के अन्तरण के धायित्य में कभी करने या उससे अचने से सुविभा के मिए; और/बा
- (ण) ऐसी किसी बाय वा किसी पृत या बन्य वास्तियों कां, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्श अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना माहिए था कियाने से सृविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण , में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) अधीन, निम्निसिस स्थानिसमों, अधीतः

- (1) श्री जी० चालामा रेड्डी पिता रामिरेड्डी श्रीर अन्य, कीत्ताभावि, नारासारायपेटा । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती बी० लक्ष्मी सत्यावती, पति सारवांभमुडु घर नं० 8~11~34 नयावार्ड 8, नारासारावपेटा गुंटूर--जिला ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रोंक्स संपरित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपृत्ति को गर्जन को संबंध में कोई भी जाक्रोण 5--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी श्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब छे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः - इतमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं कर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिया गथा ही।

नन्स्यो

घर नं ० 8-11-34 नयावार्ड ८ नारासारावपेट रिजस्ट्री-इन विलेख नं ० 6176/83 रिजस्ट्रेंकर्ता अधिकारो नारासाराव पेट।

> एम० जैगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 13-8-1984

प्ररूप भाष्ट्रं .टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 16 अगस्त 1984

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2454—अतः, मुझे, मोहन सिंह,

नायकर जिम्हिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्पो इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 10 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्यालय, जोधमुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भून्य, इसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का भन्तह प्रतिश्वत अधिक है और संतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उड्डेंच्य से उक्त अंतरण निकित के बास्तिक रूप से किथा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक कें दायित्य मी कामी कारने या उससे बचने मी स्पृधिकः के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य झास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, टा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया, जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्हरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधार (1) वे स्थीय, निम्निविक्ति व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री महीपाल सिंह पुत्र श्री हरो सिंह निवासी—जोधपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रा केवल चन्द पुत्र श्री सायर चन्द श्रीसवाल, पावटा, जोधपुर ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के नर्जन के सम्मन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिस सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षणी स पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्सूची

प्लाट नं० 10 जालम निवास, जोधपुर का भाग जो उप-पंजियक, जोअपुर द्वारा कम मंख्या 3528, 3529 दिनांक 8-12-83 पर पंजिबद्ध विकथ पत्न में भीर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अजंन रेंज, रेंजयपुर

दिनांक : 16-8-1984

मोहद्भ 🐴

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 अगस्त 1984

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2455—अतः, मुझे, मोहन सिंह,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिमकी मं० प्लाट नं० 10 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रौर इसमे उावद्ध अनुसूचो में स्रौर पूर्णक्प से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ना अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 दिसम्बर 1983,

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त सिंधनियम के अधीन कार दोने के जन्तरक की बायत्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; जॉर/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः जबः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधौत् :-- (1) श्री महीपाल सिंह पुत्र हरी सिंह, निवासी---- पावटा, जोधपुर ।

(अन्तरक)

ज (2) श्रो महावीर चन्द पुत्र सायरचन्द, निवासी—पावटा, जोधपुर ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्रन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कांई भी बाक्षेप '---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स् 45 दिन की व्यक्तियां पर स्चान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथाहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के कथाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं ० 10 जालम निवास, जोधपुर जो उप-पंजियक जोधपुर द्वारा कम मंख्या 3528, 3529 दिन्तांक 8-12-83 पर पंजियद्व विकय-एल में भीर विस्तृत विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 14-8-1984

प्ररूप आह. . टी. एन. एस.-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुबना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 अगस्त 1984

निर्देण सं०: राज०/महा०आ० अर्जन/2456—यतः, मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या सम्पत्ति का भाग है तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोक

31-12-1983
को पृत्रेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निवित उद्वेष्य से सकत अन्तरण निचित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के ज़न्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धुवारा प्रकट नहीं किया भया या या किया जाना काहिए दा छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः नव, उन्त विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;--- श्री चान्दमल पुत्र श्री सुजानमल श्रीसवाल, चान्दातजा की हवेली, जोधपुर ।

(अन्तरक)

(2) बेतुलमल कमेटो, गनेरों को हवेलो, जीधपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्द भी गाओध 🤄

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा
- (क) इस त्वना की राजपत्र माँ प्रकाशन की नारीख सें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति माँ हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी की पाक किसिन जो किसा का सकोगा।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चान्दावतीं की हवेली, जोधपुर नामक सम्पत्ति का भाग जो उप-पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 769 दिनांक 31-12-83 पर पंजीबाद विक्रय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

विनांक 16 अगस्त, 1984 मोहर: प्रकप बाह्र . टर्ड . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन मूचनः

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 16 अगस्म 1984

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/2457—यतः, मुझे, मोहन शिह,

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण हैं कि स्प्रावर संपति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा ले अधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या प्लाट है तथा जो जयपुर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबस अनुसूचे में स्रोप पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रं कर्ता अधिकारों के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्र करण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधान, दिनाक 6-12-1983

का प्रशिक्ष समारित के जिया बाजार मत्य में कम के दश्यमान
अतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विकास
करने का जाएण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित भागार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का
अन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से **हुई किसी** आय की बाबत, उत्कल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा छ लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधोन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :--- (1) श्रा सुरेन्द्र सिंह चौरड़िया पुत्र श्री मोतीकरणजा चौरड़िया, निवास:--एफ-144,गौतम मार्ग, स:-स्कीम, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री योगेन्द्र नाथ भागेव पुत्र श्री सचिदानन्द भागेव एफ-24, रमेश मार्ग, सं-स्कीम, जयपुर।
(अन्तरितो)

को यह सृष्यना जारो करके पृदेखित संपरित **के वर्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सपित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्यष्टीकरण: ——इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिखा गया है।

अनुसूची

हवा सड़क, डूडलोद हाउस, जयपुर में प्लाट जो उप-पंजीयक, जयपुर द्वारा कम सख्या 1779 दिनांक 6-12-83 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

तारोख: 16 अगस्त 1984

मोहर

प्ररूप आर्द्रे. टी. एन. एस.------ं

शायक अभितियम, 1961 (1961 का :३) जी धारा ?69-च (1) के अर्थान सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 16 अगस्त 1984

निवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2459/यत, : मुझे, मोहन सिंह,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको स० प्लाट नं० एं-7 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रोकरण अधिन नियम, 1908 ति 16) के अधीन, तारीख 5 दिसम्बर, 1983

को प्योंकत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के उत्यमान पतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार स्स्य, उसके उत्यमान प्रतिफल हो, एमे उत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतर् रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तप्र शया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बालाधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुद्ध िशमी जात को अन्तर , ाक्स अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक को दारियरथ में कमी करने ना खराये तथने गाँ खुविश्वर के किया, और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) ४ जधीर, निम्नियिखित व्यक्तियों, अथित्:—— 25—256GI/84 (1) श्रा गोर्पानाथ गुप्ता पुन्न श्री महादेव गुप्ता निवासं:--274, राजपूत छांन्नावास के सामने, स्टेशन रोड, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनभरी देवी पृतिन श्री राधेण्याम अग्रवाल, ए-7, रघुनाथ कालोनी, गलता गेट, जयपुर । (अन्तरिती)

का यह सुवना वारी करके पृत्यों कर सम्बन्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

हरूत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 15 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी स्वक्तियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की अविधि, जो भी बविध श्रीव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकल श्रीकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ए-1, स्थित रघुनाथ कालांनी, गलता गेंट के बाहर, जयपुर जो उप-पंजीयक, जयपुर द्वारा कम मंख्या 2754 दिनांक 5-12-1983 पर पंजि बद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृ रूप में विश्वरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 16-8-1984

मोहर 🗈

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकाह

कार्गाल्य, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

ज(लन्बर, विनांक 6 सितस्वर 1984

निर्देश न०/ए० पः० न० 5604---धनः, मुझे, जे० एष० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धार 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णकर से विणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, जानक्षर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1918 का 16) के अधीन, जनवरी 1984

को पूर्वीक्त गम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दर्यमान प्रतिफल में, एमे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ने अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में तस्तिकिक हम में विधित हो दिया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत, जार गोधीनपम के अधीन कार दीने के कार्यक्र के दायित्व मी कमी करने या उससे बचने मी सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी भन या क्य अपिन्या को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) ो उन्त अधिनियम, प्रायन-कर अधिनियम, प्रायन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

्रतः अय. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री भूपिन्द्र सिंह पृत्र श्री जगजात सिंह, वासी---पिड जन्दू सिंही तहसाल---जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रा मोहिन्द्र सिंह, हरबक्श सिंह, बलबीर सिंह, जसपाल सिंह, जमबीर सिंह, पुत्र सारे दर्णन सिंह श्रीर रामिकशन, बारू राम, नसीब चन्द पुत्र हरनाम दास वासा-पिड मोड़, नहमाल नकोदर, जिला जालन्धर। (अन्तरिती)

6)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीकत सम्पत्ति क अजेन के िता। कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उबस सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यवित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की नारित स्व 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पण्ति में हिता-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परदीकरण:---डममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति कर्ता जैसा कि विलेख नम्बर 6253 दिनांफ जनवरी 1984 में रिजिम्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिक्षको सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारोख : 6-9-1984

भोहर:

प्ररूप भार्ष: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 6 अगस्त, 1984

आदेश स०: राज०/सहा० -आ० अर्जन/2463---अत: मुझे, मोहन सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन संक्षम प्राप्तिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक हैं

ष्प्रौर जिसको स० कृषि भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूर्च में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारा के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रोक्षरण अधिनियम 1908 (1908 क्या 16) के अधान तरीख 13/12/1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकद के निए सन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्स सपित का उचित बाखार मृत्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिथों) के बीच एस अन्तरण के निए तय पामा गया प्रतिफल, निम्ननिधित उद्देश्य से अक्त सन्तरण निधित में गम्तिक हैं सोस तही किया गया हैं:—

- (क) नस्तरण में हुई किसी बाय की बायत उनत जो स नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के पाधिएक में मामी कारने था उसस बचन मा न्यांक्या का निया और राज
- (म) एसी किसी नाय या किली धन मा अन्य मास्तिको की, चिन्हों भारतीय भाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम या धनकर विधिनयम या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री भीकम चन्द्र पुत्र बरदी चन्द्र,

श्रीमतीं कमला पत्नी श्री मधुमुदन जो, श्रीमती सन्तीय पत्नी श्री मनोहरजा, निवासीयान ग्राम आयड तह् गिरवा, जिला उदयपुर।

(अन्तरक)

- (2)1. श्री भगवती लाल जैन पुक्ष अर्जुनलाल जैन निवासी बड़े मंदिर के पास, बेदला, उदयपूर ।
 - श्री तख्तमल मेहता पुत्र नाथूलाल मेहता निवासी,
 45, मंडी को नाल, उदयपुर।

- 3 डा० महेन्द्र कुमार दोशो पुत्र श्री सूरजमलजी दोशों। 134, अशोल नगर, उदयपूर ।
- 4. श्री बो० के० दवे पुत्र श्री के० तिवेदी, सी-4, ग्राउन्ड फ्लार पारसनगर, की-ऑपरेटिव हाउसिंग सामायटा, पारसनगर, शादिवली (पश्चिम) बम्बई।
- 5 श्री बा० एल० कोडारा पुत्र स्व० श्री भवरताल कीठारा, सेवकों का मोहल्ला, आमेट ।
- 6 श्री सर्ताण मनवानी पुत्र वीपचन्द, 23 एच० रोड, भुपालपुरा, उदयपुर।
- ७ श्रामता रानः बाई पत्ना श्रा दापचन्द जो द्वारा सुगनचन्द निचलदासजो,

बद्रा बायले को हवेसो, हरिद्वार (उ० प्र०)।

- श्रादापचन्द्र पुत्र लोकचन्द्र, जयभारत बस्त्र मण्डार, सिन्नी बाजार, उदयपुर ।
- श्री दिलीप कुमार पुत्र था दीपचन्द, 88, मिधा कालीन।,
 ग्रीरगावाद, महाराष्ट्र।
- 10 श्रामतः विद्या देवां मागरा पत्नः मानमल मोगरा, 167, अमोकनगर, उदयपुर।
- 11 श्रा कैलाणचन्द दवे पुत्र बैजनाथ दवे निवासा सरजुआईचाल-कोल ड्रगरा, विलेपार्ले (पुर्व) बम्बई (महाराष्ट्र)।
- 12 इन्द्रकृमार भट्ट एडवोकेट निवासो भट्ट जा का बाडा उदयपुर । (अन्निरित

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उपन सम्पतित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस मूचना क राजपत्र मा प्रकाशन की तारीन म 45 दिन की अनिधि या तत्सवधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हितकद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहरताक्षरी के नास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्थाध्योकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का. को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में किया गगा ही।

अभूस्ची

ग्राम आयष्ठ तहमाल गिरवा जिला उदयपुर में स्थित खसरा न० 1374-1375 का 1 ग्राधा 10 बिण्या कृषि भूमि का उप पंजियक, उदयपुर ग्राग कम सख्या 2803 दिनाक 13-12-1983 पर पंजियद्ध विकय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जद रेज, जयपुर

तारोख: 16-8-1984

मोहरः

प्रस्प नार्दः दीः पुन्ः एसः------

नामकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर दिनाक 1, अगस्ते 1984

निवेण स० रा०/सहा० आ० अर्जन/2464—अत. मुझे मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उथित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० दुकानें है तथा जो उदयपुर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्राकर्ना अधिकारा के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य सं कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरमान प्रतिफल सं, एसे दूरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण जिल्लामा स्वास्त कर सं कृषित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण स हुई किसी बाय की बाबत. उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरफ के दायित्व में कमी कारने वा उससे बचने में बृजिधा के बिए; बाहु/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के सिए;

कतः कम, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग क अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व टॉ टपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियरें, अवस्रिक्त (1)श्री माँगीलाल पुत्र श्री चैतराम तेली निवासी फतेहपुरा, उदयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री देवीलाल पुत्र श्री तुलसीरामजी तेली, भोली बावडी, उदयपुर

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी क्रारके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

जनत सम्परित की मर्जन के संबंध में कोई जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीसर उक्त स्थाबार संपरित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, आं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्त्र्या

वो दुकानें स्थित फतेहपुरा चौराहा, उदयपुर जो उप-पंजियक उदयपुर द्वारा कम संख्या 2761 दिनौंक 5-12-83 पर पंजिबद्व विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निर्दक्षण) अर्जन रेंज,जयपूर

दिनांक : 16-8-84

प्रकथ आहे. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर काय्यत (निरक्षिण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 16 अगस्त 1984 निदेश स० राज०/सहा० आ० पुत्रर्जन/2485—अत मुझे, मोहन सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिस्त्रास करन का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसका म० प्लाट न० 1150 है तथा जो उदयपुर में स्थित है (ग्रीर इसपे उपाबक्क अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), र्जस्ट्र न्तां अधिकार के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रांकरण अधिनियम 1908 (1908 रा 16 के अधान विनाक 23 दिसम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अत्तरिती (अतिरिटियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय एया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप को शक्त राज्य उन्हें रियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के श्रीयाच र कमी करने या उससे सचने में मृषिधा के लिये. शैर/बा
- (क) एने किसी जाय या किसी अन जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन कर विभिनियम, 1957 (1937 का 27) न प्रयोजनार्थ कन्नरिती विभाग प्रवार नही किया गरी वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा विभाग के सिख;

कतः कव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री जमनालाल पुत्र श्री हेमराज, सैंक्टर 4, हिरणमगरी, उदयपुर

(अन्तरक)

(2) डा० हरी सिंह पुत्र श्री सरकार सिंह चुडावत हिरणमगरी सैन्टर न० 4, उदयपुर ।

(अन्सरितो)

का यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्थाक्त द्वारा संधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सूची

प्नाट न 1150, सैक्टर न० 4, स्थित हिरणमगरी, उदयपुर जो उप पजियक, उदयपुर द्वारा कम सख्या 2872 दिनाक 23 दिसम्बर 1983 पर पिजबद्ध विकय पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक 16-8-1984 मोहर ३

प्रक्म बाई है दी. एन है एक .

नायकर मिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-न (1) के वंशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दीक्रण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर दिनांक 16 अगस्त 1984

निदेश सं० राज०/महा०आ० अर्जन/2466---अतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क क अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० कुषि भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसुना में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजम्ट्रोकर्नी अधिकारों के कार्यालय उदयपुर में, रिजम्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 33 दिसम्बर 1983

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मत्य उपतः १३ थमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल निम्नसिकित उद्देश्य से उच्छ अन्तरण जिन्ति में नाम्तिक रूप में कथित नहीं किया गमा है '--

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिरियंत्र के अधीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने भें सृतिका की विकास सें/
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना थाहिए था, खियाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269- के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) किशोर पुत्र मोड़ा जो कुप्हार निवासा भृवाणा तह० गिर्वा जिला उदयपुर
- (2) संलग्न सूचो के अनुसार अन्तरितियों को सूची
 - श्रोमती निर्मेला शर्मा परिन श्रो इण्डमंकरजी 50 छोटी बृहमपुरी, गरबाज्ञाणीक, उदयपुर ।

- श्री पुष्कर यागिनक पुत कन्हैयालाल,
 डा छोटा बृह्मपुरो,
 उदयपुर।
- श्रो विजय कुमार यागिनक पुत्र कन्हैयालाल,
 कोट: वृह्मपुरो,
 उद्यपुर।
- 4 श्रामनो सोमा देवापंडिया पत्नि प्रभूलालजः पंडिया, नाईयों को तलाई, उदयपुर ।
- श्रा संजय समी पिता श्रा रमेशवन्द्रजासमी नाईयों का तलाई, उदयपुर ।
- अ। स्रीमप्रकाण चीबरा पुत्र तेजसिंहजो चौबरा नाईयों को सलाई, उदपुर ।
- श्रा देवकाबल्लभ दवे पुत्र लक्ष्मोबल्लभ ववे,
 36 छोटा बृह्मपुरो उदयपुर ।
- 8. श्रा दुर्गागंकर त्रिवेदा पुत्र रूपराम त्रिवेदा, 16 दुर्गीनिवास, नाईगयों का तलाई, उवयपुर।
- श्रीमती अनिता मर्मा परिन गर्जेन्द्र मर्मा व्यास, 80 छोटो बृह्मपुरो, उदयपुर ।
- 10. श्रोमती हेम कुमारी शर्मा पत्नि रमेशचन्द्र शर्मा, नाईयों की तलाई, उदयपुर ।
- 11. श्रोमतो णान्ता दवे पत्नि नन्द बल्लभ दवे, प्लाट नम्बर 60, कालाजी गौराजो कालोनी, जदयपूर।
- 12. श्रोमती यशोदा बाई पत्नि श्री हीरालाल जा, बहूजो का दरवाजा, जगदीश मंदिर के पीछे, उदयपुर ।
- 13. श्री अशोक कुमार शर्मा पुत्र स्व० श्री हीरा-लाल जी शर्मा बहुजी का दरवाजा, जगदीश मंदिर के पोछे, उदयपुर ।
- 14. श्री रामचन्द्र साहु पुत्र गणेशलाल साहु शानमंद्री स्कूल मार्ग, महतों का पारा, उदयपुर ।
- 15. श्रीमती कमला साहू पित्न रामचन्द्र साहू, थानमंद्री, स्कूल मार्ग, महतो का पारा, उदयपुर ।
- 16. श्रोमती पुष्पादेवपुरा, परिन आर. एल० दिवपुरा, 179, गायती मार्ग, व उदयपुर।
- 17. श्रीमती तोजा वेबो परिन भवरलाल जैन, 4 छबीला भैंक मार्ग, पंचायती नोहरा के पास, । उवयपुर ।

- 18. श्रीमती महेण्बरी महता परिन लिलतजी भेमेहता, खेमनचार्टा, भटियाना चोहट्टा, अवस्पपुर ।
- 19. श्रो राकेश नागर पुत्र विष्णुरामजीनागर, भटियार्नः चोहट्टा ंउदयपुर
- 20. श्रामती णांता देवा पत्नि नारायणलालजी परमान, 225, सरवारपुरा, उदयपुर ।
- श्री ख्यालीलाल पुत्र किशोरीलाल, एम० ृंके मार्बल, भूवाणा
- 22. श्रीमती ऊषा पाटना पत्नि नवीचन्द्र पाटनी, विद्याभवन क्वार्टर, सहेलीमार्ग, ,उदयपुर ।
- 23. श्री एस० एन० मोन्डियाल पुत्र के० एन० भूमोन्डियाल, विधाभवन क्यार्टर॰ १ ्सहेली मार्ग उदयपुर ।
- 24 श्रीमती इन्द्रा णर्मा पहिन महेन्द्र कुमार गर्मा मकान नं० 23/784 सेन्ट ग्रिगो-रियस मिणन स्कूल के सामने फतेहपुरा, उदयपुर ।

 ह
- 25. श्रीमतः कमला शुक्ला पत्ति रमाशंकर जी है शुक्ला आचार्य बीठ एड० कालेज, विद्याभवन , उदयपुर । .
- 26. श्रीमती चन्द्र सुधा शर्मा परिन श्री माधवलाल ूंजी शर्मा, 82/2, भट्टों का रास्ता, जयपुर
- 27. श्री माधवलाल शर्मा पुत्र लाडली लाल भटट, 82/2, भट्टों का रास्ता, जयपुर ।
- 28. श्रीमती कोयल देवी परन श्री गणेंशलाल जी ुजैन, बेदला, उदयपुर ।
- श्री गणेशलाल जैन पुत्र कस्तूरचन्द निवासी बेंदला, उदयपुर
- 30. श्री यणवंतलाल सौनी पुत्र ही रालाल सौनी, कलणमार्ग, कसालों की झोल, उदयपुर ।
- 31. श्रीमती रोशन देवी पत्निश्ची पशयन्तलालजी सोनी, आयु 37 वर्ष, कलशमार्ग, कसारों की ग्रोल, उदयपुर ।
- 32 श्रीमती शैल अग्रवाल परिन लैं० कर्नल जी० जी० अग्रवाल मार्फत श्रो० पी० अग्रवाल मियो कातोज, अजमेर ।
- 33. श्रीमती पुष्पा प्रभा अग्रवाल परिन श्रो० पी० अग्रवाल मियो कालेज, अजमेर ।
- 34. श्रीमती गीता देवी दवे परिन मांगी **जाल** दवे, भूमकान नं० 41, देवाली, ,ंजदयपुर ।
- 35. श्री दुलसीराम पुत्र किशोरीलाल, एम० कि मारबल वर्क्स, भुवाणा, उदयपुर ।
- 36 श्रीमती गोपी देवी पतिन तुलसीराम, एम० के० मार्गील वक्सी, भुवाणा, उदयपुर ।

- 37. श्रामता देऊ बाई पहिन श्री किशोरीलाल जी उम्म 44 वर्ष, एम० के० मार्बल वर्क्स भवाणा, उदयपुर ।
- 38. श्रा भवरलाल पुत्र किशोरीलाल, एम० के० मार्चल वक्सी, भुवाणा उदयपुर ।
- 39. श्री मोहन मुरलो पुत्र श्री सोहन लाल जी मैनारिया, भुवाना, उदयपुर ।
- 40. श्रां जगदीश चन्द सोनी पुत्र श्री सोहनलाल, 16 तम्बोली की गलो, चोहटा, उदयपुर ।
- 41. श्री गोविन्द कुमार पुत्र कन्हैंयालाल सोनी, प्रेम निवास, जगर्द। शरोड़, उवयपुर ।
- 42. श्रीः मदनमोहन पुत्र कन्हैयालाल, प्रेम निवास, जगदीमारोष्ट, उदयपुर ।
- 43. श्री पुखराज सोनो पुत्र मिश्रीलाल, सोताफल की गली, गणेण घाटी, उदयपुर ।
- 44 श्रामतोः गोता देवीः पत्नि श्रीः पुखराज, सीनीः, सीताफक्ष की गर्लाः, गणेश घाटीः उदयपुर ।
- 45. श्रीमती बसन्ती देवी पत्नि श्री गोपाल सौनी, भट्टो की सहरी, श्रीनाथजी की हवेली [उदयपुर ।
- 46. श्रीमती गीता देवी पित्न श्री मधनलाल जी सौनी, भट्टों की सेंहरा, श्रीनाथ जी की हवेली, उदयपुर ।
- 4.7. श्रीमती देव कुवर बाई पत्नि श्री बंशीलाल जो आयु भटट्रठों की सहरी, श्रीनाथ जी की हवेली, उदयपुर ।
- 48. श्रीमती रोशन देवी पत्ति श्री मुरलीधर जी, भट्ठों का सहरी, श्रीनाथजी की हवेली, उध्यपूर ।
- 49. श्री विष्ल कुमार पुत्र भगवतीलाल सोनी, भट्टों का सहरी, श्रीनाथजी की हवेली, जुदयपुर ।
- 50. श्रः मोठालाल हरकावत पुत्र मोहनलाल निवासी बड़गांव, उदयपुर ।
- 51. श्रामतो कंचन देवी पत्नि घनण्यामलाल, माहेण्यरियों का चौक, धानमंड़ी उदयपुर ।
- 52. श्रीः लोकेशचन्द्र पुत्र तुलछीराम कुम्हार, एम० एम०के०मार्वतस, भुवाणा, उदयपर ।
- 53. श्री सोहनलाल पुत्र गंगाराम निवासी भुवाणा, उदयपुर ।
- 54. श्री उदयलाल पुत्र भैरुलाल पुरोहित गांव मानकावास, खेमला, तहसील मावली जिला उदयपुर ।

- 55. श्रीमर्तः दाक् बाई श्री भैरूलाल पुरोहित ग्राम मानकावास वाया खेमली, तह मावली जिला उदयपुर ।
- 56. श्रा भंबरलाल डाला पुत्र कन्हैयालाल डाला आजाद चौक, बेदला, 'उदयपुर ।
- 57. श्री प्रेमनारायण माधुर पुत्र लक्ष्मीनारायण माधुर, घणगौर, उदयपुर ।
- 58. श्री अशोष कुमार पुत्र श्री हिम्मतलाल हिंगड निवासा कांकराला ।
- 59 श्रामतः शारान परित श्रः कुतुबुद्धान जी कोरयालः, बोहराबाईः, उदयपुर ।
- 60. श्रीमती साहिदा पत्नि हुक म अली आष्टवाडी, बोहराबाडी, उदयपुर ।
- 61. इसमाईल अली पुत्र गुलाम अञ्जास, होताधाला, मोचीवाडा उदयपुर ।
- 62 श्राः जगर्बाशपुजारीः पुत्र वरदी,गंक्र पुजारी, जगदाम मिदर, उदयपुर ।
- 63. श्रामतः गंगा देवः पन्ति श्रीः जगदेश पुजारी, जगदीश दिर, उदयपुर ।
- 64 श्री बसन्त पुजारी पुत्र श्री जगदीश पुजारी जगदीश मंदिर उदयपुर ।
- 65 श्रीमता लिलता पुजारा पुत्री जगदीण पुजारी, जगदीण पुजारी, दुदयपुर ।
- 66. श्रोमता शकुन्तला देवी पत्नि श्रं(अप्रविन्द कुमार व्यास, 70 सुभाषनगर, , उदमप्र ।
- 67. श्रीमती णकुन्तला लोडा पत्नि विजय सिंह लौडा, 405 सै० नं० 11, हिरणमगरी, उदयपुर ।
- 68. श्री लक्ष्मणसिंह झाला पुत्र तेजसिंह जी झाला, 166, किशनपोल, उदयपुर ।
 - ृैं69 श्रीमती कुशमलता खाब्या पत्नि श्री अोमप्रकाण खाब्या, शिवरता हाउस, उदयपुर ।
- 70. श्री नरेन्द्र नारायण माधुर पुत्र लक्ष्मीनारायण माथुर माणगौरघाट, उदयपुर ।
- 71. श्रीमती आनन्द माधुर पहिन श्री नरेन्द्र नारायण माथुर, गणगौरघाट, उदयपुर ।
- 72 इश्रीमती सुमित्रा देवी परिन श्री माणकचन्द 155, सर्वेत्रशुत्रिक्षास, उदयपुर ।

- 73. र्झः चैनशंकर पुत्र श्राः उदयलाल, नामचमाता कालोनी उदयपुर ।
- 74 श्री प्रेम नारायण साथुर पुत्र लक्ष्मीनाराण, गणगौर, घाट उदयपुर ।
- 75 श्री: राजेन्द्र सिंह मेहता पुत्र प्यारेलाल मेहता . 123 मालक्षास स्टीट, उदयपुर ।
- 76. श्री ग्रणोक सोनी पुत्र गणपतलाल सोनी, मोती चोहट्टा, उदयपुर ।
- 77. सुश्री रेखा पुती श्री गणपतलाल सोनी, मोती, घोहठ्टा, उदयपुर ।
- 78. श्री चन्त्र सिंह पुत्र हिम्मतलाल हिंगड नि० काकरोली ।
- 70. श्री चन्द्रसिंह चौहान पुत्र श्री जगन्नायसिंह,
 4 गान्ति कुंज, भदेसर का चौक
 उदयपुर ।
- 80. श्रीमती रुकमिणी देवी पत्नि गिरधारीलाल, दुकान नं० 71, कोलपोल, श्रन्दर, उदयपुर ।
- 81. श्रीमती मन्जू देवी परिन श्री रामनारायण, दुकान नं० 71, कोलपोल ग्रन्दर, उदयपुर ।
- 82. श्री कालूलाल जैन श्री रतनलाल जैन, गर्णेण घाटी, उदयमुर, ।
- 83. श्रीमती प्रभाशास्त्री पत्नि द्धा० महेन्द्रकुमार शास्त्री, श्रन्धेरी,
 बम्बई ।
- 84. श्री चन्द्र शेखर पाटनी पुत्र पिताम्बरदत्त पाटनी, विद्याभवन क्वार्टस, सहेली मार्ग उदयपुर ।
- 85. श्री जीवनसाल पुत्र छगनसाल, हाई कोर्ट के समाने, राधेशयामजी का मंदिर, उदयपुर ।
- 85. श्री कृनायूलाल पुत्र उकारलालजी, भन्नपूर्णामंदिर के पास, उदयपुर ।
- 86. श्री भवरलाल पुत्र चम्पालाल पालीवाल, ग्राम कांकरवा, कुम्भगढ़ जिला उदयपुर ।
- 87. श्री श्राणिकश्रसी पुत्र मोह० हुसैन किलेंक्सवाला बोहराबाडी, उत्तयपुर ।
- 88. श्री नणीसा परिन श्रहमद श्रली हीतायाला, बोहराबाड़ी, उषयपुर ।
- 89. श्री ग्रब्बास श्रंली पुत्र मोहम्मद हुसैन, सलोदबाला, बोहराबाड़ी, उदयपुर ।

- 90 श्रीमती रंजना श्रीमाली पत्नि लक्ष्मीकान्त श्रीमाली, 22 छोटी बृहमपुरी, उदयपुर ।
- 91. श्रीमती सविता पानेरी पहिन सुरेन्त्र कुमार उपाध्याय, 70 सुभाषनगर, उदयपुर ।
- 92 श्रीमती कोयल देवी खमेसरा परिन श्री चत्रसिंह जी खमेसरा, 141, एन० रोड़, भीपालपुरा, उदयपुर ।
- 93. श्री गब्बीर हुसैन पुत्र साविक झली, 152, ग्रश्यिनी मार्ग, उदयपुर ।
- 94. श्रीमती जुलेबा पत्नि श्री शब्बीर हुसैन, 152, ग्रियनी बाजार, उवयपुर ।
- 95. श्री उमेंशचन्द्र श्रीमाली पुत्र दुर्गाशंकर श्रीमाली 22, छोटी बृह्मपुरी, उदयपुर ।
- 96 श्रीमती सुशीला कोठारी पत्नि गणेशलाल कोठारी, 323 एल० बन० रोड़, भोपापुरा, उदयपुर ।
- 97. श्री लक्ष्मीलाल जैन छगनलाल जैन मार्फत जय मेडिकल, मंडीकीनाल, उदयपूर ।
- 98 श्रीमती पुष्पा देवी पत्नि श्री विष्णुकुमार निवासी मठोकी सहरी, (ब्रन्तरिती) उदयपूर ।

का बहुसूचना चारी करके प्रतिबत संपृत्ति को अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता है।

अवत बुम्बृतित् की अवीत् की सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच ह 45 दिन की अविभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना क्री तामीस से 30 दिन्की मृतिभृषां भी ब्दिश बाद में समान्त होती हो, के भीतर यूनों कर म्युक्तियों में से किसी म्यक्ति बुवारा;
- (व) इस स्वतः के राववृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जनत स्थानर संपरित में हितनद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा, वभोहस्ताक्ष्री के पास् निष्**त्रों किए वास्कें**गे।

ल्बकोकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अफिनियमः, के अध्याय 20-कर्मे परिभाषित है, वही अर्थ होगाओं उस अध्याय में दिया नया है।

वन्स्ची

कृषि भूमि स्थित ग्राम भुवाणा तहसील गिर्वा जिला उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा ऋम संख्या 2881 दिनांक 23 दिसम्बर 1983 पर पंजिबत्व विक्रय पत्न में म्रोर बिस्तुत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)

विनांक :- 16-8-84

26-256GI]84

मोहर:

म्रर्जन रेंज, जयपुर

त्रक्ष बाह् , टो . एन् . एस् . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकार भायुक्त (निर्दाक्षण) म्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर दिनांक 18 श्रगस्त 1984

निवेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/2467-- ग्रतः मुझे, मोहन सिंह,

नामकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का क्रा<u>र</u>ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 72 है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 16 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम को धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, जसके दृष्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यभान प्रतिफल का पन्त्रहप्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) सौर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त कन्तरण सिधित में शास्तविक रूप से किशित नहीं किया गया हु°ैः-~~

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक को बायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/भा
- (च) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्सत अभिनियम, भेन-कार **गाँ**भनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चिहिए था. क्रियाने कें स्**वि**शा

अतः शव, खक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:----

(1) श्री तीर्थदास पुत्र श्री बच्चूमलजी खन्नी, गोविन्द मार्ग, श्रादर्शनगर, जयपूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) माधवबिहारी गर्ग पुत्र श्री प्रहलाद दास तालुका, 707, जाट के कुवे का रास्ता, चान्दगोल बाजार जयपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त संगीत के वर्षन के संगंध में कोई भी वास्तेष :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वर्वीय या तत्संबंधी व्यक्तियों दर क्वा की तामील से 30 दिन की वर्वीय, जो भी वर्वीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतूर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी क्य विश्व द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किए जा सकोंगे।

स्वाधिकरणः - इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियर गया है।

यमसूची

प्लाट नं० 72, तनेजा ब्लाक, श्रावर्ग नगर, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2847 दिनांक 17 विसम्बर 1983 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपुर

विनांक : 18-8-84

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-भ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 18 अगस्त, 1984

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2468---अतः मुझे, मोहन सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार म्ल्य भीर जिसकी सं० है तथा जो जयपुर में स्थित हैं, (ग्रीर इसस उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्टी- कर्ती अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्टीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 दिसम्बर 1983 को

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्ष के श्रयमान प्रतिफल से एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नलिखित उत्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती वृजारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

मतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) श्री तीर्यवास पुत्र श्री बच्चूमल जी 'ख़त्री, गोविन्द मार्ग, आर्दशनगर, जयपुर । (अन्सरक)

(2) श्री दिनेश अग्रवाल पुत्र श्री माधव बिहारी गर्गे, 707 जाट के कुबे का रास्ता, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्णन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अनुस्ची

प्लाट नं० 72 का चौथाई भाग, तनेजा ब्लाक, आदर्ण नगर, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2866 विनांक 19 विसम्बर, 1983 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

दिनांक : 18-8-1983

मोहरः ः

शक्त सार्व <u>वॉ. एवं एकः</u> लक्षारस्य सार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के स्थीन सुद्ता

सार्थ गुरुक्त

कार्यालय, सहायक बायकर नायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनाक 16 अगस्त 1984

निवेश स० राज 0/सहा० आ० अर्जन/2460---यतः मुझे, मोहन सिंह,

अधिकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसका स० प्लाट न० 624 है तथा जो कोटा में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय कोटा, मे, रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ ला के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितयों के बीध एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया ग्या हैं:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की वावत, उक्त सीधीनयम के बधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने था उससे वचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कार अधिनियम या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सूरिधा के लिए,

अत: क्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात '--- (1) श्री दलपत सिंह तातेड पुत्र श्री नथमल मुख्तार श्री जैनेन्द्र कुमार जैन व पारस कुमार जैन पुत्रान श्री दलपत सिंह तातेड, केत की चौकी, कोटा ।

अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र कुमार जैन व यशवन्त कुमार जैन पुत्राम श्री मांगीलाल जैन निवासी—कोयम्बटूर (तमिलनाडु)।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के हिस्ए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध , जो भी जन्मि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितवस्थ किसी अन्य अपिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए या जकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

ग्ताट न० 624, दादाबार्ट, ग्ल० आई० जा० ग्च०, कीटा जो उप-पर्जायक कोटा द्वारा दिसम्बर 1983 में पजीबद्ध विकास पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विज्ञाणित है।

> मोहन सिह, सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

दिनां रू 16-9-84

प्रसम् साद्यः टी . एन् . पुत्रः ुननन्त्रत्रप्रवास्त

भायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) श्रजंन रेज-1, नई दिल्ली नई विल्ली, दिनाक 8 श्रगस्त 1984

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/12-83/473—ग्रत मुझे सुधीर चन्द्रा

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 4 मजिल है तथा जो 19-शाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रजन रेज-1, नई दिल्ली में भारीय श्रायकर श्रिधनियम-1961 के भाषीन तारीख विसम्बर 19843

को पृत्रों कत संप्रित के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिक्त को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पित्त का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त्रिक रूप से किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिम्मियन, के मुधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

न्तः वय, उक्त मिनियम कौ धारा 269-म के अमृसरम में, में उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्.— 1 मैसर्स कैलाश नाथ एण्ड एसोसिएट्स 18-बाराखम्बा रोड, नई विस्ली।

(भन्तरक)

2 मैं अपुप्रा इन्टरप्राइजेंज, फ्लैंट न 403, 32-33 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिहर कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन को वविध, को भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवारा;
- (य) इस् स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीं है 45 विन् के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवह्थ किसी बन्न व्यक्ति इवारा मुश्हेस्ताक्षरी से पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनयम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, को उस अध्याम में दिवा नवा है।

जन्सूची

फ्लैंट तादादी 500 वर्गफीट, 4-मजिल, मल्टी स्टोरी, कर्मासंयल कमप्लेक्स, 19-बाराखम्बा रोष्ठ नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्री सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-8-1984

प्रारूप नाई .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सञ्ज्ञक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज $-\mathbf{I}$, नई विरुली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/12-83/476-अतः मुझे, सुधोर चन्द्रा,

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनतं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- हुउ. से अधिक है

मौर जिसकी सं0 110 है तथा जो 96, नेहरू प्लेस, नई विल्ली में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई विल्लो में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिसम्बर 1983 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; औट्ट/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) कर्नल बीं० एल० तनेजा, सुपुत्र आर० बीं० जसवन्त राय, निवासी—-22-ए, एकोपोलिस, 28-ए, लिटोल गिबल रोड़, बम्बे-6

(अन्तरक)

(2) मैं० बी० नोवा कार्पोरेशन, नई दिल्ली, 203 मेघदूत, 94 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिबित में किए जा सकीं।

स्वक्यकिष्ठण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, नहीं कुर्य होगा वो उस कृष्याय में विका गुया हाँ।

अनुसूची

ण।प नं 0 110 पहली मंजिल, तादादी 380 वर्ग फीट, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-8-84

मोहर 🖫

प्रकृष बाह्य, डी. एन. एत्.,------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-म (1) के नभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक शायकर नायुक्त (निर्धालक) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश स० आर० ए० सीं \circ /एक्यू \circ /1/37ईई/12-83/477—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रूट. से अधिक ह"

भौर जिसकी स० 905, हैं सथा जो 21 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्यों में भीर पूर्ण रूप से बर्णिन हैं), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-1, नई दिल्ला भारतीय आयकर अधिनियम-1961 दिनाक दिसम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नद्दें हैं और मुक्ते पह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए ह्य पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला का प्रतिफल में बास्तविक रूप से अधिक नहीं किया ग्या हैं:---

- (क) अन्तर्युष्य से सुद्द किसी साथ की बाबत, उपस्य प्रक्षितियम के समीत कर देने के सन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे स्थान में सुविधा के सिए; क्ष्रिं/वा
- (का) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192½ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविभा के लिए।

कतः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) नै० राजधानी चैरिटेबल फौन्डेशन, टो०ए० डो० बिल्डीग, डो० सी० एम० प्रेमिसेज, बाराहिन्दु राव, दिल्लो।

(अन्तरक)

(2) मैं० अक्षय फौन्डेशन, 27 सरदार पटेल रोड़, नई दिल्ली!

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वं 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकर्ग।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त धन्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याथ में दिया या है।

मन्द्रपी

फ्लैंट नं॰ 905 बिल्डीग नं॰ 21 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, तादावी 595 बर्गगज ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ला-110002

दिनांक: 8-8-84

प्रकृष बाइं.टी. इन्. एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भाषीन सूचना

ब्राइत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज⊸1, नई दिल्ली टिस्सी सिनांक 8 अगस्त 199

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/ एक्यू०/1/37ईई/12-83/ 478---अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के बधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- द॰ से अधिक है

मौर जिसकी सं० 221, है तथा जो 89 नेहरू प्लेस, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन दिनांक दिसम्बर 1983

- की पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर् प्रतिकृत से प्रविक्त है और मन्तरक (मन्तरकों) भीए अन्तरिती (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे प्रश्तरण के लिए तथ पांचा गया प्रति-क्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक कथ से कथित नहीं किया गया है:---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रिधिनयम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या छस्से बचने में सुविधा के खिए; और/या
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय प्रायकर प्रश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रश्चित्यम, या धन कर प्रश्चित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रश्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निनिवित व्यक्तित्यों, अर्थात ह— (1) श्रं। इन्डकोन इन्स्रोभीनयर्य प्रा० लि० 305/90 नेहरू प्लेस, नई विल्ला।

(अन्तरक)

(2) श्री राकेश खुलर, एम-8, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्राक्ति सम्पत्ति के वर्षन के विद कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बासेए :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा वा विकाश की स्वाधित की स्वित्यों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्विसामों में से किसी स्विक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिख्त में किए का सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, वा उच्छ सिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिया भवा है।

अनुसूची

पलैट नं॰ 221, तादावी 378 वर्गफीट, 89 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली,

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

विनोक : 8-8-84

मोहर 🖫

प्ररूप आर्क्ष. टी. एन. एस.-----

भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत बरकार

कार्यानय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्लो

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/12-83/ 479--अतः मुझे, सृधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदयस करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुज्यों से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० 802/21, है तथा जो बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम—1961 के अधीन दिनांक दिसम्बर 83

कों प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त विध-निवस को अधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिये; व्यक्तिया
- (भ) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया जया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा की लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो मिति ऊषा मेहरा मार्फत ब्रौक बान्ड इन्डिया, लि० बैक स्वायर, सेक्टर 17, चन्डीगढ.

(अन्तरक)

(1) श्रोमती उमा अरोड़ा, कुमारी शोबानी अरोड़, श्रौर गौरव अरोड़ा, निवासी--ए--1/228 सफदरजंग इनक्लेब, नई दिल्लो।

(अन्तरिती)

को बृह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्चन के बिह्य कार्यवाहियां करता हुई।

जनत सम्प<u>रि</u>त के अर्थन के सम्बन्ध के कोड़ भी वासोप ह—-

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूवता की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यिताओं में से किसी व्यक्ति श्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यम् में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में दित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा की उस अध्याय में दिवा गवा है।

मन्स्ची

ब्लैट नं० 802/21, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, तादाता 500 वर्ग फीट,

सुधीर **अन्द्रा**

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, विरुली, नई विरुली-110002

विनोक : 8-8-84

प्रकृष आइ. टी. एत. एस. -----

भागकर निर्मियस, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के सभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज 1, नई विल्ली

नई विल्ली, विनांक 8 धगस्त 1984

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एम्यू०/1/37ईई/12-83/ 480—म्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- एउ. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं० 1004/21 है, तथा जो बाराखम्बा रौड, नई विस्ती में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय प्रजेन रेंज, 1 नई दल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के मधीन दिमांक विसम्बर, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिकों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेदय से उक्त अन्तर्ण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुन् किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के बन्तरक के शीयत्व में कमी भरने या उत्तते बचने में तृत्विधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, चिन्हीं भारतीय बाय-कर विधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर विधीनयम, या धनकर विधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सुविधा के लिए;

शतः शव, उस्त विधानियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीग, निम्निसिक्त व्यक्तिमां, वर्धात् ड—— 27—256GI|8⁴ कुमारी सोनीया, सरना यू०/जी० श्री जे० एल० सरना, निवासी बी-1/75, सफदरजंग, इन्मलेव, नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती कैलाश रानी, करनल ग्रार० बी० नन्या श्रीर श्रीमती मिनी नन्दा, निवासी एस/21, ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन, नई विल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अधि श्री श्री श्री श्री श्री से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य स्थावत ब्वाय अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्थवा करण: --- इसमें प्रयुक्त खब्यों और पवो का, जो खक्त जीविनयम के कथ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ क्षेगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लेट नं 1004, बिल्डिंग नं 21, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादावी, 300 वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम ग्रीधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजीन रेंज-1, विस्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 8-8-1984

प्रकृष नावी. दी. एन. प्र. -----

भाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नशीन चुना

STREET STREET

भार्मालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 1. मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ध्रगस्त 1984

निर्वेश सं० प्राई ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/12-83/ 481/प्रत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

स्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- कः. सं अधिक है

घौर जिसकी सं० ए-18 है, तथा जो कनाट सर्कस, नई विस्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज -1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन विनांक दिसम्बर, 1983

को प्वेंक्त सम्परित के उचित बाजार मृज्य से कम के रचयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का अचित बाजार मृज्य, उसके दच्यमान प्रतिफल से, ऐसे दच्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रति-क्त निस्तिविद्या उद्योग्य से उस्त अन्तरण कि जिल्ह में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया क्या है है—

- (क) मन्तरण से हुई रिक्सी नाय की नायत अनत विध-नियम के नयीन कर दोने के बन्तरक के वाबित्य में कमी करने वा उत्तरी वचने में सुविधा के सिए; बीट/वा
- (क) एनी किसी बाब वा किसी थन वा बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ बन्तरिती इवाग्र प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के शिक्;

भतः जन, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निस्तिवित व्यक्तियों, अधीत '--- 1. भ्रम्बिका बिल्डर्स प्रा० लि॰ 13/4577, दरीया गंज, नई दिस्ली

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती जी० सीतलाक्ष्मी, श्रीर टी० जी० महालिंगम, निवासी 8-ए/70, डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई विल्ली।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना को राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बख्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास निवित्त में किए जा सकरी।

वन्त्यो

प्रो॰ मं॰ ए-18, कनॉट सर्कस, नई विल्ली, सादादी-575 वर्ग फीट,।

मुधीर चन्द्रा सक्षम ग्रीधकारी कै सहायक ग्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

विनांक : 8-8-1984

म्हिर

प्रकृष कार्ड . दी . **एत् . एस**्--------------

नायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के स्थीन सूचना

भारत सर्कार

कार्याक्रय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 8 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/1/37ईई/12-83/483— मत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्यात 'उक्त अधिनियम'क हा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं ७ फ्लैट नं ० 1 है तथा जो एन-1, कनाट सर्कस, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम 1961 के भ्रधीन विनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान बितफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (मन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिस्ति उद्देश्य से उस्त अन्तरण निस्तित के बास्तिक रूप से कथित नृहीं किया गया है द्वार

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनिवृत्त के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासिता में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्वार्थ प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, डिमाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त सभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित स्थितियों, स्थात् ह—

- मै० ब्रिटिश मोटर कार कम्पनी (1934) लि०, एन-1, कनाट सर्कस, मई विस्ली । (अन्सरक)
 - 2. नरेख धानन्द (एच० यू० एफ०), सी-202, डिफेंस कालीनी, नई दिल्ली। (धन्सरिती)

की यह सूचना जारी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तम्परित के अजैन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की बन्धि या तर्शनीयी स्थितकुर पूछ स्थान की तामील से 30 दिश की वनिष, जो भी अविष बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क), इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिविश्व में किए का शकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

फ्लैट नं० 1, प्रताप बिल्डिंग, नं० 1, कर्नाट सर्कस, नई विस्ली, तावादी 628.35 वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, विस्त्री नई विस्त्री

विनांक: 8-8-1984

मोहर 🗈

हक्य बार्ष . डी . एन . एच . -------

धायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

नारंत प्रस्कृत

कार्यालय, सह्ययक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-1, नई विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/37ईई/12-83 484--- प्रतः मुझे, सुधीर चन्द्राः

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृख्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

जिसकी सं० 3 मीर 4 है, तथा जो कनाट सर्कस नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपानक मनुसूची में मीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक विसम्बर, 1983

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिनिवित उच्चेश्य से उच्त जन्तरण लिखित में वास्तविक स्थ से कृषित महीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुन्दं किसी नाव की नावता, उपत जीपीनसम के अधीन कर देने की जन्तरक के वाहिस्त में कमी संस्ते या उससे श्वने में सुनिधा के किए; करि/था
- (क) एसी किसी नाथ का किसी भन्न वा नाय वास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-के विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधिनियम, वा धनकर नृधिनियम, वा धनकर नृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ कन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया वाना चाहिए था कियाने ने स्विधा के हिन्दा के हिन्दा

नतः नवः, उनतः निर्धितयम कौ धारा 269-म के अनुसर्ग नै, मैं, उनतः निधित्यम की धारा 269-च की उपधारा (1) कुँ नवीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- ब्रिटिश मोटर कार कं० (1934) लि० प्रताप हाउस, एन-1, कनॉट सर्कस, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

2. सुष्ठीर चोपड़ा, एण्ड सम्स (एच० यू० एफ०), 15-ए /60, डब्स्यू० ई०ए०, करोल बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाद्वियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाकोई ;---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की अवधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ण) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परदिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, क वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसंची

पलैट नं ॰ 3 भीर 4 पहली मंजिल, प्रताप हाउस, एन-1, कनाट सर्केस, नई दिल्ली तावादी 1256.70 वर्ग फीट।

सुधीर चन्त्रा सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जेन रेंज 1, दिल्ली नई दिल्ली

विनांक: 8-8-1984

मोहर 🕫

प्रकम् कार्यः, हार्यः, सम्बद्धाः स्टब्स

भायकर जिमित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यास्त्रः, महाबक नायकर नायुक्तः (निर्शिक्षण) धर्जन रेंज 1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनोक 8 ग्रगस्त, 1984

निर्देश सं० म्नाई० ए० सी०/एस्यू०/1/37ईई/12-83/ 485--म्ननः मुझे सुधीर चन्द्रा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 ना 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 2/एन-1 है, तथा जो कनाट सर्कस, नई दिस्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय धर्जन रेंज 1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियुम 1961 के श्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विस्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके उस्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्थह प्रतिशत विधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकिस में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुएं किसी नाम की बाबत, उसके अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के खिराय में कनी करने वा उच्छे बचने में सुनिधा के सिक्श कोर्ट/वा
- (क) ऐसी किसी बाम मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, कियाने बं सुविधा के सिए;

नतः सन, उनत निधीनयन की धारा 269-य के अनुप्रत्य में, भैं. उनत निधियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के नधीन, निम्नीसिक्त व्यक्तियों, नधींबु ह—

- मै० बिटिश मोटर कार कम्पनी, (1934) लि॰ एन-1, कनाट सर्कस, नई दिल्ली (अन्तरक)
- मैं० राबल प्रपार्टमेंट्स, प्रा० लि० 119, प्रम्पीटेन्ट हाउस, एफ-14, मिडिल सर्कल कनाट प्लेस, नई दिल्ली,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त मम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्थान के टाजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरण:---इसमे प्रयूक्त घट्या और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें विया गया हैं।

नगत्त्रची

फ्लैट नं ० 2, प्रताप हाउस नं ० एम-1, कनाट सर्केस, नई दिल्ली, तादादी 628.35 वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम मधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंम रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली

विनोक: 8-8-1984

प्रकथ बाह्र टी एन . एस . ---- ---

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जंन रेंज, 1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 मगस्न 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एन्यू 1/37ईई/12-83/ 486--- झतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 6/डी है, तथा जो 1-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिकत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पामा गया प्रतिफल , निम्नितिबत उच्चेष्ट से उचत अन्तरण निम्नितिक स्प से किया गया है।

- (क) कुलारण चे हुंचे किसी भाग काँ वावत, उज्जल वीधनियम कुँ अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे भचने में सुनिधा के सिर्छ; बौर/बा
- (क्ष) होती किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय अाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया प्राप्त कर वाहिए था, क्रियान में सुविधा के सिए:

जत: अस, उसत सिंधनियम की धारा 269-म को, अनुसरण मों, मों, उसत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मैं० पीयर्स प्रपार्टमेन्ट्स प्रा० लि०
 794 ए, रोहित हाउस, 4-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली ।

(भन्तरक)

 मै० रैंक इन्डिया प्रा० लि० प्रादिनाथ श्री हाउस, प्रभोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्वस, नई विल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगी।

स्यव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया ह⁸।

मन्द्रची

प्रो॰ मं॰ 6/डी, घ्रारंमा राम हाउस, प्लाट नं॰ 1, टाल-स्टाय मार्ग, नई दिल्ली तावादी, 978.34 वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, टिल्ली, नई विल्ली

विनांक: 8-8-1984 मोहर : प्रक्प बाइ. टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रगस्त, 1984

निर्देश सं० भ्राई० ए० सीं०/एक्यू०/1/37ईई/12-83---487--श्रतः मुझे, सुधीर खन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 502 है, तथा जो 89-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (थौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1. नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन विसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक एस से किथत महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त जीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसे किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों नार्गाच नामकर आर्थानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ह प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म

श्री योगेश काशव मलेया सुपुत्र श्री के पी० मत्रैया,
 श्रीख सराय, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती शान्ती सिंधवानी पत्नी, श्री एस० पाल, निवासी 28/18, पंजाबी बाग, ईस्ट, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तागीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किक्ये जा सकी।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमे प्रयुक्त छन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क जें परि-भाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृह्य की

> सुधीर भन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

विनांक: 8-8-1-94

अरूप आई.टी.एन.एस.------

माथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त, 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/12-83/ 488—ग्रतः मुहो, सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 808 है, तथा जो 24-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय भायकर अधिनियम 1961 के भ्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्स संपरित के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) वन्तरण ते हुई किसी बाय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिखित व्यक्तिर्भे, अधीत :--- श्री राजु तनेजा, श्रीर कुमारी रेमू तनेजा, कालेज रोड, पैठान कोट,

(मन्तरक)

 कुमारी भावना तनेजा, (माइनर), सुपुत्री श्री पी० सी० तनेजा, निवासी कालेज, रोड, पठानकोट ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---- .

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगें।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त किभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वपुष्यी

फ्लैट मं॰ 308, तादादी 640 वर्ग फीट, 8-मंजिल, ग्रशोका इस्टेंट, 24-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

> सुधीर जन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन-रेंज 1, नई दिल्ली।

दिनांक: 8-8-1984

प्ररूप बाइं.टी.एन एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भागकार जायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 8 श्रगस्त, 1984

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/12-83/ 489—श्रतः मुझे, सुबीर चन्द्रा

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000 /-क में अधिक हैं

भीर जिसकी सं० स्पेस नं० 92 है, तथा जो 17-जाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबक्ष भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्सा भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रजन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 के भ्रधीन दिनांक विसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गढ़ें हैं और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतररती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिलिखत में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क्यं) वंतरण से हुई किती बाब की बाबत, उक्त विभिनियम के वधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11). या उक्त जिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिभा के लिए;

मै० गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि०
 वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001

(भन्तरक)

2. कुमारी निनिशा कुमारी, मास्टर विश्रुत सिंह जी, सुपुत्र श्री जनक कुमार सिंह जी, निवासी डी-73, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त क्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

स्पेस नं० 92, एल० जी० एफ० विजया बिल्डिंग, 17 बारा खम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी 243 वर्ग फीट।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

विनांक: 8-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ं धारा 269-स (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 8 प्रगस्त 1984

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/12-83/490—यत:, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उजित बाजार मृल्य 25.00/- रा: से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० स्पेस नं० 89 है, तथा जो 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- 'फ) अन्तरण से हुइ किसी आय की अध्यत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सविधा के निए; और∕या
- (ग) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

मै० गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि०
 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(ब्रन्तरक)

 मै० यंग इण्डिया फील्म, युनाइटेड इण्डिया लाइफ बिल्डिंग, कनाट प्लेस, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना. के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सुचना के राजपभ में प्रकाशन की नारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के मास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः --- इससे प्रयुक्त गर्व्यों और पदों का, जो अवस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बनसर्चीं

स्पेस नं० 89, एल० जी० एफ० विजया विस्डिग, 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली तादावी 203 वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दुल्ली-110002

दिनोक : 8-8-1984

प्रकप बाई. टी. चन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/12-83/ 491--मतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 90 है, तथा जो 17 बाराखम्बा रोड नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोक्ति अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाम प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे गई विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाथा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक कम से किस्तु महीं किया म्या है है—

- (क्ं) अन्तरण सं हुइं किसी जाव की बाबत, उक्त विध-जिब्ल के स्थीद कर यो के अन्तरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बीट/वा
- (भ) ऐसी किसी आथ वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना धाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

(1) मै० गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि०17 बाराखम्बा रोड नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सोनीया भासीन पत्नी श्री प्रमोद भासीन 90/768 मालबीया नगर नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

धवत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीशर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह-दाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

स्पेस नं० 90, एल० जी० एफ० विजया विल्डिंग, 17 वाराखम्बारोड, नर्षकिल्ली, तादावी 203 वर्गफीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, विस्ली, नई विस्ली-110002

जत. जा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिनिसित व्यक्तिश्चर्यों, अभित् .---

दिनांस 8-8-1984 मोहर प्ररूप नाइं टी., एन. एस. - - - -

भाष्कर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्वेष सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/12-83/492--यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण ह' कि स्थावर सम्मिल, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० स्पेस नं ० 87 है तथा जो 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके दश्यमान प्रतिपत्त से, एसे दश्यमान प्रतिपत्त का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिपत्त निम्निलिख्त उद्योध्य से उक्त अन्तरण जिण्डित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जनसरण संहुई किसी जान की गावस, जनस ज्यिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने के जससे वचने में सुविधा के सिए; बार/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था. कियाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित स्युक्तियों, अर्थाह् ६--- (1) मै० गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि० 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इंष्णा डोगरा, एन-100ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्मित् के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्रेप :---

- (क) इस सूचना को राजपन् में प्रकाशन की सारीं है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (थ) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिधित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टाकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृद्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं 87, एल जी एफ विजया बिल्डिंग, 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी 135.3 वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 8-8-1984 मोहर 'प्र**कथ् आह**ै, टी., एस्. एस्. च्या-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म् (1) के न्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आवकर नायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/12-83/ 493--अत मुझे यब: सुधीर चन्द्रा,

जायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाबार भून्य 25.000/- रूट. से जिथिक हैं

और जिसकी सं ० स्पेस नं ० 95 है तथा जो 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन, रेंज-I, नई दिल्ली में भारतीय आयक्त अधिक्यम, 1961 के अधीन दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है जार मुक्ते मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरिण को निए तय पामा गया कृतिफल, जिम्नीकिश्वत उद्देश्य से उद्देश करारण विश्वत में वास्तरिक रूप से किश्त नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तहल से हुद्द किसी आन क्ष्मी वानता, उनता सिंगिन्स के बनीन कह दौर के बन्तहरू के दानित्य में कमी कहने वा उस्ते व्यक्त में सुविधा के सिए; बार/या
- (क) एंसी किसी काव ना किसी भन या अन्य अंदितवाँ कां, विनद्दें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिमिनयम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में तृष्धा के निष्;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, अवत अधिनियम की धारा 269-म की उपधासा (1) के सुधीन, निम्निस्तिक स्थितियों स्थारिक स्थार (1) मै॰ गुजराल इस्टेट्स प्रा॰ लि॰ 17 बाराखम्बा रोड, नईदिल्ली।

(अन्तरक)

(2) भास्टर समिर नांबला (माइनर) अभिभावक श्री एस० सी० चावला निवासी—एम-5, केलाश कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरिसी)

स्त्रे यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त, संस्पत्ति के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सृष्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की शवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृजना की तामील से 30 दिन की शवधि, जो भी अवधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ िकसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी को पास निरित्तत में किए जा सकाये।

स्पस्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त बब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यौ

स्पेस नं० 95, एल ० जी० एफ ० विजया बिल्डिंग, 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तावादी, 175.6 वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, विल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 8-8-1984

प्रकम नाइं. टी. एत. एस. ------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नईदिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एषयू०/1/37ईई/12-83/494---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 86 है तथा जो 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अतरक (अन्तर्कों) और बन्तरिता (अन्तरितियों) के भीच ऐसे बन्तरण के लिए तथ बाबा गया प्रतिफल निम्निशिचित उद्देश्य से उच्छ अंतरक किया नया है :—

- (क) म्लारण से हुई किसी बाब की बाबत, उथत विधिनयम के मुधीन कार दोने के मन्तुरक के दायित्व में कमी करने या अससे वचने में सुविधा के किए; नौड़/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिया क्ये जिन्हें भारतीय आय-कर किशिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किशिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में स्विधा के लिए;

जतः नवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- म० गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि०
 17-बाराखम्बा रोड नई दिल्ली

(अन्सरक)

2. श्रीमती हिष्णा डोगर निवासी एन-100, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होग्र जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

धन्स भी

स्पेस नं 0 8 6, एस० जी० एफ० विजया बिहिंडग, 17-बाराखम्बा रोड, नई विल्ली, तावादी 135.3 वर्ग फीट।

> सुघीर चन्त्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

विनामः 8-8-1984

प्रकृष नाष्ट्रं, टी., पुन्., पुष्. -

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-घ (1) के अधीत सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 8अगस्स 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/12-83/495--अत:, मुझे, सुधोर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार भून्य 25,000/- रुपये में अधिक हैं

और जिसकी सं० 112 है तथा जो 21- बाराख्यका रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीवर्ता अधिवारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्सि के उत्तिस बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बार अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण निधित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धामित्व में केसी करने वा उसके बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री भिषकुमार जोगिन्दर अपूर 2720 अजमल खान रोड, करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री राजीव आहुजा और रमन आहुजा वी-1/7 सफदरजंग इन्कलेब, नई दिल्ली। (अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीकत स्थानियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सृष्या के राजपत्र में त्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगतानी

फ्लैट नं ० 112; तादावी 500 वर्गगज 21-बाराख्यस्था रोड; नई दिल्ली ।

> सृष्टीर चन्द्र। स**साम प्राधि**कारी सहायक आयकर आयु**क्त** (निर्दक्षिण) अर्जन रेंज्**टा, नई दि**ल्ली

विनांक: 8-8-1984

मोहर 🛚

प्रस्प आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरन १६० व (1) के अधीन सचना

भारत बदकाउ

कार्यात्तव, सहायक आयकर बायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/12-83/496---अत:, म्झे, सुधीर चन्द्रा

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. में अधिक है

और जिसकी संख्या 712 ए० है तथा जो 17 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में मूधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितिषत उद्विध से उक्त अंतरण निकत में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अभ्यरण सं हुर्द किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सृत्भिम के सिए; और/या
- (का) एसं किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान में स्विधा के लिए:

जतः मज, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के सधीन निम्निलिश्चित स्पन्तियों, वर्षात् क्--- मैं० अंसल प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115 अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नईदिल्ली।

(अन्तरक)

 मास्टर रिशी लूना एण्ड मास्टर जुसतीन लूना अभिमानक श्री रिव लुना निवासी-बी-66 स्वामी नगर, नईदिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कायनाहिया करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंबाय ।
- (ख) इ.स. स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्युक्तीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, को उक्छ विधिनयम, को अध्याय 20-क में प्रिभाषित इं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा सवा है।

वनसूची

क्लेट नं० 712-ए 17-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली, तादादी 482 वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

विनोक: 8-8-1984

मोहर 🛭

प्ररूप नाई. टी. एन्. एस. -----

नामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वं (1) के सभीन सूचना

नारत तरकार

कार्यांतय, सहायक बायकर भायूक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/12-83/497---अतः, मृझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्पत्ति, जिसका उचित वाजार संस्थ 25,000/-रऽ. से अधिक हैं

कौर जिसकी सं० 714 है तथा जो 17-टालस्टाय मार्ग, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सांपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेक्स से उक्त अन्तरण मिया मुतिफल, निम्नलिखित उच्चेक्स से उक्त अन्तरण मिया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेक्स से उक्त अन्तरण मिया मु

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उबत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, ।नम्निविक्त व्यक्तियों, अभात ः—— 29—256GI/84 1 मैं अंसल प्रोपटींज, एण्ड इन्डस्ट्रीज, प्रा० लि॰ 115 अंसल भवन, 16-ने॰ जी॰ मार्ग॰, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं० ए० के० इन्टरप्राइजेज, डी-916, न्यू० फोन्ड्स कालोनी, न**ई दि**ल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस ते 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पत्कीकारण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

and the

फ्लैंट नं० 714, 17-टालस्टाय मार्ग, न**ई दिल्ली**, तावादी 426 वर्ग फीट ।

> सुघीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-1, नई दिल्ली

दिनांन : 8-8-1984

प्ररूप आई. टी. एंन. एस. - -

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नहै दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/12-83/ 498---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विञ्चल करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25.000 कि का से अधिक है

और जिसकी मं० 511 है, तथा जो 17-वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बणित है) रिष्ट्रिंग्ली अधियारी है प्राथित अर्थन रेंज-1, नई-दिल्ली में भारतीय आयहर अधित्यम, 1961 के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्त से, ऐसे दश्यमान प्रतिपत्त का पेवह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरवार्गे) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उथ पाया गारा प्रतिपत्त, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निश्चित गाँ वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी. करवे या उससे बृजने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरूपण वी, वी. उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (१) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :— मै० अंस्ल प्रोपर्टीज, एण्ड इन्डस्ट्रीज, प्रा० लि० 115 अंसल भवन, नहीं दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री अमरलीत रिह, श्रीमती जसबिन्दर, श्री बलबीर सिह और श्रीमती कंपलजीत, निवासी 242, मक्बूल रोड, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिरियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० न० 511, बिल्डिंग नं० 17-टालस्टाय नई दिल्ली, तादादी 455 वर्ग फीट ।

> सुधीर चद्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, न**ई दिल्ली**

दिनोकः: 8-8-1984

प्ररूप आहाँ, टी. एन एस ------

भायकर भिभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीत सुमता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निद्रीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/1/37ईई/12-83/ 499—अत: मुझे, सुधीर चन्द्र।

आयकेर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें ध्राक्षे पश्चात् 'जकत अधिनियम' काहा गया हैं), की धारा 769-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाग करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 55,000 '- रह से अधिक हैं

और जिसकी सं० 711 है, तथा जो 17-टालस्टाय मार्ग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री ति अधिशारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयक्तर अधिनियम 1961 के अधीन दिनाक दिसम्बर, 1983

को पूर्विक्त सम्पन्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और म्भे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपन्ति का उणित आजार मृत्य, उसके स्त्यमान प्रतिफल से एसे स्त्यमान प्रतिफल का कै पन्तस् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (था) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज गर्ध जन्मिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया थी या किया जाना पाहिए था, खिवाने भी सुनिया असि का विद्या की किया असि का विद्या की विद्या असि का विद्या की विद्य की विद्या की विद्या की विद्या की विद्या की विद्या की विद्या की

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भें भी उक्त अधिनियम की धारा 269-इ की उपलब्ध (१, भीन, निम्नीणविद्य अधिनदुष्टें, अर्थाल् 🚁

- मैं० अंसल प्रोपर्टीज, इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115 अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरिक)
- श्रीमती रिता राठी, निवासी ए9-/32, बसन्त बिहार, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

की यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनता सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को सी वर्गाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति इतारा अशहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पवों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन् सूची

फ्लैंट नं० 711, 17-टालस्टाय मार्ग, नर्ष दिल्ली, सादादी 455 वर्ग फीट ।

> सुधीर चन्द्रा न्यक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयरूर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

दिनांक: 8-8-1984

मोहर 🗯

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याज्ञव, सहायक कार्यकर नायुक्त (नि<u>र</u>ोक्षण) अर्जन रेंज-1, न**ई** दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी ० (एक्यू ० / 1 / 3 7ईई / 1 2-8 3 / 500 -- अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क थे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाचार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 612 है, तथा जो 17-टालस्टाय मार्ग, नई विल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विल्त है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नईविल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन विनांक विसम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति संपत्ति का उचित आजार म्ल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नसिचित उद्विषय से उक्त अन्तरण में सिचित बास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) निष्पाद्रण से हुई कियी बाग की बावत उक्छ अधिनियम को अधीन कर दोने के जन्तरक को द्यापरच में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनंत्रमा, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतोजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अभ अपन जिथितिकः, की धारा 269-ए के अनुसरण क", भ". उक्त अधिनियम का धारा 269-थ की अपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मैं अंसल प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लिं० 115 अंसल भवन 16-कें जी० मार्ग, नई विस्ली। (अन्तरक)
- श्री शैलन्द्र कथ्यप निवासी 31/10 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली (अन्तरित्ती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविज या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी मन का किस इवारा मधोहस्ताकारी के पास तिस्ति में किस था सकेंगे।

स्थव्यक्रियमः — इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित्रः है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गुवा है।

ग्रमुस्ची

प्लैट नं ० 612 तावादी 482 वर्ग फीट 17-टालस्टाय मार्गः नई दिल्ली।

> सुष्ठीर , चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1. नई दिल्ली

दिनांक: 8-8-1984

प्रकृष भाषां ु व्यो ु पुन् , एस ु-------

भायकड मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) के ज्भीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्देश स० आई० ए० सः०/एक्यू०/1/37ईई/12-83/ 501—अतः मुझे. सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), अधि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी स० 712 है, तथा जो 17-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीए इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीए जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रें कर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयनर अधिनियम 1961 के के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकति में बास्तिक रूप से कृषित नहीं किया गुमा है है—

- (क) जन्तरभ से हुई किसी बाव की बावतः, श्वक्त अभिनियम के बधीन कार दोने के जन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे मुखने में सुविधा के मिए; और/ना
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य कास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयु-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

कन. अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग क, अन्सरण भी, भी, उक्त जीधिनियम भी जारा 209-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्क्ष--- मैं० भ्रंसल प्रोपर्टीज, एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115, श्रंसल भवन, नई दिल्ली:

(अन्तरक)

 कुलकर्णी फैमिलो द्रस्ट, दिनेश एम० आर्या, हेमन्त एम० आर्या, राजेन्द्र एम० आर्या,
 2-ए, अमेया अपार्टमेन्ट, के धुरा रोड, बम्बेय-28

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स स्पित्रत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित्-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त किंपनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उत्त अध्याय में दिया भवा हैं।

पन्स्पूर

फ्लैट म० 712, 17-टालस्टाय मार्ग, नई विल्ली, तादादी 482. वर्ग फीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विस्ली

विनाम | 8-8-1984 मोहर |

प्रकम काइं. सी. एन एस. ------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की नाथ 269-म (1) के अभीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 8 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एसयू०/1/37ईई/12-83/502—अतः मुक्को, सुधार चन्त्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको स० 512-ए है, तथा जो 17-टालस्टाय मार्ग नई दिल्ल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर जो पूर्ण म्प में श्रीणत है) रिजिस्ट्र कर्ता अधिकारः के कार्यालय अर्जन रेज 1, नई दिल्ल में भारताय आयवण अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान भीतफार के रिता अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का प्रहू प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक्त (जन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियाँ) के दीच एमें अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल निम्तालिक रूप म कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उक्क बचन में मृतिशा के सिए और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी प्रारं प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-व की उपधारा (1) हो अधीर, निम्हिलिक व्यक्तियों, अधीर :----

- ग मैं० ग्रंगिय प्रोनर्टीज, एण्ट इन्डस्ट्राज प्रा० लि॰ 115, श्रंमान भवन, 16-के॰ जो॰ मार्ग, नई दिल्ला (अन्तरक)
- 2 र्श्वा पी० एस० गिल, निवासः गोविन्द नगर, बेकार बांध, धनबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के जर्बन के जिल् कार्यपाहियां करता हुए।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हैं. के भीतर पृतिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --- ६समें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया मया है।

मन्सूची

फ्लैट न० 512-ए, 17- टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली , नादादी 482. वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

विनांक: 8-8-1984

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (प) (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1,नई दिल्ली

नई विल्ली, विनोक 8 अगस्त 1984

निर्देश मं० आई० ए० सं(0)एन्यू०/1/37ईई/12-83/503—अतः मुक्षे, सुधे:र चन्द्रा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उत्तित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 717 है, तथा जो 6 नेहरू प्लेस, नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध सनुसूबी में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेज - 1, नई दिल्ली में भारतीय शायकर श्रीधिनयम, 1961 के श्रधान दिनाक दिसम्बर, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उधित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान पीतफल से, एते दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतिरिती (अंतरितिता) के धीच एते अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्मित में शास्त्रिक हम से दिश्व नहीं किया गया है ---

- (क) वंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त सिंपित्यम के अधीन कर दोने के जंतरक के बायित्य में कमी करने या उगम यसन में मूर्यिया के लिए और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अल्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यो स्विधा के लिए,

कतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं-, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधितः—

ग्रेन्ट प्रमाद्ध कन्त्र क्यान कं (देविका टाबर), 4-मंजिल, श्रातला हाएस, 73-74 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती उषा महिन्द्रा, मास्टर पक्ज महिन्द्र श्रीर मास्टर कोतम महिन्द्रा, निवासो ई-89, साकेत (पा), नई. दिल्लो, मार्फत, श्रीमती प्रोमिला खन्ना, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस मूचना के राज्ञपत्र का प्रकारन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विभागत के किस की मुलेग।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शर्ट्यों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय १०-क म परिभाषत है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नसम्ब

कर्माणयल फ्लैट नं० 717. 7 वीं मंजिल, 6-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली तादादी 560 वर्ग फीट।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायक्षर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नर्द्व दिस्स्वी

दिनांक: 8-8-1984

अरूप बाई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अर्थान मुचना

कार्यालयः, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 धगस्त 1984

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/12-83/ 504—श्रतः मुझे, मुझीर भन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

भौरजिसको सं० 104है, तथा जो डब्ल्यू-89 ए, ब्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध धनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय शर्जन रेंज-1, नई दिल्लो में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक विसम्बर, 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंवस सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने की अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सविशा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा किट नहीं किया भया धा या किया जाना चाहिए ता, छिपाने में मृतिया के लिए।

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- पीयरलैंस इस्म्पैक्स, प्रा० लि०
 32-रोगल बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई विल्ली
 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री एस० के० खन्ना, श्रौर श्रीमती करणा निवासी, के-113 होज खास, नई दिल्ली (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की व्यक्तियां पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निमित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौका, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र

फ्लैंट नं० 204, प्ररूपू-89, ग्रेटर कैलाश-2, नई विल्ली तादादी 1130, वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक ▮ 8-8-1984 मोहर: प्ररूप आइं. टी. एन. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-1, नर्ट.दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/12-83/ 585—-श्रत मुझे सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उषित वाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जी० यू० एफ० है, तथा जो 23-के० जी० मार्ध, नई विस्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबत श्रन्मूची में श्रीर जो पूर्ण रूप मे बांगत है) राजस्ट्रीकर्ना श्रीधकारी के कार्यालय श्रजन रेंज-1, नई विस्ली में भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961 के श्रधीन दिनंक विसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित शाजार मून्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निलिश्ति उद्देश्य से उस्त अंतरण लिश्वित में वास्तविक कर से स्वास्तियों विश्वास से वास्तविक

- (क) अन्तरण सं क्ष्मुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा प्रकार और का
- (क) प्रेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करा, जनहीं भारतीय अपन्यत अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया वाना वाहिए था. छिपान में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निनिधिन व्यक्तियों, अर्थातः :--- 30--256 GI/34

- में शिण्चन्दानी एण्ड कं आ शिल शिथ्वन्दानी एण्ड कं आ शिल लिंग्न भारति स्वाहन्द, बस्बे। (अन्तरक)
- 2 मै० कमला फोमली दूस्ट,

कुचा बृजनाथ फतेहपुरोः चान्दनी चौक, दिल्ली-6 । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्वब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

नन्स्ची

फ्लैट न० ग्राप्त ग्राउन्ड, फ्लोर, कर्माशयस बिल्डिंग, हिमालया हाउस, 23-सं० जी० मार्ग नई दिल्ली, नाटादी 2326 वर्ग कीट।

> मृधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज—I, नई दिल्ली

विनांक : 8-8-1984

ाक्ष काहाँ ±ो एक एक. ----

आधकर अधिन्यिम, 1961 (1961 क् 43) की वास 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

भाषां लय, महासक आसकार आयुक्त (निरीक्षण) भार्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि रुधवर सम्मित् जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक हैं

और जिसकी से पी-201 है, तथा जो पालम अपार्टमेंट विजवाणन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय अर्ज न रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिष्ठ-नियम, 1961 के श्रष्ठीन । दनांक दिसम्बर, 1983

को पृथेकित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान शितफार को लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विद्यास करन का कारण हो कि यथापूर्वेकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सं, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पहुह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्निलिखित उद्देश्य स उक्त बन्तरण निचित्त में वास्त्रिक इन्द्र से किथत नहीं किया गया हैं:---

- अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में किसी करने या उससे असी में स्थिधा में किसा और त्।
- न 'तो गामी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों रा 'त है र राष्ट्र काय-कार अधिनियम. 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की पराजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए.

श्रातः श्रावः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनसरण जो. भी. 2वल अधिनिया में धारा प्राप्त था श्रीवारा (1) के अधीन निम्मीपिलन व्यक्तियों अधीर ---

- मै० चोपचा प्रोमामोटर्स एण्ड बिल्डर्स,
 ७७/२७, डब्ल्यू ०ई०ए०, करोल बाग, नई दिल्ली।
 (ग्रनरक)
- 2. श्री ध्रवतार कृष्ण सुपुत्र स्व० श्री एम० विश्वत खान, श्रीमनी णीला मेहता पत्नी श्री जे० एम० मेहता, निवासी-6/बी-4, नादर्न एक्स, एराया, राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरियी)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं। जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियों ए में किसी व्यक्ति दवारा.
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्नाक्षरों के पास निचित में किए वा सकोंगे:

स्पव्यक्षिरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिभित्तियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा नवा हैं।

नम्सूची

फ्लैट न० पी-201, पहली मंजिल, पालम ग्रपार्टमेन्ट, विजवाणन,नई बिल्ली,तादादी, 850 वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 8-8-1984

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

आयाकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/12-83/508—ग्रत: मुझे, मुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-स्न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति; जिसका उचित वाजार मृल्य 25.000^{7} - रू. में अधिक है

श्रौर जिसकीं मं० एस-339 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पोत के उचित बाजार मृल्य में कम अं. दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, रस्के दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रोत्फल बाजार पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए ने प्रयाग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विज्ञित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय को बाबत उक्त आभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/था
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वार आश्रात्यम, 1957 (1957 का 27) के प्राप्त-धर्म असी देशी देशी देशी एक्टर एक्टो किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के निएए.

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मै० पंजवानी बिल्डर्स, द्वारा भागोदार श्ररमान सिह, सुपुत्र श्री चान्दी राम, निवासी बी-5/63, ग्राजाद ग्रपार्टमेन्ट, श्री ग्ररविन्दो मार्ग, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- मै० विमौकस कन्सल्टेन्ट्म, एण्ड डजीनियस प्रा० लि० द्वारा एम० डी०, मै० एस० के० सेहगल, सुपुत्र स्व० श्री के० झार० सेहगल. आई० 12, लाजपत नगर- , नई दिल्ली।
 (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहिया करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्भाव म काइ मी शक्षण -

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया। पर सूचना की तामील में 30 दिन की व्रवधि, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पृत्र यह ब्यक्तियों में स कियी, त्यक्ति हुउता,
- (म) इस सूचना को राजपत्र मा प्रकारन को टार न स 45 दिन को भीतर उक्त स्थातर सम्मान्य मा दिल बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अन्तर प्रसार पास लिखा मा विग्र जा सका।

स्पष्टीकरण — इसमी प्रयक्त शब्दों और पदी का, जा एक अधिनियम के अध्याप 20-क म परिकर्णक है, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याप म दिया गया है।

समस्री

तादादी 946 वर्ग फीट, फ्लैट नं० एस-339, ग्रेटेर कैलाश-II, नई दिल्ली, पहली मजिल, पिछला भाग।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज,-1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 8-8-1984 मोहर :

त्राक्य बाइं.टी.एन.एस.------

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 8 ग्रगस्त 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० स्पेम नं० 6 है, तथा जो 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर श्रधिनियम 1961 के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्यदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोन के जन्तरक के दासित्य में कमी करने या उसमें प्रचने में सुविध्ध से लिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाहिए था छिपाने में सुरवधा वे लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधील, निम्निलिखिल व्यक्तिस्पॉ, अर्थाल: ——

मै० गुजराल इस्टेट्स, प्रा० लि०
 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती दलजीत कौर पत्नी श्री के एस छतवाल, यार्क, होटल, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को नह सुचना जारी करके पृत्रॉक्त सम्पृत्ति के वर्षन के निष् कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी बाधेंच ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्दारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास किस्ति मो किए जा भकोंगे।

स्पच्टीकरण:--६समें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसर्ची

स्पेस नं 6, एल जी० एफ विजया बिल्डिंग, 17 बारा-खम्बा रोड, नई दिल्ली, नादादी, 217.2 वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनाक: 8-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन स्वना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 8 ग्रगस्त 1984

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/3 7ईई/12-83/ 510—ग्रत मुझे सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूल्य 25,000/-क से अधिक है

भ्रौर जिसकी स० स्पेस न० 5 है. तथा जो 17-बाराखम्बा राइ, नई दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रियकारी के कार्यालय भ्रजन रेज-1, नई जिल्ली में भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के भ्रधीन दिनाक दिसम्बर 1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क दश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाण की बाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर योगे के अस्तरक की दासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीर/मा
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थारा मकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्थिश के किए,

अतः., अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 मै॰ गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि॰ 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती हरजीत कार पत्नी एस० दर्णन जीत सिंह, नियासी धार-899, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली। (ध्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावत सम्परित के अर्जन के ि। कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की सामील से 30 दिन की नविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीनर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारण;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार। य म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यूक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए जा सकने।

स्वाकरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दों ओर पदों का जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में प्रयान प्रा है।

गगसची

स्पेस नं० 5, एल० जी० एफ० विजया बिल्डिंग, 17-बारा-खम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी 162 9 वर्ग फीट

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

तानीख: 8-8-1984

प्रक्रम बाद्द टी. एम. एस.-----

सायक्दर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनाक 8 प्रगस्त 1984

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एनस्०/1/37ईई/12-83/ 511—स्रत मुझे सुधीर चन्द्रा

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उवा। अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 209 है, तथा जो विंग न० 2, हंस भवन, नई विल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रानुसूची में श्रीर पूर्ण हुस्प से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-1, नई विल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनाक दिसम्बर, 1983

को प्यों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्र्याचन स्वीत का उचित शारा में या उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्देश्य से उकत अन्तरण लिखिन के बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वायस, उक्तर विधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में तृत्विधा के लिए. वरि/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तन अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपान में सविशा के लिए।

जतः अने, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण में, भें, उन्न अधिनियम की धारा 269-थ थी पपधारा (1) चै बधीन, निम्निनिज्ञित त्यिनिस्थां, अर्थात श्री राम सरण दाय निवामी 26-खान मार्केट, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

 मैं० पी० एस० जैन, क० लि० द्वारा डाइरेक्टर प्रार०के० जैन, (रजि० ग्राफिम) 7-ए, राजपुर रोड, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

का गह मुचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के कर्जन् के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में, प्रकाशन की तारीस न 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी बन्य ध्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में **परिभाषित** ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही।

अनग्री

कमिशियल स्पेस न० 209, तादादी 384 वर्ग फीट, बिग न० 2, हस भवन, बी० एस० जेड० मार्ग, नई दिल्ली।

> मुधीर अन्द्रा ृमक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-1, नई दिल्ली

दिनाक 8-8-1984 मोहर .

आवकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (३) की अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1984

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/12-83/512—श्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ्याजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 101 है, तथा जो 17-वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसरो उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसको स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिश्वत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्येष्य से उक्त अन्तरण जिवित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अभिनियम के अभीन कर दोने के अम्सरक के दायित्व में क्सी करने या उगमें इचने में सिवधा के सिए और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय अत्यावर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उका अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवार अवट नहीं किया गया था या किया जाना आक्रिए था छिपाने में सर्विधा के निया

इतः बाब, उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिस्तित व्यक्तियों, अर्थात :—— मै० गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि०
 17-साराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

 श्रीमती काता रानी परनी श्री श्रम्बा प्रगाय, नियामी-33/15, श्राती नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिनी)

का यह सूचना बारी करके पृशिक्त संपत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हा।

उन्त संपर्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दे स्चना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति था भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पथ्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वो का, वो चक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, बही वर्ष होगा, वो उस अध्याय में दिया गया। है।

अभूस्ची

स्पेंस नं 101, एल० जी० एफ०, विजया बिस्डिंग 17-बाराखम्बा रोड. नई दिल्ली, तादादी 150.7 वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्र¶ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज किल्ली 1, नई दिल्ली 10002

दिनांक 8-8-1984 भोहर:

प्रकृप काइ . टी . एम् . एस . ------

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-घ (1) के अधीन सचता

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 8 ग्रगस्य 1984

निर्देश सं० ध्राई० ए० सी०/एक्यू-०/1/37ईई/12-83/ 513---ध्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाप 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्प्रौर जिसकी सं ० 100, है तथा जो 17- वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम 1961 के अधीन दिसम्बर, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त मंपरित का उचित बाजार मूल्य उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्नत अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के तस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविभा के लिए; और/या
- (अ) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के सिए;

मैं० गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि०
 17, बाराखम्बा रोड, नई पिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 कुगारी पूनम बन्सल, ग्रिभिशायक, एम०पी० बन्सल, (उसके पिता एण्ड सही ग्रिभिशायक, निवासी 884, कटरा हिन्दु, फरास खाना, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां कारता हु।

उस्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारी ख़ से 45 दिन की अवधि या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थिक्तयों में से किसी स्थिकत दुवारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास भिष्यत में किए जा सकेंगे।

श्यव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

मम्स्री

स्पेस नं 100, एत० जी० एफ० विजया बिल्डिंग, 17 बाराबाम्बा रोड, मई दिल्ली, तादादी 117.6 वर्ग फीट।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग 1, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---

दिनांक 8-8-1984 मोहर: इक्स कार्ड, टी एन एस. ------

नामकर जिथितियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आग्मत (निरीक्षण)

म्रर्जन रोंज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 मगस्त 1984

निर्वेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/12-83/514—श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

माय के प्रधान में 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० स्पेस नं० 98 है, तथा जो 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते रह विद्यास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरमान प्रतिफाल से, ऐसे दूरमान प्रतिफाल का पदह प्रतिशत में अधिक है और अतरक (बतरकों) और अतरिती (अंतरितयों) के बीच एके अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफाल, निम्नलिचित उपविद्यों में उक्त बंतरण निचित के स्वर्याण है निम्नलिचित उपविद्यों में उक्त बंतरण निचित के स्वर्याण है निम्नलिचित उपविद्या गया है ---

- (क) जन्तरण ने हुड़ िकसी अध्य की बाबल, उत्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के लिए: और/या
- (श) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-तर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के साउना अर्थानयम, 1957 (1957 वा 27) के साउना अर्थानयम प्राप्त भाषा किया जाना चाहिए था, स्थितन में सुविधा के लिए:

अत: अस, उक्त किंपिनयम की धारा 269-ग के अनुसंरण भी, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :----31—256 ∰84 मै० गुजराल इस्टेट्स, प्रा० लि० 17-बाराखम्बा रोड, नई विल्ली ।

(घम्तरक)

2. मास्टर राजीव जैन ग्रमिभावक श्री एस० सी०जैन, 2211/64, नाई बाला करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध मोन्कोई भी वाक्षंप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध ने भी अविध ने से सन्ति ने सिंग के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति क्यारा;
- (ग) इस स्चना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारांख तं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्वथ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधांतस्ताक्षरों के पास निविद्य मो किए जा सकींगे।

स्थाध्यीकरण:----इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदर का, जो सबस अधिनियम की अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मो दिया गया हैं।

अनुमुची

प्रो०नं स्पेस नं 0 98, एल० जी ० एफ० विजय विस्डिन, 17 वाराधास्त्रा रोड नई दिल्ली, तादादी-117,6 वर्ग फुट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायकः भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज 1, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक 8-8-1984 मोहर: पक्रमाय लाक्षः ता सन्न एस ------

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ**र्जन रेंज-1 नई**, दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 8 धगस्त 1984

निर्वेश सं० माई० ए० सी०/एनयू०/1/37ईई/12-83/ 515—मतः मुझे सुधीर चन्द्रा लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), अर्जि धारा

269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित कारणर म्ल्य 25,000 - रह. से अधिक हैं और जिसकी सं० 707 है, संया जो 22-बाराखस्बा रोड, नई

द्वाराजसका स॰ 707 ह, तथा जा 22-वाराखम्बा राड, नइ दिल्ली में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से विज्ञत हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, भ्रजन रेंज 1., नई दिल्ली में भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक विसम्बर, 1983

को पूर्व कर सम्पति के उचित बाजार मूल्य में कम वृष्णमान अिक्स के लिए संतरित की गई है और मुझे यह निर्वक्त करने हा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जांचत बाजार मूल्य जनके वृष्यमान प्रतिफल में, गो वृष्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत से यक्ति है और खण्तरक (अन्तरकों) और खन्तरिती (अक्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से खन्त मन्तरण जिल्लिक ने साम्बन्त कर सामित नहां

- (क) अन्तरण से शुर्ह किसी जाय की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने की अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; आर/या
- (अ) एक एकनी आप या किसी धर या अन्य आगितयों को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 अप के किसीन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए; और/या

भत. जब, उन्त अधिनियम को भारा 209-ए के अस्तिरण मों, मों, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को स्थीन, निम्नलिसित स्थिति हैं, अथित हैं--- मै० जैमोर लि० बी-84/1, घोखला इन्डस्ट्रीयल एरिया,-11, नई विल्ली ।

(अन्सरक)

 श्री सूनिल चोपडा, श्रौर श्रीमती कुमकुम चोपड़ा, निवासी 306, मंजुशा, 57, नेहरू प्लेस. नई दिल्ली ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 707, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी 750 वर्ग फीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, विरूषी, नई विरूती 110002

विनांक 8-8-1984 मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २०५० (1) के अधीन मुचना

भारत मरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई विरुखी

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त, 1984

निर्देण सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/12-83/ 516—श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

शायकर ऑभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 414 है, तथा जो 17-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रार इससे उपावद्ध धनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को प्वेषित मम्पिश्त के उचित बाजार मृत्य से कम के रण्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेषित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया ब्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बल्तरण से हुई किसी जाब की बाबत उक्त लिध-नियम के लधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नजी किया गया था या किया जरण जाहिए था, छिपाने में अधिभा के लिए,

क्षत जब, उक्त अधिनियम की धारा २६०-ग को वजसरण में, मैं उक्त लिधिनियम की धारा २६०-ध की टपधारा (1) के मधीन, निस्तिविक स्थितियों, सर्थात :--

- मै० मंसल प्रोपटींज, एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115, मंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई विल्ली। (मन्तरक)
- मै० हरी गंगा सीमेंट लि० 19-राजेन्द्रा पार्क, नई दिल्ली

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृचना की नामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ----इसमें प्रयुक्त कर्कों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, 'बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। यक्षा है।

वन्स्ची

फ्लैट नं॰ 414, 17 टालस्टाय मार्ग, म**ई दिल्ली, सादादी** 426 वर्ग फीट।

> सुधीर जन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 8-8-1984

प्ररूप . नार्ष . टी . एन . एस . -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अभीन सुकना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रगस्त 1984

निर्देश सं० प्रार्ड० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/12-83/ 517—ग्रतः सुझे, सुभ्रीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 415 है, तथा जो 17-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विज्त है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधनियम 1961 के श्रिधन दिनांक दिसम्बर, 1983

करें पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए मंतरित की गई है और मृत्ये यह विक्वास करनं का कारण है कि मथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिक्षत से अधिक है जीर अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे जन्तरण के मिए तब पावा गया प्रतिफल, निम्निसिवत उद्वेष्य से उचित जन्तरण लिखित में बास्तिक क्षे से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन फार थेने के अन्तरक के दायित्व में कुमी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बास या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः बवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा ?69-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मैं असल प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज, प्रा० लि० 115 ग्रंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिस्ली। (ग्रन्तरक)
- मै० सुरिन्दर मेहता (एच० यू० एफ०),
 श्री संजीव मेहता,
 19-राजेन्द्रा पार्क, नई विस्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मति के अर्जन के संबंध में कांद्र भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी स ते 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, दो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिंत- विद्यालत क्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकेंगे।

न्यस्त्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विमा गया है।

वगुसुची

फ्लैट नं॰ 415, 17-टालस्टाय मार्ग, नई विल्ली, तादादी 387, वर्ग फीट ।

> सुघीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 8-8-1984

प्रकृष बाह् ही. एस. एस. -----

भाकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के वधीन स्थवा

भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 8 ग्रगस्त 1984

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/12-83/ 518--श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-न्य संविधक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जी-2 है, तथा ओ 30-31 नेहरू प्लेस, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विज्ञ है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिष्ठकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय भ्रायकर ग्रिप्टिनयम, 1961 के ग्राधीन दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मृत्य सं कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने वह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य उसके रूथमान प्रतिफल सं, एमें रूथमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से बिधक है और बंतरक (बंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेश्य से उक्तर अन्तरण निकित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मिनिधा के लिए,
- (व) एंसी किसी बाब या किसी भन या बन्ध जास्तियों को, जिन्हीं भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया असा साहिए था किया ने सुविधा के निए;

- श्रीमती सुवर्शन कुमारी बलगन पत्नी श्री राम प्रकाश बलागन, श्रीमती देव कुमारी सूद पत्नी श्री झिलोक सिंह सूद, निवासी एम-17, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री जी० म्रार० सिंहल, श्रीर श्रीमती राम मूर्ती देवी, निवासी ई-445, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाद्विया बारता (**)

सक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध मं कोई भी काक्षी '--

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की अवधि या तत्शवंधी व्यक्तियों गर स्वना की सामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाबन की तारीब सं 45 वित्र के भीतर उत्तर स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थित व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

रनष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दी और पदों का, बी उक्त विधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ध होगा वो उस वध्याय में दिया नवा हैं।

नन्त्र्यो

णोप नं० जी-2, तादादी 425 वर्ग फीट, राजा हाउस, 30-31, नेहरू प्लेस, नई विस्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, विस्ली, नई विस्ली-110002

जत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखिक व्यक्तियों. वर्धात :----

दिनाफ : 8-8-1984

मोहर 🛭

प्रकृष् आहु". टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजंन रेंज-I, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1984

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसमें इसके पश्चीत् उक्त गिथिनियम कहा गया है), की धारा 269 थ के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 585/22 है, तथा जो बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन दिनांक दिसम्बर 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से का के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह धिश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से जधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एमें अंतरण के लिए नय पाया गया कितिल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है ----

- (क) जतरण संहुदं किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए, और/या
- (क) ऐसी किसी बाय था किसी थन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरति। द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,
- क्रिया विक्रा अच्छ अभिविष्यम की धारा 269-ग को अनुसरण मो, मीं, उक्स अभिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1)
 बिक्शिया निम्तिसित व्यक्तियां, वर्षात् ः

- श्री तरुण कुमार जैन, श्रीर श्ररुण कुमार जैन, निवासी डी-400 डिफेंस कालोनी, नई विल्ली। (श्रन्तरक)
- मै० विक्या इन्टर प्राह्मजेज,
 1589, मवरसा रोड, कश्मीरी गेट, विल्ली।
 (भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथेकिस सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 😁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा, जधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये वा सकों मे।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

बन्स्ची

पर्लंड नं ० 505, तावादी 750, वर्ग फीट, 22 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

> सुबीर चन्द्रा सक्षम ग्राधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीख: 8-8-1984

माहर .

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

आध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० ध्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/12-83/475—अतः, मुझे, सुधीर जन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह पिक्यां करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० जगह नं० 18 है, तथा जो 17 बारा खम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रातफल के लिए बन्सीरत की गई है जॉर मुफ यह जिन्नास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल में, एसे ब्ल्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे नंतरण के लिए तब पाया नया पातफल, विम्नसिक्ति उच्चेष्य से उक्त बंतरण सिवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण ते क्यूड किसी जान की बाबत.. उक्त अर्थिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कानी कारने वा उभावें वचने में सुनिधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम., 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में स्विधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिकिस व्यक्तियों, अर्थात् :— मै० गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि० 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली

(भन्तरक)

2. मैं० रेलन द्रवेल, (प्रा०) लि० भ्रार०के० रेलन हाउस, भ्रार-5, ग्रोन पार्क मार्किट, नई दिल्ली

(भ्रन्तिंगती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पर्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त े कितयां में से बिक्सो क्यों क्त द्वारा
- (स) इस सुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताकरी के पास मिनित में किए या सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विधा भवा है।

मन्स्ची

जगह नं० 18 पहली मंजिल, 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायु**क्त** (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 8-8-1984

माहर :

अल्ब्य काइ . टा. एन एख....-

कायकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बर्ध

वम्बर्ड, दिनात 13 अगस्त 1984

निदेण मं० अई--22/37ईई/3898/83-84 --अन: मुझे, लक्ष्मण दाम,

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 159-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यार अरग का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.006/2 का में अधिक है

और जिसकी संश्रीप नंशी नन्दिकीप, ग्राउंड पलीअर, व्हिलीज चाकला, तक्षण भारत कोश आपश्ही सीमायटी रोड विले पार्ले (इस्ट), बम्बई में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 व ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजीस्ट्री है सारीख 11-12-83

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यणन पितफल के 'लए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्के यह विषयास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का निम्तिलिसिन उद्देषण से उक्त अन्तरण कि निम्तिलिसिन उद्देषण से उक्त अन्तरण कि निम्तिलिसिन में गम्तिक का मिन्तिलिसिन उद्देषण से उक्त अन्तरण कि निम्तिलिसिन प्रदेषण से उक्त अन्तरण कि निम्तिलिसिन से गम्तिक

- (का अभ्यारण भं हुई किसी आध्य की बावल उकत अधितियक की "गीन अब दोने के अस्परक के दासित्व में कमी कारने या उससे युक्ते में सिविधा के लिए। और/या
- गर्मी किसी आब या विस्ती धन या अन्य शास्तियों को जिन्हों भारतीय आवल्कर अधिनिक्य , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिद्य , या धनकार अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था , कियाने में मृतिभा के लिए:

- क्रतः अञ्चलः अधिनियमः अती भागा २६०-ग को अनसरण में चैं चळत्र विभिनियम अती भागा २६० घ की स्मधासर (१) -े रीप्त भिक्तिसिक स्पिकतमों अर्थातः -र (1) मैसर्स आसपे कन्स्टब्शन कं

(अन्तरक)

(अन्तरितंः)

(2) श्री प्रकाशचन्द मेघराज जैन अन्ड श्री जसराम चेनाजी चौधरी

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उजत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षण:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन गाँ अवीप गाँ उत्सवता दिनिक्या पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध नाव नी समान कोती हो, न्य मीनार पर्योक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (व) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्मरित में दिवबंद्ध जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिनित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त सब्दों भौर पदों का, जो उक्त विधानसम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही पर्य होगा जो उस श्रष्टमाय में दिया वका है।

ग्यसची

शॉप नं० 1 नंध विष, व्हीलेज चकला, तरुण भारत को० आप० हीसिंग मोसायटी रोड, विले पार्ले (इस्ट), बम्बई----

अनुसूची जैसा की कर्मर अर्ड--2/37ईई/3898/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13--8-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बर्फ

तारीख: 13-8-1984

प्रस्प बाह्र . टी . एन् . एस ., - - --

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक जायकर जायुक्त (निर्धिक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निवेश सं० अई-22 37ईई/3899/83-84---अतः मृक्ते, लक्ष्मणदास,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिल, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अभिक है

और जिसकी मं० पर्नैट नं० 3 नंद-दिप, ग्राउन्ड फलोअरन्ड बिहुलेज खकला, तरुण भारत को-आंप०हो०सो० रोड, विले पार्ले (इस्ट०), बम्बई में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 17 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित को वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी माम की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) 'गासे किसी अहा कि सी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्थितरायों, वर्षात %---

(1) मेसर्स आसपे कन्स्टक्शन अं०

(अन्तरक)

(2) मेसर्स गीता णिपिंग अन्द्र विलअरींग सर्व्हिस ।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचन । को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — हममें प्रयूक्त कब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेटर नं० 3 नन्ददिप, ग्राउन्ड फ्लोअर, व्हिलेज चकला तरुण भारत को० ग्राप० हौिंसग सोसायटी रोड, विलेपार्ले — (ईस्ट), बम्बई ।

अनुसूची जैसा की क,ख अई-2/37ईई/3899/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17/12/1983 को रजीस्टर्फ किया गया है।

स्थमण दास ,सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-2, बम्ब

तारीख: 13-8-1984

प्रस्य बार्च : टी : एन : एक : =---

गायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् क्षेत्र) के **जधीन स्**चना

भारत सरकार

कार्यौलय, सहायक स्नायकर सायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० अई-22 37ईई/3919---83-84--अतः मुझे, सक्ष्मणदास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 7, 3 रा फ्लोअर फ्लेट नं० 5, नार्थ इरला माला बिटवीन विले पारले (बेस्ट), बम्बई में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 23-12-1983 को पृशंकित संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के एरयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके छ्यमान प्रतिकल सं, एसे इर्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिकल, निम्नितिखत उद्वर्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप्य की अवस, उक्स अधिनियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा को लिए; अरि/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट सही किया गणा वा दा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुखिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

(1) श्री जनाब क्वेंअद जोहार भानसाब बुरहादी साहाव।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती कौसस्या प्रनाथ तरचान,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी कड़के पूर्वोक्त सुम्पत्ति के वर्षन् के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगी।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, प्लॉट नं० 5, नॉथ इरला माला, क्रिटविन विले पारले वेस्ट।

अनुसूची जैंसा की ऋ०सं० अई--2/37ईई/3919/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-12-83 को रजीस्टर्ड विधा गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखा: 13-8--1984

प्ररूप बाइ . टी. एन . एस . -----

अध्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं; भारा 269-घ (1) के अभीन सुभान

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज⊶2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० अई-22/37ईई/3837/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मणदास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

्रिऔर जिसकी संव शॉप नंव 2, भुवनेश्वरी कोव आपव होर्निग सोसायटी लिव बम्बई में स्थित है और जिसका बरारनामा आयहर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 7 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकान के लिए करित का गई हैं और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल वा पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्षित उद्योध्य से उक्त अंतरण जिल्हित में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्सरण मं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक अधि दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अरितयों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्भ था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स बी०के० माधव अन्ड सन्स

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री मांगीलाल एच जोशी
 - 2. रोधीलाल राधेश्याम ।
 - 3. धनराज गनेशमल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर स्थाप्त में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी वे पास लिखि\/ में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिन्यसं के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ हागा को उस अध्याय में विया गया ही।

जन्स्ची

गाँप नं० 2, भुवनेश्वरी को०आं० हार्सिंग सोसायटी लि० सम्बद्धः।

अनुसूची जैंसा की फ्र॰सं॰ अई-2/37ईई/3837/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7 दिसम्बर, 1983 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायङ आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13~8-1984

प्रस्म गाई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(ध) (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्झई

बम्बई, दिनाक 13 अगस्त 1984

निदेश स० अई-22/37ईई/3842/83-84---अत. मुझे, लक्ष्मणदास,

क्सयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु में अधिक है

और जिसकी स० गाँप न० 3, ग्राउन्ड फलोअर, रोस मेरी बिल्डिंग, पोलिस स्टेशन रोड, विले पारले (बेस्ट) बम्बई— 400 056 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अर्धान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजीस्ट्र। है, तारीख 7 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्दं हैं और मृभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) मन्तरण सं हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्दरक के बायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी भन् या बन्य शास्तियाँ को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के सिए।

जत: अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित :--- (1) मेसर्स चव्हाण अन्ड बदर्स,

(अन्तरक)

(2) अशिर्वाद क्लिनिक अन्छ लैंबरोटरी, पोपा डॉ० मन्जू अवतारसिंग वाधवान 2. डॉ विनोद तुकाराम पावसकर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनु*सूर्चः*

शाप नं० 3, ग्राऊन्ड फ्लोअर, रोस मेरी बिल्डिंग, पोलिस स्टेशन रोड, विले पार्ले (वेस्ट), बम्बई—400 056।

अनुसूची जैसा की ऋ०स० अई-2/37ईई/7842/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 7 दिसम्बर 1983 को रजीस्टर्ड बिया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्बई**।

तारीख: 13-8-1984

मोहुरु ∎

प्ररूप कार्दः टी., एन. पुसः ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की. बारा 269-भ (1) के अभीन सुबना

भारत चरकार

कार्योलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 अगस्त

निदेश सं०ग्नई-22/37/ईई/9392/83-84--ग्नत: मुझे, सक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूलय 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० 33, 3रा माला, बिल्डिंग, नं० 19, लार्सन ग्रंन्ड टुबो ग्रुप ग्राप ग्रनीस ग्रेपलॉयमेन्ट को० ऑ० हो०सो० लि० मरोल, मरोशी रोड, श्रन्धेरी इस्ट, बम्बई-400 059 में स्थित है ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 17-12-1983

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण जिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/बा
- (ण) एसी किसी जाम या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

लत: त्रज, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री महेन्द्रकुमार वाधवा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री टेके पोथवाथ स्वासी हेन्द्रे मेनन

(श्रंतरिती)

को यह तुष्मा बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप हन्न

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (य) इस स्थान के राजपुत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्वष्टोकरण : ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

श्रनुसूची

पलैंट नं० 33, 3 रा माला, बिल्डिंग नं० 19, लार्सन ग्रन्ड टुक्रो ग्रुप ऑप कॉम्प श्रेनीस एम्पलांथमेन्ट को०ग्रो० सोसिंग सो०लि० मरोल, मारोसी रोड, ग्रन्धेरी (इस्ट), बम्बर्ष ।

अनुसूची जैसा की कंग्सं० अई--2/37ईई/9392/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-8-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-8-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. - - - --

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-सं (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंत रेज-2, बम्बध

बम्बई, दिनाक 13 श्रगस्त 1984

निदेश स० ग्राई-2/37ईई/9303/83-84---ग्रत. मुझे, लक्ष्मणदारा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000 - उस अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 502, 5 वा माला नं० सी० प्रलाट नं० 18 भवानी नगर, अन्धेरी (इस्ट), बम्बई—400059 में स्थित है श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कखा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है तारीखा 9 विसम्बर 1983

को पूर्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके, यह विश्वास करन का फारण है कि स्थापूर्वक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अर्तारितियों) के बान एसं अतरण के लिए तय पाया एया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अतरण स हुई किमी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 1) रा रक्ते तीर्जानयम, या धन-फर को लेनारम, १५५७ (1957 को 27) के प्रयोगतार किया जना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अत अब, उवन अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मो, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् —— (1) दिपक बिल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मिनौती सालम ।

(भ्रतरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काहाँ भी आक्षेप.--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षहरूनाक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त शिवितयम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्द्राची।

पलेट न० 502, 5वी मिजिल, बिल्डीग नम्बर मी, प्लाट न० 18, भनानी नगर, भरीक मरोली रोड, ग्रंधेरी (पुर्व), बम्बई 59 म स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कल्म० श्रई-2/37ईई/9303/84-83 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 9-12-83 को रजिस्टई किया गया है।

> त्रक्ष्मणदासं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेज⊶2, बस्बई

नारीख 13-8-1984 मोहर: प्ररूप आर्" टी. एन. एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

सार्यां सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 श्रगस्त 1984

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- र. में अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० ब्लांक नं० बी-10, 4 माला, केसकर वाडी मालिवया रोष्ड, विले पारले (इस्ट), बम्बई-400057 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा श्रामकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कखा के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीखा 26-12-1983

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आम की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाशिल्य में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए: औट्रिया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन् कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया भया का या किया जाना चाहिए था, कियाने भी सकिया के लिए;

अतः जव, सक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) श्रर्वना एन्टरप्राईजेस,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुकुन्द महादेव देवधर।

(ग्रंतरिती)

को बहु सूचना जारी करके पृथाँक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में की हैं भी काक्षेप '----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपन स्थातर सम्पन्ति मो हिल्लाइस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा तथाहरूपक्षित्र के पास निर्मास मो किए आ गर्कों था।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभागित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या प्राती

अनुसूची

क्लांक नं० वी-10, केलकर वाडी, मालविया रोड, विले पार्ले (इस्ट), बम्बई-400~057।

श्रनुभूची जैसा की ऋ०मं० श्रई-2/37ईई/3942/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज→2, बम्बई

तारीख: 13-8-1984

प्रकप् वाह्र . टी. एम्., एस., ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 ग्रगस्त 1984

निधेश सं० प्रई-22/37ईई/9176/83-84 ---श्रतः मुझे, लक्ष्मणदास,

शायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गंया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राप्तिभक्तारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० बी-3, तिरूपती श्रपार्टमेन्ट, कोलडां-गरी रोड नं० 2, श्रन्धेरी (इस्ट), बम्बई-400 069 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कला के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2-12-1983

को पुर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिक्त उद्वदेश्यों से उक्त अन्तरण जिलित के शास्तिक रूथ से कश्यित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तारण से इन्हें किसी जाय की वाबत्, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या कत्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

(1) मेसर्स-दिप्ती बिल्डर्स,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पुरुषोत्तम जी० लाड श्रीमति पुष्पा बेन जी लाड

(श्रंतरिती)

(3) मेसर्स दिप्ती बिल्डर्स (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कार्के पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 3.0 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरण:----इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुस्ची

फ्लेंट नं० बी--3, तिष्पती श्रपार्टमेन्ट, कीलडोंगरी रोड नं० 2, ग्रघेंरी (इस्ट) बम्बई ।

श्चनुसूची जैसा की फ॰सं॰ श्चर्र-2/37ईई/1976/83-84 श्चौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ग

जतः जब उक्त जिथिनियम की भाष 269-ग के जनसरण भं, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन है—

तारीख: 13-8-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाहें.टो.एन.एस.-----

नायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 13 श्रगस्त 1984

निवेण सं० ग्राई-22/37ईई/9180/83-84 ---ग्रतः मझे, लक्ष्मणदासः

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित धाजार मूल्य 25,000/- रूट से मधिक हैं

शौर जिसकी सं० पलैट नं० 101, बन्दना बिल्डोंग, प्लांट नं० 253, भेरे-ए-पंजाब को-श्रांप०हो०सो०लि० महाकाली कावेम रोड, श्रन्धेरी (इ), बम्बई-400 093 में स्थित है श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 दिसम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है मौर मृत्रे यह विश्वास क्ष्रत्ने का कारण है कि यथापुर्वों कर सम्पत्ति का उचित्त शामर मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल का पन्तुह प्रतिकृत से जिस्सान प्रतिफल का पन्तुह प्रतिकृत से जिस्क है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती

_{क्र}(अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण <mark>के</mark> लिए तय पाया गया अतिफन निस्नुसिवित उद्यक्ष्य के शक्त अम्तरण सिवित कें

बास्तविक रूप से काँचत नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम का नामल, उक्त वियम भी सभीन कर दोने के सन्तरक को दायित्व में कभी करने वा जनचे क्याने में नुविधा को जिल्ला और/था
- (च) एसी किसी बाव या किसी धन था अन्य आस्तियों की, विन्हें आरतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियम, या धार-कुष्ट अधिनियम, या धार-कुष्ट अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संबोद्याचे जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, कियाने में तीवधा थे किए।

अतः, अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-व के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन. निम्निनिसित व्यक्तियों, अभीत :--- (1) मेससे एम०एल० श्रंत्य एसोसिएटस ।

(ग्रन्सरक)

(2) डां० अशोक आर० के भावी अंन्ड श्रीमती मालती अे० के भावी।

(मंतरिती)

को बहु सूचना बारी करको पूर्वांकतः संपरित् के वर्षन् के विग्रु कार्यवाहियां करता हूं।

अवत सम्मतित के वृज्य के सम्बन्ध में कोई भी भाषांच :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 विन की अविध, जो भी जबिंध वास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वस्था किसी जन्म स्थानित द्वारा अभोहस्ताक्षरीं के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थापनिकरण:---इसमें प्रयुक्त सम्बा और पवा कां, को उक्त विभिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विया गया है।

वृत्स्थी

पनैट नं० 101, बन्दना विल्डींग, प्लांट नं० 252, शेरे-एं-पंजाब हीसिंग सोसायटी लि० महाकाली कावेस रोड, श्रंधेरी (इस्ट), बम्बई!

धनुसूची जैसा की फ॰सं॰ धर्ष-2/37ईई/1980/83-84 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1983 को रजीस्टर्फ किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (नि क्षिण) ग्रर्जेन रेंज-2, बम्बई।

ता**रीय**: 13-8-1984

मोहर:

34--256GJ/84

प्रकल बार्च ु टी.. एन .. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) भजेंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनोक 13 ग्रगस्त 1984

निवेश सं० ऋई-22/37 ईई/918/83-84 ।--- झत: मुझे, लक्ष्मण वास;

सायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/~ रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, प्राऊन्ड फलोर, बिल्डिंग नं० 2, फ्लेट नं० 14, भवानी नगर, मरोल मारोशी रोड. ग्रधेरी (इस्ट), बम्बई—400 059 में स्थित है ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 3 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खराजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुफे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिकत्त से प्रधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्वेदम से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिबक रूप से कथित महीं किया बया है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसीं शाय की वायत उपत अभिनियम के अभीत कर योगे के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के किए? बॉट्र/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए;

बतः जव , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरक में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन , निम्नीसिंखत व्यक्तियों , सभीत् ह— (1) विपक बिल्डर्स प्रा० लि०

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सिराज इ० मरचेन्ट०

(मंतरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुः।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

नम्स्ची

पलैट नं० 1, बिल्डीग नं० 1, सबती नगर, मरोल मरोगी रोड, ब्रंधेरी रोड, ब्रंधेरी (इस्ट), बम्बई-400 059 ।

भनुसूची जैसा की फ॰सं॰ म्रई-2/37ईई/1986/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 2-12-83 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणादास सक्षम प्राधिकारी स**हायक धायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)** धर्जन रेंज-2, अम्बर्ष।

तारीख: 13-8-1984

मोहर ह

प्रक्ष भाई. टी. एत्. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-च (1) के नधीन सूचना

बाइब बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 श्रगस्त 1984

निदेश सं० श्रई-22/37ईई/9339 i-- श्रतः मुझे, लक्ष्मणदास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रकात् 'उक्त अधिनयमं कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 82, बिल्डिंग नं० 20-लक्ष्मी इस्टेंट को-म्रांप होऊसिंग सोसाइटी लि० म्रोल्ड नागरदार रोड, म्रांघेरी (इस्ट), बम्बई-400 069 में स्थित है मौर जिसका करारनामा म्रायकर मधिनियम 1961 की धारा 269 कक्ष के म्रायीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है सारीख 9 दिसम्बर 1983

को प्योक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्स सम्परित का उचित बाजार गृत्य, उसके द्रयमान प्रतिकल से ऐसे द्रयमान प्रतिकल का गम्बह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सिक अप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दादिस्य में कमी करने या उसने वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नृविशा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को मधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) भी । महेन्द्र प्रभुदास पारिख,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नागरी दोलाजी

(मंतरिती)

- (3) ग्रन्तरक
- (4) ध्रम्तरक ग्रम्ब ग्रंतरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी कारके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वादा;
- (श) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारील हैं
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वहुध किसी कम्य व्यक्तित द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के
 पास मिश्रित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त विभिन्न निवस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष द्वीगा, भो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

क्लैट नं 82, बिल्डंग नं 2, लक्ष्मी इस्टेट को अंपरेटीव्ह होऊसिंग सोसायटी लि॰ घोल्ड नागरवास रोड, (ग्रंधेरी-इस्ट), बस्बई-400 069 ।

श्रनुसूची जैसा की क्र०सं० श्रई-2/37ईई/9339/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राधकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 13-8-1984

मोहर 🛭

प्रक्य गाइ , टी, एन , एस ,------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचनः

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ध, विनांक 13 श्रगस्त 1984

निदेश सं० ग्रई-22/37ईई/9356/83-84:--भ्रतः मृक्षे लक्ष्मणदास,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित गांचार मून्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 20 "श्रे" विग, हेम रतन को-ग्राँप हो० सोसायटी लि० 3रा माला, डाँ० एस० राधा-कृष्ण मार्ग, ग्रन्धेरी (ई), बम्बई-400 069 में स्थित है भीर जिसका करारनामा ग्राप्तकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 969 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 12-12-1983

की पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है बाँद अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण सिचित में अस्तिक रूप से कथित सुद्धीं किया गया है :----

- (क) बन्तरण से हुई फिसी शाव की वावत उक्त औष-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; वरि/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाडिए भा, डिजाने में सुनिभा के लिए;

नत: मन उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, नवांत् ह— (1) श्री यशपाल मल्होत्रा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कान्तिलाल पी० मेहता

(प्रंतरिती)

को यह स्वना वारी करके प्रॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिध् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के बर्धन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह--

- (क) इस स्वाम के उपवपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अवृधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामीस से 30 विन की अवृधि, जो भी जन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस ब्रूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य स्थावत ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, आं उक्त अधि-नियम के बध्वाय 20-क में परिभाषित हैं, यही कर्ष होगा, जो उस बध्याय में विया गया है।

मन्त्रनी

पर्लंट नं० 20 "भ्रे" विंग, हेम रतन को०म्रॉप० हौसिंग सोसायटी लि० 3रा माला, झॉ० एस० राधाक्करण मार्ग, भ्रम्धेरी (इस्ट), बम्बई-3400 069।

ग्रनुसूची जैसा की कि सं प्रई-2/37ईई/9356/83-84 मीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंग रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-8-1984

प्रकर नार्यं औ, सुरु एक_{्र}-----

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-च (1) के अभीन स्थान

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, वस्त्रई

बम्बई, विनांक 13 ध्रगस्त 1984

निवेश सं० अई-237ईई/3945/83-84 --अतः मुझे, लक्ष्मण वास

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, 1 ला माला, अशोक भारती को०ग्नॉ०हो०सो पी०एम० रोड, वित्रे पार्से (इ) बम्बई--57 में स्थित है और जिसता करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क्खा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 26 दिसम्बर 1983

का पूर्विक्त सम्पत्ति के खंचत बाजार मृत्य स कम के द्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अभिक है और मंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरका के लिए तब बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिष्टित उद्देश्य से उस्त बंतरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी नाय की वावस, उक्त सिम्नियम के अभीत कर दोने के जनसरक के समित्य में कमी कर्तने या उससे बचने में स्विधा के सिस्; बर्दि/का
- (व) पंची किवी नाय मा किसी भन या कन्य नास्तियों को, विन्हें भारतीय वायकार विभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या खन्य अधिनियम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या का वा किया काना चाहिए था कियाने में सुविधा में सिए;

अतः वंग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिधित स्पन्तियों, अर्थात करूर (1) श्री० एस०टी० मोट्टीगर

(न्सरका)

(2) श्रीमती मुलकाबेन एम० जनानी।

(अंसरिती)

(3) अन्तरक

(धह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुज्ता बारों कारके पूर्वों क्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्क कम्मिस के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकारी

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत्तम बध्याय में दिया गया है।

Ten el

क्लैट नं 4, 1ला माला, अशोक भारती को अपि व हाऊसिंग सोसायटी लिं पी एम रोड, विले पार्ले इस्ट) बम्बई – 400 057 ।

अनुसूची जैसा की जा०सं० अई--2/37ईई/3945/83--84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-12-1983 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज-2, बस्बई।

नारीख: 13-8-1984

प्रक्षम भाष्ट्रं, टी. एव., एस.,----

नायकर नाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग्र 269'- व (1) के नुभीन सुभना

भारत सरकार

कार्बालयः, सहायक आवकार जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन ऐंज-2 बम्बर्क

बम्बई, विनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० अई--22/37ईई/9201/83-84:--अतः मुझे--लक्मण दास,

कायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरामें इसके पश्चात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-कृ के नभीन तक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- छ. से संधिक है

और जिसकी सं एलैंट नं 12, अ विंग, अदित्य अपार्टमेन्ट, ओल्ड नागरदास रोड, अन्धेरी (इस्ट) बम्बई—400069 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिगारी के वार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 3 दिसम्बर 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के करवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (बन्हरितवार) के बीच एखे अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) की स्वाप्या गया प्रतिकास, मिन्नसिवत उप्योद्य से उचत अन्तरण मिन्नसिवत में बाक्तिक स्पार्थ के स्वार्य के स्थान प्रतिकात में बाक्तिक स्पार्थ के सुन्तर से स्थान से स्वार्य के स्थान से स्थान स्थान से स्थान से स्थान से स्थान से स्थान से स्थान से स्थान स्थान से स्थान स्थान से स्थान स्थान से स्थान स्थान से स्थान से स्थान से स्थान स्थान से स्थान से स्थान स्थान से स्थान स्थान

- (क) अन्तरण **में हुइ किसी जाम की** बाबस, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एती किसी नाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती व्वारा प्रकट नही किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से सिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए कं अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, कर्यात् :-- (1) मैं गोयल बिल्डर्स प्रा०लि०

(अन्तरक)

(2) श्री अरविन्ध शांतिलाल शाह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मन्ति के कर्चन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को सर्जन को संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वाना के राजफन में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ससे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सर्कोंगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कि विश्व कि अध्याय 20 कि में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

प्रमुख्ची

फ्लैट नं० 12 "ओ" विंग, अवित्य अपार्टमेन्ट, ओल्ड नागरवास रोड, अन्धेरी (इस्ट), बम्बई-400 069।

अनूनुषी जैसा की ऋ०स० अई-2/37/ईई/9201/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 3 दिसम्बर 1983 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम शाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बंदी

सारीख: 13-8--1984

प्ररूप आई. टी. एन.. एस. ----

जायकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-छ (1) के अभीन स्वना

भारत तरकार

कामीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनोक 13 अगस्त 1984

निवेश सं० अई--22/37ईई/9202/83--84।---अतः मुक्को, लक्ष्मण दास,

मायकर सिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से सिथक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 4, 2 रा माला, "डी" विंग, अदित्य 3 अपार्टमेंट, ओल्ड नगरदास रोड, अन्धेरी (इस्ट) बम्बई—400 069 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3 दिसम्बर 1983

को व्यक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मृस्य से कम के स्वयमान शितफल के निए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उप्तित वाजार मृस्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल के प्रतिपत्ति से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीथ एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उप्रदेश से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कृथित नहीं किया गया है:----

- (क) बंतरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; और/बा
- (थ) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रभार नहीं वि प्रधार भा या किया जाना भाहिए था, खिपाने में स्विधा से बिए;

बत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नालिखिल व्यक्तियों, वर्षात्:—

- (1) मैं गोयल बिल्डर्स प्राथिवट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्री सुधिर पुरुषोत्तम सुकथनकर और श्रीमती सुलाकणना सुधिक सुकथनकर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 4, 2 रा मला "डी" विंग अवित्य अपार्टमेन्ट, कोल्ड नागरदास रोड, अन्धेरी (इस्ट), बम्बई-400 069 अनुसूची जैसा की क्र०स० अई-2/37ई/9202/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 दिसम्बर 1983 को रजिस्ट के किया गया है।

लक्ष्मण दास स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-8-1984

प्रकृष करहाँ , टी , एन , एस , प्रमानगणनान

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्चना

भारत सहस्रार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/9372/83-84--- अस: मुस, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसरे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण g कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-संअधिक 💅

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, 2रा माला, मनिश दर्गन, बिल्डिंग नं 3, पाईप लाईन रोड, बीहाईन्ड, जैं बी नगर, ग्रंधेरी, कूर्ला रोड, ग्रन्धेरी, (ईस्ट), बम्बई-400 059 में स्थित है भौर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कुख, के अधीन बम्बई स्थित सक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है लारीख 15-12-1983

की पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य सं कम के उच्चमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने क्त शारण है कि यथापुनों क्त सम्मत्ति का उपित काथार मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे वश्यमान प्रतिफल का र्वद्वष्ठ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पासा गया इतिफस, निम्ननिवित उद्देश्य से स्वत बन्तरम लिखित में वास्त्रविक क्य ने कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाम की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर क्षेत्रे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए, सौर/या
- (क) एोसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिकाँ को. जिन्ही भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) 🖼 प्रयोजनार्थ बन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविशा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग **के अनुसर**ण 🖈 , मैं , उक्त अधिनियम की भारा 269-त की उपभारा (1) द्धे अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--

1. श्री मरेश व्ही० केवलानी

(झन्तरक)

श्री सतीषकृमार, मानजी भाई ठक्कार,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन कं लिए कार्यनाहियां करता हां।

उक्त सम्परित को अर्जन को सबाध में कोड़ भी मान्नेप :---

- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यभितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन को भौतार उक्त स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के वास सिवित् में किए जा संकर्ति।

स्पक्तकिका:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के मध्याय 2.8-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया नवा 🗗 🕛

STILL OF

पर्लंट मं• 5, 2रा माला, मनिश दर्शन बिर्ल्डिंग नं० 3, पाईप लाईन, रोड, बीहाईन्ड, जे०बी० नगर, ग्रंधेरी कुर्ला रोड, प्रम्बेरी (ईस्ट), बम्बई-400059

अनुसूची जैसा कि का० सं० अई०-2/37ईई/9372/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा विनांक 15-12-1983 को रजीस्टर्क किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रॅंज-2, बम्बर्ध

विमोक : 13-8-1984

मोहर 🕹

प्रस्य बाह्य, टी., एन. एस. =-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकाङ

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 घगस्त 1984

निदेश सं० म्रई०-2/37ईई/9191/83-84---म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राणिकारी करे, यह विकास काजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

घोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 309, तुलगी बिल्डिंग, जीवन शहर को० ग्रांप० हा०सोसायटी लि० ग्रोल्ड चकला शंवर रोड, देवालवाडी, ग्रन्धेरी, (ईस्ट) वम्बई-400 099 में स्थित है ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कुख के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 5-12-1983

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिदी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिनित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना काहिए था जिल्हाने में लिविशा के लिए:

नतः भव, उक्त विधिनयम की धारा 269-ज के बन्सरण में, मैं, उक्त निधिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;—— 39-256GI/84

श्री श्रीधरटी० सुवें

(भन्तरक)

2. श्री के० देवानस्व

(भ्रन्तरिती)

3 मैं वलसला के कुट्टी एन्ड फैमिली, (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री के० मोहनदास, श्री टी० ऐ० एम० नायर (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारी का सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृशें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति गुंगार;
- (♥) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध िकसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्**त्र**ी

फ्लैट नं 309, तुलशी बिल्डिंग जीवन साहार को ब्रापि क् सोसायटी लि॰ म्रोल्ड चकला सहार रोड, वेवालवाडी, मन्धेरी (ईस्ट), बम्बई-4000991

श्रनुसूची जैसा कि क० स० ग्रई-2/37ईई /9191/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 13-8-1984

मोह्नर 🤣

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

शारत सरकार

कार्याजय, महायक आयकर काय्क्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज 2, बम्बई

थम्बाई; दिनांक 13 धगस्त 1984 निदेश सं० श्राई०-2/37ईई/9373/83-84—श्रतः मुझे'; लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृष्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० यूनिट नं० 13-ए, नन्द-धाम उद्योग प्रिमायसेस को-श्रौंप० सोसायटी लि० ाला माला, मरोल मारोशी, रोड, मरोल हिलेज, श्रन्धेरी, (ईस्ट), बम्बई-69 में स्थित है श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कथा के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 15-12-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार भृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के किए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण किखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है र

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधिन नियम की अधीन ६.र दोन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उलसे अचने में स्विधा है लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण को, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधास (1) को जभीग, पिन्निनिवित व्यक्तियों अर्थात् ध— 1. श्रीमती माला ए० सेठ,

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स जी० बी० मुदरास,

(मन्तरिती)

3. मैसर्स जी०बी० मुदरास,

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कायवाहिक करता हो।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूंचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45, दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्यव्हीकरणः---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसर्ची

यूनिट नं० 13-ए, नन्द-धाम उद्योग प्रिमायसेस को-भाँप० सोसायटी लि०, 1ला माला, 1ला फ्लोर, मरोल मरोशी,) रोड, भराले व्हिलेज, धन्धेरी (ई०) बम्बई-40069

धनुसूची जैसा कि कि सं धर्र०-2/37ईई/9373/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रम्बई

दिनांक: 13-8-1984

प्रकृष् वाद्र . टी. एम. एस.-----

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यां लय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 प्रगस्त 1984

निवेश स॰ प्रई॰ 2/37ईई/3926/83-84---- प्रतः मुझे, लक्ष्मण{दास,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिगायम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० गाप न० 3, ग्राउन्ड फ्लोर, श्राजाद रोड. विले पार्ले, (ईस्ट) बम्बई-400 0457 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विना र 24-12-1983

का पूर्वेवित सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयान , श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है कि मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सपरित का उचित बाजार मृत्य, उसक दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तश्याया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुइ। किसी नाम की क्षाब , शक्त विधिनियम की अधीन कर दोने की अन्तरण की दामित्व मों कभी करने या उसमें उसने भा अनुनिया की लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अब या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के एयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रयोग नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपान मा सुदिन के निए,

नका नव, जनत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में जनत निधिनियम की धारा 269-म की लपधारा '' के नभीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों अर्थास डा० प्रशोक रामजी मेहता एण्ड, श्रीमित शिरीन स्रशोक मेहता

(ग्रन्तरक)

2. श्री अञ्चुल शामद गुालाम नाबीजी भाटी (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्सूची

माप नं० 3, ग्राउन्ड फ्लोर, ग्राजाद रोड, विले पार्ले, (इस्ट), बम्बई-400 057 ।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/3926/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2. बस्बर्ध

दिनांक: 13-8-1984

मोहर.

प्ररूप आही. टी. एन. एस. - - -

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269 म(1) के अभीन सुचना

भारत तरकाड

कार्यालय, सहायक आयकार आयुप्त **(निरीक्षण)** भ्रजीन रेंज-2,बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 घगस्त 1984

निदेश सं० 2/37ईई/3838/83-84—- झतः मुझे, लक्ष्मण वास

सायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह त्रिष्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं फ्लैंट नं 303, उद्धा फ्लोर, घोसीनिक 321 कार्टेर रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है घौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कला के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारील 17 दिसम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रूर्यमान प्रतिफल सं, एसे दूर्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मा बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए, वरि/या
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी अन या अग्य धारिस्यों की, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रीमिन्यमा 1922 (1922 का ा) या उत्तर प्रमिन्यमा या अम-कर ग्रीकिश्विम, 1987 (1957 का 27) के एयाजनार्व ज्विश्ति द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रीम या या किया जाना बाहिए चा, कियाने में सुदिक्षा के सिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थासुः— 1. श्रीमति। सुची गांगुली

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती उमा एस० महागोन्कर

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रंतरिती (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित, वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण :----क्समा प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क माँ परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ हारेगा, जो उन अध्यास में द्विया गया हाँ।

नन्त्र्यी

पलैट नं ० 303, 3रा पलोर, श्रोसीनिक्ष; 321 कार्टर रोड, बांद्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई०-2/37ईई/3838/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-12-1983 में रजिस्ट्री है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, अस्बई

दिनांक: 13-8-1984

प्रश्य जार्र . शी . एन् . एश . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारतः पार्टिक

कार्यालय, सहायक बायकार कायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई वर्ष दिनांक 13अगस्त 198

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निवेश सं० अई०-2/37ईई/9572/83-84---अतः मुझे सक्सण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 3, ग्राउन्ड, पलोर, मिथिला शॉपिंग सेन्टर, प्रिमासेस, को-श्रॉप० सोसायटी लि०, जुहू बम्बई-400 049 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 7-12-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, जिम्मिलिखत उज्वेषय से उक्त अन्तरण कि सिंत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है दिन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के चिए; और/बा
- (क) एंडी किसी अाव या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आब-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियान में द्विधा में सिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन मिम्बलिचित व्यक्तियों, जर्मात् :—— 1. श्रोमतः संगिता मोहनलाल सुर्याका

(अन्तरफ)

2. श्रीमती गुरमीत कुमार बन्सी,

(अन्तरिती)

को सह सुकता हारी करके पुनोकित सन्तिहाले वर्षण के तिस् कार्यनाहियां करता हुं।

जन्म सर्वास के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोप :---

- (क) इस त्यान के रावपन में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, वर्ष भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवासा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस सभ्याय में दिया गया है।

नगुसूची

ग्रॉप नं० 3, ग्राउन्ड फ्लोर, मिथिल शॉपिंग सेन्टर, प्रिमासेस, को-ग्रॉप० सोसायटी लि० जुहू, बम्बई-400 04 अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/9572/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास संक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 13-8-1984 मोहर : प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० अई०-2/37ईई/9573/83-84---अतः मुर्झे, लक्ष्मण दास

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क के विधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से विधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लैटनं० 1. 1ला माला, "निल सागर लहरी" प्लॉट नं० 1280, माहिम, बम्बई में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 13-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिथंक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूयिधा के लिए।

कतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरणः में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री भास्कर हरी बर्वे

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रा पुष्पेन्द्र व्ही० जोशीपुरा
 - (2) श्रामता परुलता व्हो० जोगोपुरा
 - (3) श्री योगेश पी० जोशीपुरा श्रीर
 - (4) श्रामती विशासा वाय जोशीपुरा ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हुं।

उक्स सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हो 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त ध्यितसारों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नगुसूची

फ्लैट नं० 1, 1 ला माला, निल सागर लहरो, प्लाट नं० 1280, माहिम, बम्बई

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/9573/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी धम्बई द्वारा विनांक 13-12-1983 को रजिस्टाई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज 2, **धम्बई**

दिनांक: 13-8-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० अई-22/37ईई/3895/83-84—अतः मुर्झे, लक्ष्मण वास,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका अचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. मे अधिक है

स्रीर जिसकी सं० भाप नं० बी-1, सोना को० स्रो० सीसायटी प्लॉट नं० 31, हिल रोड, बान्द्रा, बम्बई-400 050 में स्थित हैं स्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कस्त्र के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 18-12-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विष्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य के उक्त अन्तरण किचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की गलत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्ट/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिनी क्वास जा नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था । ध्याने में मुविधा के लिए।

कतः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ध के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिकत व्यक्तियों, सर्थात् :---

1. श्रीमती गुलशन हमीद नाथानी

(अन्तरक)

2. (1) मोहम्मव युनुस

(2) अब्दुल रशीद अहमद शेरीफ

(अन्तरिती)

3. मोहम्मद युनुस

अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके प्वोंक्त संपश्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचका के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजप्रत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में बितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्यव्योकरण:---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ की उस अध्याय में दिया गया ही।

नग्राची

शाप नं० बी-1, सोना का० ऑप० सोसायटी प्लॉट नं० 31, हिल रोड, बान्द्रा, बम्बई-400 050

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37ईई/3895/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 18-12-1983 को रजिस्टड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 13-8-1984

प्रस्य बाइ. टी. एन. एस. - - - ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निवेश सं॰ ए आर॰-II/37ईई/3849/83-84---अतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इन के अभीन सक्षम प्रधिकारी को, यह जिस्कास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसको मं० णाप नं० 34, ग्राउन्ड फ्लोर, वीना बीना णापि^ग सेन्टर, प्रिमायसेस को-आप० मोसायटो लि०, तुरनेर रोड, बम्बई-400 050 में स्थित है भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 259 क, ख के अधीन दिनाँक 9-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुई किथी जाय की धावत, उन्धं अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाबिस्य गांकभी कर्सने भा उससे वचने में सुविधा के निष् और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की संपधारा (1) के सधीन निस्निसिक्त क्वित्वतं व्यक्तियों व्यक्ति ■

श्रीमती विना लक्ष्मणवास सिप्पाहिमलानी

(अन्तरक)

 श्रं किशन तेजमल इसरानी और श्री दीपक मनोहर दास नवसपर

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्स संपत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करसा हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन को समिध, जो भी वयि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्विधि में से किसी स्विधित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिंत- बब्ध किसी अन्य अथिकत द्यारा अधांहरताकरी के पास सिसित में किए का सकींगे।

स्थव्यक्तिकरण - ---इसमें प्रमुक्त कर्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पहिसाबित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

शाप नं 34, ग्राऊन्ड फ्लोर, बीना बीना शार्पिंग सेन्टर प्रिमायसेस को-आप० सोसायटी लि०, तुरनेर रोड, बम्बई-400 050

अनुसूची जैसा कि कि ए आर II/37ईई/3849/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-12-1983 को रजिस्टर्ड फिया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-2, बम्बई

दिनाक: 13-8-1984

मोहर 1

प्ररूप बार्ड दी . एन . एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2. वस्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० ए आए-[1/37ईई/3861/83-84---अत. मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार प्रविद्यम, 1961 (1961 का 43), की धारा 269- व की अधीन सक्ष्म पाधिकारों को, यह विकास करन का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- संक्ष्म स्थान है

घीर जिसको सं० फ्लैट नं० 5, 1ला माला, फिकिंग रोड, घीर 8 वां रोड, खार. बम्बई-400 052 में स्थित है घीर जिसका करारनामा जायकर अधिनियम 1961 का घारा 259 के, ख के अधान रजिस्टर्ड है दिनांक 12-12-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझं यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निय्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिस्ति में वास्तिक स्था से अधिन नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कसी करने या उससे बचने में सर्विधा के लिए, और का
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय अध्यार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रश्त नहीं विस्ता गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से नविधा के लिए.

बत. अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत :---

1. श्री नन्दलाल डो० माखिजा,

(अन्तरक)

2. थां नमजः रावजः शहा,

(अन्तरिर्ताः)

को यह तुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति को कर्मन को सम्मन्भ में कोई भी बाओप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन की अविधि यो तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इवारा;
- (भ) इस स्थान क राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख है। 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अपस्ति मा हिन् बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के नाग निर्मित मी किए जा सकरेंगे।

क्ष्ममा प्रकृति अवसी योज पत्री का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्था है:

अनस्यी

फ्लैंट नं० 5, 1 ला माला, लिकिंग रोड, एस्ड 8 वौ रोड. खार, बम्बई-400 052 ।

अनुसूची जैसा कि कि एआर-धिश37ईई/3861/83-84 प्रौए जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-83 को रजिस्टर्ड किया गमा है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक अध्यकर आयुक्त (निरक्षण) अजैस रोज-2 बस्बर्ड

विनोक: 13-8-1984

प्ररूप आइ. ही. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनोक 13 अगस्त 1984

निदेश सं॰ एआर-II/37-ईई/9585/83-84---अत:, मुझे, सक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सर्पात्त, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- राज्ये अधिक है

ग्रीर जिसकी: सं० श्रीः स्वामी समर्थ प्रसन्न की-आप० हाउमिंग सो० लि०, संजीवनी टावर, बेहराम बाग, श्रीसिवरा विलेज, श्रंधेरी (वेस्ट), वर्सीवा में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 26-12-83

को पूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुतिशा के लिए: और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता नाहिए था, जिज्याने में सविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अभितः — (1) संजान बिल्डर्स प्रा० लि०

(अन्तरक)

(2) श्रो विलास अनन्त कुलकर्गी।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को बंभी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना टो राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हितब्ध्श किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ओ उक्त अधिनिगम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

्रसम्बी

र्श्वा स्वामी समर्थ प्रसन को-आप० हा० सो० लि०, संजीय टावर, बेहराम बाग, श्रोसिवरा विलेज, ४अन्द्रेरी (बेस्ट) वर्सीवा।

अनुसूची जैसा कि कि सं एआर-II/37-ईई/9585/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 26-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

, लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) १ अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 13-8-1984

मोहर 🖺

A POEM OF THE PARTY OF THE PART

प्रकृष बाह् . दी : एव : एस : ------

अधिकार अभिनेसम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० एआर-II/37-ईई/9453/83-84—अत. मुझे, लक्ष्मण दास,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 260-स के अभीभ सक्त्य पाकिकारी की यह विश्वास करते के कारण है कि स्थावर संस्थित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा में अधिक है

श्रीर जिसकी संवपलैट नंव 1001, 10वां माला, गलाकटीका अपार्ट भेट, फोन बरारी, अन्धेरी (वेस्ट,) बम्बई में स्थित श्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 15-12-83

को पूर्वों कर सम्मित्त के उणित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि स्थाप्यों कर सम्मित्त का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिफल के पंत्रह प्रतिफल से अपने हैं और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निलिस उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिय के सम्मित्त से किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्र/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां को. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अस्य, उन्तः अधिनियमः की धारा 269 म के अन्सान में, मैं, उन्तः अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् .---

(1) आ हाझे हुसैन

(अन्तरक)

- (2) श्री हाजेल हुसेन भौर चाणक्य कोचेरिया (अन्तरिता)
- (3) अपेक्स कन्स्ट्रक्शन।(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सृष्या जारा करकं प्यायक सम्पात्त के वर्षम के सिए अर्थाहियां करता हैं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध नाव माँ समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में दिन्ह वा सकोंगें।

स्वक्योकरण — इसम प्रयूक्त शब्दी और पदी का, जा उकर जीधीनयम, अ अध्याय 20-क मा परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया स्वा ही।

नन्स्ची

पलैंट नं० 1001, 10वा माना, गलाकटीका अपार्टमेंट, फोर बंगलो, ग्रंधेरो (बेस्ट) बस्बई। अनुसूचा जैसा कि क० मं०एआर-11/37-ईई/9453/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 15-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिराक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ध।

दिनांक: 13-8-1984

माहर:

प्रकप बाई.टी एन.एस ------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्प्रन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 अगस्त 1984

निवेश स० ए आर- $I^{I}/37$ -६६/3840/83-84---अत मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात जिसे आधिनियम कहा गया है), को धारा 269-क अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 - रा में अधिक है

ग्रौर जिसको स० गाप न० 1 जोतल मजिला, प्लाट न० 376, जक्शन आफ 16 ग्रौर 33 रोड, टा० पा० गम० 3, बान्त्रा, बम्बई-50 में स्थित है ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। का कार्यालय में रजिस्ट्रा है, दिनाक 7-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य स कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूबाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल स, एस स्थमान प्रतिपत्त क पन्त्रह पतिश्वत से अधिक है और अतरक (अतरका) और अतरित (अतरितिया) क बीच ऐसे अंतरण को निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निम्तित म वास्तविक रूप स कायत नहीं किया गया है ---

- (क) अम्तरण हो हुए किसी आयं की बावन, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के अधिरण में कभी करने या उससे अपने मां सुविधा के लिए, अरि/या
- (क) एस किसी जाय या किसी भन या अन्य अपिस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था कियान मा स्विभा के सिए।

अत अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) के ० जे ० बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रा नन्ध लाल गोपालवास तोलानी

(अन्तरितः)

को यह सूचना चारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र ---

- (क) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश स 45 जिन की सविषया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों भर सूचना की तामील से 30 जिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सन्तेंग ।

स्वष्टिकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्यी

शाप न० 1 तल मजला, प्लाट न० 376, जक्शन आफ 16 भौर 33 रोड, टी० पी० एस० 3, बान्द्रा, बम्बई-50। अनुसूचः जैसा कि ऋ० सं० एआर-II/38-ईई/3740/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 7-12-83 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

विनाक 13-8-1984

भागकार कथिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म् (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

ोर्टाल्य, भ**डा**यक आयकर कायकर, (निरीक्षण)

भ्रजेन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश स० ए आर-II/37-ईई/3818/83-84-अत: महो, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), े भी भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकार हो, यह विज्यास छाएन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला उचित बल्लार मत्य 75,000 - रा. में अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संबप्लाट नंव 217, जो चन्द्रकिरन की-आव हा० सो० लि०, 11वां रोड, खार, बम्बई 52 में स्थित है ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, खं के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्टा है. तार ख 3-12-1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के क्यमान भातिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रूपमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्षित <mark>उद्दोष्य</mark> से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाथ की बावत, अभा जिभिनियम के बभीन कर दोने के बन्तरक की दामित्स में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए आरे/या
- (स) एंसी किसी आग या किसी भन या अन्य अास्तिया . <mark>को, जिन्ह भारतीय</mark> आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनदेन विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अस जब, जबन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं:, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवित् :--

धरूप आर्थः ८१. एन . १स. ---- अहूजा। (1) श्रा मुरलः धर लक्ष्मानन्द अहूजा।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश द्वारका दास लुल्ला।

(अन्तरितः)

को यह सुचना जारी करके प्योंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचनाकी तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वित न्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (स्त) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितयक्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया

नग्त्यी

पर्लंट न० 217, चन्द्रिकरण को-आ० हा० सो०, 11वां माला, खार, बम्बई-400052 ।

अनुसुचा जैसा कि ऋ० सं० ए**आर-II/37-ईई/3818/83-8**4 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3-12-1983 को रजिस्टडं किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 13-8-1984

मोहर 🖫

प्रकृष बाह् ही एन एस . -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

गारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ष वम्बर्ष, दिनांक 13 अगस्त 1984

निषेण सं० अई-2/37-ईई/9590/83-84---अतः मुझे, लक्ष्मण दास

भायकम अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पर्वास (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गृह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृख्य 25,000/- का से अधिक है

भीर जिसका सं० फ्लैट नं० 104, जो लोखंडवाला कापलेक्स जे० पंत० रोड, अन्धेर्ग. (वेस्ट), बम्बई-400058 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधान वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, दिनांक 26-12-83

की पूर्वीवत संपत्ति के उचित माजार मृत्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि सभापवित्ति सम्पत्ति का उचित माजार मृत्य उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उपस जिपिनियन के जभीन कर दोने के अन्तरक ने दामित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के जिस, और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हा नारतीय आय-कर अधिनयम . 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनयम , या धन-कर अधिनयम , या धन-कर अधिनयम , या धन-कर अधिनयम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था . छिपाने में सुविधा के किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) े अधीन, निम्नलिक्णित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री टेरेसा लोबो

(अम्तरक)

(2) श्री नूरजहां शेख अब्दुल्लाह

(अन्तरितं।)

(2) मंतरिती

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को वह सूचना बादी कारके प्यामित सन्यत्ति के अर्थन के मिए कार्यवाहियां करता हूं:

उक्त बम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कांद्र भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थानत ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में पिरभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियाँ भवा हैं।

नन्स्यी

पर्लंट नं० 104/ए०, लोखंडवाला कांपलेकसः जै० पे। रोड, अन्धेरी (वेस्ट्), बम्बई-400058।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37-ईई/9590/83-84 ग्रीर जो सक्सम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 26-12 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई।

दिनांक: 13-8-1984

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, बस्ब ξ सम्ब ξ , दिनांक 13 अंगस्त 1984

निर्वेश स० अर्ड०-37 ईई, 9514, 83-84--अतः मुझे, लक्ष्मणवास,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट तं० 42, लाण्डेस एण्ड की-ओप० हो०सो लि० बिल्डिंग बी-4, बंगलो, अधेरी (वेस्ट), बम्बई-400058 । में स्थित है और जिसका जरारनामा आधकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 न खूके अधीन बम्बई स्थित सक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 24-12मैं83

को एंबोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के ख्यमान पित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास कुले का कारण है कि १९९५ वर्षास का खिल्ल बाकार उत्तर पृथ्यके दृश्यभाग प्रतिकार से, ऐप पृश्यमान व्यक्तिक का पंत्रह व्रिशित्यास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर भ्यन्तरिती (अन्तरितियों) के टीच एस अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकाल, निष्मितिकत बहेक्स से उच्त अन्तरण लिखनमें बास्तविक का से कथिल नहीं किया च्या है :---

- (क) बन्तरण स हुई किसी जाय की बाबत, अक्त जिथिनियम के जभीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किमी आग या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्रीमती नीलम एम० गुलराजानी और श्रीमती अजुला एम० गुलराजानी ।

(अव्रतरक)

2. श्रीमती गोपी टी० सुरतानी ।

(अन्तरिती)

3. भ्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन क ाला कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकता।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 402, लाण्डेस एन्ड को-ओप० हो० मो० लि० बि०नं०बी--4,बंगलो, अंधेरी (वेस्ट), बम्बई-40058।

अनुसूची जैमा कि क० सं० अई० 2/37ईई,9514, 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 24-12-83 को रजिस्टर्ड विया गया ह।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिनगर्न स**हायक आय**क्त अयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बर्ड

दिनाकः 13-18-1984 मोहरः प्ररूप आई.टी.एन,एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के 'त घ्रापतः

भारत सरकार

नार्यापा, सहायक अगयकर अग्वस (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई वम्बई, दिनांद 3 अगस्य 1984

निर्देश सं० आई--2/37 ईई, 9531, 83/84---अत सूर्ध, लक्ष्मण दार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एड्यात एक्ट क्रिनियम कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास का कि कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका अचिन माजार प्रत्य 25.000 र सुने के किक हैं

आंद जिसकी मं० सहार विलेज में दूसरी माला का प्लाट, मामनजाड़ा, विले पारले (पूर्व), बम्बई-40009 में स्थित है और जिसका हरारनामा आयहर काश्चिलान, 1961 की धारा 269 ए खे के अपीत बम्बई स्थित गंजम प्राधिकारों हार्यालय में र्राजस्ट्री है, दिनांक 26-12-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- ंक) अन्तरण सं हुई किसी आयं की बायस, उका प्राप्ति-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे नियम में स्थित के किए नौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्सियों कों, जिन्हों भारतीय बायकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) हो अधीन, निम्निसिस स्पिक्तियों, अधीन, निम्निसिस स्पिक्तियों, अधीन,

1. श्री एम० ए० करनैनकार

(अन्तरकः)

2. श्रीमती लिसा फ़ेडरिक

(अन्सर्रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्ड भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ठारांख म 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पाम लिखित में किए जा स्फींगे।

स्पन्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उन्हर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्स्यी

महार जिलेज में वूसरी माला का प्लाट, मामनवाडा; विले पारले, (पूर्व), बम्बई-400099।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई--2/37 ईई/9531/83--84 और जी पक्षम पाधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26--12--1983 को रिजिस्टर्ड क्षिया गया है।

> लक्षमणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2,यम्बई

दिनांक : 13 8-1984

प्रकृप आहें .टी. एतु. एकु., """"

भाषातर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन त्यना

भारत सरकार

द्धार्यांचय, सहायक गायकर खास्कत (जि**रीक्षण)** अर्जन रेंज बम्बई

बम्बई, दिनां र 13 अगम्म 1984

निदंश सं० आई०-2/37ईई $_{1}9576/83-84$ ---अतः मक्षे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्म 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 303, 3री माला, ''बी'', सी० टी० एस० नं० 109 अंधेरी (पुर्व), बम्बई में स्थित है और जिसका करारनामा आयक्षर आधिनियक, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थिम मक्षम प्राधिआरी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 22-2-1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिव, है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयां) के वीच ए से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्निलिखत उद्देष्य से उयत अन्तरण कि खित मे बास्त-विक रूप से कियत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरभ संह्यां किसी आय की शावस, उक्स अभिनियम के अभीन कर बोने के अन्तरक की वासिरण में कभी करने या जबसे अभने में स्वीवधा जी लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन मा अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिरती क्यारा अवस्य नहीं विस्तर एया आया किया आना बाहिए का कियान पं स्विशा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अन्मरण भो, मी ाक्स अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) अ अभीन, भिम्नजिसित व्यक्तियों, अथाति :-— 36—256 G1[87 श्री पे०के० बांगले,
 श्री एम० एस० शिदे,
 श्री वी०के० काडकोल,
 श्री एस० आर० दारवे

(अन्तरक)

2. श्रीवी० एच० गजाने

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करको पूनों तस सम्दरित को नर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चनत सम्परित के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विन्तय् में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्स्यं।

प्लाट नं० 308, 3री माला, बी-बिल्डिंग, सी० टी० एस० नं० 109, अँधेरी (पूर्व), नम्बई

अनुसूची जैना ि क ० सं० आई०--2, 37 ईई/ 9576/83-84 और जो सक्षम प्राधि ारी, बम्बई द्वारा विनांक 22-12-1983 को रजिस्टर्ड क्षिया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायाः आययर आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

दिनांकः 13-8-1989

मोहर 🖠

प्रकष कार्षं ..टी . एव .. एस 😅 ५------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निवेश सं० आई-2/37 ईई/9510/83-84--अतः मृक्षो लक्ष्मणवास,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पत्र नं० 403, चौथी माला, ''ए'' बिल्डिंग एस० नं० 49, सी० टी० एस० नं० 109, बिलेज पहिश्वर, पाखंडी, अंधेरी (पुर्व) बंबई 9 में स्थित और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से अणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के दिनांक 12 1993

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियीं को जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचन अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थातः :—— (1) श्री जे० के० बांगले श्री, एम० एस० फिंदे श्री बी० के० काडकोल, श्री एस० आर० बारवे

(अन्तरक)

(2) श्री अन्त्यु० जे० एन० धनजित

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त संपत्तिः को वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व र् 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पब्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त कर्की और पर्वोका, जो उत्कर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुन, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुन।

वनसंची

पलैट नं ० 403, चौथी माला, ए" बिल्डिंग, एस० नं ० 49, सी० टी० एस० न० 109, विलेज पारुकर, पाखंडी, अंधेरी (पूर्व) बम्बई ।

अनुसूची जैसा की ऋ० मं० अई-2/37ईई/9510/ 83-84-और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22 दिसम्बर 1983 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनोंक - 13-8-84 मोहर '-- प्रस्थ बाह् टर्ी एन् द्व ्----

नावकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-म (१) के अभीन सुच्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--2, बम्बई

बम्बई, दिनांदा 13 अगस्त 1984

निदेश सं अई- $\cdot 2$, 3.7ईई, 9.508, 8.3- $\cdot 8.4$ - $\cdot -$ -अतः मृज्ञे लक्ष्मणदास्त,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैट नं० 401, चौथी माला, सी बिल्डिंग हिंस नं० 1 बी सी०टी० एस० नं० 109 विलेज पाल्सर, पाखंडी अंधेरी (पूर्व), बंबई, में स्थित है और जिसका करारनामा आधार अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांग 22 विसम्बर 1983

कित भाजार मूस्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूप्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा भी सिए; बार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः— (1) श्री जे० के० बागंले, श्री एम० एस० शिन्बे, श्री बी० के काडकोल, श्री बारवे

(अन्तरका)

(2) श्री उमेश एन० देसाई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

सकत सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप उन्न-

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की वविन सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह", वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भन्सची

पर्नैट नं० 401, चीथी भाला, सी- बिल्डिंग, हिस्सा नं० 1 बी, सी०टी०एस० न० 109, विलेज पाल्कर पाखंडी, अधेरी (पूर्व), बंबई।

> (लक्ष्मण दास), सक्षम प्राधिकारी सहायक आयशर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्कई

दिनाक :- 13-8-84 मो**हर** ब ब्ररूप बाह्र', टी., एन., एत.,-----

शायक द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269=थ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)
अर्जन रेज्-2, बग्वई
बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० अई-2/37 ईई/9507/83-84---अतः मुझे, लक्ष्मणवाम

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० पलाट नं 301, तीमरी माला, बिल्डिंग सी० विल्लेज पाल्यर, पाखडी अधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित हैं और जिसका करारनाडा आयकर अधिन्यम 1961 की घारा 269 के ख के अधील बम्बई स्थित रक्षम प्राधितारी के पार्यालय में रिजर्स्ट्री है दिनाक 22 दिसम्बर 1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देष्ट्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/धा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बतारा प्रकट ज्या किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, जिलाने में सहप्रधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलित व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) श्री जे० के० बाँगले । श्री एम० एस० भिदे, श्री वी. के० काड़कील श्री वारवे।

(अन्तरक)

(2)जश्री सुरेप एम० देसाई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूष्ट करता हुर्े।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाद म की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अध्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्किंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया

अनुसुची

पलैट न० 301, तीसरी माला, बिल्डिग-सी, गाव पाल्पर पार्वाची अंधेरी (प्री) बंबई।

अगुसूर्वी ौर की कि० मं० अई-2/37 ईई,9507, 83-84,आर भी सक्षम प्राधिआरी बम्बई द्वारा दिनाक 22 दिसम्बर 1983 को रजिस्टई निया गया है।

> लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक्ष आयकर अध्युक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज, 2 बस्बर्ष

दिनांक → 13-8-84 मोहर: प्ररूप् आइ. टी. एन्. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेज-2 बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 जगस्त 1983

निदेश स० अई- $\cdot 22/37$ ईई/9506/83-85--अंतः म**शे** लक्ष्मणदास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उक्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपात बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 302, तिसरी गंजील, बिल्डिंग, बिलेज पालकर अंखेंडी अधेरी (षू०) बम्बई में स्थित है और जिस्सा बरारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाक 22 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार भूल्य सं कम के रस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति को उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिए में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बागिस्क में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए: और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के शिवए;

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लीनिसत व्याक्तयों, अर्थात् :— (1) श्री जे० के० बांगले, श्री एम० एस० शिन्दे। श्री वी के० एडकोल, श्री एस० आर वाखे।

अन्तरक)

(2) श्रीमती बी ए० गेखले।

(अन्तारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों '/र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्थी

पलैट नं० 302, निसरी मंजील, बी-बिल्डिंग, विलेज पालवार पाखंडी, अन्धेरी (पं०) बम्बई ।

अनुसूची जैंगा की कि मं० अई--2,37ईई,95069, 83-84-और जो पक्षम प्राधिनारी बम्बई द्वारा दिनांक ¹ 22 दिसम्बर 1983 को रॉजरट्रई किया गया है।

> लक्ष्मण दाम, सक्षम प्राधिकारी, सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

विनादा :- 13-8-84 मोहर ३ भूक्य बार्ड_ुटी. एव*ु* एस_{ु==}-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नभीन सूचना

भारत सरकाड

कार्याक्षय, सहायक कायुकर भायुक्त (निरक्षिण)

अर्ज. रेंज-2 वस्बई,

बम्बई, दिनान 13 अगस्त 1984

निदेश ूसं० अर्द-22/37 ${1/3}$ ${1/$

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उष्टित बाजार मूस्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट एवं स्ट्क्चर सं० न० 143ए, हि॰ नं० 7 (भाग) सीटी एस० नं० 1522 (पार्ट) तथा 15522/2 एफ० पी० नं० 431 टि॰ पी० एस-5 बिले पार्ले (पू०) बम्बई में स्थित हैं और जिसका करारनाम आयश्य अधिनियम 1961 की धारा 269 का के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हं दिनास 17 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित शें बास्तविक कप से किथित नहीं किया गया हैं:---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती एमेराल्डा जिक्क्वलाइन मिस्किटा श्री सिल्वेस्टर जेक्क्वलाइन मिस्जिटा श्री बोनावेचर जक्कीलाइन मिस्किटा

(अन्तारका)

(2) टेरेन्स जे० मिस्किटा तथा कुमार्रः शर्मिला जे० मिस्किटा मैसेसे स्टिलकेट इन्टरप्राइजेस

(अन्तरिती)

(3) अन्तरभा वह व्यक्ति जिसके अभिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सर्पात्त के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वायः;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रू
 बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास निस्तित में किए जा सकों गें।

स्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होया जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननृत्त्वी

्षां एवं स्टूक्चर ट्रक न० 143, ए० हिं न० 7 (भाग) सी० टी० एस० न० 1522 (पार्ट) तथा 15522 एफ० पी न० 431, टि० पी० एस०-5 विलेपालकर (पू०) बस्बई।

अञ्चर्स्ची जैसा की कि० स० अई-2/37 ईई, 3897/83-89 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाका 17 दिसम्बर 1983 को रजिस्टई किथा गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहागक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-2 बम्बई।

दिनांक - 13-के-84 मोहर: प्रकृष बार्च. टी. एन. एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्पृता

भारत बुद्रकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निवेश सं० अई--/2237--ईई/9522/83-84---अतः, मुझे, लक्षमणदास

शायकर श्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

8 ही और जो कमल गज सब-प्लाट नं 6, इर्ली नाला के उत्तरी ओर, जे बी. पी डी. स्कीम,

बम्बई 400049 में स्थित है और जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रिधानयम 1961 की धारा 269 का अं के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीर दिनांक 26 दिसम्बर 1983

को पूर्वेकिश संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रिसिफन के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्योदय से उक्त बन्तरण लिशित के वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ज्ञारण से हुइ किसी जाय की वावत, उनत जिथितियम के जभीत कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के सिए; जीड़/मा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय अगयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा-269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिसित व्यक्तियों, अधीत :— (1) श्री क्षित्र मोहन ठाकुरदास इंडेजा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रूम्ख जी० वालरानी

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप ६

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी खरी 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पव्होकरणः --- इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदौं का, को उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8, कमन पुष्ठज, सबबण्लाट नठः 6, प्लाट नं० 6, **इ**लि नाला के उत्तर में, जे० बी० खी० स्किम, बम्बई-400049,

श्रभेसूचो जैसा की %० सठ० श्रा -2/37ईई/9532/83-84 श्रीर जो यक्षम श्राधिकारी बम्बई क्वारा दिनाक 26 दिसक्बर 1983 को रजिस्ट के किया गयार । ङ

लक्ष्मणदास, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनाक :- 13-8-84

मोहरः

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.------

बायकार आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर नायक्त (जिरीक्षण)

श्रर्भन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं॰ ग्राई-22/37ईई/9589/83-84---ग्रतः,

मुझे, लक्ष्मणदास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी फ्लैट नं० 18, तीसरी मंजिल, पराग, बैंक श्रॉफ बरोडा एम्प्लाइज को श्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी बामनवाडा, श्रन्धेरी (पू०), बम्बई—99 में स्थित है श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिसट्टी 269 क ख के अधीन दिनांक 8 दिसम्बर 1983 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुर्फे यह निश्यम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उप्पत अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाने। चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) श्री प्रमणिकलाल छगनलाल सोलकी । (श्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रविनाश पुरूषोत्तम भातखर्डे। (श्रन्तरितो)
- (3) अन्तरक । (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

वन्स्ची

फ्लैट नं ० 18 तीसरी मंजिल, पराग बैक श्राफ बरोदा एम्प्लाईज को-ग्रापरेटिव लार्जासग सोसायटी बामनवाटा, श्रन्धेरी (पू०), बम्बई-400099 ।

श्रमुसूची जैसा कि कि कि श्राई-2/37/ईई/9589 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 8 दिसम्बर 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्वन रेंज~2 बम्बई

दिनोक :-- 13-8-84 मोहर । प्रस्प नाइ. टी. एन ु एस ------

भायकरु मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2; बस्बई

बम्बई, दिनांक 13 श्रगस्त 1984

निदेश सठ० म्राई-22/37 ईई/9341/83-84--- भ्रतः, मृझे, लक्ष्मणवास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रेंड. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 5, पहली मंकिल, मनीष दर्शन नं० 3 कुर्ला श्रंधेरी रोड़ के सामने, पाईप लाईन रोड़, सहार, बश्बई-400059

में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है विनक 12 दिसम्बर 1983 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितयाँ)। के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिक है भी पन्ति कया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाब की धावत उक्त औध-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) बा उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ओ कथील, निम्मिसिखित व्यक्तियों, जबाँत ह— 37—256 GI|84 (1) श्रीती हेड० एफ० भारमल।

(ग्रग्तरक)

(2) श्री साईराम वेंकटारामन।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्योंक्त स्म्यक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में क्रोइ भी आक्षेप क्रू--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थाकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी व पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तींकरणः चिम्ने प्रयुक्त कर्व्यों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्र्यो

पलैट नं० 5 पहली मंजील मनीष दर्शन न० 3, पाईप लाईन रोड, भंधेरी कुर्ला रोड़ के सामने सहार बम्बई 200059

श्रनुसूची जैसा कि क० स० श्राई-2/37 ईई/9341 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 12 दिसम्बर 1983 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणदास, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2 बस्बई

विनांक :- 13-8-64

प्ररूप आईं.टी.एन.एस, ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेजस-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 ग्रगस्त 1984

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 49, हिस्सा नं. 1-बी, सि टी एस. नं. 109, पालकर कीलंज, पालाडी, अन्धेरी (पू) बम्बई में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कस के अधीन सम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारील 22-2-1983 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण

हैं को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह निक्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नय पाया थया प्रतिक्रक कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिविक क्या से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, राधन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया सा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

कतः अब उकतः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण बै, बै, उक्त अधिनियम की धारा 263-य की उपधारा 👫 कै बधीन, निम्निमिकित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री जे० के० भांगर्ला श्री एम० एस० ग्रिन्दे, श्री बी० के० कडकोल, और श्री एस ग्रार बर्वे।

(ग्रन्तरक)

(2) डा॰ (श्रीमती) यौलजा ए॰ बाभोलकर। (ग्रन्तॉरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त है अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्सची

सं० नं० 49, हिस्सा, नं० 1बी, सी० टी० एस० नं० 109 पालकर बीलेज, पाखडी श्रन्धेरी (पूर्व), बम्बई ।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्राई-2/37 ईई/9505/ 83-84-श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22 दिसम्बर 1983 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वस्वर्ह

दिनोक :-- 13-8-84 मोहर:-- प्ररूप बार्ड . दी., एत., एस., ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-न (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, विनांक 13 भ्रगस्त 1984

निदेण सं० प्राई-2/37 ईई/9403/83-84—म्रत: मुझे लक्ष्मणदास,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव्पलैट नंव 101, पहिली मंझील, बिल्डिंग नंव बी, प्लाट नंव 18, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड श्रन्धेरी (पूव) बम्बई -400059 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधनियम धारा 269 क-ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 17 दिसम्बर, 1983

करे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिलिखत उद्देश्य में उक्त जन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित वहीं किया गया है:---

- (क) वन्तरम् से हुई किसी बाय की वाबत उपस अधिनियम के अधीन क्षार दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियाँ कां, चिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिनित के रितयों, अर्थात् र—

(1) मेधर्भ दोगक जिल्डर्स प्रा० लि॰

(भन्तरक)

(2) श्री के० के० राधवन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करको पूजाँकत सम्पृतित को वर्षन के निव्ह कार्यवाहिया करता हुं।

चयस सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वमा के राजपन में प्रकाशन की तारांच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास ज्यांचल मा किए अ। सकारा ।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम, के सभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं सर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अमृस्ची

पलैट ठं० 101, पहलो मझील, बिल्डिंग नं० बी प्लाट नं० 18, भवानी नगर, मरोल मरोगी रोड़, अधेरी (पू०) बम्बई-400059

धनुसूचो जैसा को ७० सं० ध्राई-2/37ईई/9403/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 17 दिसम्बर 1983 को राजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर ग्राधुक्त (निरोक्षण) प्रजीन रेंज-2, बम्बद्ध

ं विनोक :- 13-8-84 मोहरः प्ररूप बाइ ., टी., एन., एस.,-----

भायकर मांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्थान

नारत सर्कार

कार्यासय, सहायक सायकर सायुक्त (निर्द्रीक्षण) अर्जन रेंज-2, सम्बद्ध

धम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० अई-22/37 ईई/9304/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मणदास,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको स० पलैट नं० 306, तोसरी मंजिल, बिल्डिंग, नं० "ए" प्लाट नं० 18 भवानी नगर, मरोल मरोणी रोड़, अन्धेरी (पू०) बम्बई-400059 में स्थित है ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनांक 9 विसम्बर 1984

को पूर्वोक्स संस्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निश्चित उद्दोष्य से उच्त अन्तर्ण निश्चित में वास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तर्भुम से हुर्च किसी जाय की बाब्त्, अवस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दाबित्व् में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती द्वार प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, जन, अन्त अभिनियमं कौ भारा 269-ग को नमुसरण भौ, भी, उक्त अभिनियमं की भारा 269-ज की उपभारा (1) को अभीत, निम्मलिखित व्यक्तियों, अभित् :--- (1) मेसर्स दिपक बिल्डर्स प्रा० लि०

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एस० जावदेकर, कुमारी सानिका पी० जावदेकर, कुमारी प्राची पी० जावेदकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्कों पूर्वोक्त संपरित के अर्चन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी बक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीच सें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखिस में किए आ सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत है अभिनियम के सञ्चाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्चीं

फ्लैट नं० 306, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० "ए", प्लाट नं० 18, भवानी नगर, मरील मरीशी रोड़, श्रंधेरी (पू०) बम्बई-400059

अनुसूची जैसाकि क० सं० अई-2/37ईई/9304/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9/12/1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶2, बम्बई

नारीख: 13-8-1984

मोहर 🖫

प्रह्म आहे. टी. एन. एस. ------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायुक्त (निरुक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई विनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० अई-22/37ईई/9226/83-84---अत: मुझें, सक्ष्मण दास,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रुम्से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 8, प्लाट नं० बी०-एस० नं० 42, हिस्सा (में) नं० 11, मुलूंड बिलेज, महाकाली रोड़, श्रंघेरी (पू०) बम्बई में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कछ के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रा है तारीख 3-12-1983।

को पूर्वाभित सम्पात के अधित नाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अतिरित को गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिष्क स्प से किंचित नहीं किया नया है :—

- (क) व्यव्हान में शुद्ध फिकी बाव की वावता, स्वयः विधिनियम के श्रीन कर दोने के वृत्युरक के स्वीयत्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी नाय ना किसी भन् या अन्य बास्तकां को जिन्हों भाउतीय जायकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भृष्यकर अधिनियम, या भृष्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाय प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के बिद्ध;

बतः बवः उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियमं की बारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अविष्:--- (1) मैसर्स मेहता कन्स्ट्रक्शन लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री गुइलमीन कोस्टा कोरिआ, श्रीमती मारिआ कोस्टा कोरिआ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी कर्रके पूर्वोक्त, सून्य्ति के श्रवंग के जिए कार्यवाहियां कारता हुं।

चक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाशेषु :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की सर्वाभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाभ, को भी स्वाभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तर्री व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पाद्धीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्तुची

फ्लैंट नं० 8, प्लाट बों—एस० नं० 42, हिस्सा (में) नं० 11, मुलूंड विलेज, महाकाली रोड़, भ्रंधेंरी (पू०), बम्बर्ष ।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/9226/ 83-84 श्रौर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनकि 3-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-8-1984

मोहर 🖫

श्र**रूप आर्**. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकार मागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 13 अगस्त 84

निर्वेश मं० अई--2/37ईई/9205/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण बास

शायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले बसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ब के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाषार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11 चौथो मंजिल, ला बेलोइ बिल्डिंग, सहार विलेज, बामनवाडा रोड़, श्रंधेरी (पू०), बम्बई 400057 में स्थित हैं श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों हैं तारीख 3→12—1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किवित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर येने के अन्तरक को शायित्व में कभी करने वा उक्त वचने में सुविधी के लिए; अरि/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) मैंसर्स भावना बिल्डर्स एण्ड कन्स्ट्रक्शन

(अन्तरक)

(2) श्री जहांगीर जे० खटाव श्री खुशरू जे० खटाव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 11, चौथी मंजिल, ला बेलोइ बिल्डिंग, सहार गांव, बामनवाड़ा रोड़, श्रंधेरी (पू०), बम्बई 400057 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि सं विन्य अई -2/37ईई/9205/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 13-8-1984

प्रकृष बाहर् ही. एन. एस. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के स्थीन स्वान

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक बायकर कायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 अगस्त 1984

निर्वेश सं० अई-2/37ईई/9203/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 201, दूसरी मंजिल, "ए" विंग, "मिनल अपार्टमेंटस्" जुना नागरवास रोड़, श्रंधेरी (पूर्ष) बम्बई 400069 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है सारीख 3-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पतित के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह िण्डवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके करमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वारेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कृतिया गया है :---

- (क) बनसरण से शुर्द किसी जाब की बाबता, उनस्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अंतरण के दाबित्य में कमी करने या समुसं अधने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्यू आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1937 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नही किया गया भा या किया जाना चाहिए था, ज्याने ये यिनिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्भ में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों. अधीत्:—— (1) गोयल बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री अविनाश रचुनाय सामन्त श्री अजय अविनाश सामन्त

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थम् के सिष् भार्यकाहियां तलना हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क्ष) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छींकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असत्त्रची

पलैट नं० 201, ए-विंग, "मिनल अपार्टमेंटस्", जुना नागरदास रोड़, श्रंघेरी (पूर्व), बम्बई 400069 अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/9203/83-84 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 3-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 13-8-1984

त्रक्ष्य बाइ". टी. एव. एस. ------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन मूचना

भारत शहसार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश स॰ अई-22/37ईई/9496/83-84--अत : मुझे, लक्ष्मण दास

प्रायकर प्रशिविषम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 26 अन्ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- के से प्रधिक है

भीर जिसकी स० माप नं० 5, ग्राउन्ड फ्लोर, ए० विंग साई अपार्ट मेंट को० आ० हा० सो० लि० अपो० प्रताप सो० 7 बंगलो, जे० पी० रोड, ग्रंघेरी वेस्ट वम्बई-58 में स्थित है भीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 कख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 22-12-83 को प्रॉक्त संपत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए बन्तरित की गई है और मृम्मे वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वंक्त संपत्ति का उपित बाजार वृष्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से दिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया ग्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) एसी किसी आय या किसी भा या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीग, निम्मीलिंखत व्यक्तियों, अधीत् :----

(1) श्रीमती रोहणी देवी

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश सिंह बी० एस० कालसी श्रा जाशीर सिंह बी० एस० कालसी (अन्तरिती)

को यह सुघना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए अर्थियाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध के कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की भविध या तरसम्बन्धी व्यक्तिया पर
 सूचना की नामील से 30 दिन की भविध, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोंक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकासन की वारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य अपनित द्वारा, अभोहस्ताकरी के पास जिल्लान में किए जा समेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम के प्रशास 20-क में परिभाषित हैं वहीं सर्थ दोगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

वनस्यो

शाप नं० 5, ए० विंग ग्राउन्ड फ्लोर, साई अपार्टमेंट को० आ० हा० सो० अपो० प्रकाश सोसायटी, ७ बंगलो, जे० पी० रोड़, ग्रंधेरी (बेस्ट), बम्बई 58 ।

अनुसूचो जैसा कि क० सं० अई-2 /37ईई/9496/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 13-8-1984

मोहर 🦫

प्ररूप , बाईं . टी . एन . एस . - - - -

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, महायक आयकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देण मं० ए० आर०-2/37ईई/9541/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ?69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य $25,000/\sim \tau$. से अधिक है

ष्ठीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 405, बोग बी-4 माला, डेझील, प्लाट नं० 31, बोशीबारा, 4 बंगली, श्रंधेरी वेस्ट, बम्बई-58 है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप मे बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों, के कार्यालय, जिसका करारनामा आयनर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अज्ञान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 19-12-1983

- को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिक रूप सं कथित नहीं किया गया है:——
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आम की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, गा पत-कर अधिनियम, गा पत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अपनियम, विद्यार प्रकट नोती किया गया था या किया जाना काहिए था, जिल्ला 1 किया के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उच्या अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, गिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 38--256 GT 84

(1) मैसर्ज रावेराज डेण्हलपसं

(अन्तरक)

(2) श्रीमता ज्युडी डिसीना श्रीर शी जैवीलीन डिसीना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस स्वना के राजपत्र में पकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकेंगे।

स्वय्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स् धी

फ्लैट नं० 405, विंग वा, 4 माला, डेझिल, प्लाट 31, बोशीबारा, 4 बंगली, ग्रंधेर्ग, वस्बई-18

अनुसूर्वः जैसा कि कि नि अई-2/37ईई/9541/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक - 19 दिसम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास् सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयकर आयुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेज-2, बस्बई

दिनांक : 13--8--84

मंहिर :--

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० ए आर-॥/37ईई/9399/83-84--अतः मुझे लक्ष्मणदासः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), अभी धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं णाप नं 43 ग्रेक्न महल गाँपिंग मेन्टर तल मंजला, जे पी रोड़, बम्बर्ड--61 है ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख्रिक अधीन समक्ष प्राधिकारी बम्बर्ड के कार्यालय में रिजस्ट्री है में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमुची में भ्रीर पूर्ण लप में वर्णित है), रिजफ्ट्री अधिकारी के कार्यालय बम्बर्ड विनांक 17-12-83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सृतिधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधित्:— (1) श्री जेठानंद कालूमल भाटिया

(अन्नरकः)

(2) श्री रहीम जाफर अली अजानो

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध मी कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से अकिसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम निकास में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त कक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होया को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शॉप नं० 43, जेवल महल शापिंग सेन्टर, तल मंजला, जे० पा० रोड़, श्रंधेरी वेस्ट. बम्बई-61 अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-2/9399/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 17-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

स्रक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-H बम्बर्ड

दिनांक : 13-8-84

बरूप बाइ^{*}.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 16 अगस्त 1984

निर्वेश सं० अई-2/37-ईई/9168/83-84---अतः मुझे, लक्षमण दास

शासकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त गिंधनियम' कहा गया हैं), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 8, जो, 2री मंजिल "बी" विग, "ट्वीन टावर्स" बिस्डिंग, ज्लाट नं० 8 ए, 8बी०, सर्वे नं० 41 (पार्ट), विलेज ओशिवरा, फोर बंगलोज ऑफ जे० पी० रोड, बसोंबा, अन्धरी (प०), बम्बई में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रजिस्ट्री अधिकारी के कार्यालय, बम्बई रूप से वर्णित है) दिनांक 1-12-1988।

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के ब्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् ः--- (1) इन्द्रजीत प्रापर्टीज प्राइवेट, लिमिटेस।

(अन्तरका)

(2) श्रीमती पद्यमा एच, तिवाय्या।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवात्रियों शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अपिक्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, अने भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्नारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनता अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हौ, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सची

फ्लैट नं. 8, जो, 2 री मंजिल, 'बी'' विश, ''टबीन टाबर्स'' बिहिस्स्म, (मियोजित), प्लाट नं० 8-ए०, 8-बी०, सर्बे० नं० 41 (पार्ट), विलेज ओशिवरा, फीर बंगलोज, आफ जे० पी० रोड, वसींबा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-2/37/ईई/9168/83-84- और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 16-8-1984

मोहर 🖫

प्रकृष आहू . दी . एन् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रैंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 अगस्त, 1984

निर्देश सं० ए० आर०-2/37-ईई/9170/83-84-अतः मुझे लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

फ्लेट नं० 8, जो, 4थी मंजिल, "ट्रवीन टॉवर्स" बिल्डिंग (नियोजित), ऑफ जे पी० रोड, वर्सीना, अन्धेरी (पिष्चम), बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है और इसमें उपाबड़ अनुसुनी में और पूर्ण रूप से विणित है, और जिसका धरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 व ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्क सिवित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के सिए; और/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्सियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धनकर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उमत बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, जिस्तिविक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री इंदरजित प्रापर्टीज प्रोइबेट लिमिटेड।

(अन्तरक

2. श्रीमती शितादेवी ए० कनोजिया। प

(अन्तरिती)

ना यह सूचना जारी करके पृथा क्स सम्पस्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीकत व्यक्तियों में से किसी न्यविस द्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नग्स्ची

फ्लैंट नं० 8, जो, 4थी मंजिल, निर्माणाधीन इमारत ''दूबीन टावर्स'', ग्लाट नं० 8-ए०, 8-बी०, सर्वे नं० 41 (पार्ट), विलेज ओशियरा, फोर बंगलीज, आफ जे० पी० रोड, वर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम), वम्बई में स्थित है।

अनूसूची जैसा कि क सं० अई-2/37 ईई, 9170/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा धिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण द्वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-2, बम्बई

दिनोद : 16-8-1984

माहर 🛚

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज.-2. बम्बई

बम्बई, दिनांश 13 अगस्त, 1984

निर्देश सं० अई-2/73 ईई/9224,83/84 --अत: मुक्ते, लक्ष्मण दास,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अभिक हैं

और जिसकी संव यूनिट नंव एव-48, बिल्डिंग एव, नन्द विशोर इण्डस्ट्रीयल इस्टेंट, महाकाली केव्हज रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-400093 में स्थित है और जिसका करार-नामा आयरार अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-1983।

कों पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने क्र कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (ड) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकेट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीग, जिम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--- I. मसर्स सुपर इंजीनियर्स वर्कस्।

(अन्तरक्)

2. संसर्भ सन प्लास्टिक।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप '---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविंध, जो भी अविध बाद में स्नाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितसक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनस्यी

यूनिट न० ए०-48, जो बिल्डिग-ए०, 2री मंजिल नन्दिनिशोर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, महावाली कैन्हज रोड, अन्धेरी (पूर्व), वम्बई 400098 में स्थित है।

अनुचनी जैसा कि के सं० अई--2/37ईई/6462/83--84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12--83-को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2 सम्बर्ध

नारीख: 13-8-1984

नोहरु 🛢

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

बाउत् ब्रकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) , अजेन रेज-2, बम्बई अम्बई, दिनांक 13 अमस्त, 1984

सं० अई2-37, **ई**ई<math>|9363|83-84--अत, मुझे लक्ष्मण दान,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० फ्लैट न० 15, ब्लाक बी०, यूड लैंग्ड को०आप० हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, चार मिजली, जे०पी० रोड, बस्बई 58 में रिथत है और जिसका कर।रमामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्ट्री है लारीख 15-12-1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वाय करमें का कारण है कि यभापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्नके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बाँड/बा
- (क) ऐसी किसी भाय या धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तेत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्तिया के सिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री अशोक ऐल० व्हाबी

(अन्तरक)

2. श्री माणीत एव० गोनिया।

(अन्तरिती)

को नह सूचना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सूर्वन के तिथु कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर स्वना की तामील में 30 दिन की क्यिक्त, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस बुबारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तिन में किए जा सकोंगे।

राक्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, को उक्क जीभीनयम, को अभ्यास 20-क में परिभाषित के हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में विया गया श्र

नगरकी

फ्लैट न० 15, ब्लाक बी०, बुडलैम्ड, की आप-रेटिन हैं असिंग मोमाइटी लिसटेंड, 4 गली, जे० पी० रोड, अंधरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-2/37 ईई/9363/83-84 और सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ड द्वारा विनांक 15-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई

दिना । 13-8-1984 मोहर ॥ प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.-----

श्रीमकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजंन रोज- , बस्बई

बम्बई, दिनांक 13 प्रगस्त 1984

निदेश सं० माई०-2/37ईई/9384/83-84 \longrightarrow श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है।,, की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० पलैट नं० 003, डी विग. तलमाशा, साई सदन, रतनमगर, जे०पी० रोड, वर्सीवा, वम्बई-400 061 में स्थित है भौर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनांक 15-12-1983

को पूर्वोक्त सम्मिरित के उचित बाबार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्ड है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इदयमान प्रतिफल से, एमे इदयमान प्रतिफल का कैन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वोदय से उक्त अन्तरण निवित में कास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है ---

- (क्क) जन्तरण संहुर्ष किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधः। के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या झत्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अप, उक्त भिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जोधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— 1. श्रीमतीं पूनम बी॰ गिडवानी ।

(झनारक)

2. श्री देवी शंकर अंबालाल परमार

(भ्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सस्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहम्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममस्पी

फ्लैंट नं० 003, "डी" विग तलमाला, जो साई सदन, रनननगर, जेपी रोड, वर्सोबा बम्बई-400 061 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई०-2/37ईई/9384/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वस्वर्ध

दिनांक 13-8-1984 मोहर:

प्रकृष वार्षः टी. एवं. एवं,-----

कामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, वम्बई

बम्बई, दिनांक 13 भ्रगस्त 1984

भायकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रकार 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रापये हैं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० इंडस्ट्रीयल यूनिट नं० श्रार० एन० श्राफ फेंग मं० 25, श्रीर यूनिट नं० जी० श्राफ फेंज नं० 27, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, विरा देसाई रोड, श्रीणिवरा, बम्बई-58 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 17-12-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उधित वाजार मूल्य में कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उपित भाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सविधा के लिए, आरि/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया धा या किया जाना घाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अत: अब., उक्त िधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिकि में की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निकालिक। मानितयों, अधीन, निकालिक।

1. लक्ष्मी इंडस्ट्रीयल इस्टेट ।

(श्रन्तर्गंक)

2 श्री बाय्लाल मोतीचन्द दोगी।

(ग्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्चना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

ह्मस्टीकरणः--इसमं प्रयुक्त शब्दौं और पदौं का, जो उन्हर्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुषी

इंडम्ट्रीयल सूनिट नं० श्वार० एच० श्वाफ फेज नं० 25 श्रोर सूनिट न० जी श्वाफ फेज नं० 27, जो लक्ष्मी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, विरा देमाई रोड, श्रोणिवरा बम्बई -400 058 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि क० सं० म्राई०-2/37ईई/9389/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, बम्बई

दिनांक 13-8-1984

प्रेरूप आई.टी.एन.एस. : =======

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त, 1984

निदेश सं० ग्रई०-2/37ईई/9400/83-84---ग्रतः मुझे लक्ष्मण वास

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शांप नं० 8, सुन्दर पार्क, विरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्टितमा 1961 की धारा 269 कखा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 17-12-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रियमान प्रतिफल से, एसे ब्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अध्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्य के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्मिनिवित बहुब्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) ग्रन्तरच से हुई किसी बाय की बाबत जनत प्रधि-विकास के सजीय कर देने के प्रश्वरक के वार्वित्य में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के किए। बीर्एगा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यो धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

शतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैसर्स सुन्दर कन्स्ट्रवशन कंपनी

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती पद्मावती कृष्णामूर्थी श्रौर श्रीमती मीनाक्षी नटराजन

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करुके पूर्वांक्त सम्परित सूँ अर्थन के हिन्छ कार्यवाहियां करुता हूं।

उक्त सम्पत्ति को मर्थन को सम्बन्ध में काई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

णाप नं ० ८ तलमाला, जो बिल्डिंग ए, सुन्दर पार्क, विरा वेसाई रोड, श्रंधेरी (प०) बम्बई-400 058 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० घर्द०-2/37ईई/9400/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षंम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 13-8-1984

माहर 🛭

39-256GI/84

मुक्त बार्ट. डी : एन्: एवं : ------

बावकार व्यितिवय, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के व्यीत स्प्ता

RIST BETTE

कार्यासय, तहायक नायकर नायुक्त (निर्दालक) प्रजैन रेंज-2, वस्त्रई

बम्बई, दिनांक 13 ग्रगस्त 1984

जिर्देश सं० घई-2/37ईई/9445/84-85--यतः, भुक्ते, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार जून्य 25,000/- रुपए से नधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 407 4थी मंजिल, श्री गोपीनाथ कृपा को-भ्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड मिनष नगर, चार बंगला, जे०पी० रोड, श्रंधेरी (प०), बम्बई-400 059 में स्थित है श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है दिनांक 22-12-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिक्य (अन्तरितयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नामा गया प्रतिफल, जिम्मिनिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिवत में वास्तिक कप से कि बित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बाधिनियम के अधीन कर बोने के जन्तरक को दाबित्व में कमी करने वा उत्तदे बचने में दुविधा के लिए; बार/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना वाहिये था, क्याने के सिषः;

अतः अव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री प्रमोद ध्यंकटशामन कामत

(अन्तरक)

2. मैसर्स शान इंजीनियर्स एण्ड कंस्ट्रक्शन

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी कड़के पूर्वोक्त सम्पृत्ति के बर्णन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्का के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की जविध, यो भी अविध बाद में स्पाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होरा;
- (च) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिकांदित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्ची

पलैट नं० 407, जो 4थी मंजिल, बी विंग, श्री गोपीनाथ कृपा को-ग्रापरेटिव हार्ऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, मनिष नगर, प्लाट नं० 40, 4 बंगला, जै०पी० रोड, ग्रंबेरी (प०) बस्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्राई०-2/37ईई/9495/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-12-1983 रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-2, बस्कई

दिनांक: 13-8-1984

प्ररूप बाह् ही. एन . एत . -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यासय, सहायक नायकर भागुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2. बम्बई

बम्बई, विनांक 1 3 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० म्रई०-2/37ईई/9528/83-84—म्रतः मुझे, तक्ष्मण वास,

कायकर निषित्तियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निषित्तियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से निषक है

और जिसकी सं० इडस्ट्रीयल यूनिट नं० के फेज नं० 27, लक्ष्मी इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, विरा देसाई रोड, ग्राणिवरा, बम्बई-58 में स्थित है और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनयम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 26-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य स कम के द्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृन्य, इसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अबंत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अतरक क दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सनिधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवास के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. लक्ष्मी इन्डस्ट्रीयल इस्टेट,

(भन्तरक)

- मैसर्स बंदना कैमिकल्स प्रोप० सी० पी० पटेल, (ग्रन्तरिती)
- 3. भन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए। कार्यवाहियां करु करता हुं।

उपत संपरित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंने।

स्पण्डीकरणः — इसमें प्रयूक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अभूस्ची

इंडस्ट्रीयल यूनिट नं० के, फेज नं० 27, जो लक्ष्मी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, विरा देसाई रोड, भ्रोणिवरा, बम्बई-400 058 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्राई०-2/37ईई/9528/84-83 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज-2, बम्बई

दिनांक: 3-8-1984

मोहर 🛭

प्रकष् वार्षेष्ठ टी, पुन् पुन्- पुन्------

भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत चरकार

कार्यास्थ्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 प्रगस्त 1984

निवेश सं० ग्राई०-2/37ईई/9543/83-84—ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० सी/203, 2 री, मंजिल, लक्ष्मी रतन को-भ्रापरेटिय सोसायटी लिमिटेड, बिल्डिंग नं० 9, भार बंगला, रतननगर, श्रंघेरी (प०), बम्बई-400 068 में स्थित है और जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रंथीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाक 19-12-1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रह्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिकल से एसे ब्रह्ममान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, कृतम्लिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्त-विक रूप से क्यिल नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई किसी नाग की नावत उच्छ बीध-निव्य के ब्यीन कर दोने के अन्तरक के शामित्व में कभी करने ना सस्से अवने में सुविधा के सिने; जॉर या/
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1.1) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोचनार्थ जुन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए था, खिनाने में बृजिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

ा. जमना दास दीपचन्द भागनानी

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सुवर्णा श्रीकृष्णा हेराज्यकर

(भ्रन्तरिती)

को बहु बुचना चारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के बुचन की सिए कायवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया शवा हैं।

जन<u>ु</u>स्पी

फ्लैट नं सी-203, 2 री मंजिल, बिल्डिंग नं 9, लक्ष्मी रतन को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, रतननगर, भार बंगलो, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400 068 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं आई-2/37ईई/9534/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 19-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

विनोक: 13-8-1984

मोहर 🖰

प्ररूप बाह्य हो । एम , एस । =----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भागवत (निर्धिण) प्रजीन रेज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 13 भगस्त, 1984

निदेश सं० ग्राई०-2/37ईई/9544/83-84—श्रत: मुझे, लक्ष्मण वास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बिधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 124, पहली मंजिल, "शितल' के-विंग, सात बंगला, जे० पी० रोड, वसोवा श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है भौर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 19-12-1983

स्को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के व्यवमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की पर्य है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से एसे वश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिविध के बास्तविक रूप से किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त जिमानसम्बद्ध सभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; जाँर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वि957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः मन, उक्त कभिनियम की धारा 269-ग के अनुस्ररण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के सधीन. निम्मसिसित व्यक्तियों. कर्षात ह—

- श्री एम० पी० बहल भीर श्री राजन बहल।
 (भ्रन्तरक)
- 2. श्री एम० एष० पोईसरवाला। (ग्रन्तरिती)
- 3. ग्रन्तरक

(बह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विषि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वा

फ्लैट नं० 124, जो पहली मंजिल, ''शितल'' के-विंग, साल बंगला, श्राफ जय प्रकाश रोड, वसींबा ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-2/37ईई/9544/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 19-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 13-8-1984

प्ररूप बाहें ुटी. धून, एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज 2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 धगस्त, 1984

निदेश स० श्रई०-2/37ईई/9549/83-84--श्रतः $^{\circ}$ मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फलैट .नं० 302, त्रीपिटक की-ग्रापरेटिव्ह हार्ऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, ग्राम्बीवली, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिन्तमम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाक 7-12-1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरित (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्नसिवित उद्ववेष्य से उक्त जन्तरण निवित्त में धास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स ओमेक्स बिल्डर्स एण्ड कान्स्ट्रक्शर्म्स ।

(म्रन्तरक)

 श्री महेल इंग्वरदास माधवरानी श्रीर श्रीमती गीता एवं नाधरानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षोप :---

- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की कविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ द्वीगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 302, जो 3री मजिल, त्रीपीटक को-म्रापरेटिव्ह हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, ग्राम्बीवली ग्रधेरी (प०), सम्बई-400 058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं ग्रई-०/37ईई/9549/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 7-12-1983 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> लसक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षग्र) श्रजन रेज-2, बम्बई

दिनाक: 13-8-1984

प्ररूप अन्हा. दी. एन. एस. ----

नायकड मिनियस, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के अधीन सुचना

प्रारत सरकार

कार्यान्य, स्हायक नायकर नायुक्त (निहुक्तिक) गर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 धगस्त 1984

निर्वेश सं० भाई०-2/37ईई/9580/83-84—ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-छ. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-104, लैन्डस एंड लोखंडवाला काम्पलैक्स, 4 बंगला, ग्रंधेरी, बम्बई-58 में स्थित है भीर जिसका करारनामा भायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम भाधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया गया है दिनांक 8-12-1983

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है है

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ब्रायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी अन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-गार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किया में सूबिधा के लिए;

कतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के जभीन, निम्नजिहिका व्यक्तिकों, जभात है । 1. श्रीमती उद्या कलकमकर ।

(ग्रन्तरक)

 श्री रामचन्द्र भगतानी और श्रीमती देवी श्रार० भगताती ।

(भन्तरिती)

श्रीमती देवीं भगतानी ।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचका जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्थक के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में करोड़ भी आसोप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो जी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्बीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुद्धी

प्लैट मं० बी-104, लेन्डस एण्ड लीखंडवाला काम्पलैक्स, चार बंगला, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क० सं० भाई-2/37ईई/9580/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक , श्रायकर कार्युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 13-8-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायकर (निरक्षिण) शर्जन रेंज-2, वस्वर्ध

बम्बई, दिनांक 13 प्रगस्त 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/9593/83-84--- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से मिथक हैं

भौर जिसकी सं० फ़्लैंट नं० 12, 2 री मंजिल, समुन्दर दर्शन को-आपरेटिक्ह हार्ऊिसग सोसायटी लिमिटेड, 159, आफ फोर बंगला, अंधेरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-12-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पेद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया कमा प्रतिफल निम्नलिचित उद्विषय से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तिक कप से क्रियत नहीं किया नया है:—

- (क) वंतरण से हुई किसी नाय की वाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- िक) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों भो, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट मही किया ज्या भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्रीमती गोपी टी० सुरतानी

(मन्तरक)

2. श्री गुरूबद्धश श्रमरनाथ विग

(मन्तरिती)

3. मन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं [1]

उक्त संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बविंध, जो भी अविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्षिरक :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विभिनियम के वश्याय 20-क में परिभाषित, है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्गृत्यी

पलैट नं 12, जो 2 री मंजिल, समुन्दर धर्मन, को-झाप-रेटिक्ह हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, 156 झाफ फीर बंगलो, संघेरी-वर्सीवा रोड, संघेरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है। सनुसूची जैसा कि क० सं० झई-2/37/9593/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा विनोक 1-12-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

विनाक: 13-8-1984

मोहरः

प्रकृत <mark>भार्षः सी ्प्रकृत्यस्य सुन्तर-स्थानस्थ</mark>

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भा (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वामुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंजू-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/3860/83-84---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

पावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सन्नम प्राधिकारी को, बह विकास अपने का कारण है कि क्याबर सम्मत्ति, जिसका उक्ति वाजार मुख्य 25,000/- समय से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० प्लैट नं० बी-3, योग को-आपरेटिव हार्जींसम सोसायटी लिमिटेड, गुलमोहर कास रोड, नं० 12, जे० व्ही० पी० डीं० स्कीम बम्बई-49 में स्थित है ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनाक 12-12-1983

मि प्वास्त सम्मणि के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिये जन्तरित की गई है और मुखे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत से प्रक्षिक है और प्रम्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तम पाता पड़ा प्रतिकल, निष्निविक्त खेश्य से उच्य भन्तरण विवित्त में वास्तविक कम से क्षित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी काय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; धीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ प्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए।

जतः जन, उन्त निर्मित्यमं की भारा 269-ग के जनुसरण मं, मैं, उन्त मिनियमं की भारा 269-म की उपभाष (1) के जभीन, निम्नितिसिक व्यक्तियों, नर्भात् :---

40--256GI/84

1. श्री गुरमुख जी० वालरामी

(अन्तरक)

2. श्रीमती खुशवंत कौर जग्गी

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी क<u>र</u>के पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्वन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारी के से 4.5 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी व्यविध नाच में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर शस्मित में हितवक किसी कस्य स्थित द्वारा, क्षश्रोहस्ताक्षरी के पास विवित में किये जा सकेंगे।

हबब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त गर्को धीर पर्यो का, प्रा उक्त गीध-नियम के बह्याय '०-क मे पिरधायित है वहीं प्रयं होगा, भी उस प्रध्याय में दिया गया है।

नप्रची

पलैट मं बो-3, जो योग को-आपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी गुलमोहर कास रोड, नं 12, जे व्ही पी डी स्किम, बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/3860/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, सम्बर्ध

विनांक: 13-8-1984

इक्ष काई . टो. एन . एक_{्र}-------

शायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचता

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, विनोक 13 अगस्त, 1984

निवेश सं० आई०-2/37ईई/3852/83-84---अत: मुझे लक्ष्मण वास

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा-पया है")., की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से निधक है

त्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० 6, 3री मिन्जल, बी-विंग, बल्लभ भवन, 20, बापूमाई वाणी रोड, विलेपालें (प०), बस्बई-56 में स्थित है ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनिमय 1961 की धारा 269 कख के अधीन बस्बई स्थित है सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 9-12-1983 की प्रोंक्स सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का फारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उभित्त बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल के एसे ख्यमान प्रतिफल के प्रमान प्रतिफल के विषय प्राप्त के विषय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष से उक्त अस्तरण के बिल से वास्तिक क्य से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) नन्तरण ये हुइ निन्धी बाय की बाबत, उस्स विभिन्नय के अभीन कर दीने के अन्तरक के दासिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; बीर/या
- (ब) एसी किसी जाय या किसी थन या अस्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर जीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उच्य अधिनियम, या धनकर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रमा वा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विषा के सिए;

अतः अप, उपत अधिनियम की भारा 269-ग के जन्धरज में, बें, खबत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, जिम्मिशिया व्यक्तियों, सर्वातः क्रिक्त 1. श्रीमती हंमा (श्रंजना) सुरेण संघवी

(अन्तरक)

2. जितेन्त्रं कांतिलाल शाह, श्रीर इलावेन जितेग्द्र शाह (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी न्यस्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी भ्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में दित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वं पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त । शब्दों और पदों का, जो उच्छ श्रीधनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं ।

मन्त्र्यी

फ्लैंट नं० 6, जो 3री मंजिल, बी-विंग, वल्लभ भवन, 20, बापूभाई दशी रोड, विलेपार्ले (प), बम्बई-400 056 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कं सं आई-2/37ईई/3852/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 9-12-1983 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> नदमग दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बाई

विनांक: 13-8-1984

प्रकृप वाइं.टी.एन्.एच.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणे)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, विनांकः 13 अगस्त, 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/3854/83-84---अतः मुझे लक्ष्मण वास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित भाषार सूक्ष 25,000/- रि. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, अमिल अपार्टमेन्ट, विग बी, दादाभाय कास रोड नं० 3. विलेपाले (प०), बम्बई-56 में स्थित है ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है दिनांक 9-12-1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकक्ष के लिए मृन्तरित की गृद्दं हैं और मुक्ते यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसको स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का पंद्रह् प्रतिकत से बिधक हैं और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निक्निसित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकितों में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के स्थीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुक्रिया के लिए; मार्थिया
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या ज्न्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ अविक्रार्थ अन्ति अनियम, 1957 (1957 का 27) अ अविक्रार्थ अन्ति अन्ति व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के किए;

बतः जब, उक्त जीभिनियमं की भारा 269-ग के जनुसरण कें, में, उक्त जीभिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अभीत् :-- 1. मैसर्स फांती बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्रीमती जवा बालकुष्ण कलखमकर ।

(अन्तरितो)

को यह धूचना चाड़ी काइके पूर्वोक्त संपरित के वर्षण के लिए कार्यवाहियां काइका हरू।,

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप कि—
(क) इस स्थान के राजपन में प्रकारत की तारीज के
45 किन की जबकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 किन की अवधि, को भी
वन्धि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी स्थित बुवारा;

(ब) इब सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावद सम्मति में दित- वहुभ किसी बन्द स्थावत ब्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकों ने ।

स्पष्टीकरणः -----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जक्त अधिनियम के सध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं!

नगत्रपी

पलैंट नं ॰ 202, जो अनिल अपार्टमेंट विग बी 2 रीमंजिल, दादाभाय कास रोड, नं ० 3, विलेपार्ले (प), बम्बई-400 056 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि सं अाई०-2/37ईई/3854/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 9-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

विनांक: 13-8-1984

त्रस्य भार्यः, दी. एतः एसः------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भा (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त, 1984

निर्वेश स० आई०-2/37ईई/3836/83-84---अत. मुझे लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित शाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

प्रीर जिसकी स० फ्लैट न० 2, तलमाला, "अनुपम अपार्टमेन्ट्स"
अल्पा बिल्डिंग के बाजू में सरोजिनी एक्सटेंगन, रोड, बम्बई400 056 में स्थित है भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई में स्थित
सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है दिनांक 5-12-83
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्त यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मून्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरच् के सिए सब पाया नवा
गृतिफल निम्नलिवित उद्वेष्य से उच्छ कन्दुल निम्चित में
गास्तिक कप से कथित नहीं किया नवा है द्व

- (क) बन्तरण वे हुई किबी शाव की बाबता, उचल वृधिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने वा उत्तस दचने में सुविधा के लिए; बीट्र/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या किसी बास्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज्यकार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना चाहिए था, कियान में सुविधा से लिए;

भतः सब, उपत अधिनियम की धारा 269-ग से अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) से अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- 1. मैसर्स अशोक कन्स्ट्रक्शन कंपनी,

(अन्तरक)

2. जगदीश भोगीलाल मोदी श्रौर प्रस्हाद भोगीशाल मोदी

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारीं करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के सिए कार्यवाहियों करता हुन्।

उन्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की अवधि या तत्संवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ववधि, जो भी जनिश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकी।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में विया गया ही।

वपूक्की

पलैट मं॰ 2. जो सलमाला, "अनुपम अपार्टमेन्ट्स", अल्पा विल्डिंग के बाजू में, सरोजिनी एक्सटेंशन, रोड, विलेपार्ले (प॰) सम्बई-400 056 में स्थित है।

अनूसूची जैसा कि कि॰ सं॰ मई-2/37ईई/3836/83-84 मौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिमांक 5-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक: 13-8-1984

मोहर ;

त्रक्ष नार्षः टी. यन्, एव्.======

नायकर निर्मायन, 1961 (1961 का 43) कर्र भारा 269-म (1) में न्योग स्थना नारत त्रकार

कार्याच्य, सहायक बायकर बाय्क्स (विद्रीक्षण)

घर्णन रेंज-- 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 भगस्त 1984

निवेश सं० ग्रई-2 37ईई/3835/83-84--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मणुवास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के वधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर स्मित्ति, जिसका उचित नावार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2, पहली मंजिल, (निर्माणाधीन इमारत में) प्लाट नं० 259, विलेपालें टाउन प्लानिंग स्कीम नं० 5, एस० न० 117, एच० नं० 22, विलेपालें (पू०) बम्बई में स्थित है (ब्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्णस्प से विणत है) ब्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ब्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 5-12-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपात बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिकास के सिए बन्तिरत की पह है बार बन्ने बहु विश्वास करने का कारण है कि यनापूचें कर संपत्ति का खित बाजार मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिकास के स्थापक रही काराण का पेक्ट प्रतिकार के बार प्रतिकास के सिए तम पाया वर्ग प्रतिकास, विम्निसित उद्वेष्य ते उपात करने का कारण है कि यो एसे जन्तरक (अन्तरकों) कोर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरक के सिए तम पाया वर्ग इतिकास, निम्निसित उद्वेष्य ते उपात कृतरण कि विश्व में बारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) क्लारण से हुई किसी नांव की वासत अवध श्रीपीनवन के सभीच कर दोने के अन्तरक के वादित्व में कमी करने या उससे वचने में ब्रीवधा के सिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ विधिनयम, का धन-कर विधिनयम, का धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया एवा वा या किया वाना वाहिए का कियाने में मृतिशा के लिए;

जतः अव, उक्त जभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, को उक्त अभिनियम की भारा 269-च की स्पंधारा (१) को अभीन, निम्नसिचित च्योंक्तयों, अवृत्दि हे---- (1) मेसर्स धानंद लक्ष्मी एन्टरप्राइसेस।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नामदेव सदा शिव मार्ये।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्परित के वर्जन के जिए कार्यवाहियां सूक करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की नविभ, जो भी नविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 किन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति क्वार अभोहस्ताक्षरी के पाम लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

श्रमुसुची

पलेट नं० 2 जो निमाणिधीन इमारत में पहली मंजल पर है तथा जो, प्लाट नं० 259, विलेपार्ले टाऊन प्लामिंग स्कीम नं० 5, एस नं० 117 एच नं० 22, माई धाम, पी०एम० रोड, विलेपार्ले (पू०) बम्बई में स्थित है।

अनूसूची जैसा कि फल्स० अई-2/37ईई/3835/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5 दिसम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--2, बम्बई।

सारीच : 13-8-1984

प्ररूप बार्डे. टी. एत. एस., -------

नावकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के संधीन सूचना

ALEXA SECTION

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 अगस्त 1984

निदेश स॰ अई-2/37ईई/9161/83-84--अत मूझे, लक्ष्मणदास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें ध्रमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी स० पलेट नं० 6, पंचिशाल, पंजाब नेशनल वर्क्स ऑफिमर्स को-ऑप० हाउमिंग सोमायटी लिमिटेड, विरा देसाई रोड अधेरी (प) बम्बई 58 में स्थित हैं और जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 कहा के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1 दिसम्बर 1983।

को पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूक्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आए अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के जिए तम पाया गया प्रति-कृत विक्रिकिया उद्देश्य से उच्च क्लारक विविद्य में बास्तविक रूप से क्रिशत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एती किसी नाम ना किसी भन ना बन्य जास्तियों की पिन्हीं भारतीय जाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) ना उक्त अधिनियस, या भनकर अधिनियस, या भनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

कतः जयः, उकतः निधिनियमं की धारा 269-यं के नेनुसर्यन्ते में, में उकतः विधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के नधीन, निस्तिधिषठ व्यक्तियों, नर्थति ए---

(1) श्री एस० सूर्यनारायनन्।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीधर एन० शेट्टी।

(असरिती

को नृष्ट् शृष्ट्या बारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के वृष्टेत के विष्ट्र कार्यवाहियां करता हूं। .

सक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेन्त्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ति में किए जा सकांगे।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

पर्नैट रु 6 जो. तनमाला, 'पंचिशिल'' पंजाब नेशनल बैन्क्स् फ्रॉफियर्स को-ऑपरेटिव हार्ऊसिंग मोनाईटी लिमिटेड प्लॉट न० 02, एस० न० 111 त्रिया देयाई शेड, अंधेरी (प), बम्बई 400 048 में स्थित है।

अन्सूची जैसा की ऋ०स० अई-2/37ईई/9161/83 84 और जो सक्तम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1 विसम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज~2; बस्बई ।

नारीख: 13-8-1984

मोहर 🖟

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अस्थर्ष

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निवेश सं० अई-2 37ईई/3839/83-84 --अत मुझे लक्ष्मणदास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट मं० 303, 3री मंजिल, पूजा अपार्ठनेंन्टम् 17वा राध्या,खार, बम्बई 400052 (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर विसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961की घारा 269क खके अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 8−12−1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की नायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) एसी किसी जाय वा किसी थन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियो गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवत व्यक्तियों, अधीत्:---

- (1) श्रीमती मिना एस० मचेंट।
- (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुनिता नारायण क्रानी।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्पाना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्कत में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय '20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया त्रया है।

नगुज्ञी

पलेट न॰ 303, 3री मजिल, जो, पूजा अपार्टमेंटस्, प्लॉट न॰ 613, 17वां रास्ता, खार, अम्बई 400 052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कं स्थान अई-2/37/ईई/3839/83-84 और जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनांन 8 दिसम्बर 1983 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-8-1984

प्ररूप बाह्र . टी. एन. इस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 वम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984 निदेश स० अई--22/37ईई/9162/83-84।---अतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैट न० 15, बिल्डींग नं० 4, योग्निक नगर, ट्रानून को-ऑपरेटिव हार्ऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड, जय भवानी माता रोड, अबोली अंधैरी(प), बम्बई 400-058 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की घारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित नेकाम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 2 विसम्बर 1983

को पूर्वोक्रत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफाल से एसे ध्रम्मान प्रतिफास के पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल, निम्निसिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किक्ति में भारतिक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे वचने में तृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिधित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री प्याराली गुलाम हुसैन राजानी।

(अस्तरक)

(2) श्री अजीज मोहनभाई हाँद्डा। श्रीमती रेहना शिराज, मोहनभाई हुद्दा।

(अन्तरिती)

(3) अङ्कुसरिती आर जुटूंबीय। (वह व्यक्ति जिसकी अधिमंगमें सम्पत्ति है)

को यह सूचना कारी कारके पूर्वीकत सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के नर्जन के तंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पव्तियों ६२ सूचना की तामीच से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्पक्तियों में से किसी स्पन्ति बुदारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी जन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये वा सकने।

स्वक्रीकर्णः ---- इसमें अयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधितियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा ही।

अगृत्या

पलेट नं० 15, जो, 3री मंजिल, बिल्डींग न० 4, याग्निक नगर, ट्रायून को-म्रॉपरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी लिमि-टेड, जय भवानी माता रोड, अंबोली, अंग्रेरी (पूर्व), वम्बई 400 058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कल्पं अई-2/37ईई/9162/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 दिसम्बर 1983 को रचीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई।

तारीख: 13-8-1984

प्रश्न मार्च हो। एवं स्था नाता

नायकर नीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष्ट्र 269-म (1) के नेभीन क्वता

भारत संग्कार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

मन्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निवेश स॰ अई-2/37ईई/9163/83-84 --अतः मुशे सक्षमण वास

भायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्यू 25,000/-रु. संजिभिक हैं

और जिसकी सठ० फ्लेट न० 2, 4थी मजिल, सजीद टाबर, 58/59, मोगरा व्हिलेज, अंघेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है और जिसका करारनामा आधकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 दिसम्बर 1983 को प्वॉब्त संपत्ति के उचित बाबार मूस्य से कम के ख्याब प्रतिफल के सिए बंतरित की गई है और म्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाबार मूस्य, उसके दम्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविचत सम्बर्ध वे बक्त बन्तरण विचित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) बनारन पंड्राई किसी बाद की वादत, तथत अभिनित्त के सभीन कर दोने के बन्तरक के श्रीवरन वो कती करने वा बस्ते वचने में सुविधा के सिए; बीर/वा
- (क) एसी किसी बाथ वा किसी धन वा अस्य बास्तियों की चिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से किए;

अतः बस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिक व्यक्तियों, अभारत् :——
41—256 GI|84

(1) श्रीमती ऑिलन्डा नरोन्हा और श्री अलेक्जान्डर जेवीयर नरोन्हा।

(अन्तरिती)

(2) मेसर्स चौहान सन्छ नवर्स।

(अन्सरक)

(3) अन्ताक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोगमें सम्पत्तिहै)।

का यह कृष्णा वारी क्षरके पूर्वोक्त स्माति के वर्षण के विक् कार्यशाहियां शुरु करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी नाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविध या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी जब्धि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ब्ब किसी बन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरि के पास निवित् में निग् का सकेंगे।

शन्स्ची

ि न २ 2, जो., 4शी मंजिल, सजीद टॉवर, 58/50 मोगरा व्हिलेज, अंबेरी (प०), बम्बई 400 058 में स्थित है।

अनूसूची जैसा की कर्न्स० अई-2/37ईई/9163/83-84 और सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 दिसम्बर 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास पक्षम प्राधिकारी सहायक भायज्ञर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ध।

तारीखा: 13-8-1984

मोहरः

प्रकृष बार्च . टी., एत., एस., क्रेन्न-क्रा

शायकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बय्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निवेश सं० अई-2/37ईई/9167/83-84 ।~-अत: मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह त्रिक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मन्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट न० डी-4, पहली मंजिल, गीता प्रकाश, को-ऑपरेटिव्ह हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड, 143/2/ए, जय प्रकाश रोड, श्रंधेरी (प), बम्बई 400 058 में स्थित है श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजोस्ट्री है तारीख 3 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम को दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अतरक (अंतरकाँ) और अत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया नवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अंतरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक को दायित्व में कामी कारने या उससे अपने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट महीं किया गया आ या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, ध्वत अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——

(1) श्रां सुरेश मोर्ताशाम पंजाबी।

(अन्तरक)

(2) श्री फुष्णमूर्ती त्रंत्री।

(मतरिती)

को यह स्थाना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

सकत सम्परित को कर्णन को गम्बन्ध में कोड़ी भी बाक्षेप '--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त स्यक्तियों में स्ंकिमी व्यक्ति दवारा,
- (क) इस स्का के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त घट्यां और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० डी-4, पहर्ला मंजिल, गीता प्रकाश की-आंपरेटिव्ह हाऊमिंग सीमाईटी लिमिटेड प्लांट न० 143/2/ए, जय प्रकाश रोड, श्रधेरी (प), बम्बई 400-058 में स्थित है।

अनूसूर्चा जैसा की ऋ०र्स० अई-2/37ईई/9167/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 दिसम्बर 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई।

तारीखा: 13-9-1984

मोहर 🖫

प्रकपः आर्दः टी. एत. एस. - - - -

भागकर अधिनियम, 1964 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, धिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश स॰ अई-2/37ईई/9172/83-84 ---अत: मुझे, लक्ष्मण धास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

मीर जिसका सं० शांप नं०21, अनूराधा, इर्ला कांज, एस० कहां० रोड, मधेरा (प), बम्बई 400 058 में स्थित है मीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 कां धारा 269 कख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजास्ट्रा है ताराख 1 दिसम्बर 1983 कां पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास महने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उव्योच्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तुहुण से हुन्दं किसी भाग की बाबता, उनक अधिनियम के भंभीत कर दोने के अन्तारक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने मा सुविभा के लिए; बहि/वा
- (ल) ऐसी तैकसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियो ज्ञारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब. उलत अधि.नियम. की धारा 269-ग क अनुसण्ण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की प्रधास (!) के अधीन∡ निम्नसिक्ति व्यक्तियों स्थात् क्र- (1) मेसर्स एक्मे बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री जा॰एस॰ सिप्पो ग्रीर रीता जी॰ सिप्पी।

(मंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या ततस्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इदारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकनें।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसभी

दुंकान नं 21, जो, "अनुराधा" प्लॉट नं एस०नं 213-सी (हिस्सा)), सी॰टी॰एस॰ नं 477-ए, इर्ला ब्रोज, एस॰व्ही॰ रोड, ब्रंधेरी (प), बम्बई 400 058 में स्थित है।

अनूसूची जैसा की फल्सं० अई-2/37ईई/9172/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 दिसम्बर 1983 को रजिस्टढं किया गया है।

लक्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखा: 13-8-1984

प्रकप नाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के अभीन त्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 बस्यई

बम्बई, दिनांकः 13 अगस्त, 1984

सङ्ख् अई-2/37 ईई-9313/83-84:--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मृष्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 505, 5वीं मंजिल, "खुण अपार्टमेंट रोटरी पार्क ब्यू कोआपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, विरा देसाई रोड, अन्धेरी (प०), बम्बई--40005 में स्थित है और जिपका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 रुख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी क्रिके कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 9-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप में कथिस नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त आधि-विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) गा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उण्धाग (1) के अधीन, निम्निचिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. मैंसर्स ठक्कर एण्ड कारवा एसोसिएट्स । (अन्तरक)
- 2. श्री अरुण खन्ना और सुगील खन्ना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के कार्यवाहियां सूक्य करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी वन्नीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी जन्म व्यक्ति क्लारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों गौर पदों का., जो उक्त जीधनियम को अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया , गया है।

वनसंची

फ्लैट नं० 305, जो, 5वी मंजिल, खुश अपार्टमेंट, रोटरी पार्क व्यू को-ऑपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, प्लाट नं० क्यू 1, विरादेसाई रोड, अन्धेरी (प०), बम्बई-400050 में स्थित है।

अनूसूची जैसा कि क सं अई- 2/37/ईई/9313/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिमांक 9-12-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 2, बम्बई।

तारीख: 13~8-1984

भक्त बाद^क, द**ी. एक्**, एस. - -- -

नाम्कर निर्मानसम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सुकता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, अम्बर्द यम्बर्द, दिनांक 13 अगस्त 1984 सं० अर्द-2/37/देदि/9327/93-84:--अत: मुझे, लक्ष्मण स.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 45,000/- छ. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 15, ला टेरेसा फ्लैट नं को-आप हाऊ सिंग सोसाइटी लिमिटेड कामगार नगर के पास, अन्धेरी चार बंगले (रास्ता, बस्बई-400059 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकरण के बायालय में रजिस्ट्री है, तारीख 13-8~1983

को पूर्वोगत सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई है और नुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य उपके क्यमान श्रीतफल से एसे क्यमान श्रीतफल का स्वाप्त का प्रतिक का

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाद को बाबत अक्त वर्षिया नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के बादित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; वर्षिश्वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भने या कन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भूत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना भाषिए वा, कियान में सुद्धिया है किया

सतः सुत्र, सन्तर अधिनियम की भारा 269-न में अनुसरक मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपभारा (1) के नभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, सुधीत :--- 1. श्रीमती मुक्त बेन समिर मूनशी।

(अन्तर्यः)

2. श्री सुभाष रामदास कामय।

(अन्सरिती)

को सह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

वनद सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस भूभना के राज्यंत्र के प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की जनिंध, को भी सनिंध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूनों का स्वित्यों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हित-बहुध किसी बन्य व्यक्ति इवार्य, सधोहस्ताक्षरी के पास स्थित में किए जा सकते।

स्पच्छीकरणः -----इसमें प्रयुक्त शब्दों कौर पदो का, जो उकत विधिनियम के कथ्याय 20-क में यथा मरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

and the same of

पलैट नं० 15, जो ला टेरेसा को-आपरेटिब हाऊसिंग सोसाइटो लिमिटेड, प्लाट नं० 140 बी, कामगार नगर के पास 4 बंगलो रोड, अन्धेरी (प०), बम्बई 400059 में स्थित है।

अन्सूची जैसा कि कि के अई-2/37ईई/9327/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 13 अगस्स, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जान रेंजर-2, बम्बई

तारीख: 13~8-1984

मोहर 🤙

प्रकथ बाइं. टी. एत. एस्.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्पना

भारत सरकाद

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंक-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 अगस्त, 1984 म अई-2/37ईई/9347/83-84:---अत: मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपीत्त, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी फ्लैंट सं० नं० 3, बिल्डिंग; ए० "मिन मिनार" विरा देनाई रोड, अन्धेरी (प०), बम्बई में स्थित है और जिसका फरारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-12-1983

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल को सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार सूस्य, उसको दश्यमान प्रतिफल से, एसे द्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-कस निम्निसित्त उद्वास्य से उच्छ अन्तरण कि बित में वास्तविक कम् सं कथित नहीं किया जवा है:---

- (क) अन्तरण से सुद्दै किसीं जाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अदि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इवाय अकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने भ स्वैत्या के सिस्,

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुभरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीर, निम्नलिक्टिंग व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैसर्स मिन विल्डर्स ।

(अन्तर्क)

2. श्रीमती श्ररीना मिर्झा और अमिन अली सजद अली (अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और एवों का जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रकी

फ्लैट नं० 3, जो 2री मंजिल, बिल्डिंग ए०, "मिन मिनार" विरा देसाई रोड, अन्धेरी (प०), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/79347/83-84और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन र्रेज-2, बम्बई ।

तारीख: 13-8-1984

मोहर .

प्ररूप आई. डी. एन. एस. ------

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालय सहाभक कार्यकर पार्वत (निरीधक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

भम्बर्ड, दिनांह 13 अगस्त 1984

सं ० अई-2/37/ईई/9360/83-84:--अतः मुझे, लक्ष्मण दाप,

शायकर प्रधात (1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात (उचत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 804, "एवरेस्ट", जयप्रकाण नारायण रोड, वसौवा अन्धेरी (प०), बम्बई-400061 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 15-12-83 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के जिबत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का नमूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत सकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए:

भतः अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मैंसर्स तहार सेठ एण्ड जोगानी एसोशीएटस। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती अल्पना ए० पंडित।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धकिरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लैट नं ० 804, जो, 8वी मंजिल, "एवरेस्ट" जयप्रकाश नारायण रोड, बसोधा रोड, अन्धेरी (प०), धम्बई-400061 मे स्थित है।

अनुसूत्री जैसा कि कि सं० अई-2/37/ईई/9360/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-12-83 को रजिस्टड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिनगरी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनाक 13-5-1984 -

मोहरू 🛭

प्ररूप बाइ' वटी व एन व एस व

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की १६9-च (1) के बभीन स्थना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॅज-2, अम्बई

बम्बर्ड, दिलांक 13 श्रगस्त, 1984

सं श्रई-2/37ईई/9536/83-84:----- श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने कर कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आजार मृस्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० दण्डस्ट्रीयल ग्रैंड न० 44, तलमाला फेज नं० 111, शिवशाबित इण्डस्ट्रियल इस्डेंट, मरोल विलेज, श्रम्धेरो (पू०), बम्बई 59 में स्थित में श्रीर जिसका कारार नामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम का श्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 19-12-83

को पूर्वोक्त सम्मिति को उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गर्द है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृश्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफस का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीर/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि या जाना चाहिए था, खियाने कें स्विभा के निए;

अन अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-म के अनुसर्भ में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैससे शिवशक्ति विल्डसे ।

(प्रग्तरक)

2. मैसर्स नेम चन्द जैन एण्ड सन्स।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियों करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्पाना के राजभन में प्रकाशन की तारीचा से 45 वित्र के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवृध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त बर्ध्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इण्डस्ट्रीयल घोड नं० 44, जो तलमाला, फोज नं० 3, भिष्मानित, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एस नं० 79 एस० नं० 15, एस नं० 80, एच० नं० 1, मशेक विलेज, ग्रम्ब्रेरी (पूर्व), बम्बई-400059 में स्थित है

भनुसूची जैसा कि कम सं० मई-3/37ईई/9536/83-84 और जो सक्तम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिलांक 19-12-83 को र्राजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम श्राधिकारी सहायम ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण श्रर्णन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 13-8-1984

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 289-ध (1) के अभीत सुभान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज रेंज- 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 अगस्त, 1984

मं ॰ श्रई-2/37ईई/9481/83-84:--श्रतः मृझे लक्ष्मण दास.

भायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25.000/- उर से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० माला नं० ए०-16, पहली मंजिल, बिल्डिंग ए०, गिरीकुंज इण्डस्ट्रीयश प्रिमायसेस को आपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, श्रन्धेरी (पू०), बम्बई-93 में स्थित है है श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालंब में रजिस्ट्री है, तारीख 23-12-1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जाजत बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दर् प्रतिशत से प्रधिक है और ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कियान नहीं किया गया है:----

- (क) प्रशासन प्रदूष्ट किया आया का बाबत, उत्तर आधि-त्वान संप्रधीन कर एन के अस्त्यक के वासित्व में कमी करत या उता बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
 - (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने जे स्विधा के लिए;

अतः असं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित क्यक्तियों, वर्थात्:--- 42--256 G184

ा. श्री जे० एम० बी० ४ण्डम्ट्रीज।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री णाम भोजवानी (दुस्टी, णाम फैमिली ट्रस्ट। (श्रन्तरिती)
- 3. ग्रन्तिश्ती

(बह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

4.

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पित्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस, सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारील से 45 दिन की अयिथ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अयिथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिख्या में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

शाखा नं ० ए०-16, जो, बिल्डिंग-ए०, पहली मंजिल, गिरीकुंज इण्डस्ट्रीयल प्रोमायसेस को-प्रगरेटिय सोसाइटी, लिमिडेड, प्रस्थेरी (पू०), बम्बई .400093 में स्थित है । प्रनुसूची जसा कि कि सं० प्रई-2/37ईई/9481/83-84 प्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनांक 23-12-83 की राजस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त निरीक्षण स्रजेन रेज-2 बस्बेई

नारीख: 13-8-1984

प्ररूप आई. टी, एन. एस.,-----

लामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 13 प्रगस्त, 1984 सं० फ्रई-2/37ईई/9387/83-84:---प्रत: मुझे, लक्ष्मण दाम,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उचत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. में अधिक है

श्रीण जिसकी सं० फीट नं० 10, विल्डिंग "ए", 2री मंजिल, विमानगण को श्रापरेटिव हार्असण सोसाईटी लिमिटेड, सथूरा दास वासनजी रोड, श्रन्धेरी (पू०), बस्बई-400069 में स्थित है श्री जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कल के श्रधीन बस्बई स्थित संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है तारीख 17-12-1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उज्ज्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री हरोशचन्य कुबल।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती चन्त्रभागा राजाराम परव ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की जनिथ या त्सस्तन्थी स्पक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, यो भी जनिथ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति ब्वारा;
- (ब) इस स्वता के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हित्- अव्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताकरी के पास सिवित में किए का सकींगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जी छन्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

पलैट नं० 10, जो बिल्डिंग ए०, 2री मंजिल, बिमा नगर को-श्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड, मधुरादास बिसनजी रोड, ग्रन्धेरी (पूर्व०) बम्बई 400069 में स्थित है।

ध्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ध्रई-2/37ईई/9387/83-84 ध्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-12-83 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (करोक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

वारीख: 13-8-1984

माहर :

प्ररूप आहुर. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 प्रगस्त 1984 सं० प्रई-2/37ईई/9338/83-84:—-प्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्ता अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० इण्डस्ट्रीयल शेड नं० 142, फेज नं० 111, शिवशिक्त इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, मरोक व्हिलेज, प्रान्धेरी (पूर्व), बम्बई—59 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीखा 12-12-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरणुसं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; आर्रिया
- (ख) ऐसं किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करा, जिन्हा भारताय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धर्माजनार्थ अंतरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूविधा के लिए;

कतः अयः, उपल अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्त व्यक्तियों, जर्धातः— 1. भैसर्स भाव शक्ति बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स कात्यायनी प्रिन्टर्स।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति रा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखि में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

मनुसुची

इण्डस्ट्रीयल शैंड नं० 142, जो पहली मंजिल, फैज नं० 111, शिवशितत इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, एस० नं० 79, एच० नं० 15, एस० नं० 80, एच० नं० 1, मरोक व्हिल्डेज, अन्धेरी कूला रोड, अन्धेरी (प्०), बम्बई 400059 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/9338/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास, सक्षंम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-2, बम्बई।

तारीख: 13-8-1984

मोद्धर ३

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज 2, अम्बई

बम्बई, दिनायः 13 अगस्त, 1984 निदम सं० अई-2/37ईई6/9224/83-84:—-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है.

और जिसकी स० पलैट न० 8, पहली मंजिल, प्लाट नं ० एस० नं ० 45, एच० नं ० 13 पर निर्माणाधीन इमारत में, जो विलेज कोन्डीबीटा, बामनपूरी रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बर्द 400059 में स्थित हैं और जिस्एा करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कुछा के अधीन बम्बर्द स्थित, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 5-12-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृथिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, तक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिसिक व्यक्तियों. अधीत्—— 1 मैसर्म पारीख वाझ बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2 श्री मोतीलाल जगन्नाथ मोरवाल।

(अन्तरिती)

अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पक्ति है।)

को यह सुभाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनम्ची

पलैट नं० 8, जो पहली मंजिल, (प्लाट एस० नं० 45 एस० न० 13, पर निर्माणाधीन इमारत मे), विलेज कोन्डी वीटा, बोबनपूरी रोड, अन्बेरी (पूर्व), बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-2/37ईई/9224/83-84 और जो सक्षम प्राध्यिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 5-12-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम, मक्षम प्राधिकारी महायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज 2, बम्बई

गरी**ष**: 13-8 1984

प्ररूप आहू". टी. एन. एस.-----

नावकर अधिनिस्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देण म० अई--2/37ईई/3833/83-84.--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी मं० यूनिट नं. 4, 2री मजिल, पटेल अपार्ट मेंटन, एस० बी० रोड, मान्ताकुज (प०), बम्बई-54 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 5 12-1983

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंजह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिक्ता निम्नितियत उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्त-दिक इप से कथित नहीं किया गया है प्र

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-भिनक के कथीन कर दोने के बन्तरक के दामित्व में कभी करने वा अवचे वचने में स्विधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, माधन कर अधिनियम, माधन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अव, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के जब्बरण को, को, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की जनभारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

- श्री मोहम्मद यू० पटेल और अमीना एम० पटेल (अन्तरक)
- 2. श्री मूनवर यू० खान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुक्र करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थम्तयों में से किसी स्थक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित- के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित- के सूच्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:--इंसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हों, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अस्स्ची

यूनिट नं० 4, जो. 2री मंजिल, पटेल अपार्टमेटस, एस० वी॰ रोड, सान्ताकुज (प०). बम्बई-100054 में स्थित है। अनुसूची जैमा कि कि० स० अई-2/37 ईई/3833/83-84 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 5-12-1983 का रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक्ष आयक्षर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज-2-बम्बर्ष

हार्गःख : 13·8-1984 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

शायकार गिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2-बम्बर्ष

बम्बई, दिनाक 13 अगस्त, 1984

निर्देण सं० अर्ध-2/37 ईई $/3832/83 \rightarrow 84:--अत मुझे, लक्ष्मण दास,$

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. युनिट नं० 5, 2री मंजिल, पटेल अपार्टमेटस, एस ० व ो ड मान्ताकुज बम्बई-54 में स्थित हैं और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 5-12-1983

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण हैं कि संशापृषोंकत सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीबक रूप से कथित नहीं. किया गया हैं.——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की सप्धारा (1) को अधीन, निम्निसिक्त स्पिक्तयों, अधीत् :---

- श्री मोहम्मद यू पटेल और अमिन एम० पटेल। (अन्तरक)
- 2. श्री तस्लीम एम० खान।

(अन्तिकती)

को यह स्थाना जारो करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मन्म्मी

यूतिट नं० 5, जो पटेत अपार्टमटस, 2 री मंजिल, एस वी० रोड, सान्ताकुज (प०) बम्बई 54 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क म० अई-2/37 ईई/3832/83-84 और जो मक्षम प्राधिमार्ग, बम्बई द्वारा दिनांक 5-12-83 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयगर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन-रेंज 2- बस्बर्ष

भारी**ख** : 13-8-1984

प्ररूप. बार्ड. टी. एन. एस. -----

शायकार श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 अम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

मिदेश सं० अई--2/37ईई/3851/83--84:- -अम: मुझे. **लक्ष्मण दास**,

भायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

25,000/- ए. स आधक ह
और जिसकी सं० यूनिट नं० 6, 3 मंजिल, पटेल अपार्टमेंटस, एस० बी० रोड, मान्ताकुज (प०), बम्बई-400054
में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 कख के अर्धान बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्द्रा है, तारीख 5-12-983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरमान
प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मृत्य उसके दूरमान प्रतिफल से एसे दूरमान प्रतिफल का
पंत्रह प्रतिकृत अधिक है और जन्तरण (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए नय
वाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तिवक्ष क्ष्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हाँ भारतीय आयकर किधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नही किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा असे लिए;

1. श्री मोहम्भद यू० पटेल और अमिना एम० पटेल। (अन्तरका)

2. श्रां मनवर यु॰ खान।

(अनारिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अयिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा स्थाहरलाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्पी

यूनिट नं० 6, जो 3सरो मंजिल, पटेल अपार्टमेंटस, एस० व्ही० रोड, सान्ताऋज (पण्चिम), बस्बई र 54 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि क्र मं० अई-2/37ईई/3851/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 5-12-83 को रजिस्ट के किया गया है।

> लक्ष्मण दास, मक्षम आधिकारी, गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 2, बम्बई

अतः सम उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1)

तारोख: 13-8-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 13 ग्रगस्त, 1984

निदेश मं० ग्रार्थ-2-37 ईई/3830/83-84'-- ग्रात: मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

धीर जिसकी सं० यूर्निंट नं० 7' 3री मंजिल, पटेल ग्रपार्टमेटस एस० व्ही० रोड, सान्ताकुज, (प०)' बम्बई-54 मे स्थित है और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधनियम 1961 की धारा 269 क ख. के ग्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कर्यालय में रजिस्स्री है, तारीख 5-12-1983।

को प्वांक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक हैं अन्तरक और (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच होसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निकित में बाक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

- श्री मोहम्मद यू० पटेल श्रीर श्राभिना एम० पटेल । (श्वन्तरक)
- 2 श्री मुहेल मूनवर खान (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , त्रों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं 7, जो 3 री मंजिल, पटेल श्रपार्टमेंटस, एस० व्ही० रोड, सान्ताकुज (प०), बम्बई 54 में स्थित है। श्रमुम्ची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/3830/83-84 श्रीरजो सक्षम श्राधिकारी बम्बई धारा दिनांक 5-12-83 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज 2, बस्वई

जत. अब, उक्त अधिनियम की धार 269 ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाण

तारीख: 13~8-1984

प्रक्ष बार्ड . टी. एन. एस. ----

नाय्कर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सर्कार

कार्यालय, सद्यायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 प्रगस्त 1984

निदेज सं॰ भई-2/37ईई/3817/83-84:--अत: मुझे; लक्ष्मण दास,

आग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 23, 2री मंजिल, क्लिन्स पार्क बिल्डिंग, "ए", जुहू रोड, सान्ताकुज (पश्चिम), बम्बई—400049 में स्थित हैं और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3—12—1983 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तिक कप से किशत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तारण सं हुइ किसी काय की वावस, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधः। के सिए: और/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ बन्तिरिती ब्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक बो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीत्:—— 43—256GI/84

- 1. श्रीमती मोहिनी कें बालानी
 - 2. श्री श्रीचन्य बाघवानी भौर
 - 3. श्री कमलकुमार बाधवानी।

(प्रन्तरक)

2. श्री सुधीर गुप्ताः

(प्रन्तरती)

3. भन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रविभोग में सम्पत्ति है)

को यह भूषमा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाधीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वस है शे

वनस्पी

पक्षेट मं० 23, जो, 2री मंजिल, विवन्स पार्क विल्डिंग
"ए", प्लाट नं 71/1, एस० नं० 71-जूह विलेज, जूह
रोड सान्ताकुज (पिष्चम), बम्बई-400049 में स्थित है।
प्रमुखी जैसा कि कम सं० प्रई-2/37ईई/3817/8384 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 3-12-83
को रजिस्टड किया गया है

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण), द्यर्थन रोज,2, बम्बई

दिनांकः 13-8-1984 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण) प्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, बिनांक 13 धगस्त, 1984

निदेश सं० प्रई-2/37ईई/3933/83-84:-- ग्रत: मुझे, लक्ष्मण वास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उणित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

शौर जिसकी सं० पलैट नं० 2, 2री मंजिल, मीनू श्रपार्टमेट, नन्दा पाटकर रोड, प्लाट नं० 332, विलेपालें (पू०), बम्बई 57 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के खे के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकी तारीख 24-12-1983 को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के ट्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखेत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाक्स, उक्स विधिन्नयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वजने में सूर्तिका की किए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों की जिल्हें भारतीय बाय-कर बिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर बिभिनियम, या भन-कर बिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना बाहिए था, जिपाने में सुविधा के सिए;

कत: **बब**. खेकत अधिनियस की धारा 260-क के *अध्ययस*का

चतः वन, उच्च विधिनियम की धारा 269-म के अनुस्रण में, में, उच्च अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निम्मतिचित व्यक्तियों, वर्धात् :---

- 1. मैसर्स मीन् कन्स्ट्रक्शन्स, कम्पनी।
- (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सुशीला पुजारी श्रीर श्री शंकर राम पुजारी (श्रम्तरिसी)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी शक्षप :---

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नपुस्ची

पर्लैंट नं० 2, जो, 2री मंजिल, मीनू ग्रापार्टमेंट, नन्दा पाटकर रोड, प्लॉट नं० 332, विलेपार्ले (पूर्व), वम्बई-400057 मे स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि के सि भ्रई-2/37 ईई/3933/83-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), प्रर्णन रेंज-2, (बम्बई)

तारीख: 13-8-1984 •

श्रकप् आहें, टी., एत्., एव्.,-------

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

शार्य बरकार

कार्यास्य, सहायक जावकर आयुक्त (निराक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 ग्रगस्त, 1984

निदेश सं० ग्रई-2/3 ईई/3910/83-84:---ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर निर्धानियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें ध्राने पश्चात 'उक्त निर्धानियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के निर्धान सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से जिथक हैं

शौर जिसकी सं० पर्लंट नं० ए/3, गोपाल, तलमाला, तेजपाल स्किम, 2रा रास्ता, विलेपालें (पूर्व), बम्बई-400057 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कर्य के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 22-12-83 की पूर्वोक्त सम्मस्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पम्बह गतिशत से बीधक है और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल. निम्निसित उद्विस्यों से उक्त बन्तरण सिधित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अप्तरण सं हुएं किनी काग की शावत, अक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और्/वा
- (क) एोगी किसी काय या किसी भन या अन्य आस्तिकों को जिन्हों भारतीय आय-कर जिन्हों भारतीय आय-कर जिन्हों भारतीय आय-कर जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रकोषनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था. कियाने में वृतिभा के शिक्स

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, जिल्ला जिल्ला क्यांचितामों, अर्थात् :--- 1. श्री एस० के भार० पिल्लाई।

(भन्तरक)

2. श्री एन० एस० राधव हरीहरन।

(ग्रन्तरिती)

3. श्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

का यह सूचना चारी करके प्याँक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हों।

अनत् तत्रपत्ति के वर्षन के तत्रवस्थु में कोई भी वासोद:--

- (क) इतु सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की जबरिश वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की वर्षाय, थो भी नविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी स्थित त्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के शाद जिल्ह में किए या सकेंगे।

वन्स्ची

पर्लंट नं० ए/3, गोपाल, तलमाला, तेजपाल, स्किम, 2 रास्ता, विलेपार्ल, (प०), बम्बई-400057 में स्थित है अनुसूची जैसा कि ऋ सं० प्रई-3/37ईई/3910/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, (बम्बई

¹दनांक : 13-8-1984

प्ररूप नाइं. टी. एन. एस. ----

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त, 1984

निदेश सं० अई-2/37 ईई/3908/83-84:---अतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संवपलैंट नंव 502, शको अपार्टमेंटस, कृपा नगर रोड, इली विलेपार्ले (पव), बम्बई-58 में स्थित है ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रों है, तारीख 22-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मुख्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उच्चेष्य से उच्च अन्तरण निचित के बास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी अम या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर विधितियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वॉ, मॉ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् क्र-- 1. 1. मैसर्स शॉको कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

2. श्रो उत्तम चन्द खुरामा।

(अन्तरिती)

को यह श्वना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी काक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की सर्वाभ मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाभ, जो भी सर्वाभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

नगुज्ञी

पलैट नं० 502, जो "शाँको अपार्टीनेटस" कृपा नगर रीड विलेपार्ले (प०), बम्बई-400058 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/37 ईई/4414/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारोख: 13-8-1984

मोहर 🛭

प्रक्य बाई , डी., एन्, एवं

भागकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के जधीन स्वका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांफ 13 अगस्त 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/3904/83-84:--अतः मुझे, सक्ष्मण्रेवास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथल विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- उ. से बाधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 106, पुष्पक अपार्टमेंटस, मालर्थाय रोड, विलेपार्ले (पूर्व०), बम्बई-400057 में स्थित है भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 कु ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय मे राजस्ट। है। तारीख 19-12-1983

को पृथोंकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं जीर मृत्रे यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके इदयमान प्रतिफल से, एसे इस्प्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नतिवित उच्चेंस्य से उक्त बन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा हैं:---

- (क), बन्तरम् चं हुई किसी बाय की बाबस्, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे नक्ते में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिया के सिए;

नतः नव, उन्त निभिनियम की भारा 269-ग के नजुनरण में, में उन्त निभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिक्क व्यक्तियों, नर्गात :--- 1. मैसर्स जयर्था बिल्डर्स (इण्डिया)।

(अन्तरक)

2. श्री कान्तलीलाल हरी शंकर वार्डिया।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उसत सम्पत्ति के वर्णन् के सम्बन्ध में कोई भी वार्क्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामांल से 30 दिन की व्यक्तियों पर अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरी।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त सिंभित्यम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

फ्लैट नं 106, जो, पहली मंजिल, पुष्प अपार्टमेंटस, फायमल प्लॉट नं 147, टी० पी० एस०-5, मालवीया रोड, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई-400057 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-2/37ईई/3904/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 19-12 83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तौरीख: 13-8-1984

मोहर 🛭

शक्य बाह्र . टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकार वाय्कत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/3900/83-84:--अतः मुझे. सक्सण दास

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 4, तलमाला, अनुपम अपार्टमेंटस.
सरोजिनी रोड एक्सटेन्णन, विलेपार्ले (प०), बम्बई-56 में
स्थित है भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 को धारा 269 कुख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख
17-12-1983

को प्रबंधित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मस्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बेब्ह प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्मलिचित उद्वेषय से उक्त अन्तरण मिचित में अस्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-दियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया कामा वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः सम, उक्त निधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण को, गाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को न्योत, निस्तिविक स्पृतिस्तियों श्री कथीत् क्रिक्न 1. मैसर्स अशोक फन्स्ट्रेक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

2. श्री जेकब मैथ्यूस।

(अग्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपरित के नर्जन के संबंध में कोई भी बासोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए का सकने।

स्यब्दोकरणः --- इसम प्रयुक्त सन्धा नार वर्षां का, को उच्च विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

पर्लंट नं० 4, जो पहली मंजिल, "अनुपम अपार्टमेंटस", अल्पा बिल्डिंग, के थाजू मे, सरोजिनो रोड एक्सटेन्शन, बिले-पार्ले (प०), बम्बई 400056 में स्थित है।

अनुसूचः जैसा कि ऋ० सं० अई 2/37/ईई/3900/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 17-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, 2 बम्बई

तारीख: 13-8-1984

मोहर 🛭

प्रकप भाइ.टी.एन.एस.------

बायकर साधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/9586/83-84.--अतः मुझे लक्ष्मण दास,

शायकर श्रीभीनवम, 1961 (1961 का.43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन भक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकः सं० फ्लॅंट न० 13, 3रा मजिल, पारस फ्लैस, मूल गाव विलेज, महाकाला केव्हज रोड, अन्धेरा (पू०), बम्बई में स्थित है ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे, रजिस्ट्री है तारेख 18→12−1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के एक्समान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निसिश्वत उद्योवय से उक्त बन्तरक बिस्कित में बास्तिबक कप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त बीधनियम के जधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उसमें ज्वने में सृविधा के सिए; जीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से मृतिधा के सिए;

अतः असं, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्तिनित व्यक्तियों, अर्थात :---- 1. मेहता फल्स्ट्रक्शन कम्पनो।

(अन्तरक)

श्रीमती जॉनीटा आर्डीना मस्करेन्ह्रास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में . हिन्न स्थावर सम्पत्ति में . हिन्न स्थावर सम्पत्ति में . हिन्न स्थावर सम्पत्ति में किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनु**स्**ची

पलैट नं० 13, जो 3री मंजिल, पारस पलैस, प्लाट न० बा एस० नं० 42, हिस्से (पार्ट) नं० 11, मूलगांव विक्षेज, महाकालो केव्हज रोड, अन्ध्रेरी (पू०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूचो जैया कि क मं० अई-2/37ईई/9586/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 18-12-84 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर त्रायुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, 2, बम्बई

तारीख: 13-8-1984

प्ररूप बार्ड .टी .एन .एस . -----

बायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीम सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त्र 1984

निवेश सं ० अई--2/37ईई/9579/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित याजार मृल्य 25,000/- एक से अधिक है

और जिसकी सं० भाप नं० 2, तलमाला, बिहिंडग ए~1; है तथा जो विद्यादीनी को -आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी सहार विलेज, अंधेरी (पूर्व) में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है सारीख 8-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकस के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरम लिखित में सास्तिक रूप से किंगत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण वं हुन् जिसी गाय की वाबत, उत्तर जिमितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तरे वचने में सुनिधा के लिए; जीट्र/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन वस्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा स्थिपने में स्वीवधा से सिए:

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनिय की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निचित्रत्व कित्यों, अर्थात् ः— (1) मेसर्स इन्डीको कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री राजाराम रामप्रताप पाल
 - 2. श्री जवाहर रामप्रताप पाल और
 - 3. श्री कालू रामप्रताप पाल।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वायः;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंने।

त्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्ष होगा को उन्न अध्याय में दिवा नया हैं।

ननुसूची

दुकान नं० 2, जो, तल माला विद्यादानी को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, बिलिंडग- ए-1, सहार विलेज, अंधेरी (पूर्व) वस्वर्ष 400099 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कु० मं० अई-2/37ईई/9579/83-84 और जो सक्तम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्वई

दिनांक: 13-8-1984

प्रकृष् बार्षः. टी., एन. एस्. -----

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक शायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निवेश सं० अई-2/37ईई/10529/83-84--अतः मुझे. लक्ष्मण वास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भाष नं० 3, अरविंद मार्षिण मेन्टर, टी॰ पी॰ एस॰ – 5, सान्ताकूज (पू॰), वस्बई 400055 में स्थित है और जिसका करारनामा आयएर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिएरी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 15-12-1983

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गईं है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक अप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की नावत इक भि नियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने मा उससे रुक्ते में स्विधा के लिए और/वा
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अल्य अस्तिया कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मिल्या के लिए;

अतः कवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्स्रण में, में, इक्तं अधिनियमं की धारा 269-धं की उपभारा (1) के अधीन, निय्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 4.4—256 G84 (1) श्री श्रीमल बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) नेशनल ब्रश मेन्युफेक्चरिंग कंपनी।

(अन्तरिती)

को यह स्वना भारी करके प्रशिक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारी क्रितं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुज्ञी

शाप नं ० 3, तलमाला अरिवन्द शापिंग सेस्टर, प्लाट नं ० 69, टी० पी० एम०-5, सान्ताऋुल (पू०), बम्बई-400055 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-2/37ईई/10529/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 15-12-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास ंसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

दिनांक: 13-8-1984

मोहर 🔉

प्रकप**्र आह**ै टी. प्रस**् एत**ा -----

बामकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 13 अगस्य 1984

निदेश स॰ अई -2/37ईई/3890/83-84--अन मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मान 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी स० णाप न० 2, अजय शापिंग सेन्टर, टी० एन० क्टारिया मार्ग, साट्गा (प०), बम्बई-400016 में नियन है और जिस्ता त्रारनामा आयक्ष अधिनियम 1961 की धारा 269र, ख ते जिल्हा बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के ायालय में रिजिस्ट्री है तारीख 17 12 1983

का प्रवेक्ति सम्पत्ति क उचित वाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित का गर्ध है गौर मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूबाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल में, एस रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के थीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्यश्य से उक्त अतरण सिक्तित मं बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है द—

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के कधीन कार दीन के अस्तरण अ दायित्व में कमी करने या उसम बचार पार्शिक के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धम आ अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-बर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उश्त अधिनियम अधिनियम अधिनियम 1957 (1957 रा 27) के पर्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहाँ विकास गया था या फिया आना चाहिए था, किलान में स्थिम के सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण मो, मो, टक्न अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अभीत निम्नलिकित स्पक्तियों, अर्थाल (1) श्रो मणीलाल कानजी मोटा।

(अन्तरर)

(2) श्रीमती मजुला वामनजी शाह और श्रीमती वासता लक्ष्मण शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के बर्जन क सबव में कोई भी नाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी में 45 विन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिश्व के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हिन्बद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पच्टीक्षारण --- इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम को अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जा उस अध्याय मा दिया। गया है।

अमस्त्री

दुत्तान नं० 2, जो, तलमाला, अजय णापिंग मेन्टर, टी॰ एन॰ मार्ग मादुन्गा (प॰), बम्बई--400016 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा हि कम सं० अई-2/37ईई/3890/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-12-1983 को रिजस्टिई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायव आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-2, बम्**बई**

दिनाक : 13~8~1984 भोडेर प्रस्प भाइ. टी. एन. एस. ----

आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 अगस्त, 1984

निदेश सं० अई $\cdot \cdot 2/37$ ईई/3889/83~84~~अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्वात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-इं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट न० 502, 5वी मंजिल, दिलखुश 38. सेंट पाल रोड़, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है और जिसका क्रारनामा आयार अधितियम 1961 की धारा 269 म.ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के तार्यीलय में रजिस्ट्री है तारीख 17-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुद किसी जाय की वान्त, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मुविधा के लिए; बौड/या
- (क्ट) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर जिक्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए,

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री अल्ताफ अव**ष्**ल ततीफ फर्नीचरवाला।

(अन्तर्क)

(2) श्री विल्फ़ोड वी० बारेटो और श्रीमती यूबोन बारेटो।

(अन्तर्रात्री)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से. 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि बाद में समाप्त हत्ती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी अधिकत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन के भोतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में बिए जा मनोंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स् भी

फ्लैट नं० 502, जो 5वीं मंजिल, दिलखुण, 28,सेंट पाल्य रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैना कि कम सं० अई-2/37ईई/3889/ 83-84 और जो पक्षम प्राधिकारी चम्बई द्वारा दिनार 17--12-1983 की रिजस्टर्ड निधा गाधा है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिनारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

रिकारक : 13-8-1984

मोहर ः

प्रकप बाह्य, टी. एत. एस., -----

कायकरं अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/3888/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिलं इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संव फ्लेट नंव 14-एव, आनंद नगर, सिवला देवी टेंपल रोड़, माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है स्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 17-12-1983।

को पूर्वोक्द सम्परित के उचित बाजार मूस्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतर्कों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत विधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौद्र/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् 4—

(1) श्रीमती ज्यूली पोर्टर।

(अन्तरक)

(2) श्री विठल हरीशचंद्र महाडीक।

(अन्तरितो)

(3) अन्तरिते। और कुटुंबीय। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

की यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपरित के अर्जन के अर्थ कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत त्यिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलेट नं० 14-ए०, आनद नगर, सिनलादेवी टेंपल रोड़, गाहिम, बम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम स० आई-2/37ईई/3888/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा विनांक 17-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−2, बम्बई

दिनांक : 13-8-1984

प्रकम बाइ. टी. एन , एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालवः, सहायक बायकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, वम्बई बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश स० आई-2/37ईई/3859/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य ?5,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 3, निर्माणाधीन इमारत में फ्लेट नं० एफ० गो० 839, टा० गो० एस० -- 4, कालेज लेन, अगर बाजार, दादर, वम्बई -- 28, में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रिजर्स्श है नारीख 12-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य में काम के इश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वनाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निवित में नास्तिक रूप से किया नदी किया गया हैं:—

- (45) अनसरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर्याने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ज्वाने में शुप्रधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार आधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त आधानयम. या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 271 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए रा छिपान यो स्वीवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च कौ उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखिस व्यक्तियों, अधीत :— (1) मेसर्स बी०ए० बेक्स्कर एन्ड ए० एम० ख्वाजा।

(अन्तरक)

(2) श्री घनस्याम अनंत मुलये, रवीन्द्र घनश्याम मुलये स्रोर गिरीश घनश्याम मुलये।

(अन्तरिती)

भो यह शूषना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिव् कार्यमाहियां करता है।

उपत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से
 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियां एक
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी
 अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए का स्कोंगे।

स्पट्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों कौर पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्युची

फ्लेट नं० 3, (निर्माणाधीन इमारत में), जी प्लाट एफ०पों० 839, टी०पी०एस०-4, कालेज लेन, काशीनाथ धुरु रोड़, अगर बाजार, दादर, बम्बई-28 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम नं० आई $\sim 2/37$ ईई/3859/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-8-1984

मोदर 😅

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, इलाका-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/8738/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पर्वभाष जित्र अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिमकी सं० पलेट नं० ए-23 क्विन्स पाक, जुहू रोड, सान्ताकुंज (पश्चिम), बम्बई-54 में स्थित है ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 8-12-1983

भी पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूकी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तविक कप से किथन नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ए'सी किसी काय था किसी धन या अन्य कास्तिमों को, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती खुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

अतः वात्र, उन्नतः अधिनियमं की धारा 269-गं के जनुसरण धाः, माः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-णं की उण्धारा (1) के अधीनः निम्नसिश्चितं व्यक्तियाँ, वर्षातः क्रिक्त

- (1) 1. श्रामता मोहिनो (राधाबाई) केऽ बालाना
 - श्री श्रीचंद बी० वाघवानी,
 ग्रीर कमलकुमार बी० वाघवानी।

(अन्तरक)

(2) श्री मुधीरचन्द गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारींख से 45 दिन को भीतार उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-नद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्नारा अभोहस्ताक्षरी को पास लिखित में अन्य किए जो सके गं!

स्थव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्द्रची

पलेट नं० ए० - 23, क्वीन्स पार्क, जुहू रोड़, सान्ताकुज (पश्चिम), बम्बई 400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-2/37ईई/3841/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-12-1983 की रजिस्ट कंकिया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 13-8-1984

मोहर 🏿

प्रकृप आहु", टी. एम. एस्. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) वो अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयवतर आय्**क्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 अगस्त 1894

निर्देश सं० अई-2/37ईई/3815/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैट नं० 102, पहली मंजिल, कमल कुज, बी० विंग, वीर सावरकर रोड़, माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है और जिसकी करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रों है तारीख 1-12-1983 की पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल, के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विक्रवास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्दुह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचत वां में वास्त्रिक रूप से करित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिध-नियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, अपि/या
- (स) एसी किसी भाग का किसी भन वा जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारताय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिए;

अत: शत, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के जन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (१) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अधीत :---- (1) मेसर्स खेमचन्द बा० कोठारा एण्ड कम्पना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लीना गीविन्द मेहता।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के सिए कार्यवाहिया करता हु।

उनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जालेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को अप्रोध या नरसम्बद्धी क्रिक्तिया पर सच्चा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्योकरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया द्वा है।

क्षन**स्**र

फ्लैट नं० 102, पहली मंजिल, "कमल कुंज", बी० विंग, प्लाट नं० 179, टी० पी० एस० \sim 2, माहिम,बीर सावर \sim कर मार्ग, बम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/3815/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनातः 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-8-1984

श्रुक्यः बार्दः टी. एत्. एस. -----

आयक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-ण (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज~2, बम्बई बम्बई, दिनाक 13 अगस्त, 1984

निर्वेश सं० अई--2/37ईई/3814/83-84--अन: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 45,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 757, दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 76-ए, है तथा जो गांधी नगर, बान्द्रा (पूर्व), बम्बई-51 में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिलित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रा है तारीख 1-12-1983 को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृष्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह त्रिस्वाम फरने का कारण है कि एथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं बधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिनी (अंतरिनीयों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाण प्रतिफल निम्निलित उद्बेष्य में उक्त अंतरण लिखन मा बास्तिक रूप में किया गया हैं:---

- (क) असरण से हुन्दं किसी आय की बाबस, उबस अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्सरक के द) प्रत्य में कमा करना का उससे बचने में सुन्धि। असे निए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्र, जिन्हों भारतीय आय-कर प्रीतियम, 1027 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया तथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने हों सविभा से लिए;

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रो बालकुष्ण जगन्नाय कुलकर्णी।

(अन्तरक)

(2) श्री विनय वा० आध्ये।

(अन्तरिती)

(3) अन्सरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

(4) श्रा रवा रामचन्द्रधाते।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधी-हस्ताक्षरं जानता है कि वह सम्पति में हिसबद्ध है)।

को यह मुखना जारी कारक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं

उपर मम्पाल क कर्मन के मबब में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, शो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तिया में में किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वास, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकारण: -- हमा प्रमुक्त अन्त्र शिर पदौ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्यी

पलैट नं० 757, जो दूसली मंजिल, बिल्डिंग नं० 76-ए०; गाधो नगर, अन्द्रा (पूर्व), वम्बई 400051 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/3841/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारोः महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. बम्बई

दिनांक : 13-8-1984

प्रस्पः भार्दः टी. एकः एवः -----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/9592/83-84--अत मुझे, लक्ष्मण वास,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट न० 60-61 में निर्माणाधीन इमारत में, प्लाट न० 103, पहली मंजिल, बामनवाडा रोड, सहार विलेज, ग्रंधेरी (पू०), बम्बई 400058 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है तारीख 8-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिषित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नामत उक्त जिक्किन नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या नलसे ग्रेजनों में स्विधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था ख्रियाने में सुविधा के सिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों- अर्थात् ह—— 45—256 GI/84 (1) मेसर्स नवभारत बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रां जी० लीसन कारव्हें को श्रीर श्रोमती लीला मेरी कारव्हें लो।

(अन्तरितो)

को मह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए गर्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- स्थावर किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स् ची

प्लाट न० 103, जो पहली मंजिल प्लाट न० 60-61, बामनवाडा रोड, सहार विलेज, (निर्माणाधीन इमारत में), ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/9592/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्ब**

विनांक : 13-8-1984

प्रकृष् नाइं.टी.एन्.एस.-----

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज−2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० प्रई-2/37ईई/9550/83-84--प्रतः भुक्षे, लक्ष्मण दास,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उन्तं मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं पलेट नं 3' बिल्डिंग ए-1, श्रकाल कोश्राप हाउसिंग सोसायटी, श्रंधेरी, (पूर्व), बम्बई-400099
में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप
से बाणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम
1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री हैं तारीख 8-12-1983
का पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गईं हैं और मुक्ते यह बिख्तास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार
मृज्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एक ध्रयमान प्रतिफल का
पंक्र प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(जन्तरितयाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तिकक कप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) बल्डरण ते हुई किसी शाम की बल्डत, उक्क विभिनियम के बभीन कार दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविचा के सिए; ज़रि/या
- (w) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) दें अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) मेससं भ्रोमेक्स विल्डर्स एण्ड कान्द्रेक्टर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री स्नारः पी० एम० नायर स्नौर उषा एम० नायर।*

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां गुरू क<u>र</u>ता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से फिसी क्यक्ति हुतारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित्त ब्रुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं.

नगृत्यो

पलेट न'० 3, जो, तलमाला (निर्माणाधीन इमारत में), बिल्डिंग-ए, अकाल को०-आपरेटिय हार्जीसंग सोसायटी, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-2/37ईई/9550/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 8-12-1983 को रजिस्टड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन -रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-8-1984

मोहरः

प्ररूप भार्दे. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० भ्राई-2/37ईई3953/83-84---भ्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्लाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 603, जमुना महल, प्रभात कालोनी, सान्ताकृज, बम्बई में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर ध्रधिनियम 1961 की धारा 269क, श्रा के ध्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रो है तारीख 29—12—1983

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उन्नित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति, ति की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिस्तियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) पुरेती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपान में सुविधा के लिए,

अतः अय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मेसर्भ जमनादास एम० चौकसी एन्ड एसोसिएटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती लताबेन श्रार० मास्टर।

(घन्तरिती)

कां गह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सप्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्सूची

फ्लेट नं० 603, जो, जमुना महल, प्रभात कालोनी, प्लाट नं० 73 (एफ० पी०नं० 70, टी०पी० एस०), सान्ताकुज (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० शाई-2/37ईई/3953/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-12-1983 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 13-8-1984

प्रकृपः बाइं. टी. एन. एस्. - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अधि 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत शहसाह

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजेंन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/3952/83-84—ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 403, जमुना महल, प्रभात कालोनी, सान्ताकुज (पूर्व), बम्बई में स्थित ह (ग्रीर इससे उपायक श्रमुची मे श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 28-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पण्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण् से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स विधिनियम की बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चे में सृविधा की सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ज्ञल अधिनियम, धा धन कर अधिनियम, धा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

भारा शम उपन अभिनियम की भारा 269-स के अनसरक मी. उदत अभिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्भ जमनादास एम० चौकसी एन्ड एसोसीएट्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री करुणाकर राज शेट्टी।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां पुरू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्भाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्भाग की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है

 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रकी

प्लाट नं० 403, जमुना महल, प्रभात कालोनी, प्लाट नं० 73 (एफ० पी० नं० 70, टी० पी० एस०,) सान्ताकुज (पूर्व), बस्बाई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि क्रम सं० ग्रई-2/37ईई/3952/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-12-1983 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, बस्बई

विनांक: 13-8-1984

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशका)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त, 1984

निर्देश स० जई-2/37ईई/39.36/83-84—अत: मुभे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० बी० 7, दूसरी मंजिल, सागर सरोतम को० आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 73-74, रिलीफ रोड़, मान्ताकुज (प०), बम्बई-400054 में स्थित ह (और इसके उपाबद अनुसूची में और पूर्ण क्य में बिणत ह) और जिसका करारनामा आयक्य अधिनियम 1961 की धारा 269 , ख के अधीन बम्बई स्थित सकम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 26-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पत्तुह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य के कमी करने या उससे वचने में सूबिधा के सिए: और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृनिधा के लिए;

अतः अवः अवतः विभिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण भीं, भीं, उकतं विभिनियमं की भारा 209 में की उपकार मा) के अभीन, निम्निविश्वित व्यक्तियों, वर्थात् क्रिक्ट (1) श्री शांतिलाल जे० शाह।

(अन्तरक)

(2) मयुर एन० कडा किया और शिल्पा एच० कडा किया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अक्षुध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० बी० 7, जो, दूसरी मंजिल, बी० विंग, सागर, मरोतम को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 73-74, रिलीफ रोड़, सान्ताकुज (प०), बस्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/3938, 83-84 और जो यशम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-12-1983 को रिजस्टिंड किया गया है।

> लक्ष्मण दास नक्षम श्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांज : 13-8-1984

मोहर

प्रकष् भाद्गै.टी.एन.एस.-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर नायक्त (निरीक्षण). अर्जन रेंज-2, धम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्वेश सं अाई-2/37 र ई 3892/83-84-अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 17, कलाकुंज सोसायटी, सबवे सान्ताऋज (प०), बम्बई-54 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्क अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है तारीख 19-12-1983

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विख्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिथक हैं और मंतरक (अंतरकों) मौर जंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) यंतरण वे हुइ' किसी नाय की नायत, उक्त अधिभित्रम के अभीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सविधा के सिए;

अतः अअः, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रीमती कुसुमलता लक्ष्मीकान्त वैद्य। (अन्तरक)
- (2) श्री नफोस अहमद आर० अली। (अन्तरिती)

को यह सुपना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**स से** 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दियां न्याह्रै ।

नन्त्वी

फ्लेट नं० 17, फलाकुज सोसायटो, सबवे, सान्ताऋज (प॰), बम्बाई-400054 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-2/37ईई/3892/ 83 – 84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनोंक : 13-8-1984

मोहर .

प्रकल बार्ड , दी. इन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

बारत बरकाइ

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जैन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 13 अगस्त, 1984

निर्वेश सं० आई-2/37ईई3866/83-84—अतः मुझें, लक्ष्मण वास

भागकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मूस्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 13, तलमाला, तीसरी लेन, गोलीबार डिलक्स को०आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सान्ताकुज (प०), बम्बई में स्थित है ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 15-12-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के असमाय प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्व उसके दश्यमान प्रतिकल से, एमे अस्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के नीच एसे अन्तरण के सिए तक पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चेष्यों से उक्त अन्तरण सिक्ति में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जनसरण से हुई किसी आय का बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कामी करने ये उससे बचने में सुनिका के निष्: और/मा
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिल्हां भारतीय आयकार अधिनियम, न 922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. जिल्हाने में युविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मोहनदास विशोनदास चचलानी।

(अन्तरक)

(2) श्री हरबिन्दर सिंह सेठी ग्रीप श्री मनमीत सिंह सेठी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों क्य सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्टि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिस्स गया हैं।

अनुसूची

फ्लेट नं० 13, जो तलमाला, तोसरी लेन, गोलीबार, डिलक्स को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सान्ता-कुज (पूर्व), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-2/37ईई/3866/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई ब्रारा दिनांक 15-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶2, बम्बई

दिनांक: 13-8-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2. बम्बई

बम्बई, दिनोक 13 अगस्त 1984

निर्वेश सं० आई-2/37ईई/3960/83-84—अतः मुझै, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 24 बी० ब्लाक् माया महल, पूरब पश्चिम की-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 17वां रास्ता खार, बम्बई-400052 में स्थित है भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकिन में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिया को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मृथिधा के लिए

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री गोविंद चंदुमल जिवनानी।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती कौशस्या रमेश सोभनानी श्रौर श्रीमतो मोना हरीण सोमनानी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितो

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की वविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधि में भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दा का., जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलेट नं० 24, जो, बो० ब्लाक, माया महल, पूरब पश्चिम को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटो लिमिटेड, 17वां रास्ता, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि कम सं० आई-2/37ईई/3960/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 13-8-1984

प्रसप बाहरी, टी एन एम, ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वता

भागत व्यास

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निजीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनाक 13 अगस्त, 1984

निर्देश मं० आई-2/3755/3917/83-84---अत: मृक्षे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुझे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) भीर अंतरिती व (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायिन्व में कमी करने या उससे बचने मा मृतिधा के लिए, और/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हां भारतीय सामकर अधिनियम, 1922 (1922 पा 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने को स्विधा को लिए;

अतः अब, टक्त अधिनियम का धारा 269-ग क अन्मरण के, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) है अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्रं किशनलाल कनोडिया।

(अन्तरक)

(2) श्रा बान् इफ्लेखार कुरेगो।

(अन्तरितो)

(3) अन्तरिनं

(बह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबप्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास हिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पब्दोकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं ० ६, जो, प्लाट न ० एन ० ए० / 89, पाला रोड़ भिगमंग रोड जंक्शन, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है। अनुसूच, जैसा कि कम सं अई-2/37ईई/3917/ 83-84 ग्रीर जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास् संक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनाक : 13--8-1984

मोहर :

प्ररूप बाइ टी.एन एम -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के डिटीन मुन्तरा

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक अध्वतर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 वस्वई

बम्बई, दिनाक 13 अगस्य 1984

निर्देण म० अई-2/37ईई/3902/83-84—अत मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'प्वन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र_{िसे अधिक हैं}

ग्रीर जिसका म० फ्लेट न० 11 द्सरी मंजिल, गरमख सागर को-ऑगरेटिव हाउमिंग सोपायटा लिमिटेड, 24/27वा राम्ता, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269क, ख के अवान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्दो है नारीख 18-12-1983

को पूबाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुक्ते यह विज्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल स, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में नारतिवक रूप से कथिन नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुइ कियी अप्य की बायत, उवन अधिनियम को अधीन कर दन के जन्तरव क र्रायत्व में अमी मर यस स्पाप भाष के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय ए किसी अन या अना सिनक ता, जिल्हें भरता. प्राप्त र (1922 का 11) या उन्हें र र र र र अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयत्ज-ग्रंथ रार्नामी दगान ता जा मिन्त . म अन न बिसा जाना चाहिए था ट्रिट में मिन त किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिस्ति व्यक्तियों अर्थात ---

(1) श्रेमत, हेमारीवाई एन० माथरानी।

(अन्तरकः)

(2) धा अञ्चाम एम० चुनावाला ग्रौर थीमन अटेका ए० चनावाला।

(अन्तरितो)

(3) अन्तरित, मार कुट्चय। (वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पति है)

का यह मचना जारा करक पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि. जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ावित्या मा मा जिल्ली व्यक्ति दवारा,
- (म) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरो के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसम पय्कत गव्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हागा. को उस अध्याय में दिया गया है।

अन् स्ची

परोट न० 11, जा, दूपर, मजित ग्रमख सागर को-ऑपरेटिव हाउमिंग मोसायटः निमिटेड 24/29वा रास्ता वान्द्रा बम्बई -400050 में स्थित हे।

अनम्च। जैसा कि कम सः अई-2/37 ईई/3902/ 83-84 श्रोण जो सक्षम प्राधिहारो, बम्बई द्वारा दिनांक 18-12-83 को रिजम्दर्ध किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राविकार। नडायक आयजर आय्वत (निराक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनानः 13 3-1984 साहर

प्रक्ष्य बाहै . टी . एन . एन . -----

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) का धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायत्र शायत्र शायत्रत (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 1 अगस्त 1981

निदेण स० राज श्रीसहा० आ० अजन/2461 अत मुझे मोहन सिह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसके स० मकात न 2050 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारे के कार्याद्ध्य, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-12-1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकान के जिए अनिस्ति का नहीं ही और एन पह विश्तास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एमं दश्यमान प्रतिफल का , पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अतरक (अतरकों) और अनिस्ती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रति-रण स्वार कर कर कर स्थान ही --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों नी, जिन्हों भारतीय अा-नय अधिनिया, ''
 (1922 का 11: द्रा जिन्न निर्धारण या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 ना 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिथान दं सुविधा के लिए;

(1) श्री पनातात पुत श्री मोतीलात बाठिया गोदपुत श्री होरालात तिवाम, 2054 चाकसू का चाक, राग्ना हाल्दयान, औहरी प्राजार, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) सैमर्स गारत प्राईवेट लिमिटेड, मित्रत भवन, हिन्मार्ग, सिवित लाईन, जयपुर।

(अन्तरिती)

स्व यह सूचना जारो करक प्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष्क कार्यवाहिया करता हां।

तक्त सम्पत्ति के वर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर ध्वाँक्त ध्वक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा
- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन वे भातर उक्त स्थावर सम्पोत्त में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पाम निस्तिक में भार का एकोंग

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त सब्दों और पदों का, जो उससे इपिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. यही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनस्यी

मकान नं० 2050, बाठिया भवन, हिन्दियो ना रास्ता जयपुरण्का अविभाजित आधानाम जो पणियक जयपुर द्वारा कम म० 2896 दिनाक 23-12-1983 पर पर्जाबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विनर्गोत है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायः आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात

दितांक 16-8-1984

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 13th August 1984

No. A 19014/3/84-Adm-1.—The President is pleased to appoint Shi R. S. Ghera a permanent Section Officer of the cadre of the Ministry of Communications, included in the Select List for Grade I of CSS for the year 1983 as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forencon of 4th August 1984, until further orders subject to para 2 of Deptt. of Personnel & ARs O.M. 4/14/83-CS(1) dated 4-1-1984.

No. 19014|4|84-Adm-I.—The President is pleased to appoint Shri Surendra Kumar an officiating Under Secretary in the Deptt. of Revenue, Ministry of Finance, included in the Select List of Grade I of CSS for the year 1983 as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of the 7th August 1984, until further orders subject to para 2 of Deptt. of Personnel & AR's O.M. No. 4|14|83-CS(1) dated 4-1-1984.

The 14th August 1984

No. A. 32011/1/83-Adm.-1. --The President is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission as Under Secretaries in the office of the Union Public Service Commission on ad-hoc basis as under:

SI, No.	Name of offic	er	Period of appointment
	. R. Madan . Iukul Chaterjee		From 3-7-84 to 30-7-84. From 3-7-84 to 30-7-84. From a period of 45 days w.e.f. 3-8-84 to 16-9-84 or till such time regular officers joins the post whichever is earlier.

The 14th August 1984

No. A. 32011/1/83-Adm. I The President is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries in Grade I of CSS on ad-hoc basis for a period of 45 days with effect from 13-7-84 to 26-8-84, or until further orders, whichever is earlier:

S. No. Name of the officer

- 1. Shri B. N. Arora, C.S.S.
- 2. Shri I. P. Tuli, C.S.S.
- 3. Shri K. L. Suri, C.S.S.
- 4. Shri B. D. Sharma, C.S.S.

The 24th August, 1984

No. A. 32014/1/84 (1)-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following Senior Personal Assistants (Grade—B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same cadre on adhoc basis for the period indicated against their names or until further orders, whichever is earlier:

SI. No. Name		Period	
1. Shri I. N. Sharma .	,	. 11-7-84 to 8-10-84	_
2. Shri Tarsame Singh		. 17-7-84 to 8-10-84	

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Private Secretary (Grade A of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade A of CSSS or seniority in that grade. Further, their appointment is subject to the approval of the Department of Personnel and Administrative Reforms.

No. A. 32014/1/84 (ii)-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following Personal Assistants of the CSSS Cadre of Union Public Service Commission as Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the period shown against their names—or until further orders, which ever is earlier:

SI	No.	Name		Period	Remarks
	S/Shr	i			
1.	но	Madan		13-8-84 to 8-10-84	Against regular va- cancy.
2.	V. P.	Mahajan		22-8-84 to 8-10-84	Do.
3.	R. P.	Dang		11-7-84 to 8-10-84	Vice Sh. I. N. Shar ma appointed as Private Secretary on ad-hoc basis
4.	Smt.	Saroj K. k	Capoor	17-7-84 to 8-10-84	Vice Sh. Tarsame Singh appointed as Private Sec- retary on ad-hoc basis.

- 2. The above mentioned persons should note that their appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade.
- 3. Their appointment is subject to the approval of the Department of Personnel and Administrative Reforms.

The 25th August 1984

No. A. 19011|3|84-Admn I.—The President is pleased to appoint Shri P. C. Hota, IAS (OR:62) to the post of Additional Secretary, Union Public Service Commission, in the scale of Rs. 2500—125|2—2750, in the office of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 17th August, 1984 until turther orders.

M. P. JAIN Under Secy. Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 4th September 1984

No. 2|1|83-Admn. -In partial modification of this Commission's Notification No. 2|1|83-Admn. dated 14-8-1984, the Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri J. C. Kapoor, a permanent Assistant as Section Officer in an officiating capacity in the Central Vigilance Commission with effect from the 14-8-1984 until further orders.

BRAHM DUTT
Under Secy. (Admn.)
I or Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 3rd September 1984

No. K-7166-AD.V.—Shii Krishan Narain, Deputy Legal Adviser, Central Bureau of Investigation, New Delhi on attaining the age of superannuation tetred from Government service with effect from the afternoon of 31st August, 1984.

The 5th September 1984

No. A|19036|14|76-AD-V. The services of Sri R. N. Mukherjee, Dy. Supermendent of Police in Central Bureau of Investigation are placed at the disposal of the Ministry

of Railways (Railway Board) New Delhi with effect from the afternoon of 31st August, 1984 for appointment as Dy. Director Vigilance (M) on deputation.

CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

No. 1-25|71-CFSL|7377.— Shri S. K. Dass Gupta Sr. Scientific Officer Gr. II relinquished charge of the office of SSO-II| C.F.S.L., New Delhi on the afternoon of 31-8-1984, on superannuation.

R. S. NAOPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi, the 21st July 1984

No.A.15013|3|79-Admn.—Consequent upon his reversion from foreign deputation to the Government of Kenya, Shri L. B. Panja, Extra Assistant Director has joined his duties in this Directorate w.c.f. 25-6-1984 (F.N.) after availing the joining time of 9 days. He was relieved from the Government of Kenya w.e.f. 16-6-84 vide their letter No. 001115|192 dated 19-6-1984.

B. K. DUBE Director Police Telecommunications

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110001, the 4th September 1984

No. 18/15/83-Adm. H.—In continuation of this Bureau's Notification of even number dated 18-8-1983 the period of deputation of Shri N. K. Lahiti as Dy. Supdt. of Police (Instructor), Central Detective Training School, Calcutta, is extended for a period of one year upto 19-6 1985 on the same terms and conditions.

S. K. MALLIK Director General

New Delhi-110001, the 3rd September 1984

No. 13|5|84-Admn.1.—The Director General, Bureau of Police Research and Development is pleased to appoint Shri Nand Lal, Inspector in this Bureau as Deputy Superintendent of Police on at his basis with effect from 3rd September, 1984 in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200|-, until further orders.

D. MAJUMDER Joint Assistant Director

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi, the 3rd September 1984

No. O. II-908 71-Fstt(CRPF).—Shri V. K. Khullar, Astt. Commandant expired on 5-7-84. He is accordingly struck of the strength of the force from 6-7-84 (FN).

M. P. JAKHMOLA Assistant Director (Estt.)

DIRFCTORATE GENERAL CLNTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 30th August 1984

No. F-16013(2) [4]84-Pers — On appointment on deputation Shii K. G. Gopal Kri.hna, IPS (TN:73) assumed charge at CISF HQrs., New Delhi in the totenomon of 16th July 1984 and was posted to CISF Unit SHAR Centre where he assumed charge of the post of Commander CISF Unit SHAR Centre with effect from the forenoon of 23rd July 1984.

The 1st September 1984

No. E-16013(1)|1|78-Pers-Vol II.—Reference Gazette of India Notification No. E-16013(1)|1|78-Pers dated 3rd August 1978 on the subject of deputation of Shri B. R. Sur, IPS officer of Manipur-Tripura Cadre as D16 in CISF, the President is pleased to appoint Shri B. R. Sur, IPS (M&T: 1954) as Inspector General in Central Industrial Security Force with effect from the forenoon of 10-7-1978 to 16-1983 in the pay scale of Rs. 2500-125|2-2750.

No. E-16013(2)|1|82-Pers.—Consequent upon his repatriation to State Cadre, Shi O. S. Singh, IPS (HP: 73) relinquished charge of the post of Commandant CISI Unit SHAR Centre with effect from the forenoon of 23rd July 1984.

No. E-38013(4)|18|83-Pers.—President is pleased to revert Shri R. P. Singh, Assistant Commandant (Ad-hoc) CISP Unit FBP Farakka to the rank of Inspector with effect from 30th August 1983, FN. On reversion as Inspector he has been posted to CISP Unit RSP Rourkela.

No. E-32015(3)|7|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri S. C. Laul, as Assistant Inspector General (Prov) Central Industrial Security Force HQrs New Deihi with effect from the afternoon of 22nd August 1984 on purely ad-hoc basis temporary for a period up to 26-9-84 or till such time regular appointment, are made, whichever is earlier.

The 4th September 1984

No. E-16013(2)[3]84-Pers.—On appointment on deputation Shri Pranay Sahay, IPS (M&T: 75) assumed charge at CISF HQrs Delhi in the forenoon of 13th August 84 and was posted to CISF Unit BCCL Iharia where he assumed charge of the post of Commandant CISF Unit BCCL Iharia with effect from the forenoon of 24th August 1984.

No. 32015(3)|5|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri M. M. Thapar, as Assistant Inspector General, Western Zone, Central Industrial Security Force, Bombay with effect from the forenoon of 16th August 1984 on purely ad-look basis and temporary for a period up to 26-9-1984 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(3)|6|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri K. K. Kaul, as Commandant CISF Unit HFC Barauni with effect from the forenoon of 17th August 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period up to 26-9-1984 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. F-320(5(3))8|84-Pers.—President is pleased to appoint thri S L. Praşad, as Commandant CISF Unit BCCL Jharia with effect from the forenoon of 17th August 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period upto 26-9-1984 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No F-32015(4)/f31 84-Pers.—President is pleased to appoint Shi B L Durani, on promotion as Assistant Commandant CISF Unit BCCl. Jharia with effect from the forenoon of 21st August 1984.

No. F-32015(4)|135'84-Pers.—President is pleased to appoint Shri C. K. Singh, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit Durgapur Steel Plant Durgapur with effect from the forenoon of 20th August 1984.

The 5th September 1984

No. E-16013[(3)]11[83-Pers —President is pleased to appoint Shri R. Balasubiamanyam, on promotion as Deputy Inspector General with effect from the forenoon of 17th August 1984 in the Central Industrial Security Force, on ad-hoc basis, in the pay scale of Rs 2000-2250, for a period of six months or till regular selection is made in terms of the recruitment rules, whichever is earlier.

Sd.;- ILLEGIBLE Director General CISF

1

S/Shri

54. Shii Jokhan .

55. Smt. C. C. Naik .

2

3

. A. G. (Audit) I, Mah.,

Do.

Bombay.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT-1) MAHARASHTRA

Bombay-400020, the 2nd June 1984

No. Admn. I/Audit/Genl./AAO/2 (1)/1. The Accountant General (Audit) I, Maharashtra, Bombay is pleased to appoint the following Section Officers, who have been allocated to the new Audit Office under the scheme of reorganisation of the Audit and Accounts Offices, to officiate as Assistant Audit Officers, with effect from 1-3-1984 Forenoon, until further orders

new Audit Office under the scheme	of reorganisation of the Audit	33. Smi. C. C. Ivaik	. 100.
and Accounts Offices, to officiate	-	56. Shri S. J. Sarmalkar .	Do.
with effect from 1-3-1984 Forenoo	•	57. Shri Baby John .	. Do.
With cheef from 1-3-1704 Forence	on, until futfiles (studies -	58. Shri S. J. Swamy	Do.
SI. No. Name of the Officer	Office to which parted	59. Shrí M. G. Sohoni	. Do.
51, No. Name of the Officer	Office to which posted	60. Shri M. M. Dhamankar .	. Do.
		61, Shri R. Santhana Krishnan	Do.
 Shri K. L. Mankar 	. A. G. (Audit) I, Mah.,	62. Shri D. A. Phatak	Do.
	Bombay	63. Shri S. D. Jaywant	. Do.
2. Shri R. B. Chaubal .	, Do.	64. Shri M. V. Deshpande .	. Do.
3. Shri V. N. Nargundkar	. Do.	65. Shri V. R. Rajwaday	
4. Shri N D. Pandit .	. Do.	66, Shii N. G. Choubal	. Do.
5. Shri A. S. Manoli	. Do.		Do.
6. Shri P. G. Joshi		67. Shri P. S. Karve	. D o,
	. Do.	68. Shri P. N. Kulkarnı	Do.
7. Shri M. G. Barwani	. Do.	69. Shri K. R. Shendye	. Do.
8. Shri Y. K. Nadkarni	. <u>D</u> o.	70. Kum. D. P. Bhayani .	. Do.
9. Shri S. B. Chitnis	Do.	71. Shri K. D. Patne .	. Do.
10. Shri M. D. Kusurkai .	. Do.	72. Shii R. N. Mulbagal .	. Dir. of Audit, S&CD,
11. Shri R. K. Limaye	. Do.		Bombay.
12. Shri V. S. Damle	. Do.	73. Shri S. V. Durve	. Do.
13. Shri R. A. Potnis .	. Do.	74. Shri Shrikrishna G. Joshi	Do.
14. Shri M. K. Barve	. Do.	75. Shri R. Vembu .	Do.
15. Shri M. S. Karandikar .	. Do.	76. Shri S. Sankaranarayanan	Do.
16. Shri K. N. Parvatkar	. Do,	77. Shri M. T. Phatak	. D o.
17. Shri G. R. Haridas	Do,	78. Shri K. V. Oak	
			. Do.
18. Shri J. L. Albuquerque .	. Do	79. Shri O. P. Srivastava	. <u>D</u> o.
19. Shri S. V. Deshpande	. Do.	80. Shri P. D. Menon	Do.
20. Shri D. R. Sardesai .	. <u>D</u> o.	81. Shri M. P. Haribarputhran	Dυ.
21. Shri S. G. Rege	. Do.	82. Shri R. K. Maladkar	Dir. of Audit, Central,
22. Shri S. U. Kamat	. Do.		Bombay.
Kum. S. Chengammal .	. Do.	83, Shri R. Vaidyanathan .	Do.
24. Shri R. Venketakrishnan	Do.	84. Shri B. R. Datar	Do,
25. Shri N. A. Sivaraman .	, Do.	85. Shri S. D. Patange	Do.
26. Shrl V. G. Deshpande .	. Do.	86. Shri S. V. Fegde	Do,
27. Shri D. B. Salkar	. Do.	87. Smt L. Sundarambal .	Do.
28. Shri M. G. Tol	. Do.	88. Smt, C. Anandovalli	Do.
29. Shri P. V. Yerandekar	. Do.	89. Shri V. Sankaranarayanan	Do
30. Shri K. D. Patleghar .	. Do,	90. Shri T. N. Venkatraman	Do,
31. Shi D D. Kulkarni .		91. Shri M. Y. Keni	
	Do.		Do.
32, Shri M. V. Sawant .	. Do.	92. Shri G. Ratnam	Po.
33. Shri D. M. Vartak	Do.	93. Shi V. S. Nawathe	Do.
34. Shri K. H. Mehta	Do.	94. Shi V. G. Surve	Do.
35. Shri P. N. Badlani .	. D ₀ ,	95. Shri R. P. Patil	Do.
36. Shri G N. Desai	Do.	96. Shri M. S. Ambekar .	Do.
37. Shri V. P. Lele	. Do.	97. Shri D. M. Khanolkar	Do.
38. Shri D. Ramachandran .	Do.	98. Shii M. J. Kande	Do.
39, Kum. S.C. Panjwani .	. Do,	99. Shri V. Stiniyasan	Do.
40, Shri S. D. Joshi	Do	100. Shri M. V. Warrier	Do,
41. Shri P. V. Gopalakrishnan	. Do,	101. S.V. Ramoure	Do.
42. Shri S. V. Karnik	. Do.	102. P.K. Patil	_
		103. M.B. Viswasrao	Do.
43. Shri P. P. Pimplikar	Do.		Do.
44. Shri M. M. Hirve	Do.	104. N.D. Jawali	Do.
45. Shri M. S. Murkar	. Do.	105. A.D. Natarajan	Do.
46. Shri D. Gee Verghese .	. Do.	106. M.Ş. Monghrajani	Do.
47. Shri B. S. Bane	Do.	107. M.V. Atro	Do.
48. Shri K. Radhakrishnan .	Do.	108. P.M. Karandikar ,	Do.
49. Shri V. K. Pandit .	Do.	109. V.P. Kulchandra .	Do.
50. Shri C. Natayanan	Do.	110. R.S. Hogde	Do.
· ·		III S.J. Kundnani	Do.
51. Shri P. K. Hulsogi	. Do.	112. C.M Krishnan	Do.
52. Shri Smech G. Joshi	. Do.	113. J.N. Marathe	Do.
53. Shri M. P. Gopalakrishnan	. Do.		
201 2011 111 1 2 2 parato materi		114. N. Joy Kutty	Do.

			3
1 2	3		
- - -	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		
		177 Shri K. G. Joshi .	A G. (Audit)-Il, Mah.,
115. Shri G.K. Nenc .	Dir of Audit, Central,	177 Bill R. G. Mail	Nagpur.
, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	Bombay.	170 01 2 14 15 75 -	
116. Shri S.S. Sankeshwar	Do.	178. Shri M. P. Daware	, <u>D</u> o.
		179. Shri R. Subramanian .	. Do,
117. Shri M.S. Sannabhadti .	Do.	180. Shri R. K. Shrivast wa	. Do.
118. Shri G. Narayanan .	D9.	181. Shri R. P. Deoras	, Do.
119. Shri D.G. Patil	Do.	182. Shri B. N. Bywar	Dυ.
120, Shi George Koshy	Do	183 Shri G. M. Matode	Do.
121. Shri T. Bhaskaran	Do.	184. Shri P S. Ogale	Do.
122. Shri Elizabeth Cherran	Do.	-	
	Do	185. Shri V. N. Joshi .	. Do.
123. Shri J.P. Bhakshi		186. Shri M.G. Fangde	, D o.
124. Shri J.A. Khan	Do,	187. Shri N.V. Godbole .	. Do.
125. Shri C.H. Shihani	Do,	188. Shri Syed Mansoor Ali	. Do.
126. Shri V.M. Kirkinde	Do.	189. Shri S. D. Bhide . ,	Do.
127. Shri Soman Zacharias .	Do.	190. Shri S. P. Joshi	, Do
128. Smt. Florie Iver	Do.	191. Shri V. M. Kalo	
129. Shri P.G. Nair	Do.		, Do.
		192. Shri M.A. Pendke	. D o.
130. Shri B.R. Deshpande	Do,	193. Shri M.D. Bhalerao .	. Do.
131. Shri K. Swaminathan .	Do.	194. Shri C.N. Doo . ,	. Do.
132. Shri G.G. Thakur	Do,	195. Shri T.P. Umap	Do.
133. Shri N.H. Pandurangi .	. Do	196. Shri K. Vijayanarasimhan	. Do.
134. Shri C.E. Sriniyasan .	, Do	197. Shri S.D. Ambaskar	. Do,
135. Shri S.S. Wadke .	Do,		
136 Shri B.S. Deshpande	Do,	198. Shri V. B. Jachak	. Do.
		199. Shri B.W. Lohitkar	, Do,
137. Shri R. Sundaresan .	. <u>D</u> o.	200. Shri C.G. Vaidyanathan .	. Do.
138. Shri V.D. Mavinkurve	Do.	201. Shri D.M. Joshi	. Do.
139. Shri N.S. Jamadar .	Do,	202. Shri S. K. Banerjee .	Do.
140. Shri M.B. Pathare .	. Do.	203. Shri M.N. Gadkari	. Do.
141, Shri B.D. Palav .	Do.	204. Shri D.K. Apto	. Do.
142. Smt. A.B. Roy .	Do.	205. Smt. P.P. Chandekar	
143. Shri K.C. Paluskar.	Do,	206. Shri D.B. Chafle	. Do. Do.
144. Shri R.G. Donde .	Do.	207. Shri V.M. Diwakar	. Do.
145. V.Т. Каbпоот	Do.	208. Shri A.R. Moghe .	. Do.
146. Shri S.S. Patil	Do.	209. Shri R.K. Parkhi	. Do.
147. Shri S.K. Raulgaonkau	Do.	210. Shri D.B. Deshmukh .	. Do,
148. Smt. S. Bhaskaran .	Do.	211. Shri S.V. Sule	. Do.
149. Smt. F.J. Karulkar.	. Do.	212. Shri N.B. Thakur	. Do.
150. Shrl R.D. Thakur	Do.	213. Shri P. B Watak	, Do.
	Do.	214. Shri P. S. Aparajit .	. Do.
151. Kum. Z.H. Gunja			
152. Shri N.R. Vyas	, <u>D</u> o.	215. Shri C.L. Narayan Rao	. <u>D</u> o.
153. Smt. C. Romadovi .	Do.	216. Shri K.P. Deodasan	. \mathbf{Do}_{i}
154. Shri S.R. Nair , .	. Do.	217. Shri C. Arvindakshan .	. Do.
155. Shri M.K. Ramachandran	, Do.	218. Shri S. V. Kulkarni .	. Do.
156. Shri N.K. Thecke lath .	Do.	219. Shri C.M. Poshwe .	Do.
157. Shri A. Viswanathan	. D o.	220. Shri V. K. Bhonsalo	Do.
158. Shri D.A. Banavali	. Do.	221. Shri G. S. Bakre	. Do.
		222. Shri B. R. Kale	
159. Shri R.G. Malwankar .	Do.		Do.
160. Shri Y. Samuel	Do.	223. Shri P. K. Marpattiwai	. <u>D</u> o.
161. Kum. S.D. Vaswani .	. Do.	224. Shri A.U. Karpate	. Do.
162. Shri L.S. Krishnan .	. Do.	225. Shti D.K. Dimanji .	. Do
163. Shri J P. Jagadish Ratnam	Do.	226, Shri W. N. Naik	. Do.
164. Shri K.G. Vijayadharan	. Do.	227. Shri W. G. Gundalwar	. Do,
165, Shri K.V. Khati .	Do.	228. Shri D.R. Shilledar .	. Do.
166. Shri V.M. Aswani		229. Shri S. L. Badgayya	
	. Do.	230. Shri S. A. Pitale	Do.
167. Shri S.K. Anjarlekar	. Do.		. Do.
168. Smt. Ramani C. Iyer	. <u>D</u> o.	231. Shri S. Ramachandra Iyer	. $\mathbf{\underline{D}}\sigma_{i}$
169. Shri K. T. Somasundaram	Ďο,	232. Shri D.Y. Hindanikar	. Do.
170. Smt. R. J. Ahluwalia .	. Do.	233. Shri H.K. Sawangikar .	Do.
171. Shri N.S. Jagzane	. Do.	234. Shri B.Y. Bujone	. Do.
172. Smt. K. Vijayalakshmi	. De.	235. Shri B.Y. Upadhye .	Do.
		236. Shri S.P. Deoras	Do.
173. Shri R. A. Bhide	. A. G. (Audit) II, Mah.,	237. Shri M.R. Shah	
	Nignur.	·	. Do.
174. Shri S. D. Kulkarni .	. D ».	238. Shri S.G. Doshpando .	, Do,
175. Shri S. M. Hatwalae .		239 Shri V.N. Janakiraman .	. Do.
	, Do.	240. Shri P.S. Tagalpalliwar	
176. Shri L. C. Shah	. Do.	2417, DHIII 1.17 TOBAIJ/AHWAI	. Do,

1	2		3	
241. Shri K.N. Moh			A.G. (Audit) II,	
242. Shri S.N. Joshi	(11)		Nagpur	
242. Shri S.N. Joshi 243. S.L. Mitra			Do. Do.	
244. Shri D.Y. Patki			Do.	
245. Shri A.J. Dawa	nde		Do.	
246. Shri R.B. Mang	nav Pe		Do.	
247. Shri L.D. Daut	khani	•	Do.	
248. Shri D.B. Jugac	lo		Do.	
249. Shri S.M. Shro			Do.	
250. Shri N.Y. Soitk			Do.	
25J. Shri A.W. Gok			Do.	
252. Shri G.P. Maha	khode		Do.	
253. Shri B.M. Dahi	kar		Do.	
254. Shri D.K. Kale	•		Do.	
255. Shri K.L. Telan	g ·		Do.	
 Shri M.D. Mish 	ηra		Do.	
257. Shri R.I. Badk	as		Do.	
258. Shri C.G. Atha	vale		Do.	
259 Shri V S. Moha	rikar .		Do.	
260. Shri Y.W. Path			Do.	
261. Shri K.T. Sangi	trao		Do. Do.	
261, Shri K.1, Sango 262, Shri M.B. Lung 263, Shri K.H. Pand	ge.	•	Do.	
			Do.	
264. Shri M.A. Anju	ını .		Do.	
265. Shri C.D. Toal 266. Shri R.L. Nerki			Do.	
265. Shr R.K. Alkar	a i ,		Do.	
268. Shri N. Balasub	. , ramaniat	· ·	Do.	
269. Shri B.J. Patwa	rdhan		Do.	
270. Shri V.K. Wam	orkar		Do.	
271. Shri C.S. Mane	kar		Do.	
272. Shri D.V Naik			Do.	
273. Shri A.K. Chan	dankhedi	э.	Do.	
274. Shri B.R. Pande			Do.	
275. Shri H.A. Bhish	nma		Do.	
276. Shri N.N. Bhat	wadekar		Do.	
277. Shri K.R. Tatki			Do.	
278. Shri C.V. Raipt 279. Shri R.N. Ramt	are		Do.	
279. Shri R.N. Rami	ekc		Do.	
280. Shri P.P. Anjan	каг.		Do.	/ Mah
281. Shri J.A Rocqu	16 .	•	A.G. (Audit) Bombay.	I, MILIL.,
282. Shri M.B. Koth	ekr .		\mathbf{Do}_{0}	
283. Shri C.K. Joshi			Do.	
284. Shri Y.D. Joshi			Do.	
285. Shri D.W. Gho	nge		Do.	
286. Shri S.N. Gores	gaonkar		Do.	
287. Shri Y. D. Shiv	ankar		Do.	
288. Shri S. B. Thak	re ,		Do.	
289. Shri M. K. Sag	deo		Do.	
290. Shri B. P. Fulze	ele .		Do.	
291. Smt. S. R. Nair	•		Do.	
292. Shri D. S. Rang	gn e kar		Do.	
293. Shri D. N. Bary	/c	•	Do.	
294. Shri K. L. Karr	nudi		Do.	
	hapakesai	n,	Do.	
295. Shri T. R. Panc				
296. Shri S. V. Ranze	kar		Do.	
296. Shri S. V. Ranze 297. Shri D. R. Boda	ekar 18		Do.	
296. Shri S. V. Ranze	ekar 18 1wani			

A. K. SITARAM Sr. Dy. Accountant General/ (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT), WEST BENGAL

LOCAL AUDIT DEPARTMENT

Calcutta-700 001, the 30th July 1984

ORDFR

No. I A Admn. Restruct | 946 | 142.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department. Shi Palav Roy Choudhary, Section Officer born, on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit), West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040|—with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.

2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No. LA Admn. Restruct | 946 | 143.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Rabindra Nath Das, Section Officer borne on the cadre of local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit), West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 | with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.

2. The conditions at the time of initial appointment|recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No. LA|Admn.|Restruct|946|144.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Sunil Kr. Bhattacharyya. Section Officer born: on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit). West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040|- with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.

2. The conditions at the time of initial appointment|recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No. LA|Admn.|Restruct|946|145.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Sunil Rumar Sarkar, Section Officer borne on the cadre of local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit), West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040|- with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.

2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No, LA Admn. Restruct 1946 1146.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department. Shri Nihi: Baian Barua, Section Officer born: on the cadre of Local Audit Department. Office of the Accountant General (Audit), West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Office; in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650:30-740-35-880-12B-40-1040|- with effect from the 29th

May, 1984, in the forenoon or any dute thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.

2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

- No. LA|Admn.|Restruct|946447.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Arun Kumar Sengupta, Section Officer born: on the cadre of local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit), West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040|- with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.
- 2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No. I.A|Admn.|Restruct|946|148.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Sudhangu Rakshit, Section Officer borne on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit). West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040!—with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.

2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No. LA|Admn.|Restruct|946|149.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Bario Baran Mukherjee, Section Officer borne on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit), West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-1040|- with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.

2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No. LA|Admn.|Restruct|946|150.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Sila Prasad Pramani Section Officer borne on the cadre of Local Audit Department. Office of the Accountant General (Audit), West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rc 650-30-740-35-880-FB-40-1040|- with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumed assumed as Assistant Audit Officer.

2 The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No JA|Admn.|Restruct|946|151.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department Shri Birendra Nath Bataryal, Section Officer 47-256GU84

borne on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit), West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-10401- with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.

2 The conditions at the time of initial appointment/recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis

ORDER

No. LAlAdmn. Restruct | 946 | 152.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Gopal Chandra Dhali, Section Officer borne on the cadre of Local Audit Department. Office of the Accountant General (Audit). West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-880-FB-40-10401- with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer

2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No. LA[Admn.|Restruct|946|153—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department. Shri Basunder Basu, Section Officer borne on the cadre of Local Audit Department Office of the Accountant General (Audit). West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-880-FB-40-1040|- with effect from the 29th May. 1984. In the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer

2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No. I A Admn. Restruct | 946 | 154 — Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Kalidas Chatterjee, Section Officer borne on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit). West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-880-FB-40-1040|- with effect from the 29th May. 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed lassumes charge as Assistant Audit Officer

2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No LA Admn Restruct 9461155.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department. Shri Pankaj Sarkar. Section Officer borne on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit), West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating canacity in the scale of pov of Re 650-30-740-35-880-FB-40-1040], with effect from the '9th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer

2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No. LA|Admn | Restruct|946|156.— Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department. Shri Becharam Bera, Section Officer Office of the Accountant General (Audit), West

Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040|- with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumed assumed as Assistant Audit Officer.

2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

- No. LA|Admn.|Restruct|946|157.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Dinesh Chandra Barman Section Officer borne on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit). West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040|- with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.
- 2. The conditions at the time of initial appointment|recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

- No. I.A|Admn.|Restruct|946|158.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Jyotish Chandra Roy, Section Officer borne on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit). West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040|- with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.
- 2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

- No. LA|Admn.|Restruct|946|159.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Krishnadas Bandopadhyay, Section Officer borne on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit). West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pav of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040|- with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.
- 2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

- No. LA.Admn. Restruct | 946 | 160.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Md. Ayual Haque, Section Officer Grade borne on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit). West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-PB-40-1040|—with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.
- 2. The conditions at the time of initial appointment/recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No. LA|Admn.|Restruct|946|161.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department. Shri Arun Kumar Roy, Section Officer Grade borns on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit), West, Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040|- with effect from the 29th

- May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumed assumed as Assistant Audit Officer.
- 2. The conditions at the time of initial appointment|recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

- No. LA Admn. Restruct | 946 | 162.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Amalenda Shekhar Paul, Section Officer borne on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit), West Bengul, 13 appoint d again thigher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 | with effect from the 29th May, 1984 in the foreneon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.
- 2. The conditions at the time of initial appointments reconitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

- No. LA|Admn.|Restruct|946|163.—Consequent upon the Restructuring of cardres in the Indian Audit and Accounts Department. Shri Romesh Ch. Adhikari, Section Officer borne on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit), West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating caacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer
- 2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

- No. LA|Admn.|Restruct|946|164.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Damodar Saha, Section Officer borne on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit), West Bengal. is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pav of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.
- 2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

- No. LA|Admn.|Restruct|946|165.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department. Shri Ranjit Kumar Manna, Section Officer borne on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit). West Bengal. is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 with effect from the 29th May. 1984. in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.
- 2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No. LA Admn. Restruct | 946 | 166.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Jagdish Ch. Kundu, Section Officer borne on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant

Audit Other in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-/40-35-880-EB-40-1040] with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.

2. The conditions at the time of initial appointment rectainment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No. LA|Admn.|Restruct|946|167.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shi Mohan Ch. Ender, Section Officer bothe on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit), West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-10-40|- with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.

2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No. LA|Admn.|Restruct|946|168.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Satya Sadhan Sarkar, Section Officer boing on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit), West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040|- with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.

2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No. LA|Admn.|Restruct|946|169.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Rabindra Nath Sinha, Section Officer borne on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit), West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040|- with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.

2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No. LA|Admn.|Restruct|946|170.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Gour Gopal Basak, Section Officer borne on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit), West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040|- with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.

2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No. LA Admn. Restruct 946 171.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Ashok Kumar Ghose, Section Office barne on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit), West

Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an omerating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-40-55-880-EB-40-1040|- with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon of any date thereafter, onwhich he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.

2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No. LA|Admn,|Restruct|946|172.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shii Nihar Ranjan Chatterjee, Section Officer bothe on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit), West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-/40-35-880-LB-40-1040|- with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer

2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No. LA|Admn.|Restruct|946|173.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Brojendra Nath Paul, Section Officer borne on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit), West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040|- with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.

2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No. LA|Admn.|Restruct|946|174.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Moloy Kumar Sarkar, Section Officer borne on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit), West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040|- with effect from the 29th May, 1984 in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.

2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No. LA|Admn.|Restruct|946|175.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Manik Kumar Sarkar, Section Officer borne on the cadre of Local Audit Department, Office of the Accountant General (Audit), West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040|- with effect from the 29th May, 1984 in the forenoon or any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer.

2. The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

ORDER

No. LA|Admn.|Restruct|946|176.—Consequent upon the Restructuring of cadres in the Indian Audit and Accounts Department, Shri Dilip Kumar Chakrabarti, Section Officer

borne on the cadre of Local Audit Department-Office of the Accountant General (Audit), West Bengal, is appointed against higher scale of Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740 35-850 EB-40-1040] with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon of any date thereafter, on which he actually assumed assumes charge as Assistant Audit Officer

2 The conditions at the time of initial appointment recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis mutandis

R CHANDRASEKARAN Accountant General (Audit) West Bengal

OFFICE OF THE DY DIRECTOR OF ACCOUNTS (POSTAL) KAPURTHALA

Kapurthala, the 6th September 1984 NOTICE

No Admn A VI Doscip Sukhjinder Singh 986—Shri Sukhjinder Singh So Sh Gurbanta Singh while working as Daftry in this office remained on unauthorised absence since 24-1-84 and failed to receive any of the official communications sent to him at his last available address. After following the necessary disciplinary proceedings under the Departmental Rules as contained in the C.C.S. (C.C.A.) Rules 1965, Sh Sukhjinder Singh has been finally removed from service we t 9-7-84 AN and the order of his removal from service was sent to him at his last available address in the office As the Registered cover containing the above order of removal of the said official from service sent to him at his available address has also been received back undelivered, it is hereby notified that Shri Sukhjinder Singh, Daftry So Sh Crurbanta Singh stands removed from service with effect from 9-7-84. AN

R. P SEHGAI Accounts Officer (Postal)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE

CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi 110 066, the 31st August 1984

No. AN II 1720 5 I.—The President is pleased to permit Shri V Narayanaswami, an officer of the Indian Defence Accounts Service, to voluntarily retire from Service with effect from 5th July 1984 (AN) under the provisions of Rule 48-A of the Central Civil Services (Pensions) Rules, 1972

A. K. GHOS
Addl Controller General of Defence Accounts (Admr.)

MINISTRY OF DEFENCE DGOF HEADQUARTERS CIVIL SERVICE ORDNANCE FY BOARD

Calcutta-69, the 1st September 1984

No 15|84|A|E-1(NG).—On attaining the age of super annuation the following officers retired from service we f 31-8 84(AN) :—

- 1 Shri Jagadish Chandra Ghosh, Offg Assistant Staff Officer, (Subst and pmt Assistant)
- Shri Monogopal Kundu, Offg Assistant Staff Officei (Subst and pmt. UDC).

DDGOF|Personnel

ISPAT AUR KHAN MANTRAI AYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta 700016, the 1st September 1984

No 6187B[A-32013(2-GJ(I)]78]19B,—Consequent upon his permanent absorption to Defence Electronics Research Labors-

tory, Shri Jagdish Prasad, Asstt, Geophysicist (Insttn.), S. R., GSI has tendered resignation from the post of Asstt Geophysicist (Insttn.) of this Deptt wef 30-3-83 (A[N]).

A. KUSHARI Director (Personnel) for Director General

Calcutta-16, the 30th August 1984

No 6167B|A-19012(4-SS)|84-19B — Shri Surjit Singh, Si Tech Assit (Drilling) in the Geological Survey of India is appointed on promotion to the post of Driller in the GSI by the Director General, GSI, on pay according to rules in the scale of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 4th July, 1984, until further orders

A KUSHARI
Director (Personnel)
Geological Survey of India

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta 700016, the 3rd September 1984

No 4-204|84|Estt —Shri N N Kundu, Research Associate (Cultural) is appointed to the post of Assistant Anthropologist (Cul) Group-B (Gazetted) in the scale of Rs 650 1200|- in this Survey at North East Regional Office, Shillong in a temporary capacity with effect from the forenoon of 11th July, 1984, until further orders

No 4-205|84|Esttt—Shri M I Khan, Research Associate (Cultural) in the Anthropological Survey of India, is promoted the post of Assistant Anthropologist (Cultural), Group-B (Gazetted) at the A & N Regional Office, Port Blair in an officiating capacity with effect from the forenoon of 14th August, 1984 until further orders.

A. K DAS GUPT Administrative Officer

DIRICTORATI GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 30th August, 1984

No 17/7/84-S-IV—Co is equant upon their promotion, the undermentioned Sonior Engineering Assistants have assumed charge of the post of Assistant Engineers in ad-hoc capacity at different offices of AIR/Doordatshan from the date shown against each :—

S No	Namo	Station	Date of joining	
	S/Shri			
1	B K Sharma	DDK, Now Dolhi	26-7-84	
2	H Dharamaraja Iyer	AIR, Bangalore	(F N) 27-7-84	
3	V C Chacko	AIR, Alleppey	(F N) 23-7-84 (F N)	
4	V P Akhil	Doordarshan Relay	21-7-84	
5	C N Krishnamurthy	Kondra Udaipur DDK, Bangalore	(F N) 30-7-84	
6	P U V Bhattathiripad	DDK, Bombav	(F N) 10-7-84	
7	S Swaminathan	CE (S), AIR	(F N) 31-7-84	
8	Gurdarshan Lal	Madras DDK, Jalandhar	(F N) 29-7-84 (F N)	

MARKS N ELIAS

Dy Dir. of Admn (E),

for Director General

New Delhi, the 1st September 1984

No. 10|3|61-S11|2.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Sh. R. M. Rastogi, Accountant, Inspection Unit, Directorate General, All India Radio, New Delhi to officiate as Administrative Officer, Alk, Imphal on ad hoc basis with effect from the 9th August 1984 until further orders.

2. Sh. Rastogi assumed charge of the post at AIR, Imphal on the same date.

MOHAN FRANC Deputy Director Administration for Director General

New Delhi-1, the 3rd September 1984

No. 4(9)|84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Vijayaraghavan as Programme Executive at All India Radio, Trivadrum in a temporary capacity with effect from 13th July, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(14)|84-Si.—The Director General, All India Radii hereby appoints Smi Zusangzela Haamte, as Programme Executive at All India Radio, Aizawl in a temporary capacity with effect from 10th July, 1984 and until turther orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(21) 84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Hrushikesh Panda as Programme Executive at All India Radio, Jeypore in a temporary capacity with effect from 13th August, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(22)|84-SI.—The Director General, All India Radio Inteby appoints Shri Mohd. Tariq as Programme Executive All India Radio, Gorakhpur in a temporary capacity with theel from 20th July, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(26)|84-Sl.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri A. R. Marak as Programme Executive at All India Radio, Shillong in a temporary capacity with effect from the alternoon of 31st May, 1984 and until further orders in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(47)[84-SI.—The Director General, All India Red hereby appoints Shri Sarwat Usmani as Programme Executive. Radio Kushmir, Sringgar in a temporary capacity with effect from 25th June 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200

No. 4(62)|84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri G. S. Autee as Programme Executive, All India Radio, Jalgaon in a temporary capacity with effect from 6th August, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

The 5th September 1984

No. 4(24) 84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri R. Bharathadri as Programme Executive at all India Radio, Bangalore in a temporary canacity with effect from 13th August, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(31)|84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Sunita Jayant Patwardhan as Programme Executive, All India Radio, Pune in a temporary capacity with effect from the afternoon of 23rd July, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200,

No. 4(48) 84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri R. Vimalasenan Nair as Programme Executive at All India Radio, Calicut in a temporary capacity with effect from 30th July, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-880-40-1000-LB-40-1200.

No 4(49) 84-81.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Abani Ranjan Pathak as Programme

Executive of CBS, AIR, Calcutta in a temporary capacity with effect from 17th July, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(56)|84-S1.—The Director General, All India Radio hereby appeints Kuro, Chongthan Sheela Devi as Programme Executive at All India Radio, Imphal in a temporary capacity with effect from 25th July, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

H. C. JAYAL Dy. Director of Administration for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 18th August 1984

No. A-12026/2/83-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Tarsem Singh, a Technical Assistant (Models) in the Directorate of Advertising and Visual Publicity to officiate as Senior Artist on ad-hoc basis in the same organisation w.e.f. 6-8-1984 (Forenoon) until aurther orders.

G. P. BHATTI Deputy Director (Adm.) 10r Director of Advertising and Visual Publicity

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF FOOD) NATIONAL SUGAR INSTITUTE

Kanpul, the 3rd September 1984

No. A.19012|27|70-Estt.|4723-29.—The undersigned is pleased to accept the resignation of Shri Syed Usman Ahmed from the Group 'B' post of Junior Technical Officer (Sugar Technology) in the National Sugar Institute, Kanpur consequent upon his appointment to the post of Assistant Professor of Sugar Technology in the grade of Assistant Professor of Sugar Technology|Senior Technical Officer (Sugar Technology)|Senior Research Officer (Gur & Khandsari) in the same Institute w.e.f. the forenoon of 6-8-1984.

RAM KUMAR Director

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTURATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 4th September 1984

No. A.19023[9]81-A-III.—The ad-hoc appointments of the following officers to the post of Marketing Officer (Group 1) have been extended for a further period of six months with effect from 1-7-1984 or till the posts are filled upon regular basis, whichever is earlier:—

- 1. Shri N J. Pillai, Marketing Officer, Guntur.
- 2 Shri F. S. Paulose, Marketing Officer, Faridabad

J. KRISHNA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 31st August 1984

No. R|897|Sec|Estt.II[4074.—Shri Thenkurissi Vella Pulli Rajan relinquished charge of the post of Security Officer on 31-7-1984 AN consequent on Superannuation.

R. C. KOTIANKAR Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY ATOMIC MINERALS DIVISION

Hvderabad-500016, the 3rd September 1984

No. AMD-16]3|82-Rectt.Vol.II.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby extends the officiating appointment of Shri K. M. Kaushik, a permanent Assistant, Atomic Minerals Division as Assistant Personnal Officer, on ad-hoc basis in the same Division from August 11, 1984 to August 24, 1984 vice Shri S. N. Sachdeva, Assistant Personnel Officer granted extension of leave.

S. Y. GOKHALF. Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560 017, the 26th July 1984

No. 020[1(005)]84(509).—The Director regrets to announce the death of Shri D. S. Rajendra, Scientist Engineer SB, in the ISRO Satellike Centre of Department of Space at Bangalore of 24-03-1984.

H. S. RAMADAS Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 5th September 1984

No. A.11019|1|77-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of undermentioned officers in the grade of Hindi Officer for a further period from 1-5-1984 to 29-6-1984:—

- 1. Shri B. R. Rajput
- 2. Shri Brij Raj
- 3. Shrl S. P. Sharma

Assistant Director of Administration for Director General of Civil Aviation

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Bhubaneswar, the 5th September 1984

No. 6|84.—Shri Ajit Kumar Sengupta is appointed to Officiate as Administrative Officer in the Scale of Pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- plus allowances as admissible under the Rules with effect from 11-6-84.

Sd.|- ILLEGIBLE
Deputy Collector (P&E)
Central Excise & Customs

DIRECTORATE GENERAL (WORKS) CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 3rd September 1984

No. 27-E|G(28)|69-ECII.—The President is pleaesd to accept the voluntary retirement notice dated 30-5-84 served by Shri R. K. Gupta, Executive Engineer (Civil), presently working as E.O. to Chief Engineer (Eastern Zone), C.P.W.D., Calcutta and accordingly retire him from Government service with effect from 1-9-1984 (forenoon) under F.R. 56 (k).

2. This issues with concurrence of the Ministry of Works & Housing vide their U.O. No. 1313|84|SR, dated 10-8-84.

NANAK SINGH Dy. Director of Adma.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Vistasonic Private Ltd

New Delhi, the 24th August 1984

No. 5769|21955.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Vistasonic Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

H. S. SHARMA Add. Registrar of Companies Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Medicines Sales Private Limited

Kanpur, the 1st September 1984

No. 4691-LC|71000.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Medicines Sales Private Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

V. P. KAPOOR Registrar of Companies, U.P Kanpur

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Asia Electric Lamp Company Private Limited

Calcutta, the 5th September 1984

No. 9802;560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Asia Electric Lamp Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Madan & Co. (Paper) Private Limited

Calcutta, the 5th September 1984

No. 19215|560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Madan & Co. (Paper) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Chatterjee Health Services Private Limited

Calcutta, the 5th September 1984

No. 28329 560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Chatterjee Health Services Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bani Malancha Private Limited

Calcutta, the 5th September 1984

No. 24305|560|(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bani Malancha Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Commercial Polymech Private Limited

Calcutta, the 5th September 1984

No. 28333 560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of Commercial Polymech Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Form Coke (India) Private Limited

Calcutta, the 5th September 1984

No. 31829[560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Form Coke (India) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is discover.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Hira Marketing Private Limited

Calcutta, the 5th September 1984

No. 26926|560(5),—Nolice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Hira Marketing Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Hindusthan Timber Industries Private Limited

Calcutta, the 5th September 1984

No. 24766|560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that

the name of Hindusthan Timber Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Neel Sugar Farms Private Limited

Calcutta, the 5th September 1984

No. 30793|560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Neel Sagar Farms Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sanjay Petro Chemical Works Private Limited

Calcutta, the 5th September 1984

No. 27743 560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Compaines Act, 1956, that the name of Sanjay Petro Chemical Works Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sumesh Private Limited

Calcutta, the 5th September 1984

No. 30137|560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sumesh Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dssolved.

H. BANERJEE Assistant Registrar of Companies. West Bengal

-- ----

7 - _ . -7---2 FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 21st August 1984

Ref. No. AR-IV|37-G|7|84-85.--\Vhereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

S. No. 26 I Part C.T.S. 79, Davage Wadi, Dattapada, Road, Megthana Village, Opp. Special Steel, Borivli (East), Bombay-66, situated at Borivali (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-12-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Bhiku Bhagaji Davage.

(Transferor)

(2) Chemox Exports Imports Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee and Tenant. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered No. 2930|83 and Registered with the Sub-Registrar, Bombay on 2-12-1983.

a. prasad Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 21-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-FAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 21st August 1984

Ref. No. AR-JV[37-G]62[84-85] - Whereas I. A PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0001- and bearing No.

Survey No. 208, H. No. 2 (Part), C.T.S. No. 2246 (part) land at Village Fl.sar Tal Borivil m

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 6-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration increfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

48--256GI|84

- (1) J Smt Shantibai Ramchandia Mhatre
 - Kisan Ramchandia Mhatre
 Mrs Leelabai Kisan Mhatre
 - 4. Mrs. Chandrabha Baburao Gaw ade
 - Deepa Alias Damvanti Kisan Mhatre
 - Haieshwai Ramchandra Mhatre
 - Mis, Vantabai Hateshwar Mhatre 8 Kishore Hareshwar Mhatio
 - Rohini Hareshwar Mhatre
 - 10 Bhawana Hareshwar Mhatre Lolit Alias Larmikant Hareshwar Mhatre
 - 12 Bhakti Hareshwar Mhatre
 - Ramakant Ramehandra Mhatre
 - 14. Mrs. Mandhabai Ramakant Mhatte 15 Samir Alias Kapildev Ramakant Mhatre
 - 16. Smt Radhabai Tarachand Mhatre.

 - 16. Smt Radhabai Tarachand Mhatre.
 17. Nandanath Tarachand Mhatre.
 18. fayprakash Tarachand Mhatre.
 19. Padmakar Tarachand Mhatre.
 20. Madhukar Tarachand Mhatre.
 21. Mrs. Pramila Vasant Patil.
 22. Mrs. Chandrabhaga Dwarkanath Patil.
 23. Mrs. Kamlabai Kashinath Patil.
 24. Mrs. Bhimabai Lagannath Patil.
 25. Mrs. Dwarkabai Motira Patil. and.
 26. Mrs. Dwarkabai Motiran Patil.
 27. Fksar Village. Borivli (West).
 28. Pombay-400 092

Pomboy-400 092

(Transferor)

(2) 'Sunshine' State Sector Bank Employees Co-op. Hisg. Society I td

(Transferee!

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI ANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered No. 1166 82 and Registered with the Sub-Registrar, Bombay on 6-12-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 21-8-1984

Sepl :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No. AR. 1|37FE|1079|83-84.—Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Market, Bombay-34.

Rs. 25,000|1 and bearing No.

Flat on 1st floor of the building known as Parkhouse, Annexe of Kismat Parkhouse Co-op. Hsg. Soc., Wodehouse

Road, Colaba

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 12-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Aspi Feredoon Iranı Parvız Aspi Irani.

(Transferor)

(2) 1. Bharti Madhu Bhojani

Naresh Kantilal Thakkar
 Khalid Abdul Hamid Badshah

4. Mehmood Yusul,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever punied expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on the 1st floor of the building known as 'Parkhouse' Annexe of Kismat Parkhouse Co-op. Hsg. Soc., Wodehouse Road, Colaba, Bombay-5.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR. I|37EE|1229|83-84, dated 12-12-1983,

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-8-1984

- 1 W

22511

FORM ITNS-

(1) Mis Gundecha Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhatia Family Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref AR. I[37EE,1216]83-84.—Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing Hat No. 32, Wing D on 3rd floor, Mamata Apartment, Plot

No. 926, T.P.S. No. IV, Mahim Area, New Prabhadevi Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 12-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovvable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- haptanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

THE SCHEDULE

Flat No. 32, Wing D on 3rd floor, Mamata Apartment, Plot No. 926, TPS No. IV, Mahim area, New Prabhadevi Road, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. I|37EE|1234|83-84, dated 12-12-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-8-1984

FORM ITNS

(1) Mrs Rajkumari B Nagpal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis R. Dinesh & Co.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st sugust 1984

No. AR 1/37EF 1536 83-84 - Whereas I, Ref \ 1 AHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) heremafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable representative having a few popular agencies. By 25,000/ property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

Office No. 419-A, 4th floor Bombay An-Condition Market, Bombay-34

22512

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer it Bombay on 13-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concerlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

-The terms and expressions used herein as EXPLANATION are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as g. en in that Chapter.

THE SCHEDULE

No 419-A, Office 4th floor Bombay Air-Condition Market Bombay-34.

The Agreement has been registered Competent Authority, Bembay under No AR. I 37EE 1235 83-84, dated 13-12 1983

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initial proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subjection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

Date . I-8 1984 Sea1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No AR-I/37EE/1390/83-84.—Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/and bearing No.

Office No. 114, 11th floor 'Mittal Court' B-Wing, Backbay Reclamation Scheme, Nariman Point, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 13-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bharat Ratanchand Jhaveri M's Dresp Gems.

(Transferor)

(2) Shri Ramanbhai H. Patel. Shri Gautam R. Patel.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 114, 11th floor, 'Muttai Court', B Wing, Back-bay Reclamation Scheme, Nariman Point, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/1069/83-84, dated 13-12-1983.

A. I.AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. E. N. Shahani & Mr. S. S. Aligali Nathan,

(Transferor)

(2) Mrs. Yasmin Ravi Menon & Mr. P. Ravi Menon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No. AR. 1|37EE|1433|83-84,-Whereas, 1.

A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 64, 6th floot, Venus Apartments of The Florence Co-op. Hsg. See Ltd., Altamount Road, Bombay-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer

transfer with the object of :-

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the conctalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Flat No. 64, 6th floor, Venus Apartments of The Florence Co-op. Housing Soc., Ltd., Altamount Road, Bombay-26.

The Agreement has been registered Authority, Bombay under No. AR. 1|37EE|1072|83-84, dated 12-12-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-8-1984

(1) M/s. Suresh Stationery Mart.

mey be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Ms. Bonus Knit Wear,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No. AR. I/37EE,1435/83-84,---Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Industrial Unit No. 143 on the 1st floor in 'Shah & Nahar Ind. Estate A-1 at Dhaniaj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 143 on the 1st floor in Shah & Nahar Ind. Estate A-1 at Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400 013.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. I|37EE|1125|83-84, dated 12-12-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 1-8-1984

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMRAY

Bombay, the 1st August 1984

No. AR. I[37EE]1452[83-84.-Whereas, L Ref. A. LAHIRI.

A. LARIKI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Shop No. 10, Ground floor, Mahaveer Apartments, Tardeo Road, Bombay-7 (and more fully described in the Schedule appayed hereta)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-12-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, on respect of any income arising from the transfer; NDG /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mls. Vardhar Builders.

(Transferor)

(2) Bombay Subscription Agency. Prop. Saramal P. Jain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

to the second se

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, Ground floor, Mahaveer Apartments, Tardeo Road, Bombay-7.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. I|37EE|1070|83-84, dated 12-12-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pange-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-8-1984

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mis. Veena Beena Enterprises.

(2) Mr. Naresh Balubhai Gohil.

(Transferor)

(Transferee)

(3) Shri Narcsh B. Gohil.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No. AR. I|37EE|1455|83-84.—Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'raid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Flat No. 2 on ground floor in D Wing in Veen Beena Apartments at Acharya Dhonde Maig, Sewri (W) Bombay-15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

Authority at
Bombay on 3-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by morthen fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely *--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on ground floor in D Wing in Veena Beena Apartments at Acharya Dhonde Marg, Sewri (W), Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. I|37EE|1110|83-84, dated 12-12-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-8-1984

Scal

49-256GI 84

(1) M|s. Prabhudas Dalichand & Co.

(Transferor)

(2) Mr. Lalitkumar K. Shah. Mrs. Shobha Nanji Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No. AR. I|37EE|1456|83-84.-Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 15,000/ and bearing

Industrial Unit No. 119-A on 1st floor of Milan Industrial Estate, Cotton Green, Bombay-33.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Industrial Unit No. 119-A on 1st floor of Milan Industrial

Estate, Cotton Green, Bombay-400 033.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 137EE 1151/83-84, dated 3-12-1983.

(b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-8-1984

Seal:

(1) M/s. D K. Madhav & Sons

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No. AR. 1|37EE|1458|83-84,--Whereas A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Office No. 318, Rex Chambers Premises Co-op. Soc. Ltd., Walchand Hirschand Mars. Ballard Estata. Bambay 28

Walchand Hirachand Marg, Ballard Estate, Bombay-38 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of kay income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(2) M.s. Shreeram Clearing & Forwarding Agency. (Transferce)

(3) Rex Chambers Premises Co-op. Society Ltd. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 318, Rex Chambers Premises Co-op. Soc. Ltd., Walchand Hirachand Marg, Ballard Estate, Bombay-400 038.

The Agreement has been registered Authority, Bombay under No. AR. I|37EE|1067|83-84, dated 3-12-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-8-1984

FORM ITNS----

(1) French Dyes & Chemicals (India) Pvt. Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri H. G. Kakade.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri H. G. Kakade. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

Bombay, the 1st August 1984

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

No. AR. I|37EE|1466|83-84.--Whereas Rcf. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Flat No. 10, Plot No. 254, Kingsway House, Flank Road, Sion (Fast) Bombay-400 022 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

has been transferred

of 1908) in the office of the Registering Officer

under the Registartion Act 1908 (16

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 12-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

Flat No. 10, Plot No. 254, Kingsway House, Flank Road, Sion East, Bombay-400 022.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. I]37EE|1361|83-84, dated 12-12-1983

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mnaely :--

Date: 1-8-1984

(1) Mis Gundecha Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Anandibai Purshotam Oka

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No. A.R.1|37EE|1480|83-84.--Whereas I, A. LAHIRI.

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the income property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No.
Flat No. 35. Wing D, 3rd floor Mamata Apartment, New Prabhadevi, Bombay-25.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been tran ferred, and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 17-12-1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 35, Wing D. 3rd floor, Mamata Apartment, New Prabhadevi. Bombay-25.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I 37EE 1353 83-84, dated 17-12-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-8-1984

(1) Shri V. K. Lalco Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Atlantia Advertising Co

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No. A.R.I | 37EE | 1489 | 83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No.

Office No. 1003, Dalamal Tower Nariman Point, Bombay-400 021

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fatr market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 1003, Dalamal Tower, Nariman Point, Bombay-400 021

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I|37EE|1159|83-84, dated 16-12-1983.

> A. LAHIRY Competent Authority
> Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-8-1984

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No. AR.I[37EE]1500[83-84.—Whereas 1, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Office No. 716 on 7th floor of 'Dalamal Tower' 211, Narlman Point, Bombay-400 021.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tay Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Chanchal Kahai Master Ishpalsingh Kahai (Minor) Natural Guardian Mr. Devinder Singh Kahai (Transferor)
- (2) Shri A Aboobacker Shri P. A. Ibrahim Shri Shirba Gopal Koraga Shetty Shri Satish Gopal Shetty

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 716 on 7th floor of 'Dalamal Tower' 211, Nariman Point, Bombay-400 021.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I|37EE|1523|83-84 dated 15-12-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date . 1-8-1984 Seal :

(1) Shri Chundal Murji Chheda

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No AR.I|37EE|1502|83-84,—Whereas, I, A, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 101 on 1st floor, Sunder Tower, Tokarshi Jivraj Road, Sewri, Bombay-400 015

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 15-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Mis Prabhat General Turpine Ind. Pvt. Ltd.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are Jefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, 'Sunder Tower' Tokershi Jivraj Road, Near Swan Mill Compound, Sewri, Bombay-15. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1525/83-84, dated 15-12-1983.

A. LAHIRI
Compentent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombisy

Date : 1-8-1984

Seal:

(1) Dhanrai Mills Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Pushpa Muclidhar Chhabria

may be made in writing to the undersigned :-

ever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No. AR.I|37EE|1546|83-84.--Whereas, I.

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Gala No. 128, 1st floor, A-2, Shah & Nahar Indl. Estate,

Lower Parel, Bombay-13.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

50-256GI|84

persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the cublication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein es are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 128, 1st floor, A-2, Shah & Nahar Indl. Estate, Lower Parel, Bombay-13.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I[37PE]1435[83-84, dated 20-12-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date .: 1-8-1984

(1) Dhanraj Mills Private Limited.

(Transferor)

(2) Mis Ghewarchand Gulabchand

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No. AR.I/37EF [1565]83-84 — Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Industrial Gala No. 121 on 1st floor of A-2, Shah & Nahar Ind Fstate, I ower Parel, Bombay-400 013.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred, and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Gala No. 121 on 1st floorf of A-2, Shah & Nahar Indl. Estate, Lower Parel, Bombuy-400 013.

The Agreement has been registered by the Competent Authonity, Bombay under No. AR.I[37EE]1547[83-84, dated 20-12-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-8-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No. AR.I 37EE 1566 83-84.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0001- and bearing No.

Gala No. 123 on 1st floor in A-2, Shah & Nahar Industrial Estate, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-13 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wanter with the object of :-

- (a) familitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any smoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely : -

(1) Dhaniai Mills Private Limited.

(Transferor)

(2) Electronic Services

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chepter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 123 on 1st floor in A-2, Shah & Nahai Industrial Estate. Sitaram Jadhav Marg, Lowel Parel, Bombay-400 013. The Agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.I 37FE 1548 83-84, dated 20-12-1983.

> A. LAHIR! Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Master Ketan Jayaingh Rukhana Na ural Guardian & Father Shri Jausinh B Rukhana, Mt. Chandesh Gopal Jhunjhunwala Mt. Fakhti Abdullabhat Mukadam Mis. Sakina Lakhii Mukadam

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M|s Veena Beena Enterprises

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No. AR.I. 37EE 1567 83-84.—Whereas, 1,

Ret. No. AR.I. | 3/EE | 156/|83-84.—Whereas, 1,

A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing
Flat No. 602, 6th floof, Vecna Beena Apartments, Wing E,
Acharya Dhonde Marg, Sewii (W) Bombay-15.
(and more fully described in the Schedulc annexed hereto),
has been transferred.

has been transferred,

and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No 602, 6th floor, Veena Beena Apartments, Wing E, Acharya Dhonde Marg, Sewri(W) Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I 37FE 1549 83-84., dated 20-12-1983.

> 4. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombav

persons namely: -section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said

Scal:

Date: 1-8-1984

FORM ITNS----

(1) Swan Mills Limited.

(Transferor)

(2) Schrader-Scovill Duncan Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION: RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No. AR.I|37EE|1569|83-84.--Whereus, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Office Premises, 19th fl. Nitmal Building, Natiman Point, Bombay-21.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has zeen transferred, and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office Premises on 19th floor, Nirmal Building, Nariman Point, Bombay-21.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombny under No AR.I[37EE]1551[83-84, dated 20-12-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date 1 3-1984

(1) Swan Mills Ltd

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Cygnus Negii Investments Pvt. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No. AR.1|37ΕΕ|1610_|83-δ4.—Whereas, 1, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Office Piemises No. 1 and 2, 18th floor & Cat Park No. 19 in the basement ground floor of Nirmal Building, Nariman Point, Bombay-21

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred, and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein seare defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 1 & 2, 18th floor & Car Park No. 19 in the Basement ground floor of Nirmal Bldg., Nariman Point Bombay-2

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.I|37EE|1008|83-84, dated 1-12-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-8-1984

Seal .

FORM ITNS----

(1) M/s Asian Cable Corporation Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Cynus Negri Investments Pvt. Lt. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No. AR I|37EF|1612|83-84. - -Whereas, J. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

Office Premises No. 1 (B Wing) and No. 2 (C Part), 18th fl Car Park Number 18 in the basement ground floor, 'NIRMAL' Bldg., Nariman Point, Bombay-21 and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred, and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

F-YPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. I (B Wing) and No.s (C Part), 18th fl. Car Park Number 18 in the basement ground floor, 'NIRMAI' Building. Nariman Point, Bombay-21. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. \AR.I.37FE|1009|83-84, dated 1-12-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely account of the said Act, to the following persons, namely account of the said Act, to the following persons.

Date: 1-8-1984

(1) Shri Arun C. Banker

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Geeta Mahendrakumar Dholkia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No. AR 1'37FF 1148|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Flat No. 22, 3rd floor, Him-Giri Housing Soc. Ltd., Pedder Road, Bombay-400026

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 3rd floor, Him-Girl Cop-op. Housing Socy. Ltd., Pedder Road, Bombay-400 026.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1232/83-84, dated 12-12-1983.

I AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in presuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ()1 of Section 269D of the said Act to the following versous, namely:—

Date 1-8-1984

FORM ITNS----

(1) Shri Madangopal A Garg

(Transferor)

(2) Shri Ravindra M. Chougule

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1: BOMBAY

Bombay, the 4th August 1984

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

Office Premises No. 20-A, Eastern Chamber Premises Co-op Soc. Ltd., Nandlal Iani Road, Poona St. Bombay-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) and the agreement is registered under Systion 269AB of the

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 12-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer,
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money; or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 XPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office Premises No. 20-A, Eastern Chamber Premises Co-op. Soc. Ltd., Nandlal Jani Road, Poona Street, Bombay-9.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.1 37EE 1226 83-84, dated 12-12-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
51—256GI'84

Date: 4-8-1984

Scal;

(1) M|s Amar Transport Company

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madangopal A Garg

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th August 1984

Ref. No. AR I|37EE|1391|83-84.--Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000]- and bearing

Office Premises No. 20-A, Eastern Chamber Premises Co-op. Soc. Ltd., 128, Poona St. Bombay-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred, and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 13-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 20-A, 2nd floor, Eastern Chamber Premises Co-op. Soc. Ltd., 128, Poona Street, Bombay-9.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I|37EE|1225|83-84, dated 13-12-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 4-8-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No. AR.I|37EE|1424|83-84.—Whereas I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|and bearing Flat No. C-1. 2nd floor, Matru Ashish Premises Co-op. So-

ciety Ltd., 454, Napeansea Road, Bombay-400 036

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registring Authority at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sulsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Daulat Hamidally Jafferally.

(Transferor)

(2) Smt. Gulab Jain & Smt. Chandra Jain.

(Transferee)

(3) M|s. Matru Ashish Premises CHS Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-1, 2nd floor, Matru Ashish Premises Co-op. Soc. Ltd., 454, Napeansea Road, Bombay-400 036.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I|37EE|1149|83-84. dated 1-12-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 1-8-1984

(1) Shri Shilpa Zaverchand Gala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Raj Travels.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR.1|37EE|1429|83-84.—Whereas, l, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 25,000|- and bearing No.

Office Premises No. 27-B, ground floor of Panchratna Co-op. Housing Soc Ltd., Opera House, Bombay-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

Authority at Bombay on 3-12-1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds ethe apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of type fer with the object of :---

ia facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

"LANATION" - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 27-B on gorund floor of Panchratna Co-op. Housing Soc. Ltd., Opera House, Bombay-4. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I|37EE|1118|83-84, dated 3-12-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 1-8-1984

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No. AR.I|37EE|1431|83-84,-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 28 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Shop No. 1, Asiana Co-op Housing Society, 19 Asiana Building, Mahalaxmi Temple Compound, Off Warden Road, Rombay 26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1983

1908) in the office of the Registering Officer at Surat on for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Miss Vindri Tuljaram Shahani.

(Transferor)

(2) Shri Haresh Manilal.

(Transferce)

(3) M/s S. F India Ltd.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Asiana Co-op. Housing Society, 19, Asiana Building, Mahalaxmi Temple Compound, Off Warden Road, Bombay-400 026.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I|37EE|1073|83-84, dated 1-12-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the alterestic property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-8-1984 Seal:

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS-

(1) 1. Shri Madhusudan Mulji Thakkar; 2. Shri Ajitkumar Mulji Thakkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) 1. Shri Kirit Chagpal Karia;
 2. Smt. Nirupama Kirti Karia.

(3) Transferors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No. AR.I|37EE|1443|83-84.--Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 61, 6th floor & Open Parking Space at Ground floor, Navrang Basant Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 46, Backbay Reclamation, Cuffe Parade, Bombay-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 61, 6th floor & Open Parking Space at Ground floor, Navrang Basant Co-op. Housing Society Ltd., 46, Backbay Reclamation, Cuffe Parade, Bombay-5.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I|37EE|1115|83-84, dated 7-12-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 1-8-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th Augus: 1984

Ref. No. AR, I | 37EF | 1445 | 83-84, - Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
Unit No. 3 on the basement of Creative Industrial Centre,

Plot No. 12, N. M., Joshi Marg, Lower Parel Division

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-12-1983

for an apparent consideration which is less han the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Ms. Yasmin Corporation.

(Transferor)

(2) Mrs. Harsh Prabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 3, on the basement of Creative Industrial Center, Plot No. 12, N. M. Joshi Marg. Lower Parel Division, Bombay-13.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I|37EE|1112|83-84, dated 3-12-1983.

A. LARING
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1984

(1) M/s. Kewal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Pallavi Jaikishan Family Trust.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th August 1984

Ref. No. AR I'37EE|1450|83-84 --- Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

Unit No. 441 on 4th floor in 'B' Building, Kewal Indl. Estate, Bombay-13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afortsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 441 on 4th floor in 'B' Building, Kewal Industrial Estate, Fergusson Road, Bombay-13.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.1[37EE¹1150]83 84, dated 3-12-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the followin persons, namely —

Date: 4-8-1984

Scal:

(1) Mrs. Chandril widow of late Kishinchand Titrthdas Daryanani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Kalan Ramchand Darvanani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.I 37EE 1457 83-84.—Whereas, I, A. LAHTRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market vlaue exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 51, 5th floor, Nanik Nivas Building 2, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026

(and more fully described in the schedule annexed hereto) and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of anf income arising from the transfer; алф/ог
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 51, 5th floor, Nanik Niwas Bldg. 2, Bhulabhal Desai Road, Bombay-400 026.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EF/1152/83-84, dated 3-12-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-52-256GI]84

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th August 1984

Ref. No. AR.I/37EI-/1460/83-84. - Whereas, I, A. LAHIRI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000,

and bearing Flat No. 201-C. The New Poornima Co-op. Housing Society Ltd., Dr. Gopalrao Deshmukh Marg, Pedder Road, Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed herete and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Rombay on 7-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of htis notice under subcution (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ; - -

- (1) 1. Shri Natwarlal Harikishondas Shah:
 - Shri Hemendia Natwailal Shah; 3. Dilipchandra Natwarlal Shah;
 - Shri Pratap Natwarlal Shah;
 - 5. Smt. Chandra Chandrakant Dalal;
 - 6. Smt Hansa Kapil Gundhi;
 7. Smt. Hemakshi Rajnikant Shah;
 - 8. Smt. Pratibha Shirish Engineer.

(Transferor)

- (2) 1. Jagdeep Madanlal Shah;
 - 2. Madanial Thakurdas Shah; 3. Smt. Rimzm Himendra Shah; 4. Smt. Daxa Tagdeep Shah.

(Transferee)

4. Society.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201-C, The New Purnima Co-op. Housing Society Ltd., Dr. Gopaliao Deshmukh Marg, Pedder Road, Bombay-26.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I | 37EE | 1121 | 83-84, dated 7-12-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Bombay

Date: 8-8-1984

(1) M|s. Ornamental Plants Pvt. Ltd,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR.1[37EE|1472|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Unit No. 103 on the 1st floor of Adhyaru Industrial Estate,
Sun Mill Road, Lower Parel, Bombay-13

Sun Mill Road, Lower Parel, Bombay-13

Schedule annexed horeto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

Authority at

Authority at Bombay on 12-12-1983 for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(2) M/s. Super Art Printers.

(Transferce)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

(4) Society.

(Person whom the undersigned knows to be interested in property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the cervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter $\lambda X \lambda$ of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 103 on the 1st floor of Adhyaru Industrial Estate, Sun Mill Road, Lower Parel, Bombay-400 013.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I[37EF]1364[83-84, dated 12-12-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-in-Acquisition Range-1 Bombay

Date : 6-8-1984

Scal:

FORM ITNS-

- (1) M/s. Pungbhadia Sugar Works Pvt. Ltd.
 - (Transferor) (2) M/s, Maind Investments Pvt. Ltd.
 - (Transferee) (3) Shri J. V. Paun.
 - (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY Bombay, the 8th August 1984

Ref. No. AR.I|37EE|1476|83-84.-Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 15 on 3rd floor in the building Shirin of Daulat
Shirin Co-op, Housing Soc. Ltd., Colaba, Bombay-5
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

Authority at Bombay on 17-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15 on 3rd floor in the building Shitin of Daulat Shirin Co-op. Housing Soc. Ltd., Colaba, Bombay-5.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I[37EE]1366[83-84, dated]

17-12-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 8-8-1984

Seel

FORM ITNS-

(1) Mr. Raghunath Sunder Drawid.

(Transferor)

(2) Mrs. Manori Sitaram Mistry.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR.I|37EE|1485|83-84.-Whereas, [, A. LAHIRI,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. D-12 in 'D' Bldg, of Dadar Co-op, Housing Soc. Ltd. known as 'Shardashram' Bhavani Shankar Road, Dadar, Rombuy, 28

Bombay-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer or consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-12 in 'D' Building of Dadar Co-op. Hsg. Soc. Ltd. known as 'Shardashram' Bhawni Shankar Road,

Dadat, Bombay-400 028.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I. 37EE 1140 83-84, dated 16-12-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 6-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR.I|37EF|1501|83-84.--Wheteas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 801, 8th floor & one enclosed garage, Ashishwang Bldg., 72, Pochkhanwala Road, Worli, Bombay-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 15-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesnid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) 1. Mr. Ashok Kanyasingh Lulla;

2. Mrs. Asha Ashok Lulla.

(Transferor)

(2) Mr. Shyam Hariwilas Kasat, Trustee of Shree Family Trust.

(Transferee)

(3) 1. Mr. Meenu F. Mehta; 2. Mrs. Nargis Meenu Mehta.

(Person whom the undersigned knows to be interested in property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 801, 8th floor & one enclosed garage, Ashishwang Building, 72, Pochkhanwala Road, Worli, Bombay-400 018.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I]37EE|1524|83-84, dated 15-12-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J
Bombuy

Date: 6-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR.1[37EE]1522]83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 701, 7th floor, Samudia Setu Building, 51-E & 51-F, Bhulabhal Desai Road, Bombay-400-026

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Autho-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have cason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limitality of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Shri Mohan G. Sakhrani; 2. Smt. Vidya M. Sakhrani.

(Transferor)

(2) 1. Shri Gopilal Lakhmichand Talreja;

Smt. Vidya Gopilal Talreja;
 Shri Madan Gopilal Talreja.

(Transferee) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this hotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor, Samudra Setu Building, 51-E & 51-F, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I|37EE|1164|83-84, dated 20-12-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Bombay

Date: 1-8-1984

(1) M/s S. P. Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shii Mustansir Abbashhi Paisawala

whichever period expires later:

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed

(b) by any other person interested in the said immov-

publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as

able property, within 45 days from the date of

are defined in Chapter XXA of the said Act.

shall have the same meaning as given in that

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No., AR.1|37EE|1535|83 84---Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

No. Shop No. 16 in Heera Panna Shopping Centre, Haji Ali,

Bombay-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

on 20-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 16 in Heera Panna Shopping Centre, Haji Ali, Bombay-400034.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.J. 37EE 1407 83-84, dated 20-12-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tip
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following ing persons, namely:—

Date: 1-8-1984

(1) Mr. Laxmanraj Vanigotta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Umanath Yeshwant Rege

(Itansterce)

(3) Mr. N Y. Rege

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ...

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.

ACQUISITION RANGE-I.

BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. ARI|37EE|1537|83 84--Whereas 1, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No Industrial Unit No. 238. A-7 Industrial Estate 2nd fl. G. K. Marg, Bombay-13 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at on 12-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Onfeial Gazette.

FYPI ANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay max under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDUIE

Industrial Unit No. 238. A.Z, Industrial Estate, 2nd in G. K. Marg, Bombay-13.

The Agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR 1/37EE/1409/83-84, dated 20-12-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
53—256GI|84

Date : 6-8-1984

(1) Vashi D Mirchandani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 2692(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Amritlal Rambhai Patel

(Transferee)

GUVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

The state of the s

Ref. No. AR.I|37EE|1550|83-84--Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the tacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Flat No. 84-A, 8th floor, Mirammar Apartments, 3-L, Jagmohandas Marg, Bombay-36

Land more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered U/S. 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the habitity of the transferor to pay fax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 84-A, 8th floor, Miramar Apartments, 3-L, Jagmohandas marg, Bombay-36.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I37EE 1413 83-84, dated 20-12-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I. ROMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.I|37EE|1562|83-84---Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Office Premises No. 510, 5th floor, Adamji Building, 413, Naisi Natha Street, Bombay-400009

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 20-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Miss Zakiabai Salehbhai Rangwala

(Transferor)

(2) Mr. Ved Praksh Bajaj

(Transferor)

(3) Mr. Ved Prakash Bajaj

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 510, 5th floor, Admli Building, 413

Narsi Natha Street, Bombay-40009.
The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.I|37EE|1543|83-84, dated 20-12-1983.

> A. LAHTRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date . 13-8-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1984

Ref. No. AR.I 37EE 1581 83-84 -- Weheas, 1,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land with Structures situated at Baburao Parulekar Marg, Dadar, bearing C.S. No. 1412 of Lower Parel Division, I and Plot No. 451 of TPS City No. IV

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authonty at Bombay on 20-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or

technitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Ramakant Moreshwar Pandit
 - 2. Vivek Moreshwar Pandit
 - 3. Narhar Moreshwar Pandit
 - 4. Sumant Moreshwar Pandit 5. Hemchandra Moreshwar Pandit
 - 6. Mrs. Mangala Ramchandra Rishi
 - 7. Mrs. Lalit Narendra Achrya

Sudha Harischandra Joshi

(Transferor)

(2) Kohihoor Builders

(Transferee)

(3) Owners and his tenants.

(Person in occupation of property)

(4) Owners.

(Person whom the undersigned knows to be in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with Structures situated at Baburao Parulekar Marg, Dadar, bearing C. S. No. 1412 of Lower Parel Devision, Final Plot No. 451 of T. P. S. Bombay City No. IV.

Agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR. 137EE 1562 83-84, dated 20-12-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 1-8-1984

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, ROMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR.I|371'E|1587|83 84-Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. Unit No. 237, 2nd floor, Ashish Co-op. Ind. Estate, Gokhale Road (South) Dadar, Bombay-400025

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Mr. Nimesh Abhechand Vora.
- (2) Mr. Kirit Abhechand Vora

(Transferor)

(2) M[s United India Periodicals Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferors

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chanter.

THE SCHEDULE

Unit No. 237, 2nd floor, Ashish Co.-op. Indl. Estate,

Gokhale Road (South Dadar, Bombay-400025.

The Agreement has been registered by the Com-Authority, Bombay under No. AR.I 37EE 1564 83-84. 20-12-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Dete: 6-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR.I[37EE]3661[83-84--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25.000|- and bearing No.

No. Unit No. 1602, Panchratna Co-op. Housing Soc. Ltd., Mana Parmanand Marg, Bombay-4

(and more fully described in the schedule annexed hereto) and the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay

on 19-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sons, namely:

(1) Smt. Sudha Ashok Shan

(Transferor)

(2) M|s Navin Mehta & Co. Ms Savani Diamonds

(Transferee)

(3) Fransferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 1602, Panchratna Co-op. Housing Soc. Ltd., Mama Parmanand Marg, Bombay-4.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombav under No. AR.I[37EE[3934[83-84, dated 19-12-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 6-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.I|37EE|4993|83-84--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No

Property being bearing C. S. No. 1699 of Mandvi Divison and old building standing thereon know as 'Pravin Chambers' situated at

No 6A, Keshayji Naik Road, Bombay-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay-9 on 5-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such than for the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Jitondra Bhaichand Shah Rajnikant Bhaichand Shah

(2) Shri Dhiren Laxmichand Mota

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dute of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used before as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOMI 2758|82 and registered with the Sub-registrar, Bombay on 5-12-1983

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date 13-8-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th Augut 1984

Ref. No AR.I|5002|83-84--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 25,000/-

and bearing No.

Land bearing C. S No 161-C 10 of Matunga Division, Plot No. 162-C of Dadar-Matunga Estate (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 31-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

(1) Bai Kamlabai Ramchandra Sabnis.

and a management of the management

(Transferor)

(2) 1. Maheshchandra Kanjibhi Soni

2. Yogeshchandra alias Nandkishor Soni (Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) b) any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1543|78 and registered on 31-12-1983 with the Sub-registrar, Bombay.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 6-8-1984

Seal .

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III NEW DELIII

New Delhi, the 16th August 1984

Ref. No. IAC|Acq_III|37EF|12_83|289|78--Wherens, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Flat No. 134, at A-3 & 4, situated at Ranjit Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrum

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 192 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subscation (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
54—256GI84

- (1) Doon Apartments (Pvt.) Ltd M-78, Main Market, Greater Kailash-I, New Delhi (Transferor)
- (2) Wings Wear (Pvt.) Ltd. 1/4 West Patel Nagar, New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, at A-3 & 4, Ranjit Nagar, New Delhi, Mg. 593 Sq. ft. under Construction.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New D. Ilii

Date · 16-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III NEW DI'LHI

New Delhi, the 16th August 1984

Ref. No. 1AC|Acq. 11h37EE 12-83/290'71.- Whereas, 1, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 103 at A-3 & 4. situated at Ranjit Nagar, New Delbi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

- (1) Doon Appartments (P) Ltd. M-78, Main Market Greater Kailash-) New Delhi (Transferor)
- (2) Miss Vandana Thadani, Do Mr. N. I. Thadani, Rio A-1, Mayfair Garden, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, at A-3 & 4, Ranjit Nagar, New Delhi Mg. 568 Sq. ft. under construction.

G S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 16-8-1984

(1) Ms Jaina Properties Pvt. Ltd. Addmath Shiee House, Opp. Super Bazar. Connought Circus New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. N. K. Aggarwal, Rlo B-38/8- Januk Puri, New Delhi

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
NEW DELHI

Newe, Delhi, the 16th August 1984

Ref. No. 1AC|Acq.III|37EE|12-83|287|68.—Whereas, 1,

G. S. Gopala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000; and bearing No.

G-23. Jaina Tower, situated at Distr Centre, Janakpuri, New

Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

IAC[Acq.-III, ND on December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the tun market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I VPI VNATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G-25, Jaina Tower Distt. Centre Janakpuri, New Delhi Mg. 150 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 16-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE NEW DELHI

Newe, Delhi, the 16th August 1984

Ref. No. IAC₁Acq.III₁37EE 12-83 285[67.—Whereas, 1,

G. S. Gopala, being the Competent Authority under sec. 269B of the In-

come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heicinafter referred to as to as the said Act), have rea on to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shop No. 130. 1st Floor, situated at 6-Bhikan Cama Place New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at New Delhi on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income attsing from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1922 (27 of 1957); (1) Shri Harish Manchanda, 1 o 4392. Katra Raiji, Paharganj. New Delhi

(Transferor) Singh Walia, (2) Mohinder Singh Wohn & Parminder 3804, Rannt Nagar, New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 130, 1st Floor, in 6 Bhikaji Cama Place, New Delhi Mg. 126 sq.ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid eropecty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-8-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE NEW DELHI

Newe, Delhi, the 16th August 1984

Ref. No. IAC/Acq.III 37EE, 12-83 284, 66.—Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25.000|- and bearing No. Z-156, WHS. Naraina Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at New Delhi on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:---

- S. Kupal Singh Bajaj Slo S. Uttam Singh
 S. Harpal Singh Bajaj Slo Sajan Singh
 S. Sarvjit Singh Bajaj, Slo Sajan Singh all Rlo 205 Greater Kailash-I, New Delhi
- (Transferor) (2) Sh. Raj Kumar Jain, R.o o-Veer Nagar, New Delhi Sh. Jai Kumar Jain, 2 98 Roop Nagar, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease hold rights of land measuring 180 sq. yds. bearing Shop Plot No. Z-156, situated in ZHS, Nariana Delhi.

G. S. GOPALA Competent Authority inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range New Delhi

Date . 16 8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ms Ncha Deep Constructions, 1-Raiendra Place, New Delhi

(Transferor)

(2) Mi Jayant Kumai vedi & Mr Tarun Kumar vedi, 1593 Madaisa Road, Kashmere Gate, Delhi-6

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

ACQUISITION RANGE-III, NEW DEI HI

New Delhi, the 16th August 1984

Ref No IAC|Acq 111|37EE|12-83|292|73 --- Whereas, I, GS Gopala,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No B-12A situated at J-Rajendia Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Office of the Registering Officer at in December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid pro perty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. andior
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given m that Chapter,

THE SCHEDULE

hi Conditioned space No B 12A, on Ground Floor in the Building under construction at 1-Rajendra Place, New Delhi mg 169 Sq ft

> G S GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 16 8 1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shij Harmohan Singh Anand, B'28, South Fxt.-II, New Delhi.

(2) Shr. Kuldeep Chadha & Smt. Chand Chadha, rlo C-5, Greater Kailash, New Delhi, (Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4-14A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1984

Ref. No. IAC |Acq3|37PF|12-83|295.—Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. B-6|20, Safdarjang Enclave, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Office of the Registering Officer at IAC Acq-III, N.D. in Dec. 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. B-6|20, Safdarjang Enclave, New Delhi Mg. 450 Sq. Yds.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, DelhilNew Delhi

Date: 16-8-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 264D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1,

G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, LP. FSTATL, NEW DFLHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref No. IAC|Acq|I|SR-III|12-83|1376.--Whereas, I,

SUDIIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

Flat No. 8, situated at Dr. Krishna Mkt., Lajpat Nagar, N. Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Dec. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Wg, Commander R.D.S. Bhandari s o Shri Harbans Singh, r o F.5 10, Vasant Vihar and Brig. J. S. Bhandari r o DA 3C, Munirka, N. Delhi.

(2) Sh. Madanlal Bhutani So Sh. Ishar Das Flat 8, Dr. Krishna Market. New Delhi. Lajpat Nagar,

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, Dr. Krishna Market, Laipat Nagar, N. Delhi 1066 charged 2|3 to GF and 1|3 to 1st floor.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perame, namely :--

Date: 8-8-1984

Scal:

NOTIR'E UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

s|o Bawa Mehar Singh, 35-Hem Kunth, New Delhi.

(1) Bawa Jaswant Sinih,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-83|1379.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000ls and hearing

Rs. 25,000|- and bearing No. 2-285, situated at Defence Coloney, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in Dec. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
55—256GI|84

(2) M|s Urmil Properties & Investments (P) Ltd., 36-H, Connaught Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. A-285, Defence Colony, New Delhi mg. 217 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspuecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Date: 14-8-1984

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-83|1390.--Whereas, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of Incomee-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Bhati, N. Delhi

(and more fully descirbed in the schedule annexed hereto)

has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at Delhi in Dec., 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s Skipper Construction Co. (P) Ltd. 22-B.K. Rd., N. Delhi through its Dir. Tej want Singh.

(Transferor)

(2) Sh Ashok Talwar. Om Praaksh Talwar ss o M. L. Talwar, Mrs. Sharda Bahal, wo Shri S. K. Bahal, ro C-46, East of Kailash, N. Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land 5 bighas and 19 biswas, kh. No. 832 (2-14), 833 (3-5), Vill. Bhati, Teh, Mch., New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspuecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 14-8-1984

FORM I.T.N S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G 13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DI-LHI

New Delhi, the 14th August 1984

Ref No IAC | \langle ISR-III | 12 83 | 1392 - Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have icason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Agr land situated at Vill. Bhati, Teh Meh, N Delhi

(and more fully described in the schedule anunexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Delhi in Dec, 83

for an apparent consideration which is less than the fair marker vilue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consileration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the naminty of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concerlment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income Lix Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tak Act, 1922 (27 of 1957),

the purposes of the Indian Income tax Act, 1922

(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore in pursuance of Section 2690 of the said All I hereby mure proceeding for the acquisition of the trotesail property by the rene of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely

(1) M|s Anand Construction Co. (Delhi) Pvt. Ltd., 22-B.K. Rd., N. Delhi through its Director Tejwant Singh.

(Transferor)

(2) Mr. Ashok Talwar, Mr. Om Prakash Talwar, ss o Sh. M. L. Talwar, Mrs. Sharda Bhahal wo Sh. S. K. Bahal 10 C-46, East of Kailash, N. Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agi land 2 bighas and 11 biswis, kh. No 339, villa Bhati, Teh. Meh., N. Delhi

SUDHIR (HANDI'A Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomutax, Acquisition Range I, Delhi New Delhi

Date : 14 8-1984 **Seal :**

(1) M|s Anand Construction Co. (Delhi) Pvt. Ltd., 22-B.K. Road, N. Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Ashok Talwar, Om Prakash Talwar, ss|o Shri M. L. Talwar, Mrs. Sharda Bahal, w|o Sh. S. K. Bahal r|o C-46, East of Kailash, N. Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-83|1391—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Bhati, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in Dec., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreel to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land 2 bighas and 18 biswas, kh. No. 838, village Bhati, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1984

Ref. No. 1AC|Acq. I|SR-III|12-83|1412.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. D-31, situated at Jangpura Extension, ND (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in Dec., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt, Shanti Devi wlo late Hari Chand Sachdeva ilo A-238, Derawal Nagar, Delhi.

(Transferor)

 Mrs. Tiny K Lingtsang w|o Sh. T. T. Lingtsang r|o J-22, Jangpura Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

GBP Residential House No. D-31, Jangpura Extn., N. Delhi Area 200 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspuccting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Date: 14-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/9 House Builders, P-17, Green Park, Extension, N. Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Bhagwati Euilders, 6-588, G1, Kailash-II, N. Delhi

N. Delhi thruogh as partner Jugal Kishote Malhan.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

How Delhi, the 8th Aujust 1984

Ref. Do. 1/ C[Acq.1 SR-HI]12-83[1417. -Whereas, I, SUDHIK CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-cay Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. E-101, situated at Gr. Kailash-II, ND (and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in Dec., 83

for an apparent consideration which is less than the formarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the ocquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 RELANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

First floor, Mezanine floor, Second floor (Batsati portion) of property No. 15-101, Greater Kailash-II, N. Delhi area 60 off

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8 8-1984 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1)Smt Nirmal Kumati Wlo Subhash Chander Rlo M-30, Kalkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Jaishree Ahuja Do D. T. Ahuja Ro III-G|57, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No IAC|Acq-f|SR-III|12-83|1418—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

M 30, situated at Kalkeji, Newk Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hersto), has been transferred

under the Penstration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Dolhi in Dec., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belief that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

THE SCHEDULF

Property No. M-30, Kalkaji, New Delhi mg. 175 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Date: 8-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-83|1423.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000; and bearing No.

F-14, situated at Connaught Place, N. Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in Dec. 83

persons, namely:-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following

(1) Smt. Pushpa Devi, Vinod Guptu, Laht Gupta, Sunil Gupta and 4764, Deputy Ganj, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Competent Builders,
 101-Competent House
 F-14, Middle Circle,
 Connaught Place, New Deihl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F-30 to 41, Connaught Place, New Delhi known as F-14, Connaught Place, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi|New Delhi

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1984

Ref. No. IAC[Acq.I[SR-JII]12-83]1438.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. S-359, situated at G. K. II, N. Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi

on Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :-56-256GI|84

(1) Sh Siri Chand Narula s o Seth Punnu Ram G-13, Tara Apartments, N. Delhi

(Transferor)

(2) Dr. Rekha Motihar and wd o late Nick Motihar and Sh. Gavin Motihar slo late Nick Motihar r|o S-359. Gr. Knilash-II, ND

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Property No. S-359, mg. 300 sq. yds. Gr. Kallash-II, N. Delhi

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Date: 14-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING; I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-83|1447.--Whereas, I.

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the moome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 76, Block No. B-II, situated at Mohan Coop. Ind. Estate Ltd., N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

(1) Sh. B. K. Panthaky son K. B. Panthaky 1st floor, B-1, Sadhu Vasvani Rd., N. Delhi

(Transferor)

(2) M|s Amkay Engineers (Delhi) (P) Ltd. through Bejon Khurshedji Panthaky, Mrs. Bachan Bejon Panthaky, Dr. Rohtinton Bejon Panthaky, B-1, Sadhu Vasvani Road, N. Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 76, Block No. B-II, in the lay-out plan of Mohan Coop. Ind. Estate Ltd., sitauted at Pul Pehlad Tejpur and Badarpur, Delhi mg, 2383.30 sq. yds.

> SUDHIR CHANDRA Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi

Date: 14-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|SR-III|12-83|1452.—Wheeras, I, SUDHIR CHANDRA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. IV|D|4, situated at Lajpat Nagar, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi in Dec. 83

for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Dharam Devi woo late Shri Mool Chand Qr. No. 3 & 4 Old Double Storey, Lajpat Nagar, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Gurdeep Kaur Anand woo Shri Harcharan Singh Anand roo C-108, Ramesh Nagar, N. Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Govt. built quarter No. IV|D|4, Old Double Storey, Lajpat Nagar, N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex.
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.i|SR-III|12-83|1466.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Devli, ND

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(1) Sh. Sukh Lal so 'Sh. Khima, Sh. Bhoop Singh slo Sh. Kanahiya, Sh. Sukhbir Singh and Hoshiar Singh ssio Late Sh. Mam Chand, Sh. Dharam Singh sio Shri Ramji Lal rio Vill. Devli, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Rakhee Valecha wo Sh. M. D. Valecha and Murli Dhar Valecha slo Sh. Paras Ram both rlo L-21, Sheikh Sarai, Deihi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Agr. land comprised in Kh. No. 49|11(4-16), 49|12(2-8), Vill. Devli, Teh. Meh., N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I. G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-83|1470,—Whereas, 1. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Agr. land situated at Vill. Devli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Delhi in Dec. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/ca
- (b) facilitating the concealment of eany income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 127 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Sukh Lal Sh. Khima,

Sh. Bhoop Singh s o Sh. Kanahiya,

Sh. Sukbir Singh and Hoshiar Singh, sslo late Sh. Mam Chand,

Sh. Dharam Singh

s|o Sh. Ramji Lul r|o Vill. Devli Teh. Meh. N. Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Rakhee Valecha Sh. M. D. Valecha and Sh. Muli Dhar Valecha so Sh. Paras Ram both ro i -21, Sheikh Sarai, N. Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land compused in Kh. No. 49[12(2-8), 49]19(4-16), situated in Vill. Devli, Teh. Meh., New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Delhi New Delhi

Date: 14-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1984

Ref. No. IAC Acq. I | SR. III | 12-83 | 1467.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land situated at Village Devli, Teh. Mehraull,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sukh Lal slo Shri Khima, Shri Bhoop Singh slo Shri Kanahiya, Shri Sukhbir Singh and Hoshiar Singh Solo Late Shri Mam Chand, Shri Dharam Singh slo Shri Ramji Lal, All rlo Village Devli, Teh. Mehrauli, New Dehi.

(Transferor)

(2) Smt. Rakhee Valecha Wlo Shri M. D. Valecha and Shri Murli Dhar Valecha Slo Shri Paras Ram Both rlo L-21, Sheikh Sarai, New Dehi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land comprised in Kh. No. 49|20 (4-16), village Devli, Teh. Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 14-8-173;

FORM No. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-83|1465.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Devll, Teh. Mehrauli, New Delbi

'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrl Sukh Lal s|o Shri Khima, Shri Bhoop Singh s|o Shri Kanahiya, Shri Sukhbir Singh and Hoshiar Singh Ss|o Late Shri Mam Chand, Shri Dharam Singh s|o Shri Ramji Lal, All r|o Village Devli, Teh. Mehrauli, New Delhi..

(Transferor)

(2) Shri P. N. Wattal S|o Late Shri S. C. Wattal, Ekrant Farm Khanpur Devli Road, New Delhi..

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same monaing as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land comprised in Kh. No. 49[3(2-8), 49[8 (4-16), 49[13(2-8), situated in Village Devli, Teh. Mehrauli, New Delhi,

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 14-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-IJI|12-83|1468.--Whereas, J, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.
Agricultural land situated at Village Devii, Teh. Mehrauli,

New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have icason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---

(1) Shri Sukh Lal slo Shri Khima, Shri Bhoop Singh slo Shri Kanahiya, Shri Sukhbu Singh and Hoshiar Singh Sslo Late Shri Mam Chand, Shri Dharam Singh so Shri Ramji Lal, All ro Village Devli, Teh. Mchrauli, New Delhi...

(Transferor)

(2) Shri P. N. Wattul Slo Lute Shri S. C. Wattal, Ekrant Farm, Khanpur Devli Road, New Dehi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land comprised in Kh. No. 49|13 (2-8), 49|14 (4-19), 49|17|2 (0-17) and 49|18|1 (1-6), situated in Vill. Devli, Teh. Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Date: 14-8-1984

 Shri Mauge Ram slo Sarjit Rlo Village Devli, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|SR-III|12-83|1480.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Agricultural land situated at Village Devli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partieu has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

57---256GI|84

Wlo Shri Pradeep Paliwal Rlo E-4/19, Vasant Vibar, New Delhi.

(2) Smt. Rashmi Paliwal

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 9 biswas, Khasra No. 674 min, Village Devli, Tch. Mehrauli, New Delhi,

SUDHIR CHANDRA Comperent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi|New Delhi

Date: 14-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF LET INSPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND 11 OOR, CR BUILDING, FP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1984

Ref. No 1AC|Acq.1₁SR-111₁12-83¹1477 ---Whereas, 1. SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Agricultural land situated at Village Devli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in December, 1983

fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

11) Shii Mange Pam slo Sarjit, Rlo Village Devli, Jeh Mehrauti, New Delhi.

(Transferoi)

(2) Smt. Mithlesh Paliwal Wlo Shii S. C. Paliwal Rlo F-12/17, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 9 biswas, Khasra No. 674 min, Village Devh, Teh. Mehiauli, New Delhi,

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi New Delhi

Date: 14-8-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Panna Lal so Mithu R|o Chitorni, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shu Dinesh Kumai Shuima Slo Pt Bhagat Ram Rlo 327, Masjid Moth, New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, IP 151A1L, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ret No IAC|Acq I|SR III|12-83|1486 —Whereas, I, SUDIHR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000- and bearing Agricultural land situated at Village Chitorn, New Delhi

Agricultural land situated at Village Chitorni, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been tituly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

1 XPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and for

THE SCHEDULE

Agricultural land ing 8 bighas and 6 biswas, Kh No 42(4-16), 54 min (3-10), Vill Ghitorni, New Delhi

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 8-8-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

(OMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-83|1490.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under section 269B of the bicome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rt. 25,000].

and bearing

Agricultural land situated at Village Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Transferor)

(2) Mrs. Dawn Singh woo Shri Brijendra Singh, 28-Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall nave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 11 biswas, Kh. No. 774/15, Vill. Dera Mandi, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delh|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section "69D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1984

ಸತಮಹಾಶ = ಕ್ರೂಕ್ಸ್ FORM ITNS---

NOTICE UNDLR SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1984

Rel No. IAC Acq.I SR-III₁12-83[1489. —Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a four market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

Agricultural land situated at Village Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ; --

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income mising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shu Chandi, Member sslo Puran, S'Shii Ram Kala, Bhikari, Surji ssio Jhingar, Shii Munshi, Diwan sslo Nathan Rlo Village Dera Mandi, New Delhi Through attorney Sukhbir Singh. New Dehr.

(Transferor)

(2) Mis. Dawn Singh wio Shii Brijendia Singh, 28-Sunder Nagar,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 11 biswas, Kh. No. 774[15, Vill, Dera Mandi, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date: 14-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSEPCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. LSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I,SR-JII|12-83|1488.—Whereas, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Agricultural land situated at Village Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Chandi, Member 58]o Puran, SlShri Ram Kala, Bhikari, Surji 58]o Jhingar, Shri Munshi, Dewan 58]o Nathan Rlo Village Dera Mandi, New Delhi Through attorney Sukhbir Singh.

(Transferor)

(2) Mis. Dawn Singh wio Shri Brijendra Singh, 28-Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 11 biswas, Kh. No. 774|15, Vill. Dera Mandi, New Delhi.

SUDHIR (HANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi|New Delhi

Porte: 14-8-1984

NOTICE UNDIR SICTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETA'S
ACQUISTION RANGE 1,
G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING TP ESTATE,
NEW DELHI

Now Delby, the 14th August 1984

Ref. No IAC Acq I R-III 12-83 1487.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Agricultural land situated at Village Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering officer at Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- fb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Shii Bhupan soo Ganga Roo Dera Mandi, New Delhi Through attorney Tej Pal.

(2) Mr. Dawn Singh wo Shri Biljendra Singh, 28-Sunder Nagar, New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 7 biswas, Kh. No. 774]15, Village Dera Mandi, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Compe ent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date : 14-8-1984

Sen1:

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME LAX AC1, 1961 (43 OP 1961)

GOVERNMI NT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, L.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Rsf. No IAC|Acq I|SR-III 12-83|1492 —Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

House No. 3A situated at Village Jogabai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Dr. Mchaumad Umar Szo Sheikh Munawwar Rlo 4|648, Sir Sayyed Nagar, Dodpur, Ahgarh

(Transferor)

(2) Islamic Awakening Centre, 8|1, Jogabai, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHFDULE

House No. 3A. mg 111 sq. yards village Iogabai, New Delhi

SUDITIR CHANDRA
Compe ent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi New Delhi

Date: 8-8-1984

Seal ;

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. AC|Acq.1|SR-III|12-83|1491.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing House No. 3A situated at Village Jogabai, New Delhi

House No. 3A situated at Village Jogabai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—
58—256GI|84

 Dr. Mohammad Umar Slo Sheikh Munawwar Rlo 4]648, Sir Sayyed Nagar, Dodpur, Aligarh.

(Transferor)

(2) Islamic Awakening Centre, 8|1, Jogabai, New Delhi.

 Kanwar Lal s|o Banwari Lal, 29-Kishan Ganj, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Otheral Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

HE SCHEDULE

House No. 3A, mg. 111 sq. yards abadi Laldora of village Jogabai, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
DelhilNew Delhi

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq 1|SR-III|12-83|1502,-Whereas I. SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Agr. land situated at Village Ghitorni, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely ;-

(1) Shri Inderjit, Balbir Singh sslo Hari Singh, Smt. Sunehri wdlo Hari Singh, Smt. Batoo, Bhagwati, dslo Hari Singh, Vill. Ghitomi, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dinesh Kumar Sharma slo Shri Bhagat Ram Sharma rlo 327, Masjid Moth, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 7 bighas and 4 biswas, Kh. Nos. 78(4-16), 87 1 (2-8), vill. Ghitorni, New Delhi,

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-83|1514,---Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agr. land situated at Vill. Kapashera, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M|s Bhayana Builders (P.) Ltd., B-9, Mayfair Gardens, New Delhi through its Dir. Suicsh Bhayana. (Transferor)
- (2) Shri Chander Nain Oberoi s o Sh. Kuldip Chand Oberoi do C-227, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as siven in that Chapter

THE SCHEDULE

Agr. land 4 bighas and 16 biswas Kh. No. 607(2-11), 608-(0-7), 611(0-4), 612(1-14), Vill. Kapashera, Teh. Meh., New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date 14-8-84 Scal:

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|R-III|12-83|1515.-Whereas, 1,

SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agr. land situated at Vill, Kapashera, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s Bhayana Builders (P.) Ltd., B-9, Mayfair Gardens, New Delhi.

(2) Shri Chander Nain Oberoi, s o Sh. Kuldip Chand Oberoi r o C-227, Defence Colony,

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in these Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land 4 bighas and 16 biswas, Khasra Nos. 606(2-8), 607(1-13) 608(8-6), 605(8-9), Vill. Kapashera, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date 14-8-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 14th August 1984

Ref. No. IAC|Acq 1|SR-III|12-83|1516.--Whereas 1, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/-and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Kapashera, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Dec., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of évasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M|s Bhayana Builders (P.) Ltd.,
 B-9, Mayfair Gardens,
 New Delhi through its Dir. Suresh Bhayana.
 (Transfeior)
- (2) Sh. Chander Nain Oberoi Oberoi so Sh. Kuldip Chand Oberoi ro C-227, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land 3 bighas and 10 biswas, kh. No. 611(0-8), 612-(3-2), Viil. Kapashera, Teh. Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date: 14-8-84

FORM No. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq 1|SR-III|12-83|1521.—Whereas I SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No.

Rs. 25,000 and bearing No. Agr. land situated at Vill. Ghitorni, New Delhi has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid executes he apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1 t of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Panna Lal so Mithu

(Transferor)

(2) M|s. Sis Ram Sharma & Co., 36|5, Yusuf Sarai, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perio dof 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE · SCHEDULE

Agr. land mg. 7 bighas and 8 biswas, kh. No. 104(2-12), 53|2(2-8), 44|2(2-8), vill Chitorni, Teh. Meh., New Delhl.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date: 8-8-1984

(1) Sh. Panna Lal slo Mithu ilo Ghitorni, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/9. Sis Ram Sharma & Co., 36/5, Yusuf Sarai, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NFW DELHI.

New Delhi, the 8th August 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Ref. No. IAC|Acq I|SR-III|12-83|1522.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ry, 25,000|- and bearing No.
Agr. land situated at Vill. Ghitorni, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on Dec., 1983

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 5 bighas and 18 blswas, kh. No. 71(2-8), 2|2(2-8). 104(1-2), vill. Ghitorni, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone namely :---

Date: 8-8-1984

Ξ

22596

FORM ITNS----

(1) Sh. Panna Lal so Mithurlo Ghitorni, New Delhi.

(Transferor)

(PART III-SEC I

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Sis Ram Sharma & Co., 36/5, Yusuf Sarai, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq I|SR-III|12-83|1523.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Agr. land situated at Vill Ghitorni, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on Dec., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Agr. land mg. 5 bighas 18 biswas, khasra No. 86(4-16), 104(1-2), vill. Ghitorni, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1984

(1) Sh. Panna Lal slo Mithu rlo Ghitorni, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(17) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Sis Ram Sharma & Co. 36 5, Yusuf Sarai, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq I|SR-III|12-83|1524 —Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Ghitorni, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer

at New Delhi on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of ...

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 3 bighas and 14 biswas, kh. No. 54(1-6), 71(2-8), vill. Ghitorni, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHIR CHANDRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 59--256G1|84

Date: 8-8-1984

(1) Ruby (Park) Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Sahadeo Lal Deorah, Sri Sarat Deorah & Sri Satish Deorah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

- Calcutta, the 10th August 1984
- Ref. No. TR-33|84-85|Sl.|I.A.C.|Acq.R-I|Cal|908.—

Whereas, I, S. K. CHAUDHURI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

75C, situated at Park Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 23-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat—Unit No. 5 on the 10th floor at 75C, Park Street, Calcutta-16, covered area 1637 Sq. ft. Registered before the Registrar of Assurances ,Calcutta vide Deed No. I—13334 dt. 23-12-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax
Acquisition Range-1
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 10-8-84

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th August 1984

Ref No. 1R-40|84-85|SI.|I.A.C.|Acq.R-I|Cal|904.— Whereas, I, S. K. CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 75C, situated at Park Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Neemuch on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings or the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 11 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Ruby (Park) Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

22599

(2) Sri Bejon Kumar Dam as the Executor to the Estate of Sujata Dam alias Sujata Gupta.

(Transferee)

(3) Karnatak Investment & Traders Ltd. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other pid person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 5 on 3rd Floor at 75C, Park Street, Calcutta. Covered Area 1500 sq. ft. vide Deed No. 1—13355 dt. 23-12-83, Registered before R.A., Calcutta.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Date . 10-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th August 1984

Ref. No. IR-45/84-85 I.A.C./Acq. R-1/Cal. SI.905.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 75-C, sintated at Park Street, Calcutta-16 (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at R.A., Calcutta on 30-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ruby (Park) Properties Pvt. Ltd.,

(2) Sri Vivek Chawla,

(Transferor)

(3) Hindusthan Paper Corpn. Ltd.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 3 on the 11th floor at 75-C, Park Street, Calcutta-16, covered area 1127 Sq. ft. Registered before the Registered of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-13548 dated 30-12-1983.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road

Date: 10-8-1984.

(1) Ruby (Park) Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Rajesh Tandon.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Hindusthan Paper Corpn. Ltd.
(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

ORFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th August 1984

Ref. No TR-46'84-85-I.A.C.. Acq. R-1|Cal. Sl. 906.—Whereas, I. S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 75-C, siutated at Park Street, Calcutta-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officei

at R.A., Calcutta on 30-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 5 cm the 11th Floor at 75-C, Park Street, Calcutta-16, Covered Area 1634 Sq. Ft. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta Vide Deed No. I-13534, dated 30-12-1985.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proceedings to by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-8-1984.

Soal:

(1) Ruby (Park) Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Saloni Gujral.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 279 D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Hindusthan Paper Corpn. Ltd.
(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA
Calcutta, the 10th August 1984

Ref. No. TR-44|84-85|I.A.C.|Acq.R-I|Cal.SI. 907.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 75-C. sintated at Park Street, Calcutta-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at R.A., Calculta on 30-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 2 on 11th floor at 75-C, Park Street. Calcutta. Covered Area 1428 Sq. ft. vide ded No. I-13545, dated 30-12-1983. Registered before R.A., Calcutta.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date :10-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF UNDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th August 1984

Ref. No. TR-47/84-85/I.A.C Acq. R-I/Cal. SI. 908.—Whereas, I. S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. 75C, situated at Park Street, Calcutta-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Regiestring Officer at

R.A., Calcutta on 30-12-1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than often percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties' has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ruby (Park) Properties Pvt. Ltd.
- (1) Navan Kumar Shah.

(Transferor)

(Transferee)
(3) Hindusthan Paper Corpn. Ltd.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceard persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 at 75-C, Park Street, Calcutta-16. Vide deed No. I-17256, dated 30-12-1983. Registered before R.A., Calcutta.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta

Date: 10-8-1984.

FORM ITNS-

(1) Ruby (Park) Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Master Rajan Tandon.

(Transferee)

OFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th August 1984

Ref. No. TR-48[84-85]I.A.C., Acq.R-I]Cal.Sl. 909.—Whereas, 1, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 75-C, sintated at Park Street, Calcutta-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at R.A., Calculta on 30-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income prising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any othr person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 1 on the 11th floor of the multi-storyed building, covered area 1138 sq. ft. at 75-C, Park Street, Calcutta-16. Registered before the Registered of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-13551 dt. 30-12-83.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta

Date: 14-8-1984.

(1) Ruby (Park) Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Talat Ahmed & Tanweer Ahmed.

(3) Hindusthan Paper Corpn. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(COME-TAX ACT, 1901 (43 OF 1901)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 19th August 1984

Ref. No. TR-51|84-85|I.A.C.|Acq,R-I|Cal. SI. 912.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. 75-C, sintated at Park Street, Calcutta-16 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R.A., Calcutta on 29-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the property).

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 1 on the 9th floor of a multi-storeved building, covered area 1138 sq. ft. at 75-C, Park Street. Calcutta-16. Registered before the Registered of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-17187, datd 29-12-1983.

9. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—60—256GI 84

Date: 19-8-1984.

Seal;

(1) Ruby (Park) Properties (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Swarn Obbrai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th August 1984

Ref. No. TR-39|84-85|I.A.C.|Acq.R-I|Cal. Sl. 913.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impossible that the

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
75 C, situated at Park Street, Calcutta.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R. A. Cal. on 23-12-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Unit No. 3 on 8th floor, at 75-C, Park Street, Calcutta. Vide Deed No. 1-13335, dated 23-12-1983. Registered before R.A. Calcutta.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:-

Date: 10-8-1984,

(1) Kumar Prasanta Nath Tagore.

may be made in writing to the undersigned : -

(Transferor)

(2) Haripada Dey, Kalipada Day and Natayan Chandra Dey.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUITA

Calcutta, the 14th August 1984

Ref. No. TR-55[84-85]SI.914 I.A.C. Acq. R-I Cal. — Whereas, I, S K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-1 and bearing

No. 35A, situated at Darpanarayan Tagore Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the office of Registering Officer

at S.R.A. Calcutta on 23-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aroresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 Cottabs 7 Ch. 41 Sft. of land with 7 storyed building thereon at 35A, Darpanarayan Tagore Street, Calcutta. Registered before Sub-Registrar of Assurances, Calcutta, Vide Deed No. 1-13495, dated 23-12-1983.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date :14-8-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th August 1984

Ref. No. TR-56|84-85|S1 LA.C. Acq. R-1|Cal. 915.-Whereas, I. S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No. 35A, situated at Darpanaruyan Tagore Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 29-12-1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traily extend to as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namey :-

- (1) Kumar Prasanta Nath Tagore.
- (Transferor) (2) Sri Manicklal Dey, Sri Ganesh Ch, Dey and Sri Gebinda Chandra Dey.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 4K-19 sq. ft. of land together with a partly one and partly two storeyed building thereon at 35A. Darpa-narayan Tagore Street, being lot 'B', Calcutta. Registered before the Sub-Registrar of Assurances Calcutta vide Deed No. I-13496, dated 29-12-1983.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, S4, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta

Date:14-8-1984. Seal:

(1) Sri Jayanta Kumar Tagore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th August 1984

Ref No. TR-53|84-85|\$1.916 I.A.C.|Acq. R-I|Cal.—

Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

49 1, situated at Surendra Nath Banerjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at S.R.A., Calcutta on 7-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Smt. Subhra Mukherjec.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Undivided 1 share of the property consisting of 2B-14 Cottabs—9 Ch. 32 Sq. Ft. of land together with partly one partly two storyed structure thereon at 4911, Surendra Nath Banerice Road, Calcutta. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta, Vide Deed I-12493, dated 7-12-1983.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta

Date: 14-8-1984.

Soal :

FORM ITNS----

(1) Kali Durga Estate & Ors.

(Transferor)

(2) Sri Kishan Kumar Kejriwal

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME, TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th August 1984

Ref. No. TR-58|84-85|S1.917 I.A.C.|Acq. R-I|Cal.—Whereas I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing

No. 158, situated at Lenin Sarani, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 24-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the taid immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share of office room on the 3rd Floor measuring an area of 1460.43 Sq. Ft. at 158, Lenin Sarani, Calcutta. Registered before Sub-Registrar of Assurances, Calcutta, Vide Deed No. I-13364, dated 24-12-1983.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta

Date :14-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th August 1984

Ref. No. TR-36|84-85|\$1.918 I.A.C.|Acq. R-I|Cal.whereas I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 70A, situated at S. N. Banerjee Road, Calcutta-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer
at R.A., Calcutta on 13-12-1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration hterefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) 1. Ramesh Chandra Som, 2. Satyaki Prosad Som, 3. Saswati Som, and 4. Tapati Biswas.
 - (Transferor)
- (2) Sri Gopal Bose, Secretary, 24 Parganas District Committee of C.P.I. (M).
 - (Transferee)
- (3) Transferors, (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7 Cottahs 7 Chittacks with two storeyed building, 70A. S. N. Banerjee Road, P.S. Taltala, Calcutta-14, vide Deed No I-12686 dt. 13-12-1983. Registered before the R.A., Calcutta.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta

Date: 10-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Malti Shailendra Kothari, Rajiv Shailendra Kothari and Vivek Shailendra Kothari

(Transferor)

(2) Md. Farooque Azam and S. M. Maroof.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 17th August 1984

Ref. No. TR-65|84-85|.Sl. I.A.C.|Acq.R-I|Cal.|919.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 58

situated at Ripon Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Cal. on 17-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 9K 8Ch of land with one storeyed building at premises No. 58, Ripon Street, Calcutta, Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-13043 Dt. 17-12-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 17-8-1984

Seal 1

(1) Ganesh Das Ram Gopal.

(Transferor)

(2) Moster Navin Surana and Master Sunil Surana,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 16th August 1984

Ref. No. C.A.84|84-85|Sl. I.A C.|Acq.R-I]Cal.|920.--Where-

ns, I.
S. K. CHAUDHURI,
being the Competent Authority under Section 26°B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred
to as the 'said Act'). have reason to be the second to the sec immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 33A,

situated at Chowringhee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority Cal. on 9-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that Office space No. A-13 on 9th Floor measuring 1038 Sft. at Chatterjee International Centre 33A, Chowringhee Road, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acq. Range-I, Calcutta, Vide Serial No. 84 Dt. 9-12-83.

THE SCHEDULE

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Calcutta

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followise persons namely ---61—256 GI/84

Date: 16-8-1984

FORM ITNS ...

(1) M|s. Pary Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sriprakash Choukhany Shri Mahendra Choukhany and Shri Krishna Choukhany,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONI OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Calcutta, the 16th August 1984

Ref. No. C.A.85|84-85|Sl. I.A.C.|Acq. R-I|Cal.|921.—Whereas, I. S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe thathe immovable property having a fair market value exceedings

Rs. 25,000 and bearing No. 7/1A,

situated at U. N. Brahmachari Street, Cal.-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at C. A. Cal. on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

, All that Flat No. 3B, at 3rd Floor at Premises No. 7|1A, Dr. U. N. Brahmachari St., Calcutta-17. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acq. R-I, Calcutta, Vide Sl. No. 85 Dt. 9-12-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Calcutta

Date : 16-8-1984, Seal :

FORM ITNS .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HŸDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th August 1984

RAC. No. IAC|Acq.[37-EE]27.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Flat C in 11-4-633[1 situated at A. C. Guards Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Hyd.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of "--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or f

the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceeding for the equisition of the active and property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Basera Builders, 10-2-287/3, Shantinagar. Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Mohd. Laiquddin Khen, Flat No. C-11-4-633|1, A. C. Guards, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plat C in 11-4-633 1, A. C. Guards, Hyderabad 1024 sft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 325 in the month of September, 1983)

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-8-1984

Scal:

(1) Sri Sharduddin Ahmed, Road No. 11. Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Rukmini Bai and Others, 8-2-610, Road No. 11, Banjara Hills, Hyderahad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HŶDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th August 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|28.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Land

situated at Banjara Hills Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range. Hyd. 9|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) tacinizating the reduction or evasion of the liability of the transferoor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land admeasuring 2154 sq. yds, situated at Banjara Hills, Hyderabad.

(Property as described in agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 326 in the month of September, 1983)

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pussuence of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Maan Construction (P) Ltd. A-102, Satya Apartments, Masab Tank, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Pallab Kumar Banerjee, and Mrs. Uma Banerice, Flat No. 9, 2nd floor Sharon Apartments, Begumpet, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th August 1984

RAC. No. ACQ|37-EE|29.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Flat No. 9 in Sharon Aparts.

situated at Begumpet, Hyd.

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908

as per deed registered until the initial Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range. Hyd. 983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No 9 in 2nd floor, Sharon Apartments, Begumpet, Hyderabad (Area 1140 sft.,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range. Hyderabad under Registration No. 328 of September, 1983)

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-8-1984

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th August 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|30.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat 515

situated at Red Hills Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range. Hyd. 9|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe, that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the **ebject of**:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; aud/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mls. Bhagyanagar Construction Co., 11-4-656|1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mohd. Basheeruddin, 11-4-555, Red Hills, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 515 of 11-4-656 1, Red Hills, Hyderabad (Area). (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 330 in the month of September, 1983).

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad

Date: 14-8-1984

NOTICE I NDFR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th August 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|31,--Whereas, J, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No, 301

situated, at Ashoknagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), hus been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range. Hyd. 9|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M|s. Mehta Towers. 1-1-293|4, Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferor) (2) Sri P. Hanumantha Rao,

Chidipi village (via) Kovvuru, W.G. Dt.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning in given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F. No. 301 in 3rd floor of Mehta Towers, 1-1-293|4, Ashoknagar Hyderabad (Area 1610 sft.,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 334 of September, 1983).

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-8-1984

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M_s. Mehta Towers, 1-1-293]4, Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. V. Venktyamma, 1-1-230|2|9, Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th August 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|32.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. F. No. 304

F. No. 304 situated at Ashoknagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range. Hyd. 9|83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any racentating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304 3rd floor of Mehta Towers, Ashoknagar Hyderabad (Area 1610 sft,.)

(Property as described in agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 335 in the month of September, 1983).

M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-8-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Babu Khan Construction, 5 9-58[1-15] Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri 1. Suresh Reddy, •16-2-842|1, Saidabad, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th August 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37-FE 33.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

O. S. No. 174 situated at 1st floor Bashirbugh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registration Offices at i.A.C., Acq. Range, Hyd. on 983 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ntteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of arster with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or only moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 174 1st floor of Babu Khan Fstate, 5-9-58[1-15] Bashirbagh, Hyd rabad (Area 380 sft...)
(Property as described in agreement to sale registered in the office of the LAC., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 336 in the month of September, 1983).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '--62---256 GI 84

Date: 14-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMM!S-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad. the 14th August 1984

Rcf. No. RAC No. IAC|ACQ|37-EE|34.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 '43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/s and bearing No.

O. S. No. 175 situated at Bashirzagh Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range, Hyderabad on 9[83] for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the stild Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reisons, namely:—

(1) M/s. Babu Khan Construction, 5---58/1-15, Bashirbagh, Hyley bad.

(Transferor)

(2) Dr. L. Rajendra Reddy, 16-2-842|1. Saidabad, 1!yderab: l.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) ov any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saids Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 175 in 1st floor of 5-9-58|1-15, Bashirbagh, Hyderabad (Area 380 sft.).

(Propert, as described in the agreement to sale regis'ered a the office of the LA.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 337 in the month of September. 1984).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Properties: A mont Comment of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

"ate · 14-8 1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACF, 1961 (43 OF 1961)

GOYI RNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th August 1984

Ret No. RAC No. IAC ACQ/37-9E 55.—Whereas, I. M. JLG IN MOHAON,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-ax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 'Rs. 25,000|- and bearing

No. O. S. 176 situated at Bashirbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Aca Range, Hyderabad on 9183

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property at afolesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the condiferation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the aid instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect from it, some arising from the transfer and

moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1927 11 of 1922) or the said Act r the Wealth ras Act 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Secvtion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Babu Khan Construction, 5-9-58|1-15, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sai L. Suresh Chandia Reddy, 16-2-842[1, Saidabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, it any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

LYII 16.10 . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

O-S. No. 176 in 1st floor of 5-9-58]1-15, Bashirbagh, Hyderabad (Area 380 sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registeration No. 338 in the month of September, 1984).

M JLCAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 14-8-1984.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th August 1984

RAC No IAC/ACQ/37-EE/36.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. O.S. No. 1106 situated at Bashirbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trasfered as per deed registered uner the Registeration Act, 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range, Hyderabad on 9/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 M|5. Babu Khan Construction, 5-9-58|1-15, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Madanlal Attal, 108, Walker Town, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said intmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac., shall have the same meaning as given in hat Chapter

THE SCHEDULE

O.s. No. 1106 in 11th floor of Babu Khan Estate, Ba ahir-bugh, Hyderabad (Area 1103 sft.,)

(Property as described in the a greement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 339 in the month of September, 1983).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMESTAN

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th August 1984

RAC No. IAC|ACQ|37-EE|37 - - Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) hereinafter reteired to as the said Act'), have reason t obelieve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 2.5,000-and bearing

Shop No .5 situated a St. M .Modi Commercial Complex Sec' bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range, Hyderabad on 9/83

nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax (ct. 1987, 27 or 1987).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. S. M. Modi Commercial Complex, 5-4-187|3 & 4, Karbala Maidan, Secunderabad.

(Transferoi)

(2) M/s. Sandeep Agencies, 5-2-177, R. P. Road, Secunderabad-500 003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ye period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat admeasuring 362.5 sft., situated at 5-4-187|3 & 4, Karbala Maidan, Secunderabad

(Property as described in the agreement to sale registere in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabal under Registration No. 343 in the bonth of September, 1983)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 14-8-1984.

(1) M|s. S. M. Modi Commercial Complex, 5-4-187|3 & 4, Karbala Maidan, Secunderabad.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri C. C. Parikh Family Trust, Represented by Sri M. Rajesh C. Parikh, Trustee, 1-8-229/5, Pronderghast Road. Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th August 1984

RAC No. IAC|ACQ|37-EE|37.--Whereas, I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Incom-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000,- and bearing No.

Shop No. 3 .istuated at Karbala Maidan S.ecunderaabd (and mo, fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offic of the Registering office, at IAC Acq. Range, Hyderabad on 9/83

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent con ideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concearment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the actiusition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.
- FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE

Flat|Shop No. 3 in S.M. Modi Commercial Complex, 5-4-187 5, Karbala Maidan, Secunderabad (Area 362 5 sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 344 in the month of September. 1983).

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act the following persons, namely:-

Date: 14-8-1984.

FORM ITTIS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A P.)

Hyderabad, the 14th August 1984

RAC No. IAC|ACQ|37-EE|39.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000 and bearing

Shop No. 4, situated at Secunderahad

(and more fully described in the schedule annexxed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Regitting Officer at IAC Acc. Ringe ... Hyderabad on 98|3

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the come-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the same of the Wealth-tax Not. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s. S. M. Modi Commercial Complex, 5-4-187/3 & 4, Karbala Maidan, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M|s. Minar Corporation, 5-2-177, R.P. Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4 in S.M. Modi Commercial Complex, Secunderabad (Area 377 sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 347 in the month of September, 1983)

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th August 1984

RAC No. IAC|ACO|37-EE|40,-Whereas, I, M. JFGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. F. No. C-203 situated at Masab Tank, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerine Officer at IAC Acq. Range, Hyderabad on 9|83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as amosed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

- (1) M/s. Maan Constructions (P) Ltd., A-102, Satya Apartments, Masab Tank, Hyderabad.
- (2) Sri K. Siva Prasad Guptha, 6-3-252|1|7|3, Erramanzil Colony, Hyderabad-4.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-203 in 2nd floor of Satya Apartments, Masab

Tank, Hyderabad. (Area 1576 sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 354 in the Month of September. 1983).

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-8-1984.

Scal:

FORM IINS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th August 1984

RAC No. IAC|ACQ|37-EE|41,-Whereas I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Apt No. 60-H situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at IAC Acq. Range, Hyderabad on 9|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---63---256 GI 84

(1) Land Mark Builders, 6-2-930, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Hyderabad OKARA Carriers, 5-2-200 17-A, Unit No. 11, New Osmangunj, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

f xplanation :- The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 60-H in 6th floor of 6-3-986 to 9 Kapadia Lane, Somajiguda, Hyderabad (Area 1160 sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 355 in the month of September, 1983).

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-8-1984.

FORM ITNS----

(1) M|s Land Mark Builders, 6-2-930, Khairatabad Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Hyderabad Okara Carriers, 5-2-200/17-A, Unit No. 11, New Osmangunj, Hyderabad.

Table (2000) ---

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1984

Ref .No. RAC No. IAC|ACQ|37-FE|42.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing

Apartmen tNo. 604, siautted at Somjiguda Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1980) in the Office of te Registering Officer at IAC, Acq. Range Hyd. 9|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 604, 6th floor Shibas Glen 6-3-986, Kapadia Lane, Hyderabad. (Area 1160 sft.,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquiltion Range, Hyderabad under Registration No. 357 in the month of September, 1983)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby mittate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Aluri Muralikrishna Murthy, Slo Venkatramaiah, 13-1-13, Suryaraopet, Main Road, Kakinada.

(Transferor)

 Smt. T. Vasanta, Wlo. Shri Sarveswata Rao, H. No. B-47|F-6, Vijayanagar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1984

RAC. No. 453|84-85.-Wherea, I,

M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

has been transferred

No. House situated a tVijayanag ir Colony Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), as per deed registered

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Kairatabad on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) tacditating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1947 /27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-47|F-6 M. No. 10-3-444|90 (Portion) situated at Vijayanagar Colony, Hyderabad admeasuring 1000 sft, registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 3162|83.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namedy:—

Date: 14-8-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

an mandaharangan pangganan at kamangan danan an alambaharan Baman Cambia

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1984

RAC. No. 454|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatic referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. House situated at Umanagar Begumpet, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri P. Radhakrishna Chetty 34, Ambu garden, Mehdipatnam, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Dr. S. Sarojini Devi,
 c|o. Dr. K.B. Naidu,
 H. No. 6-2-1219|18, Umanagar,
 Begupet, Hyd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Huose No. 6-3-1219|18, Umanagar, Begumpet, Hyderabad admeasuring 311 sq. yds. of land and 1180 sft. plinth registered by the SRO Vallabhnagar vide document No. 3665|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 14-8-1984

(1) M/s Land Mark Builders, 6-2-930, Khairatabad Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. Sengupta, clo. Coromandal Fertilizers Ltd., S.D. Road, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1984

RAC. No. 455|84-85.--Whereas. I.

RAC. No. 453/84-85.—Whereas, 1,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
ro as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and bearing No.

Anatheory 504 situated at Empiricants Hyderaland

Apartment 504, situated at Punjagntta Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deep registered unler the Registration Act, 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 504 in "Shibas Glen" at 6-3-980 to 996 Kapadia Lane, Funjagutta, Hyderabad admeasuring 1160 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6227|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
> Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M|s. Virgo Constructions, Rep. by Sri B. N. Reddy, R|o. Banjara Hills, Hyd.

(Transferor)

(2) Shri Y. Bhaskara Rao, s|o. Ramulu Personal Manager, Andhra Bank Central Office, Sultan Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1984

RAC. No. 456|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat situated at Punjagutta Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 12 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 92 in floor No. 3, Block F at Punjagutta, Hyderabad admeasuing 412 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6598 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1984

RAC. No. 457/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. House situated at Masab Tank Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 12/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in th said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Syed Hasman, s|o. Syed Yaseen & Others, 15-6-354, Begum Mazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Syed Ahmed Jameel, soo.
 Haji Mohd. Iqbal,
 H. No. 15-6-360, Begum Bazar, Hyderabad.
 (Transfered)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorphism able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10-4-771[82]C4 Masab Tank, Hyderabad admeasuring 1196 sq. yds. of land areas and 220 sft., of plinth area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6194[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-8-1984

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMFTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1984

RAC. No. 458/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. No. Flat situated at Punjagutta Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1°22 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. Virgo Constructions, by Pr. Sri B. N. Reddy R|o. Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Kum. P. S. Saroja, d|o. P. S. Sarma, Flat No. 78, Block E, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 78 in Block E, Virgo Tow ers, Punjagutta, Hyderabad admeasuring 400 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6434|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 14-8-1984

Scal

FORM ITNS----- --

NOTICE JUNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1984

RAC. No. 459|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000'and bearing

No. Land situated at Kallur (v) Kurnool (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kurnool on 12/83

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pristiatice of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate roccedings for the acquisition of the aforesaid property by we rame of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons namely :--64-256 GI/84

(1) Shri T. K. Beesaiah, 40|436A, Bawanagar, Kurnool. (Transferor)

(2) K|w. Shri Guru Ragnavendran Traders, Rop. by Sri K. Guruvaiah, Kurnool. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovater property, within 45 days from the date of pub!^k cation of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in tha Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 acre situated at Kalluru village, kurnool registered by the S.R.O., Kurnool vide document No. 7247|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-8-1984

Seal .

(1) The Executive Officer, Chowdeswari Devasthanam Kallur, Kurnool Dt.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Seshasayana Co-operative
House Building Society Ltd., Rep. by Sri T. Rami
Reddy, Midsuru village, Kurnool Dt.,
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Hyderabad, the 14th August 1984

publication of this notice in the Official Gazette,

Ref No. RAC No. 460|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Lands situated at Kallur Kurnool (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Kurnool on 12|83

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereing as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the maintenax Act, 1957 (27 of 1957);

Land admeasuring 1-58 acres situated at Kalluru registered by the S.R.O., Kurnool vide document Nos. 7417|83.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dato : 14-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAY.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1984

RAC. No. 461|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - bearing

No. Flat situated at Begumpet Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vallabhnagar on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exxceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agred to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Srinivasa Builders (P) Ltd., Rep. by Dr. Sri G. Srinivasulu Reddy, 1-2-593|4|A Ramachandra Mission Road, Hyderabad,

(Transferor)

 Srl P. Rajender Reddy, 2-2-3 Al2, Vidyanagar, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 506 in floor M. No. 6-3-1187, Begumpet, Hyderabad admeasuring 1700 sft., registered by the S.R.O., Vallabhnagar vid document No. No. 3838[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-8-1984

(1) Smt. Ramila Ben Sanghvi, 4-1-10, Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Dwarkadas, R|o 3-5-170|C|F, Narayangudda, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1984

RAC. No. 462/84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Land situated at Banjara Hills, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land in M. No. 4-3-51 to 51 C and 66 to 72 Raghunathbagh, Sultan Bazar, Hyderabad behind Posnett Bhavan admeasuring 367 sq. yds, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6480|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri P. Sundara Rao and 12 Others Pedarupalle, Nellore Dt.,

(Transferor)

(2) Sri Parumarthi Venketa Seshayya, and Others Managing Partners of Shri Durga Real Estates, Pogathota, Nellore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1984

RAC. No. 161/84-85.Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Lands situated at Padarupalle Nellore Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Nellore on 12 83

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter

(a) l-acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or:

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land admeasuring 21-47 acres situated at Padarupalli, Nellore Dt. registered by the S.R.O., Nellore vide document Nos. 134 to 144, 146, 147, 3952, 3940, 3939 and 4059[83. (17 separate sale deeds)

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1984

Scal:

(Transferor)

(1) Sri Y. Kotesware Rao and Others, Repalle. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Aturi Manikya Rao, Old Town, Repalle.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1984

RAC. No. 162|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

M. JEGAN MOHAN vering the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land & shed situated at Isunapalli Repalle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Repalle on 12|83

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property and i have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income to Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and shed situated at Isunapalil, Repalle, Guntur Dt., registered by the S.R.O., Repaile vide document No. 2959, 2960, 2961|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-8-1984

Scal:

FORM ITNS- ----

(1) Shri J. B. S. R. Krishna Sastry, 44, Andhra Bank Colony, Malakpet, Hyderabad

(Transferor)

(2) Sri Prataprai K. Mehta, Clo Mls. J. Kushaldas & Co., Convent Street, Vijayawada, 1 Town. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th August 1984

Ref. No. RAC. No. 163|84-85.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. House situated at Town Vijayawada

and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcseld exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax 152 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property situated at Convent Street, 1 Town, Vijayawada registered by the SR.O., Vijayawada vide document No. 7227/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-8-1984

FORM ITNS ____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri K. Krishna Prasad slo Eswara Rao, RTC Colony, Patamata, Vijayawada.

(Transferce)

(2) Sri Kandru Gnanaratnam wo Kanta Rao, Patamata, Vijayawada.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th August 1984

Ref. No. RAC. No. 164|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

House situated at RTC Colony, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said proper'y may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—I've terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the putposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property situated at RTC Colony, 1st Lane. Patamata, Vijayawada registered by the SR.O., Vijayawada vide document No. 7705 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Scetlon 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-8-1984

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th August 1984

Rof. No. RAC. 165/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House situated at Gunadala, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) familiating the reduction or evasion of the Hebility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
65—256 GI|84

(1) Sri B. Ramayamma w|o Seshagiri Rao, GPA Sri T. Satyanarayana, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Mr. B. Seshagiri Rao, Transport Contractor (P) Ltd., Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Gunadala, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 7169/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1984

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.). the 13th August 1984

Ref. No. RAC. 166|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

House situated at Guntur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :---

(1) Sri K, Rama Mani wo Sundara Rao, Covalt pet, Guntur.

(Transferor)

(2) Sri Mastan Vali, so Abdul Raoof Sangadigunta, Guntur

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLINATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Covalpet, Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 9704[83]

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1984

Scal .

(1) Sri V. Vanajakshi wlo Narasimha Rao, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Jasti Ramachandra Rao and Sri N. Scotharamalan, D. No. 40-9-11, Patamata, Vijayawanda. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX COMMIS-

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th August 1984

Ref. No. RAC. 167 M. JEGAN MOHAN, 167/84-85.—Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1901 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

House situated at Patsmata, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the office of the Registering Officer a Vijayawada on December 1983

for an apparent consideration which is less than the roun market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Patamata, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide 2 separate sale deeds bearing document Nos. 7650 and 7649|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons. namely:---

Date: 13-8-1984

(1) Sri M. Mohan Rao, so Veeraiah, Kammavaripalem, Nandigama Tq., Krishna Dt. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chalrman, The R. C. Diocese of Hyderabad Deccan Society, Vijayawada.

ociety, vijayawada. (Trausferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th August 1984

Ref. No. RAC. 168/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

teing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

lands situated at Kathvavaram, Kırıshna Dt.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nandigama on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION, The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 4 acres and 3-84 acres situated at Kathvavaram, Krishna Dt., registered by the S.R.O., Nandigama vide document Nos. 2297 and 2303 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date : 13-8-1934

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE AF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th August 1984

Rei. No. RAC. 165 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

Lands situated at Ramachandrapuram Agraharam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/es
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri P. Visalakshmi, woo late Venkataramaiah, Narasaraopet.

(Transferor)

(2) Shri Mandagur Chinn ilah, s o Innacah, President The Guntur Fown Srinivasaraopet Karmika Sangham, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 24½ cents situated at Ramachandrapuram Agrahamn. Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 10067/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1984

Scal:

(1) Sri N Venkata Subbatah and Others, Martoor, (Transferor)

(2) Sri Kandimulla Srinivasa Rao, Managing Director Sri Amaravathi Ltd., Chilakaluripet, Guntur Dt.

Textiles (P)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (AP.), the 13th August 1984

Ref. No. RAC 170]84-85.—Where is, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No.

Lands situated at Martoor, Prakasam Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Martoor on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the talk "at, to be following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) be any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Lands situated at Martoor village, Prakasam Dt., registered by the S.R.O., Martoor vide document Nos. 160, 152, 151, 150, 149, 148 and 147|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref. No. RAC. No. 171|84-85 --- Whereas I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

House situated at Vizag (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on December, 1983

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the arms ent consideration therefor by more than There per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1947 (27 of 1957);

(1) Shrimati V. Laxmi Manoharam wo Sri Rama Chalapathi Rao, Patamata, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sir Valluri Kamanna and Other, D. No. 50-48-21, Resuvanipalem, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein eare defined in Chapter XXA of the saio Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Visakhapatnam registered the S.R.O., Visakhapatnam vide document Nos. 13953 83.

> M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref. No. RAC. No. 172 84-85.—Whereas I, M. JFGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. House situated at Pedawaltari, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

House situated at Pedawaltari, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Visakhapation on December, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri B. Satyanarayanamurthy, V.U.D.A. Quarters, Ramnagar, Visakhapatnam,

(Transferor)

(2) Sri Siyapada Roy, Muyyalayanipalem, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Pedawaltair village. Visakhapatnam registered by the S.R.O., Visakhapatnam vide document No. 14100|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 13-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE SECTION TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref. No RAC. No. 173|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No.

Land situated at Gunupudi, Bhimavaram Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhimavaram on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and[or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1867 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

66—256GI 84

- (1) Sri M. John Samuel slo
 Sri John,
 Cherukuvada Post, Arividu Tq., W. G. Dt.,
 (Transferor)
- (2) Smt. G. Varalaxmi wlo Sri Ramesh,D. No. 412, TPT Quarters, Sanjeevareddynagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1-01 acres situated at Gunupudi village, Bhimavaram Tq., registered by the S.R.O., Bhimavaram vide document Nos. 4143, 4139[83].

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 13-8-1984

(1) Srl N. Veereddy, Peranamachandrapuram, Duppalapudi Post, Ramachandrapuram Tq., E. G. Dt.,

(Transferor)

(2) Sri N. Satvanaravana Reddy. Peragramachandrapuram, Duppalapudi Post, Ramachandrapuram Tq., E. G. Dt.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref. No. RAC, No. 174'84-85,—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable income taken in the immovable of the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

land sittand at Rajahmundry and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the

of the Registering Officer at

Rajahmundry on December, 1983 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been troly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION: -The terms and expressions Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which nught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woalth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1-55 acres situated at Rajahmundry registered by the S.R.O., Rajahmundry vide document. No. 7207 83

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

New, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 13-8-1984

(1) Smt 7. Umamaheswari wlo Sri Nageswara Rao, Seetharampulam, Narsapul.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mis. Petani Venkanna & Co., Palakol, W.G. Dt

(Transferre)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref. No. RAC. No. 175|84-85.—Whereas J. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No

House sunated at Narsapur, W.G. Dt.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at Eyvra on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ... Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any laceme arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

(b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property situated at Narsapuram registered by the S.R.O., Eluru vide document, No. 6463/84, 6464/83 and 6467 83.

> M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following appropriate approach of the said Act, to the following approach of the said Act, to the said Act, to the following approach of the said Act, to the s ing persons, namely :--

Date: 13-8 1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sii A Suryaprakasam, iiigh Court Advocate, 13, Isaaq Colony, Secunderabad,

(Transferor)

(2) Sir Lakkimsetty Suresh. Tatipaka, Razole Tq, E.G. Dt,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref. No. RAC. No. 176|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority, under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing No. Land situated at Ambajipet F.G. Dt. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambajipet on December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

Ambajipet on December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . –

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand/or

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2-50 acres situated at Ambajipet regis tered by the S.R.O., Ambajipet vide document No. 1988 83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Date: 13 8 1984

Scal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref. No. RAC. No. 141 84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Land situated at Pentasima, Bonangi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sabbayaram on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Chowdary Somanna Patrudu and Other, Suryabagh, Vizag.

(Transferor)

(2) Gajuyaka House Building Society Ltd., B-1866, Rep. by its President J. Satya Murthy, Gazuvaka, Visakhapatnam DI,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 10 acres, 66 cents situated at Pentasuma Bonang, village registered by the S.R.O., Sabbavaram vide document No. 3438[83 and 3437[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 13-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF THIE

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref No. RAC. No. 142|84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House situated at Patamata, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evances or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Sk. Imamuddin Javid Public Charitable Trust, Managing Trustee, Sr. S. A. K. Jeelany, Governorpeta, Vijayawada.

(Transferor)

 Snd. P. Prameela Rani wlo Veerabnadradu, Hayyat Khan Street, Larapet, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may may made in writing to the undersigned:— z

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House properly structed at New Postal Colony, Patamata, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 7669/83.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 13-8-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri D Rama Murthy Slo Sri Yellaiah, Gandhi Chowk, Kharamam.

(Transferor)

22659

(2) Sri Ca, Narasimha Rao slo Shri Veerajah, Khamam bazar, Khammam,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref. No. RAC. No. 143[84-85,--Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing No.

House sugated at Gandhi Chowk, Khammam

(and more fully described in the Schedule annexed herato), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Khammam on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 432.71 sq. yds. situated at Gandhi Chowk, Registered by the S.R.O., Khammam vide document No. 2|84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 13 8-1584

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) So K. Mohan Subendra Gupta and Others. Krishnanagar, Guntur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. Jafrullah Khan so Sri Jamaluddin, 13|3, Arudnelpet, Guntur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref. No. RAC. No. 144|84-85.—Whereas I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
House situated at Krishnagar, Guntur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Krishnanagar, Guntur, registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 9564|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date : 13 8-1984

(1) Shri M. Bala Subrahmanyam, Gandhinagar, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Ch. Subrahmanya Sastry Seetharama Sastry, Governorpet, Vijayawada (Present: D. No. 26|22|2, Devakinandananilayam, Gandhinagaram, Satyanarayanaswamy vari veedhi, Vijayawada).

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref. No. RAC.145|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. House situated at Gandhinagar Vijaywada

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Of at Vijayawada on December 1983 for an apparent consideration which is less than

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act., 1957 (27 of 1957);

House property situted at Gandhinagaram, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide Document No. 7575 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--67---256GI 84

Date: 13-8-1984

Scal:

(1) Sri P. Venkamma and Others, Santhapeta, Ongole.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri D. Musalarao Slo Sriranganathan, Devathvarisandhu, Ongole.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref. No. RAC, No. 146|84-85.---Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Lands situated at Pelluru Village, Ongole Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ongole on December 1983

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands admeasuring 2 acres situated at Pelluru village, Ongole Dt., registered by the S.R.O., Ongole vide Document No. 428 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1984

(1) Sri Kolli Koteswaramma Satyanarayana, Labbipet, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri G. Koteswara Rao So Venkateswara Rao, President: Sri Padamasali Seva Sangham, H. No. 39-8-9, Labbipet, Vijayawada.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref. No. RAC, No. 147/84-85,--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000|- and bearing

House situated at Labbipet Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in Decembei, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of :-

> (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

> (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Italian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein is are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 38 8-9, Labbipet, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vida Document No. 7210 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (AP)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1984

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref. No. RAC. No. 148|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Kandulavari St., Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering (Officer

at Vijayawada in December, 1983

for an apparent (consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay taxe under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri K. Durga Sambasive Suryanarayana Muithy, and Others, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Sambbavanadha Rajendra Surijain Swethambari Trust, Rep. by Sri Jerulal, 11-41-26, Kandulavari Street, Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 4s are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 11-41-26 situated at Kandulavari Street, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide Document No. 7549|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13 8-1984

(1) 1. Sri K. Narayana Rao So Chinna Rathaiah, 2. Koganti Kamalamma Wo Narayana Rao Seshasai Street, Ramaraopeta, Ramanayyapeta,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref. No. RAC. No. 149 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
No. Lands situated at Ramanayyapet Kakinada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kakinada on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the rair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), (2) T. C. Venkatachalam and 17 Others, Partners of-Sri Laxmi Ganapathi Modern Rice Mille Kakinada. Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 acres 22 guntas situated at Ramanayyapeta, Kakinada registered by the S.R.O., Kakinada vide Document Nos. 10108, 10109, 10110, 10091, 10092, 10071 and 10072|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 279 D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri P. Muneyya and 4 Others, Lankalapalem Sabbavaram Tq., Vizag Dt.

(Transteror)

(2) Sri Yenugua Sankara Rao Pr. M|s. Vijeta Fabricators, Lankalapalem Sabbavaram Tq., Vizag Dt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref. No. RAC. No. 150|84-85.-Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act') in the said Act'. property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Lands situated at Kankalapalem (V)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sabbavaram in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

Land admeasuring 80 cents situated at Sabbavaram Tq., Lankalapalem (V) registered by the S.R.O., Sabbavaram vide Document No. 4324|83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref. No. RAC. No. 151|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No.

House situated at Rajahmundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajahmundry on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. G. Uzzinable Carey Wo Late William Carey, Rajahmundry.

(Transferor)

 Smt. Yellamanchili Takshmirani and Radhika Rani,
 D. No. 1-10-12, Gurukulam Street, Rajahmundry.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property admeasuring 2457 sq. yards of land and 3504 sft., plinth area situated at Prakasam Street, Rajahmundry registered by the S.R.O., Rajahmundry vide Document No. 8045, 8044, 8042, 8043|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref. No. RAC. No. 152|84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
iscome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing No.
House situated at Ruishboundary

House situated at Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at

Rajahmundry on 12/83 for an apparent consideration which is less than the fair tharket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of nansfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri M. Krishna Murthy So Subbaiah, Mangalavarapupeta, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) Sri N. Rama Krishna, Managing partner of Mis. Ratna Ceramics & Refractories, Danavaipeta, 47-1-4, Rajahmundry.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Rajahmundry registered by the S.R.O., Rajahmundry vide Document No. 7751|83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1984

(1) Sri M. Satyanarayana & Others, Gowripatnam, W. G. Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Coastal Chemicals Ltd., 802 Garapativari Street, Ramnagar, Nidadavolu-534303, A.P.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref. No. RAC, No. 153/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Lands situated at Gowripatnam W.G. Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kovvur on 12/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the trunfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the anid Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land admeasuring 21-05 acres situated at Gowripatnam, Kovvur Tq., W.G. Dt., registered by the S.R.O. Kovvur vide Document Nos. 2030, 2029, 2028, 2016, 2017, 2006, 2005, 2004]83.

Inspe

Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——68—256GI94

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref. No. RAC. No. 154|84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land situated at Anagampudi (V) Vizag Dt.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Sabbavaram on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri M. Apparao and Others, Anagampudi village, Sabbavaram Tq., Vizag Dt.

(Transferor)

PART (II -SEC. 1

(2) Shri Vijayalaxmi Cooperative House Bldg. Soc. Ltd. Rep. by Secretary Sri M. Ganapathiraju, Waltair Uplands, Visakhapatnam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land admeasuring 14-37 acres situated at Anagapudi village Sabbavaram Tq., Vizag Dt., registered by the S.R.O., Sabbavaram vide Document No. 3777, 3779, 3780, 3781, 3613, 3614, 3615, 3616, 3617, 3618, 3619, 3826, 3825, and 3827|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.F.)

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER' OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref. No. RAC. No. 155|84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Lands situated at Patamata Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. V. Nirmala Devi Wo Suryanarayanavara Prasad Patamatalanka, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Vallurupalli Prabhu Kishore, Slo Kesavarao Chowdary, Patamata. Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 55 cents situated at Patamata Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide Document No. 7165 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th August 1984

Ref. No. RAC. No. 156|84-85.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sril C. M. K. Mohd. Segu Fathummal and Others, Vijayawada.

(Transferor)

- (2) 1. Eri N. Subrahmanyam, s|o Vallaiah, Vijayawada.
 - 2. Smt. Noorejehan Begum, Wo Md. Ameena, Vijayawada.
 - 3. Smt. G. Roja Prasannalatha, Wo G. V. R. Ramalingeswararao, Surayaraopeta, Vijayawada.

(Transferce) \

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the saxt. Act, shall have the amse meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 11-41-2, Kandulevari Veedhi, Vijayawada registered by the S. R. O., Vijayawada vide 3 separate sale deeds bearing document Nos. 7674, 7673 and 7672|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Managering Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri M. Mallareddy, Penumaka village, Mangalagiri Tq., Guntur Dt.

(Transferor)

(2) Balakrishna Timber Depot, Rep. by Smt. Raghavamma, w/o Rangarao, Srinivasarao Thota, Guntur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th August 1984

Ref. No. RAC. No. 157 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land & shed situated at Nagarampalem Cuntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

the Registering Officer at Guntur on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sair Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land with shed situated at Nagarampalem, Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 9928, 9905, 9930|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th August 1984

Ref. No. RAC. No. 158|84-85.--Wherease, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nellore on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferes for topurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 cm 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri V. L. Narasimha Rao, so Krishna Murthy, 6 274 Stone Housepet, Nellore.

(Transferor)

 Smt. K. Jayamma, wlo Adeyya Naidu, No. 71 S.M.V. Koil Street, Triplicate, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Singarajuvari Street Nellore registered by the S.R.O., Nellore vide document No. 6465 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th August 1984

Ref. No. RAC. No. 159|84-85.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land & Building situated at Bapatla (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baputla on December 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri Y. Prafulla Chandra Chowdary and Others, Patamata, Vijayawada.

(Transferor)

(2) The Congregation of the Sisters of the Cross of Chavanoda Society, Registered under Societies Act, 1850, Act XXI of 1860, Rep. by Sri Geneive Mani, Tiruchirapally, Tamilnadu State.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building situated at 1st Lane, Vallabhaipatelnagar, Bapatla registered by the S.R.O., Bapatla vide document No. 2628/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984

(1) Sri G. Chalama Reddy, so Rami Reddy, and 2 Others, Kothabavi, Narasaraopet. (Transferor)

(2) Sri Rapanapalli Laxmi Satyavathi, wo Sarvabhowmudu. D. No. 8-11-34. New Ward No. 8, Narasaraopet, Guntur Dt. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref. No. RAC. No. 160|84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. House situated at Narasaraopet
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering (Act,

Narasaraopet on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property D. No. 8-11-34 at New Ward No. 8, Narasaraopeta, registered by the S.R.O., Narasaraopeta vide document No. 6176|83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-8-1984

(1) Shri Mahipal Singh S|o Hari Singh, R|o Jodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kewal Chand Slo Shri Syarchand Oswal Paota, Jodhpur (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th August 1984

Ref. No. Raj. IAC (Acq.) 2454.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing
Plot No. 10 situated at Jodhpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 8-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 10, situated at, Jalam Niwas, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 3528, 3529 dated 8-12-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-8-1984

(1) Shri Mahipal Singh So Hari Singh, Ro Parta Jodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th August 1984

Ref. No. Raj.|IAC (Acq)|2455.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. Plot No. 10 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jodhpur on 8-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

R|o Paota, Jodhpur. (Transferee)

(2) Shri Mahavir Chand So Shri Sayar Chand,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from he date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 10, situated at, Jalam Niwas, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 3528, 3529 dated 8-12-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-8-1984

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(1) Shri Chandmal So Shrt Sujanmal Oswal Chandawa Ki Haveli, Jodhpur.

(Transferor)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Betul Mal Committee, Ganerro Ki Haveli, Jodhour. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th August 1984

Ref. No. Raj. IAC (Acq.) 2456.--Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering (

Jodhpur on 31-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property, situated at Chandawa ki Haveli, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. lothpur, registration No. 769 dated 31-12-1983.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th August 1984

Ref. No.: Raj. IAC (Acq.) 2457.—Whereas, I MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jalpur on 6-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) factitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Surendra Singh Chordiya So late Shri Moti Karan Chordiya, F-144 Gautam Marg, C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

 Shri Yogendra Nath Bhargava, Slo Shri Sachida Nand, F-24 Ramesh Marg, C-Scheme, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Hawa Sarak Dundlod House, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1779 dated 6-12-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th August 1984

Ref. No.: Raj.|IAC (Acq.)|2459.—Whereas, I MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot No. A-1 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering (Jaipur on 5-12-83 Act

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

- (1) Shri Gopinath Gupta Soo Shri Mahadev Gupta Ro 374, Rajput Hostel, Station Road Jalpur. (Transferor)
- (2) Shrimati Manbhari Devi Wo Shri Radheyshyam Agarwal, A-7 Ragunath Colony. Galta Gate, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-1, situated at Ragunath Colony Outside Galta Gate, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2754 dated 5-12-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-8 1984

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

*FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5604.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No as per schedule situated at Village Khurla (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transfereed

under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the

Officer at

Officer at Jalandhar on January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of reasoner with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) moditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Bhupinder Singh So Jagjit Singh rlo Village Jandu Singha Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh Harbax Singh, Balbir Singh, Jaspal Singh & Jasbir Singh sslo Darshan Singh and Ram Kishan so Baru Ram & Nasib Chand so Harnam Dass ro V. Mudh, Teh. Nakodar Distt. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 2 Kls. 2 Mls. situated in V. Khurla and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6253 of January, 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-9-1984

Seed:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th August 1984

Ref. No.: Raj. IAC (Acq.) | 2463.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000; and bearing No. Khasra No. [374 & 1375 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transfereed

has been transferred under Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 13-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bhikamchand Slo Shri Birdhichand, Smt. Kamia Wo Madhusudhanji, Smt. Shanthos Wo Shri Mhanoher J. Ro Vill. lod. Teh, Geerwa Dist. Udaipur.

(2) 1. Shri Bhagwati Lal Jain So Shri Arjun Lal Jain,

2. Shri Takhatmal Metha So Shri Nathulal Metha, Udaipur.

 Shri Mahendra Kumar Doshi S|o Shri Surajmal Ji Doshi, Udaipur.
 Shri B. K. Dave S|o Shri K. Trivedi, Bombay.
 Shri B. L. Kothari S|o Late Shri Bhanwar Lal Kothari, Ameet.

6. Shri Satish Manwani So Shri Deepchand, Udaipur.

7. Smt. Ram Bai Wo Shri Deep Chand, Udaipur. 8. Shri Deepchand So Shri Lok Chand, Udaipur. 9. Shri Dilip Kumar So Shri Deepchand, Udaipur. 10. Smt. Vidhya Devi Mogra So Shri Manmal

Mogra, Udaipur. Shri Kalish Kant Dave So Shri Baijnath Dave, Bombay.

12. Shri Inder Kumar Bhatt, Advocate, Udaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring, situated at Vill Iod Teh. Geerwa Dist. Udaipur Khasra No. 1374-1375 1 biswa 10 biswa, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide registration No. 2803 dated 13-12-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 16-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR Jaipur, the 16th August 1984

Ref. No.: Raj. IAC (Acq.) | 2464.—Whereas, I MOHAN SINGH being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Shop situated at Udaipur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 5-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value at the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mangilal S|o Shri Chanram Teli R|o Fatehpura, Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Devilal, So Shri Tulviramji Teli Ro Dholi Bari, Udaipur

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaussia or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. situated at Fatehpura, Udaipur and morefully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide registration No. 2761 dated 5-12-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-8-1984

FORM I.T.N.S .---

(1) Shri Jamanlal, Soo Shri Hemraj Sec. No. 4, Hiranmagri Udaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. Hari Singh, Slo Shri Sardar Singh Cudhawat Hiranmagri Sec. No. 4, Udaipur. (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th August 1984

Ref. No: Raj. IAC (Acq.) 2465.—Whereas, I MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Plot No 1150 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Udaipur on 23-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes or the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

70-256GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1150, Sector No. 4, situated at Hiranmagri, Udaipur, and more fully described in the sale deed registered by the SR Udaipur vide registration No. 2872 dated 23-12-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Japur

Date: 16-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th August 1984

Ref. No. Raj. [IAC(Acq.) 2466.—Whereas, 1,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No. Agri. land situated at Udaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Udaipur on 23-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely :--

(1) Shri Kishore, Slo Shri Modha Ji Kumhare Ro Bhuwana Tch. Geerwa Distt., Udaipur.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Nirmala Sharma Wo Sh. Ichchha Shankarji Sharma, 50, Chhoti Brahampuri, Garba-ka-Chowk, Udaipur.
 - 2. Sh. Pushkar Yagnic So Kanhaylal, 51, Chhoti Brahampuri, Udaipur.
 - 3. Sh. Vijay Kumar Yagnik Soo Kanhaylal, 51, Chhoti Brahampuri, Udaipur.
 - 4. Smt. Shobha Devipandia Wo Prabhulaji Pandiay, Naion-ki-Telal, Udaipur.
 - Sh. Sanjay Sharma Flo Sh. Rameshchandarji Sharma, Naion-ki-Telai, Udaipur.
 - 6. Sh. Om Prakash Choudhary, Slo Tejishahaji Choudhary, Naion-ki-Talai, Udaipur.
 - 7. Sh. Devakibballabh Dwe Slo Sh. Laxmivallabha Dwe, 36, Chhoti Brahampuri, Udaipur.
 - 8. Sh. Durgashankar Trivedi So Ruparam Trivedi, 16, Durganiwash, Naion-ki-Telai, Udaipur.
 - 9. Smt. Anita Sharma Wlo Gajendra Sharma Vyas, 80, Chhoti Brahampuri, Udaipur.
 - 10. Smt. Hemkumari Sharma Wo Rameshchandra Sharma, Naion-ki-Talai, Udaipur.
 - Smt. Shanta Dwe
 W|o Nandvalabha-Dwe,
 Plot No. 60, Kalaji Goraji Colony, Udaipur.
 - 12. Smt. Yashoda Bai Wo Sh. Heeralalji, Bahuji ka-Darwaja, Jagdish Mandir ke-pichhe, Udaipur.
 - Sh. Ashoka Kumar Sharma
 So Late Sh. Heeralalji Sharma, Bahuji Ka-Darwaja, Jagdish Mandir-ke-pichhe, Udaipur.
 - 14. Sh. Ramchandra Shahu Slo Ganeshkal Shahu, Dhanmandi School Marg, Mahato-Ka-Para, Udaipur.
 - 15. Smt. Kamla Shahu Wo Ramchandra Shahu Dhanmandi School Marg, Mahato-Ka-Para, Udaipur.
 - 16. Smt. Pushpadevpura, Wo R. L. Devpura, 179, Gayatri Marg, Udaipur.

- 17. Smt. Teeja Devi Wo Bhanwarlal Jain, 4, Chhabila Bhairu Marg, Panchayat Nohara-Ke-pas.
- Udaipur.
 18. Smt. Maheshwari Mehta Wo Lalitji Mehta, Khemanghati, Bhatiyani Chohattu, Udainur.
- 19. Sh. Rakesh Nagar So Vishanuramji Nagar, 59, Bhatiyani Chohatta, Udaipur.
- 20. Smt. Shanta Devi Wlo Narayanlalji Parman, 225. Sardarpura, Udaipur.
- 21. Shri Khyalilal Slo Kishorilal, M. K. Marble, Bhuwana. 22. Smt. Usha Patani
- Wlo Navinchand Patani, Vidhyabhawan Quarter, Saheli Marg, Udaipur.
- Sh. S. N. Mondyal Slo K. N. Mondiyal, Vidhyabhawan Quarter, Saheli Marg, Udaipur.
- Smt. Indra Sharma
 W|o Mahendra Kumar Sharma, Fatchpura, Udaipur.
- 25. Smt. Kamla Shukla Wo Ramashankarji Shukla,
- Acharaya, Udalpur.

 26. Smt. Chandrasudha Sharma
 Wo Madhalalji Sharma, Jaipur.
- 27. Sh. Madhavlal Sharma So Ladali Lal,
- Jaipur.

 28. Smt. Koyaldevi
 Wo Sh. Ganeshlalji Jain,
 Badala, Udaipur.

 29. Sh. Ganesh Lai Jain,
 So Kasturchand,
- Badala, Udaipur. 30. Sh. Yashvantlal Soni Slo Heeralal Soni. Udalpur.
- 31. Smt. Roshan Devi Wo Sh. Yashvantlalji Soni, Udaipur.
- 32. Smt. Shail Agarwal Slo Lt. Cl. G. G. Agarwal, Aimer.
- 33. Smt. Pushpa Prabha Agarwal Slo Om P. Agarwal,
- Ajmer.
 34. Smt. Geeta Devl Dwe Wo Mangilal Dwe, Dewali,
- Udaipur.
 35. Sh. Tulsiram
 Slo Kishorilal, Udaipur.
- 36. Smt. Gopi Devi Wo Tulsiram, Bhuvapa, Udalpur.
- 37. Smt. Dau Bai Wlo Sh. Kishorilal ji, Bhuvapa, Udalpur.
- 38. Sh. Bhanwarlal So Kishorilal, Bhuvana, Udaipur.

- 39. Sh. Mohan Murli Slo Sh. Sohanlal ji Manaria, Bhuvana. Udaipur.
- 40. Sh. Jagdish Chandra Soni, So Sh. Sohanlal, Udaipur.
- Sh, Govind Kumar So Kanhaylal Soni, Udaipur.
- 42. Sh. Madanmohan Soo Kanhaylal,
- Udaipur. 43. Sh. Pukhraj Soni, Slo Mishrilal, Udaipur.
- 44. Smt. Geeta Devi Wo Sh. Pukhrajji Soni, Udalpur.
- 45. Smt. Basanti Devi Wo Shri Gopal Soni, Udaipur.
- Smt. Gita Devi Wo Shri Madhan Lal, Ro Udaipur.
- 47. Smt. Dev Kanvar Bai Wo Shri Bausilal, R|o Udaipur.
- 48. Smt. Roshan Devi W. Shii Murlidhar
- Ro Udaipur.
 49. Shri Vishnu Kumar
 Slo Shri Bhagwati Lal Soni,
- Ro Udaipur. 50, Shri Mithalal Harkawat Slo Shri Mohanlal Harkawat, Rlo Udaipur.
- 51. Smt. Kanchan Devi Wo Shri Ghanshyamlal,
- R|o Udaipur. 52. Shri Lokesh Chandra S|o Shri Tulchhi Ram Khumar,
- R|o Udaipur. 53. Shri Sohan Lal Slo Shri Ganga Ram, Rlo Udaipur.
- 54. Shri Udal Lal So Shri Bherulal Purohit,
- R|o Udaipur.

 55. Smt. Dakhu Bai
 W|o Shri Bherulal Purohit.
 R|o Udaipur.

 56. Shri Bhanwarlal Badala
- Slo Shri Kanhaiyakal,
- R|o Udaipur. 57. Shri Prem Narain Mathur. So Shri Laxmi Narain, Ro Udaipur.
- 58. Shri Ashok Kumar Slo Shri Himatmal, Rlo Kankroli. 59. Smt. Shorin
- Wo Shri Kulabudia Boharwaidi, Ro Udaipur.
 60. Smt. Shahida, Shri Hakim Ali,
- Ro Udaipur.
- 61. Shri Ismail Ali, Slo Shri Gulam Abbas, R|o Udaipur.
- 62. Shri Jadhish Payari Slo Shri Bardi Shanker, Rlo Udalpur.
- 63. Smt. Ganga Devi Wo Shri Jadhish Ro Udaipur.
- 64 Shui Basant Pnjari Slo Shri Jadish, Rlo Udaipur,

65. Smt. Lelita Pnjari Wo Shri Jadish,

Rio Udaipur. 66. Smt. Shakuntla Devi

Wo Shri Arvind Kumar Vyas, Ro Udaipur.

67. Smt. Shakuntla Lodha Wo Shii Vijay Singh Lodha, Rlo Udaipur.

68. Shri Laxman Singh, So Shri Tel Singh, Rlo Udaipur.

69. Smt. Kusumlata Wo Shii Om Prakash, Rio Udaipur.

Shri Narendre Narain, Mathur, So Shri Loym' Narain, Rlo Udaipur.

71. Smt, Anand Mathur
Wo Shri Navendre Narain Mathur, Ro Udaipur.

72. Smt. Sumitra Devi Wlo Shri Manak Chand, Ro Udaipur.

73. Shri Chain Shanker Slo Udailal,

Rlo Udaipur. 74. Sh. Prem Narain Mathur Slo Sh. Laxmi Narain Mathur, Ro Udaipur.

75. Sh. Rajender Singh Mehta Slo Sh. Pyarelal Mehta, Ro Udaipur.

76, Sh. Ashok Soni Slo Ganpatlal Soni,

Rlo Udaipur. 77. Kumari Rekha

Dio Shri Ganpatlal Soni,

Ro Udaipur. 78. Sh. Chandra Singh Sh. Himatmal Hinger,

R|o Kankroli. 79. Sh. Chandra Singh Slo Sh. Jagannath Singh, Rlo Udaipur.

80. Smt. Rukmani Devi Wo Sh. Girdharilal, Ro Udaipur.

81. Smt. Manju Devi Wlo Sh. Ram Narain, Rlo Udalpur.
82. Sh. Kalu Lai Jain Slo Sh. Ratankal Jain, Rlo Ydalpur. R|o Udaipur. 83. Smt. Prabha Shastri

Wlo Sh. Mahendra Kumar Shastri,

Ro Bombay. 84. Sh. Chandra Shekhar Patni Slo Shri Pitamberdas Patni, Ro Udaipur.

85. Sh. Jeevanlal Slo Sh. Chhaganlal, Rlo Udaipur.

86. Shri Bhanwarlal
Slo Shri Champa Lal Paliwal,
Rlo Udaipur,

87. Shri Astik Ali Slo Shri Mohd. Hussan,

R|o Udaipur. 88. Shri Zafisa W|o Shri Ahmed Ali, Ro Udaipur.

89. Shri Abbas Ali Slo Shri Hussnin Saodwale, Rlo Udaipur.

90. Smt. Ranjans Shri Mali, Wo Shri Laxmi Kant Shri Mali, Ro Udaipur.

91. Smt. Savita Paneri Wo Shri Sunder Kumar,

Rlo Udaipur. 92. Smt. Koyal Devi Wo Shii Chatr Singh,

Rlo Udaipur.

93. Shu Shabir Hussain
Slo Shri Sadiq Ali,
Rlo Udaipur.

Smt. Zuleba Wo Shri Ahri Shabir Hussain,

Rio Udaipur. 95. Shri Umesh Kumar Shri Mali Slo Shri Durba Shanker Shri Mali, Rlo Udaipur.

96. Smt. Sushila Kothari Wo Shri Ganesh lal Kothari, Rlo Udaipur.

Shri Laxmi lal Jain Slo Shri Chhaganlal Iain, Rlo Udaipur.

98. Shri Pushpa Devi Wo Shri Vishnu Kumar, Rlo Udaipur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agri. land situated at Vill. Bhuwana Teh. Geerwa Distt. Udaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide registration No. 2881 dated 23-12-1984.

> MOHAN SNGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, laipur

Date: 16-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Tirath Das So Shri Bachho Malji Khatri Govind Marge, Adarsh Nagar, Jaipur.

([ransferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(2) Shri Madhav Behari Gaig Slo Shri Prahlad Das Taluka, 707 Jat Ke Kuwe Ka Rasta Chandpole Bazat, Jaipur.

(Transferee)

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th August 1984

Ref. No Raj. IAC (Acq.) 2467.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000[- and bearing Plot No 72 situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

Under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in (the

office of the Registering Officer at

Jaipur on 16-12-1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No 721th share, situated at, Taneja Block, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S R Jaipur vide registration No 2847 18-8-84 Date

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipui

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '--

18-8-84 Date

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th August 1984

Ref. No. RaijIAC(Acq.)|2468.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Plot No. 72 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on 19 December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tirath Das Slo Shri Bachmo Malji Khatri Govind Marge, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Agarwal Slo Shri Madhav Behari Garg, 707, Jat Ke Kuwe Ka Rasta, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|4th share Plot No. 72 situated at, Taneja Block, Asarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2866 dated 19th December, 1983

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th August 1984

Ref. No. Raj.(IAC(Acq.))2460.--Whereas, 1, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing Plot No. 624 situated at Kota.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kota in December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acl, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :--

(1) Shri Dalpat Singh Tathed Slo Shri Nath Mal Powee of attancy Janender Kumar Jain & Pars_Kumar Jain. S|o Dalpat Singh Tathed Ketki Choki, Kota.

(Transferor)

(2) Shri Surendra Kumar So Shri Yaswant Kumar Jain So Shri Mangi Lal Jain, Rlo Coumbature (Tamil Nadu).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 624, situated at Dada Bari, L.I.G. H, Kota and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Kota, vide registration December, 1983.

MOHAN SINGH Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incomeltax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-8-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE **NEW DELHI**

New Delhi, the 8th August 1984

Rcf. No. IAC|Acq.I|37EE|12-83|473.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. 4th floor situated at 19-B.K. Road, New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC(Acq.) R-I in December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mls. Kailash Nath and Associates, 18-Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Supra Enterprises, Flat No. 403, 32-33, Nehru Place, New Delhi.

('Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat mg. approx. 500 sft. on the fourth floor in the multistoreyed commercial complex at 19-Barakhamba Road, New

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date: 8-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-83|476,-Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

No. 110 situated at 96-Nehru Place, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

office of the Registering officer at IAC(Acq.) R-I in December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Col. B. L. Taneja, Retd., So R. B. Jaswant Rai 22A, Acropolis, 28A, Little Glbles Road, Bombay-400006.

(Transferor)

(2) M|s. VIIN Corporation, 203, Meghdoot, 94, Nehru Place. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as, are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 110, on 1st floor, Mg. 380 sft. in Bldg., No. 96, Nehru Place. New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date: 8-8-84

AND RESERVE AND ADJUST TO A SHOOT TO COME PROPERTY PROPERTY AND THE SECOND STATES AND ADDRESS TO A SHOOT THE SECOND STA

FORM ITNS----

(1) Raj lhani Charitable Foundation, TMD Building, DCM Premises, B. H. Rao, Delhi.

(Transferor)

OFFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Akohya Foundation, 27-Sardar Patel Road, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. JAC|Acq,I|37EE|12-83|477 --- Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000]- and bearing No.

Flut No. 905 situated at 21-B. K. Road, New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the Registering officer at IAC (Acq.) R-I in December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the foir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. un respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 905 at 21-Barakhamba Road, New Delhi area 595 sft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date: 8-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Indoon Engineers (P) Ltd., 305/90, Nehru Place, New Delhi.

(2) Shri Rakesh, Khullar, M-8, Greater Kailash-II, New Delhi, (Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-83|478.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, '961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 221 situated at 89-Nehru Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the Registering officer at IAC(Acq.) R-I in December, 1983.

IAC(Acq.) R-I in December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfers as agreed to between the parties has not been truly stated. The said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instru

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expra, I fer
- (b) by any other person interested in the said immovable purporty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A to be 1 to the meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 221, 89-Nehru Place, New Delhi area 370 aft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Usha Mehra clo Brooke Bond India Ltd., Bank Square, Sector-17, Chandigain.

Miss Shibani Arora and Gaurave Arora, A-1|228, Safdarjung Enclave,

(2) Mrs. Uma Arora,

New Delhi.

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I, P. ESTATL
NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I₁37EE|12-83|479.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 802|21 situated at B. K. Road, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the registering officer at

IAC(Acq.) R-I in December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ot 1957);

Objections, if any, to the acquisit on of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days more the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 802 21, Barakhamba Road, New Delhi area 500

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the sauc of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-8-84

FORM ITNS--- - ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME:TAX,

ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING I. P ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-83|480:—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing

No. 1004 21 situated at B. K. Road, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC(Acq) R-I in December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceeding for th acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Miss Sonia Sarna U|G Mr. J. L. Sarna, B-1|75, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kailash, Rani
Col. R. B. Nanda and
Mrs. Muni Nanda,
S|21 Green Park Extn.,
New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1004, Bldg, No. 21 Barakhamba Road, New Delhi area 300 aft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date: 8-8-84 Seal: 1 11145---

(1) Ambica Builders (P) Ltd. 15|4577, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. G. Sitalakshmi and T. G. Mahalingam, 8A/70, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.|37EE|12-83|481.—Whereas,I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. A-18, situated at Connaught Circus, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC(Acq.) R-I in December, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of:—

(a) facilitating the reduction on evasion of the libility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officical Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 dies from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-18, Connaught Circus, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1 Delhi New Delhi

Dato: 8-8-84

FORM ITNS----

(1) M.s. British Motor Car Company, (1934) Ltd., N-1, Combaught Circus, N. Delhi. (Transfero):

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Natender Anand (HUF), C-202, Defence Colony, New Delhi.

THE PARTY OF THE P

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|12-83|483.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

Flat No. 1, situated at N-1, Conn. Circus, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on Dec., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Partap House, N-1, Connaught Circus, ND mg. 628.35 sft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-83|484.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 3 & 4 situated at Connaught Circus, ND (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC (Acq.) Range-I on Dec., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Bruish Motor Car Co., (1934) Ltd., Partap Hour N 1 Convaught Chens, New Delha (Transferor)
- (2) Shri Sudhir Chopra & Sons (HUF), 15A|60, WEA Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 3 & 4 on first floor, Partap House, N-Block, Connaught Circus, N Delhi mg. 1256 70 sft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 8-8-84

Scal ·

(1) M/s. British Motor Car Company (1934) Ltd., N-1, Connaught Circus, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Rawal Apartments (P) Ltd., 119-Competent House, F-14, Middle Circle Connaught Place, New Delhi (Transferon)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

New Delhi, the 8th August 1984

- Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-83|485.--Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA
- being the Competent Authority under Section 269D at the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 2, situated at Connaught Circus, ND (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-1 on Dec., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter,

and for

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2, Partap House, No. 1, Connaught Circus, New Delhi mg. 628.35 sft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under sutsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--72-256GI84

Date: 8-8-84

FORM I.T.N.S --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delh., the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-83|486.-Whereas I, SUDHIR CHANDRA being the Compétent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000;—and bearing No 6 D situated at 1-Tolstoy Marg. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred in the office of the Registering Officer at JAC (Acq.) Range-I in December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the ourties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income aruing from the transfer; aixd or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1923) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) M/s Penil Apartments (P) Ltd., 704, Robit House, 4-Tolstoy Marg, N. Delhi. (Transferor)
- (2) M|s Rank India (P) Ltd., Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Circus, N, Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6|D, Atma Ram House, Bldg., at Plot No. 1, Tolstoy Marg, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 8-8-84

FORM I.T.N.S.-

(1) Yogesh Kashav Atreya slo Shri K. P. Atreya, 58, Sheikh Sarai, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shanti Sindwani wo Sh. Satya Paul, 28/18, Punjabi Bagh East, N. Delhi.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR ČR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

New Delhi, the 8th August 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|12-83|487.--Whereas I, **SUDHIR CHANDRA**

(b) by any other person referested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 502, situated at 89-Nehru Place, ND (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the Registering officer at

of the Registring officer at at IAC (Acq.) R-I on Dec. 83

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent opsideration and that the consideration for such fransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 502 at 89-Nehru Place, N. Delhi area 409 sft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, New Dolhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-8-84

(1) Mr. Raju Tenaja and Miss Tenaja, College Road, Pathankot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Bhavana Tenaja (minor) do Sh. P. C. tenaja, College Road, Pathankot. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

New Delhi, the 8th August 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-83|488.-Whereas, I, SUDHIR DHAR

oeing the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Flat No. 308, situated at 24-B.K. Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on Dec. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to the fair market value of the property as aforebelieve that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Office flat No. 308 mg. 540 sq. ft. on 8th floor of "ASHOK ESTATE", 24-Barakhamba Road, N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tex Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the Issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:-

Date: 8-8-84 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|12-83|489.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/—and bearing

No. Space No. 92,

situled at 17-B.K. Road, ND

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred

in the office of the Registering officer at IAC(Acsq.) R-I on Dec., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Gujral Estates (P) Ltd., 17-Barakhamba Rd., New Delhi

(Transferor)

(2) Miss Ninisha Kumari, Master Vishrut Sinhji U/G of Mr. Janak Kumar Sinhji (Father and Natural guardian), D-73, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 92 on the lower ground floor in Vijaya Bldg., at 17-Barakhamba Rd., New Delhi mg. 243 sft

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato . 8-8 1984

Sen1:

FORM TINS-

(1) M|s Gujral Estates (P) Ltd., 17-Barakhamba Rd., N. Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M|s. Young India Films, United India Life, B|dg., Connaught Place, N. Delhi.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. JAC|Acq.I|37EE|12-83|490.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Space No. 89 situated at 17-B. K. Road, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the registering Officer at IAC (Acq.) R-J on Dec., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used begin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

.HE SCHEDULE

Space No. 89, on the lower ground floor in Vijaya Bldg., 17-Barakhamba Road, New Delhi, area 203 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following resons, namely:—

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-J, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-83|491,-Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Space No 90,

situated at 17-B. K. Road, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

in the Office of the registering Officer at IAC (Acq.) R-J in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M Gujral Estates (P) Ltd., 17-Barakhamba Rd., N. Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sonia Bhasin Wo Pramod Bhasin 90 76B, Malviya Nagar, N. Delhi.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this noticin the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 90, on the lower ground floor in Vijaya Bldg., at 17-Barakhamba Road, N. Delhi mg. 203 sft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, New Delhi

show, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq1|37EE|12-83|492.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 25,000/- and bearing
Space No. 87,
situated at 17-B. K. Road, N. Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred in the Office of the resistance Office.

has been transferred in the Office of the registering Officer at IAC (Acq.) R-I on Dec., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcressid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely-:--

(1) M/s Gujral Estates (P) Ltd., 17-Barakhamba Rd., N. Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Krishna Deogar, N-180, Gr. Kaiash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 87 on the lower ground floor in Vijaya Bldg., at 17-Barakhamba Rd., N. Delhi mg, 135.3 sft,

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 8-8-1984 Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NFW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|AcqI|37FF|12-83|493 --Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to es the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No. Space No. 95

situated at 17-B. K. Road, N. Delhi

has been transferred

in the Office of the registering officer at IAC (Acq.) R-I in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons namely :-

73~-256GU84

(1) Mls Guiral Estates (P) Ltd.. 17-Barakhamba Rd., N. Delhi.

(Transferor)

(2) Master Samir Chawla (minor) (U|G of Mr. S. C. Chawla)
(Father and natural guardian) N-5, Kailash Colony, N. Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 95 on the lower ground floor in Vijaya Bldg., at 17-Barakhamba Rd., N. Delhi mg. 175.6 sft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. New Delhi

Date: 8-8-1984

(1) M/s Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115-Ansal Bhawan, 16-K.G. Marg, N. Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Shailender Kashyap, 31/10, East Patel Nagar. N. Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.|I|37EE|12-83|500.-Whereas, I, SUDHIR

CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 612, situated at 17-Tolstoy Marg, ND

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred in the office of the Registering Officer IAC (Acq.) Range-I on Dec, 1983, than the fair

for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the soid property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 612, 17-Tolstoy Marg, N. Delhi area 482sft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-1 Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-83|495.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 112, situated at 21-B. K. Read, N Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the registering Officer

at IAC (Acq.) Range-I on Dec., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shiv Kapur Joginder Kapur, 2720, Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Rajcev Ahuja and Raman Ahuja, B-1|7, Safderjang Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning st given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 112, mg. 500 sft. in 21-Barakhamba Road, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incoraction
Acquisition Range-I.
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CIFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. 1AC|AcqI|37EE|12-83|496—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 712A, situated at 17-Tolstoy Marg, N. D. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred in the office of the Registering Officer at at IAC (Acq.) Range-1 on Dec., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the red,...lon or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M|s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115-Ansal Bhawan, 16-K G. Marg, N. Delhi.

(Transferor)

Master Rishi Loona
 Master Justin Loona,
 both ulg sh. Ravi Loona,
 B-66, Soami Nagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 712-A. 17- Tolstoy Marg, N.D. mg. 482 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New Delh:

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Rei. No IAC|AcqI|37EE|12-83|497.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

1 lat No. 714

situated at 17-Tolstoy Marg, N. D.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at LaC (Acq.) Range-I on Dec., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) inciditating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) M|s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115-Ansal Bhawan, 16-K.G. Marg, N. Delhi,

(Transferor)

(2) M|s. A. K. Enterprises, D-916, New Friends Colony. New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 714, 17-Tolstoy Marg, N. Delhi mg. 426 aft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Date: 8-8-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|AcqI|37EE|12-83|498.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. 511

situated at 17-Tolstoy Marg, N. D.

(and more fully described in the Schedule annexed hereic), has been transferred in the oilice of the Registering Officat IAC (Acq.) Range-I on Dec, 1983

for an apparent consideration which is less than the farmarket value of the aforesaid property and I have reason and the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M|s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115-Ansal Bhawan, 16-K. G. Marg, N. Delhi,

(Transferor)

(2) Sh. Amarjit Singh, Mrs. Jas Binder, Sh. Balbir Singh and Mrs. Kanwaljit, 242, Maqbool Road, Amritsar.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 511, at 7-Tolstoy Marg, N. Delhi area 455 aft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sa d Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1984

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rita Rathee,

115-Ansal Bhawan, 16-K.G. Marg, N. Delhi.

(Transferor)

A|9|32, Vasant Vihar, N. Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq-1|37EE|12-83:499.--Whereas, 1, SUDHJR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 711, situated at 17-Tolstoy Marg, ND (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Officer of the registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on Dec, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said estrument of transfer with the object of !-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersens, namely .--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(1) M/s Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 711, 17-Tolstoy Marg, N. Delhi mg. 455 aft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi,

Date: 8-8-1984

(1) M|s Gujral Estates (P) Ltd., 17-Barakhamba Rd., N. Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Krishna Doegar, N-100, Greater Kallash-1, N. Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

O) FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-83|494.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imnuvable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Space No. 86 sitated at 17-B. K. Wood, New Delhi and more failure described in the Competence of the the Competence o

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the registering officer at IAC(Acq.) R-I on Dec. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen percen of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any incorse or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 86 on the lower ground floor in Vijaya Bldg. at 17-Barakhamba Road, N. Delhi mg. 135.3 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of persons, namely:—

Date: 8-8-1984

The same of the sa

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAS ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mls Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115-Ansal Bhawan, 16-K.G. Marg. N. Delhi.

(Transferor)

(2) Kulkaini Family Tiust, Dinesh M. Arya Hemant M Arya Rajendra M. Arya, 2A, Amoya Apartments, Off K. Dhura Road, Bombay-400028.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, TP. ESTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.|I|37EE|12-83|501.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.
Flat No. 712 situate dat 17-Tolstoy Marg, ND (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the registering officer IAC (Acq.) Range-I on Dec. 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 712, 17-Tolstoy Marg, N .Delhi mg 48

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi.

Date: 8-8-1984 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
74---256GI.84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I.

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq|I|37EE|12-83|502.—Whereas I, SUDHIR

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ar the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 512A, situated at 17-Tolstoy Marg, ND tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering officer.

has been transferred in the office of the registering officer at IAC (Acq.) Range-I in Dec, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M|s Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115-Ansal Bhawan, 16-K.G. Marg, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. P. S. Gill, Gobind Nagar, Bekor Bandh, Dhanbad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No .512A, 17-Tolstoy Marg, N. Delhi mg. 482 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE,

NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-83|503.—Whereas, 1.

Ref. No. IAC Acq. 13/EE 12-83 303.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 717 situated at 6-Nehru Place, N. Delhi (and more fully described in the Schoduled appeared beauty)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred in the office of the registering officer at IAC (Acq.) Range-I in Dec, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mis. Pragati Construction Co., (Devika Tower), 4th floor, Sheetla House, 73-74, Nehru Place,

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Mahindra Master Pankaj Mahindra & Master Gautam Mahindra, E-89, Saket (P) Co Mrs. Promila Khanna,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Commercial Flat No. 717, 7th floor, 6-Nehru Place, New Delhi mg. 560 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

32-Regal Bldg, Sansad Marg, N Delhi

(1) Pecrless Impex Private Ltd.,

(Fransteror)

(2) Sh S K Khanna and Smt Karuna Khanna, K 113 Hauz Khas N Delfu

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING TP ESTATE, NEW DELHI

New Delhi the 8th August 1984

Ref No IAC[Acq I]37EF | 12-83 | 504 — Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No

Int No 104 situated at W-89 A GKII, New Delhi (and more fully described in the schedule innexed hereto), has been it insterred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I in Dec. 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afores nd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer and/or

(b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the mibble cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The No. 104, in W.89 A. Gi. Kailash II, New Delhi area 1130 eff

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date 8-8-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,

NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-83|505.—Whoreas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat on Upper Ground floor, situated 23-K.G. Mary, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annxed hereto), has been transferred in the office of the registering officer at IAC (Acq.) Range-1 in Dec. 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the dorestro property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 264D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s Mirchendani & Co. (P) Ltd., 412, Tulsiani Chambers, 212, Baokbay Reclamation, Nariman Point, Bombay.

(Transferor)

(2) Mjs. Kamla Family Hust, Rucha Biij Nath, Fatehpuri, Chandni Chowk Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on Upper Ground Floor in commercial bldg., Known as Himalaya House, 23-Kasturba Gandhi Marg New Delhi mg. 2326 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range
Delhi|New Delhi

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No IAC|Acq.|1|37EE|12-83|506.-Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immodified the income tax act. able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. P-201, situated at Palam Apartments, Bijwasan, ND (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-I in Dec. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mis Chopra Promoters and Builders. 7A|27, WEA, Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Avar Krishan Slo late S. Wishen Khan & Smt. Sheela Mehta woo Shri J. S. Mehta 6 B-4, Northern Ext. Area Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. P-201, First Floor, Palam Apartments, Bijwasan, N. Delhi mg. 850 sft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons possely: ing persons, namely :---

Date: 8-8-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND HOOR, CR BUILDING, I P. ESTATF, NFW DI LIII

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq. I|37FF|12-83:508,--Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-339 (Back Portion) situated at G.K. II, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-1 in Dec. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Panjwani Builders through its Partner Man Singh s/o Sh. Chandi Ram r/o B-5/63, Azad Apartments, St. Aurbindo Marg, N. Delhi-16

(Transferor)

(2) M|s Vimokas Consultants & Engineers (P) Ltd., through its Mg. Director Mr. S.K. Sehgal s|o late Sh. K. R. Sangal I 12, Lajpat Nagar-III, N. Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

946 sft. Flat First Floor Back , Portion on S-339, Gr. Kailash- $\Pi,\ N.\$ Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I Delhi|New Delhi

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

GFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. FSTATE, NEW DFI HI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq I|37EE|12-83|509.---Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Space No. 6, situated at 17-Barakhamba Rd., ND

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-I in Dec. 83

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/er
- (b) faculitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s Gujral Estates (P) Ltd., 17-B.K. Road, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Daljit Kaur wlo Mr. K. S. Chhatwal, York Hotel, Connaught Circus, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 6 on the lower Ground floor in Vijaya Bldg., 17-Barakhamba Rd., N. Delhi area 217.2 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-I
Delhi[New Delhi

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1). OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. FSTATE, NEW DEI HI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref No IAC Acq. I/37F E, 12-83 510.— Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0001- and bearing

No. Space No. 5, situated at 17-B.K. Road, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer

at IAC (Acq.) R-I in Dec. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :--

75-256 GI]84

(1) M|s Gujral Estates (P) Ltd., 17, B.K. Road, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Harjeet Kaur wo Sardar Darshan Jit Singh, R-899, New Rajinder Nagar, N. Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I YPLANATION --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Space No. 5 on the lower ground floor in Vijaya Bldg, 17-Barakhamba Rd., N. Delhi mg. 162.9 sft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range I Delhi New Delhi

Date : 8-8-1984 Seal

NOTICE UNDER, SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|12-83|511,---Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereissafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. Flat No. 209, situated at Wing No. 2, Hans Bhawan, ND (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-I in Dec: 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ram Saran Dass rlo 26, Khan Market New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s P. S., Jain Co., Ltd, Through its Director R.K. Jain, Regd. Office at 7-A, Rajpur Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Commercial space admeasuring 384 sft., in flat bearing No. 289, at Wing No. 2, Hans Bhawan, B.S.Z. Marg, N. Delhi

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date: 8-8-1984

(1) M/s Gujral Estates (P) Ltd., 17-B.K. Rd., N. Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kanta Rani wlo Mr. Amba Parshad 33|19, shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC AcqI 37EE 12-83 512.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable expensive having a tair market value exceeding Pu 25 000 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

Space No. 101, situated at 17-B.K. Rd., N. Delhi (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-I in Dec. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Space No. 101 on lower ground floor in Vijaya Bldg., at 17-Barakhamba Road, New Delhi mg. 150.7 sft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 8-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s Gujral Estates (P) Ltd., 17-Barakhamba Road., N. Delhi

(Transferce)

(2) Miss Poonam Bansal
 U|G Mr. M. P. Bansal (father and natural guardian)
 804 Katra Hiddu, Faras Khana, Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FI OOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|AcqI|37EE|12-83|513.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable (1996), having a fair market value exceeding

able (topert, having a fair market value exceeding Rs 25,000]- and bearing No.

Space No 100, situated at 17-B k. Road, New Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-I in Dec. 83

tor an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration threfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

I-XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter

(a) fact taking the reduction or evasion of the hability
of the transferor to pay tax under the said. Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Space No 100 on the lower ground floor in Vjaya Bldg,

at 17-Barakhamba Road, New Delhi mg. 117.6 sft.

THE SCHEDULE

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1984

FORM ITNS-

(1) M/s Gujral Estates (P) Ltd., 17-B.K. Rd., N. Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Master Rajiv Jain, U|G Mr. S. C. Jain (father and natural guardian) 2211 64, Naiwala Karol Bagh, N. Delhi

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, L. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|AcqI|37EE|12-83|514.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the introvable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Space No. 98, situated at 17-B.K. Rd., N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-I, in Dec. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Space No. 98 on the lower ground floor in Vijaya Bldg., at 17-Barakhamba Rd., N. Delhi mg. 117.6 sft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

M/s Jaimor Limited, B-84/1 Okhala, Industrial Area Phase-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Rajiv Jain, Kum Kum Chopra, 306, Manjushah, 57-Hehra Place, New Delhi.

(Transferoc)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, 1 P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|AcqI|37EE|12-83|515.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269b of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter effected to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000' and bearing No. No. Flat No. 707 situated at 22-B.K. Road., N. Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-I in Dec. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property 85 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nouce in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 707, 22-Berakhamba Road, N. Delhi area 750 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M|s Ansal Preporties & Industries (P) Ltd., 115-Ansal Bhawan, 16-K.G. Marg, New Delhi. (Transferor)

(2) M/s Hari Ganga Coment Ltd., 19-Rajendra Park, N. Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|AcqI|37EE|12-83|516.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 414 situated at 17-Tolstoy Marg, New Delhi,

No. Flat No. 414 situated at 17-Tolstoy Marg, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred at the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-I, in Dec. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said λ ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said λ ct, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any of the aforesaid persons within a period able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 414, 17-Tolstoy Marg., N. Delhi area 426 sft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I Delhi|New Delhi

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

G-13, GROUND FLOOR, CR BULDING, LP. ESTATE. **NEW DELHI**

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-83|517.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetent Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsiter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 415 situated at 17-Tolstoy Marg, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred

has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration for such transfer as consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.. 115-Ansal Bhawan, 16-K.G. Marg, New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s. Surinder Mehta (HUF), Mr. Sanjerv Mehta, 19-Rajendra Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ; -

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 415, 17-Tolstoy Marg, New Delhi mg. 387 sft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this acties under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE,

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.t|37EE|12-83|518 — Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

G-2, situated at 38-31, Nehru Place New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-1 in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—76—256G184

(T) Mrs. Sudarsban Kumar Balagan, W.o Shri Ram Parkash Balagan, and Mts. Dev Kumari Sood W.o Shri Trilok Singh Sood, R.o M-17, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri G. R. Singhal and Mrs. Ram Moorti Devi, E-445, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. G-2, mg. a covered area 425 sft. in Raja House, 38-31. Nehru Place, New Delhi.

SUDIHR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tra Acquisition Range-L Delhi/New Delhi

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J. G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-83|519.—Wheream, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

505/22, situated at B. K. Road, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been ransferred

in the Office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) Range-I in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Tarup Kumar Jain and Arun Kumar Jain, D-400, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Divya Enterprises, 1589, Uddasa Road, Kashmeri Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 505 in No. 22-Barakhamba Road, New Delhi area 750 Sft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I,
> Delhi New Delhi

Date: 8-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mis. Gujral Estates (P) Ltd, 17-Barakhamba Road, New Delhi,

(Transferor)

(2) M|s. Relan Travels (P) Ltd., R. K. Ralan House, R-5, Green Park Market, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EF|12-83|475.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Space No. 18, situated at 17-B.K. Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred

in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPIANATION: —Ihe terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 18 on the first floor at 17-Barakhamba Road, New Delhi mg. 425 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
DelhilNew Delhi

Date: 8-8-1984

FORM JTNS----

(1) M/s. Aspec Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Prakashchand Nagraj Jain Shri Jasaram C. Chaudhari,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3898|83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Shop No. 1. Nand Deep, Tarun Bharat Co-op. Hsg. Soc. Vile Parle (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the sald immor able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. I Nand Dee, Village Chakala, Tarun Bharat Co-op. Housing Society Road, Vile Parle (E) Bombay.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11/37EE/3898/8384, dated 13-8-1983.

> LAXMANDAS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-8-1984

FORM ITNS-

(1) M/s. Aspee Construction Co.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Rcf. No. AR.II|37EE|3899|83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

No. Flat No. 3, 3 Nand-deep, Village Chakala, Tarun Bharat Co. op. Housing Society Road, Vile Parle (E) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) M/s. Geeta Shipping & Clearing Services

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 Nand-deep Ground floor, Village Chakala, Tarun Bharat Co. op. Housing Society Road Vile-Parle (East) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37FE]3899[8384, dated 17-12-1983.

LAXMANDAS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 13-8-1984

Seal

- (1) Shri Janab Quied Johar Bhansab Hurhanddin Sahab. (Transferor)
- (2) Smt. Kaushlya P. Trchan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3919|83-84.—Whereas, J, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 7, Plot No. 5, North Erla Malla, between Vile Parle & Andheri (W)

tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-12-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Plot No. 5 north Erla Malla, Between Vile Parle & Andheri (West).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3919|8384, dated 23-12-1983.

LAXMANDAS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 13-8-1984

(1) M/s. B. K. Madhav & Sons.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3837|83-84.-Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000- and bearing No.

Shop No. 2, Bhuvneshwari Co. op. Hsg. Soc. Ltd. Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ---

(2) Shri Mangllal H. Joshi, Rodilal Rudheshyam, Dhonraj Ganeshmal, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ! -

- (a) by any of the aforestaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XKA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2 Bhuvneshwari Co. Op. Housing Soc. Ltd. Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3837|8384, dated 7-12-1983.

> LAXMANDAS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Chauhan & B others.

(Transferor)

(2) Ashirwas Clinic & Laboratory Prop. Dr. (Mrs.) Manju A. Wadhwan.

(Transfere)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37FE|3842|83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shop No. 3. Ground floor, Rose Mary Building, Police

Stn. Road, Vile Parle (West) Bombay-56, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHFDULE Shop No. 3. Ground floot, Role Mary Binding, Police Station Road, Vile Parle (West) Bombay-56.

Competent The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 7842 8384, dated 7-12-1983.

> LAXMANDAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 13-8-1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984 Ref. No. AR.II|37EE|9392|83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Flat No. 33, 3rd floor Bldg. No. 19, Larsen & Toubro Group of Companies Employees Co. op. Housing Soc. Ltd.. Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—
77--256GI[84

(1) Shri Mahinder kumar Wadhwa.

(Transferor)

(2) Shri Thecke Pouthwath Swathendra Menon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 33, 3rd floor bldg. No. 19, Larsen & Toubro Group of Companies Employees Co. op, Housing Soc. Ltd. Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9392|83-84, dated 13-8-1983.

LAXMANDAS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 13-8-1984

- (1) Deepak Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Smt. Minoti Salam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

N-20, Kirti Nagar, N. Delhi. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9303|83-84.-Whereas, I,

LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. Flat No. 502, 5th floor, Bldg. 'C' in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400 059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

he Competent Authority at Bombay on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Sh. Kundan Lal Batra Soo Sh. Karam Chand,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor, Bldg. C in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East) Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/9303/83-84, dated 9-12-1983.

LAXMANDAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 13-8-1984

Seal t

(1) Aparna Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Mukund Madhav Deodhar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3942|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the competent authority under Section 269D of the Income-Tax Act, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Rs. 25,000]- and bearing No. Bock No. B. 10, at Kiskerwadi Malviya Road, Vileparle (E), Bombay-400 057

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. B-10 at Keskar Wadi Malviya Road Vile Parle (East) Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 3942 83-84, dated 26-12-1983.

LAXMANDAS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 13-8-1984

FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR. II 37EE 9176 83-84. Whereas I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961; (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. B-3, Trupti Apartments, Koldongri Road No. 2 Andheri (E) situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mis. Dipti Builders.

(Transferor)

(2) Siri Purshottam G. Lad, Smt. Pushpaben P. Lad.

(Transferee)

(3) Mis. Dipti Builders. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immsovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazeta,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-3, Trupti Apartments, Koldongri Road No. 2, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|9176|83-84, dated 2-12-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 13-8-1984

Seal

FORM ITNS-

(1) Ms. M. L. & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Ashok R. Kembhavi & Mrs. Malathi A. Kembhavi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II[37EE]9180[83-84.-Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 101, Vandana Bldg., Sher-E-Punjab Co-op. Hsg. Society Ltd., Mahakali Caves Road, Andheri (E) situated at

Bombay-93.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been es which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, Vandana Bullding Plot No. 253, Sher-E-Punjab Co-op. Hsg. Society Ltd., Mahakali Caves Rd. Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR.II|37EE|9180|83-84 Authority, Bondated 2-12-1983,

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date 13-8-1984 Seal .

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Siraj E. Merchant.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II₁37EE[9186]83-84.—Whereas I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 1, Bldg. No. 2, Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road. Andheri (East) situated at Bombay-400 059 (and more fully descr.bed in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ed 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Building No. 1, Bhawanti Nagar at Marol Maroshi Road, Ancheri (East), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9186|83-84 dated 3-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13 8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II.37EE|9339|83-84.-Whereas I. LAXMANDAS,

LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 82, Laxmi Estate, Co-op. Housing Society Ltd., Andheri (E) situated at Bombay-400 069 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Mr Mahendra Prabhudas Parekh.

(Transferor)

Shri Nagji Dolaji,

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor/Transferee.

(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 82. Building No. 2 in the Laxmi Estate Cooperative Housing Society Ltd., Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9339|83-84, dated 9-12-1983.

LAXMANDAS Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 13-8-1984 Seal

FORM ITNS —

(1) Shri Yashpal Malhotra.

.... (Transferor)

(2) Shri Kantilal P. Mehta, Smt. Pushpa K. Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9356|83-84.—Whereas I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 20, 'A' Wing, Hem Ratan Co-op. Housing Society
Ltd., 3rd floor, Dr. S. Radhakrishna Marg, Andheri (E),
situated at Bombay-400069

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which contains the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 20, 'A' Wing, Hem Ratan Co-op. Housing Society Ltd., 3rd floor, Dr. S. Radhakrishna Marg, Andheri (East). Bombay-400 069,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under No. AR.II|37EE|9356|83-84, dated 12-12-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-8-1984

Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|3/EE|3945|83-84.—Whereas I. LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 25 0001, and hearing No

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 4, 1st floor, Ashok Bharati Co-op. Hsg. Society Ltd., P. M. Road, Vile Parle (E) situated at Bombay-400 057 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trunsferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

78---256GI]84

(1) M1. S. T. Shettigar.

(Transferor)

(2) Smt. Muktaben Shantilal Janai, Shri Baarat Shantilal Janani.

(Transferee)

(3) Transferor,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, Ashok Bharati Co-op. Housing Society Ltd., P. M. Road, Vile Parle (E), Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]3945[83-84, dated 26-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dato: 13-8-1984

Seal 1

(1) Mis. Goval Builders Pvt. Ltd.

(2) Shil Aivind S. Shah.

(Transferoi)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMPTAX.

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II 37FF 9201 83-84.—Whereas I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 12, 'A' Wing, Aditya Apartments, Old Nagardas Rd., Andheri (East), situated at Bombay-400 069

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Regis'ering Officer at

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 'A' Wing, Aditya Apartments, Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II|37EE|9201|83-84, Authority, Bondated 3-12-1983.

> **LAXMANDAS** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Date: 13-8 1984

Seal

(1) Goyal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Sudhir P. Sukthankar, Smt. Sulkshana S. Sukthankar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Combay, the 13th August 1984

Ref. No. ARJI[37EE]9202[83-84.—Whereas I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flut No. 4, 2nd florr, 'D' Wing of 'Aditya Apartments', Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-400 069

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than difteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd floor, 'D' Wing, of 'Aditya Apartment', Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-400 069,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9202|83-84, dated 2-12-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-8-1984 Seal •

(1) Mr. Naresh V. Kewlant.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Satishkumar Manjibhai Thakkar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AK.IL|37EE|9372|83-84.-Whereas I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.
Flat No. 5, Manish Darshan, Building No. 3, J. B. Nagar,
Andheri-Kurla Rd., Andheri (East), situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

nas been transferred and the agreement is registered under Section 259AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 2nd floor, 'Manish Darshan', Building No. 3, Pipe Line Road, Behind J. B. Nagar, Off. Andheri-Kurla Road, Andheri (Fast), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9372|83-84, dated 15-12-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1984

Senl:

(1) Shri Shridhar T. Surve.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9191|83-84.—Whereas I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 369, Tulsi Building of Jeevan Sahar Co-op. Hsg. Society Ltd., Cld Chakala Sakar Road, Devalwadi, Andheri (E) situated at Bombay-99

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961. in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri K. Devanand.

(Transferce)

(3) Mrs. Valsala K. Kutty.
(Person in occupation of the property)

(4) Shii K. Mohandas.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

The SCHEDULE

Flat No. 309, Tulsi Building of Jecvan Sahar Co-op. Society Ltd., Old Chakala Sakar Road, Devalwadi, Andheri (East), Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9191|83-84, dated 5-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984

Scal

Mrs. Mala A. Seth.
 Ms. G. B. Mudras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Transferce. (Transferce)

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9373|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Unit No. 13-A, Nand-Dham Udyog Premises Co.op. Society Ltd., Marol Maroshi Road, Marol Village Andheri (East), Bombay-69

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and J have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ass, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in tht Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 13-A, Nand-Dham Udyog Premises Co.op. Society Ltd., 1st floor, Marol Maroshi Road, Maroli Village, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 9373 83-84, dated 15-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 13-8-1984

Seal:

FORM I.T.N.S .--

(1) Dr. Ashok 'Rajmal Mehta & Mis. Shinin Ashok Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abdul Gulam Nabiji Bhati

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II[37EE]3926[83-84.--Whereas I. LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 3, Ground floor, Azad Road,

Vile Parle (East), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office the Competent Authority at Bombay on 24-12-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

> 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazens

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3 Ground floor, Azad Road, Vile Parle (East) Bombay-400 057,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3926|83-84, dated 24-12-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Date: 13-8-1984

Seal:

(1) Mrs. Suchi Ganguly.

(3) Transferce.

(Transferor)

(2) Mrs. Uma S. Mahagaonkar. (Transferce)

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3838|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. 303, 3rd floor, Cceanic 321 Carter Road Bandra Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tux Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 9-12-1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the

Explanation: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Flat No. 303, 3rd floor, Oceanic, 321 Carter Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3838|83-84, dated 9-12-1983. Competent

> **LAXMANDAS** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-8-1984

Scal;

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

publication of this notice in the Official Gazette.

(1) Mrs. Sangita Mohanlal Luthia.

(Transferor)

(2) Mrs. Guimcet Kaur Bakshi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9572|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Shop No. 3, ground floor of the Bldg. known as Mithila Shopping Centre Premises Co.op. Society 1.td., Juhu. Bombay-400 049

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1983,

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—79—256GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3. Ground floor of the Bldg. known as Mithila shopping Centre Premises Co.op. Society Ltd., Juhu, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 9572 83-84, dated 7-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-IAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.11|37EE¹9573|83-84.—Whereas. 1, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing.

Flat No. 1, Neel Sagar Lahati, Plot No. 1280 Mahim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office the Competent Authority at Bombay on 13-12-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Mt. Bhaskar Hari Bhave.

(Fransferor)

(2) Mr. Pushpendia V. Joshipura Mrs. Parulata V. Joshipura, Mt. Jogesh P. Joshipura, and Mrs. Vishkha Y. Joshipura,

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of thus notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per sons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Neel Sagar Lahari, Plot No. 1280, Mahim. The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II¹³7FE¹⁹573|83-84, dated 13-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 13-8-1984

Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bomoay, the 13th August 1984

Ret No AR II 371 E 3895 83-84 - Whereas, I LAXMANDAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No B I Sona Co op Society, Plot No 31, Hill Road,

Bandra Bombay 50 (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 18 12-1983 for an apparent consideration which is less than the fan

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than illeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has no been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

(1) Smt Gulshan Hamid Nathuni

(Transferor)

(2) 1 Mohamed Yunus,

2 Abdul Rashid Ahmed Sheriff

(Transferce)

(3) Transletor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used bettern as are defined in hapter XXA of the said Act shall have a a same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No B-1, Sona Coop Society Plot No 31, Hul sad, Bandta, Bombay-50.

che agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No AR II/37EL/3895 83-84 dated 18 12-1983

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely ---

Date 13 8 1984

Sent

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR II|37EE|3849|83-84 —Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000]- and bearing

Shop No 34, Ground floor Vecna Been Shopping Centre Premises Co.op. Soc Ltd. Turner Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 9-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Veena Lachmandas Sipahimalani
- (2) Kishin Tejumal Israni
- Deepak Manhordas Israni

(Transferee)

(3) Liansferce

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No 34, Ground floor, Veena Beena Shopping Centre Premises Co operative Society Ltd Turner Road, Bombay-400 040

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-II[37FF]3849[83-84, dated 9-12-1983

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 13-8-1984

(1) Mr. Nandlal D. Makhija.

(Transferor)

(2) Mr. Mavji Ravji Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3861|83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000)- and bearing Flat No. 5 1st floor, Jn. of Linking Road & 8th Road, Khar Bombay-5?

Bombay-52,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 12-12-1983 for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein ar are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, Jn. of Linking Road and 8th Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 3861 83-84, dated 12-12-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-11 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-8-1984

Seal:

- (1) Sanjeev Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor) (2) Mr Villas Anant Kulkarni.
 - (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bom'oay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II]37EE[9585]83-84.—Whereas, 1, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Shree Swami Samarth Prasanna Co.operative Hsg. Society Ltd. Sanjeev Towers, Behram Baug, Oshiwara village,

Andheri, Veisova,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saud Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shri Swami Samarth Frasanna Co-operative Housing Society Ltd. Sanjcev Towers, Behram Baug, Oshiwara Village, Andhen (West) Versova.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 9585 83-84, dated 26-12-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-8-1984

FORM FINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.H|37EF|9453|83-84 -- Wherens, I. LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 1001, Galactica Apts. Four Bunglows, Andheri (W) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Hazal Husain.

(Transferor)

(2) Ms. Hazal Hussain & Mr. Chanakya Kocherla.

(Transferee)

(3) Apex Constructions.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1001. 10th floor in Galactica Apts. at four Bunglows, Andheri (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9453/83-84, dated 13-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 13-8-1984

Seal:

(1) K. J. Builders.

- (Transferor)
- (2) Nandlal Gopaldas Tolani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bom'ony, the 13th August 1984

Ref. No. AR.11|37EE|3840|83-84.—Whereas, I,

LAXMANDAS, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

Shop No. 1 Ground floor, Plot No 376 Jn. of 16th & 33rd Road, TPS III, Bandra, Bombay-59, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair marnor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground floor, Plot No. 376, Jn. of 16th & 33rd Road, TPS III. Bandra, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II. 37EE 682 83-84, dated 7-12-1983

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following permone managely; --

Date: 13-8-193!

FORM ITNS—---

(1) Burlidhar Laxmichand Ahuja.

(Transferor)

(2) Prakash Dwarkadas Lulla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II 37HH 3818 83-824.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 2, Chandrakiran Co-operative Housing Society 1 td., 11th Road, Khar, Bombay-52, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at of the Competent Authority at

Bombay on 3-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the truly stated in the said intrument parties has been transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of thi snotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely '---80-256GI 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- X---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FYPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Chandrakiran Coop Housing Society Ltd 11th Road, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3818|83-84 dated 3-12-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II **Bomb**ay

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 1d9D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Theresa Lobo.

(Transferor)

(2) Mrs. Noorjahan Shaikh Abdulla

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9590|83-84.---Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 104|A, Lokhandwala Complex, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 26-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, an purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104|A, Lokhandwala Complex, J. P. Road, Andheri | West), Bombay-400 058.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9590|83-84 dated 26-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Date: 13-8-1984.

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Neelam M. Gulrajani Miss. Anuula M. Gulrajani.

(2) Smt. Gopi T. Surtani.

(Transferor)

(3) Transferec.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9514|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 402 Lands and Co-op. Housing Soc. Ltd., Bldg. 'B' 4 Bunglow, Andheri (West) Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 24-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922.

 11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax ct, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suice Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402 Lands Co.op Housing Soc. Ltd., Bldg. 'B' 4 Bunglow, Andheri (West) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Authority Bombay under No. AR. II|37EE|9514|83-84, dated 24-12-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereof initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-8-1984.

(1) Mr. M. A. Karambelkar

(Transferor)
(Transferee)

(2) Mrs. liza Frederick

NOTICE UNDER SECTIOIN 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-U BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9531|83-84.—Whereas,I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

Flat on 2nd floor at Sahar Village, Bamanwada, Vile Parel (East) Bombay-400 099.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inference of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on 2nd floor at Sahar Village, Bamanwada, Vile Parel (East) Bombay-400099.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR|II|37EE|9531|83-84 dated 26-12-1983.

I.AXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date: 13-8-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II 37EE 9576 83-84.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Flat No. 303, 3rd floor, Budg. B, CTS No. 109, Andheri (East) Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at at Bombay on 22-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Shri J. K. Bhangley, Shri M. S. Shinde, Shri V. K. Kadkol, Shri S. R. Barve.

(2) Shri V. H. Gaianc.

(Transferee) (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, Budg. B, CTS No. 109, Andheri (East) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under No. AR.II 37EE 9576 83-84, dated 22-12-83.

> LAXMANDAS Competent Authority In pecturg Aistt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 13-8-1984. Seal:

Shri J. K. Bhangley, Shri M. S. Shinde, Shri V. K. Kadkel Shri S. R. Barve.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri W. J. N. Danait.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No AR.II|37EE|9510|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing No. Flat No. 403, fourth floor, Bldg. 'A', S. No. 49, CTS No. 109, Village Palkar Pakhadi, Andheri (East) (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 22-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

-) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, fourth floor, Bldg. 'A', J. No. 49, CTS No. 109, Village Palkar Pakhadi, Andheri (East)
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9510|83-84 dated 22-12-1983

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II[37EE]9508|83-84.-Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Flat No. 401, 4th floor, C-Building, Hissa No. 1B CT\$ No.

109 Village Palkar, Pakhadi, Andheri (East)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any raoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- Shri J. K. Bhangley, Shri M. S. Shinde, Shri V. K. Kadkel Shri S. R. Barve.
- (2) Shri Umesh N. Desai

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, C-Bullding, Hissa No. 1B CTS No. 109 Village Palkar, Pakhadi, Andheri (East)
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II 37EE 9508 83-84, dated 22-12-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 13-8-1984.

FORM ITNS ...

- (1) Shri J. K. Bhangley, Shri M. S. Shinde, Shri V. K. Kadkel Shri S. R. Barve.
 - (Transferor)

(Transferee)

(2) Shri Suresh S. Desai.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9507|83-84.-Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. 301, 3rd floor Budg, C, Village Palkar, Pakhadi, Andheri (East) Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 22-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of nansfer with the object of '-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **nd** /οτ

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other pasets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cat on of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 31d floor Bldg. C, Village Palkar, Pakhadi, Andheri (East), Bombay.

Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9507|83-84 dated 22-12-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-8-1984,

(1) Shii J K. Bhangley, Shii M S Shinde Shii V K Kadkol Shii S R Barve

(Transferor)

(2) \$mt V A Gokhale

(Transferee)

NOTICE UNDLR SECTION 269D(1) OI THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGF-II BOMBΛΥ

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No AR II|37FE|9506|83-84 —Whereas, J. LAXMANDAS,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing No.

Flat No 302 3rd floor, B Building Village Palkar Pukhadi, Andhen (East) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office.

of the Registering Officer at Bombay on 22-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely \$1-256GI|84

Objections if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flit No 302 3rd floor B-Bldg Village Palkar Pakhadi Andheri (E), Bombay

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bomb by under No AR II 37EE 9506 83-84, dated 22-12 1983

LAYMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assist int Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date 13-8-1984

S-al

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Esmerabla Jacquiline Mr. Slvester Jacquiline Misquitta Mr. Bonaventure Jacquiline Misquitta, and Miss Sharmila J. Misquitta.

(2) Ms. Steeleiete Enterprises

(Transferor)
(Transferce)

(3) The Transferors.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EF|3897|83-84.—Whereas, 1, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Plot of land together with structures bearing S. No. 143-A, J. No. 7(P() CIS No. 1522 (Pt) & 1522/2 F. P. No. 431 of TPS V, Vile Parle (East)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office the Competent 3uthority at Bombay on 22-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Plot of land together with structures bearing S. No. 143-A, H. No. 7(Pt) CTS No. 1522 (Pt) & 15522 2 F. P. No. 431 of TPS-V Vile Parle (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No AR.II|371-F|3897|83-84 dated 17-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-H
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Date: 13-8-1984,

Seal :

FORM ITNS ...

(1) Shir Biri Mohan Thakurdas Dudeja

(Transferor)

(2) Shir Gurumukh G. Valiat i

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Bombay the 3th August 1984

Ref No AR 11 37FE 9532 83 84 —Where is 1 LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000 and bearing

No 8 Kamal Kunj Sub Plot 6 at North of Erla Nalla JVPD Scheme, Bombay 400049

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

it Bombay on 26 12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the seid Λct, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections it any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a seried of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Office! Care the

1 YPLYNATION —The terms and expressions used her in as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

8 Kamal Kunj Sub Plot 6 Plot 6 at North of Erla Nall 1 J V P D Scheme Bombay-400049

The agreement has been real tered by the Competent Authorny Bombay under No AR II 37EP 9532 83-84 dated 26 12-1983

I AXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income tax
Acquisition Range II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely

Date 13.8.1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II.37EE|9589|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 18, 3rd floor, Parag Bank of Baroda Emp Co-op Housing Society, Bamanwada, Andhert (East), Bombay-400099 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 8-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the sauce of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Ramniklal Chhaganlal Selanki.
- (Transferor)
- (2) Mr. Avinash Parushottam Bhatkhande.
- (3) Transferor.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 18, 3rd Floor, Parag, Bank of Baroda Employees Co-operative Housing Society, Bamanwada, Andheri (East), Bombay-400099.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.Π|37EE|9589|83-84 dt. 8-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-8-1984

Seal :

(1) Mis. Z. F. Bharmal

(Transferoi)

(2) Mr. Sairam Venkataraman,

(Transeferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Rel. No. AR. II[37EE]9341[83-84.— Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

Flat No. 5. 1st floor, Manish Darshan No. 3 Pipeline Road, Ofl. Andheri Kurla Road, Sahai, Bombay-400 059 (and more fully described in the schedule annexed hereo) has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 12-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the send Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, Manish Darshan No. 3 Pipe Line Road, Off. Andheri Kurla Road, Sahar, Bombay-400059.

The agreement has been registared by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|9341|83-84, dt. 12-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-8-1984

ل 17 کوئی جیسے

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri J. K. Bhangley, Shri M S. Shinde, Shri V K. Kadkol, and S. R. Barve

(Transferor)

(2) Dr. (Mis.) Shadaja A. Dabholkar,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref No. AR. II,37EE,9505,83.84.---Wherens, 1, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing S. No. 49, Hissa No. 1 B CTS No. 109 Village Palkar, Pakhadi, Andheri (Eust) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act 1961; in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 22-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions ued herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

S. No. 49, Hissa No. 1B, CTS No. 109, Village Palkar, Pakhadi, Andheri (East).

The agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under No. AR II 37EE 9505 83-84, dt. 22-12-83.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :--

Date: 13-8 1984

FORM ITNS ---

(1) Deepak Builders Pvt. Itd

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC 1, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii k K Raghayan

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OF FICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay th 13th August 1984

Ref. No. AR. II/37EF 9403/83 84. -Whereas, 1, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25000 and bearing

No. Flat No. 101, 1st floor of Bldg. No. B Plot No. 12 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (Fast), Bombay-400059

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 17-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersioned ;---
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gizzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Bability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 tespect of any income arising from the transfer
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Hat No. 101 on 1st floor of Building No. B on Plot No. 18 in Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Road, Andheri (Fast) Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authomy, Bombay under No. AR.II 37FF 9403[83-84, dt. 17-12-83.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 13-8-1984

Seal:

FORM ITNS----

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri P. S. Jawadekar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9304|83-84 —Whereas, 1, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 306, Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-400 059

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 9-12-1983

at Bombay on 9-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exp res later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 306, 3rd floor of Bldg. No. A, Plot No. 18 in Bhawani Nagar at Marol Majoshi Road, Andheri (East) Bombay-400059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9304|83-84. dt. 9-12-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subnection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 13-8-1984

Seal :

(1) Mehta Construction Co.

(Transferor)

(2) 1. Mr. Guilmon Costa Correia. 2. Mrs. Maria Costa Correia.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EI 9226|83-84.- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the movable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000 and bearing Flat No. 8, Plot 'B' S. No. 42, Mulgaon Village at Mahakali Road, Andheri (East), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under sea. 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent 269AB of the Authority,

at Bombay on 3-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice m the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, on Plot B-S. No. 42, Hissa (Pt.) No. 11 of Mulgaon Village at Mahakali Road, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under AR. II 37EE 9226 83-84, dt. 3-12-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Scal:

Date: 13-8-1984

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rions, namely :--2 -- 256GI | 84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INITIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIDE COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR. II]37EE|9205|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Flat No. 31, 4th floor, La Belloe Building, Village Shar, Andheri (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Ac to the following persons, namely:—

(1) Mls, Bhavna Builders & Contractors.

(Transferor)

(2) Shri Jehangir J. Khatow & Shri Khushroo J. Khatow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 4th floor, La Belloe Building, Village Sahar, Bamanwada Road, Andheri (East) Bombay-400057.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9205|83-84, Dt. 3-12-1983

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 13-8-1984

FORM I.T.N.S.—

(1) Goyal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Avinash Raghunath Samant and Shri Ajay Avinash Samant.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II[37EE]9203[83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 201, A-Wing, Minal Apartments Old Nagardas Rd.,

Andheri (East), Bombay-40009 (and more fully described in the

schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority, Bombay on 3-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-iaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 201, A-Wing, 'Minal Apartments' Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-400009.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9203|83-84, dated 3-12-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JI, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984

(1) Mrs. Rohini Devi.

(Transferor)

(2) Mr. Jagdishsingh B. S. Kalsi, Mr. Jashirsingh B. S. Kalsi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9496|83-84.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the acome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Shop No. 5, A-Wing, San Apartments, Cooperative Housing
Society Ltd., J.P. Road, Andheri (West), Bombay-400058.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 22-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, A-Wing, Sai Apartments, Cooperative Housing Society Ltd., J.P. Road, Andheri West), Bombay-400058

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|9496|83-84, dated 22-12-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
respecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said **Example 1** of 1974 pies out to (1992 uoi) of (1) uoi) of Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Date: 13-8-1984

FORM I.T.N.S.--

N.S. (1) M/s. Raviral Developers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Judy D'So uza & Mr. Lewelyn D'Souza (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons.

Bombay, the 13th August 1984 Ref. No. AR-II|37EE.9541|83-84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 0001- and bearing

vable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 405, 4th floor, 'Denzil' at Plot No. 31 of S. No. 41 (Part) Oshiwara, 4 Bunglows, Andheri (West). situated at Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered u|s. 269AB of the J.T Act 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 19-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferred with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or cvasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 495, 4th floor, 'Denzil', at Plot No. 31 of S. No. 41 (Part) Oshiwara, 4 Bunglows, Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR-II|37EE.9541|83-84 dated 19-12-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursunace of Section 269C of the said Act, I hereby indicate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984,

(1) Shri Jethanand Kalumal Bhatia

(Transferor)

(2) Rahim Jabedali Ajani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR-II|37EE|9399|83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 43 in Jewel Mahal Shopping Centre, Ground floor, J. P. Road, Seven Bungalow, Andherl, Bombay-61. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred uls 269AB of the I.T. Act

1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 43, Jewel Mahal Shopping Centre, Ground floor, J. P. Road, Seven Bungalow, Andheri, Bombay-61. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-II|9399|83-84, dated 17-12-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 13-8-1984.

(1) Inderlit Properties Pvt Ltd

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Padma T. Tiwatia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 16th August 1984

Ref. No. AR-II|37EE|9168|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 8, 2nd floor, 'B' Wing, 'TWIN TOWERS' situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered u/s. 269AB of the I.T. Act 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay, on 1-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8 on 2nd floor 'B' Wing in the proposed building 'TWIN TOWERS' Plot No. 8A-8B, Survey No. 41 (pt) situated at Village Oshiwara, Four Bungalows, Off. J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay. under Serial No. AR-II|37EE|9168|83-84, Date 1-12-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tal
Acquisition Range, Bombay

Date: 16-8-1984.

FORM TINS-

(1) Ms. Inderjit Projecties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 16th August 1984

Ref. No. AR-Π|37ΕΕ|9170|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.0001- and bearing No.

Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 8, 4th floor, 'TWIN TOWERS' situated at Oshi-wara.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under and the agreement is registered uls. 269AB of the I.T. Act 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay, on 1-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. Sitadevi A. Kanojia

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8 on 4th floor in proposed building 'TWIN TOWERS' Plot No. 8A-8B, Survey No. 41 (Pt) situated at Village Oshiwara, Four Bunglows, Off. J. P. Road, Versova, Andheri (West) Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-II|9170|83-84, dated 1-12-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 16-8-1984.

(1) M/s. Super Engineering Works

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mls. Sun Plastics.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombag, the 13th August 1984

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-II|37EE|9462|83-84.Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 |and bering No.

Ravi Industrial State, Mahakali Caves, Road, Andheri (E) Bombay-400 6093. situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay, on 1-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Ravi Industrial Estate, Mahakali Caves Road, (E) Bombay 400 093.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II 37EE 6462 83-84, dated 1-12-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authoria Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the followpersons, namely .-83—256GI|84

Date: 13-8-1984

(1) Mr. Ashok L. Whabi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Nanik L. Gogia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, 13th August 1984

Ref. No. AR-II[37EE]9363[83-84,-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
Flat No. 15 Block 'B' in Woodland Co. op. Housing Society Ltd., 4 Bunglows, Off J. P. Road, Andheri (West),
Bombay-400058 situated at Bombay

The Schedule annexed hereto.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay, on 15-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Acr, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 15 Block 'B' in Woodland Co. op. Housing Society Ltd., 4 Bunglows, Off J. P Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II]37EE|9363|83-84. Authority, Bombay dated 15-12-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1984.

(1) Mrs. Poonam Bali Gidwani

(Transferor)

(2) Mr. Devi Shankar Ambalal Parmal

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

> Bombay, 13th August 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.II|37EE|9384|83-84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 3, 'D' Wing on Ground floor at Sai Sadan, Ratannagar, Off J. P. Road, Versova, Bombay 400-061 situated at Bombay.

situated at Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay, on 15-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. 3 'D' Wing on Ground floor at Sai Sa Ratannagar, Off J. P. Road, Versova, Bombay-400061.

The agreement has zbeen registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR [II] 37EE | 9384 | 83-84, Dt. 15-12-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mis. Laxmi Industrial Estate

(Transferor)

(2) Shri Babulal Motichand Doshi

(Transferce)

(3) Transferce

(Person in occupation of the Property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9389|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property naving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Industrial Unit No. R. H. of Phase No. 25 & Unit No. G of Phase No. 27 in Laxmi Industrial Estate Off. Veera Desai Rd. Oshivara, Bombay-58 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay, on 17-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. R. H. of Phase No. 25 and Unit No. G of Phase No. 27 in Laxmi Industrial Estate Off. Veera Desaid Road, Oshivara, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9389|83-84, Dt. 17-12-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984.

Scal .

(1) Ms. Sunder Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Padmavathy Krishnamurthy Mrs. Meenakshi Natrajan

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, 13th August 1984

Ref. No. AR-II|37EE|9400|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.

and bearing No.
Shop No. 8, Ground floor, 'A' Bldg. 'Sunder Park', at Off Vecra Desai Road, Andheri (West), Bombay-400 058. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the matter with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922; (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 8. Ground floor, 'A' Bldg. 'Sunder Park' at Off Veera Desar Road, Andheri (West), Bombay-400 058. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under AR.II||37EE9400|83-84, dated 17-12-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984.

(1) Mr. Pramod Venkatraman Wamat

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M|s. Span Engineers & Consultants

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, 13th August 1984

Ref. No. AR-II|37EE|9495|83-84,Whereas,I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inc., me-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 407, 4th floor, B-Wing, Shree Gopinath Krupa Co. op Hsg. Soc. Ltd., Manish Nagar, 4 Bunglos, J. P. Rd., Andheri (West), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 22-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION 8—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 407, Plot No. 40-B, Shree Gopinath Co. operative Housing Society Ltd. Manish Nagar, 4 lows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR|II|37EE|9495|83-84., Dt. 22-12-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-8-1984.

(1) M/s. Laxmi Industrial Estate

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms Vandana Chemicals

(Transferce)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, 13th August 1984

Ref. No. AR-II|37EE|9528|83-84.—Whereas,I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Industrial Unit No. K of Phase No. 27, Laxmi Industrial Estate, Off. Veera Desal Dr. Oshlvara, Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

of the Competent Authority at Bombay, on 16-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. K of Phase No. 27, Laxmi Industrial Estate, Off. Veera Desal Road, Oshivara, Bombay-400,0058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9528|83-84, Dt. 26-12-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984.

FORM ITNS----

(1) Mr. Jamnadas Deepchand Bhagnani

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Suvarra Shri Krishna Herwadkar

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned:-

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this poice in the Official Gayette.

Bombaq, the 13th August 1984

being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

cation of this notice in the Official Gazotte.

Ref. No. AR-II]37EE|9534]83-84.--Whereas,I, LAXMAN DAS,

Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. C|203, Laxmi Ratan Co.op. Housing Society Ltd., Bldg. No. 9, 4 Bunglows, Ratan Nagar, Andheri (West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay, on 19-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

Flat No. C|203, 2nd floor, Laxmi-Ratan Co. Operative Housing Society Ltd., Bullding No. 9, Four Bunglows, Ratan Nagar, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9534|83-84, Dt.

19-12-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authorit
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Date: 13-8-1984.

(1) Mr. M.P. Bahl & Mr. Rajan Bahl

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M.H. Poiserwalla

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9544|83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. 124, 1st floor in 'Sheetal' K-Wing, at Seven Bunglows, Off Jay Prakash Road, Versova, Andherl (West), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 19-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 124 'Sheetal K-Wing at Seven Bunglows Off Jay Prakash Road, Versova, Andheri (West)

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR. $|\Pi|37EE|9544|83-84$, Dt. 19-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

48—256GI|84

Date: 13-8-1984

(1) M|s Om ex Builders & Contractors

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mahesh Ishwardas Madhrani & Mrs. Gita M. Madhrani

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9549|83-84.-Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Flat No. 302, Triphitak Co.op. Hsg. Soc. Ltd. Ambivli, Andheri (W) and situated at Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered

under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as giver in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 302, Triphitak Co.op. Hsg. Soc. I.td., Ambivli, Andheri(West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II | 37EE | 9549 | 83-84, Dt. 7-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-8-1984

---- (1) Smt. Usha Khalkhamkar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ramchand P. Bhaptani & Smt. D. P. Bhagtani

(3) Smt. Devl P. Bhagtani

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9580|83-84.—Wherens, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

25,000|- and bearing
No. Flat No. B|104 Lands End, 1st floor, Lokhandwala Complex, 4 Bunglows Andheri(West), Bombay 400 058
(and more fully described in the Schedule appeared beauty)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 8-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said assentment of transfer with the object of:

- (u) facilitating the reduction or evasion of the habitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B|104 Lands End, 1st floor, Lokhandwala Complex 4 Bunglows, Andheri (West), Bombay 400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9580|83-84 Dt. 8-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 13-8-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Gopi T. Surtani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gurubux Amarnath Vig

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONFR OF INCOME-TAX

ACQUISION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.JI[37EE[9593]83-84.—Whereas, 1, LAXMANDAS.

neing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. Flat No. 12, 2nd floor of Samunder Darshan Co.op. Hsg.
Society Ltd. 159. off. 4 Bunglows, Off Andheri Versova Rd.
Andheri (West) Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
hear transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the comideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd floor of Samunder Darshan Co. operative Housing Society Ltd. 159. Off Four Bunglow, Off Andheri Versova Road, Andheri (West), Bombay 400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9593|83-84, Dt.

1-12-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-t. Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ' -

Date: 13-8-1984

NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3860|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. B-3, Co.op. Housing Society Gulmohur Cross Road No. 12, J.V.P.D. Scheme, Bombay 400 049

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269. B of the Income-tax Act, 1961, in the office of Competent Authority at Bombay on 12-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said marrument of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afone ud property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

(1) Shri Gurmukh Gurditamal Valrani

(Transferor)

(2) Mrs. Khushwant Kaur Jaggi

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter

THE SCHEDULE

Flat No. B-3, Yoga Co.op. Housing Society Gulmohur Cross Road No. 12, JVPD Scheme, Bombay 400049

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II|37EE|3860|83-84. Dt. 12-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authorit
Inspecting Assett. Commissioner of Income-toAcquisition Range-II
Bombay

Date: 13-8-1984

FORM ITNS----

(1) Smt. Hansa Alias Anjana Suresh Sanghavi (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Jitendra Kantilal Shah & Smt. Ilaben Jitendra Shah

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3852|83-84.-Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Block No. 6 B-Wing Vallabh Bhuvan, 20 Bapubhai Vashi Rd., Vile Parle (W)

Bombay-56

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 6, B- Wing, Vallabh Bhuvan, 20 Bapubhai Vashi Road, Vile Parle (West), Bombay 400056.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3852|83-84 Dt. 9-12-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-8-1984

(1) M/s Kanti Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Usha Balikrishna Kalkhamker

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3854|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Flat No. 202, Wing-A, 2nd floor, Dadabhai X-Rd., Vile Parle (West) Bombay 400056.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay text under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazette.

EYPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Wing A, 2nd floor Dadabhai X-Road, Vile Parle (West) Bombay 400 056.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]3854[83-84, Dt 9-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984

(1) M|s Ashok Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3836|83-84.-Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 909|- and bearing

No. Flat No. 2, Ground floor, 'Anupam Apartments' Vile Parle (West) Bombay 400056.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wrising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Jagdish Bhogilal Mody Prahlad Bhogilal Mody

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor 'Anupam Aparmtemets' Vile Parle

(West) Bombay 400 056.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 3836 83-84, dated 5th December, 1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-8-1984

(1) Anand Lakshmi Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mt. Mamdeo Sadashiv Morye

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II[37EE]3835[83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing
No. Flat No. 2, 1st floor, Plot No. 259 of Vile Parle TPS No.
V, S. No. 117, H, No. 22 at Sai Dham P.M. Rd. Bombay.
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority at
Bombay on 5-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Building under construction bearing plot No. 259 of Vile Parle, TPS No. V, S. No. 117, H. No. 22 at Sai Dham, P.M. Road, Vile Parle (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3835|83-84, Dt. 5-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt Comprissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
85—256GI|84

Date: 13-8-1984

(1) Mr. S. Surayanarayanan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shridhar N. Shetty

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II]37EE]9593|83-84,—Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 6 'Panchasheel' Punjab National Banks Officers Co.op. Hsg. Society Ltd. Veera Desai Road, Andheri (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- *A) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer:
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any manages or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 'Panchasheel' Punjab National Bank's Officers' Co-operative Housing Society Ltd., situated at Plot No. 02, S.No. 111, Veera Desai Road Andheri (West), Bombay 400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9161|8384 dated 1-12-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Date: 13-8-1984

(1) Smt. Meena S. Merchant

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sunita Narayan Kurani

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3839|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Flat No. 303, Pooja Apts., Plot No. 613, 17th Rd., Bombay 400 052

(and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 if 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, Pooja Apartments, Plot No. 613, 17th Road Bombay 400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 3839 83-84 8-12-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 13-8-1984

FORM ITMS---

(1) Mr. Pyarali Gulamhusein Rajani

(3) Transferee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Aziz Mohanbhai Hudda Mrs. Rehana Shir az Mohanbhai Hudda

(Person in occupation of the property)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9162|83-84.-Whereas, J, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 15 Bldg. No. 4 Yagnik Nagar Triune Co.op. Hsg. Soc. Ltd. Amboli, Andheri (West), Bombay. 58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the

Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 38 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd floor, Bldg. No. 4., Yagnik Nagar, Tribune Co. op. Hsg. Society Ltd., Jai Bhavani Mata Road, Amboll, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, 2-12-1983. Bombay under AR.II 37EE 9162 83-84 dated

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9163|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 2, 4th floor, Sajid Tower, 58|59 Mogra Village, Andheri (West), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Mis. Olinda Notonha;

2. Mr. Alexander Xavier Notonha.

(Transferor)

(2) M/s. Chouhan & Brothers.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the maid immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used never as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 4th floor, Sajid Tower, 58|59 Morga Village, Andheri (West), Bombay-400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9163|83-84, dated 1-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 13-8-1984

(1) Shri Suresh Motiram Punjabi.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Krishnamoorthy Tantry.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.III37HEI9167183-84.—Whereas, f. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Flat No. D-4, Gitaprakash Coop. Hsg. Soc. Ltd., Jaya Pra-Rd., Andheii (West), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB, 1961. in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-12-1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nervous, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-4, Gita Prakash Co.op. Housing Society Ltd., Plot No. 143|2|A, Jaya Prakash Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]9167[83-84, dated

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 13-8-1984

(1) M|s. Acme Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri G. S. Shippy and Rita G. Shippy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9172|83-84.- Whereas, I,

LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Shop No. 21, Anuradha, S. No. 213 C (Part) CTS No. 471-A, Irla Bridge, SV Road, Andheri (West), Bombay-58

1-12-1983.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property an dI have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms ond expressions unsed herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 21, Anuradha, bearing No. S. No. 213-C (Part) CTS No. 477-A, Irla Bridge, S V. Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 9172 83-84, dt. 1-12-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1984

FORM ITNS----

(1) M/s. Thakkar & Karwa Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Arun Khanna & Sushil Khanna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9313|83-84.—Whereas, 1, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25.000; and bearing No.

Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 505, 5th floor, Rotary Park View, Co.op. Hsg. Society Ltd., 'Kush Apartment' Veera Desai Rd., Andheri

(West), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

Bombay on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as exceed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 505, 5th floor, Rotary Park View, Co-operative Housing Society Ltd., 'Kush Apartment' Veera Desai Rd., Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9313|83-84, dated 9-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984

· --- --- ----

FORM I.T.N.S.--

(1) Smt. Mukulben Samir Munshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Subhash Ramdas Kamath.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE II. BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II[37EE]9327[83-84.—Whereas, 1. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing No. Flat No. 15, La-Teressa, Co.op. Housing Society Ltd., Plot

No. 140-B, Near Kamgar Nagar, 4, Bunglows Rd., Andheri (West), Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Authority,

Bombay on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid nexceeds the apparent consideratio therefor by more than fifteen per cent of such apparent conuideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--- 86 --- 256GI|84

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 15, La-Teressa Co.op. Hsg. Society Ltd., Plot No. 140-B, Near Kamgar Nagar, Four Bunglow Road, Andheri (West), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9327|83-84, dated 13-8-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-8-1984

(1) M|s. Minoo Builders.

(Transferor)

(2) Zarina Mirza & Amin Ali,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II[37EE]9347[83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000]- and bearing No. Flat No. 3, 2nd floor, 'A' Bldg. Minoo Minar' at Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 12-12-1983

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesa'd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Agt, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 2nd floor, 'A' Bldg., 'Minoo Minar' at Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9347|83-84, dated 12-12-1983:

> **LAXMANDAS** Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9360|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 804, 8th floor, 'Everest' Bldg., Jayprakash Narayan Rd., Versova, Andheri (West), Bombay-400 061

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 15-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely 1000.

(1) Ms. Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

(2) Mrs. Alpana A. Pandit.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ax. hall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 804, 8th floor, 'Everest' Bldg., Jayprakash Narayan Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 9360 83-84, dated 15-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 13-8-1984

FORM ITNS----

(1) M|s. Shivshakti Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Nanchand Jain & Sons.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9536|83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Industrial Shed No. 44, Phase No. III Shivshakti Indl. Estate, Andheri Kurla Rd. Andheri (East). Rombay 400 059

Industrial Shed No. 44, Phase No. III Shivshakti Indi. Estate, Andheri Kurla Rd., Andheri (East), Bombay-400 059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 19-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No 44, Ground floor, Phase No. III, Shivshakti Industrial Estate S. No. 79, H. No 15, S. No. 80 H, Andheri (East), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III37FE|9536|83-84, dated 19-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984

FORM I.T.N.S.

(1) Shri J. M. B. Industries.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shyam Bhojwani, Trustce, Shyam Family Trust. (Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI, BOMBAY Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.JI|37EE|9481|83-84.--Whereas, 1, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Fala No. A-16, Bldg. A, M|s. Girikunj Indl. Premises Co.op. Society Ltd., Andheri (East), Bombay-400 092 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facultating the conceanment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said, Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shed No. A-16, situated at Giri Kunj Industrial Estate, Polt No. 34, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-400 093.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II₁37EE|9481|83-84, dated 23-12-1983

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-8-1984

(1) Shri Shantaram Harishchandra Kubal.

(Transferor)

(2) Smt. Chandrabhaga Rajaram Parab.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II | 37EE | 9387 | 83-84. - Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority

under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Flat No. 10, Bldg. 'A' Biranagar Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Andheri (E), Bombay-69

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Building No. 'A', Biranagar Co.-operative Housing Society Ltd. at Mathuradas Visanjee Road, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]9387[83-84, dated 17-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incone-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

AR.II|37EE|9338|83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS.

LAXMANDAS, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Industrial Shed No. 142, Phase No. III, Shivshakti Indl. Estate, Marol Village, Andheri Kurla Road, Andheri (West), Bombay-400 059 (and more fully described in the achestyle approach.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent sideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) M/s. Shiv Shakti Builders.

(Transferor)

(2) M's Katvayani Printers.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 142, first floor, Phase No. III, Shivshakti Indl. Estate S. No. 79, of Marol Village, of Andheri Kurla Road, Andheri (East), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9338|83-84, dated 12-12-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namaly :--

Date: 13-8-1984

(1) Mls Parikh Vaz Builders

(Transferor)

(2) Shri Motilal Jagannath Marwal

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-1 \\ ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II **ROMBAY**

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR. II|37EE|9224|83-84.-Whereas. I. LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 8, 1st floor, S No 45, Kontivita, Bamanpuri Road, Andheri (East), Bombay-59,

situated at Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

Bombay on 5-12-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 1st floor, S. No. 45, Kontivita, Bamanpuri Road, Andheri (East) Bombay-59.

The agreement has been registered by Authority, Bombay under No. A.R. II|37EE|9224|83-84, dated 5-12-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Bombay.

Date 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR. II|37EE|3833|83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Unit No. 4, Second floor, Patel Apartments, S. V. Road,

Santacruz (West) Bombay-400 054.

situated at Bombay

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-12-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such truesfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westh-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 87---256GI|84

(1) Shri Mahomed Umer Patel Amina Mahomed Patel

(Transferor)

(2) Shri Munnawar U. Khan

(Transferce)

(3) Shri Gordhandas R. Panchal & Kantaben G. Panchal

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor transferee

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any othr person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Unit No. 4, Second floor, Patel Apartments, 84 S.V. Road, Santacruz (West), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3833|83-84., dated 5-12-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 13-8-1984

(1) Shri Mohammed Umer Patel Amina Mahomed Patel

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jaslin M. Khan

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR. II|37EE|3832|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000|- and bearing

Unit No. 5, 2nd floor, Patel Apartments, 84 S.V. Road, Santacruz (West), Bombay-400 054.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961

in the office of the Competent Authority

Bombay on 5-12-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given use that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 5, 2nd floor, Patel Apartments, 84 S.V. Road, Santacruz (West), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|3832|83-84. dated 5-12-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Date: 13-8-1984

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR. II|37EE|3851|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961)

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing No.

Unit No. 6, 3rd floor, Patel (Apartments, 84 S. V. Road, Santacruz (West), Bombay-400 054,

situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-12-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohammed Umer Patel Amına Mahomed Patel

(2) Shri Munnawar U. Khan Mohammed Manzil (Transferce)

(3) Shri Laxmidas C. Shah

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor & Transferee
Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 6, 3rd floor, Patel Apartments, 84 S. V. Road, Santacruz (West), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|3851|83-84 dated 5-12-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge-II
Bombay

Date: 13-8-1984

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR. II|37EE|3830|83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Unit No. 7, 3rd floor, Patel Apartments, 84 S. V. Road, Santacruz (West), Bombay-400 054,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961

in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-12-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohammed Umer Patel Amina Mahomed Patel

(Transferor)

(2) Shri Sushail Munnawar Khan

(Transferce)

(3) Shri Rasiklal Chhaganlal Shah

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor transferee

Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 7, 3rd floor, Patel Apartments, 84 S. V. Road, Santacruz (West), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|3830|83-84, dated 5-12-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Date: 13-8-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR. 11|37EE|3817|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

seing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and hearing No.

rine said Act, have reason to believe that the ininovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing No. 1 lat No. 23, 2nd floor, Queens Park Bldg., 'A' Plot No. 71]1, Juhu Village, Juhu Road, Santacruz (West), Bombay-400 049 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-12-1983,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mohini Alias Radhabai K. Balani Shri Shrichand Wadhwani

Shri Kamalkumar Wadhwani

(Transferor)

(2) Sudhir Gupta

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23, 2nd floor, Queens Park Bldg. 'A' Plot No. 71 | 1 Sr. No 71 of Juhu Village, Juhu Road, Santacruz (West), Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|3817|83-84, dated 3-12-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commisioner of Income-tax
Acquisition Kange-II
Bombay.

Date: 13-8-1984

FORM LT.N.S.-

(1) M Minoo Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sushila Pujari & Mr. Shankar Rama Pujarl

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR. II|37EE|3933|83-84.-Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.
Flat No. 2, 2nd floor in Minoo Apartment, Nanda Pathor
Road, Plot No. 332 Vile Parle (East),
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemen is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-12-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fairmarket value of the property as afore exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration nand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 2nd floor, in Minoo Apartment, Nanda Pathor Road, Plot No. 332, Vile Parle (East), Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II 37EE 3933 83-84, dated 24-12-1983.

> **LAXMANDAS** Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :-

Date: 13-8-1984

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR. II|37EE|3910|83-84.-Wheras, I, LAXMANDAS,

LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. A[3, Gopal 3-Room, Tejpal Scheme 2nd Road, Vile Parkets (A) (A) (A)

Parle (E), Bombay-400 057 (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-12-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bttween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri S. K. R. Pillai

(Transferor)

(2) Shri N. S. Raghavahariharan

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A|3, Gopal, (Ground floor) 3-room—Tejpal Scheme 2nd Road, Vile-Parle (E), Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|3910|83-84, dated 22-12-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-8-1984

FORM LT.N.S .-

(1) Shaco Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Uttamchand Khurana

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR. II|37EE|3908|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and hearing

and bearing
Flat No. 502 'Shaco Apartments', Irla, Vile Parle (West),
(and more fully described in the Schedule annexed hereio),
has been transferred

and the agreement is registered u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay-400 058 on 22-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, Shaco Apartments, Shaco Apartments Kripa Nagar, Irla, Vile Parle (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|4414|83-84, dated 22-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely:—
Seal:

Date: 13-8-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) M|s Jayshree Builders (India)

(Transteror)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kantilal Harishankar Vadia

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR. II|37EE|3904|83-84.—Whereas, I, I,AXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 106, 1st floor, Pushpak Apartment, F.P. No. 147, TPS V. at Malaviya Road, Vile Parle (East), Bombay-400 057 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-12-1983,

For an appearnt Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transferand/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 106, 1st floor, Pushpak Apartment, F. P. No. 147 TPS V, at Malaviya Road, Vile Parle (East) Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR. II[37EE[3904[83-84. dated 19-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

88 - 256GU84

Date : 13-8-1984

FORM ITNS----

(1) Mls Ashok Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Jacob Mathews

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR 11]37EE[3900]83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (heromafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

Flat No. 4, 1st floor, Anupam Apartments, Ville Parle (West) Bombay-56

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961

Income-tax Act, 1961
in the office of the Competent Authority at

Bembay on 17-12-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) Jacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, "Anupam Apartments' Next to Alpa Bldg. Sarojini Extension Road, Ville Parle (West), Bombay-6. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|3900|83-84, dated 17-12-1983,

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Date : 13-8-1984

(1) Mehta Construction Co

(Transferor)

(2) Mrs Janita Autolina

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref No AR II|37EE|9586|83-84 --- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property having a fair market value exceeding Rs 25 000 and bearing No.

Flat No 13, 3rd floot, Paras Palace, Plot No B, S No 42, at Mulgion Village at Mahakali Road, Andheri (East), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-12-1983,

for an appai at consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, to respect of any income arising from the transfer: and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the sund Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immeovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 13, 3rd floor, Paras Pulace, Plot No B S No 42 at Mulgaon, Village at Mahakalı Road, Andheri (East), Bombay

The agreement has been registered by the Authority Bombay under No AR II|37FE|9586|83-84, dated 18-12 1983

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income tax Acquisition Range-II Boinbay

Date 13-8-1984

(1) Ms. Indico Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Rajaram Rampratap Pal 2. Jawaharlal Rampratap Pal 3. Kaluram Pratappal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9579|83-84,---Whereas, I. LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the sale Arty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.
Shop No. 2, Ground floor, Vidyadani Co-op. Housing Soc.
Ltd., Sahar Village, Andheri (East), Bombay-69.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority a

Bombay on 8-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wea Act. 1957 (27 of 1957): Wealth-tax

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground floor, Vidyadani Co-op. Housing Soc. Sahar Village, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9579|83-84, dated 8-12-1983,

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-8-1984 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITON RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|10529|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Shop No. 3 Ground floor on Arvind Centre, Plot No. 69, Santacruz (East) Bombay-400055.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 15-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shreemal Builders.

(Transferor)

(2) National Bursh Manufacturing Company. (Transferee)

(3) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3 Ground floor on Arvind Centre, Plot No. 69, Santacruz (East), Bombay-400055.

The agreemest has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10529|83-84, dated 15-12-1983

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 13-8-1984

(1) Manilal Kanji Mota Ratam Ratan,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt, Manjula Visanjin Shah. Smt Vasanti Laxmichand Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITON RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3890|83-84.-Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No. Shop No. 2, Ajay Shopping Centre, at T.H. Karatia Marg, Matunga (West), Bombay-400016. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-12-1983

the Competent Authority, at Bombay on 1-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerations. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ajay Shopping Centre, at T.H. Karatia Marg, Matunga (West), Bombay-400016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3890|83-84, dated 17-12-1983.

> **LAXMANDAS** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act. 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1984

(1) Altaf Abdul Latif Furniturewalla.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mr. Wilfred V. Barretto. Mrs. Vvonne Barretto.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No AR.11|37EE|3889|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25,000]- and bearing No. Flat No. 502, 5th floor, Dilkush, 28 St. Paul's Road, Bandra, Bombay-400050

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-12-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or n period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested n the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The torms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor, Dilkush, 28 St. Paul's Road, Bandra Bombay-400050,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3889|83-84, dated 17-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income. of
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-8-1984

FORM ITNS———

(1) Mrs. Julie Porter.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vithal Harishchandra Mahadik.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITON RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR II|37EE|3888|83-84,-Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the In-ome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Flat No. 14-A, Anand Nagar, Sitladevi Temple Road,

Mahim, Bombay-16.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 17-12-1983

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 14-A, Anand Nagar, Sitladevi Temple Road, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 3888 83-84, dated 17-12-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1984

(1) M|s. B. A. Nerurkar and A. M. Khanja.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ghanshyam Anant Muleye, Ravinder Ghanshyam Mulye, and Ghanshyam Mule.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITON RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3859|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Flat No. 3, Ground floor, TPS IV, College Lang, Off Kashinath Dhuru Road, Ajar Bazar, Dadar, Bombay-400028 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 12-12-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any othr person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meating as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction of evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground floor, TPS IV, College Lane, Off Kashinath Dhuru Road, Agar Bazar, Dadar, Bombay-400028.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3859|83-84, dated 12-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
89—256GI/84

Date: 13-8-1984

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Mohini Alias Radhabai K. Balani, Shri Sri Chand B. Wadhwani, Shri Kamal Kumar B. Wadhwani.

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Chandra Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITON RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3841|83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

Flat No. A|23, Queens Park, Juhu Road, Santacruz (West), Bombay-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Competent Authority at Bombay on 8-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A|23, Queens Park. Juhu Road, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3841|83-84 dated 17-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 13-8-1984

FORM TINS-

- (1) M|s. Khemchand B. Kothari & Co.
- (Transferor)
- (2) Smt. Leena Govind Mehta.
- (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II[37EE]3815]83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 102, Kamal Kuni, B-Wing, TPS II, Mahim, Vcer Savarkar Marg, Bombay-400016.

'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this poster is the Committee of the publication of this poster is the Committee of the publication of th cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 102, Kamal Kunj, B-Wing, TPS II, Mahim,

Veer Savarkar Marg, Bombay-400016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3815|83-84, dated 1-12-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following personn namely:-

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITON RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3814|83-84.-Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 |- and bearing No.

Flat No. 757, 2nd floor Building No. 76A, Gandhi Nagar, Bandra (E), Bombay-51.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been tranferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section '269-C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Balakrishna J. Kulkarni,

(Transferor)

(2) Shri Vinay V. Adhye.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Ravi Ramchandra.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 757, 2nd floor Building No. 76A, Gandhi Nagar, Bandra (E), Bombay-400 051.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 3841 83-84, dated 1-12-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-8-1984

FORM I.T.N.S.

(1) Mls. Nav Bahar Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Jilian Carvalao & Smt. Leila Mary Carvateho

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Rcf. No. AR.II|37EE|9592|83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 103, 1st floor, Plot No. 60-61, Bamanwada Road, Sahar Village, Andheri (E), Bombay-400050.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the competent Authority at

Bombay on 8-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely --- 90---256GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said miniot above property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor, Plot No. 60-61, Bamanwada Road, Sahar Village, Andheri (E), Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9592|83-84, dated 8-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Rombay

Date · 13-8-1984

FORM ITMS--

(1) M/s. Omex Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 209D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R.P.M. Nair & Usha M. Nair.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9550|83-84,---Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 3, Akal Co-operative Housing Society, Ground floor, Building A1 at Andheri (East), Bombay-400099. (and more fully described in the Schedule nnnexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-12-1983.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lucome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Akal Co-operative Honging Society, Ground floor, Bullding A1 at Andheri (East) Bombay-400099.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]9550[83-84, dated 8-12-1983.

I.AXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 13-8-1984

Stal 1

L_

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3953|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

teing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 603, Jamuna Mahal, Prabhat Colony, F.P. No. 70 TPS Santacruz (F), Bombay.

land more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely in

(1) M/s. Januardas M. Choksi & Associates.

(Transferor)

(2) Lataben R. Master.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the sale.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 603, in Jamuna Mahal, Prabhat Colony, Plot No. 73 F.P. No. 70 TPS, Santacruz (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3953|83-84, dated 29-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 13-8-1984

(1) M|s. Jamnadas M. Choksi & Associates (Transferor)

(2) Karunakar Raju Shetty

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3952|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing

No. Flat No. 403, Jamuna Mahel Prabhat Colony, Plot No. 73, F.P.No. 70 TPS. Santacruz (East), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-12-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403 Jamuna Mahel, Prabnat Colony Plot No. 73 F.P. No. 70 T.P.S Santacruz (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No AR.II|37EE|3952|83-84, dated 28-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 13-8-1984

(1) Sh. Shantilal J. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3938|83-84.-Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

racovable property having a tair marke; value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. B-7, 2nd floor, B-Wing, Sangam Sarvattam Co.op. Hsg. Soc. Ltd. 73-74 Relief Road Santacruz (West) Bombay

400 054

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of me liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :--90-256 GI/84

(2) Mayur N. Kadakia Shilpa H. Kadakia

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPINATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-7, 2nd floor, B-Wing, Sagam, Sarvattam Co.op. Housing Society Ltd., 73-74 Relief Road, Santacruz (West) Bombay-400 054

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3938|83-84, dated 26-12-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-8-1984

FORM ITNS ---

(1) Mrs.Kusumala Laxmikant Vaidya.

(Transferor)

(2) Mr. Nafis Ahmed R. Ali.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II 37EE 3892 83-84.—Whereas, I. LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.0001and bearing

Flat No. 17, Kalakunj Society, Subway, antacruz (West)
TPS VI, 5th Road, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 19-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17 Kalakuni Society Subway, Santacruz (West) TPS VI, 5th Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authorlty, Bombay under No. ARJI 37EE 3892 83-84 dated 19-12-1983.

> **LAXMANDAS** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Mohandas Vishindas Chachiani.

(Transferor)

(2) Shri Harbinder Singh Sethi & Shri Manmeet Singh Sethi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR,II|37EE|3866|83-84.-Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing Flat No. 13, Ground floor, 3rd lane, Golibar Deluxt Co.op.

Hsg. Soc. Ltd. Santacruz (East), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 15-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:---

THE SCHEDULE

Flat No. 13, Ground floor, 3rd floor, Golibar Deluxe Coperaty Housing Society Ltd., Santacruz (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3866|83-84 dated Competent 15-12-1983.

> **LAXMANDAS** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Renge-II Bombay

Date: 13-8-1984

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS

(1) Shri Vovind Chandoomal Jiwnani.

(Transferor)

(2) Mrs. Kaushlya Ramesh Sobhani Mrs. Meena Harish Sobhani.

(3) Transferee

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3960|83-84.-Whereas I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 24, B-Block Maya Mahal Purab Pacchim Co.op.
Hsg. Soc. Ltd. 17th Road Khar, Bombay 400 052,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of hie Competent Authority at

Bombay on 1-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 24, B-Block Maya Mahal Purab Pacchim operative Society Ltd., 17th Road Khar, Bombay-400052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 3960 83-84 dated 1-12-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-8-1984

Qeal:

11

FORM ITNS-

(1) Mr. Kishanlal konodia

Sio late Madho Prasad Kanodia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Babu lftekhar Qureshi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.III37EE[3917]83-84.- - Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-

and bearing
Shop No. 6 Plot No. N|A-89 lunction of Pali Road, & Zig
Zag Rd Bandra, Bombay-400 050.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 22-12-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and|or

(b) ditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax -Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Plot No. N₁A 89, Junction of Pali Road, and Zig Zag Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay No. AR. II|37EE|3917|83-84 dated 22-12-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 13-8-1984

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF NCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR. 11|37EE|3902|83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 11, Gurumukh Sagar Co.op. Housing Society Ltd, 24th(29th Road, Bandra, Bombay-400 050.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 18-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian accometax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Hemari bai Hassanand Mathrani
 - (Transferor
- (2) Mr. Abbas S. Chunawalla and Mrs. Atka A. Chunawalla.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the aid Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Gurumukh Sagai Co.op. Housin Society Ltd. 24th|29th Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Complete Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|3902|83-84, dated 18-12-

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-8-1984

Seul:

1083

FORM ITNS

(1) Bhiku Bhagaji Davage,

(Transferor)

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Chemox Export Import Pvt. Ltd.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-JV. BOMBAY

Bombay, the 21st August 1984

Ref. No. AR.IV|37-G|6|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing S. No. 26, Hissa No. 1 Part, S. No. 27, Hissa No. 2 Part, C.T.S. No. 79, Borivali (East), Bombay-400 066 situated at Borivali (East)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the registering officer at Bombay on 2-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property ne aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said -instrument of traumler with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income os any or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days. from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered No. 1211|1980 and Registered with the Sub-Registrar, Bombay on 2-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 21-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jalandhar, the 16th August 1984

Ref. No. Raj.|IAC(Acg.)|2461.--Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No.

House No 2050 situated at Jaiour

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been tran ferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Jaipur on 23-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreel to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

 Shri Dhana Lal Bhanthia Slo Late Shri Motilal Slo Shri Heera Lal ji Oswal House No. 2050 Bhanthia Bhawan, Haldiyan Ka Rasta, J. B. Jaipur.

(Transferor)

(2) Mjs. Gaurava Private Limited, Mittal Bhawan, Hari Marg, Civil Lines, Jaipur,

(Trabsforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gurette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

50% share House No. 2050, situated at Bha Bhawan, Haldiyan ka Rosta, Jaipur, and more fully desale deed registered by the S.R. Jaipur vide regist ation No. 2896 dated 23-12-1983.

MOHAN INGH
Competent A thority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, laipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-and property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 16-8-1984